विश्व में सर्वाधिक
बिकने वाला उपन्यास

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे

Fifty Shades of Grey

ई. एल. जेम्स

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे

ई एल जेम्स एक भूतपूर्व टी.वी एक्ज़ीक्यूटिव, पत्नी व दो बच्चों की मां हैं तथा पश्चिमी लंदन में रहती हैं। वे बचपन से ही ऐसी कहानियां लिखने के सपने देखा करती थीं जिन्हें पाठक चाव से पढ़ें किंतु परिवार व कैरियर के चलते उनके सपने साकार न हो सके। अंत में उन्होंने साहस कर कागज़-कलम उठाया और अपनापहला उपन्यास 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' लिखा। वह 'फिफ्टीशेड्स डार्कर' तथा 'फिफ्टी शेड्स फ्रीड' की भी लेखिका हैं।

हिन्दुस्तान, नई दिल्ली-मंगलवार, 25 जून 2013

50 शेड्स ऑफ ग्रे ने की एक अरब की कमाई

लंदन। ब्रिटेन में आर्थिक मंदी से लोगों के आय में गिरावट आ रही है वहीं, दूसरी ओर 50 शेड्स ऑफ ग्रे की लेखिका ई.एल. जेम्स अरबों में खेल रही हैं। रविवार को उनकी कंपनी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दोशृंखलाओं में प्रकाशित इस किताब ने पिछले छह महीने में 1.26 करोड़ पाउंड (करीब 1.1 अरब रुपये) की कमाई की है। दुनिया भर में इस किताब की सात करोड़ प्रतियां बिकी हैं। करों का भुगतान करने बाद जेम्स को 80 लाख पाउंड का शुद्ध लाभ हुआ है। इनमें से दस लाख पाउंड उन्होंने धर्मार्थ कार्यों के लिए दान दिया है। जेम्स पहले ही बता चुकी हैं कि उनकी यह किताब तीन भागों में प्रकाशित होगी।

ई एल जेम्स द्वारा लिखित पुस्तकें

फिफ्टी शेड्स ऑफ
ग्रे फिफ्टी शेड्स डार्कर
फिफ्टी शेड्स फ्रीड

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे

(विश्व में सर्वाधिक बिक्री वाला उपन्यास)

ई. एल. जेम्स

डायमंड बुक्स

लेखिका ने स्नोक्वीस आइस ड्रैगन के छद्मनाम से इस उपन्यास के कथानक को आधार मानकर आनलाइन धारावाहिक लिखा है, जिसमें 'मास्टर ऑफ द यूनिवर्स' जैसे पृथक पात्र हैं।

ISBN : 978-93-5083-561-6

प्रकाशक: डायमंड पॉकेट बुक्स (प्रा.) लि
X-30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली-110020
फोन : 011-40712100
ई-मेल : sales@dpb.in
वेबसाइट : www.diamondbook.in
संस्करण : 2014
मुद्रक : आदर्श प्रिंटर्स, शाहदरा, दिल्ली-32
FIFTY SHADES OF GREY
by : E. L. James

मेरे ब्रह्माण्ड के स्वामी
निआल के लिए

आभार

मैं सहायता व मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित लोगों के प्रति अपना आभार प्रकट करती हूं:

अपने पति निआल को, जिन्होंने मेरे इस जुनून को न केवल स्वीकारा बल्कि घर को संभालने के साथ-साथ पाण्डुलिपि का पहला संपादन भी किया।

मेरी बॉस लीसा को जिन्होंने मेरे इस दीवानेपन को पूरा करने में हर संभव सहायता दी।

सीसीएल के लिए; मैं कभी नहीं कहूंगी पर धन्यवाद।

मूल बंकर कन्याओं को दोस्ती व लगातार सहयोग के लिए धन्यवाद।

सहायक परामर्श के लिए एसआर को धन्यवाद।

सू मेलोन को धन्यवाद, जिन्होंने मुझे चुना।

अमांडा और टीडब्ल्यूसीएस में सभी को धन्यवाद।

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे

अध्याय-1

मैंने खुद को शीशे में बड़ी कुंठा से निहारा। आग लगे मेरे बालों को–ये काबू में ही नहीं आ रहे हैं और भाड़ में जाए कैथरीन केवेना, जो अचानक बीमार पड़ गई और मुझेमुसीबत में डाल दिया। कहां तो मुझे अगले हफ्ते होने वाले फाइनल पेपरों की तैयारी करनी चाहिए और कहां मैं अपने बालों को सुलझाकर संवारने के लिए पागल हुई जा रही हूं। *मुझे इन गीले बालों के साथ नहीं सोना चाहिए।* मैंने इस बात को मंत्र की तरह रटते हुए एक बार फिर से ब्रश चलाया। फिर मैंने शीशे में हल्के पीले रंग की, भूरे बालों वाली लड़की को देखा, जो अपने चेहरे से कहीं बड़ी नीली आंखों के साथ मुझे ही घूर रही थी, मैंने भी उसे देखकर आंखें गोल घुमाईं और हार मान ली। बस यही चारा बचा था कि बालों को पोनीटेल में बांध लिया जाए ताकि वे कम से कम दिखने लायक तो हो जाएं।

केट यानी कैथरीन कैवेना मेरी रूममेट है और उसने भी फ्लू का शिकार होने के लिए आज का ही दिन चुना। इसी वजह से वह उस इंटरव्यू के लिए नहीं जा पा रही, जिसकी तैयारी काफी समय से चल रही थी। वह अपने स्टूडेंट न्यूज़पेपर के लिए किसी मेगा-उद्योगपति टाइकून का इंटरव्यू लेना चाहती थी। वैसे मैंने आज तक उस इंसान के बारे में कुछ नहीं सुना था। आज मैं अपनी मर्जी से केट का यह काम करने जा रही थी। फाइनल पेपर सिर पर हैं, निबंध निपटाना था और आज दोपहर काम पर भी तो जाना था–पर नहीं, आज तो मुझे 165 मील की ड्राईविंग करके सिएटल जाना है ताकि ग्रे इंटरप्राइज़िज़ होल्डिंग, इंक के रहस्यमय सीईओ से मुलाकात हो सके। हमारी यूनीवर्सिटी को भारी मात्रा में चंदा देने वाला और एक असाधारण उद्यमी–उसका समय सचमुच बड़ा कीमती है–मेरे वक्त से कहीं कीमती–पर उसने केट को इंटरव्यू का समय दिया है। हे भगवान! केट की ये निराली गतिविधियां!

वह ड्राईंग रूम के काउच पर गोलमोल होकर लेटी है।

"एना, सॉरी! मैं पिछले नौ महीनों से इस इंटरव्यू के लिए भागदौड़ कर रही थी। दोबारा इंटरव्यू का समय लेने में छह महीने लग जाएंगे और तब तक तो हमारी ग्रेजुएशन भी हो चुकी होगी। एक संपादिका होने के नाते मैं इसे हाथ से जाने नहीं दे सकती। प्लीज़।" केट ने अपने रुंधे स्वर में कहा। यार! बीमार होने के बावजूद वह कितनी प्यारी और सुंदर लग रही है। उसके स्ट्रॉबेरी ब्लांड बाल अपने ठिकाने पर हैं, हरी आंखें चमक रही हैं। हालांकि उनमें हल्की लाली और सूजन भी दिख रही है। मैंने अपने भीतर से उठ रही अनचाही सहानुभूति की लहर को काबू किया।

"बेशक! मैं चली जाऊंगी केट। तुम्हें बिस्तर में आराम करना चाहिए। क्या तुम नाइक्विल या टाइलीनॉल लेना चाहोगी?"

"नाइक्विल प्लीज़। ये रहे मेरे सवाल और डिजीटल रिकॉर्डर। बस रिकॉर्ड का बटन दबा देना। नोट्स बन जाएंगे तो मैं सब लिख लूंगी।"

"मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानती।" मैं बुदबुदाई और अपने भीतर जाग रहे डर को शांत करना चाहा।

"ये सवाल ही काफी कुछ बता देंगे। ये एक लंबी ड्राईव है। मैं नहीं चाहती कि तू देर से पहुंचे।"

"ओ के! मैं जा रही हूं। तू बिस्तर में जा। मैं सूप बना देती हूं। गर्म करके पी लेना।" मैंने उसे प्यार से देखा। सिर्फ तेरे लिए केट, क्या मैं कर पाऊंगी?

"गुडलक और थैंक्स एना–तूने हमेशा की तरह इस बार भी मेरी मदद की है।"

मैं अपना सामान थैले में डालते हुए उसे देखकर मुस्कुराई। फिर दरवाजे से कार की ओर चल दी। मैं यकीन नहीं कर सकती कि मैं केट की जगह ये काम करने जा रही हूं। वह तो एक जबरदस्त पत्रकार बनेगी, वह कहीं भी, किसी से भी बात कर सकती है। वह बहुत ही सृजनशील, सभ्य, अपनी धुन की पक्की, बहसबाजी में चुस्त और खूबसूरत है-और मेरी सबसे पक्की, सबसे प्यारी सहेली है।

मैं वेंकूवर वाशिंगटन से इंटरस्टेट 5 की तरफ निकली तो सड़कें साफ थीं। अभी काफी टाइम है और मुझे सिएटल दोपहर तक पहुंचना है। वैसे भी मुझे केट ने अपनी स्पोर्टी मर्सीडीज़ सीएलके दे दी है। मैं पक्के यकीन से नहीं कह सकती कि मेरी वांडा यानी पुरानी वीडब्ल्यू बीटल सही वक्त पर सफ़र कर पाती या नहीं? वाह! मर्सी चलाने का भी अपना ही मज़ा है और एक बार स्टार्ट करते ही मीलों गायब होते चले गए।

मुझे मि. ग्रे ग्लोबल एंटरप्राइजेज के मुख्यालय जाना है। ये एक विशाल बीसमंजिला ऑफिस की इमारत है, जो चारों तरफ से कांच और स्टील से घिरी है, एक आर्किटेक्ट की उपयोगितावादी फैंटेसी, आगे वाले दरवाजों के कांच पर छिपे तौर पर स्टील में लिखा

है-ग्रे हाउस। मैंने कांच, स्टील और सफेद सैंडस्टोन से बनी लॉबी में पौने दो के करीब कदम रखा और चैन की सांस ली क्योंकि मैं लेट नहीं थी।

सैंडस्टोन के ठोस डेस्क के पीछे, एक बहुत ही आकर्षक, संवरी हुई गोरी व सुनहरे बालों वाली युवती ने मुझे मुस्कुराकर देखा। उसने बड़े ही भड़कीले रंग में चारकोल सूट जैकेट और ऐसी सफेद शर्ट पहन रखी है, जो शायद मैंने कभी देखी तक नहीं। वह काफी निखरी हुई दिखी।

"मैं यहां मि. ग्रे से मिलने आई हूं। कैथरीन कैवेना की ओर से एनेस्टेसिया स्टील।"

"एक मिनट माफ करें, मि स्टील।" उसने अपनी एक भौं उठाई और मैं अपने में सकुचाई हुई उसके सामने खड़ी रही। मैं सोचने लगी कि काश अपनी नेवी-ब्ल्यू जैकेट पहनने की बजाए केट के फॉर्मल ब्लेजर्स मांग लिए होते। मैंने बड़ी तैयारी के साथ अपनी इकलौती स्कर्ट, घुटनों तक आने वाले भूरे जूते और एक नीला स्वेटर पहना था। मेरे हिसाब से तो यही स्मार्ट था। मैंने अपने चेहरे पर झूल आई लट को पीछे करते हुए दिखावा किया मानो मैं उससे बिल्कुल भी भयभीत नहीं थी।

"मिस कैवेना आने वाली थीं। मिस स्टील आप यहां साइन करें। आप दाईं ओर आखिरीलिफ्ट के पास जाएं और बीसवीं मंजिल के लिए बटन दबा दें।" वह मुझे देखकर दया भरी निगाहों से मुस्कुराई। बेशक मुझे साइन करते देख वह मन ही मन मजाक उड़ा रही थी।

उसने मुझे एक पास दिया, जिस पर 'विज़ीटर' लिखा था। मैं अपनी मुस्कान रोक नहीं पाई। ये तो साफ ही था कि मैं वहां किसी से मिलने ही आई थी। मुझे देखकर ही लगता था कि मैं वहां के लिए फिट नहीं थी। कुछ भी तो नहीं बदलता। मैंने मन ही मन आह भरी।मैं उसे धन्यवाद देकर लिफ्ट की ओर बढ़ी और दो सिक्योरिटी वालों के पास से निकली, जो अपने बढ़िया काले सूटों में मुझसे कहीं अच्छे दिख रहे थे।

लिफ्ट ने बीसवीं मंजिल तक जाने में पूरी फुर्ती दिखाई। दरवाजा खुलते ही मैं एक और लॉबी में आ गई–फिर वही कांच, स्टील व सफेद सैंडस्टोन। वहां भी डेस्क पर एक औरब्लांड युवती वाऊ!

मैंने बैठकर बैग से सवाल निकाले और उन्हें पढ़ने लगी और साथ ही केट को भी कोसा, जिसने मुझे इस बंदे के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं दी थी। मैं जिसका इंटरव्यू लेने जा रहीथी, उसके बारे में राई-रत्ती भी नहीं जानती थी। हो सकता था कि वह नब्बे साल का हो या फिर तीस साल का। मेरे चारों तरफ घबराहट बढ़ रही थी। मैंने कभी भी इस तरह के आमने-सामने वाले इंटरव्यू में खुद को सहज नहीं पाया। मुझे तो ग्रुप डिस्कशन पसंद आती है, जहां मैं कोने में गोलमोल होकर बैठ सकती हूं। वैसे मैं ईमानदारी से कहूं तो मुझे अपनी ही सोहबत पसंद आती है। हाथ में कोई क्लासिक ब्रिटिश उपन्यास और कैंपस लाइब्रेरी का कोई एकांत कोना! इस तरह कांच और स्टील की विशाल इमारत से मेरा कोई लेन-देन नहीं है।

मैंने खुद को देखकर आंखें घुमाईं। स्टील! अपने पर काबू कर। इतनी मॉर्डन और क्लीनिकल इमारत को देखकर तो यही अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि ग्रे चालीस के लपेटे में होगा; फिट, धूप से तपा हुआ और बाकी व्यक्तित्व से मेल खाती हर चीज़।

दाईं ओर के एक बड़े से दरवाजे से एक और बड़ी ही सभ्य और शिष्ट दिख रही ब्लांड ने प्रवेश किया। क्या बात है, यहां सारे ब्लांड लोग ही हैं? मैं एक गहरी सांस के साथ उठ खडी हुई।

"मिस स्टील!" नई वाली ब्लांड ने पुकारा।

"हां जी!" मैंने गला खंखार कर कहा। "जी हां!" इस बार कुछ सही आवाज़ निकली।

"मि. ग्रे आपसे कुछ ही देर में मिलेंगे। मैं आपका जैकेट ले सकती हूं?"

"ओह प्लीज़!" मैंने खुद को जैकेट से बाहर निकाला।

"क्या आपको चाय-पानी पूछा गया?"

"उम्म–नहीं कुछ नहीं चाहिए।" ओह डियर! लगता है कि ब्लांड नंबर वन की शामत आ गई।

ब्लांड नंबर दो ने त्यौरियां चढ़ाई और और डेस्क वाली युवती को आंखें दिखाईं।

"आप क्या लेना चाहेंगी–चाय, काफी या पानी वगैरह?" उसने मुड़कर मुझसे पूछा

"एक गिलास पानी! थैंक्स।" मैं बुदबुदाई।

"ओलीविया! प्लीज़ मिस स्टील के लिए एक गिलास पानी ले आओ।" उसने कड़े स्वर में कहा। वह उठी और बरामदे की ओर चल दी।

"सॉरी मिस स्टील! ये हमारी नई इंटर्न है। आप बैठिए। मि. ग्रे को पांच मिनट और लगेंगे।"

ओलिविया एक गिलास ठंडे पानी के साथ लौटी।

"ये लीजिए! मिस स्टील।"

"धन्यवाद!"

ब्लांड नंबर दो डेस्क की ओर परेड सी करते हुए बढ़ी, सैंडस्टोन के फर्श पर उसकी हील की टिक-टॉक साफ सुनी जा सकती थी। वह बैठ गई और दोनों अपना काम करने लगीं।

शायद मि. ग्रे यही चाहते हों कि उनका सारा स्टाफ ब्लांड हो। मैं यूं ही सोच रही थी कि क्या ये कानूनी तौर पर मान्य है और तभी ऑफिस का दरवाजा खुलते ही मेरे सामनेएक लंबा, शिष्ट कपड़ों में सुसज्जित, आकर्षक अफ्रीकी अमेरिकन आदमी बाहर निकल आया। बेशक मैंने यहां के लिहाज़ से गलत कपड़े पहने थे।

वह मुड़ा और दरवाजे की तरफ देखकर बोला-"ग्रे! इस हफ्ते गोल्फ?"

मैंने जवाब नहीं सुना। वह मुड़ा, मुझे देखा और मुस्कुराया, उसकी गहरी आंखों के कोनोंमें चमक दिखाई दी। ओलिविया ने लगभग उछलते हुए लिफ्ट को बुलवाया। शायद वह बार-बार सीट से उछलने के हुनर में परफेक्ट थी। वह तो मुझसे भी ज़्यादा घबराई हुई लग रही थी।

"गुड आफ्टरनून लेडीज़!" उसने कहा और स्लाइडिंग दरवाजे से बाहर चला गया।

"मि. ग्रे आपसे मिलेंगे, मिस स्टील। आप वहां से जाएं।" ब्लांड नंबर दो ने कहा।

मैं कांपती टांगों के साथ खड़ी हुई और घबराहट पर काबू पाने की कोशिश करने लगी। मैंने बैग समेटा, पानी का गिलास वहीं छोड़ा और हल्के खुले दरवाजे की ओर बढ़ी।

"आपको खटखटाने की जरूरत नहीं है। सीधे चली जाइए।" वह बड़े ही दयाभाव से मुस्कुराई।

मैंने धकेलकर दरवाजा खोला और अपने ही पैरों में उलझकर ऑफिस में जा गिरी। हो गया कबाड़ा! मैं और मेरे दो खुले पांव! मैं मि. ग्रे के ऑफिस के दरवाजे पर हाथों और घुटनों के बल हूं और दो सौम्य हाथ मुझे उठने के लिए सहारा दे रहे हैं। मैं तो शर्म के मारे जमीन में ही गड़ गई। लानत है मेरी बेअक्ली पर! मुझे हिम्मत करके नज़रें उठानी पड़ीं। अरे... ये तो कितना जवान है।

"मिस कैवेना!" मैं उठ गई तो उसने लंबी-लंबी अंगुलियों वाला हाथ मेरी ओर करते हुए कहा-"मैं क्रिस्टियन ग्रे हूं। क्या आप ठीक हैं? क्या आप बैठना चाहेंगीं?"

कितना जवान-आकर्षक, दिलकश। वह काफी लंबा है, एक फाइन ग्रे सूट को सफेद कमीज और काली टाई से पहना हुआ है। गहरे तांबई रंग के बाल और गहरी भूरी आंखें, जो मुझे ही देख रही हैं। मुझे अपनी खोई आवाज़ लौटाने में एक मिनट लग गया।

"ओफ! सच्ची..."

अगर ये बंदा तीस से ऊपर का हुआ तो मैं अपना नाम बदल दूंगी। मैंने बेसुधी में ही उससे हाथ मिलाया। हमारी अंगुलियां आपस में मिलीं तो पूरे शरीर में एक सनसनी सी दौड़ गई। मैंने झट से शर्मिंदा होकर अपना हाथ हटा लिया। मेरी आंखों की पलकें लगातार फड़फड़ा रही थीं और दिल तेजी से भाग रहा था।

"मिस कैवेना नहीं आ सकीं इसलिए उन्होंने मुझे भेजा है। उम्मीद करती हूं कि आप बुरा नहीं मानेंगे, मि. ग्रे!"

"और आप?" उसकी आवाज़ की गरमाहट से भावों का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता था। वह थोड़ा-सा ध्यान दे रहा था और

काफी विनम्र भी लगा।

"एनेस्टेसिया स्टील। मैं केट...कैथरीन...मिस कैवेना के साथ डब्लयू एस यू वैंकूवर में इंग्लिश लिटरेचर पढ़ रही हूं।"

"ओह अच्छा!" उसने सादगी से कहा। मुझे लगा कि शायद उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान भी थी पर पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते।

"क्या आप बैठना पसंद करेंगी?" उसने एल के आकार में बने सफेद चमड़े के काउच की ओर इशारा किया।

उसका ऑफिस एक आदमी के लिहाज से काफी बड़ा था। सामने लंबी-लंबी खिड़कियां थीं और एक आधुनिक किस्म का ऐसा मेज़ था, जिस पर छह लोग आराम से खाना खा सकते थे। गहरे रंग का यह मेज, काउच के पास पड़े कॉफी टेबल से मेल खाता था, इसके अलावा बाकी सब कुछ सफेद रंग में था। दरवाजे के पास वाली दीवार पर बना मोजैक देखने लायक था, करीब छत्तीस पेंटिंग्स चौरस आकार में लगीं थीं। वे चित्र इस तरह रंगे गए थे कि दूर से देखने पर तस्वीरों जैसे दिखते थे। उन्हें एक साथ देखने का मजा ही कुछ और था।

"एक स्थानीय कलाकार, ट्रोटॉन।" ग्रे ने मेरी नज़रों को वहां मंडराते देखकर कहा।

"ये तो बहुत सुंदर हैं। आम को भी ख़ास बनाकर पेश किया है।" मैं बुदबुदाई और मेरा ध्यान उसकी ओर चला गया। उसने अपनी गर्दन एक ओर करते हुए मुझे देखा।

"मिस स्टील! मैं आपकी बात से सहमत नहीं हूं।" उसकी आवाज़ मुलायम थी और पता नहीं क्यों पर मैं शरमाने लगी।

पेंटिंग्स के सिवा बाकी ऑफिस ठंडा, साफ और क्लीनिकल सा दिखता था। मैं सोच रही थी कि क्या इस ऑफिस से उस इंसान का व्यक्तित्व झलकता था, जो इस समय मेरे सामने वाली कुर्सी में धंसा बैठा था।

मैंने अपना सिर हिलाया और बैग से केट के सवाल निकालने लगी। इसके बाद बैग से डिजीटल रिकॉर्डर निकाला और अपनी पूरी बेहाली के साथ उसे दो बार मेज पर गिरा बैठी। मि. ग्रे ने कुछ नहीं कहा, वे इंतज़ार करते रहे और मैं शर्मिंदा होते हुए लजाती रही। जब मैंने उनकी तरफ ताकने की हिम्मत की तो वे मुझे ही देख रहे थे, एक हाथ आराम से गोद में था और दूसरा चिबुक पर टिका था, उनकी तर्जनी होंठों पर थी। मुझे लगा कि वे मुस्कान दबाने की कोशिश में थे।

"सॉ...री। मैं अकबका गई। मैं इन चीजों की आदी नहीं हूं।"

"आप तसल्ली से तैयारी करें। मिस स्टील।" वे बोले।

"अगर मैं आपके जवाब रिकॉर्ड कर लूं तो आप बुरा तो नहीं मानेंगे?"

"आप इतनी मुश्किल से टेपरिकॉर्डर सेट करने के बाद मुझसे ये बात पूछ रही हैं?"

मैं शरमा गई। वह तो मुझे चिढ़ा रहा था। मैंने कम से कम यही मान लिया। मैंने पलकें झपकाई हालांकि समझ नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दूं और शायद फिर उसे मुझ पर दया आ गई और उसने कहा–"नहीं, मुझे बुरा नहीं लगेगा।"

"क्या केट यानी मिस कैवेना ने आपको बता दिया कि इंटरव्यू किसके लिए है?"

"हां। इस साल मैं ही ग्रेजुएशन समारोह में डिग्रियां देने वाला हूं इसलिए इसे स्टूडेंट न्यूजपेपर के ग्रेजुएशन संस्करण में डाला जाएगा।"

ओह! मेरे लिए तो ये खबर है। मैं कुछ पल के लिए इसी सोच में खो गई कि वह इंसान मुझसे मुश्किल से पांच-छह साल बड़ा होगा, वह एक सफल इंसान होने के नाते मुझे डिग्री देने का हक रखता है। मैंने त्योरी चढ़ाई और खुद को काम करने के लिए कहा।

"गुड!" मैंने घबराहट के साथ थूक निगला। "मेरे पास कुछ सवाल हैं। मि. ग्रे!" मैंने बालों की आगे आई लट को संवारा।

"मैंने सोचा कि तुम्हारे पास होने चाहिए।" वह मेरी हंसी उड़ा रहा था। यह सोचते ही मेरे गाल जैसे जलने लगे। मैं सीधा बैठ गई और संभल कर रिकॉर्डर का बटन दबा दिया। अब मैं मोर्चे पर थी और खुद को उसी तरह पेश किया।

"आपने छोटी-सी उम्र में ही इतना बड़ा एंपायर खड़ा किया है। आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहते हैं?" मैंने उसे ताका। बेशक मुस्कान दिखी पर चेहरे पर मायूसी भी थी।

"मिस स्टील! बिजनेस का सीधा संबंध लोगों से है और मुझे लोगों की बखूबी परख है। मुझे पता है कि उन्हें क्या पसंद है, क्या नापसंद है। वे क्या चाहते हैं, उनकी प्रेरणा क्या है या उनसे काम कैसे लिया जा सकता है। मेरे पास एक असाधारण दल है और मैं उन्हें अच्छा पुरस्कार भी देता हूं।" वह रुका और मुझे अपनी भूरी आंखों से पल-भर के लिए घूरा। "किसी भी स्कीम में सफलता पाने का एक ही मंत्र है कि आपको उसके बारे में छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बात की जानकारी होनी चाहिए। मैंने ये सब पाने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं तर्कों और तथ्यों के आधार पर फैसले लेता हूं। मेरे पास एक कुदरतन शक्ति है, जिसके बल पर मैं ठोस विचारों और लोगों को पहचान लेता हूं।"

"हो सकता है कि ये किस्मत का ही खेल हो।" ये केट की लिस्ट में नहीं था पर ये आदमी बड़ा अकड़ू है। उसकी आंखें पल भर के लिए तो जैसे हैरान रह गईं।

"मिस स्टील! मैं चांस या किस्मत में विश्वास नहीं रखता। मैं जितना परिश्रम करता हूं, किस्मत उतना ही मेरे हक में हो जाती है। आपको अपने दल के लिए सही लोगों के चुनावऔर उनकी ऊर्जाओं को सही दिशा में लगाने की कला आनी चाहिए। शायद हार्वे फायरस्टोन ने कहा था-लोगों की वृद्धि और विकास ही नेतृत्व के लिए आवश्यक है।"

"आप तो एक नियंत्रित करने वाले सनकी जैसे लगते हैं। इससे पहले कि मैं खुद को रोक पाती।" मुंह से शब्द निकल ही गए।

"ओह, मिस स्टील! मैंने सब कुछ काबू में रखने का अभ्यास किया है।" उसने चेहरे पर हास्य लाए बिना कहा। मैंने उधर देखा और जैसे मेरी नज़र बंध कर रह गई। दिल की धड़कन तेज हो गई और पसीने छूटने लगे।

वह मुझे पर ऐसा असर क्यों छोड़ रहा है? हो सकता है कि वह काफी सुंदर है या फिर उसके देखने का अंदाज़ या फिर निचले होंठ पर अंगुली से टहोका देने की अदा। काश वह ऐसा न करता।

"वैसे भी जब आप मान कर चलते हैं कि आपमें नियंत्रण की क्षमता है तो अपने-आप बल आ जाता है।"

"क्या आपको लगता है कि आपके पास असीम बल है?" मैंने पूछा

"मिस स्टील! मैं चालीस हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता हूं। इससे मुझे एक तरह की जिम्मेवारी और ताकत का एहसास होता है। अगर मैं तय कर लेता कि मैं टेलीकम्यूनिकेशंस के काम को बेच दूं तो उसी समय बीस हजार लोग अपने अगले महीने की किस्तें चुकाने के लिए सोच में पड़ जाते।"

मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। मैं उसकी सपाटबयानी से दंग थी।

"क्या आपको बोर्ड को जवाब न देना पड़ता।" मैंने भी हिम्मत नहीं हारी।

"मैं अपनी कंपनी का मालिक हूं। मुझे किसी बोर्ड को जवाब नहीं देना होता।" उसने मुझे तिरछी नजर से देखा। बेशक अगर मैंने थोड़ी खोजबीन रखी होती, तो ये बात मुझे पता होती। पर ये आदमी बड़ा घमंडी है। मैंने बात बदली।

"क्या काम के अलावा भी आपकी कोई रुचियां हैं?"

"मिस स्टील मेरी रुचियां कई तरह की हैं, बहुत अलग तरह की!" पता नहीं क्यों ऐसा लगा कि उसकी आंखें किसी दुष्ट सोच के कारण चमक रही थीं।

"पर आप इतनी मेहनत करते हैं तो मन बहलाव के लिए क्या करते हैं?"

"मनबहलाव?" उसने सफेद दांतों के साथ मुस्कान दी। मेरी सांस तो जैसे वहीं थम गई। वह सचमुच बहुत सुंदर है। किसी को भी इतना सुंदर नहीं होना चाहिए।

"वैसे मनबहलाव के लिए मैं कई तरह की शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेता हूं। हवाई जहाज उड़ाता हूं।" वह अपनी कुर्सी में करवट बदल कर बोला-"मिस स्टील! मैं एक पैसे वाला आदमी हूं और मेरे शौक़ भी काफी खर्चीले हैं।"

मैंने झट से केट के सवालों पर नज़र मारी क्योंकि मैं इस विषय को बदलना चाहती थी।

"आपने निर्माण में निवेश किया है। कोई खास कारण?" मैंने पूछा। वह मुझे इतना बेचैन क्यों बना रहा था?

"मुझे चीजें बनाना पसंद है और मुझे पता है कि वे कैसे काम करती हैं। कैसे उन्हें बनाया या बिगाड़ा जाता है। मुझे पानी के जहाज भी पसंद हैं। और क्या कहूं?"

"ऐसा लगता है कि आप तर्क और तथ्यों की बजाए दिल से सवालों के जवाब दे रहे हैं।" उसने हैरानी से मुझे देखा।

"हो सकता है। हालांकि कई लोग तो ये भी कहते हैं कि मेरे पास दिल है ही नहीं।"

"वे ऐसा क्यों कहेंगे?"

"क्योंकि वे मुझे अच्छी तरह जानते हैं।" उसने होंठों से एक टेढ़ी सी मुस्कान दी।

"क्या आपके दोस्तों के हिसाब से आपको जानना आसान है?" मैं यह सवाल पूछते ही पछताने लगी क्योंकि ये तो केट की लिस्ट में भी नहीं था।

"मिस स्टील! मुझे अपनी प्राइवेसी पसंद है और मैं अकसर इतनी आसानी से इंटरव्यू भी नहीं देता। मुझे अपनी गोपनीय बातें दूसरों के साथ बांटना पसंद नहीं है।"

"तो आपने इसके लिए हामी क्यों दी?"

"क्योंकि मैं यूनीवर्सिटी को चंदा देता हूं और लाख चाहने पर भी मिस कैवेना से पीछा नहीं छुड़ा सका। वह लगातार मेरे पी आर वालों को कोंचती रही और मुझे ऐसी लगन अच्छी लगती है।"

मैं जानती थी कि केट इन मामलों में कितनी अड़ियल थी। तभी तो आज मैं इस आदमी की घूरती निगाहों के बीच बैठी खुद को असहज पा रही थी, जबकि इस समय तो मुझे अपने पेपरों की तैयारी करनी चाहिए थी।

"आपने खेतीबाड़ी की तकनीकों में भी पैसा लगाया है। आपने इस क्षेत्र में निवेश क्यों किया?"

"हम पैसा नहीं खा सकते। मिस स्टील, इस ग्रह पर बहुत से लोग ऐसे हैं, जिन्हें दो वक्त की रोटी भी पेट भर कर नहीं मिलती।"

"ये तो बड़ी ही दरियादिली है। क्या सचमुच आप दुनिया के गरीब भूखों का पेट भरना चाहते हैं?"

उसने कंधे झटके।

"ये तो बिजनेस है।" पर मुझे तो इसमें उसका कोई वित्तीय लाभ होता नहीं दिख रहा था। साफ था कि ये उसके आदर्शों में से एक था।

"क्या आपकी कोई फिलॉसफी है? अगर है तो क्या है?"

"मेरी अब तक कोई फिलॉसफी नहीं है। हो सकता है कि कारनेगी का नियम मेरे लिए आदर्श का काम करता हो: जब कोई व्यक्ति अपने मन को पूरी क्षमता के साथ संभालने की योग्यता रखता है तो वह किसी भी चीज को अपने वश में रख सकता है। मैं भी कुछ ऐसा ही हूं। मुझे खुद पर और आसपास की चीजों पर नियंत्रण रखना पसंद है।"

"क्या आप सभी चीजों को अपने वश में रखना चाहते हैं?"

"हां, काफी हद तक कह सकते हैं।"

"ऐसा लगता है कि कोई उपभोक्ता बोल रहा हो।"

"हां, मैं वहीं हूं।" वह मुस्कुराया पर उसकी मुस्कान होठों के कोनों तक नहीं पहुंची। कितनी हैरानी की बात है कि ये इंसान दुनिया के सारे भूखों को खाना खिलाने की बात करता है। मैं तो उसके रहस्यमयी अंदाज़ में खोकर भूल ही गई कि हम बात किस विषय में कर रहे थे। मैंने थूक निगला। कमरे का तापमान बढ़ रहा है या फिर शायद मेरे साथ ही ऐसा हो रहा है। मैं चाहती हूं कि बस अब ये इंटरव्यू खत्म हो जाए। बेशक केट के लिए काफी सामग्री हो गई है। मैंने अगले सवाल पर नजर मारी।

"क्या आपको गोद लिया गया था? आपको क्या लगता है कि इस बात का आपकी परवरिश पर कितना असर पड़ा?" ओह! ये तो बड़ी व्यक्तिगत बात है। मैंने उसे घूरा और उम्मीद की कि उसे बुरा नहीं लगा होगा। उसकी भौंहें सिकुड़ गई थीं।

"मेरे पास जानने का कोई तरीका नहीं है।" "जब आपको गोद लिया गया तो आपकी उम्र क्या थी?"

"मिस स्टील! ये तो सभी जानते हैं।" उसका सुर कड़ा था। कबाड़ा!!! हां, बेशक। काश मुझे भी पता होता, मैं तो उसका इंटरव्यू ले रही थी। मुझे थोड़ी खोजबीन करके आना चाहिए था। मैं झट से अगले सवाल पर आ गई।

"आपको अपने काम के लिए पारिवारिक जीवन का त्याग करना पड़ा होगा?"

"ये तो कोई सवाल नहीं है।"

"सॉरी!" ऐसा लगता है कि वह मुझसे किसी ऐसे बच्चे की तरह पेश आ रहा है, जिससे बार-बार गलती हो रही हो।

मैंने फिर से कोशिश की–"क्या आपको काम के लिए अपने पारिवारिक जीवन का बलिदान करना पड़ा?"

"मेरा एक परिवार है। मेरा एक भाई, एक बहन और स्नेही माता-पिता हैं। मैं अपने परिवार को उससे अधिक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता।"

"क्या आप समलैंगिक हैं, मि. ग्रे?"

उसने गहरी सांस ली और मैं अंदर ही अंदर सिकुड़ सी गई। हे भगवान! मैंने सवाल पूछने से पहले एक बार सोचा तक नहीं! मैं उसे कैसे यकीन दिला सकती हूं कि ये मेरे मन की बात नहीं, मैं तो केट के लिखे सवाल पूछ रही हूं। भाड़ में जाए केट और उसका कौतूहल!

"नहीं एनेस्टेसिया, मैं नहीं हूं।" उसने अपनी एक भौं उठाई। आंखों में एक चमक थी पर वह खुश नहीं था।

"मैं माफी चाहती हूं.... ये यहां लिखा था।" उसने पहली बार मेरा नाम लिया। मेरे दिल की धड़कन तेज हो गई और गाल जलने लगे। मैंने घबरा कर अपने बालों की लट संवारी।

उसने अपना सिर एक ओर झटका

"ये तुम्हारे अपने सवाल नहीं हैं?"

मेरे सिर में खून जैसे जम गया।

"अर्र... र। नहीं। केट-मिस कैवेना। उसने सवाल तैयार किए हैं।"

"क्या आप दोनों उस अखबार के लिए काम करती हैं?" अरे नहीं। मेरा इससे क्या लेन-देन है। ये तो उसीके पचड़े हैं मेरे नहीं। मेरा चेहरा सफेद पड़ गया।

"नहीं, हम दोनों एक ही कमरे में रहते हैं।"

उसने अपने चिबुक मली और अपनी भूरी आंखों से मुझे देखने लगा।

"क्या आप अपनी मर्जी से इस इंटरव्यू के लिए आई हैं?" उसने पूछा।

ये क्या! यहां इंटरव्यू तो मैं लेने आई हूं और सवाल ये पूछे जा रहा है। उसकी आंखें घूरने लगीं तो मुझे जबरन सच कहना पड़ा।

"मुझे इसलिए भेजा गया क्योंकि वह बीमार थी।" मेरी आवाज़ कमजोर थी और माफ़ी मांगने का लहजा झलक रहा था।

"अच्छा तो अब समझ आया।"

तभी दरवाजे पर आहट हुई और ब्लांड नंबर दो अंदर आई।

"मि. ग्रे! सॉरी, पर आपकी अगली मीटिंग दो मिनट में शुरू होने वाली है।"

"आंद्रिया! अभी ये इंटरव्यू खत्म नहीं हुआ। तुम वह मीटिंग रद्द कर दो।"

आंद्रिया ने सकुचाहट के साथ घूरा। फिर उसका चेहरा गुलाबी हो गया। *ओह! सिर्फ़ मुझ पर ही उसका ऐसा असर नहीं होता।*

"तो हम कहां थे, मिस स्टील?

अच्छा! फिर से मिस स्टील बुलाने लगा।

"प्लीज! मुझसे कुछ मत छिपाना"

"मैं सब कुछ जानना चाहता हूं।" उसकी आंखों में जिज्ञासा झलक रही थी। हो गया कबाड़ा! ये बातों को कहां ले जा रहा है? उसने कोहनी कुर्सी पर टिकाई और चेहरे पर अंगुलियों से टहोके देने लगा। उसका चेहरा देखकर तो मुझे अपनी सुध ही भूल गई। हाय! ये कितना सुंदर है। मैंने थूक निगला।

"ज़्यादा जानने के लिए कुछ नहीं है।"

"ग्रेजुएशन के बाद क्या करना चाहती हो?"

मैंने कंधे झटके। केट के साथ सिएटल आकर कोई काम खोजना है। वैसे मैंने अभी पेपरों से आगे कुछ सोचा ही नहीं।

"मि. ग्रे! अभी कोई योजना नहीं बनाई। बस पहले पेपर देने हैं।" मुझे तो लगा कि उसकी घूरती नजरों के आगे बैठने से अच्छा होता कि मैं अपने पेपरों की तैयारी शुरू कर लेती।

"हमारे यहां के इंटर्नशिप प्रोग्राम भी अच्छे होते हैं।" उसने कहा। मैंने अपनी भौं हैरानी से उठाई। क्या वह मुझे अपने यहां नौकरी देना चाह रहा था?

"ओह! मैं याद रखूंगी।" मैं बुदबुदाई। वैसे पता नहीं कि मैं यहां के लिए फिट भी हूं या नहीं। अरे, ये क्या मैं तो जोर से बोल बैठी।

"आपने ऐसा क्यों कहा?" उसने गर्दन एक और झटकी और मुस्कुराते हुए पूछा

"ये तो साफ ही है। है न?" *मैं ब्लांड नहीं हूं।*

"मुझे तो समझ नहीं आया।" उसकी आंखों में एक अजीब सा भाव आ गया और मेरे पेट की मांसपेशियां ऐंठने लगीं। मैंने उसकी घूरती नजरों से बचने के लिए मुंह घुमाया और अपनी अंगुलियां मोड़ लीं। ये हो क्या रहा है? मुझे अब जाना है। मैं रिकॉर्डर बंद करने के लिए आगे झुकी।

"क्या आप चाहेंगी कि मैं आपको आसपास सब दिखा दूं?" उसने पूछा।

"नहीं, मुझे यकीन है, मि. ग्रे! आप भी व्यस्त होंगे और मुझे काफी दूर जाना है।" "आप गाड़ी चला कर वैंकूवर वापिस जाएंगी?" उसने हैरानी और उत्सुकता से कहा। उसने खिड़की से बाहर देखा। बारिश हो रही थी। "आपको ध्यान से गाड़ी चलानी होगी। क्या आपको सारा मैटर मिल गया?"

"हां सर!" मैंने रिकॉर्डर को पैक करते हुए कहा। उसकी आंखें सिकुड़ीं।

"मि. ग्रे! इंटरव्यू के लिए थैंक्स!"

"मुझे खुशी हुई।" उसने अपने सधे स्वर में कहा

जैसे ही मैं उठी तो उसने अपना हाथ आगे कर दिया।

"मिस स्टील! हमारे अगली बार मिलने तक बॉय!" ऐसा लगा कि वह चुनौती या धमकी दे रहा था। खैर मैं समझ नहीं पाई। हम भला फिर कब मिलेंगे? मैंने हाथ मिलाया तो पहले की तरह ही झनझनाहट महसूस की। बेशक मेरी घबराहट अभी गई नहीं थी।

"मि. ग्रे!" मैंने हौले से गर्दन हिलाई और वह किसी पेशेवर खिलाड़ी की दक्षता से दरवाजा खोलने आगे बढ़ा।

"मिस स्टील! बस यही देख रहा था कि आपको दोबारा उठाने की नौबत न आए।" उसने मुझे छोटी-सी मुस्कान दी। बेशक वह मेरी अनूठी ऑफिस एंट्री की बात कर रहा था। मैं शरमाई।

"मि. ग्रे! थैंक्स!"

मैं बरामदे की ओर चल दी और जब देखा कि वह पीछे ही आ रहा था तो मैं हैरान रह गई। एंड्रिया और ओलिविया की हैरानी का भी अंत नहीं था।

"क्या आपका कोट था"? उसने पूछा।

"एक जैकेट।"

ओलिविया लपककर मेरी जैकेट ले आई। इससे पहले कि मैं उससे लेती, ग्रे ने लपक लिया। उसने उसे उठाया और मैंने बड़ी सकुचाहट के साथ कंधों पर डलवा लिया। उसने जैकेट को मेरे कंधों पर डाला तो पल भर के लिए उसकी छुअन महसूस हुई और मैं सिकुड़ सीगई। वह बड़े ही आराम से लिफ्ट की ओर बढ़ा और मेरी घबराहट से हालत खराब हो रही थी।

उसने अपनी लंबी अंगुलियों से लिफ्ट का बटन दबा दिया और मैं वहीं चुपचाप भौंचक्की खड़ी रही। दरवाजा खुलते ही मैं उस ओर झपटी। मुझे हर हालत में वहां से जल्दी निकलना था। मैंने मुड़कर देखा तो वह लिफ्ट के पास झुका, दीवार से टेक लगाए *मुझे ही देख रहा था। ये तो सचमुच बहुत ही सुंदर है।* बड़ ही दिलकश!

"एनेस्टेसिया!" उसने अलविदा देते हुए कहा

"क्रिस्टियन!" मैंने भी जवाब दिया। शुक्र है कि दरवाजे को रहम आ गया और वह बंद हो गया।

दूसरा अध्याय

मेरा दिल तेजी से धड़क रहा है। लिफ्ट के रुकते ही मैं बाहर निकली और फिर उलझ गई। शुक्र है कि इस बार गिरी नहीं। मैंने कांच के शीशों से बाहर जाने के लिए चाल तेज की और सिएटल की बारिश से भरी नम हवा में आकर ही सांस ली। मैंने मुंह उठाकर ताज़ी हवा को भीतर लिया और अपने संतुलन को साधना चाहा।

आज तक मुझे किसी भी मर्द ने इतना प्रभावित नहीं किया था, जितना इस क्रिस्टियन ग्रे ने दीवाना बना दिया था। मुझे कारण समझ नहीं आ रहा था। उसकी लुक्स? उसकी शिष्टता? उसका पैसा? उसकी ताकत? मैं अपनी इस प्रतिक्रिया का कारण नहीं समझ सकी। आखिर उस इंसान में ऐसा क्या था? मैंने वहीं खड़े स्टील के एक खंभे की टेक लगाकर खुद को शांत करने की कोशिश की। फिर सिर को झटका। ये मेरे साथ हो क्या रहा था? जब मेरी सांस सामान्य गति से चलने लगी तो मैं कार की तरफ बढ़ी।

जब मैंने शहर को पीछे छोड़ दिया और हाल ही में लिए गए इंटरव्यू को याद किया तो खुद को बेवकूफ और कमअक्ल कहने को जी चाहने लगा। बेशक मैं काल्पनिक बातों पर कुछ ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे रही थी। माना वह बड़ा ही दिलकश, आत्मविश्वासी, सहजऔर अपने ऊपर पूरा काबू रखने वालों में से है पर देखा जाए तो घमंडी भी कम नहीं है और काफी हद तक आप उसे ठंडा और तानाशाह किस्म का भी कह सकते हो। अचानक न चाहने पर भी मेरी रीढ़ की हड्डी में सनसनाहट सी फैल गई। माना वह घमंडी है पर उसे ऐसा होने का पूरा हक है- उसने छोटी सी उम्र में ही कितना कुछ पा लिया है। वह मूर्खों को नहीं बरदाशत करता और उसे करना भी क्यों चाहिए? मुझे फिर से केट पर झुंझलाहट हुई कि उसने ग्रे का बायोडाटा क्यों नहीं दिया था।

इंटरस्टेट 5 की ओर जाते समय, मेरा दिमाग लगातार भटकता ही रहा। मैं इस उलझन में थी कि आखिर कोई इतना सफल कैसे बन जाता है। उसके कुछ जवाब तो इतने रहस्यमयी थे मानो वह किसी छिपे एजेंडा पर हो। और केट के सवाल हाए!! वो गोद लेने वाला और वो समलैंगिक वाला सवाल। मैंने कंधे झटके। मैं यकीन नहीं कर सकती कि मैंने अपने मुंह से वे शब्द निकाले। *हे धरती! तू मुझे निगल जा।* हर बार जब कभी वे सवाल याद आएंगे,मैं शर्मिंदा हो जाऊंगी। कैथरीन कैवेना भाड़ में जा तू!!

मैंने स्पीडोमीटर देखा। मैं आम दिनों के मुकाबले कुछ ज़्यादा ही संभल कर गाड़ी चला रही थी। बेशक उन घूरती आंखों और संभलकर गाड़ी चलाने की दी गई चेतावनी का ही असर था। मैंने सिर हिलाया और एहसास हुआ कि ग्रे अपनी उम्र के लिहाज से करीब दुगना लगता है।

छोड न एना! मैंने खुद को फटकारा। मैंने तय किया कि कुल मिलाकर ये एक रोचक अनुभव रहा और मुझे इस पर ज़्यादा माथापच्ची नहीं करनी चाहिए। इसे गोली मार! मुझे उससे दोबारा कभी नहीं मिलना। यह सोचते ही मन को तसल्ली सी मिल गई। मैंने स्टीरियो चला कर म्यूज़िक तेज कर दिया। फिर गाड़ी की गति तेज की और रॉक संगीत के साथ पैर से थाप देने लगी। इंटरस्टेट 5 पार करते ही मुझे लगा कि मैं जितना जी चाहे, तेज चला सकती थी।

हम वैंकूवर के डब्लयूएसयू कैंपस के पास दोमंजिला अपार्टमेंट्स के छोटे से समुदाय में रहते हैं। मैं किस्मत वाली हूं कि केट के माता-पिता ने उसके लिए वह जगह खरीद दी है और मैं नाममात्र का किराया देकर उसके साथ रहती हूं। हम चार साल से यहां हैं। जैसे ही बाहर रुकी तो याद आया कि केट को तो एक-एक पल का ब्यौरा देना होगा और वो इस मामले में बड़ी अड़ियल है। खैर, उसके पास डिजीटल रिकॉर्डर तो है ही। उम्मीद है किमैं उससे ज़्यादा तो नहीं बता पाऊंगी।

"एना! तुम आ गई?" केट हमारे लिविंग एरिया में किताबों से घिरी बैठी है। ये तो साफ दिख रहा है कि वह अपने पेपरों की तैयारी कर रही थी—वह अब भी अपने गुलाबी फलालेन के पजामे में है जिस पर छोटे-छोटे खरगोश बने हैं। इसे वह अपने पुरुष दोस्तों से रूठने पर, मूड खराब होने पर या अकेलापन चाहने की इच्छा होने पर पहनती है। उसने मुझे कस कर गले से लगाया।

"मैं तो चिंता कर रही थी। तुझे जल्दी आ जाना चाहिए था।"

"ओह! मैंने सोचा कि तुझे लंबे इंटरव्यू की ज़्यादा खुशी होगी।" मैंने उसकी तरफ डिजीटल बढ़ा दिया।

"एना! इस काम के लिए बहुत-बहुत थैंक्स! मैं तेरी एहसानमंद हूं मुझे पता है कि वह कैसा बंदा है? वैसे तुझे कैसा लगा?" देखो जी केट की पूछताछ शुरू हो गई।

मैंने जवाब देने की कोशिश की। "मैं क्या कह सकती हूं?"

"मुझे खुशी है कि आज का काम खत्म हो गया और मुझे उससे दोबारा नहीं मिलना होगा। पता है, उसे देखकर ही डर लग रहा था। मैंने कंधे झटके। वैसे काफी फोकस वाला जवान पट्ठा है। काफी जवान!!"

केट ने मुझे मासूमियत से देखा और मैंने त्योरी चढ़ा दी।

"ज़्यादा भोली मत बन। तूने मुझे उसके बारे में पहले से कुछ क्यों नहीं बताया? वहां मेरी बेइज्जती हो रही थी क्योंकि मैं उससे ऐसे सवाल पूछ रही थी, जो मुझे उसके बारे में पहले से पता होने चाहिए थे।"

केट ने अपना एक हाथ मुंह पर रखा। "ओह गॉड! एना, सॉरी। मैंने तो इस बारे में सोचा ही नहीं।"

मैंने सांस छोड़ी।

"वैसे तो वह काफी सभ्य, शिष्ट, औपचारिक और हल्का सा भारी लगा यानी अपनी उम्र से थोड़ा ज़्यादा। वह किसी ऐसे नहीं बोलता, जैसे उसकी उम्र के लोगों को बोलना चाहिए। वैसे वह कितने साल का है?"

"सत्ताईस। एना! सच्ची सॉरी। मुझे तुझे उसके बारे में बेसिक बातें बता कर भेजना चाहिए था पर मैं इतना घबराई हुई थी कि क्या कहूं? मुझे रिकॉर्डर दे, मैं सब कुछ नोट कर लेती हूं।"

"तुम पहले से ठीक दिख रही हो। क्या सूप पीया?" मैंने बात बदलने के लिहाज से कहा

"हां, हमेशा की तरह स्वादिष्ट बना था और मैं पहले से बेहतर महसूस कर रही हूं।" उसने मुझे बड़े ही लगाव से देखा। मैंने घड़ी पर नज़र मारी।

"मुझे निकलना होगा। अभी क्लेटन की शिफ्ट मे जा सकती हूं।"

"एना! तुम थक गई होगी!"

"नहीं, ठीक हूं। बाद में मिलते हैं।"

मैं तभी से क्लेटन में काम करती आ रही हूं, जब से मैं डब्लयूएसयू में आई थी। ये पोर्टलैंड का सबसे बड़ा और स्वतंत्र हार्डवेयर स्टोर है और पिछले चार साल से यहां काम करने के कारण मुझे तकरीबन सभी चीजों की जानकारी हो गई है

मुझे खुशी है कि अभी काम के लिए समय था और मैं काम के दौरान ग्रे के बारे में भी सोच सकती थी। हम काफी व्यस्त हैं–गर्मियों की शुरुआत है और लोग घरों को नए सिरे से सजा रहे हैं। मिसेज क्लेटन को मुझे देखते ही राहत मिल गई।

"एना! मुझे लगा कि तुम आज नहीं आ पाओगी।"

"मेरी मुलाकात जल्दी खत्म हो गई थी इसलिए मैंने सोचा कि कुछ घंटे काम में लगाए जा सकते हैं।"

"मुझे तुम्हें देखकर खुशी हुई।"

उन्होंने मुझे स्टोर में भेज दिया ताकि शेल्फों को सामान से भरा जा सके और मैं काम में मग्न हो गई।

जब मैं रात को घर पहुंची तो कैथरीन कानों पर हेडफोन लगाए लैपटॉप पर काम कर रही थी।

उसकी नाक अब भी लाल है पर इस समय वह अपनी ही धुन में स्टोरी टाइप कर रही है। मैं आज सारे दिन की भागदौड़, ड्राइविंग, इंटरव्यू और आज के काम के कारण बुरी तरह से थक गई हूं। वहीं काउच पर पसर कर अपने उस निबंध और उस पढ़ाई के बारे में सोचने लगी, जिसे आज ही पूरा करना था और उससे मिलने के कारण नहीं कर सकी।

"एना! काफी अच्छा मसाला ले आई हो। मुझे तो यकीन नहीं आता कि तुमने उसकी पेशकश ठुकरा दी, वह तुम्हें आसपास सब दिखाना चाह रहा था। बेशक वह तुम्हारे साथ कुछ और समय बिताना चाहता था।" उसने मुझे सवालिया निगाहों से देखा।

मैं लजा गई और दिल की धड़कन बेकाबू हो गई। वैसे वह तो मुझे सब कुछ इसलिए दिखाना चाह रहा होगा ताकि अपनी रईसी का रोब गांठ सके। मुझे एहसास हुआ कि इस दौरान मैं अपना होंठ काट रही थी, उम्मीद करती हूं कि केट ने ध्यान नहीं दिया होगा क्योंकि वह अपने काम में खोई हुई थी।

"मैंने सुना कि तुम्हारा फॉर्मल से क्या मतलब है? क्या तुमने नोट्स लिए?" उसने पूछा

"उम्म...नहीं, वे तो नहीं लिए।"

"ठीक है। मैं इस सामग्री से भी अच्छा लेख बना सकती हूं। कितने शर्म की बात है कि हमारे पास उसके कुछ मूल फोटो नहीं हैं। साला दिखता कितना सुंदर है, है न?"

"हां! लगता तो है।" मैंने खुद को इस बात से बेलाग दिखाने की पूरी कोशिश की।

"ओह कमॉन एना! यहां तक कि तुम भी उसकी नज़रों के जादू से बच नहीं सकी होगी।" उसने एक भौं नचाई।

हो गया कबाड़ा! मेरे गाल सुनते ही दहकने लगे और मैंने चापलूसी के जरिए उसका ध्यान बंटाने की कोशिश की।

"वैसे तू जाती तो ज़्यादा जानकारी ले आती।"

"एना! मुझे तो इस बारे में शक है। देख तो, उसने तो तुझे जॉब का भी ऑफर दे दिया। चाहे तूने आखिरी मिनट में काम संभाला पर सब कुछ कितने अच्छे से हो गया।" उसने मुझे शक्की निगाहों से घूरा और उस नज़र से बचने के लिए मैं सैंडविच की तैयारी करने रसोई में चली गई।

"तो तू उसके बारे में क्या सोचती है?" हे भगवान! अभी उसका कौतूहल शांत नहीं हुआ था। वो इस बात को छोड़ क्यों नहीं देती? मुझे ही कुछ सोचना होगा

"वह काफी सख्त, रूखे और डरावने सनकी जैसा था पर फिर भी काफी आकर्षक कह सकते हैं। मैं समझ सकती हूं कि उसका आकर्षण कितना जबरदस्त था।" मैंने पूरी सच्चाई से कहा और उम्मीद की कि इसके बाद उसका मुंह बंद हो जाएगा।

"तू एक मर्द से आकर्षित हुई? ऐसा तो पहली बार हुआ है।" वह बोली।

मैंने उसकी तरफ मुंह ही नहीं घुमाया।

"तू ये क्यों जानना चाहती थी कि वह समलैंगिक है या नहीं? ये सवाल काफी शर्मिंदगी भरा रहा। मैं तो वहीं मर गई और उसे भी बड़ी खीझ हुई?" मैं उन पलों को याद करके कुढ़ गई।

"वह जब से सोसयटी के पेजों में आने लगा है। उसने कभी किसी लड़की से डेट नहीं की।"

"ये सब बड़ा शर्मिंदगी से भरा था। मुझे तो बड़ी ही शर्म आई। शुक्र है, दोबारा उससे सामना नहीं होने वाला।"

"ओह एना! ये सब इतना बुरा भी नहीं रहा होगा। मुझे तो लगता है कि तुझ पर फ़िदा हो गया है।"

"मुझ पर फ़िदा? लगता है कि केट मजाक के मूड में है।"

"क्या तुम सैंडविच लेना चाहोगी?"

"हां प्लीज़!"

उस शाम, हमने ग्रे के बारे में और कोई बात नहीं की। खाने के बाद, मैं डाइनिंग टेबल पर ही केट के पास जा बैठी। वह अपने लेख पर काम कर रही थी और मैंने 'टैस ऑफ दि अरबरविल्स' के निबंध पर काम शुरू किया। हद है, वह औरत गलत देश में, गलत जगह पर और गलत समय पर थी। जब तक मैंने काम निपटाए, आधी रात हो चुकी थी। केट सोने जा चुकी थी। मैंने भी कमरे की तरफ कदम बढ़ाए, थकान के बावजूद मन में खुशी थी कि मैंने सोमवार के हिसाब से काफी काम खींच लिया।

मैंने सफेद लोहे के पलंग पर लेटते ही खुद को मॉम के हाथ की बनी रजाई में लपेट लिया और आंखें बंद करते ही सो गई। उस रात मुझे अंधेरे कोनों, ठंडे सफेद फर्शों और भूरी आंखों के ही सपने आते रहे।

बाकी सप्ताह मैंने खुद को पढ़ाई और क्लेटन में व्यस्त रखा। केट को भी फाइनल शुरू होने से पहले अपने न्यूजपेपर का इश्यू तैयार करना था। इसके बाद तो उसे कोई नई संपादिका संभालने वाली थी। बुधवार तक वह काफी ठीक थी और अब मुझे उसका खरगोशों वाला पजामा देखने की आवश्यकता नहीं थी। मैंने मॉम से बात करने के लिए जार्जिया फोन लगाया ताकि वे मुझे फाइनल पेपरों के लिए शुभकामनाएं दे सकें। उन्होंने मुझे बताया कि वे आजकल मोमबत्ती बनाना सीख रही हैं। मेरी मॉम को नए-नए तरह के काम

शुरू करने का बड़ा शौक है। जैसे ही एक काम से मन हटता है तो दूसरा शुरू कर देती हैं और फिर तीसरे काम की ओर चल देती हैं। अगले सप्ताह कुछ और ही सुनने को मिलेगा। उनके लिए मुझे चिंता होती है। उम्मीद करती हूं कि उन्होंने इस नए धंधे के लिए घर को रेहन न रख दिया हो। बेशक उनका नया पर काफी बड़ी उम्र का पति बॉब भी उन पर नज़र रख रहा होगा क्योंकि मैं वहां आजकल वहां नहीं हूं। वह नंबर तीन से तो बेहतर ही लगता है।

"एना! सब कैसा चल रहा है?"

मैं एक पल के लिए सकुचाई और फिर पूरा ध्यान मॉम की बात में लगा दिया।

"मैं ठीक हूं, मॉम।"

"एना! क्या तुम किसी से मिली हो?" वाऊ...उन्हें कैसे पता चला? उनकी आवाज़ की उमंग छिपाए नहीं छिप रही थी।

"नहीं! मॉम ऐसी कोई बात नहीं है। अगर ऐसा कुछ हुआ तो सबसे पहले आपको हीबताऊंगी।"

"एना हनी! तुम्हें घर से बाहर घूमना-फिरना चाहिए, लोगों से मिलना चाहिए। तुम्हारे लिए मुझे बड़ी चिंता रहती है।"

"मॉम! मैं ठीक हूं। बॉब कैसे हैं?" ध्यान भटकाने की नीति फिर काम आ गई।

उस शाम मैंने मॉम के पति नंबर दो और अपने सौतेले पिता रे को फोन किया। उन्हें मैं अपना पिता मानती हूं और उनसे ही मुझे अपना नाम भी मिला। हमारे बीच छोटी-सी बात हुई। बात क्या होनी थी, मैं बोलती रही और वे हां-हूं करते रहे। वे ज़्यादा बात करना पसंद नहीं करते। वे अब भी जिंदा हैं और मजे से टीवी पर कोई खेल देखते हैं या कोई फर्नीचर बनाते हैं। वे एक हुनरमंद बढ़ई हैं और यही वजह है कि मुझे उनके सारे औजारों के बारे में जानकारी है।

शुक्रवार रात, मैं और केट आपस में बहस रहे हैं कि शाम को क्या किया जाए–हम काम, पढ़ाई और न्यूजपेपर से अपना ध्यान कुछ समय के लिए हटाना चाहते थे। तभी दरवाजे की घंटी बजी। हमारे दरवाजे पर मेरा अच्छा दोस्त जोस हाथ में शैंपेन की बोतल लिए खड़ा था।

"जोस! तुम्हें देखकर अच्छा लगा।" मैंने उसे हल्के से गले लगाया ओर अंदर आने को कहा।

जब मैं यहां आई थी तो वह मुझे मिलने वाला पहला इंसान था और मेरी ही तरह अकेला और खोया-खोया दिखता था। हम दोनों ने ही एक-दूसरे को पहचान लिया और तभी से अच्छे दोस्त हैं। न केवल हमारी खूब पटती है बल्कि बाद में यह भी पता चला कि जोस सीनियर और रे, दोनों एक ही आर्मी यूनिट में काम करते थे। नतीजन हम दोनों के पिता भी अच्छे दोस्त हैं।

जोस इंजीनियरिंग पढ़ रहा है और अपने परिवार का पहला सदस्य है, जो कॉलेज तक आया है। काफी होशियार है पर उसे फोटोग्राफी का जुनून है। उसे बहुत अच्छी तस्वीरें लेना आता है।

"मेरे पास एक खबर है।" उसकी आंखें खुशी से दमक रही थीं।

"ये मत कहना कि तुझे इस हफ्ते क्लास से बाहर नहीं निकाला गया।" मैंने उसे चिढ़ाया और उसने मुझे शरारती निगाहों से देखा।

"पोर्टलैंड प्लेस गैलरी अगले महीने मेरी तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाने जा रही है।"

"वाह! मज़ा आ गया। बधाई हो।" मैंने खुशी के मारे उसे गले से लगा लिया। केट भी उसे देखकर मुस्कुराई।

"वाह जोस! मुझे भी इसे पेपर में डालना चाहिए। ये कुछ ऐसा नहीं होगा, जिसे आखिर में बदलाव ला कर डाला जाता है।"

"चलो जश्न मनाते हैं। मैं चाहता हूं कि तुम उद्‌घाटन में आओ।" उसने मुझे देखकर कहा। फिर अपनी गलती का एहसास होते ही बोला–"मतलब तुम दोनों आना।"

हम दोनों अच्छे दोस्त हैं पर मैं मन ही मन जानती हूं कि वह इससे कुछ ज़्यादा बनना चाहता है। वह मजेदार और प्यारा है पर वह मेरे लिए नहीं बना। वह तो मेरे लिए भाई जैसाहै, जो मुझे कभी नहीं मिला। कैथरीन अकसर मुझे चिढ़ाती है कि मेरे पास कोई ब्वायफ्रेंड ही नहीं है पर सच कहूं तो आज तक कोई ऐसा मिला ही नहीं...जिसे देखकर घुटने कांपने लगें, कलेजा मुंह को आ जाए और पेट में खलबली सी होने लगे।

कभी-कभी सोचती हूं कि मुझमें ही तो कोई कमी नहीं है। शायद मैं अपने साहित्यिक रोमानी नायकों की संगति में कुछ ज़्यादा ही वक्त बिताती हूं जिसकी वजह से मेरे आदर्शऔर उम्मीदें बहुत ऊंचे हो गए हैं। हकीकत में मुझे कोई ऐसा मिलता ही नहीं।

अभी हाल ही तक, मेरे अंदर से किसी ने पुकारा। नहीं, मैंने विचार को परे झटक दिया। मैं वहां नहीं जाने वाली, उस दर्दनाक इंटरव्यू के बाद तो कभी नहीं! मि. ग्रे! क्या आप समलैंगिक हैं? यह याद आते ही मैं चिहुंकी। मैं जानती हूं, उस दिन के बाद से उसे अकसर रात को सपनों में देखती हूं पर यकीनन ये सब जल्द ही मेरे दिमाग से निकल जाएगा।

मैंने जोस को शैंपेन की बोतल खोलते देखा। वह काफी लंबा है। अपनी टी-शर्ट और जींस में गठे शरीर, काले बालों और जलती हुई काली आंखों के साथ और भी कमाल दिखता है। बेशक वह हॉट है पर लगता है कि उसे बात समझ आ ही गई है कि हम सिर्फ दोस्त हैं और कुछ नहीं। कॉर्क तेज आवाज के साथ उछला और जोस ने हमें देखकर मुस्कान दी।

स्टोर में शनिवार किसी बुरे सपने से कम नहीं होता। हम उन लोगों से घिरे रहते हैं, जो अपने काम खुद करने के शौकीन होते हैं। मि. और मिसेज क्लेटन, जॉन और पैट्रिक सहित सभी ग्राहकों से घिरे हैं। लंचटाइम में मिसेज क्लेटन ने मुझे कुछ ऑर्डर देखने को कहा, तब मैं काउंटर के पीछे छिपी, रजिस्टर की ओट में अपना बैगल खा रही थी। फिर मैं ऑर्डर के हिसाब से भेजी जाने वाली चीजों को चैक करने में मग्न थी। मेरी आंखें लगातार ऑर्डर बुक से कंप्यूटर स्क्रीन पर आ जा रही थीं। तभी अचानक मैंने नज़र उठाई और खुद को क्रिस्टियन ग्रे की नज़रों की घेराबंदी में पाया। वह काउंटर के पास खड़ा मुझे ही घूर रहा था।

दिल तो गया काम से!

"मिस स्टील! वाह क्या सरप्राइज है!" उसकी नजर तीखी और गहरी है।

हे भगवान! ये यहां क्या कर रहा है? बिखरे बाल, क्रीम चंकी स्वेटर और बूट? शायद मेरा मुंह खुला का खुला रह गया और गले से आवाज़ ही नहीं निकली।

"मि. ग्रे!" मैं हौले से बोली क्योंकि इससे ज़्यादा कुछ कह ही नहीं सकी। उसके होंठों पर एक मुस्कान थी और आंखें किसी बात पर चहक रही थीं मानो किसी निजी चुटकुले पर मन ही मन हंस रहा हो।

"मैं इसी इलाके में था। कुछ सामान चाहिए था इसलिए चला आया।" उसने सफाई दी। "मिस स्टील! तुम्हें देखकर अच्छा लगा।" उसकी भारी और गंभीर आवाज ऐसी थी मानो उसमें गाढ़ा पिघला हुआ चॉकलेट कैरेमल या कुछ ऐसा ही।

मैंने अपनी गर्दन हिलाई ताकि खुद पर काबू पा सकूं। दिल तेजी से बेकाबू हो रहा था और पता नहीं क्यों मेरे गालों पर लाली छा रही थी। उसे देखते ही मैं जैसे दीवानी हो गई थी। यह तो सचमुच पुरुष सौंदर्य का जीता-जागता उदाहरण है। भला इसके आकर्षण से कोई कैसे बच सकता है? ये यहां है। ये क्लेटन में आया है। आखिरकर मैं खुद को संभालने में सफल रही।

"एना, मेरा नाम एना है। मि. ग्रे! मैं आपकी क्या मदद कर सकती हूं?"

वह मुस्कुराया मानो कोई बड़ा राज़ छिपाए हो। मैंने एक गहरी सांस ली और व्यावसायिक मुखौटा ओढ़ लिया। बेशक मैं ऐसा कर सकती थी, मैं वहां कई साल से काम कर रही थी। मैं ये कर सकती हूं।

"मुझे कुछ चीजें चाहिए। पहले मुझे केबल टाई चाहिए।"

"तार?"

"हमारे पास ये कई लंबाई में हैं। आपको दिखाऊं?" मैंने हिम्मत बटोरी। मेरे भीतर से आवाज आई, मिस स्टील डटी रहना।

मैं काउंटर के पीछे से निकलकर ग्रे के आगे तो चल दी पर पूरी कोशिश यही रही किमैं कहीं गिर ही न जाऊं। ऐसा लग रहा था किसी ने मेरे पैरों को जाम कर दिया हो। मैं खुश थी कि आज मैंने अपनी सबसे अच्छी जींस पहनने का फैसला लिया था।

"वे बिजली के सामान के साथ आठवें रैक पर हैं।" इस बार मैंने कुछ जोश से कहा।

फिर उसे देखते ही पछतावा भी हुआ। यार! ये तो गजब का इंसान है।

"पहले आप चलें।" उसने अपनी मैनीक्योर अंगुलियों से इशारा किया।

मैंने मुंह तक उछल आए कलेजे को संभालने के बाद कदम बढ़ाए। ये यहां पोर्टलैंड में क्या कर रहा है? क्या ये यहां क्लेटन के लिए आया है? अचानक मेरे भीतर से कोई बोला–तुझसे मिलने आया है। नहीं! सवाल ही पैदा नहीं होता। मैंने एक ही पल में उस सोच को परे झटक दिया। इतना सुंदर, ताकतवर और पैसेवाला शहरी मर्द मुझसे क्यों मिलने आएगा। ये बात तो दिमाग से ही निकाल देनी चाहिए।

"क्या आप काम के सिलसिले में पोर्टलैंड आए हैं?" मैंने इतने जोर से पूछा मानो कोई अंगुली से दरवाजा खटखटा रहा हो। एना! कुछ ज्यादा ही नक्शा झाड़ रही है तू!

"मैं डब्ल्यूएसयू के खेतीबाड़ी विभाग में आया था। ये वैंकूवर में स्थित है। मैं वहां फसल बदली और मृदा विज्ञान के शोध के लिए कुछ चंदा दे रहा हूं।"

"देखा! वह तुझसे मिलने नहीं आया।" मेरे अवचेतन मन ने मुझे चिढ़ाया। मैं अपने ही बेतुके ख्यालों पर शरमा गई।

"अच्छा आपके दुनिया को भोजन सुलभ कराने वाले प्लान का हिस्सा है?"

"कुछ ऐसा ही है।" उसके होंठों पर एक अधूरी मुस्कान खेल गई। उसने क्लेटन में चुनी गई तारों को ध्यान से देखा। समझ नहीं आया कि ये उसके किस काम आतीं। ये उन लोगों में से तो था नहीं जो खुद अपने घर के काम करते हैं। उसकी अंगुलियां तरह-तरह के पैकेटों को परख रही थीं और किसी वजह से मुझे मुंह घुमाना पड़ा। वह झुका और एक पैकेट ले लिया।

"ये ठीक रहेगा।" चेहरे पर फिर वही रहस्यमयी मुस्कान थी।

"क्या कुछ और भी है?"

"मैं मुंह पर चिपकाने वाली टेप लेना चाहता हूं।"

"मास्किंग टेप?"

"क्या आप घर को सजा रहे हैं?" अचानक ही मेरे मुंह से निकल गया। बेशक उसके यहां तो किराए के लोग ये काम करते होंगे।

"नहीं, ऐसा नहीं है।" उसने कहा और मुझे लगा कि शायद वह मुझ पर हंस रहा था।

"क्या मैं मजाकिया दिखती हूं? क्या मैं जोकर हूं?"

"यहां... वह इस तरफ रखी है।"

"क्या यहां काफी समय से काम कर रही हो?" उसने धीरे से पूछा।

उफ्फ!!! उसकी आवाज़ सुनते ही मैं शरमाने क्यों लगती हूं। ऐसा लग रहा था मानो मैं चौदह साल की किशोरी बन गई हूं। स्टील! आंखें सीधी रखो।

"चार साल। मैं बोली।" मैं खुद ही आगे बढ़ी और वहां से दो तरह की टेपें उठा लीं।

"मैं ये वाली लेता हूं।" उसने मेरे हाथ में पकड़ी हुई चौड़ी टेप लेनी चाही और इस दौरान हमारी अंगुलियां आपस में टकरा गईं। ऐसा लगा मानो मैंने किसी नंगी तार को छू लिया हो। किसी तरह खुद को संभाला।

"कुछ और?" मेरी आवाज़ काफी भारी निकली। उसने आंखें चौड़ी करते हुए मुझे देखा।

"शायद थोड़ी रस्सी।" उसने भी मेरे ही सुर में कहा।

"यहां!" मैं उसे दूसरी ओर ले गई।

"आप कैसी रस्सी लेना चाहते हैं–फिलामेंट रस्सी, ट्वाइन या केबल कॉर्ड।" मैंने अपनी बात बीच में ही छोड़ दी। वह कैसी निगाहों से ताक रहा था।

"मैं पांच मीटर नेचुरल फिलामेंट रस्सी लूंगा।"

मैंने कांपते हाथों से रस्सी मापी और वह इस दौरान मुझे देखता ही रहा। मेरी तो उसकी ओर देखने की हिम्मत ही नहीं हुई। मैंने अपनी जींस की जेब से स्टेनलेस चाकू निकाला और रस्सी को काटकर सही तरीके से लपेट दिया। शुक्र है कि चाकू से मेरी अंगुली नहीं कटी।

"क्या तुम गर्ल स्काउट थीं?" उसने पूछा और गढ़े हुए सुंदर होंठों पर मस्ती खेल गई। उसके चेहरे की ओर मत देखना।

"मि. ग्रे! इस तरह की सामूहिक और संगठित गतिविधियां मेरे बस की नहीं हैं।" उसने अपनी एक भौं नचाई।

"तो आप क्या करती हैं, एनेस्टेसिया?" उसने मुलायम स्वर में पूछा और साथ ही उसकी रहस्य से भरी मुस्कान भी लौट आई। मैंने उसे घूरा पर अपनी बात समझाने में असफल रही। एना! अपने पर काबू पा। मेरे अंदर से कोई बार-बार विनती कर रहा था।

"किताबें।" मैं हौले से बोली। पर अंदर ही अंदर कोई चिल्ला रहा था। मैं तुम पर मरती हूं। मैं तुम पर मरती हूं। मैंने झट से इस सोच को पछाड़ दिया। भला ये कभी हो सकता था?

"कैसी किताबें?" उसने अपना सिर एक ओर झटका। ये इतनी दिलचस्पी क्यों ले रहा है?

"ओह! वही आम। क्लासिक। ब्रिटिश साहित्य, ख़ासतौर पर।"

उसने अपनी लंबी तर्जनी से अपनी चिबुक मली और मेरे जवाब के बारे में सोचने लगा। या फिर शायद वह अपनी बोरियत छिपाना चाह रहा था।

"आपको कुछ और चाहिए?" मैंने बात बदलनी चाही

"आप और क्या सलाह देंगी?"

भला मैं क्या सलाह दे सकती थी?

"मैं क्या सलाह दूं। मुझे तो पता भी नहीं कि आप क्या काम कर रहे हैं?"

"आप खुद कुछ करने जा रहे हैं?"

उसने दुष्टता से आंखें नचाते हुए हामी भरी। मैं शरमा गई और अपनी आंखें उसकी जींस पर टिका दीं।

"कवरऑल। जी हां।" मैंने कहा।

बेशक मैं बिना सोचे-समझे बोल रही थी।

उसने अपनी भौं उठाई।

"जी, अगर आप काम करेंगे तो एप्रन या कवरऑल पहनने से आपके कपड़े खराब नहीं होंगे।" मैंने अपनी सफाई दी।

"मैं तो उन्हें हमेशा उतारकर ही काम करता हूं।"

उम्म! मेरे गाल फिर से दहकने लगे थे। बेशक मेरे चेहरे पर द कम्यूनिस्ट मैनीफेस्टो का रंग उतर आया होगा। बात करना बंद कर! अभी के अभी बात करना बंद कर।

"मैं कुछ एप्रन ले ही लेता हूं। सच कहीं कपड़े न खराब हो जाएं।"

मैंने मन ही मन अपनी सोच को लानत भेजी जो उसे जींस के बिना देखने के बारे में सोच रही थी।

"क्या आपको कुछ और चाहिए।" मैंने उसे नीले एप्रन देने के बाद पूछा।

उसने मेरी बात को अनसुना कर दिया।

"लेख कैसा चल रहा है?"

उसने कुल मिलाकर एक आसान सवाल पूछ ही लिया और बेशक ये सब उसके दोहरे अर्थों वाले संवादों से भी परे था...एक ऐसा सवाल, जिसका जवाब मैं आराम से दे सकती थी। मैंने पूरी ईमानदारी से सवाल का जवाब देने के लिए खुद को तैयार कर लिया।

"मैं इसे नहीं लिख रही। कैथरीन, मिस कैवेना इस पर काम कर रही हैं। वह मेरे साथ रहती है और एक लेखिका है। वह इस लेख से बहुत खुश है। वह अखबार की संपादिका है और उसे अफसोस है कि वह निजी रूप से आपका इंटरव्यू नहीं ले सकी।" मैंने इतना लंबा जवाब देकर चैन की सांस ली। बस उसे यही चिंता है कि उसके पास आपकी कोई मूल तस्वीरें नहीं हैं।"

"वह किस तरह की तस्वीरें चाहती है?"

"अच्छा!" मैंने खुद को इस जवाब के लिए तैयार न पाते हुए कंधे झटक दिए।

"मैं कल भी यहीं हूं..."

"अगर आप फोटोशूट करवाना चाहें तो...।" मेरी आवाज़ भर्रा गई। केट तो सुनते ही पागल हो जाएगी। और इसे फिर से देखने का मौका मिलेगा। मेरे भीतर से फिर किसी ने आवाज़ उठाई। मैंने कुछ समय के लिए अपनी इस सोच को चुप रहने की हिदायत दी।

केट झूम उठेगी, अगर हम किसी फोटोग्राफर का भी इंतज़ाम कर सकें। मैं भी खुश थी। मैंने एक चौड़ी सी मुस्कान दी। उसने एक गहरी सांस ली और पल भर के लिए वह जैसे कहीं खो सा गया। ऐसा लगा धरती अपनी धुरी से जरा सा खिसक गई हो।

हे भगवान! क्रिस्टियन ग्रे का वह अंदाज़!

"मैं कल के बारे में देख लेता हूं।" उसने पीछे की जेब से पर्स निकाला। मेरा कार्ड। इसमें मेरा सेल नंबर है। सुबह दस से पहले फ़ोन कर लेना।"

"ओ के।" मैंने खीसें निपोर दीं। केट तो दीवानी हो जाएगी।

"एना!"

कांउटर के दूसरे कोने से पॉल सामने आ गया। वह मि. क्लेटन का छोटा भाई है। मैंने सुना था कि वह प्रिंसटन से घर आया हुआ था पर आज उसे देखने की उम्मीद नहीं की थी।

"एक मिनट के लिए माफी चाहूंगी, मि. ग्रे।" मैं उसकी ओर मुड़ी तो ग्रे की त्यौरियां चढ़ गईं।

पॉल तो हमेशा से अच्छा दोस्त रहा है। पर इन विचित्र पलों में जब मैं अमीर, ताकतवर, आकर्षक और अकड़ू ग्रे से बात कर रही थी तो किसी ऐसे इंसान से बात करना अच्छा लगा, जो कम से कम आम तो है। पॉल ने मुझे कस कर गले से लगाया और हैरानी में डाल दिया।

"एना! तुम्हें देखकर कितना अच्छा लगा।"

"हैलो पॉल! कैसे हो? भाई के जन्मदिन के लिए आए हो न?"

"हां, एना! तुम कितनी अच्छी दिख रही हो।" उसने मुझे एक हाथ की दूरी से निहारते हुए कहा। फिर बड़े ही अधिकार से मेरे कंधे पर अपनी बांह रख ली। मैं तो शर्मिंदा हो गई। पॉल से मिल कर अच्छा लगता है पर वो कुछ ज्यादा ही अपनापन दिखाने लगता है।

जब मैंने ग्रे की ओर देखा तो वह मुंह खोले, गिद्ध की तरह आंखें फाड़े हमें ही घूर रहा था। वह एक अजीब से चुस्त ग्राहक की बजाए कहीं दूर से आए तटस्थ इंसान में बदल गया था।

"पॉल! मैं एक ग्राहक के साथ हूं। तुम भी उनसे मिलना चाहोगे।" मैंने ग्रे की नज़रों में पसरे पराएपन को घटाने की कोशिश की। मैं पॉल को वहीं घसीट ले गई और वे एक-दूसरे से मिले। अचानक वहां का माहौल बदल गया था।

"पॉल! ये क्रिस्टियन ग्रे हैं। मि. ग्रे, ये पॉल है। ये इन्हीं के भाई का स्टोर है।" पता नहीं क्यों मुझे लगा कि कुछ और विस्तार से बताना चाहिए।

"मैं जब से यहां काम कर रही हूं, तब से इसे जानती हूं। हालांकि हमारी ज़्यादा मुलाकात नहीं होती। यह इन दिनों प्रिसंटन में

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कर रहा है। मैं ज्यादा ही बक गई।" अब बस कर।

"मि. क्लेटन!" ग्रे ने अपना हाथ आगे किया पर नजरों से कुछ भी पता नहीं चल रहा था।

"मि. ग्रे!" पॉल ने हाथ आगे किया। "ओह! अच्छा कहीं आप ग्रे एंटरप्राइजिज होल्डिंग के मि. ग्रे तो नहीं?" पॉल तो एक पल के लिए भौंचक्का रह गया। ग्रे ने उसे विनीत सी मुस्कान दी जो उसकी आंखों तक नहीं पहुंची।

"वाऊ! क्या मैं आपकी कोई और मदद कर सकता हूं?"

"एनेस्टेसिया मदद कर रही है। मि. क्लेटन। ये काफी अच्छी तरह से सब संभाल रही हैं।"

"कूल!" पॉल ने कहा। मैंने उसे वहां से जाते हुए देखा।

"कुछ और मि. ग्रे?"

"बस यही दे दीजिए।" उफ्फ! लगता है मैंने कुछ गलत कर दिया। उसके सुर को सुन कर तो यही लगा। मैंने गहरी सांस लेते हुए रजिस्टर में अपना ध्यान लगाया। इस बंदे की मुश्किल क्या है?

मैंने रस्सी, एप्रन, टेप और केबल तार वगैरह सब एक साथ रखे।

"प्लीज़ इनके लिए 43 डॉलर हो गए।" मैंने ग्रे को देखा और फिर लगा कि काश न देखा होता। वह तो मुझे ही गहरी निगाहों से घूर रहा था।

"क्या आप बैग लेना चाहेंगे?" मैंने उसका क्रेडिट कार्ड लेते हुए पूछा

"प्लीज़ एनेस्टेसिया।" उसकी जुबान से मेरा नाम क्या निकला, दिल तो बल्लियों उछलने लगा। मैं तो सांस तक नहीं ले पा रही थी। जल्दी से सारा सामान बैग में भर दिया।

"अगर फोटोशूट करवाना हो तो मुझे कॉल करना।" अचानक वह फिर से बिजनेस टोन में आ गया। मैंने बिना कुछ कहे हामी भरी और उसका क्रेडिट कार्ड वापिस कर दिया।

"ठीक है, फिर कल मिलते हैं, शायद।" वह जाने के लिए मुड़ा और फिर रुक कर बोला–"ओह एनेस्टेसिया! मुझे खुशी है कि मिस कैवेना इंटरव्यू के लिए नहीं आ सकीं।" वह मुस्कुराया और बैग को कंधे पर झुलाता हुआ, लंबे डगों से स्टोर से बाहर हो गया। मैं तो उसके जाने के बाद दरवाजा बंद होने की आवाज से जमीन पर लौटी।

ओ के–माना मैं उसे चाहती हूं। मैंने खुद से स्वीकारा। अब मैं खुद से और नहीं छिपा सकती। मैंने आज से पहले ऐसा कभी महसस् नहीं किया। ये तो बहुत दिलकश इंसान है पर ये मेरे लिए नहीं है। ये एक संयोग था कि वह यहां आया। बेशक सच है पर मैं उसकी तारीफ तो कर ही सकती हूं, उसमें तो कोई हर्ज़ नहीं है। अगर कोई फोटोग्राफर मिल गया तो कल और भी मज़ा आ जाएगा। मैंने अपने होंठ काटे और खुद को एक स्कूली लड़की की तरह खीसें निपोरता पाया। मुझे केट को फोन करना था ताकि वह फोटो शूट का इंतज़ाम कर सके।

अध्याय 3

केट तो खुशी से झूम उठी।

"पर वह क्लेटन में क्या कर रहा है?" फोन से ही उसका कौतूहल छलकने लगा। मैंने स्टोर रूम में खड़े-खड़े अपने सुर को सामान्य दिखाने की भरपूर कोशिश की।

"वह यहां आया हुआ था।"

"ये तो बहुत बड़ा संयोग है। एना, तुझे नहीं लगता कि वह यहां तुझसे मिलने आया होगा?" मेरा दिल सुनते ही हिलोरें लेने लगा पर ये खुशी कुछ ही पलों की थी। सबसे बड़ी और मायूस हकीकत ये थी कि वह बिजनेस के काम से आया हुआ था।

"वह यहां डब्ल्यूएसयू के खेतीबाड़ी विभाग को देखने आया हुआ है। वह किसी शोध के लिए पैसे दे रहा है।" मैंने कहा

"अरे हां, उसने विभाग को 2.5 मिलियन डॉलर का चंदा दिया है।"

"वाऊ!"

"तुझे कैसे पता?"

"एना! मैं एक पत्रकार हूं और मैंने उसके बारे में लिखा है। भला मुझे कैसे नहीं पता होगा।"

"ओ के! कारला बर्नस्टीन तू अपने कान खुले रख और क्या तुझे उसके फोटो चाहिए?"

"बेशक चाहिए। सवाल तो ये है कि कौन जाएगा और कैसे लाएगा?"

"हम उससे पूछ सकते हैं। उसने कहा कि वह कल यहीं है।"

"तुम उससे मिल सकती हो?"

"मेरे पास उसका फोन नंबर है।"

केट ने आह भरी।

"वाशिंगटन का अमीर, रहस्यमयी और सनकी कुंआरा तुझे अपना फोन नंबर दे गया?"

"अरे... हां।"

"एना! वह तुझे पसंद करता है। इसमें कोई शक नहीं है।"

"केट! वह थोड़ी भलमनसाहत दिखा रहा है। हालांकि मुझे भी अपने इन शब्दों पर यकीन नहीं था। –क्रिस्टियन ग्रे और *भला* इंसान? हो सकता है कि वह विनम्र हो पर भला? अचानक दिमाग में आया कि हो सकता है कि वह मुझे पसंद ही करता हो। उसने कहा–मुझे खुशी है कि केट की जगह इंटरव्यू लेने आप आईं। मैंने खुद को खुशी से गले लगा लिया और यहां-वहां झूलने लगी। केट ने भी मेरी संभावना की ही पुष्टि की थी कि शायद वह मुझे पसंद करता हो।

"पता नहीं, शूट कौन कर पाएगा? हमारा नियमित फोटोग्राफर नहीं कर सकता। वह तो वीक एंड मनाने गया है। उसे तो अफसोस होगा कि उसके हाथ से अमेरिका के एक बड़े उद्यमी के फोटो खींचने का मौका छूट गया?"

"हम्म...जोस कैसा रहेगा?"

"ग्रेट आइडिया! तू उससे पूछ। तेरे लिए वह कुछ भी कर सकता है। फिर ग्रे से पूछ कि वह हमसे कहां मिलना चाहेगा।" केट ने कहा।

"मेरे हिसाब से तुझे उसे कॉल करना चाहिए।"

"जोस को क्यों?" केट चिढ़ गई।

"नहीं, ग्रे को।"

"एना! इस समय तू इस रिलेशनशिप में है।"

"रिलेशनशिप?" मैं तो उसे सही तरीके से जानती तक नहीं।

"तू उससे मिली तो है। वह बोली। ऐसा लगता है कि वह तुझे और बेहतर तरीके से जानना चाहता है। एना! उसे कॉल कर।" उसने फोन काट दिया। कई बार तो वह काफी मालिकाना तरीके से पेश आती है। मैंने अपने फोन को देख कर जीभ निकाली।

जोस के लिए मैसज दे ही रही थी कि पॉल सैंडपेपर खोजता हुआ वहीं आ गया।

"एना! हम लोग काफी बिजी हैं।" उसने कहा।

"सॉरी! मैं जा ही रही हूं।"

"तुम ग्रे को कैसे जानती हो?" पॉल ने गहरी उदासी के सुर में पूछा

"मुझे स्टूडेंट अखबार के लिए उसका इंटरव्यू लेना था और केट बीमार थी।" मैंने कंधे झटके और बात को हवा में उड़ाने की कोशिश की।

"क्रिस्टियन ग्रे और वह भी क्लेटन में। वाह!" पॉल ने कहा। फिर बोला–"वैसे आज शाम तुम्हारे साथ एक ड्रिंक हो जाए।"

वह जब भी आता है, हमेशा डेट के लिए पूछता है और मैं मना कर देती हूं। ये हमेशा से होता आ रहा है। मुझे बॉस के भाई के साथ ये सब करना सही नहीं लगता वैसे भी पॉल कोई साहित्यिक हीरो नहीं लगता। वह एक आम सुंदर और पड़ोसी अमेरिकन लड़कों जैसा दिखता है। पर तभी मेरे अंदर से किसी ने पूछा–*क्या ग्रे वैसा है?* मैंने अपनी आवाज़ को झट से दबा दिया।

"क्या आज तुम्हारे भाई के परिवार के साथ डिनर नहीं है?"

"वह तो कल है।"

"पॉल फिर कभी। मुझे आज पढ़ना है। अगले सप्ताह से फाइनल पेपर्स हैं।"

"एना! वह दिन कब आएगा, जब तुम हां कहोगी।" वह मुस्कुराया और मैं दूसरी ओर निकल गई।

"पर एना मैं लोगों की नहीं, जगहों की तस्वीरें लेता हूं।" जोस ने कहा

"जोस प्लीज!" मैंने विनती की। मैं अपने अपार्टमेंट के लिविंग रूम में चक्कर काटते हुए जोस से फोन पर बात कर रही थी। साथ ही खिड़की से ढलती शाम को भी देख रही थी।

"मुझे फोन दे।" केट ने फोन लेते हुए अपने रेशमी लाल-भूरे बाल कंधों पर झटके।

"सुनो जोस रौड्रिज! अगर चाहते हो कि हमारा अखबार तुम्हारे शो की ओपनिंग कवर करे तो तुम्हें हमारे लिए कल का शूट करना होगा। समझे?" केट भी कई बार कितने कठोर तरीके से पेश आती है। "ठीक है, एना तुम्हें जगह और वक्त बता देगी। हम कल मिलते हैं।" उसने फोन काट दिया।

"हो गया। बस हमें तय करना है कि उसे कब और कहां बुलाना है।" उसने फोन देते हुए कहा–"ग्रे से बात कर।"

मेरे पेट में खलबली होने लगी। मैंने उसे घूरा और जींस की पिछली जेब से उसका कार्ड निकाला। गहरी सांस ली और कांपती अंगुलियों से उसका नंबर मिलाया। उसने दूसरी बेल पर ही जवाब दिया। उसका सुर शांत, ठंडा और ठहरा हुआ था।

"ग्रे ..."

"अर...मि. ग्रे? मैं एनेस्टेसिया बोल रही हूं।" मैंने अपनी ही आवाज़ नहीं पहचानी। इतना घबराई हुई थी कि क्या कहूं। एक हल्की-सी

खामोशी छा गई।

"मिस स्टील! तुम्हारी आवाज़ सुन कर अच्छा लगा।" उसका सुर बदल गया था। मुझे लगा कि उसे हैरानी हुई और शायद उसकी आवाज़ की गरमाहट और अदा भी महससू की जा सकती थी। अचानक मुझे याद आया कि कैथरीन कैवेना मुझे ही देख रही थी। उसका मुंह खुला था और मैं उससे बचने के लिए रसोई की ओर चली गई।

फोन पर भी ग्रे की मुस्कान का अंदाजा लगाया जा सकता था।

"उम्म. हम कल लेख के लिए फोटो शूट करना चाहते थे।" *एना! सांस ले ले।* मेरे फेफड़ों ने झट से सांस ली।

"क्या कल ठीक रहेगा? सर! आपके लिए कहां सुविधाजनक होगा?"

"मैं पोर्टलैंड में हीथमैन में ठहरा हूं। कल सुबह साढ़े नौ बजे मिलते हैं।"

"ओ के! आपसे वहीं मिलेंगे।" मैं एक छोटे बच्चे की तरह हांफ रही थी। किसी महिला की तरह पेश नहीं आ रही थी जो वाशिंगटन स्टेट में वोट कर सकती है और जिसे शराब पीने का कानूनन हक मिल चुका है।

"मिस स्टील! मैं इंतज़ार करूंगा।" मैंने उसकी आंखों की दुष्ट चमक को मन ही मन देखा। *वह इन शब्दों को भी इस अदा के साथ कैसे बोल पाया।* मैंने फोन रखा और केट वहीं आकर मुझे घूरने लगी।

"एनेस्टेसिया रोज स्टील। तुम उसे पसंद करती हो। मैंने तुम्हें कभी किसी से इतना प्रभावित होते... नहीं देखा। तुम तो सच्ची शरमा रही थी।"

"ओह केट! तुझे पता तो है कि मुझे हमेशा ही शर्म आती रहती है। मेरे साथ ये होता ही रहता है। तू बेकार की बातें मत कर। बस यही बात है कि मैं उससे थोड़ा डरती हूं।"

"हीथमैन! अच्छा। मैं मैनेजर से बात करती हूं कि वह हमें शूट के लिए जगह दे दे।"

"मैं खाना बना लेती हूं। फिर पढ़ना भी है।"

उस रात मैं काफी बेचैन रही और लगातार गहरी भूरी आंखों, एप्रन, लंबी टांगों, लंबी अंगुलियों और गहरी अंधेरी अनजान जगहों के ही सपने देखती रही। रात को दो बार नींद खुली और दिल पर जैसे कोई हथौड़े बरसा रहा था। ओह! नींद पूरी नहीं हो रही और मैं कल उससे मिलने जा रही हूं। मैंने खुद को फटकारा। तकिए पर एक घूंसा मारने के बाद खुद को सहेज लिया।

पोर्टलैंड के मध्य में बसा हीथमैन होटल भूरे पत्थर की एक शानदार इमारत है, जो बीस के दशक के अंत में तैयार हुआ था। जोस, ट्राविस और मैं मेरी बीटल में हैं और केट अपने सीएलके में आ रही है क्योंकि हम सभी मेरी कार में फिट नहीं आ रहे थे। ट्राविस जोस का दोस्त है और लाइटिंग सेट करने में मदद करेगा। केट ने हीथमैन में किराए के बिना एक कमरा हथिया लिया है ताकि वहां शूट हो सके। बेशक उसे उन्हें लेख में शामिल करने का लालच देना पड़ा। जब उसने रिसेप्शन पर कहा कि हम वहां सीईओ क्रिस्टियन ग्रे के फोटोशूट के लिए आए हैं तो हमें झट से एक सुइट दे दिया गया। वह एक आम सुइट था क्योंकि सबसे बड़े सुइट में तो मि. ग्रे पहले से ही रह रहे थे। हमें एक जवान एक्जीक्यूटिव ने वहां का रास्ता दिखाया और पता नहीं क्यों, वह काफी घबराया हुआ दिखा। मुझे लगा कि उस पर केट की खूबसूरती और अदाओं का असर हुआ है। कमरे काफी अच्छे, बड़े और शानदार थे।

"नौ बजे हैं और हमारे पास सब सेट करने के लिए आधा घंटा है।" केट पूरे जोश में थी।

"जोस, हमें इस दीवार के पास शूट करना चाहिए। तुम क्या कहते हो?" उसने जवाब का भी इंतज़ार नहीं किया। ट्राविस तुम कुर्सियां हटाओ और एना प्लीज़ तुम हाउसकीपिंग को बोल कर कुछ खाने को मंगवा लो। और ग्रे को कह दो कि हम आ गए हैं।"

"*हां मिस्ट्रेस! बड़ी आई नक्शे झाड़ने वाली।* मैंने अपनी आंखें गोल कीं पर उसके काम भी कर दिए।

आधे घंटे बाद ग्रे हमारे सुइट में आया।

"हाय!" उसने खुले गले वाली सफेद कमीज के साथ ग्रे फलानेल की पैंट पहन रखी है, जो नितंबों से नीचे झूल रही है। उसके बाल अभी गीले हैं। उसे देखते ही मेरा मुंह सूख गया...ये तो जबरदस्त हॉट है। ग्रे के साथ एक और आदमी अंदर आया, जो शायद तीस के लपेटे में होगा, गहरे काले सूट और टाई वाला वह आदमी चुपचाप एक कोने में खड़ा हो गया। उसकी आंखें हम सभी को ताक

रही थीं।

"मिस स्टील! आज फिर मुलाकात हो ही गई।" उसने अपना हाथ आगे किया और मैंने पलकें झपकाए बिना हाथ मिलाया।

ओह, ये तो कितना...मैंने उससे हाथ मिलाया तो पूरे शरीर में सनसनी की लहर सी दौड़ गई, चेहरे पर लाली छा गई और बेशक दूसरों को भी मेरी उथली सांसें सुनाई दे गई होंगीं।

"मि. ग्रे! ये कैथरीन कैवेना हैं।" मैंने केट की ओर संकेत किया तो वह आगे आई और ग्रे की आंखों में सीधा देखने लगी।

"ओह अपनी जिद की पक्की मिस कैवेना, कैसी हैं आप?" उसने एक मुस्कान दी और बोला–"आपकी तबीयत ठीक है? एनेस्टेसिया ने कहा कि आपकी तबीयत ठीक नहीं थी।"

"मैं ठीक हूं। थैंक्यू। मि. ग्रे।" उसने कड़ाई से हाथ मिलाया। मैंने खुद को याद दिलाया कि केट वाशिंटन के प्राइवेट स्कूलों की पढ़ी हुई है। वह पैसे वाले घर से है और पूरे आत्मविश्वास के साथ दुनिया में अपनी जगह बनाना जानती है। उसे कहीं झिझक महसूस नहीं होती। मैं उसे देखकर विस्मित थी।

"धन्यवाद! आपने शूट के लिए समय दिया।" उसने अपनी विनीत व्यावसायिक मुस्कान दी।

"मुझे भी खुशी हुई।" ग्रे ने नजरें मुझ पर डालीं और मैं फिर से लजा गई।

"ये हमारा फोटोग्राफर जोस रॉड्रिज।" मैंने जोस को देखकर खीसें निपोरीं और वह भी मुझे स्नेह से देखकर मुस्कुराया। उसने फिर ग्रे की ओर देखा।

"मि. ग्रे!"

"मि. जोस!" ग्रे के भाव अचानक बदल गए।

"मुझे कहां बैठना होगा।" ग्रे ने धमकी भरे सुर में कहा पर केट जोस को सारा चार्ज देने के मूड में नहीं थी।

"मि. ग्रे! प्लीज़ क्या आप यहां बैठ सकते हैं? इन तारों से सावधान रहें। फिर हम कुछ पोज़ खड़ी मुद्रा में भी लेंगे।" उसने दीवार के पास पड़ी कुर्सी की ओर संकेत किया।

ट्राविस ने बत्तियां जला दीं। पल भर के लिए ग्रे ने पलकें झपकाईं और सॉरी कहा। फिर हम पीछे खड़े होकर शूट देखने लगे। जोस ने कई तस्वीरें लीं। ग्रे को थोड़ा आगे खिसकने,पीछे होने, बाजू ऊपर या नीचे करने के लिए कहा गया। ग्रे पूरे बीस मिनट तक सहज भाव से कई तरह के पोज़ देता रहा। मेरी इच्छा पूरी हो गई थी–मैं वहां खड़े-खड़े उसे निहार सकती थी। दो बार हमारी नज़रें मिलीं और मुझे अपनी नजरें मिलाना भारी पड़ गया।

"बस हो गया। मि. ग्रे! कुछ पोज़ खड़े होकर दें।"

वह खड़ा हुआ तो ट्राविस ने कुर्सी खींच ली। जोस का निकॉन कैमरा फिर से तस्वीरें लेने लगा।

जोस ने पांच मिनट बाद कहा-"मेरे हिसाब से तो काम हो गया।"

ग्रेट! केट ने कहा। मि. ग्रे! आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उसने और जोस ने हाथ मिलाया।

"मिस कैवेना मैं आपके लेख का इंतजार करूंगा। फिर वह बोला–"मिस स्टील क्या आप मेरे साथ बाहर तक चलेंगीं?"

"जी क्यों नहीं।" मैंने केट को देखा, जिसने अपने कंधे झटक दिए। मैंने जोस को उसके पीछे मुंह बनाते देखा।

ग्रे ने दरवाजा खोल कर कहा–"आप सबका दिन अच्छा हो!"

हे भगवान! ये चाहता क्या है? ये हो क्या रहा है? मैं होटल की लॉबी में रुकी और दरवाजे से ग्रे और उसके बंदे को बाहर आते देखा।

"टेलर! मैं तुम्हें कॉल दूंगा।" टेलर लॉबी में वापिस चला गया और ग्रे ने अपनी जलती हुई आंखों से मुझे देखा...*हाय! मुझसे कुछ*

गलती हो गई क्या?

"मैं सोच रहा था कि क्या तुम आज मेरे साथ कॉफी पीना चाहोगी?"

मेरा दिल उछलकर मुंह में आ गया। एक डेट? क्रिस्टियन ग्रे मुझसे डेट के लिए पूछ रहा है। वह कॉफी के लिए पूछ रहा है। हो सकता है कि तू अभी जागी ही न हो। मैंने गला खंखारा और खुद को संभाला।

"मुझे सबको घर ले जाना है।" मैंने उससे माफी मांगी।

"टेलर!" उसने कहा और मैं उछल पड़ी। टेलर एकदम लौट आया।

"क्या ये लोग यूनीवर्सिटी में रह रहे हैं?" ग्रे ने मुलायम स्वर में पूछा। मैंने हामी दी।

"टेलर उन्हें ले जा सकता है। यह मेरा ड्राईवर है। हमारे पास यहां बड़ी गाड़ी है, जिसमें सभी आ जाएंगे।"

"जी मि. ग्रे?" टेलर ने आते ही पूछा।

"प्लीज! क्या तुम इनके साथ आए लोगों को वापिस छोड़ दोगे?"

"क्यों नहीं सर!" टेलर ने कहा

"हां... अब कॉफी के लिए चल सकती हो।" ग्रे मुस्कुराया मानो कोई डील पूरी हो गई हो। मैंने भौंह नचाई।

"उफ्फ... मि. ग्रे! टेलर को उन्हें घर ले जाने की जरूरत नहीं होगी। अगर आप मुझे एक मिनट दें तो मैं केट से अपनी गाड़ी बदल लूंगी।"

ग्रे ने पूरे दांत दिखाते हुए सुंदर सी मुस्कान दी। और सुईट का दरवाजा खोल दिया ताकि मैं अंदर जा सकूं। मैंने कमरे में कैथरीन को जोस के साथ किसी बातचीत में मग्न पाया।

"एना, मुझे सचमुच लगता है कि वह तुम्हें पसंद करता है।" उसने अचानक बिना किसी भूमिका के कहा। जोस ने मुझे मायूसी से घूरा। पर मुझे उस पर भरोसा नहीं है। फिर वहबोली। मैंने हाथ ऊंचा करके उसे चुप रहने का संकेत किया। शुक्र है कि वह शांत हो गई।

"केट! अगर तुम वांडा ले जाओ तो मैं तुम्हारी कार में आ जाऊंगी।"

"क्यों?"

"मि. ग्रे मुझे कॉफी के लिए ले जाना चाहते हैं।"

उसका मुंह खुला का खुला रह गया। केट की बोलती बंद! मैंने उन पलों का आनंद लिया। उसने मुझे बांह से पकड़ा और घसीट कर साथ वाले बेडरूम में ले गई। "एना! जरूर कोई बात है। बेशक वह सुंदर और आकर्षक है पर खतरनाक भी है, खासतौर पर तुझ जैसे लोगों के लिए...।" उसने चेतावनी दी।

"मेरे जैसे लोग से क्या मतलब है?"

"एना, तेरे जैसे मासूम लोग! तू जानती है कि मैं क्या कह रही हूं।" उसने थोड़ा खीझकर कहा और मैं खिसिया गई।

"केट! एक कप कॉफी की ही तो बात है। वैसे भी मुझे पढ़ना है। पेपर होने वाले हैं इसलिए ज़्यादा देर तक नहीं रुकूंगी।"

उसने अपने होंठ भींचे और फिर अपनी कार की चाबियां जेब से निकाल कर मुझे दे दीं। मैंने उसे अपनी कार की चाबियां दे दीं।

"बाद में मिलते हैं। देर मत करना वरना मैं तुझे खोजने के लिए खोजी दस्ता भेज दूंगी ताकि तेरी सुरक्षा की जा सके।"

"थैंक्स!" मैंने उसे गले से लगाया।

मैं सुइट से बाहर निकली तो क्रिस्टियन ग्रे दीवार के पास झुका इंतज़ार कर रहा था मानो कोई कोई पुरुष मॉडल किसी ग्लासी पत्रिका के लिए पोज़ खिंचवा रहा हो।

"ओ के! कॉफी के लिए चलें।" मैंने शरमाते हुए कहा।

उसने मुस्कान दी।

"पहले आप मिस स्टील! वह सीधा खड़ा हुआ और हाथ के संकेत से मुझे आगे आने को कहा। मैं कॉरीडोर से बाहर आई तो घुटने कांप रहे थे और पेट में उथल-पुथल मची थीं ऐसा लग रहा था कि कलेजा उछलकर मुंह में आ जाएगा। *मैं क्रिस्टियन ग्रे के साथ कॉफी पीने जा रही हूं हालांकि मुझे कॉफी सख्त नापसंद है।*

हम होटल के चौड़े बरामदे से एक साथ लिफ्ट की तरफ बढ़े। *मुझे उसे क्या कहना चाहिए?* मेरे दिमाग में यही सवाल गूंजने लगा। हम किस बारे में बात करने जा रहे हैं? मेरे और उसके बीच कॉमन क्या है? उसका धीमा और मुलायम स्वर मुझे वर्तमान में खींच लाया।

"तुम कैथरीन कैवेना को कब से जानती हो?"

ओह! शुरुआत के हिसाब से आसान सवाल है।

"कॉलेज के पहले साल से। वह एक अच्छी दोस्त है।"

"हम्म।" उसने गर्दन हिलाई। वह क्या सोच रहा है।

उसने लिफ्ट के लिए कॉल बटन दबाया और तभी एक घंटी बजी। दरवाजा खुलते ही एक जवान जोड़ा दिखा जो एक-दूसरे की बांहों में था। वे दोनों अचानक हैरानी से उछलकर अलग हो गए और बगलें झांकने लगे। ग्रे और मैंने अंदर कदम रखा।

मैं भाव छिपाने की कोशिश में नीचे देखने लगी पर गालों पर गुलाबी रंगत आ गई थीं जब मैंने कनखियों से ग्रे को देखा तो उसके होंठों पर भी हल्की सी मुस्कान थी पर दिखाई नहीं देती थी।

नए जोड़े ने कुछ नहीं कहा और हम चुपचाप पहली मंजिल तक आ गए।

दरवाजा खुला और ग्रे ने अपनी लंबी और ठंडी अंगुलियों में मेरा हाथ थाम लिया। ऐसा लगा कि पूरे शरीर में बिजली की लहर सी दौड़ गई और दिल तेजी से धड़कने लगा। हम बाहर निकले तो पीछे से उस जोड़े के हंसने के स्वर सुनाई दिए। ग्रे ने खीसें निपोर दीं।

इन लिफ्टों में ऐसी क्या खूबी है? वह धीरे से बोला।

हमने होटल की आलीशान लॉबी पार की और बाहर की तरफ चल दिए। मैंने देखा कि ग्रे ने गोल घूमने वाले दरवाजे से जाने की बजाए दूसरा रास्ता चुना क्योंकि उसे मेरा हाथ छोड़ना पड़ता।

मई महीने के खूबसूरत रविवार ने हमारा स्वागत किया। सूरज चमक रहा है और ट्रैफिक भी कम है। ग्रे बाएं मुड़ा और कोने में आ गया। वहां से हमने सड़क पार करने के लिए इंतजार किया। उसने अब भी मेरा हाथ थाम रखा है। मैं सड़क पर क्रिस्टियन ग्रे के साथ हूं और उसने मेरा हाथ थाम रखा है। आज तक किसी ने मेरा हाथ नहीं थामा। मैंने अपने चेहरे पर आ रही उस मुस्कान को रोकने की कोशिश की। एना! कूल दिखने की कोशिश कर। किसी ने अंदर से टहोका दिया। हम बत्ती बदलते ही आगे चल दिए।

पोर्टलैंड कॉफी हाउस पहुंचने से पहले हमने चार ब्लॉक पार किए, वहां ग्रे ने मेरा हाथ छोड़कर दरवाजा खोला ताकि मैं अंदर जा सकूं।

"जब तक मैं ड्रिंक्स लाता हूं, तुम कोई मेज क्यों नहीं देख लेतीं? क्या लेना चाहोगी?" उसने विनीत स्वर में पूछा।

"मैं... इंग्लिश ब्रेकफास्ट टी लूंगी, बैग के बिना।"

उसने भौहें उठाई।

"और कॉफी?"

"मैं नहीं पीती।"

वह मुस्कुराया।

"ओ के! चाय और चीनी?"

एक पल के लिए तो कुछ समझ नहीं आया। फिर दिमाग में आया कि वह चीनी के लिए पूछ रहा है।

"नहीं थैंक्स।" मैंने अपनी अंगुलियों पर नजरें गड़ाई रखीं।

"कुछ खाने के लिए?"

"नहीं थैंक्स।" मैंने गर्दन हिलाई और वह कांउटर की ओर चल दिया।

जब वह वहां लाइन में खड़ा था तो मैं पलकें झपकाए बिना उसे ही ताकती रही। मैं तो सारा दिन उसे यूं ही देख सकती थी।

लंबा और गठा हुआ बदन, छरहरी काया और कमर से झूलती उसकी पैंट। एक-दो बार उसने अपनी सूखे बालों में भी अंगुलियां फेरीं हम्म... मुझे यह अदा भी बहुत भाई। अचानक उसके लिए मन में ऐसे ख्याल आने लगे कि क्या कहूं। मैं तो अपने-आप से ही शरमाने लगी।

ग्रे अचानक लौट आया–"क्या सोच रही थीं?"

मैं तो और भी शरमा गई। *मैं सोच रही थी कि काश तुम्हारे बालों में अंगुलियां घुमा कर देख पाती कि वे कितने मुलायम हैं।* मैंने अपनी गर्दन हिलाई। उसके हाथ में एक ट्रे है जो उसने छोटे से मेज पर रख दी। उसने मुझे कप-प्लेट, एक छोटी केतली और चाय के बैग वाली ट्रे पकड़ा दी। वह अपने लिए कॉफी लाया था, जिसके दूध पर बहुत सुंदर पत्ती का डिजाइन बना था। वे इसे कैसे बनाते होंगे? मैंने यूं ही सोचा। उसने अपने लिए एक ब्लयूबेरी मफिन भी लिया था। उसने अपनी ट्रे मेरे सामने रखी और टांगे मोड़ कर आराम से बैठ गया। वह अपने शरीर के साथ इतना सुविधाजनक कैसे महसूस कर पाता है, मुझे उससे जलन होने लगी। यहां मैं हूं, हर काम को इतने बेहूदे तरीके से करती हूं कि क्या कहूं?

"क्या सोच रही थीं?" उसने पूछा

"ये मेरी मनपसंद चाय है।" सच यकीन नहीं आ रहा कि मैं पोर्टलैंड कॉफी हाउस में क्रिस्टियन ग्रे के सामने बैठी हूं। उसे पता है कि मैं कुछ और सोच रही हूं। मैंने टी-बैग को केतली में डाला और साथ ही निकाल लिया। प्लेट के कोने में टी-बैग रखने लगी तो उसने सवालिया निगाहों से देखा।

"मैं थोड़ी काली और हल्की चाय लेती हूं।" मैंने सफाई दी।

"अच्छा। क्या वह तुम्हारा ब्वायफ्रेंड है?"

"क्या ...क्या?.....कौन?"

"वही फोटोग्राफर जोस।"

मैं हंसी, घबराहट के साथ कौतूहल भी हुआ। उसे ऐसा क्यों लगा होगा?

"नहीं, वह तो मेरा अच्छा दोस्त है। आपको ऐसा क्यों लगा?"

"जिस तरह तुम दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुरा रहे थे।" उसने मुझे घूरा।

मैंने अपनी नज़रें वहां से हटानी चाहीं पर उससे नजरें हटाना इतना आसान नहीं है।

"वह मेरे लिए परिवार की तरह है।" मैं फुसफुसाई।

ग्रे ने हामी दी। लगा कि उसे जवाब से तसल्ली हो गई है। फिर उसने अपने मफिन की ओर देखा। उसने अपनी लंबी अंगुलियों से उसका कागज उतारा और मैं सम्मोहित भाव से निहारती रही।

"क्या तुम लोगी?" उसने अपनी भीनी सी मुस्कान के साथ पूछा।

"नहीं थैंक्स!" मैं अपने हाथों को देखने लगी।

"और हम कल स्टोर में जिस लड़के से मिले थे। वह तुम्हारा ब्वायफ्रेंड नहीं था?"

"नहीं, कल बताया तो था। पॉल भी एक दोस्त है। ये सब अजीब होता जा रहा है। आप क्यों पूछ रहे हैं?"

"तुम पुरुषों को देखकर घबरा जाती हो।"

ये तो बड़ा निजी सवाल है। ग्रे! मैं सिर्फ तुम्हारे सामने ही नर्वस हो रही हूं।

"मुझे आपसे डर लगता है।" मैंने धीमे से कहा पर साथ ही अपने-आप को इस बहादुरी के लिए शाबाशी भी दी। उसने गहरी सांस भरी।

"तुम्हें मुझसे डरना ही चाहिए। वैसे तुम बड़ी सच्ची हो। अपना मुंह ऊपर करो। मैं तुम्हारा चेहरा देखना चाहता हूं।"

ओह! मैंने उसे देखा तो उसने मुझे अजीब पर तसल्ली से भरी मुस्कान दी।

"चलो तुम्हारी सोच के बारे में कुछ तो पता चला। मिस स्टील! तुम किसी राज़ से कम नहीं हो।"

"मैं एक राज़?"

"मेरे पास तो कोई राज़ नहीं छिपा है।"

"तुम अपने-आप से ही संतुष्ट रहनेवालों में से हो।" उसने कहा

मैंने सुना और मन ही मन खुद को शाबाशी दी। वैसे मुझे पता है कि ये सच नहीं था।

"वैसे जब तुम शरमाती हो तो ऐसा नहीं लगता और तुम अकसर शरमाती हो। काश! मैं जान पाता कि तुम्हें क्या सोचकर शरम आती है।" उसने मुझ पर नजरें हटाए बिना मफिनका टुकड़ा मुंह में डाला और उसे चबाने लगा। और फिर अचानक मै लजा गई। उफ्फ! मैं क्या करूं?

"क्या आप हमेशा इसी तरह दूसरों के बारे में निरीक्षण करते रहते हैं?"

"मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं ऐसा कर रहा था।" क्या मैंने तुम्हें नीचा दिखाया? उसने हैरानी से कहा

"नहीं," मैंने भी ईमानदारी से जवाब दिया।

"अच्छा।"

"पर आप कुछ अलग तरह के हैं।"

"हां, मैं हर काम अपने तरीके से करता हूं, एनेस्टेसिया हर काम!"

"मुझे इसमें कोई शक नहीं है। तभी आपने मुझे आपके पहले नाम से बुलाने को नहीं कहा।" मैं अपने बातूनीपन से खुद ही हैरान थी। ये बातचीत इतनी गंभीर कैसे हो गई? मेरे हिसाब से ये तो नहीं होना चाहिए था।

"मेरे परिवार के सदस्य और खास दोस्त ही मुझे मेरे पहले नाम से बुलाते हैं और मैं इसे इसी रूप में पसंद करता हूं।"

ओह! उसने अब भी नहीं कहा। तुम मुझे क्रिस्टियन कह सकती हो। सच्ची ये तो दूसरों पर काबू रखने वाला सनकी लगता है। मेरे मन का एक हिस्सा सोच रहा था कि काश केट ने इसका इंटरव्यू लिया होता तो कहीं बेहतर होता। दोनों अकड़ू आमने-सामने होते।

वैसे भी वह उसके ऑफिस की दूसरी औरतों की तरह ब्लांड है। और मेरे भीतर से कोई बोला–सुंदर भी तो है। मुझे उन दोनों के बारे में एक साथ सोचकर अच्छा नहीं लगा। मैंने चाय का घूंट भरा और उसने अपने मफिन से एक और टुकड़ा लिया।

"क्या आप इकलौती संतान हैं?" मैंने पूछा।

"क्या..." वह बार-बार सीट पर बेचैनी से जगह बदलने लगा।

"हां।"

"मुझे अपने माता-पिता के बारे में बताओ।"

ये क्यों जानना चाहता है? बेकार की बातें।

"मॉम अपने नए पति बॉब के साथ जार्जिया में रहती हैं और सौतेले पिता मोंटीसेनो में रहते हैं।"

"और तुम्हारे पिता?"

"जब मैं छोटी-सी थी तो उनकी मौत हो गई।"

"सॉरी!" उसने कहा और चेहरे पर अजीब से भाव तिर आए

"मुझे उनके बारे में याद नहीं है।"

"और तुम्हारी मां ने फिर से शादी कर ली?"

मैंने नाक सिकोड़ी।

"कह सकते हैं।"

उसने त्योरी चढ़ाई

"तुम कुछ खास नहीं बता रहीं।" उसने चिबुक पर हाथ मलते हुए कहा।

"आपने भी तो नहीं बताया था।"

"तुम पहले ही मेरा इंटरव्यू ले चुकी हो और मैं उस समय पूछे गए कई तरह के सवालों को अब भी याद कर सकता हूं।"

हाए! लगता है कि इसे समलैंगिक वाली बात भूली नहीं। एक बार फिर से मैं शर्मसार हो गई। कई साल तक मुझे इलाज करवाना होगा ताकि इस बारे में बात करने पर मैं शर्मिंदा होना छोड़ दूं। मैंने दिमाग से इस बात को निकालने के लिए अपनी मॉम के बारे में बड़बड़ाना शुरू कर दिया।

"मेरी मॉम बहुत प्यारी हैं। वे बहुत रोमानी स्वभाव की हैं। इन दिनों वे अपने चौथे पति के साथ हैं।"

क्रिस्टियन ने हैरानी से भौं नचाई।

"मैं उन्हें बहुत याद करती हूं। अब उनके साथ बॉब है। उम्मीद करती हूं कि जब मॉम की बेतुकी योजनाएं असफल होती होंगी तो वह उनकी मदद करता होगा। मैं दिल से मुस्कुराई। मैंने मॉम को लंबे समय से नहीं देखा था।" क्रिस्टियन कॉफी के घूंट भरते हुए मुझे देखता रहा। मुझे उसके मुंह की तरफ नहीं देखना चाहिए था।

"क्या तुम सौतेले पिता के साथ रहती थीं?"

"हां, मैं उन्हीं के पास पली बढ़ी। मैं उन्हें ही अपने पिता के रूप में जानती हूं।"

"और वे क्या पसंद करते हैं? वे भी अपनी सौतेली बेटी से प्यार करते हैं?"

मैंने उसे हैरानी से देखा। उसे मेरे जीवन की कहानी में क्या रस आ रहा था।

मेरे पिता को सूकर-खासतौर पर यूरोपियन सूकर, बाउलिंग, मछली पकड़ना और फर्नीचर बनाना पसंद है। वे सेना में बढ़ई का काम कर चुके हैं। मुझसे बहुत प्यार करते हैं।

"तुम उनके साथ रहती थीं?"

"हां। जब मैं पंद्रह की थी तो मॉम अपने पति नंबर तीन से मिलीं। मैं रे के साथ ही रहने लगी।"

उसने भौं नचाई, जैसे उसे कुछ समझ नहीं आया।

"तुम मॉम के साथ नहीं रहना चाहती थीं?"

उसे इस बात से क्या लेना है?

"पति नंबर तीन टैक्सास में रहता था। मेरा घर वहां से दूर था और मॉम...की नई शादी हुई थी।" मैं वहीं रुक गई। मॉम कभी नंबर तीन की बात नहीं करतीं। ग्रे बातों को कहां ले जा रहा है?

"अपने माता-पिता के बारे में बताइए?"

उसने कंधे झटके।

"मेरे पिता एक वकील हैं और मॉम एक बालरोग विशेषज्ञ हैं। वे सिएटल में रहते हैं।"

ओह! ये तो काफी अमीर घर में पला-बढ़ा है। और मैं उस अद्‌भुत जोड़े के बारे में सोच रही थी जिसने तीन बच्चे गोद लिए और उनमें से एक सुंदर पुरुष ने अकेले ही बिजनेस की दुनिया में इतना नाम कमा लिया। उसे ये प्रेरणा किसने दी होगी? उसके घरवालों को उस पर नाज़ होगा।

"आपके भाई-बहन क्या करते हैं?"

"इलियट निर्माण के काम में है और मेरी छोटी बहन पेरिस में है। वह किसी जाने-मानेफ्रेंच शेफ से कुकरी कोर्स कर रही है।" उसकी आंखों में खीझ उभर आई। उसे अपने या अपने परिवार के बारे में बात करना पसंद नहीं है।

"मैंने सुना है कि पेरिस सुंदर जगह है।" मैं हौले से बोली। वह अपने परिवार के बारे में बात क्यों नहीं करना चाहता। इसलिए क्योंकि उसे गोद लिया गया था?

"मैं कभी यूएसए से बाहर नहीं गई।"

"क्या तुम जाना चाहोगी?"

"पेरिस?"

"पेरिस कौन नहीं जाना चाहेगा? पर पहले मैं इंग्लैण्ड जाने की ख़्वाहिश रखती हूं।"

उसने गर्दन एक ओर झटकी और निचले होंठ पर तर्जनी फिराई। ओह..

"क्योंकि?"

मैंने पलकें झपकाईं। *एना! बात पर ध्यान दे।*

"ये शेक्सपीयर, आस्टेन, ब्रांट सिस्टर्स और थॉमस हार्डी जैसे लेखकों का देश है। मैं वो जगह देखना चाहूंगी जिन्होंने इन लोगों को इतनी अच्छी किताबें लिखने की प्रेरणा दी।" साहित्यिक लेखकों की बात करते-करते मुझे याद आया कि मुझे पढ़ना चाहिए। घड़ी पर नजर मारी।

"मुझे जाना चाहिए। पढ़ना भी है।"

"पेपर्स आ रहे हैं?"

"हां, मंगलवार से हैं।"

"मिस कैवेना की कार कहां है?"

"होटल के पार्किंग लॉट में।"

"मैं तुम्हें वहीं छोड़ देता हूं।"

"मि. ग्रे चाय के लिए धन्यवाद।"

उसने मुझे एक अकबकी-सी मुस्कान दी।

"एनेस्टेसिया! मुझे खुशी हुई। आओ।" उसने कहा और फिर से मेरा हाथ थाम लिया। मैंने भी चुपचाप साथ चलने का फैसला लिया।

हम होटल की ओर चल दिए। इस समय वह पूरी तरह से शांत और ठहरा हुआ लग रहा था। मैंने मन ही मन हिसाब लगाना चाहा कि आज की ये सुबह कैसी रही? मुझे ऐसा लग रहा था कि किसी नौकरी के लिए मेरा इंटरव्यू लिया गया हो। हालांकि ये समझ नहीं आ रहा था कि नौकरी क्या थी?

"क्या तुम हमेशा जींस पहनती हो?" उसने पूछा।

"तकरीबन"

उसने हामी दी। हम सड़क पार कर होटल वापिस आ गए। मेरे दिमाग में कई सवाल घूम रहे हैं। मुझे पता है कि समय भी काफी कम है। आखिरकर मैंने पूछ ही लिया—"क्याआपकी कोई गर्लफ्रेंड नहीं है।''

''मैं ये पसंद नहीं करता।" उसने आराम से कहा

वह कहना क्या चाहता है? वह समलैंगिक नहीं है। या हो सकता है कि हो। उसने मुझसे इंटरव्यू में झूठ कहा होगा। और एक पल के लिए लगा कि शायद वह अपनी बात की सफाई देना चाहेगा पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। मुझे चलना चाहिए ताकि मैं अपनी सोच को कोई दिशा दे सकूं। मुझे इससे परे जाना ही होगा। मैं जैसे ही आगे बढ़ी, अचानक पैर उलझने से लड़खड़ा गई।

"संभलो एना!" उसने मेरा हाथ इतनी जोर से पकड़कर अपनी ओर खींचा कि मैं उस पर तकरीनब गिर ही पड़ी, उसी वक्त एक साइकिल वाला विपरीत दिशा से आते हुए तेजी से निकल गया और मैं उससे टकराते-टकराते बची।

ये सब काफी तेजी से हुआ। एक पल में मैं गिर रही थी और दूसरे ही पल उसकी बांहों में थी और उसने मुझे अपनी छाती से कस कर लगा रखा था। मैंने उसकी गंध को जी भर कर महसूस किया। उसके शरीर से ताजे धुले लिनन और किसी महंगे बॉडी वॉश की गंध आ रही थी, जो मदहोश कर देने वाली थी। मैंने गहरी सांस भरी।

"क्या तुम ठीक हो?" वह धीरे से बोला। उसने एक हाथ से मुझे थाम रखा था और दूसरे हाथ की अंगुलियों से मेरा चेहरा टटोलने लगा। उसके अंगूठे ने मेरे निचले होंठ को छुआ और उसकी सांस उथली हो गई। वह मेरी आंखों में देख रहा था, पहले तो मेरा ध्यान उसकी आंखों की ओर था और फिर अचानक मैं उसके सुंदर मुखड़े को निहारने लगी। उस दिन, अपनी जिंदगी के इक्कीस सालों में पहली बार मैं चाह रही थी कि कोई मुझे चूमे। मैं चाहती थी कि वह उस सुंदर चेहरे को मेरे चेहरे पर लाते हुए चूम ले।

अध्याय 4

मुझे चूम लो! मैं पूरी तरह से उसके सम्मोहन से अवश होकर वहीं खड़ी रही। किसी भी तरह से हिलना-डुलना भी अपने बस में नहीं रहा था। मैं उसे मंत्रमुग्ध भाव से देख रही थी और वह मुझे लगातार एकटक देखे जा रहा था। उसकी सांसें पहले से ज्यादा गहरी होती जा रही थीं और मेरी सांस तो जैसे थम ही गई थी। *मैं तुम्हारी बांहों में हूं। प्लीज! मुझे चूम* लो। उसने अपनी आंखें बंद करके एक गहरी सांस ली और हल्का सा सिर झटका मानो मेरे खामोश जवाब का 'न' में उत्तर दे रहा हो। जब उसने अपनी आंखें खोलीं तो इस बार उनमें मुझे एक नया ही उद्देश्य दिखाई दिया।

"एनेस्टेसिया! तुम्हें मुझसे दूर रहना चाहिए। मैं तुम्हारे लिए नहीं बना हूं।" वह हौले से बोला। *क्या? ये आवाज़ कहां से आई?* बेशक मेरे मन का वहम रहा होगा। मैंने अपना सिर झटका

"एनेस्टेसिया सांस लेने की कोशिश करो। मैं तुम्हें खड़ा करने लगा हूं। खुद को संभालो।" उसने कहा और मुझे अपने से अलग कर दिया।

साइकिल वाले की टक्कर कहो या फिर क्रिस्टियन से इतनी नजदीकी का असर, पूरे शरीर में एड्रेनालिन का स्तर बढ़ गया था। मैं खुद को अजीब तरह से कमजोर महसूस कर रही थी। नहीं, उसने मुझे अपने से परे करते हुए धकेला तो कोई भीतर से चिल्लाया-नहीं! मुझे अपने से थोड़ा दूर करते हुए भी वह मेरे कंधों पर हाथ रखे हुए था और बड़ी ही बारीकी से मेरे भाव निरख रहा था। उस वक्त मैं एक ही बात सोच सकती थी कि मेरी मंशा उसके सामने साफ थी और ये जानने के बावजूद उसने मुझे नहीं चूमा। वह मुझे नहीं चाहता। वह सचमुच नहीं चाहता। मैंने बड़ी ही बेवकूफी से कॉफी की उस मुलाकात को तहस-नहस कर दिया था।

"अब ठीक है।" मैंने खुद को संभाल कर कहा, ''थैंक्स!" मन ही मन अपमान का घूंट भरते हुए कहा। मुझे उसके बारे में ये गलतफहमी पालनी ही नहीं चाहिए थी। मुझे उससे परे जाना होगा।

"थैंक्स किसलिए?" उसने भौं नचाई। उसके हाथ अब भी मेरे कंधों पर थे।

"मुझे बचाने के लिए।" मैं फुसफुसाई।

"वह बेअक्ल गलत दिशा में चल रहा था। मुझे खुशी है कि मैं तुम्हारे साथ था। सोचकर ही रूह कांप रही है कि तुम्हारे साथ क्या हो सकता था। क्या तुम थोड़ी देर होटल में बैठना चाहोगी?" उसने मुझे छोड़ा और मैं अहमकों की तरह उसके सामने खड़ी रही।

मैंने एक झटके से दिमाग को दुरुस्त किया। मैं जाना चाहती थी। मेरे सारे सपने चकनाचूर हो चुके थे। वह मुझे नहीं चाहता। मैं क्या सोचे बैठी थी? मैंने खुद को फटकारा। *क्रिस्टियन ग्रे भला तुझसे क्या चाहेगा?* मैंने अपने आसपास बांहों का घेरा कसा और सड़क की हरी बत्ती देखकर सुकून महसूस किया। मैं जल्दी से चल दी और जानती थी कि वह पीछे ही आ रहा है। होटल के बाहर मैं थोड़ा मुड़ी पर फिर भी उसकी आंखों में नहीं देख सकी।

"फोटो शूट और कॉफी के लिए धन्यवाद!" मैं बुदबुदाई।

"एनेस्टेसिया... मैं" वह रुक गया। उसकी आवाज़ का दर्द मुझ तक पहुंचा और मैं लगातार उसे ही निहारने लगी। उसने बालों में हाथ फिराया। वह बड़ा कुंठित दिखा मानो किसी ने अकड़ू का सारा रुतबा छीन लिया हो।

"क्या, क्रिस्टियन?" मेरे पूछते ही वह बोला-"कुछ नहीं।" ये सुनने के बाद मैं वहां पल भर के लिए भी रुकना नहीं चाह रही थी। यही लग रहा था कि अपने आहत अहं को लेकर वहां से निकल पड़ूं।

"तुम्हारे पेपरों के लिए शुभकामनाएं।" वह हौले से बोला।

हुंह? इस बात को कहने के लिए मरा जा रहा था। बस मुझे बधाई देने के लिए ऐसी शक्ल बना ली थी?

"थैंक्स!" मैं अपने सुर में छिपे व्यंग्य को छिपा नहीं सकी। गुडबाय मि. ग्रे! जैसे ही एड़ियों से मुड़ी तो हैरानी भी हुई कि मैं गिरी कैसे नहीं और फिर उसे दोबारा देखे बिना मैं भूमिगत गैराज की ओर चल दी।

एक बार गहरे अंधेरे और कंक्रीट के बने गैराज में जाते ही मैंने दीवार से कमर टिकाकर दोनों हाथों से सिर थाम लिया। वहां हल्की फ्लोरोसेंट रोशनी थी। मैं क्या सोच रही थी? अचानक ही अनचाहे आंसू आंखों में उमड़ पड़े। *मैं रो क्यों रही हूं?* मैंने खुद को ऐसे

बेहूदे बर्ताव के लिए लताड़ा। जमीन पर बैठकर घुटनों को पेट से छुपा लिया। मानो मैं और भी छोटी हो जाना चाहती थी। शायद मेरे छोटे होने से ये दर्द भी छोटा हो जाता। मैंने घुटनों पर सिर रखकर उन आंसुओं को बह जाने दिया। मैं किसी ऐसी चीज के लिए रो रही थी, जो कभी मेरी थी ही नहीं। कैसी बेतुकी बात? किसी ऐसी चीज का दुख जो कभी नहीं थी–मेरी उम्मीदें, मेरे बिखरे सपने और मेरी कड़वी हो चुकी अपेक्षाएं।

आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ था कि तुझे नकारे जाने का दंश सहना पड़ा हो। ठीक है...हमेशा बास्केटबॉल या वालीबॉल टीम में मुझे आखिर में चुना जाता था पर मैं उसे समझती हूं–भागना और उसके साथ-साथ कुछ करना जैसे कि गेंद फेंकना या उछालना मेरे बस का नाम नहीं था। किसी भी खेल के मैदान में मैं एक गंभीर जिम्मेदारी बन जाती हूं।

हालांकि रुमानी रूप में मैंने खुद को ऐसी दशा में कभी नहीं पाया। ये तो मेरे पूरे जीवन की असुरक्षा है-मेरा रंग पीला है, मैं बहुत पतली हूं, मैं बहुत गंदी दिखती हूं और इस तरह मेरी खुद को नापसंद करने की लिस्ट बहुत लंबी है। इस तरह कभी ऐसे हालात आए ही नहीं। हां, मेरी केमिस्ट्री क्लास का एक छोकरा मुझे पसंद करता था पर कोई भी मेरी दिलचस्पी को कभी नहीं जगा सका, जैसे कि इस क्रिस्टियन ग्रे ने जगा दिया था। हो सकताहै कि मैं जोस या पॉल जैसे लोगों की पसंद कर लिस्ट में आती होऊं या उनसे मेरी पसंद मिलती हो पर मैंने आज तक उनमें से किसी को अंधेरे कोने में दुबक कर रोते नहीं देखा। शायद मुझे खुल कर रोने की जरूरत थी।

बस कर! बस कर बहुत हुआ! मेरे अवचेतन ने फटकारा और गुस्से में पांव पटके। कार में बैठ, घर जा और पढ़ने बैठ, उसके बारे में भूल जा। अपने पर फालतू का तरस खा कर कल्पना बंद कर।

मैंने एक गहरी और लंबी सांस ली और खड़ी हो गई। *स्टील! हिम्मत* कर। मैं केट की कार की तरफ बढ़ी और चेहरे पर आए आंसू पोंछ लिए। मैं अब उसके बारे में नहीं सोचूंगी। मैं इस घटना को एक अनुभव मानकर पेपरों की तैयारी करूंगी।

केट डाइनिंग टेबल पर अपना लैपटॉप लिए बैठी थी। मुझे देखते ही उसके चेहरे की मुस्कान कहीं दब गई।

"एना! सब ठीक तो है?"

ओह नहीं, अब शुरू हो गया केट के सवालों का अंबार। मैंने गर्दन झटकी मानो मझे कैवेना की परवाह ही न हो। पर मुझे जवाब देना ही होगा। "तुम रो रही थीं।" उसे पता नहीं कैसे हर हालात का अंदाजा लगाना आ जाता है। उस कमीने ने तेरे साथ क्या किया? वह जोर से दहाड़ी। हे भगवान! वह डरावनी दिख रही है।

"कुछ नहीं किया, केट।" *यही तो रोना है।* मेरे चेहरे पर अजीब-सी मुस्कान तिर आई।

"तो तुम रोई क्यों? तुम तो कभी नहीं रोतीं?" उसने मुलायम स्वर में कहा।

उसकी हरी आंखों में मुझे अपने लिए चिंता की झलक दिख रही थी। उसने मुझे गले से लगा लिया। मुझे उसे हटाने के लिए कुछ तो कहना ही था।

"मैं आज एक साइकिल वाले से टकराते-टकराते बची।" अब इससे ज़्यादा और क्या कहती। कम से कम कुछ समय के लिए तो उसका दिमाग दूसरी तरफ चला गया।

एना–"तू ठीक है न? कहीं लगी तो नहीं?" उसने मुझे एक बांह की दूरी पर लाते हुए सिर से पैर तक निहारा।

"नहीं, क्रिस्टियन ने बचा लिया।" मैं हौले से बोली पर मैं काफी डर गई थी।

मुझे हैरानी नहीं हुई। "वैसे कॉफी कैसी रही? मुझे पता है कि तुझे तो कॉफी पसंद नहीं है।"

"मैंने चाय ली थी। वह अच्छी थी सच बताने के लिए कुछ है ही नहीं। समझ नहीं आया कि उसने मुझे साथ चलने के लिए कहा क्यों?"

"वह तुझे पसंद करता है, एना।" उसने अपनी बाहें पीछे कर लीं।

"नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। मैं उससे दोबारा नहीं मिलने वाली।"

"ओह?"

हद हो गई। केट कुछ ज्यादा ही दिलचस्पी ले रही है। मैं रसोई की तरफ चल दी ताकि वह मेरा चेहरा न देख सके।

"हां, केट! वह बंदा मेरे लेवल का नहीं है।" मैंने आवाज को काफी रूखा बनाने की पूरी कोशिश की।

''तू कहना क्या चाहती है?"

"केट! बात तो साफ है।" मैंने पीछे मुड़ते हुए कहा।

''वह मेरे लिए नहीं बना है।"

केट बोली–"माना, उसके पास तेरे से कहीं ज्यादा पैसा है पर उसके पास तो अमेरिका के अनेक लोगों से कहीं ज्यादा पैसा है।"

''केट वह...''–मैंने कंधे झटके।

"एना! भगवान के लिए–मुझे तुझे कितनी बार बताना होगा। तू बिल्कुल बच्ची है। नादान बच्ची!"

नहीं, वह मुझे मेरे फैसले से डिगाने की कोशिश कर रही है।

"केट! प्लीज, मुझे पढ़ना है।" मैंने बात निपटा दी और उसने त्योरी चढ़ाई।

"क्या तू वह लेख देखना चाहती है? मैंने पूरा कर लिया है। जोस ने कई अच्छी तस्वीरें ली हैं।"

क्या मुझे उस सुंदर क्रिस्टियन को देखना है, जो मुझे नहीं चाहता?

"हां, क्यों नहीं।" मैंने चेहरे पर एक मुस्कान के साथ लैपटॉप की ओर कदम बढ़ाए। वहां मुझे श्वेत-श्याम तस्वीर में झांकता ग्रे दिखाई दिया।

मैंने लेख पढ़ने का दिखावा किया पर लगातार उसकी आंखों में ही निहारती रही और ये जानने की कोशिश करती रही कि वह इंसान मेरे लिए क्यों नहीं बना–ये तो उसके अपने शब्द थे। अचानक सब कुछ आंखों के सामने साफ हो गया। वह कितना गजब का सुंदर है। हम दोनों तो अलग-अलग दुनिया के वासी हैं। मैंने खुद को उस इकारस के समान पाया जो सूरज के पास जाने की चाहत में जल कर राख हो जाता है। उसके शब्दों के कुछ मायने हैं। वह मेरे लिए नहीं बना है। यह समझ कर ही तो मैं उसके इंकार को भी समझ सकूंगी। बेशक ये समझने के बाद जीना आसान होगा।

"केट! बहुत अच्छे!" किसी तरह मुंह से निकाला। मैं पढ़ने जा रही हूं। मैंने खुद से वादा किया कि अब उसके बारे में नहीं सोचूंगी और फिर कोर्स के नोट्स खोल कर बैठ गई।

जब मैं रात को बिस्तर पर सोने की कोशिश में थी तो मैंने आज सुबह की यादों को पास आने की इजाजत दे दी। मुझे अचानक याद आ गया, उसने कहा था कि *उसकी कोई गर्लफ्रेंड नहीं है* और जब मैं उसकी बांहों में गिर कर अपने शरीर के रोम-रोम से उसके चुंबन के लिए तरस रही थी तो मुझे ये बात उसी समय याद रखनी चाहिए थी। उसका क्या कसूर? उसने तो पहले ही बता दिया था, मुझे ही समझ नहीं आया। वह मुझे अपनी महिला मित्र के रूप में नहीं चाहता। मैंने करवट बदली। मैं सोचने लगी कि शायद वह ब्रह्मचर्य का पालन करता हो। हो सकता है कि वह खुद को किसी के लिए बचा कर रखना चाहता हो, *बेशक तेरे लिए नहीं!* मेरे उनींदे अवचेतन यानी सयानी लड़की ने सोते-सोते भी मुझे एक पटखनी दे ही दी।

और उस रात मुझे भूरी आंखों और दूध में बनी पत्ती के नमूने के सपने आते रहे। मैं किसी अंधेरे कोने में थी। किसी से बच कर भाग रही थी या किसी के पास जा रही थी। बस यही समझ नहीं आया।

मैंने अपना पेन नीचे रखा। फाइनल पेपर खत्म हो गए थे। मेरे पूरे चेहरे पर संतुष्टि की मुस्कान खेल गई। पूरे सप्ताह में शायद पहली बार मैं खुल कर मुस्कुराई थी। आज शुक्रवार है और आज हम जश्न मनाएंगे! हो सकता है कि आज मुझे भी चढ़ जाए पर आज से पहले कभी मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। मैंने हॉल में केट पर नजर मारी। वह आखिर के पांच मिनटों में भी लगातार पेन घिस रही है। ये मेरे शैक्षिक कैरियर का अंत है। आज के बाद मुझे फिर से घबराए हुए और अकेले छात्रों की पंक्ति में नहीं बैठना होगा। मैं मन ही मन हिंडोले खा रही हूं। केट ने लिखना बंद कर अपना पेन रख दिया। वह मुझे देखती है और हम दोनों ही एक-दूसरे को देख खीसें निपोर देते हैं।

हम एक साथ उसकी मर्सीडीज में घर गए और आपस में तय किया कि हम फाइनल पेपर के बारे में बात नहीं करेंगे। केट को तो

ये चिंता ज्यादा है कि वह आज शाम क्या पहनेगी। मैं अपने पर्स में चाबियां खोजने में जुटी हूं।

"एना! तेरे लिए एक पैकेट आया है।" केट बाहरी दरवाजे के पास हाथ में भूरे रंग का बड़ा सा पैकेट थामे खड़ी है। पर मैंने तो अमेजन से कुछ मंगाया ही नहीं। केट ने मुझे पैकेट दिया और चाबियां लेकर ताला खोलने लगी। ये मिस एनेस्टेसिया स्टील के नाम है। यहां भेजने वाले का कोई नाम-पता नहीं है। शायद मॉम या रे ने कुछ भेजा हो।

"हो सकता है कि घर से कुछ आया हो।"

"खोल तो सही।" केट पेपर खत्म होने की खुशी मनाने के लिए शैंपेन लेने रसोई की ओर जा रही है।

मैंने पैकेट खोला तो उसमें से चमड़े का एक बॉक्स सा निकला, जिसमें एक जैसी दिखती तीन बदहाल किताबें हैं, जिन पर पुराने कपड़े की जिल्द मढ़ी है। साथ ही एक सादा सफेद कार्ड भी है। एक ओर काली स्याही से कंगूरेदार लिखाई में लिखा है।

'तुमने मुझे बताया क्यों नहीं कि वहां खतरा था? तुमने मुझे चेतावनी क्यों नहीं दी? महिलाएं जानती हैं कि उन्हें किस चीज से संभल कर रहना चाहिए क्योंकि वे उपन्यास पढ़ती हैं, जिनसे उन्हें सारी तरकीबें पता चल जाती हैं...'

मैंने टैस की उन पंक्तियों को पहचान लिया। कैसा संयोग था, मैं पेपर में अभी इसी बारे में कितना लिख कर आई थी।

मैंने उन्हें अंदर से खोल कर देखा।

ये क्या? वे तो पहले संस्करण थे। वे तो काफी महंगे रहे होंगे और मैं उसी पल जान गई कि उन्हें किसने भेजा होगा। केट मेरे कंधे के पास खड़ी किताबों को घूर रही थी। उसने कार्ड उठाया।

"पहले संस्करण।" मैं हौले से बोली।

"नहीं।" केट की आंखें अविश्वास से फैल गई।

"ग्रे?"

मैंने हामी भरी। मैं तो किसी और के बारे में नहीं सोच सकती।

"इस कार्ड का क्या मतलब है?"

"कुछ पता नहीं। हो सकता है कि ये एक चेतावनी हो। वह चाहता है कि मैं उससे दूर रहूं। मुझे नहीं पता कि क्यों? ऐसा थोड़े है कि मैं उसके दरवाजे पर जाकर गिड़गिड़ा रही हूं।" मैंने हल्की नाराजगी दिखाई।

"एना! मुझे पता है कि तू उसके बारे में बात नहीं करना चाहती पर वह तुझमें दिलचस्पी ले रहा है और ये चेतावनी वाली बात कहां से आ गई।"

पिछले सप्ताह से मैंने ग्रे के बारे में ज्यादा सोच-विचार नहीं किया था। हां, उसकी भूरी आंखें बेशक मुझे सपनों में छलती रही हैं और मैं जानती हूं कि मुझे अपने दिमाग से उसके बांहों के घेरे की याद और भीनी महक को भुलाने में जाने कितने जन्म लगेंगे। उसने मुझे ये क्यों भेजा है? उसने तो कहा था कि मैं उसके लिए नहीं बनी।

"मैंने न्यूयार्क में देखा था कि इसका एक पहला संस्करण हजारों डॉलर में बिक रहा था पर तुम्हारा तो उससे बेहतर लग रहा है। ये और भी महंगा होगा।" केट ने अपने अच्छे दोस्त गूगल की मदद से बताया।

"टैस ने ये पंक्तियां अपनी मां से कही थीं जब एलैक डि अरबरविल उसके साथ दुष्ट चालें चलता है।"

"हां, मैं जानती हूं पर वह कहना क्या चाहता है?"

"पता नहीं और न ही मुझे परवाह पड़ी है। मैं उससे ये नहीं ले सकती मुझे भी किताब के किसी हिस्से से ली गई विचित्र सी पंक्तियों के साथ इन किताबों को लौटाना होगा।"

"वही पंक्तियां जहां एंजल क्लेर कहती है कि तू दफा हो जा।" केट ने मासूम-सा चेहरा बना कर कहा।

"हां, वही ठीक रहेगा।" मैं खिलखिलाई। मुझे केट पसंद है। वह बड़ी ही वफादार और मददगार है।

मैंने किताबों को फिर से बांधा और डाइनिंग टेबल पर ही छोड़ दिया। केट ने मुझे एक गिलास शैंपेन दी।

"सिएटल में नई जिंदगी और हमारे पेपरों के खत्म होने की खुशी में।" उसने खीसें निपोरीं।

"सिएटल में नई जिंदगी और हमारे पेपरों के खत्म होने की खुशी में। और हमारे अच्छे नतीजों के लिए भी।" हमने अपने गिलास आपस में टकराए।

बार में काफी भीड़ और शोर-शराबा था। ग्रेजुएट बनने के लिए तैयार छात्रों का जमघट लगा था। जोस भी वहीं आ गया। उसे ग्रेजुएट होने में अभी साल बाकी है पर वह भी पार्टी के मूड में था इसलिए हम सबके लिए मारगरीटा लाया था। जब मैंने पांचवां गिलास गटका तो लगा कि शैंपेन लेने के बाद ऐसा करना ठीक नहीं हुआ।

"तो अब क्या करना है, एना?" जोस ने भीड़ में चिल्ला कर पूछा।

"केट और मैं सिएटल जा रहे हैं। केट के पापा ने वहां उसके लिए एक घर खरीद दिया है।"

"पर तुम्हें मेरे शो के लिए आना होगा।"

"बेशक जोस। मैं तो उसे किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं चाहूंगी।" मैंने मुस्कुराहट दी और उसने मेरी कमर में बांह डालकर मुझे अपने पास खींच लिया।

"एना! तुम्हारा आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।" वह मेरे कान में बोला–"एक और मारगरीटा?"

"जोस लुइस रॉड्रिज! क्या तुम मुझे नशे में चूर कर देना चाहते हो क्योंकि मुझे लग रहा है कि तुम्हारी तरकीब काम कर रही है।" मैंने खीसें निपोरीं। "मुझे लगता है कि एक बीयर लेनी चाहिए। अभी लेकर आती हूं।"

"एना, एक और ड्रिंक!" केट दहाड़ी।

केट ने अपने अखबार के फोटोग्राफर और हमारे साथ पढ़ने वाले अंग्रेजी के छात्र लेवी के गले में बांहें डाल रखी हैं। उसकी आंखें केट पर लगी हैं। टाइट जींस, टाइट टॉप, हाईहील और ऊंचे बंधे बालों से निकलती लटों के साथ वह बड़ी प्यारी दिख रही है। वैसे मैं आरामदायक पैंट और टी-शर्ट टाइप लड़की हूं पर आज मैंने भी अपनी सबसे अच्छी जींस पहनी है। मैं जोस की पकड़ से निकल कर मेज से उठी।

"अरे..।" मेरा सिर चकरा गया।

मुझे कुर्सी का सहारा लेना पड़ा। टकीला वाली कॉकटेल नहीं पीनी चाहिए थी।

मैं बार की तरफ बढ़ी और तय किया कि थोड़ा संभलते ही वाशरूम हो आऊं। एना! सोच बुरी नहीं है। मैं भीड़ में लड़खड़ाते हुए बाहर निकली। बेशक वहां लाइन है पर काफी शांति और ठंडक है। मैंने इंतजार की बोरियत से बचने के लिए जेब से फ़ोन निकाला। हम्म ....*मैंने आखिरी कॉल किसे की थी? क्या जोस को?* उससे पहले एक नंबर था, जो मेरी पहचान में नहीं आया। अरे हां! ग्रे। शायद ये उसका ही नंबर है। मैंने दांत निकाले। पता नहीं कितने बजे हैं, क्या हो अगर मैं उसे नींद से जगा दूं। शायद वह मुझे बता सके कि उसने वे किताबें और अजीब सा मैसेज क्यों भेजा? अगर वह चाहता है कि मैं उससे दूर रहूं तो उसे भी मुझे अकेला छोड़ देना चाहिए। मैंने झोंक में आकर कॉल का बटन दबा दिया। उसने दूसरी ही घंटी पर जवाब दिया।

"एनेस्टेसिया?" उसे बड़ी हैरानी हुई। खैर मुझे भी उसे कॉल करके कोई कम हैरानी नहीं हुई। तभी अचानक मेरे दिमाग ने मुझसे पूछा-उसे कैसे मालूम कि मैंने फोन किया है?

"तुमने मुझे किताबें क्यों भेजीं?" मैं उस पर झपटी।

"एनेस्टेसिया! तुम ठीक तो हो? तुम्हारी आवाज अलग-अलग सी क्यों लग रही है।" उसकी आवाज में चिंता झलक रही थी।

"मैं नहीं तुम अजीब हो।" मैंने शराब के नशे में आकर हिम्मत कर ही ली।

"एनेस्टेसिया! तुम शराब पी रही थीं?"

"तुम्हें क्या लेना है?"

"मैं... जानना चाहता हूं। तुम कहां हो?"

"बार में।"

"कौन सी बार?"

"पोर्टलैंड में"

"तुम घर कैसे जाओगी?"

"मैं कोई तरीका निकाल लूंगी।" ये बात तो वैसी नहीं हो रही थी, जैसी मैंने उम्मीद की थी।"

"तुम किस बार में हो?''

"तुमने मुझे किताबें क्यों भेजीं, क्रिस्टियन?"

"एनेस्टेसिया! तुम कहां हो, मुझे अभी बताओ।" उसकी आवाज काफी हद तक किसी तानाशाह जैसी लगी। वही उसका अकड़ू सुर। मैंने पुराने जमाने के मूवी डायरेक्टर के रूप में उसकी कल्पना की, जो हाथ में मैगाफोन लिए मंडराता है। मैं खुलकर हंसी।

"तुम कुछ ज्यादा ही रोब गांठते हो.." मैं हंसने लगी।

"एना। मुझे बताओ कि तुम कहां हो? तुम्हारी तो मैं.."

वाह! क्रिस्टियन ग्रे मुझे धमका रहा है। "मैं पोर्टलैंड में हूं और वह सिएटल से बहुत दूर है।"

"पोर्टलैंड में कहां?"

"गुडनाइट क्रिस्टियन।"

"एना!!!"

मैंने फोन रख दिया। हा! हालांकि उसने मुझे किताबों के बारे में तो बताया ही नहीं। मैंने आंखें नचाईं। मिशन अधूरा रह गया। मुझे ज्यादा ही चढ़ गई है। वहां खड़े होने से भी सिर चकरा रहा है।

खैर, मैं चाहती भी तो यही थी। मैं कामयाब रही। बेशक इस अनुभव को दोबारा नहीं दोहराना चाहूंगी। लाइन आगे चली और अब मेरी बारी है। मैं टॉयलेट के दरवाजे के पीछे लगे पोस्टर को खाली नजरों से ताक रही हूं, जिसमें सुरक्षित सेक्स के फायदे गिनाए गए हैं। हाय! क्या मैं ग्रे को फोन लगा दिया था? शिट! मेरे फोन की घंटी बजी और मैं हैरानी से उछल पड़ी।

"हाय!" मैंने हौले से कहा।

"मैं तुम्हें लेने आ रहा हूं।" उसने कहा और फोन काट दिया। बस वही एक इंसान है जो एक साथ शांत दिखने के अलावा डरावना भी लग सकता है।

हे राम! मैंने जींस ऊपर खींची। दिल तेजी से धड़क रहा है। वह लेने आ रहा है। नहीं। मेरी तबीयत खराब लग रही है... नहीं, मैं ठीक हूं। जरा ठहरो। ये बात दिमाग में चकरा रही है। वह लेने आ रहा है? मैंने तो उसे बताया नहीं कि मैं कहां हूं। वह मुझे यहां नहीं खोज सकता। वैसे भी उसे सिएटल से यहां आने में घंटों लग जाएंगे और तब तक हम घर जा चुके होंगे। मैंने हाथ धोकर शीशे में अपना चेहरा देखा। ऐसा लगा कि शराब का असर चेहरे पर भी दिख रहा था।

मैंने बीयर के लिए बार पर काफी देर तक इंतजार किया और मेज पर लौट आई।

"इतनी देर कहां लगा दी?" केट ने फटकारा। कहां गई थी?

"मैं तो वाशरूम के लिए लाइन में थी।"

जोस और लेवी में हमारी स्थानीय बेसबॉल टीम के लिए काफी गर्मागर्म बहस जारी है। जोस ने रुक कर हम सबके लिए बीयर डाली और मैंने एक लंबा घूंट भरा।

"केट! लग रहा है कि थोड़ी ताजी हवा खाने से बेहतर महसूस होगा।"

"एना! सच्ची तुझे तो इतनी भी बर्दाश्त नहीं होती।"

"बस पांच मिनट में आई।"

मैं फिर से भीड़ का हिस्सा बन गई। मेरा दिल कच्चा हो रहा है और सिर चकरा रहा है। पांव सीधे नहीं पड़ रहे और मैं लड़खड़ा रही हूं।

पार्किंग लॉट की ताजी हवा में जाकर पता लगा कि मुझे कितनी चढ़ गई थी। मेरी नजर धुंधला रही है और मुझे सब चीजें दो-दो दिखाई दे रही हैं, जैसे टॉम एंड जैरी के पुराने कार्टूनों में दिखाते हैं। लगता है कि तबीयत खराब होगी। मुझे इतना पीने को किसने कहा था?

जोस भी वहीं आ गया। "एना! ठीक तो हो?"

"लगता है कि शराब का नशा ज्यादा हो गया है।" मैंने उसे छोटी-सी मुस्कान दी।

"मुझे भी।" वह हौले से बोला और अपना हाथ आगे करके कहा–"तुम्हें सहारा चाहिए?" फिर उसने अपनी बांह मेरी कमर में डाल दी।

"जोस! मैं ठीक हूं।" मैंने उसे अपने से पीछे धकेलना चाहा।

"एना प्लीज!" वह धीरे से बोला। अब वह बांहों में घेर कर मुझे अपनी ओर खींचने लगा।

"जोस! क्या कर रहे हो?"

"तुम्हें पता है एना! मैं तुम्हें पसंद करता हूं।" उसने एक हाथ मेरी कमर पर रखा और दूसरे हाथ से मेरी चिबुक पकड़कर पीछे कर दी। ये क्या, वह तो मुझे चूमने जा रहा है।

"नहीं जोस! ठहरो, ...नहीं" मैंने उसे पीछे करना चाहा पर ऐसा नहीं कर सकी। उसके हाथ मेरे बालों तक आ गए और उसने सिर को अपने काबू में कर लिया।

"प्लीज! एना!" वह मेरे होठों के पास आकर धीरे से बोला। उसकी सांसों से बीयर और मारगरीटा की गंध आ रही है। उसने मेरे मुंह के कोने में छोटा सा चुंबन दिया। मैंने खुद को नशे में चूर और डरा हुआ पाया। ऐसा लगा कि मेरा दम घुट रहा था।

"जोस नहीं।" मैंने विनती की। मैं नहीं करना चाहती। तुम मेरे दोस्त हो और मुझे लग रहा है कि मुझे उल्टी आ रही है।

"शायद वह मना कर रही है।" अंधेरे में से एक स्वर गूंजा। ये क्या? क्रिस्टियन ग्रे यहां.. कैसे? जोस ने मुझे छोड़ दिया।

जोस बोला–"ग्रे?" मैंने हैरानी से ग्रे को देखा। उसकी आंखें गुस्से से जल रही थीं। हाय! ये क्या हो रहा है। अचानक मैं पेट पकड़कर दोहरी हो गई और अल्कोहल ने उल्टी के रूप में बाहर आने की ठान ली। मैं वहीं उल्टी करने लगी।

"ओह! एना ये क्या?" जोस अकबका कर पीछे हटा। ग्रे ने मुझे पकड़ा और बड़े आराम से वहां से उठाकर फूलों की क्यारियों के पास ले गया। मैंने मन ही मन आभार जताते हुए देखा कि वह जगह अंधेरे में थी।

"अगर फिर से उल्टी आए तो यहां करना। मैं तुम्हें पकड़कर रखूंगा।" उसने एक हाथ से मेरा कंधा थाम रखा था और दूसरे हाथ से बालों को पीछे कर रखा था ताकि वे मुंह पर न आएं। मैंने उसे पीछे करना चाहा, पर मुझे फिर से उल्टी आ गई। फिर एक... और फिर एक और। हाय ये सब कब बंद होगा? जब मेरा पेट खाली हो गया तो भी अजीब-सी उबकाईयां आती रहीं और मेरा पूरा शरीर कांपता रहा। मैंने मन ही मन कसम खाई कि अबकभी इस तरह शराब नहीं पीऊंगी। बेशक कुछ कहने का समय ही कहां था।

आखिरकार ये ड्रामा बंद हुआ।

मेरे हाथ क्यारी के पास बनी ईंट की दीवार पर टिके थे। उल्टियों ने मेरी जान निकाल दी थी। ग्रे ने मेरे कंधे से हाथ हटाकर मुझे एक रुमाल दिया। उसके पास ही लिनन का ताजा धुला और मोनोग्रामयुक्त रुमाल हो सकता था। जिस पर लिखा था सीटीजी। मैं मुंह पोंछते हुए यही सोच रही थी कि टी का क्या मतलब होता होगा। मेरी तो उसे देखने की हिम्मत नहीं हो रही थी। शर्म से जमीन में गड़ी जा रही थी। उसके सामने मेरी कैसी दुर्दशा हुई थी।

जोस अब बार के प्रवेशद्वार के पास मंडराते हुए हमें ही देख रहा है। मैंने आह भरी और अपना सिर हाथों में थाम लिया। ये तो मेरी जिंदगी के बड़े ही बदतर पलों में से एक था। साथ ही ग्रे का इंकार भी झेल रही थी, अब तो अपमान की हद हो गई। मैंने उसे ताकने की हिम्मत जुटाई। वह मुझे ही देख रहा था और उसके चेहरे के भावों से कुछ भी पता लगाना मुश्किल था। फिर मैंने शर्मसार जोस को देखा, जो मेरी तरह ग्रे से भयभीत होकर परे खड़ा था। मैंने उसे घूरा। मेरे पास अपने तथाकथित दोस्तों के लिए कुछ ही शब्द थे, जिन्हें मैं क्रिस्टियन ग्रे सीईओ के सामने कह सकती थी। *एना! किससे मजाक कर रही है। उसने अभी तुझे यहां जमीन पर और वहां क्यारी के पास उल्टियां करते देखा है। अब भद्र महिलाओं जैसा व्यवहार करके किसे दिखा रही है?*

"मैं अंदर मिलता हूं।" जोस ने कहा पर हम दोनों ने ही उसे अनसुना कर दिया और वह इमारत में अंदर खिसक गया। अब मैं ग्रे के साथ अकेली थी। हद हो गई, मुझे इससे क्या कहना चाहिए। उस कॉल के लिए आपसे माफी चाहूंगी।"

"आई एम सॉरी!" मैंने उसके रुमाल को घूरते हुए कहा, जिसे मैं अपनी अंगुलियों में घुमा रही थी। वह बहुत मुलायम था।

"एनेस्टेसिया माफी क्यों मांग रही हो?"

"वही फोन और फिर ये उल्टियां। बेशक लिस्ट तो लंबी है।" मैं हौले से बोली।

दिल में तो आ रहा था कि वहीं अपनी जान ले लूं।

"हम सबके साथ ऐसा होता है। हां, उतने नाटकीय तरीके से नहीं होता, जैसे तुम्हारे साथ हुआ। तुम्हें अपनी लिमिट का पता होना चाहिए। बेशक मैं भी लिमिट का ध्यान नहीं रखता पर तुम अपनी हालत तो देखो। क्या अकसर ऐसा बर्ताव करती हो?"

मेरा सिर शराब और खीझ से चकराने लगा। भाड़ में जाए ये आदमी, इसे इस बात से क्या लेना है? मैंने तो इसे यहां नहीं बुलाया। ऐसा लग रहा है मानो कोई अधेड़ उम्र का आदमी किसी बच्चे को गलती के लिए फटकार रहा हो। जी में तो आया कि कह दूं–मैं तो अगर हर रोज भी यही करना चाहूं तो कर सकती हूं। मेरे जो जी में आएगा, वहीं करूंगी पर कहने की हिम्मत नहीं जुटा सकी। अब तो मैं उल्टी भी नहीं कर रही। ये यहां क्यों खड़ा है?

"नहीं! आज से पहले मैंने इस तरह से शराब कभी नहीं पी और न ही आगे पी कर ऐसी हालत करने का इरादा है।"

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह जा क्यों नहीं रहा था। मैं सुध खो रही थी। उसने मुझे लड़खड़ाते देखा और गिरने से पहले ही अपनी बांहों में थाम लिया। उसने किसी छोटे से बच्चे की तरह मुझे छाती से लगा लिया था।

"चलो! तुम्हें घर ले चलता हूं।" वह हौले से बोला।

"मुझे केट को बताना होगा।" *मैं फिर से उसकी बांहों में हूं।*

"मेरा भाई उसे बता सकता है।"

"क्या?"

"मेरा भाई इलियट मिस कैवेना से मिल रहा है।"

"ओह? मैं समझी नहीं।"

"जब तुमने फोन किया तो वह मेरे साथ था।"

"सिएटल में?" मैं उलझन में थी

"नहीं, मैं हीथमैन में ही हूं"

"अब भी? क्यों?"

"मुझे कैसे खोजा?"

"मैंने सेल फोन से पता लगाया। एनेस्टेसिया"

ओह! उसने यही किया होगा। ये कैसे संभव है। क्या ये कानूनन जायज है? दिमाग में टकीला का असर अभी बाकी थी।

"क्या कोई जैकेट या पर्स है?"

"ह..हां, मेरे पास दोनों हैं। क्रिस्टियन प्लीज! मुझे केट को बताना होगा। वह चिंता करेगी।" उसके चेहरे पर गंभीर रेखाएं खिंच गई और उसने भारी सांस ली।

"अगर चाहो तो यही करो।"

वह मुझे सहारा देकर बार में ले गया। मैं काफी कमजोर, निढाल, नशे में चूर, शर्मिंदा और उसके साथ से काफी हद तक रोमांचित थी। उसने मेरा हाथ थाम रखा है। कम से कम एक सप्ताह में इन सब बातों को पचाने की ताकत आएगी।

भीड़, शोर और संगीत के बीच बहुत सारे लोग फ्लोर पर मौजूद हैं। केट मेज पर नहीं है और जोस गायब है। लेवी अपने में ही कहीं खोया है।

"केट कहां है?" मैंने भीड़ में चीख कर उससे पूछा।

अब तो संगीत के साथ सिर और चकरा रहा था।

लेवी चिल्लाया-नाच रही है। वह गुस्से में दिखा और उसने ग्रे को शक्की नजरों से देखा। मैंने काली जैकेट और पर्स लिया। बस केट को मिल कर मैं चलने के लिए तैयार थी।

मैंने ग्रे की बाजू थामी और झुक कर उसके कान में कहा। उसके बाल मेरी नाक से टकराए और नथुनों में ताजी और प्यारी सी खुशबू बस गई। अभी तक मैं जिस बेलगाम चाहत को अपने सीने में छिपाए बैठी थी। उसने मानो एक पल में फिर से सिर उठा लिया। मेरे पूरे शरीर में अचानक ही अजीब-सी एंठन होने लगी।

उसने मेरी तरफ आंखें नचाई और हाथ थाम कर मुझे बार की ओर ले गया। उसे झट से सर्विस दी गई। मि. ग्रे को कौन नहीं जानता। क्या उसे सब कुछ इतनी आसानी से मिल जाता है? मैं सुन नहीं सकी कि उसने क्या ऑर्डर किया। उसने मुझे ठंडे पानी का बड़ा सा गिलास थमा दिया।

"पीओ।" उसने मुझ पर अपने हुक्म की तोप दागी।

जलती-बुझती बत्तियां, संगीत का असर सारे बार और ग्राहकों पर अलग सा ही असर दिखा रहा था। कुछ अजीब-सी परछाईयां बनती दिख रही थीं। वह कभी हरा, कभी पीली, कभी नीली और कभी लाल रोशनी में दिख रहा था। मैंने उसकी नजरों को लगातार अपने पर पाया तो झट से पानी को मुंह से लगा लिया।

"सारा खत्म करो।"

इसे तो बर्दाश्त करना ही मुश्किल है। उसने अपने बिखरे बालों में हाथ फिराया। वह काफी गुस्से में और कुंठित दिखा। इसकी परेशानी क्या है? माना एक पागल लड़की ने आधी रात को शराब के नशे में आकर इसे फोन कर दिया और इसे लगा कि उसकी रक्षा करनी चाहिए। और फिर वह आकर देखता है कि लड़की का दोस्त ही उसे घेरे में लेने की कोशिश कर रहा था। फिर उसने लड़की को अपने कदमों के पास उल्टियों से बेदम होते देखा। ओह एना... क्या तू आज के बाद फिर कभी ऐसे पल अपने जीवन में चाहेगी? मेरी भीतर की सयानी लड़की ने आधे गोल चश्मों से घूरती आंखों के साथ चेतावनी दी। मैं हौले से हिली और उसने मुझे सीधा रखने के लिए कंधे पर अपना हाथ रख दिया। मैंने उसके कहे अनुसार सारा गिलास पानी पी लिया। उसने गिलास को उठाकर बार पर रखा। फिर मैंने कनखियों से देखकर ये जानना चाहा कि उसने क्या पहन रखा था। एक ढीली सफेद लिनन की कमीज, ढीली जींस और काले स्नीकर्स। साथ ही गहरे रंग की बारीक लकीरों वाली जैकेट पहन रखी है। उसकी शर्ट के बटनऊपर से खुले

है और मैं वहां से झांकते बाल देख सकती हूं। अपनी उस धुंधली मन:स्थिति के बीच वह मुझे बहुत मनभावन लगा।

उसने मुझे बांह से पकड़ा। हे भगवान! वह मुझे डांस फ्लोर पर ले जा रहा है। हाय! मैं तो डांस नहीं करती। वह भांप गया कि मैं नाचना नहीं चाहती, उसके चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान खेल गई। उसने एकदम से अपनी ओर खींच लिया और वह मुझे अपने साथ लेकर थिरकने लगा। ये क्या, यकीन नहीं हो रहा, मैं तो उसके साथ पूरी लय में थिरक रही हूं। उसने मुझे अपने शरीर से सटा कर, कस कर पकड़ा हुआ है। अगर उसने मुझे जोर से न पकड़ा होता तो बेशक मैं उसके कदमों में ही ढेर हो जाती। मन ही मन मुझे मॉम की चेतावनी याद आ गई, जिसे वे अकसर दोहराती हैं-*किसी ऐसे मर्द पर कभी भरोसा न करना, जो नाच सकता हो।*

वह नाचने वालों की भीड़ में से होता हुआ फ्लोर के दूसरी ओर चला गया और हम उसके भाई इलियट और केट के पीछे आ गए। तेज आवाज में बजता संगीत मेरे दिमाग के भीतर और बाहर हथौड़े मार रहा है। अरे नहीं, केट को तो देखो, कैसे मटक-मटक कर नाच रही है। बेशक वह ऐसी अदाएं तो तभी दिखाती है, जब वह किसी को लुभाना चाहती हो। लगता है कि क्रिस्टियन का भाई उसे भा गया है। इसका मतलब कल नाश्ते की मेज पर वह भी हमारे साथ होगा।

क्रिस्टियन इलियट की तरफ झुका और उसके कान में कुछ बोला। मैं शोर के कारण सुन नहीं सकी। चौड़े कंधे, घुंघराले ब्लांड बाल और आंखों में दुष्टता भरी चमक लिए इलियट का का कद काफी लंबा है। उन लाइटों के बीच उसकी रंगत का तो पता नहीं चला पर उसने खीसें निपोर कर केट को अपने पास खींच लिया। आज तो वह इसी जगह आकर ज्यादा खुश लग रही थी। मैं तो हैरान रह गई। अभी वह कुछ समय पहले ही तो इलियट से मिली है। उसने इलियट की बात सुन कर हामी भरी और मुझे देखकर हाथ हिलाया। क्रिस्टियन उसी पल मुझे वहां से परे ले गया।

पर मुझे केट से बात करने का मौका नहीं मिला। वह ठीक तो है? मैं देख सकती हूं कि उनकी ये दोस्ती आज कहां जा रही है। मुझे उसे सुरक्षित सेक्स के बारे में भाषण देना था। काश उसने भी वाशरूम के दरवाजे के पीछे लगा पोस्टर देखा हो। दिमाग में कई बातें तेजी से चक्कर काट रही थीं। वहां कितनी गरमाहट, शोर और रोशनी थी। मेरा सिर चकराने लगा। अरे नहीं! ऐसा लगा मानो सारा फर्श घूम रहा हो। क्रिस्टियन ग्रे की बांहों में झूलने से पहले मुझे सिर्फ एक ही आवाज सुनाई दी थी-*हो गया कबाड़ा!*

अध्याय 5

यहां कितनी शांति है। यहां की बत्तियां मद्धिम हैं। मैं बड़े ही आराम से गरमाहट भरे बिस्तर में हूं। हम्म...मैंने आंखें खोलीं और पल भर के लिए उस अजीब-सी शांतिदायक भावना का आनंद लिया। मुझे कुछ अंदाजा नहीं था कि मैं कहां हूं। मेरे पीछे बने बोर्ड पर बड़ा सा सूरज दिख रहा था। ये तो जाना-पहचाना सा लग रहा है। कमरा काफी बड़ा और हवादार है और इसमें भूरे, सुनहरे और बिस्कुटी रंग का फर्नीचर देखा जा सकता है। मैंने इसे पहले कहीं देखा है। कहां? दिमाग हाल की सुरक्षित यादों के बीच कुछ खंगालने लगा। अरे! मैं तो हीथमैन होटल में हूं... एक सुइट में। मैं तो केट के साथ ऐसे ही एक सुइट में खड़ी हो चुकी हूं। ये उससे बड़ा दिख रहा है। ओह शिट! मैं तो क्रिस्टियन ग्रे के सुइट में हूं। मैं यहां कैसे आई?

पिछली रात की टूटी-फूटी यादें आंखों के आगे मंडराने लगीं और मैं शर्मिंदा होती चली गई। *शराब का नशा-नहीं, वह उल्टी, फिर जोस का बर्ताव और फिर ग्रे का आना।* मैं अंदर ही अंदर सिकुड़ गई। मुझे ये याद नहीं कि यहां कब आई। मैंने इस समय अपने अंतर्वस्त्रों के साथ टीशर्ट पहन रखी है। हाय! मेरी जींस और जुराबें कहां हैं?

मैंने पास वाले मेज पर नजर मारी। इस पर एक गिलास संतरे के जूस के साथ दो गोलियां एडविल भी रखी हैं। वाह! ये बंदा तो सब जानता है। उसे पता था कि मुझे उठते ही इनकी जरूरत होगी। हालांकि मुझे अपनी तबीयत खराब नहीं लग रही। संतरे का जूस बड़ा स्वादिष्ट था। प्यास भी बुझी और ताजगी का एहसास भी हुआ।

तभी दरवाजे पर आहट हुई। कलेजा उछलकर मुंह को आ गया। ऐसा लगा कि किसी ने मेरी आवाज ही छीन ली हो। वह दरवाजा खोल कर अंदर आ गया।

हाय! लगता है कि कसरत कर रहा था। वह एक झूलते हुए सलेटी ऊनी पजामे में है और साथ ही बिना बांहों की सलेटी टी-शर्ट पहनी है, जो उसके बालों की तरह पसीने से तर है। *क्रिस्टियन ग्रे का पसीना; थोड़ा अजीब लगा।* मैंने गहरी सांस लेकर आंखें बंद कर लीं। ऐसा लगा मानो मैं दो साल की बच्ची हूं, आंखें बंद करने का मतलब है कि मैं यहां हूं ही नहीं।

"गुड मार्निंग एनेस्टेसिया! कैसा महसूस कर रही हो?"

"जितना होना चाहिए, उससे कहीं बेहतर।" मैं हौले से बोली

मैंने उसे कनखियों से देखा। उसने कुर्सी पर एक बड़ा सा बैग रखा और गले में पड़े तौलिए के दोनों छोरों को हाथों से थामकर मुझे देखने लगा। कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या सोच रहा था। उसे अपनी सोच और भावनाएं छिपाना बखूबी आता है।

"मैं यहां कैसे आई?" मैंने हौले से पूछा।

वह बिस्तर के एक कोने में बैठ गया। वह इतना पास था कि मैं उसे छू सकती थी, उसकी गंध ले सकती थी। ओह! पसीने की गंध और क्रिस्टियन के शरीर से आती बॉडीवाश की खुशबू!! ये नशा तो सिर चढ़कर बोलता है। ये मारगरीटा से कहीं बेहतर है और अब तो मैं अपने तर्जुबे से कह सकती हूं।

"जब तुम ढेर हो गई तो मुझे लगा कि तुम्हारे घर तक कार ले जाकर उसकी सीटों को खतरे में डालना ठीक नहीं होगा इसलिए मैं तुम्हें होटल ले आया, जो वहां से ज्यादा दूर नहीं था।"

"क्या तुमने मुझे बिस्तर में लिटाया?"

"हां"

"क्या मैंने और उल्टी की थी?"

"नहीं"

"क्या मेरे कपड़े तुमने उतारे?" मैं बुदबुदाई।

"हां।" उसने मुझे शरमाते देख एक भौं ऊंची की।

"हमने...? मैंने कहने की कोशिश पर आवाज गले में ही दब गई

"एनेस्टेसिया! तुम शराब के नशे में बेसुध थीं और मैं अपने साथ के लिए ऐसी युवतियों को पसंद करता हूं जो पूरी तरह से सक्रिय और तैयार हों।"

"आई एम सॉरी।"

उसके चेहरे पर छोटी-सी मुस्कान खेल गई।

"कल शाम बड़ी भयंकर थी। मैं तो उसे कभी नहीं भूल सकती।"

"मैं भी नहीं"–अरे, ये तो मेरा मजाक उड़ा रहा है। कमीना कहीं का! मैंने तो नहीं कहा था कि मुझे लेने आ जा। कुल मिलाकर लग रहा था कि मैं कल की कहानी की खलनायिका थी।

"तुम्हें अपने जेम्स बांड के इस्तेमाल आने वाले उपकरणों की मदद से मुझे खोजने की क्या जरूरत थी?" मैंने पलटवार किया। उसने मुझे हैरानी से देखा और अगर मैं गलत नहीं हूं तो शायद उसके दिल को थोड़ी ठेस भी लगी।

"पहले तो फोन के माध्यम से किसी का पता जानने की तकनीक नेट पर उपलब्ध है। दूसरे, मेरी कंपनी किसी भी तरह के जासूसी सामान में न तो निवेश करती है और न ही बनाती है। तीसरे, अगर मैं तुम्हें लेने न आया होता तो बेशक आज सुबह तुम उस फोटोग्राफर के बिस्तर में मिलतीं और इतना तो मैं भी याद रख सकता हूं कि तुम इस कहानी के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थीं।" उसके चेहरे पर कड़वाहट थी।

हाय! मैंने होंठ काटने की कोशिश की पर हंसी नहीं रुकी।

"तुम किस मध्यकालीन दरबार के पन्नों से निकलकर आए हो? ऐसा लगता है कि कोई अकड़ू राजा अपनी शेखी बघार रहा है।"

उसका मूड अचानक बदल गया। आंखों में मुलायमियत के साथ चेहरे पर मीठी सी मुस्कान खिल गई।

"एनेस्टेसिया! मुझे तो ऐसा नहीं लगता। हो सकता है कि मैं दुष्ट राजा रहा होऊं।" उसने उपहासपूर्ण मुस्कुराहट के साथ सिर हिलाया। "कल रात कुछ खाया था?" ऐसा लगा मानो मुझे झिड़की दी जा रही हो। मैंने गर्दन हिला दी। अब मैंने ऐसा कौन सा जुर्म कर दिया? उसने जबड़े भींचे पर चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दिए।

"तुम्हें कुछ खाना चाहिए था। तभी तो तुम बीमार पड़ीं। सच कहूं तो शराब पीने से पहले तुम्हें कुछ खाना जरूर चाहिए।" उसने अपने बालों में हाथ फेरा और मैं जानती हूंकि वह उत्तेजित होने पर ऐसा ही करता है।

"क्या तुम मुझे लगातार फटकारते ही रहोगे?"

"क्या मैं ऐसा कर रहा हूं?"

"लगता तो यही है"

"तुम लकी हो कि बस फटकार ही रहा हूं।"

"कहना क्या चाहते हो?"

"अगर तुम मेरी होतीं तो कल जो सीन तुमने क्रिएट किया, उसके बदले में तुम पूरे एक सप्ताह तक बैठने के लायक न रहतीं। तुमने कुछ खाया नहीं, नशे में चूर हो गई और खुद को खतरे में डाला।" उसने आंखें बंद कीं और अपने कंधे झटके। मुझे सोचकर ही बुरा लग रहा है कि तुम्हारे साथ क्या हो सकता था।

मैंने भी उसे घूरा। इसकी परेशानी क्या है? इसे क्या पड़ी है? अगर मैं उसकी...वैसे मैं उसकी नहीं हूं। हालांकि मेरे भीतर का एक हिस्सा उसका होने के लिए तड़प रहा है। उसके शब्दों ने एक अजीब-सी खलबली पैदा कर दी थी। मैं अपने भीतर की उस लड़की की हरकतें देखकर दंग थी–वह उसका होने के ख़याल से ही लाल रंग की छोटी स्कर्ट पहनकर खुशी से झूम रही थी।

"मुझे कोई नुकसान न होता। मैं केट के साथ थी।"

"और वह फोटोग्राफर?" वह मुझ पर झपटा।

हम्म..नादान जोस। मुझे उससे भी निपटना होगा।

"जोस ने हद पार की थी।" मैंने कंधे झटके।

"खैर, अगली बार जब वह हद पार करे तो उसे थोड़ी तमीज सिखानी होगी।"

"तुम काफी अनुशासनप्रिय लगते हो।" मैं फुंफकारी।

"ओह एनेस्टेसिया! तुम्हें बिल्कुल पता नहीं है।" उसकी आंखें सिकुड़ गईं और फिर वह दुष्टता से हंसने लगा। एक ही पल में वह मुझे उलझन में डाल रहा था। गुस्सा दिला रहा था और उसी पल में अपने सम्मोहन में भी जकड़ रहा था। उसकी मुस्कान कितनी दिलकश है। मैं तो ये भी भूल गई कि वह बात क्या कर रहा था।

"मैं नहाने जा रहा हूं। तुम पहले तो नहीं जाना चाहतीं।" उसने अपनी गर्दन झटकी और खीसें निपोरीं। ऐसा लग रहा था मानो किसी ने मेरा दम घोंट दिया हो। उसने उसी तरह मुस्कुराते हुए मेरे गालों और निचले होंठ पर अंगूठा फिराया। "एनेस्टेसिया सांस लो।" वह उठकर बोला। पंद्रह मिनट में नाश्ता लग जाएगा। तुम्हें भूख लगी होगी। वह बाथरूम की तरफ बढ़ा और दरवाजा बंद कर लिया।

मैंने अपनी बड़ी देर की रोकी हुई सांस छोड़ी। ये इतना दिलफरेब क्यों है? दिल में तो आ रहा है कि जाकर उसके साथ नहाने लगूं। आज तक कभी किसी के लिए दिल में ऐसे ख्याल नहीं आए। मेरे हारमोन तेजी से भाग रहे हैं। जहां उसने छुआ था, वह त्वचा उसकी छुअन के लिए तड़प रही है। पूरे शरीर में एक अजीब-सी बेचैनी हो रही है। मैं ये सब समझ नहीं पा रही। हम्म...ये उसे पाने की चाह है। *कोरी तड़प। बेशक ये तड़प ऐसे ही जलाती है।*

मैं नरम तकियों पर फिर से लेट गई। अगर तुम मेरी होतीं। ओह–मुझे उसका होने के लिए क्या करना होगा? जिंदगी में पहली बार ऐसा मर्द मिला है, जिसने सही मायनों में मेरे भीतर की औरत को जगाया है। माना वह काफी कठोर, जिद्दी और उलझा हुआ है। एक ही पल में झिड़कता है तो दूसरे ही पल किसी किताब के पहले संस्करण भेज देता है। फिर फोन से मेरा पता खोज लेता है। उसके होटल के सुईट में पूरी रात बिताने के बाद भी मैं खुद को सुरक्षित पा रही हूं। वह मेरी इतनी देखरेख करता है कि आधी रात को उठकर मुझेबचाने आ गया कि कहीं मैं किसी मुश्किल में न पड़ जाऊं। वह कोई दुष्ट राजा नहीं बल्कि चमकीली ढाल वाला क्लासिक रुमानी नायक है–सर गावैन या सर लैंसलॉट।

मैंने पलंग से बाहर आकर अपनी जींस की तलाश शुरू की। तभी वह बाथरूम से निकल आया। शेव तो नहीं बनाई पर गीले शरीर पर, कमर में एक तौलिया बंधा है और मैं वहां नंगी टांगों के साथ अकबकाई खड़ी हूं। वह मुझे पलंग से बाहर देखकर हैरान रह गया।

"अगर जींस खोज रही हो तो वह मैंने धोने भेज दी हैं। वह उल्टियों से गंदी हो गई थी।"

"ओह! मेरे चेहरे पर लाली आ गई। वह हमेशा मुझे इस तरह हत्थे से क्यों उखाड़ देता है?"

"मैंने टेलर को तुम्हारे लिए कुछ कपड़े और जूते लाने भेजा था। वे वहां कुर्सी पर बैग में हैं।"

साफ कपड़े। क्या बोनस है।

"उम्म..मैं नहा लेती हूं।" मैं हौले से बोली।

"थैंक्स!" बैग लिया और बाथरूम की ओर झपटी। उससे और कहती भी क्या? मैं जल्द से जल्द अधनंगे खड़े क्रिस्टियन की नजरों से दूर होना चाह रही थी। माइकेल एंजेलो का डेविड तो इसके सामने कुछ भी नहीं!

बाथरूम में चारों ओर भाप और गरमाहट है। मैंने कपड़े उतारे और झट से साफ गर्म पानी के नीचे जा खड़ी हुई। पानी की बौछारों ने शरीर को तरोताजा कर दिया। मैं क्रिस्टियन ग्रे को चाहती थी। दिल से चाहती थी। बस सीधी-सी बात है। जिंदगी में पहली बार किसी पुरुष को देखकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने को दिल किया था। मैं उसके मुंह और हाथों को अपने शरीर पर महसूस करना चाहती थी।

उसने कहा कि उसे अपने साथी का पूरी तरह से सचेतन होना पसंद है तो यह कह सकते हैं कि वह ब्रह्मचारी तो कतई नहीं है। लेकिन उसने पॉल या जोस की तरह मुझ पर लाइन मारने की कोशिश भी नहीं की। मुझे समझ नहीं आता। क्या वह मुझे पसंद करता है? उसने पिछले सप्ताह मुझे चुंबन भी नहीं दिया था। अगर मैं उसे पसंद नहीं हूं तो आज मैं यहां, उसके होटल के कमरे में

क्या कर रही हूं? वह मुझे यहां क्यों लाया? ये उसका कैसा खेल है? वह क्या सोच रहा है? एना! तुम सारी रात उसके ही बिस्तर में थीं और उसने तुम्हें छुआ तक नहीं। तुम जरा हिसाब तो लगाकर देखो। मेरे भीतर बैठी लड़की ने अपनी भद्दा और बदसूरत चेहरा उठाया और मैंने उसे अनदेखा कर दिया।

पानी कितना आराम दे रहा है। हम्म.. मैं तो सारी जिंदगी इसी बौछार के नीचे बिता सकती हूं। मैंने बॉडी वाश उठाया तो उसकी जानी-पहचानी गंध आई। ये तो बड़ी प्यारी सी खुशबू है। मैंने उसे पूरे शरीर में मल लिया, मन ही मन सोचने लगी कि वह खुद इस झाग को मेरे शरीर के अंगों पर हौले-हौले हाथ फिराते हुए मल रहा है। उसकी लंबी अंगुलियां मेरी छातियों, पेट और शरीर के दूसरे हिस्सों में घूम रही हैं। ओह! मेरे दिल की धड़कन तेज हो गई। ये कितना अच्छा लग रहा है... ओह!

"नाश्ता तैयार है।" उसने दरवाजा खटखटाया और मैं चौंक गई।

"अच्छा...।" मुझे मेरे रुमानी सपने से किसी ने झटका देकर जगा दिया था।

मैंने झट से नहा कर दो तौलिए लिए। एक से बालों को कारमैन मिरांडा की तरह लपेट लिया और दूसरे से शरीर को सुखाने लगी। हालांकि तौलिए की छुअन भी भली लग रही थी पर मैं जल्दबाजी में उसका आनंद नहीं ले सकी।

मैंने टेलर के लाए बैग को देखा। टेलर न सिर्फ मेरे लिए नई जींस और जूते लाया था बल्कि उसमें हल्की नीली कमीज, जुराबें और अंतर्वस्त्र भी थे। साफ अंतर्वस्त्रों का जोड़ा। वह भी कोई हल्का नहीं बल्कि वह तो सुंदर डिजाइन वाली यूरोपियन लिंगरी थी। उन पर इतना पैसा लगाने की क्या जरूरत थी? मैं तो उसकी लेस और बुनावट देखकर ही दंग रह गई। वाह। वे तो पूरी तरह से फिट भी आए। मैं यही सोचकर लजा गई कि किस तरह टेलर ने लिंगरी स्टोर में खड़े होकर मेरे लिए ये चीजें ली होंगीं। मैं सोच रही थी कि बेचारे को अपनी नौकरी के लिए क्या-क्या करना पड़ता होगा।

मैंने झट से कपड़े पहने। बाकी कपड़े भी पूरी तरह से फिट थे। मैंने तौलिए से ही बालों को थोड़ा सुखाया और उन्हें काबू करने की नाकामयाब कोशिश की। हमेशा की तरह उन्होंने मेरे काबू में आने से मना कर दिया और यही तय पाया गया कि उन्हें एक पोनीटेल में बांध दिया जाए। हालांकि बालों में बांधने के लिए भी अभी कुछ मेरे पास नहीं था। बेशक पर्स में से कुछ मिलना चाहिए। मैंने गहरी सांस ली। उलझे हुए मि. ग्रे से मुलाकात का समय हो गया था।

जब बाहर आई तो देखकर अच्छा लगा कि कमरा खाली था। मैंने झट से पर्स पर नजर मारी, वह तो कहीं नहीं दिखा। एक और गहरी सांस भरते हुए, सुईट के बड़े कमरे में कदम रखा। ये बहुत बड़ा था। वहां की बैठक में बहुत सुंदर काउच और मुलायम कुशन रखे थे। बड़ी सी कॉफी टेबल पर चमकदार किताबें, लेटेस्ट तकनीक वाले आईमैक के साथ स्टडी एरिया और सामने दीवार पर बड़ा सा प्लाजमा स्क्रीन टीवी देखा जा सकता था। क्रिस्टियन कमरे के दूसरी ओर एक बड़े से डाइनिंग टेबल पर बैठा अखबार पढ़ रहा था। उसका आकार तो टेनिस के कोर्ट जितना होगा, ऐसा है कि मैं टेनिस नहीं खेलती, वैसे मैंने केट को कई बार खेलते देखा है।

"केट!" मैं बोली और क्रिस्टियन ने मेरी ओर ताका।

"वह जानती है कि तुम यहां हो और जिंदा हो।" मैंने इलियट को मैसेज दे दिया है। उसने चेहरे हल्के से हास्य के साथ कहा।

अरे नहीं! मुझे याद है कि कल रात केट कैसे नाच रही थी। बेशक उसके सारे लटके-झटके क्रिस्टियन के भाई को रिझाने के लिए ही थे। वह मेरे यहां रात ठहरने के बारे में जाने क्या-क्या सोचेगी? मैं तो आज से पहले कभी बाहर नहीं रही। वह अब भी इलयिटके साथ है। उसने आज से पहले दो बार ही ऐसा किया है और दोनों बार मुझे पूरा-पूरा हफ्ता उसके गुलाबी पजामे को सहना पड़ा है। उसे तो यही लगेगा कि मैं क्रिस्टियन के साथ एक रात बिताने के लिए यहां आई थी।

क्रिस्टियन बड़ी अजीब निगाहों से मुझे देख रहा है। उसने सफेद लिनन की कमीज पहनी है, जिसका कॉलर और कफ दोनों ही खुले हैं।

उसने मेज पर एक ओर संकेत किया-बैठो। मैंने वही किया, जो मुझे कहा गया था। मेज पर खाने की चीजों का ढेर पड़ा है।

"मुझे तो पता नहीं था कि तुम नाश्ते में क्या लेती हो इसलिए ये मंगवाया है।" उसने मुझे थोड़ी टेढ़ी सी मुस्कान दी।

"आपकी बड़ी मेहरबानी।" नाश्ते के मामले में उसकी पसंद ने तो मुझे चौंका कर रख दिया।

मैंने पैनकेक, मेपल सिरप, अंडों की भुर्जी और बेकन लिया। क्रिस्टियन ने अंडों की सफेदी से बने ऑमलेट की ओर वापिस जाते हुए एक दबी मुस्कान दी। खाना स्वादिष्ट था।

"चाय?"

"जी, प्लीज!"

उसने मुझे छोटी-सी चाय की केतली दी जिसमें गर्म पानी था, साथ ही मेरी मनपसंद चाय का बैग भी था। तो उसे याद रहा?

"तुम्हारे बाल तो गीले हैं।" उसने डांटा।

"मुझे बाल सुखाने के लिए ड्रायर नहीं मिला।" मैंने शर्मिंदा होते हुए कहा।

क्रिस्टियन के चेहरे पर गंभीर रेखाएं खिंच गईं पर वह बोला कुछ नहीं।

"कपड़ों के लिए धन्यवाद!"

"एनेस्टेंसिया! मुझे खुशी हुई। ये रंग तुम पर फब रहा है।"

मैं लजा कर अपनी अंगुलियों को देखने लगी।

"पता है, वैसे तुम्हें तारीफ लेना भी सीखना होगा।" उसकी आवाज में फटकार है।

"मुझे आपको इन कपड़ों के लिए पैसे देने चाहिए।"

उसने ऐसे घूरा मानो मैं उसे नीचा दिखाने की कोशिश कर रही होऊं। मैंने बात आगे बढ़ाई

"तुमने मुझे पहले ही किताबें दे दी हैं। जो मैं नहीं रख सकती पर ये कपड़े... मुझे इनके तो पैसे देने दो।" मैं उसे देखकर मुस्कुराई।

"एनेस्टेंसिया! भरोसा करो। मैं इन पर खर्च कर सकता हूं।"

"ये तो कोई बात नहीं हुई। तुम्हें मेरे लिए इन्हें क्यों खरीदना चाहिए?"

"क्योंकि मैं ऐसा कर सकता हूं। उसकी आंखों में दुष्ट सी चमक थी।"

"तुम कोई काम कर सकते हो इसका मतलब ये तो नहीं कि तुम्हें इसे करना ही चाहिए।" मैंने जवाब दिया और उसने अपनी भौं नचाई। उसकी आंखें चमकने लगीं और अचानक मुझे लगा कि हम किसी और बारे में बात कर रहे थे पर मैं नहीं जानती कि वह क्या बात थी। जिससे मुझे याद आया।

"क्रिस्टियन! मुझे किताबें क्यों भेजीं?" मेरे स्वर में नरमी थी। उसने अपना कांटा और छुरी नीचे रखा और मुझे गहराई से देखा। उसकी आंखें एक अलग ही भावना से चमक रही थीं। हाय! मेरा तो हलक ही सूख गया।

"जब तुम्हें साइकिल वाला कुचल कर जाने ही वाला था और तुम मेरी बांहों में गिर कर–क्रिस्टियन! मुझे चूम लो! क्रिस्टियन मुझे चूम लो जैसी नजरों से देख रही थीं तो... वह थोड़ा रुक कर बोला–मुझे लगा कि तुमसे माफी मांगने के साथ-साथ चेतावनी भी दे देनी चाहिए। उसने अपने बालों में हाथ फिराया। एनेस्टेंसिया! मैं रुमानी किस्म के लोगों में से नहीं हूं। मेरी रुचियां बड़ी अलग तरह की हैं। तुम्हें मुझसे परे रहना चाहिए।" उसने अपनी आंखें बंद कर लीं मानो हार गया हो। हालांकि तुममें कोई बात तो है कि मैं खुद को तुमसे दूर नहीं रख पा रहा। वैसे लगता है कि तुमने तो पहले ही उस बात को जान लिया है।

मेरी भूख तो खत्म हो गई थी। वह मुझसे दूर नहीं रह सकता!

"तो दूर मत रहो।" मैं हौले से बोली।

उसकी आंखें हैरानी से और भी फैल गईं। तुम्हें नहीं पता कि तुम क्या कह रही हो

"तो मुझे समझाओ न।"

हम एक-दूसरे को बैठे देख रहे थे और दोनों में से कोई भी खाने को हाथ तक नहीं लगा रहा था।

"तो तुम लड़कियों से परे रहने में तो विश्वास नहीं रखते न...?"

उसकी आंखों में शरारती चमक उभर आई।

"नहीं, एनेस्टेसिया! मैं ऐसा कोई विश्वास नहीं रखता।" उसने कहा और मेरे गाल गुलाबी हो गए। दिमाग ने फिर से काम करना बंद कर दिया। मुझे तो यकीन नहीं आया कि मैंने उससे ये बात इतनी जोर से कैसे कह दी?

"अगले कुछ दिनों के लिए तुम्हारे क्या प्लांस हैं?" उसने धीमे सुर में पूछा।

"मैं आज दोपहर से काम पर जा रही हूं। अभी क्या बजा है?" मैं अचानक भयभीत हो गई।

"अभी तो दस बजे हैं; काफी वक्त है। कल कैसा रहेगा?" उसने मेज पर कोहनियां रखते हुए, लंबी अंगुलियों से चिबुक थाम ली।

"केट और मैं सामान पैक करेंगे। हम अगले सप्ताह सिएटल जा रहे हैं और इस सप्ताह मैं क्लेटन में काम करने वाली हूं।"

"सिएटल में कोई जगह देख ली है?"

"हां।"

"कहां?"

"मुझे पता तो याद नहीं। ये कहीं पाइक मार्केट डिस्ट्रिक्ट में है।"

"मेरे यहां से ज्यादा दूर नहीं है।" वह मुस्कुराया। तो सिएटल में क्या काम करोगी?"

ये इतने सारे सवाल क्यों कर रहा है? लगता है इसे भी केट की तरह ज्यादा पूछताछ करने की बीमारी है।

"मैंने कुछ इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया है। उन्हीं का इंतजार है।"

"जैसा कि मैंने कहा था, मेरी कंपनी में आवेदन किया?"

"आपकी कंपनी?

"मिस स्टील! मेरा मजाक उड़ा रही हो। उसने अपनी गर्दन एक ओर झटकी, ऐसा लगा मानो उसका दिल बहल रहा हो पर फिर भी कुछ पक्का नहीं कहा जा सकता था। मैं लजा कर अपने नाश्ते को देखने लगी। जब यह इस तरह के सुर में बोलता है तो इसकी आंखों की तरफ देखना लगभग नामुमकिन हो जाता है।

"मैं इस होंठ को काटना पंसद करूंगा।" वह हौले से बोला

मेरी तो सांस वहीं थम गई, मुझे पता ही नहीं था कि मैं अपना निचला होंठ चबा रही हूं और मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। आज से पहले किसी ने कभी मुझसे इतनी सेक्सी बात नहीं कही। दिल इतनी तेजी से धड़कने लगा मानो मैं हांफने लगी। मैं अपनी ही सीट पर सिकुड़ कर उसकी आंखों की गहराईयों से बचने की कोशिश करने लगी।

"तो करते क्यों नहीं?" मैंने चुपके से चुनौती दी।

"क्योंकि एनेस्टेसिया! जब तक तुम मुझे ऐसा करने की लिखित अनुमति नहीं देतीं, तब तक मैं तुम्हें छूने वाला नहीं हूं।" उसके होठों पर मुस्कान खेल गई।

"क्या?"

"इसका क्या मतलब है?"

"ठीक वही, जो मैंने कहा।"

उसने आह भरी और सिर झटक कर मेरी ओर देखा। "एनेस्टेसिया! तुम्हें कुछ दिखाना है। आज शाम को तुम्हारा काम कितने बजे

खत्म होगा?"

"आठ के करीब।"

"हम आज शाम या अगले शनिवार मेरे यहां डिनर के लिए सिएटल चल सकते हैं और वहीं तुम्हें सारी हकीकत बता दूंगा। फिर जैसी तुम्हारी मर्जी।"

"तुम मुझे अभी क्यों नहीं बता सकते?"

"क्योंकि मैं अपने नाश्ते और तुम्हारे साथ का आनंद ले रहा हूं। एक बार वह बात पता चल जाने के बाद शायद फिर तुम मुझसे मिलना ही न चाहो।"

ये कहना क्या चाहता है? क्या इसके पास ग्रह के किसी हिस्से से लाए गए सफेद गुलाम बच्चे हैं? क्या ये किसी अंडरवर्ल्ड क्राइम सिंडीकेट का हिस्सा है? तभी तो ये इतना अमीर है। क्या वह बड़ा धार्मिक है? क्या वह नपुंसक है? बिल्कुल नहीं, ये तो वह अभी मेरे सामने साबित कर सकता था। मैं तो इन संभावनाओं पर विचार करते-करते ही पानी-पानी हो गई। ये बातें तो मुझे कहीं नहीं ले जा रहीं। मैं क्रिस्टियन ग्रे नाम की इस पहेली को जल्द से जल्द सुलझाना चाहूंगी। अगर ये कहना चाहता है कि इसका राज जानने के बाद मैं इससे मिलना ही नहीं चाहूंगी तो बेशक यही ठीक होगा। मेरे भीतर बैठी लड़की चिल्लाई-खुद से झूठ मत बोल। ये सब तेरे बस का नहीं है।

"आज रात?"

उसने भौं नचाई।

"तुम भी हव्वा की तरह ज्ञान और जानकारी का फल खाने के लिए कितनी बेचैन दिखती हो।"

"मि. ग्रे! क्या आप मेरा मजाक उड़ा रहे हैं?" मैंने प्यार से पूछा।

उसने अपनी आंखें सिकोड़ीं और जेब से ब्लैकबेरी निकाला। फिर एक नंबर बटन दबाया।

"टेलर! मुझे चार्ली टैंगो चाहिए।"

चार्ली टैंगो। अब ये कौन है?

"पोर्टलैंड से, हां, बीस तीस...नहीं एस्काला रहेगा। रात को।"

सारी रात।

"हां। कल सुबह बुलाने पर। मैं पोर्टलैंड से सिएटल तक चला लूंगा।"

"पायलट?"

"बाइस तीस से स्टैंडबाय पायलट?" उसने फोन नीचे रख दिया। न दुआ, न सलाम।

"क्या लोग हमेशा वही करते हैं, जो तुम कहते हो?"

"हां, अगर उन्हें अपनी नौकरी बचानी है।" उसने साफ लहजे में कहा।

"और अगर वे तुम्हारे लिए काम नहीं करते?"

"ओह! एना, मुझे काम निकलवाना आता है। तुम्हें पहले अपना नाश्ता खत्म करना चाहिए। फिर मैं तुम्हें तुम्हारे घर छोड़ दूंगा। मैं तुम्हें आज क्लेटन से आठ बजे ले लूंगा। हम मेरे हेलीकॉप्टर से सिएटल जाएंगे।"

मैं उसे देखकर लगातार पलकें झपकाती रही।

"उड़ान से?"

"हां"

"क्यों?"

वह दुष्टता से मुस्कुराया, "क्योंकि मैं ऐसा कर सकता हूं। पहले नाश्ता खत्म करो।"

अब मैं कैसे खा सकती हूं? *मैं क्रिस्टियन ग्रे के साथ उसके हेलीकॉप्टर में सिएटल जाने वाली हूं और वह मेरा होंठ काटना चाहता है...*मैं इस सोच से भीतर ही भीतर सिकुड़ गई।

"खाओ! इस बार और तेज आवाज आई। एनेस्टेसिया! मुझे झूठन बचाने से सख्त नफरत है।"

"मैं ये सारा नहीं खा सकती।" मैंने मेज पर बचे खाने को देखकर कहा।

"अपनी प्लेट का खाना खत्म करो। अगर तुमने कल रात सही तरह से खाया होता तो तुम यहां न होतीं और मुझे ये सब इतनी जल्दी न बताना पड़ता।" उसके चेहरे पर एक उदासी भरी रेखा खिंच गई। वह गुस्से में दिखा।

मैंने भौं नचाई और अपना ठंडा हो चुका खाना खत्म करने की जी तोड़ कोशिश करने लगी। *क्रिस्टियन मैं इस समय इतनी उत्तेजित हूं कि ये खाना मेरे अंदर नहीं जा रहा। तुम समझते क्यों नहीं?* मेरे भीतर की लड़की ने अपनी सफाई दी। लेकिन वह जिस तरह छोटे बच्चे की तरह मुंह फुलाए बैठा था, उसके सामने अपनी सफाई देने की हिम्मत ही नहीं हुई। छोटा बच्चा, वाह मुझे ये सोच पसंद आई।

"इसमें इतना मजाकिया क्या है?" ओह! शायद मेरी हंसी उस तक पहुंच गई थी। मैंने किसी तरह पैनकेक का आखिरी टुकड़ा निगला और उसे झांका। वह मुझे ही घूर रहा था।

"गुड गर्ल। वह बोला। तुम बाल सुखा लोगी तो मैं तुम्हें घर छोड़ दूंगा। मैं नहीं चाहता कि तुम बीमार पड़ो।" उसके इन शब्दों में कितने भाव छिपे थे। वह कहना क्या चाहता है? मैंने सोचा कि मेज से उठने से पहले उसकी इजाजत लूं पर फिर ठिठक गई। उठकर सीधा बेडरूम में गई और एक ख्याल ने मेरे कदम वहीं रोक दिए।

"कल रात तुम कहां सोए थे?"

मैंने उससे पूछा। मुझे तो वहां कोई कंबल या चादर नहीं दिख रहे थे। हो सकता था कि उसने उन्हें सहेज दिया हो।

"अपने बिस्तर में।" उसने आसानी से कहा

"ओह"

"हां! बेशक मेरे लिए भी नई सी बात थी।"

"...और वहां सेक्स... नहीं...।" मैंने लजाते हुए कहा।

"नहीं, उसने गर्दन हिलाई। किसी के साथ अपने बिस्तर में सोना एक नई बात थी।" फिर वह अपना अखबार उठाकर पढ़ने लगा।

ये आदमी कहना क्या चाहता है? क्या ये कभी किसी के साथ नहीं सोया? क्या ये कुंआरा है? लगता तो कुछ यही है। मैं वहीं खड़ी उसे अविश्वास से घूरती रही। मैं तो आज तक ऐसे रहस्यमयी इंसान से नहीं मिली और मुझे पता चला है कि मैं ग्रे के साथ सोई थी। काश! मैं उसे सोता हुआ देख पाती। खैर, आज सब साफ हो ही जाएगा।

उसके कमरे में मैंने यहां-वहां दराजों में हाथ मारा और मुझे ड्रायर मिल गया। मैंने अपनी अंगुलियों से बाल सुलझाते हुए उन्हें सुखाने की भरपूर कोशिश की। मैं अपने दांत साफ करने के लिए बाथरूम में गई तो वहां ग्रे का ब्रश दिख गया। अरे, इससे ब्रश करने का मतलब होगा...। मैंने कनखियों से बाहर झांका और उसके ब्रश को मुंह से लगा लिया। वह गीला है इसका मतलब है कि उसने इसका इस्तेमाल कर लिया है। मैंने झट से उस पर पेस्ट लगाया और फट से दांत साफ किए। सच ऐसी शरारत करने में बड़ा मजा आया।

मैंने कल के मैले कपड़े वहां से उठाए और खाली बैग में डाल लिए। फिर मैं बाहर आकर अपना पर्स और जैकेट खोजने लगी। वाह! बालों के लिए पर्स में एक बैंड भी मिल गया। क्रिस्टियन मुझे बड़ी हैरानी से बाल बांधते देखता रहा। वह फोन पर किसी से

बात कर रहा था।

"वे दो चाहते हैं?... उनकी कितनी कीमत होगी?...ओ के, हमें कौन से सुरक्षा संसाधन मिलेंगे?.... वे स्वेज के रास्ते जाएंगे ...? बेन सूडान कितना सुरक्षित है?... वे डारफर कब पहुंचेंगे? ...... ठीक है, यही करते हैं। मुझे साथ-साथ बताते रहना।" उसने फोन रख दिया।

"चलने के लिए तैयार?"

मैंने हामी भरी। मैं सोच रही थी कि वह क्या बात कर रहा था। उसने एक नीली लाइनों वाली जैकेट पहनी, कार की चाबियां लीं और दरवाजे की ओर बढ़ गया।

"मिस स्टील! पहले आप। वह दरवाजा खोल कर खड़ा था।

मैंने रुककर एक बार उसे जी भर कर देखा। कल रात मेरी शराब और उल्टियों के बाद मैं उसके बिस्तर में थी और अब वह मुझे अपने साथ सिएटल ले जाना चाहता है। मुझे ही क्यों? मैं समझ नहीं पा रही। मैं दरवाजे की तरफ बढ़ी तो उसके शब्द याद आए-*तुममें कुछ तो बात है....।*

खैर मि. ग्रे! यहां भी यही हाल है पर मैं तुम्हारा राज जानने को भी बेचैन हूं।

हम लिफ्ट की ओर बरामदे में चुपचाप चलते रहे और वह कनखियों से मुझे देखतारहा। लिफ्ट में हम दोनों के सिवाए कोई नहीं था और शायद उसी एकांत ने वहां के माहौल को एक नए ही रंग में बदल दिया।

मेरी सांसें तेज हो गईं और दिल तेजी से धड़कने लगा। उसने पल भर के लिए मुझे देखा और उसके मुंह से निकला-

भाड़ में जाए कागजी कारवाई!!!

फिर अचानक ही उसने मुझे जकड़ लिया। मेरे दोनों हाथ लिफ्ट की दीवार से टिके थे और हमारे होंठ आपस में मिल गए थे। उसने मुझे इस तरह से काबू कर लिया कि मैं चाह कर भी उसे छू नहीं सकती थी। ***ओह! क्रिस्टियन ग्रे, ग्रीक देवता! वह मुझे चाहता है और मैं उसे चाहती हूं। ओह! यहां आज इस लिफ्ट में।***

"तुम कितनी प्यारी हो।" उसने एक-एक शब्द को हौले से कहा।

तभी लिफ्ट रुकी और वह उछलकर मुझसे परे हो गया। दरवाजा खुलते ही तीन लोग बिजनेस सूट पहने अंदर दाखिल हुए। हमें हल्की सी मुस्कान देकर खड़े हो गए। ऐसा लग रहा था कि कलेजा उछलकर बाहर आने वाला है। मैं चाहती थी कि झुककर अपने कांपते घुटनों को सहारा दे दूं, पर सबके सामने कैसे?

मैंने उसे देखा। वह तो बड़े मजे से ऐसे खड़ा था मानो अभी तक सिएटल टाइम्स की पहेली हल कर रहा था। कितनी गलत बात है। क्या उसे सचमुच मेरे होने या न होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसने मुझे कनखियों से देखकर एक गहरी सांस छोड़ी तो मुझे एहसास हुआ कि उस पर भी असर हुआ। मेरे भीतर बैठी लड़की सांबा नाच करने लगी। तभी वे सभी लोग दूसरी मंजिल पर उतर गए। हमें अभी और नीचे जाना था।

"तुमने दांत साफ किए?" उसने मुझे घूरा।

"मैंने तुम्हारा टूथब्रश लिया था।"

उसके होंठों पर आधी मुस्कान खेल गई। "ओह एनेस्टेसिया स्टील, मैं तुम्हारा क्या करूं?"

दरवाजा खुलते ही वह मुझे हाथ थाम कर बाहर ले गया।

"पता नहीं इन लिफ्टों में ऐसी क्या खूबी है?" शायद उसने खुद से ही कहा। वह लॉबी की ओर लंबे डग भरने लगा। मैंने उसके साथ चलने की भरपूर कोशिश की क्योंकि थोड़ीदेर पहले होटल हीथमैन की लिफ्ट नंबर तीन में मैं अपनी सारी जान निकाल आई थी। अब चलने की हिम्मत ही किसमें बची थी!

अध्याय 6

क्रिस्टियन ने काली ऑडी एसयूवी का दरवाजा खोला और मैं अंदर बैठ गई। ये तो बड़ी जबरदस्त कार है। उसने अभी तक उस जुनून के बारे में कोई बात नहीं की, जो थोड़ी देर पहले ही घटा था। क्या मुझे करनी चाहिए? क्या हमें बात करनी चाहिए या ऐसा दिखावा करना चाहिए मानो कुछ हुआ ही न हो। *ये सब तो असलियत में हुआ नहीं लगता, हो सकता है कि ये मेरे ही दिमाग की उड़ान रही हो। ये कभी नहीं हुआ....* फिर मैंने अपने होठों को छूकर देखा। वे उसके चुंबन के कारण सूजे हुए थे। बेशक ये हुआ है। मैं पूरी तरह से बदल गई हूं। मैं इस इंसान को दिलोजान से चाहती हूं और वह मुझे चाहता है।

मैंने उसे देखा। क्रिस्टियन हमेशा की तरह विनीत भाव से बैठा है मानो कहीं दूर खोया हो।

ये सब कितना उलझन से भरा है!

उसने इंजिन चालू किया और अपनी गाड़ी को पार्किंग एरिया से बाहर निकाला। फिर उसने साउंड सिस्टम चालू कर दिया। कार का इंटीरियर दो औरतों के गाने के मधुर स्वर से गूंज उठा। ओह! कितना मधुर स्वर है। मेरा मन झूम उठा। क्रिस्टियन ने गाड़ी को साउथवेस्ट पार्क एवेन्यू पर डाला और बड़े ही अलसाए तरीके से चलाने लगा।

"हम क्या सुन रहे हैं?"

"ये ऑपेरा लेक्मे के डेलिबस का द फ्लावर डुएट है। तुम्हें पसंद आया?"

"ये तो अद्‌भुत है।"

"है न?" उसने मुझे देखा और अचानक ऐसा लगा मानो वह जवां, बेपरवाह और उन्मुक्त मन हो गया हो। तो समझ आया कि संगीत उसके मन की कुंजी है। मैं उस दिव्य संगीत की लहरियों में खो गई।

गाना बंद होते ही मैंने पूछा–"क्या मैं उसे दोबारा सुन सकती हूं?"

"क्यों नहीं।" उसने फिर से गाना चालू कर दिया। वह धीमा, मद्धिम और प्यारा संगीत कानों में रस घोलने लगा।

"तुम्हें क्लासिकल संगीत पसंद है?" मैंने पूछा और उम्मीद की कि शायद उसकी व्यक्तिगत रुचियों के बारे में कुछ पता चल सके।

"मैं कह सकता हूं कि संगीत के मामले में मेरी रुचि बड़ी ही विविध है। यह सब काफी हद तक मेरे मूड पर निर्भर करता है।" और फिर उसने कई ऐसे नाम गिना दिए जिनमें से तो कई मैंने कभी सुने तक नहीं थे। बेशक संगीत में उसकी जान बसती थी।

"मैं तुम्हें कभी सोलहवीं सदी के ब्रिटिश कंपोजर की धुनें सुनाऊंगा। वह बहुत अच्छा संगीत है। इसे हम जादुई भी कह सकते हैं?"

उसने एक और बटन दबाया और इस बार कार में सेक्स ऑन फायर गीत बजने लगा। इतने में फोन की घंटी बजी। उसने कार में लगे स्पीकर्स पर कॉल ली।

"ग्रे!" वह बोला

"मि. ग्रे वेल्क बोल रहा हूं। मुझे वह जानकारी मिल गई है जिसकी आपको आवश्यकता थी।" स्पीकर के दूसरी ओर से एक अलग ही स्वर सुनाई दिया।

"अच्छा! मुझे ई-मेल कर दो। कुछ और?"

"नहीं सर!"

उसने बटन दबाया और कार में संगीत गूंज उठा। न गुडबाय, न धन्यवाद!। मुझे खुशी है कि मैंने इसकी कंपनी में काम करने के प्रस्ताव पर कभी गंभीरता से विचार नहीं किया। साफ दिखता है कि ये अपने कर्मचारियों के लिए कितना ठंडा और उदासीन रवैया रखता होगा। एक और फोन आ गया।

"ग्रे"

"मि. ग्रे! आपको एनडीए मेल कर दिया गया है।" एक औरत की आवाज आई "गुड! हो गया आंद्रिया?"

"जी सर! गुड डे।"

क्रिस्टियन ने स्टीयरिंग व्हील के पास बने बटन को दबा दिया और संगीत शुरू होने के कुछ ही सेकेंड में एक और कॉल आ गई। हे भगवान! ये कैसा जीवन है इसका? लगातार फोन पर फोन आते रहते हैं।

"ग्रे!"

"हाय क्रिस्टियन, कहां हो?"

"हैलो इलियट! मैं कार में हूं। अकेला नहीं हूं।"

"तुम्हारे साथ कौन है?"

क्रिस्टियन ने अपनी आंखें नचाई-"एनेस्टेसिया स्टील।" "हाय एना!"

"हैलो इलियट!"

"तुम्हारे बारे में बहुत सुना है।" उसने भारी स्वर में कहा। क्रिस्टियन ने त्योरी चढ़ाई।

"केट की एक भी बात पर यकीन मत करना।"

इलियट हंस दिया।

"मैं एनेस्टेसिया को छोड़ने आ रहा हूं।" क्रिस्टियन ने मेरे पूरे नाम पर जोर दिया। क्या तुम्हें भी ले लूं?''

"हां, क्यों नहीं।"

"अभी मिलते हैं।" क्रिस्टियन ने संगीत चालू कर दिया।

"तुम बार-बार मेरा पूरा नाम लेने पर जोर क्यों देते हो?"

"क्योंकि यह तुम्हारा नाम है।"

"मुझे तो एना पसंद है।"

हम अपने अपार्टमेंट तक आ गए थे। ज्यादा वक्त नहीं लगा।

"एनेस्टेसिया।" मैंने उसे घूरा पर उसने परवाह नहीं की। "आज लिफ्ट में जो हुआ, वह तुम्हारी मर्जी के बिना दोबारा नहीं होगा।"

उसने मेरे घर के बाहर कार रोक दी। मुझे बाद में एहसास हुआ कि उसने तो मुझसे पता तक नहीं पूछा था। इसका मतलब साफ था कि वह जानता था। उसने किताबें भी तो भेजी थीं। क्या बंदा है–सेल फोन ट्रैक करना और अब हेलीकाप्टर की उड़ान?

वह मुझे दोबारा किस क्यों नहीं करेगा? मैंने यह सोचकर मुंह फुलाया। मैं समझी नहीं। सच, इसका नाम तो ग्रे की बजाए मि. झक्की होना चाहिए। वह कार से निकला और बड़ीभद्रता से लंबे डग भरते हुए मेरी ओर का दरवाजा खोलने आया। बेशक वह लिफ्ट में बीते उन पलों के अलावा भद्र पुरुष ही था। मैं मन ही मन उन पलों को याद कर लजा गई और साथ ही यह अफसोस भी हुआ कि मैं उसे छू नहीं सकी थी। मैं उसके बिखरे बालों में अपनी अंगुलियां फेरना चाहती थी पर अपने हाथ तक नहीं हिला सकी। इस वजह से बहुत बुरा लग रहा था।

"लिफ्ट में जो भी हुआ, मुझे अच्छा लगा।" मैं हौले से बोली। पता नहीं कि उसने सुना भी या नहीं। फिर मैं घर की ओर चल दी।

केट और इलियट डाईनिंग टेबल पर हैं और वहां से हजारों की कीमत वाली किताबों का पैकेट गायब है, शुक्र है क्योंकि मेरे पास उनके लिए एक योजना है। आज तो केट के चेहरे पर ऐसी मुस्कान थी, जो केट के लिए आम नहीं थी। बेशक सेक्सी रूप में सुंदर दिख रही केट ने मुझे हैरानी से देखा।

"हाय एना! उसने झपटकर मुझे गले से लगाया और एक हाथ की दूरी पर लाते हुए जांचने लगी।" उसने त्यौरी चढ़ाई और क्रिस्टियन की ओर मुड़ी।

"गुडमार्निंग! क्रिस्टियन।" उसने थोड़े से रूखे लहजे में कहा

"मिस कैवेना।" उसने भी औपचारिक जवाब दिया।

"क्रिस्टियन! इसका नाम केट है।" इलियट बुदबुदाया।

"ओ के केट!" क्रिस्टियन ने उसे देखकर विनम्रता से गर्दन हिलाई और इलियट को घूरने लगा जो अब आगे आकर मुझे गले लगाने को तैयार था।

"हाय एना!" वह मुस्कुराया और उसकी नीली आंखों में चमक आ गई। मुझे तो वह उसी पल में भा गया। बेशक वह क्रिस्टियन जैसा नहीं दिखता क्योंकि दोनों को ही गोद लिया गया था।

"हाय इलियट!" मैं उसे देखकर मुस्कुराई और मुझे पता है कि मैं अपना होंठ काट रही हूं।

"इलियट! अब चलें।" क्रिस्टियन ने हौले से कहा

"हां।" वह केट की ओर मुड़ा और उसे बांहों में भर कर लंबा सा चुंबन दिया।

हे भगवान...। मैं वहीं खड़ी अपने पैरों को घूरती रही। मैंने क्रिस्टियन को कनखियों से देखा जो मुझे ही दीवानगी से ताक रहा था। मैंने उसे देखकर आंखें सिकोड़ीं। तुम मुझे ऐसे क्यों नहीं चूम सकते? इलियट केट को चूमता ही रहा और उसे अपनी बांहों में लेते हुए इस तरह नीचे किया कि उसके बाल जमीन को छूने लगे।

"बाद में बेबी!" उसने खीसें निपोरीं।

केट तो बस पिघल ही गई। मैंने उसे आज तक किसी के लिए इस तरह पिघलते नहीं देखा था। बेशक इलियट अपने हुनर में माहिर लगता है। क्रिस्टियन के चेहरे से भाव समझ नहीं आ रहे थे पर कह सकते थे कि वह भी इन पलों का आनंद ले रहा था। उसने मेरे कानों के पास बिखर आई लट को हाथ से पीछे किया तो मैंने अपना मुंह उसके हाथ की ओर कर लिया और फिर उसने मेरे निचले होंठ पर अपने अंगूठे से हल्का सा स्पर्श किया। वह छुअन आई भी और लौट भी गई। नसों में खून खौलने लगा।

"बाद में बेबी!" वह बुदबुदाया। बेशक यह अंदाज उसका नहीं था। मुझे हल्की सी हंसी आ गई पर मन ही मन ये भी पता था कि कोई तार कहीं जुड़ रहे थे।

"मैं तुम्हें आठ बजे लेने आऊंगा।" वह जाने के लिए मुड़ा। इलियट भी पीछे चला पर जाते-जाते भी केट पर हवाई चुंबन उछाल दिया और पता नहीं क्यों मैं जलन से अधमरी हो गई।

"तो क्या तुमने...?" केट ने कार के जाते ही अपने सवालों की तोप दाग दी।

"नहीं, मैं आगे चल दी।" फिर अचानक मन में जलन सी पैदा हुई।

"बेशक तुमने तो कुछ किया ही...।"

केट हमेशा पुरुषों को लुभाने में सफल रहती है। वह सुंदर, सेक्सी, मजाकिया और चुस्त जो ठहरी...। मुझमें तो इनमें से कोई भी खूबी नहीं है। हालांकि उसे हंसते देख यही छूत मुझे भी लग गई।

"और आज शाम भी मिलने जा रही हूं।" उसने तालियां बजाते हुए छोटे बच्चों की तरह उछल-कूद शुरू कर दी। वह अपनी खुशी और उत्साह को छिपा नहीं पा रही और मैं अपने केट के लिए खुश हूं। एक खुशमिजाज केट..भई मजा आ गया

"क्रिस्टियन आज शाम मुझे सिएटल ले जा रहा है।"

"सिएटल?"

"हां"

"हो सकता है कि तुम लोग तब...?"

"हां, उम्मीद कर सकते हैं।"

"तुझे वो पसंद है न?"

"हां?"

"इतना पसंद है कि..."

"हां"

उसने अपनी भौंहें नचाई।

"वाउ! एना स्टील, आखिरकर तुझे कोई मर्द पसंद आ ही गया और वह भी क्रिस्टियन ग्रे-हॉट, सेक्सी और अरबपति।"

"जी हां। भई पैसे की माया है।" मैंने आंख दबाई और हम दोनों ही हंस-हंसकर दोहरी हो गईं।

"क्या ये नया ब्लाउज है?" उसने पूछा और मैंने उसे पिछली रात की सारी कहानी सुना दी।

"क्या उसने अभी तक तुझे चुंबन नहीं दिया?" उसने कॉफी बनाते हुए पूछा।

मैं शरमा गई।

"एक बार"

"एक बार।" उसने चिढ़ाया।

मैंने हामी भरी और पता नहीं क्यों शर्मिंदा भी हो गई। वह काफी रिजर्व किस्म के लोगों में से है।

"अच्छा जी! बड़ा अजीब है।"

"नहीं, ये भी नहीं कह सकते।"

"हमें कोशिश करनी होगी कि तुझे आज शाम के लिए पूरी तरह से तैयार कर दें।" उसने मन ही मन कुछ तय करते हुए कहा।

अरे नहीं... ऐसा लगता है कि मुझे काफी देर तक कई तकलीफदायक प्रक्रियाओं से गुजरना होगा।

"मुझे एक घंटे में काम पर जाना है।"

"मैं इतनी देर में ही सब कर सकती हूं। चल तो सही।" केट मुझे अपने कमरे में खींच ले गई।

क्लेटन में हम काफी व्यस्त रहे। गर्मियों का मौसम आने वाला है इसलिए मुझे दुकान बंद होने के बाद भी सामान सहेजने के लिए रुकना पड़ा। बेशक इस काम में दिमाग नहीं खपाना पड़ता इसलिए मुझे बीती बातों पर सोचने के लिए काफी समय मिल गया। पूरे दिन में ऐसा मौका मिला ही कहां था।

केट ने काफी मेहनत से मुझे निखारा। मेरी टांगों और बगलों के बाल शेव किए, भौंहें संवारीं और पूरी तरह से सुंदर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बेशक मुझे ये तर्जुबा पसंद नहीं पर उसका कहना है कि आजकल पुरुष ये सब पसंद करते हैं। वह और क्या उम्मीद कर सकता है? मुझे केट को यकीन दिलाना पड़ा कि मैं भी यही करना चाहती हूं पर पता नहीं क्यों? किसी वजह से उसे क्रिस्टियन पर भरोसा नहीं है, हो सकता है कि वह अपने औपचारिक और कड़े रवैए के कारण उसे ऐसा लगता हो। उसने कहा कि वह मुझे रोक तो नहीं सकती पर मैंने उसे सिएटल पहुंच कर मैसेज करने का वादा किया ताकि उसे मेरी सलामती का यकीन हो सके। मैंने उसे हैलीकॉप्टर के बारे में नहीं बताया, बेकार और परेशान हो जाती।

मुझे जोस से भी निपटना था। मेरे फोन पर उसके तीन मैसेज और सात मिस्ड कॉल आ चुके थे। उसने दो बार घर पर भी फोन किया। केट ने उसे नहीं बताया कि मैं कहां थी जबकि उसे पता था कि केट उससे सच छिपा रही है। मैंने जोस को मजा चखाने की सोची। मैं उससे अब भी नाराज हूं।

क्रिस्टियन किसी तरह की कागजी कारवाई की बात कर रहा था, पता नहीं ये मजाक था वह सचमुच किसी तरह के कागजों पर हस्ताक्षर करवाने वाला है। सच कहूं तो मैं ये सब जानने के लिए बेचैन हुई जा रही हूं। आज की रात कुछ खास है! क्या मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं? मेरे भीतर बैठी लड़की ने गुस्से से घूरा और अपने पांव जमीन पर

पटके। वह सालों से इसके लिए तैयार है और क्रिस्टियन ग्रे के साथ तो कुछ भी करने को तैयार है... पर मुझे तो अब भी समझ नहीं आ रहा कि उसने मुझमें ऐसा क्या देखा...चुहिया सी एना स्टील। बात कुछ पल्ले नहीं पड़ती।

बेशक वह समय का पाबंद है, मैं क्लेटन से निकली तो वह इंतजार करता मिला। वह ऑडी से बाहर आया और मुस्कुराकर मेरा स्वागत किया।

"गुड ईवनिंग मिस स्टील।" वह बोला

"मि. ग्रे!" मैंने भी भद्रता से गर्दन हिलाई और कार की पिछली सीट पर जा बैठी। टेलर आगे की सीट पर कार संभाल रहा है।

"हैलो टेलर!" मैंने कहा।

"गुड ईवनिंग मिस स्टील!" उसने बड़े ही भद्र और व्यावसायिक सुर में कहा। क्रिस्टियन ने साथ बैठते ही मेरा हाथ अपने हाथों में लिया और हौले से दबाया, वह छुअन मेरे पूरे शरीर में दौड़ गई।

"आज का दिन कैसा रहा?" उसने पूछा

"बहुत लंबा!" मैंने कहा

"हां, मेरे लिए भी काफी लंबा रहा।"

"तुमने क्या किया?" मैंने हिम्मत बटोर कर पूछा

मैं इलियट के साथ हाइकिंग के लिए गया था। उसने अपने अंगूठे से मेरे हाथ को सहलाया और दिल तेजी से धड़कने लगा। ये इंसान मेरे शरीर के अंग को इतना सा छूते ही कैसे सनसनी पैदा कर देता है?

हैलीपैड पर जाने में देर नहीं लगी। मैं हैरान थी कि वह हेलीकॉप्टर था कहां। हम तो शहर के बीच थे, वहां उसे रखने की जगह कहां से आई? टेलर ने गाड़ी पार्क की और हमारे लिए दरवाजा खोला। क्रिस्टियन ने आगे आते ही मेरा हाथ थाम लिया–"तैयार?" मैंने हामी भरी हालांकि कहना तो यही चाहती थी कि हर चीज के लिए तैयार। पर अपनी घबराहट के मारे ऐसा कह नहीं सकी।

"टेलर!" उसने कहा और हम इमारत के अंदर लिफ्ट की ओर चल दिए। मेरी आंखों के आगे सुबह वाले चुंबन का दृश्य घूम गया। मैंने तो क्लेटन में काम के दौरान इसके बारे में सोचने के अलावा और कुछ सोचा ही न था। दो बार तो मि. क्लेटन को मेरा नाम जोर से पुकार कर मुझे जमीन पर लाना पड़ा था। क्रिस्टियन भी हौले से मुस्कुराते हुए मुझे ही देख रहा है, क्या ये भी वही सोच रहा है?

"ये तो सिर्फ तीन मंजिलें हैं।" उसकी आंखों में शरारत नाच उठी। बेशक इसे तो मन की बात पता चल जाती है।

मैंने अपने चेहरे के भावों को तटस्थ रखने की पूरी कोशिश की। दरवाजा बंद हुआ और हम दोनों के बीच वही भाव तैरने लगे। मैंने अपनी आंखें बंद करके उस चीज को अनदेखा करना चाहा। उसने मेरे हाथ पर अपनी पकड़ कस ली और पांच सेकेंड बाद, दरवाजा खुलते ही हम इमारत की छत पर थे। वहां एक सफेद हेलीकाप्टर खड़ा था, जिस पर नीले रंग में लिखा था–*ग्रे इंटरप्राइजिज होल्डिंग्स, इंक। साथ ही कंपनी का लोगो भी बना था। ये तो कंपनी की संपत्ति का नाजायज इस्तेमाल हुआ।*

वह मुझे ऑफिस में ले गया, जहां डेस्क के पीछे एक बुर्जुग बैठा था।

"मि. ग्रे! ये रहा आपका फ्लाइट प्लान। सारे बाहरी चेकिंग हो चुके हैं। ये आपके इंतजार में है। आप जा सकते हैं।"

"थैंक यू जो।" क्रिस्टियन उसे देखकर गर्मजोशी से मुस्कुराया।

ओह! तो किसी को तो क्रिस्टियन की ओर से आभार मिलता है। बेशक यह उसका कर्मचारी नहीं होगा। मैंने उस बूढ़े को हैरानी से देखा।

"चलो चलें।" क्रिस्टियन मुझे हेलीकॉप्टर की ओर ले चला। तब हम पास पहुंचे तो मैंने पाया कि वह तो मेरी उम्मीद से कहीं बड़ा निकला। मैंने तो सोचा था कि वह दो लोगों का वाहन होगा पर इसमें तो कम से कम सात सीटें थीं। क्रिस्टियन ने दरवाजा खोला और मुझे आगे वाली एक सीट पर बैठने का संकेत किया।

"बैठो और किसी चीज को हाथ मत लगाना।" उसने अपना हुक्म दागा।

फिर उसने एक झटके से दरवाजा बंद कर दिया। मझे खुशी है कि वहां हल्की रोशनी है वरना मुझे तो कॉकपिट में कुछ दिखाई ही न देता। उसने मुझे कुर्सी की पेटी से बांधने के लिए हाथ आगे बढ़ाए। इसकी सारी पेटियां इस तरह बनी थीं कि बीच में एक बक्कल से बंद करने के बाद पूरे शरीर को हिलाया-डुलाया नहीं जा सकता था। वह मेरे इतना पास झुककर ये काम कर रहा था कि मैं हल्के से झुकती तो उसके बालों में मेरा नाक टकरा जाता। उसके शरीर से बड़ी भीनी महक आ रही थी पर मैं अपनी जगह से एक इंच भी नहीं खिसक सकती थी। वह उसी तरह मुस्कुराया मानो मन ही मन किसी चुटकुले पर हंस रहाहो। जैसे ही उसने ऊपर वाली तनियां कसीं तो मैंने सांस रोक ली।

"अब तुम सुरक्षित हो, यहां से भाग भी नहीं सकतीं।" वह फुसफसाया। "एना! सांस लो।" फिर उसने बड़े ही अंदाज से मेरे गाल को सहलाया और चिबुक को अंगूठे और अंगुली में थाम लिया। वह आगे झुका और सहज भाव से छोटा और शालीन सा चुंबन दिया। मेरा पूरा शरीर उसके होंठों की उस छुअन से तड़पकर रह गया।

"मुझे इस तरह के बंधन पसंद हैं।" वह बुदबुदाया।

"क्या?"

वह मेरे साथ वाली सीट पर बैठा और खुद को भी पेटियों में कस लिया। फिर उसके बाद कई तरह के बटन और स्विचों को घुमाने और खोलने का एक सिलसिला शुरू हुआ। मेरे सामने कई तरह के डायल और रोशनियां मौजूद थीं और सारे पैनल को बत्तियों के साथ काम पर देखा जा सकता था।

"इसे पहन लो।" उसने मेरे हाथ में एक हेडफोन देते हुए कहा। मैंने उन्हें पहना और रोटर ब्लेड शुरू हो गए। उनका शोर तो कानों को बहरा बनाए दे रहा था। उसने भी हेडसेट पहन लिया और कई तरह के स्विचों से जूझने लगा।

"मैं उड़ान से पहले किए जाने वाली सारी जांच कर रहा हूं।" मुझे हेडफोन के बावजूद क्रिस्टियन की आवाज सुनाई दी। मैं मुड़ी और उसे देखकर खीसें निपोर दीं।

"क्या तुम्हें पता है कि तुम क्या कर रहे हो?" मैंने पूछा। वह मुड़ा और देखकर मुस्कुराया।

"मैं पूरे चार साल तक एक पॉयलट की तरह काम कर चुका हूं, एनेस्टेसिया। तुम मेरे साथ पूरी तरह से सुरक्षित हो।" उसने मुझे देखा। "तो फिर हो जाए एक उड़ान!!" साथ ही एक आंख भी दबाई

हैं...! क्रिस्टियन ग्रे आंख मार सकता है?

"क्या तुम तैयार हो?"

मैंने चौड़ी आंखों के साथ हामी भरी।

ओ के! टॉवर। पीडीएक्स। ये चार्ली टैंगो है। गोल्फ-गोल्फ ईको होटल, उड़ने के लिएतैयार, कृपया मंजूरी दें। ओवर।

चार्ली टैंगो-तुम्हारे लिए रास्ता साफ है। पीडीएक्स की कॉल..

रॉजर, टॉवर, चार्ली टैंगो सेट। ओवर एंड आउट। तो हम चलें..

और हेलीकॉप्टर धीरे-धीरे हवा में उठने लगा।

पोर्टलैंड हमारी आंखों से ओझल हो गया और हम यूएस के एयरस्पेस में जा पहुंचे। वाह! हमारे नीचे दिखने वाली तेज रोशनियां अब कितने धीरे से टिमटिमा रही थीं। ऐसा लगरहा था कि हम किसी मछलीघर के भीतर से बाहर देख रहे हों। जब हम और ऊपर पहुंचे तो देखने के लिए कुछ बचा ही नहीं। चारों तरफ घना अंधकार था। यहां तक कि चांद भी हमारा हमसफर नहीं था। हम कैसे देख सकते हैं कि हम कहां जा रहे हैं?

"कुछ कहा क्या?" क्रिस्टियन ने मेरे कान में कहा

"मैं पूछ रही थी कि तुम्हें सही रास्ते का पता कैसे चलता है?"

"यहां से।" उसने अपनी एक लंबी अंगुली से इलेक्ट्रॉनिक दिशासूचक की ओर संकेत किया। ये एक ईसीआई 135 यूरोकॉप्टर है। ये अपने-आप में काफी सुरक्षित माना जाता है। ये रात की उड़ान के लिए भी उपयुक्त है।" उसने मुझे देखा और एक मुस्कान दी।

"जहां मैं रहता हूं, उस इमारत की छत पर ही एक हैलीपैड है, हम वहीं जा रहे हैं।"

बेशक! वह जहां रहता है। वहां तो हैलीपैड होना ही था। मैं ऐसी जगह क्या कर रही हूं। उसका चेहरा हल्की रोशनी में और भी खिल रहा था। वह पूरी लगन से अपने सामने बने डायलों पर नजर रखे हुए है। मैं कनखियों से उसकी सुंदरता को पीती रही। उसका पूरी गठन ही सुंदर है। चेहरे पर तराशा हुआ सीधी नाक, चौकोर जबड़ा—मैं उसके जबड़े पर अपनी अंगुलियां फिराना चाहूंगी। उसने शेव नहीं की थी लेकिन बढ़ी हुई हल्की दाढ़ी और भी गजब ढा रही है...हम्म! मैं महसूस करना चाहती हूं कि मेरी जीभ, अंगुलियों और चेहरे को वह किस कदर चुभन दे सकती है।

"रात की उड़ान में आपको बस इन उपकरणों के भरोसे रहना होता है।" उसने मुझे उन ख्यालों से जगा दिया।

"ये कितनी देरी की उड़ान है?" मैंने किसी तरह एक सवाल खोज निकाला। मैं कोई सेक्स के बारे में थोड़ी सोच रही थी। बिल्कुल भी नहीं!

"एक घंटे से भी कम-अगर हवा हमारे अनुकूल रही तो।"

हम्म..सिएटल पहुंचने में एक घंटे से भी कम समय लगेगा...भई हैलीकॉप्टर में जो हैं।

मैं एक घंटे से भी कम समय में उस राज को जान लूंगी। पेट की सारी मांसपेशियों में अचानक ऐंठन होने लगी। पेट की खलबली ने अचानक बेचैन सा कर दिया। आखिर वह मुझे क्या बताना चाहता है?

"एनेस्टेसिया! तुम ठीक हो?"

"हां।" मैंने छोटा और सधा जवाब दिया। घबराहट से जान निकलने को हो रही थी।

मुझे लगा कि वह मुस्कुराया पर अंधेरे में कुछ यकीन से कहना मुश्किल था। क्रिस्टियन ने एक और बटन दबाया।

पीडीएक्स! चार्ली टैंगो..

उसने वायु यातायात नियंत्रण करने वालों को अपने बारे में सूचना दी। ये सब मुझे बहुत ही व्यावसायिक सा लग रहा था। शायद हम पोर्टलैंड एयरस्पेस से सिएटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रहे हैं। समझे, सी-टैक, ओवर एंड आउट।

"वहां देखो।" उसने दूर से दिखती रोशनी की तरफ संकेत किया। "वो रहा सिएटल.।"

"क्या तुम युवतियों को हमेशा इसी तरह प्रभावित करते हो? आओ, तुम्हें हेलीकॉप्टर की सैर करा लाता हूं।" मैंने पूरी दिलचस्पी से पूछा

"एनेस्टेसिया! मैंने आज तक ऐसा नहीं किया। मेरे साथ भी ऐसा पहली बार हो रहा है कि उड़ान में मेरे साथ एक लड़की है।" उसने गंभीर सुर में कहा।

"ओह!" इस जवाब की तो उम्मीद न थी। एक और पहली बार? अच्छा वह बिस्तर पर सोने वाली बात भी इसी सूची में थी।

"क्या तुम प्रभावित हुई, एना?"

"मैं तो दंग हूं, क्रिस्टियन।"

वह मुस्कुराया।

"दंग?" एक पल के लिए वह फिर से अपनी उम्र वालों की तरह पेश आया।

मैंने हामी भरी-"तुम तो कमाल हो"

"अच्छा! धन्यवाद, मिस स्टील।" उसने विनीत भाव से कहा। मुझे लगा कि उसे खुशी हुई पर पक्के यकीन से नहीं कह सकती।

हम कुछ देर घने अंधेरे में ही उड़ते रहे और सिएटल की बत्तियां बड़ी होती चली गईं।

सी-टैक टॉवर टू चार्ली टैंगो। एस्काला का फाइट प्लान दिया गया है। प्लीज कारवाई करें। ओवर एंड आउट!

"तुम्हें इस काम में आनंद आता है न?"

"क्या?" उसने कुछ उलझन के साथ पूछा

"यही उड़ान भरना।"

"हां, इसके लिए नियंत्रण और एकाग्रता चाहिए। तभी तो ये मेरा प्रिय है। वैसे मुझे सोरिंग पसंद है"

"सोरिंग?"

"हां। आम आदमी इसे ग्लाइडिंग के नाम से जानता है। ग्लाइडर और हेलीकॉप्टर-मैं दोनों ही उड़ा लेता हूं।"

ओह! *महंगे शौक।* मुझे याद आया, उसने इंटरव्यू के दौरान बताया था। मुझे तो पढ़ना और कभी-कभी मूवी देखना पसंद है। हमारे शौक कितने अलग हैं।

"चार्ली टैंगो...प्लीज! कम इन ओवर।" अचानक आवाज से मेरी तंद्रा टूटी। क्रिस्टियन ने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

"सिएटल पास आ रहा है। हम शहर के छोर तक आ गए हैं। वाउ! देखो तो रात के आकाश से सिएटल का नजारा कितना अच्छा दिखता है।"

"अच्छा है, है न?" क्रिस्टियन बुदबुदाया।

मैंने भी पूरी उमंग से हामी भरी। ऐसा लगता है कि किसी दूसरी दुनिया की बात हो रही है। मुझे लगा रहा था कि मैं किसी बड़ी फिल्म के सेट पर हूं, हो सकता है कि जोस की मनपसंद फिल्म-ब्लेड रनर! जोस के उस चुंबन की स्मृति मुझे डसने लगी। ऐसा लगा कि उसे कॉल न करके मैंने कोई जुर्म कर दिया हो। वैसे वह कल सुबह तक का तो इंतजार कर ही सकता है न...।

"हम कुछ ही मिनट में वहां होंगे।" क्रिस्टियन हौले से बोला और अचानक ही मेरे पूरे शरीर में रक्त हिलोरें लेने लगा, दिल तेजी से धड़कने लगा। वह फिर से वायु यातायात वालोंसे बात करने लगा पर अब मैं कुछ नहीं सुन रही। लगता है कि मैं बेहोश हो जाऊंगी। मेरी किस्मत अब उसके हाथों में है।

हम अब इमारतों के बीच उड़ते जा रहे हैं और मैं एक ऊंची इमारत पर बना हैलीपैड देख सकती हूं। इमारत पर सफेद रंग से 'एस्काला' लिखा है। *वह पास, और पास, और पास आता जा रहा है और मेरी घबराहट बढ़ रही है।* हे भगवान! मैं इसकी उम्मीदों पर खरी न उतर पाई तो? काश! मैं केट की कोई और अच्छी पोशाक मांग कर पहन आती। वैसे मेरी काली जींस और हल्के हरे रंग की कमीज भी बुरी नहीं लग रही। इनके साथ केट की काली जैकेट पहन ली है। मैं काफी स्मार्ट दिख रही हूं। मैंने अपनी सीट के छोर को कस कर और भी कस कर थाम लिया। मैं ये कर सकती हूं। मैं ये कर सकती हूं। मैं अपनी नीचे खड़ी उस इमारत को देखते हुए मन ही मन में मंत्र सा रटने लगी।

हेलीकॉप्टर धीमा हुआ और क्रिस्टियन ने उसे इमारत की छत पर बने हैलीपैड पर उतार दिया। कलेजा उछलकर मुंह को आ गया। समझ नहीं आया, जमीन पर ज़िंदा आने की खुशी से ऐसा हो रहा था या अपनी आने वाली नाकामी का डर सता रहा था। उसने इंजन बंद किया और मैं अपनी सांसों का स्वर सुन सकती थी। क्रिस्टियन ने अपना हेडफोन उतारा और आगे आकर मेरा हेडसेट भी

निकाल दिया।

"हम आ गए।" उसने मुलायम स्वर में कहा।

वहां की उजली सफेद रोशनी और अंधेरे के बीच उसका रूप बड़ा ही प्यारा दिख रहा है। दुष्ट *राजा और अच्छा राजा*–उसके लिए तो ये दोनों ही प्रतीक चलेंगे। उसके जबड़े कसे हुए थे और आंखें कहीं खोई थीं। उसने मेरी कुर्सी की पेटियां खोलीं। उसका चेहरा कुछ ही इंच की दूरी पर आ गया।

"तुम्हें ऐसा कुछ नहीं करना होगा, जो तुम नहीं करना चाहतीं। तुम्हें पता है न?" उसने ऐसे सुर में ये बात कही कि मैं भी चकित हो गई।

"क्रिस्टियन! मैंने कभी ऐसा कोई काम नहीं किया, जो मैं नहीं करना चाहती थी।" कहने को तो कह गई पर इन पलों में तो मुझे अपने पर ही भरोसा नहीं रहा था। मैं तो अपने साथ बैठे इस इंसान के लिए कुछ भी कर सकती थी।

उसने मुझे देखा और अपनी लंबाई के बावजूद जिस मर्यादित तरीके से हेलीकाप्टर से उतरा, उसने मुझे मोह लिया। फिर वह दरवाजा खोल कर कूदा और मैं बाहर आने को हुई तो मेरे लिए अपना हाथ आगे कर दिया। वहां काफी तेज हवा चल रही थी। मुझे ये सोचकरही घबराहट होने लगी कि मैं एक 30 मंजिला इमारत के ऊपर खड़ी थी, जिसके आसपास कोई चारदीवारी भी नहीं थी। क्रिस्टियन ने मेरी कमर में अपनी बांह डाली और मुझे अपने से सटा लिया।

"आओ!" वह उस शोर के बीच चिल्लाया। वह मुझे एक लिफ्ट के पास खींच ले गया। उसने कीपैड में कुछ नंबर दबाए और दरवाजा खुल गया। वहां गरमाहट थी और कई शीशे लगे थे। मैं जिधर भी देखती, बहुत सारे क्रिस्टियन दिखाई देते और खास बात तो यह थी कि हर अक्स में उसने मुझे थामा हुआ था। क्रिस्टियन ने वहां कीपैड में एक और कोड दबाया,दरवाजा बंद हुआ और लिफ्ट नीचे जाने लगी।

कुछ ही पलों में हम एक ऐसे बरामदे में थे, जो पूरी तरह से सफेद था। उसके बीच में एक गोल, लकड़ी की मेज थी जिस पर सफेद फूलों का खासा-बड़ा गुच्छा रखा था। दीवारों पर हर तरफ पेंटिग्स दिख रही थीं। उसने एक दोहरा दरवाजा खोला और सफेद रंग की बहार आगे भी दिखी। चौड़ी-सी बारादरी के पास ही एक और दरवाजा दिखा, जो बड़े से कमरे मेंखुलता था। ये तो दुगनी ऊंचाई का प्रमुख कमरा था, इसे बड़ा कहना भी गलत होगा। इस भव्य कमरे में एक पूरी दीवार कांच की थी और बालकनी से पूरा सिएटल शहर दिखता था।

उसकी दाई ओर एक यू आकार का सोफा पड़ा है जिस पर एक बार में आराम से दस लोग बैठ सकते हैं। उसके सामने ही स्टील या फिर प्लेटीनम, मुझे नहीं मालूम... एक आधुनिक फायरप्लेस है। उसमें आग भी जल रही है। हमारी बाईं ओर रसोईघर दिख रहा है। सफेद रंग के रसोईघर में सारा काम गहरे रंग की लकड़ी से हुआ है। बीच में एक छोटी डाइनिंग टेबल है जिस पर आराम से छह लोग आ सकते हैं।

रसोई के पास ही, कांच की दीवार के सामने एक डाईनिंग टेबल रखा है, जिसके आसपास सोलह कुर्सियां धरी हैं। वहां कोने में एक आलीशान और चमचमाता पियानो देखाजा सकता है। दीवारों पर सभी आकार व आकृतियों में कला के नमूने देखे जा सकते हैं। दरअसल ये घर रहने की जगह की बजाय एक गैलरी ज्यादा दिखता है।

"क्या मैं तुम्हारी जैकेट ले सकता हूं?" क्रिस्टियन ने पूछा। मैंने सिर हिला दिया। मैं हैलीपैड से निकलने के बाद से ठंड महसूस कर रही हूं।

"क्या तुम एक ड्रिंक लेना चाहोगी?" उसने पूछा।

मैंने उसे देखकर पलकें झपकाईं। कल रात के बाद? क्या वह मजाक के मूड में है? एक पल के लिए तो लगा कि मैं मारगरीटा ही मांग लूं पर हिम्मत नहीं पड़ी।

"मैं एक गिलास सफेद वाइन पीने जा रहा हूं। तुम लेना चाहोगी?"

"हां प्लीज!" मैं हौले से बोली।

मैं इस कमरे में खड़ी खुद को बड़ी असहज पा रही थी। कांच की दीवार के पास गई तो पाया कि आधी दीवार बालकनी में बड़े ही अनोखे स्टाइल से खुलती है। सिएटल की जगमगाती बत्तियां कमरे को भी रोशन कर रही हैं। मैं रसोई में वापिस आई तो क्रिस्टियन

शराब की एक बोतल खोल रहा था। उसने अपनी जैकेट उतार दी थी।

"पाउली फ्यूम, चलेगी न?"

"क्रिस्टियन! मैं वाइन के बारे में कुछ नहीं जानती। बेशक ये अच्छी ही होगी।" मैंने थोड़ा धीरे से सकुचाते हुए कहा। मेरा दिल धड़क रहा है और जी कर रहा है कि यहां सेभाग जाऊं। ये आदमी तो बहुत अमीर है। सच्ची बिलगेट्स टाइप अमीर!! मैं यहां क्या कर रही हूं? मेरे भीतर छिपी लड़की ने आंखें तरेरीं–*तू अच्छी तरह जानती है कि तू यहां क्या कर रही है? हां, मैं क्रिस्टियन ग्रे के साथ शारीरिक संबंध बनाना चाहती हूं। मैं उसे चाहती हूं।*

"लो।" उसने मुझे शराब का गिलास थमा दिया। यहां तक कि गिलास भी काफी जबरदस्त, क्लासी और महंगे क्रिस्टल का थां। मैंने एक घूंट भरा। वाइन काफी हल्की, तीखी और स्वादिष्ट थी।

"तुम बड़ी चुप हो और शरमा भी नहीं रही। दरअसल एनेस्टेसिया! मैंने तुम्हें आज तक इतना मुरझाया हुआ नहीं देखा। क्या तुम्हें भूख लगी है?"

मैंने सिर हिलाया। खाने की इच्छा नहीं है। ये जगह तो बहुत बड़ी है।"

"बड़ी?"

"हां, बड़ी"

"सो तो है।" उसकी आंखों में एक चमक आ गई। मैंने वाइन का एक और घूंट भरा।

"क्या तुम बजाते हो?" मैंने पिआनो की तरफ संकेत किया।

"हां?"

"अच्छा?"

"हां।"

बेशक तुम ऐसा कर सकते हो। वैसे ऐसा कौन सा काम है जो तुम नहीं कर सकते?"

"हां, कुछ काम ऐसे हैं।" उसने अपने गिलास से एक घूंट लिया। उसकी नजरें मुझी पर टिकी थीं। मैं मुड़ी और कमरे का जायजा लेने लगी तो उसकी निगाहें मेरा पीछा करती रहीं। बेशक इस कमरे को 'कमरा' कहना तो गलत होगा। ये तो एक आलीशान हॉल है।

"क्या बैठना चाहोगी?"

मैंने हामी भरी और वह मुझे हाथ थाम कर सफेद काउच पर ले गया। बैठते ही मुझे याद आया कि उसने मुझे जो उपन्यास भेजा था, उसकी नायिका भी एक पात्र के घर में यूं ही जाती है। मेरे चेहरे पर मुस्कान खेल गई।

"हंसी किस बात पर आ रही है?" उसने मुझे से पूछा। उसका सिर दाएं हाथ पर टिका था और बांया हाथ सोफे पर था।

"तुमने मुझे खासतौर पर वही उपन्यास क्यों भेजा?" मैंने पूछा। क्रिस्टियन ने मुझे हैरानी से देखा। शायद उसे मुझसे ऐसे सवाल की उम्मीद नहीं थी।

"तुमने ही तो कहा था कि तुम्हें टॉमस हार्डी पसंद है?"

"क्या यही एक वजह है?" हालांकि मैं खुद अपनी आवाज की मायूसी को महसूस कर सकती थी। उसके चेहरे पर एक गंभीर रेखा आ गई।

"यही ठीक लगा। मैं तुम्हें एंजल क्लेयर जैसा कोई ऊंचा आदर्श मान सकता था या एलेक की तरह बिल्कुल ही निचले स्तर पर ला सकता था।" वह हौले से बोला। उसकी आंखें काफी खतरनाक तरीके से चमक रही थी।

"अगर मुझे चुनने का मौका मिले तो मैं दूसरा विकल्प ही चुनना चाहूंगी।" मैं उसे घूरते हुए हौले से बोली। मेरे भीतर छिपी लड़की ने मुझे हैरानी से देखा। उसने सांस ली।

"एनेस्टेसिया, प्लीज! अपना होंठ काटना बंद करो। इससे मेरा ध्यान भटकता है और तुम्हें पता भी है कि तुम कह क्या रही हो?"

"तभी तो मैं यहां आई हूं।"

उसने त्योरी चढ़ाई।

"हां। एक मिनट के लिए माफी चाहूंगा।" वह चौड़े रास्ते से पास वाले कमरे में चला गया। दो मिनट बाद लौटा तो उसके हाथ में एक कागज था।

"ये एक नॉनडिस्क्लोजर एग्रीमेंट है।" उसने कंधे झटके और थोड़ा सा मायूस भी लगा।

" मेरे वकील ने जोर दिया था।" उसने वे कागज मेरे हाथ में दे दिए। मैं तो दंग रह गई। "अगर तुम दूसरा विकल्प चुनना चाहती हो। अपने-आप को एक निचले स्तर पर लाने के लिए तैयार हो तो पहले तुम्हें इन पर हस्ताक्षर करने होंगे।"

"अगर मैं यहां हस्ताक्षर नहीं करती?"

"तो फिर एंजिल क्लेयर के ऊंचे आदर्शों की ही बात रहेगी।"

"इस अनुबंध का क्या मतलब है?"

"इसका मतलब है कि कभी भी किसी के भी सामने यहां की बातें नहीं कर सकतीं।"

मैंने उसे हैरानी से घूरा। हे भगवान! ये तो सचमुच बड़ी अजीब बात है। अब तो मेरा कौतूहल और भी बढ़ गया है।"

"ओ. के.! मैं हस्ताक्षर कर दूंगी।"

उसने मुझे एक कलम दी।

"क्या तुम एक बार पढ़ना भी नहीं चाहोगी?"

"नहीं।" उसने त्योरी चढ़ाई।

"एनेस्टेसिया! कोई भी हस्ताक्षर करने से पहले, कागज को पढ़ना चाहिए।" उसने मुझे फटकारा।

"क्रिस्टियन! तुम समझ नहीं सके। मैं अपनी मुलाकात के बारे में किसी से भी, कोई भी बात नहीं करूंगी। यहां तक कि केट से भी नहीं। तो मैं साइन करूं या नहीं, हकीकत तो यही रहेगी। अगर तुम्हें या तुम्हारे वकील को, यही ठीक लगता है तो यही सही...।"

उसने मेरी ओर देखा और गर्दन हिलाई।

मैंने बड़ी ही अदा से कागजों पर दस्तखत कर दिए। फिर मैंने एक प्रति उसके हाथ में दे दी, दूसरी को मोड़ कर अपने पर्स में रखा और फिर अपने गिलास से बड़ा घूंट भरा। मैं कुछ ज्यादा ही हिम्मती दिखने की कोशिश में थी, जबकि ऐसा था नहीं।

"क्रिस्टियन! क्या इसका मतलब होगा कि आज रात हम दोनों प्यार करेंगे?" *उफ्फ...ये मैंने क्या कह दिया?* उसका मुंह हल्का सा खुल गया पर उसने जल्दी ही खुद को संभाल लिया।

"नहीं, एनेस्टेसिया! ऐसा नहीं है। सबसे पहली बात तो यह है कि मैं किसी से भी प्यार नहीं करता। मैं सिर्फ शारीरिक संबंध बनाने में विश्वास रखता हूं और दूसरी बात यह है कि अभी काफी कागजी कारवाई बाकी है। तीसरे, तुम तो अभी जानती तक नहीं हो कि तुम यहां क्यों आई हो। हो सकता है कि तुम उल्टे पांव वापिस जाने के लिए तैयार हो जाओ। चलो, मैं तुम्हें अपना प्लेरूम दिखाना चाहता हूं।"

मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। *केवल शारीरिक संबंध*...सुनने में तो अच्छा ही लगा पर ये अब कौन-सा कमरा दिखाने ले जा रहा है? मैं तो रहस्य से घिरती जा रही हूं।

"तुम अपने एक्सबॉक्स पर खेलना चाहते हो?" मैंने पूछा। वह खुलकर हंसा।

"नहीं, एनेस्टेसिया! न कोई एक्सबॉक्स है और न ही कोई प्ले-स्टेशन!" आओ। वह मेरा हाथ थाम कर खड़ा हो गया। हम दोनों दोहरे दरवाजे के दाईं ओर बने बरामदे की ओर आए और वहां से एक और कमरे में गए जो सीढ़ियों की ओर जाता था। हम दूसरी मंजिल पर पहुंचे और दाएं मुड़े। उसने अपनी जेब से एक चाभी निकाली और कमरे का ताला खोल कर एक गहरी सांस ली।

"तुम किसी भी समय जा सकती हो। तुम जब भी जाना चाहो। हेलीकॉप्टर तुम्हें ले जाने के लिए तैयार खड़ा है। तुम चाहो तो रात यहीं ठहर कर सुबह जा सकती हो। तुम जो फैसला लोगी, वही बेहतर होगा।"

"क्रिस्टियन! दरवाजा तो खोलो।"

उसने दरवाजा खोला और पहले मुझे अंदर जाने दिया। मैंने उसे एक बार और घूरा। मैं जानने को बेचैन थी कि आखिर वहां था क्या? मैंने एक गहरी सांस लेते हुए अंदर कदम रखा।

ऐसा लगा मानो मैं सोलहवीं सदी में आ गई हूं और चारों तरफ स्पेनिश प्रभाव दिखाई दे रहा है।

ये क्या है भई......?

अध्याय 7

कमरे में कदम रखते ही सबसे पहले मुझे एक अलग सी गंध का एहसास हुआ–चमड़े, लकड़ी और पॉलिश की मिली-जुली खट्टी सी गंध! ये खुशनुमा है और कमरे में जाने कहां से हल्की सी रोशनी आ रही है। दरअसल, पता नहीं चल रहा कि रोशनी का स्त्रोत कहां है पर बड़ा ही मोहक वातावरण है। दीवारें और छत गहरे बरगंडी रंग से रंगे होने के कारण बड़े से कमरे को मां की कोख जैसा प्रभाव दे रहे हैं और वहां का फर्श वार्निश की गई पुरानी लकड़ी का बना है। दरवाजे के सामने वाली दीवार पर एक्स के आकार का बड़ा लकड़ी का क्रॉस टंगा है। ये अच्छी पॉलिश वाली महोगनी लकड़ी का बना है और उसके दोनों कोनोंपर हाथ-पांव बांधने वाली हथकड़ियां टंगी हैं। इसके ऊपर लोहे की बनी महंगी जाली दिख रही है, जो कम से कम आठ फुट चौरस होगी और उससे कई तरह की रस्सियां, जंजीरें और बेड़ियां लटकी हैं। दरवाजे के पास ही दीवार पर पर्दे की लंबी रॉड जैसी कोई चीज़ टंगी है, जिस पर कई तरह के पैडल, कोड़े, चाबुक और मजाकिया से दिखने वाले पंखनुमा उपकरण टंगे हैं।

दरवाजे के साथ ही महोगनी के बने रैक में कई दराज दिख रहे हैं, हर दराज इतना पतला है मानो किसी पुराने संग्रहालय की तरह उसमें भी कुछ खास नमूने संभाले गए हों। मैं सोचने लगी कि भला उन दराजों में होगा क्या? *क्या मैं सचमुच जानना चाहती हूं?* दूसरे कोने पर चमड़े का गद्देनुमा बेंच था। वहीं पास ही पॉलिश लकड़ी का ऐसा रैक देखा जा सकता है जो देखने में पूल या बिलियर्ड के खेल का सामान रखने के लिए बना हो पर ध्यान से देखने पर उसमें कई तरह की लंबाईयों और चौड़ाईयों की छड़ियां देखी जा सकती हैं। उसके विपरीत कोने में छह फुट लंबा मेज रखा है, जिसकी टांगों पर कलात्मक कारीगरी की गई है और उसके नीचे दो मेल खाते स्टूल भी पड़े हैं।

पर उस कमरे में पलंग सबसे बड़ा दिख रहा है। ये तो किंग साइज से भी बड़ा है। कारीगरी देखने लायक है। ऐसा लगता है कि उन्नीसवीं सदी से संबंध रखता हो। उसके चंदोवे तले, कई और तरह की जंजीरें और हथकड़ियां दिख रही हैं। वहां पलंग पर कोई बिस्तर नहीं है... बस लाल चमड़े से मढ़ा गद्दा और लाल साटिन के कुशन एक-दूसरे पर ढेर बने पड़े हैं।

बिस्तर के पास ही कुछ फीट की दूरी पर एक बड़ा बाजुओं वाला गद्देदार सोफा रखा है और कमरे के बीचों-बीच पड़े इस काउच का मुंह पलंग की ओर है। इतना सामान होने के बावजूद इस काउच ने मेरा ध्यान खासतौर से अपनी ओर खींचा। वैसे वो देखने में थोड़ा अजीब लग रहा था। एक काउच, जिसका मुंह पलंग की ओर था। मैंने छत पर देखा तो कई जगह छल्ले से टंगे दिखे, जिनसे कुछ भी टांगा जा सकता था। इन सब चीजों ने पूरे कमरे को एक अलग से मुलायम और रोमानी रंग में रंग दिया था। ....पता नहीं ये क्या था पर शायद क्रिस्टियन के लिए रोमांटिक होने का मतलब यही था।

मैं मुड़ी तो वह मुझे ही घूर रहा था पर चेहरे के भाव पढ़े नहीं जा सकते थे। मैं कमरे में आगे बढ़ी तो वह भी पीछे आ गया। पंखनुमा चीज़ ने मेरा ध्यान खींचा। मैंने सकुचाते हुए उसे हाथ से छुआ। ये तो एक लच्छेदार चीज थी जिसके छोरों पर प्लास्टिक के मनके लगे थे।

"इसे फ्लॉगर कहते हैं।" क्रिस्टियन ने बताया।

फ्लॉगर, हम्म.... मुझे लगा कि मैं सदमे में हूं। मेरे भीतर बैठी लड़की शायद कहीं मुंह छिपाए बैठी थी या मर गई थी। मैं सुन्न पड़ गई हूं। मैं ये सब देखकर समझ सकती हूं पर इसके बारे में बात करने लायक हालत नहीं है क्योंकि मैं सदमे में हूं। आपका होने वाला प्रेमी अगर परपीड़क या परपीड़ित-कामुक निकले तो आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी? डर.*जी हां...*इस समय तो मुझे डर ही लग रहा है। वैसे ये डर उससे नहीं है क्योंकि मैं जानती हूं कि वह मुझे चोट नहीं पहुंचाएगा, कम से कम मेरी मर्जी के बिना तो नहीं... दिमाग में हजारों सवाल चक्कर काट रहे हैं। क्यों? कैसे? कब? कितनी बार? कौन? मैं पलंग के पास गई और उस पर अपना हाथ फिराने लगी। उसकी कलाकारी लाजवाब है।

"कुछ तो कहो।" क्रिस्टियन ने मुलायम स्वर में हुक्म दिया।

"क्या तुम लोगों के साथ ये सब करते हो या वे तुम्हारे साथ करते हैं?"

उसका मुंह हल्का सा तिरछा हो आया। मानो उसे थोड़ी राहत मिल गई हो।

"लोग?" उसने जवाब देने से पहले दो बार पलकें झपकाईं।

"मैं उन औरतों के साथ ये सब करता हूं, जो चाहती हैं कि मैं ऐसा करूं।"

"मैं समझी नहीं।"

"अगर तुम्हें अपनी मर्जी से सेवा देने वाले मौजूद हैं तो मै यहां क्या कर रही हूं?"

"क्योंकि मैं तुम्हारे साथ ये सब करना चाहता हूं। बहुत ज्यादा करना चाहता हूं।"

"ओह!'' मैंने आह भरी। "क्यों?"

मैं कमरे के दूसरे कोने में चली गई और गद्देवाले बैंच के चमड़े को हाथों से सहलाने लगी। उसे औरतों को सताना अच्छा लगता है। इस सोच ने मेरा दिल तोड़कर रख दिया।

"तुम एक सैडिस्ट हो, जो दूसरों को पीड़ा देकर सुख पाता है?"

''मैं एक डोमीनेंट हूं यानी मालिक!" उसकी आंखें मुझे गहराई तक भेद रही थीं।

"वह क्या होता है?" मैंने धीरे से पूछा।

इसका मतलब है कि मैं चाहता हूं कि तुम अपने-आप को पूरी तरह से मुझे सौंप दो और मैं तुम्हारे साथ जो जी में आए, कर सकता हूं। तुम्हें अपना सेक्स गुलाम बना सकता हूं।"

मैंने इस बात को पचाने की कोशिश करते हुए, उसे देखकर त्यौरियां चढ़ाई।

"मैं ऐसा क्यों करूंगी?"

"मुझे खुशी देने के लिए।" वह अपना सिर एक ओर झुकाते हुए फुसफुसाया।

उसे खुश करना! वह चाहता है कि मैं उसे खुश कर दूं। ऐसा लगा कि मेरा मुंह खुला का खुला रह गया हो। प्लीज क्रिस्टियन ग्रे!! उस एक पल में मुझे एहसास हुआ कि सच मैं यही तो करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि वह मुझसे खुशी पाए। ये तो एक राज सामने आ गया।

"सादे शब्दों में, मैं चाहता हूं कि तुम मुझे खुश करो।" उसके सुर में सम्मोहन था।

मैं ऐसा कैसे कर सकती हूं। मेरा मुंह सूख गया। काश! मैंने थोड़ी और वाइन ले ली होती। ओ. के.! खुश करने वाली बात तो समझ में आती है पर मैं उसके एलिजाबेथ के जमाने के पीड़ादायी सेटअप को लेकर उलझन में थी। क्या मैं जवाब जानना चाहती हूं?

"मेरे पास अपने नियम हैं और मैं चाहता हूं कि तुम उनके हिसाब से चलो। वे तुम्हारे फायदे और मेरी खुशी के लिए हैं। यदि तुम मेरे लिए इन नियमों को मानोगी तो मैं तुम्हें इनाम दूंगा और अगर नहीं मानोगी तो सजा दूंगा और फिर तुम सीख जाओगी।" वह फुसफुसाया। मैंने कोने में पड़ी छड़ियों के ढेर पर नजर मारी।

"और ये सब चीजें कहां फिट होंगी?" मैंने कमरे की ओर इशारा किया।

"तुम मुझ पर अपनी मर्जी थोपोगे, मनमानी करोगे?"

"ये सब तुम्हारा भरोसा और विश्वास जीतने पर निर्भर करता है। तुम खुद मुझे ये सबकरने की इजाजत दोगी। मैं तुम्हारे इस बर्ताव से खुश होकर आनंद पाऊंगा। तुम जितना हुक्म मानोगी, मेरी खुशी उतनी ज्यादा होगी। बात तो बिल्कुल साफ है।"

"अच्छा! इस खेल में मुझे क्या मिलेगा?"

उसने कंधे झटके और तकरीबन माफी मांगने के लिहाज में बोला

"मैं मिलूंगा।"

ओह..

क्रिस्टियन ने मुझे देखते हुए बालों में हाथ फिराया।

"एनेस्टेसिया! ये सब तुम्हारी अपनी मर्जी से होगा। चलो नीचे चलते हैं। यहां तुम्हें इस कमरे में पा कर मैं पूरी तरह से बात पर ध्यान

नहीं दे पा रहा। तुम मुझे बहका रही हो।" उसने मेरा हाथ थामा और इस बार मुझे उसका हाथ थामने में सकुचाहट सी महसूस हुई।

केट ने कहा था कि ये आदमी खतरनाक था; वह सही कह रही थी। उसने कैसे जाना? वह मेरी सेहत के लिए खतरनाक है क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं हां कहने जा रही हूं। और मेरा एक हिस्सा 'हां' नहीं कहना चाहता। मेरा वह हिस्सा चाहता ह कि इस माहौल औरकमरे से चिल्लाते हुए दूर भाग जाऊं। ये जगह मेरे लिए नहीं है।

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचाने जा रहा।" मैं जानती हूं कि वह सच बोलता है। मैंने उसका हाथ थामा और वह मुझे दरवाजे से बाहर ले गया।

"अगर तुम ऐसा करती हो तो मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।" वह नीचे जाने की बजाए प्लेरूम से दाईं ओर चल दिया और वहां से हम एक बरामदे में जा पहुंचे। हम कई दरवाजे पार करने के बाद एक कोने में पहुंचे। उसके परे एक शयनकक्ष था। वहां एक बड़ा सा पलंग था, बिल्कुल सफेद, सब कुछ सफेद था–फर्नीचर, दीवारें और चादरें। कमरा बिल्कुल ठंडा सा एहसास दे रहा था पर कांच की दीवार से सिएटल का दिखता नजारा खूबसूरत लगा।

"ये तुम्हारा कमरा होगा। तुम इसे जैसे चाहे सजा सकती हो, जो जी चाहे मंगा सकती हो।"

"मेरा कमरा? क्या तुम्हें लगता है कि मैं यहां आकर रहने लगूंगी?" मैं अपनी आवाज में छिपे डर को छिपा नहीं सकी।

"नहीं, हमेशा के लिए नहीं। बस शुक्रवार शाम से इतवार तक। हम इस बारे में सब कुछ तय कर लेंगे। अगर तुम यह करना चाहोगी तो।" उसने खुलासा किया।

"मैं यहां सोऊंगी?"

"हां"

"तुम्हारे साथ नहीं?"

"नहीं, मैंने कहा था न कि मैं किसी के साथ नहीं सोता। हां, उस दिन की बात और थी जब तुम पी कर नशे में धुत्त हो गई थीं।" उसकी आवाज में फटकार थी।

मेरे चेहरे पर एक गंभीर सी रेखा खिंच गई। मैं यही नहीं समझ पा रही। दयालु, देखरेख करने वाला क्रिस्टियन, जो मेरे एक फोन पर मुझे लेने आ गया, उल्टियों के दौरान मुझे थामे खड़ा रहा और कहां ये एक राक्षस जो एक खास कमरे में कोड़े और जंजीरें रखे बैठा है।

"तुम कहां सोते हो?"

"मेरा कमरा नीचे है। आओ! तुम्हें भूख लगी होगी।"

"अजीब-सी बात है। मेरी तो भूख ही मारी गई है।" मैं हौले से बोली।

"एनेस्टेसिया! तुम्हें खाना चाहिए।" उसने डांटा और मेरा हाथ थाम कर नीचे ले गया।

उस बड़े से कमरे में मैं अजीब से एहसास से घिरी खड़ी थी। ऐसा लग रहा था किमैं किसी खाई के मुहाने पर खड़ी हूं और मुझे तय करना है कि छलांग लगाऊं या नहीं?

"मैं अच्छी तरह जानता हूं कि एनेस्टेसिया, मैं तुम्हें एक अंधेरे रास्ते की ओर धकेल रहा हूं, तभी मैं चाहता हूं कि तुम पहले इस पर अच्छी तरह से विचार कर लो। तुम्हारे पास भी तो कुछ सवाल होंगे।" उसने मेरा हाथ छोड़ा और रसोई की ओर चल दिया।

"मेरे पास सवाल हैं पर शुरुआत कहां से करूं?"

"तुमने उस एनडीए पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, तुम जो दिल में आए, पूछ सकती हो।" मैं सारे सवालों का जवाब दूंगा।

उसने फ्रिज खोल कर एक प्लेट निकाली, जिसमें कई तरह के चीज़ थे। साथ ही लाल व हरे अंगूर के दो बड़े गुच्छे भी थे। मैं वहीं पास खड़ी सब देखती रही। उसने मेज पर सारा सामान रखा और खाने की तैयारी करने लगा।

"बैठो!" उसने नाश्ते की मेज के पास पड़े एक स्टूल की ओर संकेत किया और मैंने उसका हुक्म माना। अगर मैं उसके कहे पर चलने जा रही हूं तो मुझे ऐसे बर्ताव की आदत डालनी होगी। मुझे एहसास हुआ कि मैं उससे जब से मिली हूं, वह पहले दिन से ही तानाशाही रवैया रखता आया है।

"तुम किसी कागजी कारवाई की बात कर रहे थे?"

"हां?"

"कैसे कागज?"

"एनडीए के अलावा हमें एक अनुबंध पर भी हस्ताक्षर करने होंगे कि हम क्या करेंगे और क्या नहीं करेंगे। मुझे तुम्हारी सीमाएं जाननी हैं और तुम्हें मेरी जाननी होंगी। एनेस्टेसिया! ये आपसी रजामंदी पर होगा।"

"और अगर मैं ऐसा नहीं करना चाहती?"

"तो ठीक है।" उसने सावधानी से कहा।

"क्या हम किसी दूसरी तरह का रिश्ता नहीं रख सकते?" मैंने पूछा।

"नहीं"

"क्यों?"

"मैं इसी तरह के रिश्ते में दिलचस्पी रखता हूं।"

"क्यों?"

उसने कंधे झटके। "मैं ऐसा ही हूं।"

"तुम ऐसे कैसे बन गए?"

"कोई जैसा है, वैसा क्यों होता है? इसका जवाब देना आसान नहीं होता। ऐसा क्यों है कि कुछ लोग पनीर पसंद करते हैं और कुछ उससे नफरत करते हैं? क्या तुम्हें चीज़ पसंद है? मिसेज जोंस–मेरा घर संभालने वाली महिला कर्मचारी हैं–वे रात के खाने के लिए यही छोड़ गई हैं।" उसने दराज से बड़ी सफेद प्लेटें निकालीं और मेरे सामने रख दीं।

हम चीज़ के बारे में बात कर रहे थे, हे भगवान!

"मुझे तुम्हारे कौन से नियमों के हिसाब से चलना होगा?"

"मैंने उन्हें लिख रखा है। खाना खाने के बाद हम उन्हें देखेंगे।"

खाना! मैं अब खा कैसे सकती हूं?

"मुझे सचमुच भूख नहीं है।"

"तुम खाओगी।" तानाशाह और हुक्मदराज़ क्रिस्टियन, साफ दिख रहा है। क्या तुम एक गिलास वाइन और लेना चाहोगी?"

"हां, प्लीज।"

उसने मेरे गिलास में वाइन डाली और मेरे साथ आकर बैठ गया। मैंने जल्दी से एक घूंट भरा।

"एनेस्टेसिया! साथ ही कुछ खाओ भी"

मैंने अंगूरों का छोटा सा गुच्छा उठा लिया। मैं यही खा सकती हूं। उसने आंखें सिकोड़ीं।

"क्या तुम काफी समय से ऐसे ही हो?" मैंने पूछा।

"हां"

"क्या ऐसी औरतें मिल जाती हैं तो तुम्हें ऐसा करने की इजाजत दें?"

उसने एक भौं उठाई।

"जानोगी तो हैरान रह जाओगी।" उसने जवाब दिया

"तो मैं ही क्यों?" मैं सचमुच समझ नहीं पा रही

"एनेस्टेसिया! मैंने तुमसे कहा न कि तुममें कुछ खास बात है। मैं तुम्हें अकेला नहीं छोड़ सकता। मानो मैं शमा का परवाना हूं।"

उसकी आवाज जाने कौन से अंधेरों से आ रही थी–"मैं तुम्हें बहुत चाहता हूं। खासतौर पर अब, जब तुम फिर से अपना होंठ काट रही हो।" उसने गहरी सांस ली और थूक निगला।

मेरे पेट में भारी उथल-पुथल होने लगी। वह मुझे चाहता है, पर बिल्कुल ही अलग तरह से। पर ये भी तो सच है कि ये खूबसूरत, अजीब और सनकी मर्द मुझे चाहता है।

"ऐसा लगता है कि तुम सही तरह से समझ नहीं पाए।" दरअसल तुम शमा हो और मैं परवाना हूं। मैं जानती हूं कि आखिर में जलना तो मुझे ही होग।

"खाओ!!"

"नहीं, मैंने अभी तक किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं इसलिए अभी मेरी मर्जी चल सकती है, अगर तुम्हें कोई ऐतराज न हो तो?"

उसकी आंखें मुलायम हो आई और चेहरे पर एक मुस्कान खेल गई।

"जैसा तुम चाहो!" मिस स्टील।

" अब तक कितनी औरतें?" मैं अपना कौतूहल रोक नहीं सकी और पूछ ही लिया।

"पंद्रह।"

ओह! उतनी नहीं, जितनी मैंने सोची थी।

"लंबे-लंबे समय के लिए?"

"हां, उनमें से कुछ"

"क्या तुमने कभी किसी को चोट पहुंचाई?"

"हां"

ओह..

"बुरी तरह से?"

"नहीं"

"क्या तुम मुझे भी चोट पहुंचाओगे?"

"कहना क्या चाहती हो?"

"क्या तुम मुझे शारीरिक रूप से चोट पहुंचाओगे?"

"मैं तुम्हें सजा दूंगा, जब तुम्हें इसकी जरूरत होगी और ये दर्दनाक होगी।"

मुझे लगा कि मैं अपने होश खो रही हूं। मैंने शराब का एक और घूंट भरा। अल्कोहल..इससे मुझे ताकत मिलेगी।

"क्या तुम्हें भी कभी किसी ने पीटा है?" मैंने पूछा।

"हां"

ओह... मैं तो हैरान ही रह गई। इससे पहले कि मैं इस बारे में कुछ और पूछ पाती। उसने मेरे विचारों कीशृंखला तोड़ दी।

"चलो, मेरी स्टडी में चलकर इस बारे में बात करते हैं। मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।"

ये सब संभालना भारी लग रहा था। कहां तो मैं पागलों की तरह सोचे बैठी थी कि इसआदमी के साथ इसके बिस्तर में एक जुनून से भरी रात बिता कर आऊंगी और कहां हम दोनों बैठे इस अजीब से अनुबंध की चर्चा कर रहे थे।

मैं उसके पीछे-पीछे स्टडी में गई। उस बड़े से कमरे में भी जमीन से छत तक लंबी खिड़की थी जो बालकनी में खुलती थी। वह डेस्क पर बैठ गया और मुझे भी वहां पड़ी चमड़े की कुर्सी पर बैठने का संकेत किया। फिर मेरे हाथों में एक कागज पकड़ा दिया।

"ये नियम हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। यही उस अनुबंध का हिस्सा हैं, इन्हें तुम अपने लिए रख सकती हो। इन नियमों को पढ़ो और हम इस बारे में चर्चा कर लें।"

नियम

आज्ञाकारिता:

सेक्स गुलाम को बिना किसी हिचक या संकोच के अपने मालिक का हुक्म मानना होगा। सेक्स गुलाम मालिक के आनंद के लिए तय की गई किसी भी तरह की कामसंबंधी गतिविधियों के लिए हामी देगी। यहां वे गतिविधियां अपवाद हैं, जो परिशिष्ट 2 में कठोर सीमाओं के रूप में वर्णित हैं। वह पूरी खुशी और उत्साह से मालिक का कहा मानेगी।

नींद

सेक्स गुलाम जब अपने मालिक के साथ नहीं होगी तो वह ध्यान रखेगी कि उसे रात को कम से कम सात घंटे की भरपूर नींद मिले।

भोजन:

सेक्स गुलाम चुनी गई भोजन सूची(परिशिष्ट 4) से नियमित रूप से भोजन करेगी ताकि उसकी सेहत व ताकत बनी रहे। वह दो समय के भोजन के दौरान फलों के अतिरिक्त कुछ नहीं खाएगी।

वस्त्र:

सत्र के दौरान वह मालिक द्वारा दिए गए कपड़े ही पहनेगी। मालिक उसके लिए कपड़ों का बजट तय करेगा, जिसे वह प्रयोग में लाएगी। मालिक कभी-कभी उसे अपने साथ कपड़े खरीदवाने भी ले जा सकता है। यदि मालिक चाहेगा तो उसे उसके साथ के दौरान आभूषण भी पहनने होंगे।

कसरत:

मालिक अपनी सेक्स गुलाम को सप्ताह में चार बार निजी प्रशिक्षक की सुविधा प्रदान करेगा। ये सत्र एक-एक घंटे के होंगे तथा ये समय आपसी रजामंदी से तय किया जा सकते हैं। निजी प्रशिक्षक सेक्स गुलाम की प्रगति के बारे में मालिक को सूचित करेगा।

व्यक्तिगत साफ-सफाई व सौंदर्य

सेक्स गुलाम खुद को साफ-सुथरा रखेगी और हमेशा शरीर के अंगों को वैक्सिंग या शेव करवाती रहेगी। वह मालिक की मर्जी से उसके द्वारा चुने गए ब्यूटी सैलून में जाएगी और मालिक जो भी उपचार करवाना चाहे, उन्हें बेहिचक करवाएगी।

व्यक्तिगत सुरक्षा:

सेक्स गुलाम आवश्यकता से अधिक शराब व धूम्रपान का सेवन नहीं करेगी और नशे की दवाएं नहीं लेगी। खुद को किसी भी तरह के अनावश्यक खतरे से दूर रखेगी।

व्यक्तिगत विशेषताएं:

सेक्स गुलाम अपने मालिक के सिवा किसी भी दूसरे व्यक्ति से शारीरिक संबंध नहीं रखेगी। वह सदैव मालिक से आदर से पेश आएगी। उसे एहसास होना चाहिए कि उसके इस बर्ताव का मालिक पर सीधा असर होगा। उसे मालिक की अनुपस्थिति में किसी भी तरह के गलत काम या बर्ताव के लिए दोषी ठहराया जाएगा।

यदि इनमें से कोई भी नियम तोड़ा गया तो मालिक के द्वारा तत्काल सजा दी जाएगी जो वह स्वयं तय करेगा।

''*हाए... ये क्या है? ...कठोर सीमाएं?* मैंने पूछा।

"हां, तुम क्या नहीं करोगी और मैं क्या नहीं करूंगा, हमें अनुबंध में ही सब तय कर लेना होगा।"

"मैं कपड़ों के लिए पैसे नहीं ले सकती। ये गलत लगता है।" मैंने बड़ी असहजता से कहा

"मैं तुम पर पैसे खर्च करना चाहता हूं। मुझे तुम्हारे लिए कुछ कपड़े खरीदने दो। हो सकता है कि तुम कुछ कार्यक्रमों में मेरे साथ चलो और मैं चाहूंगा कि तुम वहां बेहतरीन कपड़ों में दिखो। मुझे पक्का यकीन है कि तुम अपनी नौकरी के वेतन से वैसे कपड़े नहीं खरीद पाओगी, जिनमें मैं तुम्हें देखना चाहता हूं।"

"जब मैं तुम्हारे साथ नहीं रहूंगी, तब तो उन्हें नहीं पहनना होगा न?"

"नहीं।"

"ठीक है।" *चल, उन्हें वर्दी समझ के पहन लेना।*

"मैं सप्ताह में चार बार कसरत नहीं करना चाहती।"

"एनेस्टेसिया! मैं चाहता हूं कि तुम्हारे शरीर की लोच और ताकत बनी रहे। भरोसा रखो, तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है।"

"पर सप्ताह में चार बार नहीं? तीन बार कैसा रहेगा?"

"मैं चाहता हूं कि तुम चार बार कसरत करो।"

"मैंने सोचा कि मिल-जुल कर तय होगा।"

उसने होंठ सिकोड़े-"अच्छा। मिस स्टील! एक और बात दिमाग में आई। तीन दिन तक एक-एक घंटा और चौथे दिन के लिए आधा घंटा।"

"तीन दिन, तीन घंटे। मैंने सोचा था कि जब मैं यहां रहूंगी, तभी कसरत करनी होगी।"

उसकी आंखों में दुष्टता भरी चमक आ गई। "हां! तो पक्का। क्या ये भी तय है कि तुम मेरी कंपनी में काम नहीं करना चाहती?"

"नहीं! मुझे ये बात पसंद नहीं है।" मैंने उसके नियमों पर नजर मारी। वैक्सिंग! कहांकी वैक्सिंग। सब जगह...उफ्फ!

"तो सीमाएं... ये मेरी हैं।" उसने एक और कागज आगे कर दिया।

कठोर सीमाएं

आग से जुड़ा कोई काम नहीं होगा।

मल या मूत्र विसर्जन या उससे जुड़े उत्पाद शामिल नहीं होंगे।

सुईयों, चाकू, त्वचा को छेदने या खून निकालने जैसे कोई काम नहीं होंगे।

ऐसे काम नहीं होंगे जिनमें महिला रोग संबंधी उपकरणों का प्रयोग किया जाए।

ऐसे काम नहीं होंगे जिनमें बच्चे या जानवर शामिल हों।

ऐसे काम नहीं होंगे जिनसे त्वचा पर कोई स्थायी दाग या निशान पड़ जाए।

ऐसी कोई गतिविधि शामिल नहीं होगी जिसमें बिजली का झटका दिया जाए या शरीर को आग व लपटों से जलाया जाए।

हाए! इसको... ये सब लिखने की क्या पड़ी थी। बेशक कोई भी अक्लमंद इंसान कभी किसी दूसरे इंसान के साथ ऐसा नहीं करेगा...हालांकि अब तो मेरा हलक सूख रहा था।

"क्या तुम इनमें कुछ शामिल करना चाहोगी?" उसने बड़ी दयालुता से पूछा

हो गया कबाड़ा! मुझे तो कुछ पता ही नहीं है। मैं तो पूरी तरह हत्थे से गई। उसने मुझे घूरा और भौं नचाई।

"क्या तुम इसमें कुछ शामिल करना चाहोगी? कुछ ऐसा जो तुम न करना चाहो?"

"मैं नहीं जानती।"

"मतलब नहीं समझा?"

मैंने बेचैनी से पहलू बदलते हुए होंठ काटा।

"मैंने आज तक ऐसा कुछ किया ही नहीं।"

"मैं पूछ रहा हूं कि शारीरिक संबंध बनाते समय ऐसा क्या था, जो तुम्हें पसंद नहीं आया था?"

मेरे चेहरे पर अचानक लाली छा गई।

"एनेस्टेसिया तुम मुझे बता सकती हो। हमें एक-दूसरे के साथ ईमानदारी बरतनी होगी वरना ये रिश्ता कारगर नहीं होगा।"

मैंने अपनी गुंथी हुई अंगुलियों को देखा।

"बताओ।" उसने हुक्म दागा।

"मैंने...मैंने आज से पहले कभी किसी से शारीरिक संबंध नहीं बनाए इसलिए मैं नहीं जानती।" मैंने कहा और उसके चेहरे को देखा। वह पूरी तरह से पीला पड़ गया था। मानो वहीं जम गया हो।

"कभी भी नहीं?" वह हौले से बोला। मैंने गर्दन इंकार में हिलाई।

"तुम एक कुंआरी हो?" उसने गहरी सांस भरी। मैंने फिर से लजाते हुए हामी भरी। उसने आंखें बंद कर लीं और ऐसा लगा मानो मन ही मन एक से दस तक गिन रहा हो। जब उसने आंखें खोलीं तो वह मुझे गुस्से से ताक रहा था।

"तुमने मुझे पहले बताया क्यों नहीं?" वह दहाड़ा।

अध्याय 8

क्रिस्टियन बालों में हाथ फिराते हुए अपनी स्टडी में यहां से वहां तक चक्कर काट रहा है। बालों में दोनों हाथ-यानी परेशानी ज्यादा है। ऐसा लगता है कि हमेशा बना रहने वाला नियंत्रण हाथों से फिसल सा गया है।

"मुझे तो समझ नहीं आता कि तुमने पहले क्यों नहीं बताया?" उसने मुझे घेरा।

"ये बात कभी उठी ही नहीं। मेरी आदत नहीं है कि हर किसी को अपने बारे में ऐसी बातें बताती फिरूं। मैं कहना चाहती हूं कि हम तो अभी एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते तक नहीं हैं।" मैं अपने हाथों को घूर रही हूं। मैं शर्मिंदगी क्यों महसूस कर रही हूं? उसे इतना गुस्सा क्यों आ रहा है? मैंने उसे ताका।

"वैसे! तुम मेरे बारे में बहुत कुछ जान गई हो। मैं जानता था कि तुम अनाड़ी हो पर ये नहीं पता था कि एक कुंआरी हो!" उसने ये शब्द ऐसे हवा में उछाला मानो सचमुच कोई गंदा शब्द हो।

"....एना! मैंने तुम्हें अभी क्या-क्या दिखाया...।" वह कराहा।

"...भगवान मुझे माफ करे। क्या मेरे सिवा कभी किसी ने तुम्हें चूमा है?"

"बेशक, क्यों नहीं।" मैंने मोर्चा संभालने की पूरी कोशिश की। *अच्छा...*भले ही ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है

"और किसी भले जवां मर्द का दिल तुम पर नहीं आया? मैं समझ नहीं पा रहा। तुम इक्कीस साल की हो और बाईस की होने वाली हो। तुम सुंदर भी हो।" उसने फिर से बालों में हाथ फेरे।

सुंदर! मैं खुशी से फूल उठी। क्रिस्टियन ग्रे को लगता है कि मैं सुंदर हूं। मैंने गुंथी अंगुलियों पर नजरें गड़ाते हुए अपनी मुस्कान दबाने की पूरी कोशिश की। शायद इसे दूर तक की गहरी समझ है! मेरे भीतर बैठी लड़की ने भी नींद से जाग कर हामी भरी। हुंह!! ये तब कहां थी, जब मुझे इसकी जरूरत थी?

"और तुम बिना किसी अनुभव के, मेरे साथ बैठकर तय कर रही हो कि मैं क्या करना चाहता हूं?" उसकी भौंहें सिकुड़ गई।

"प्लीज, बताओ एना! तुम अब तक अपने-आप को सेक्स से परे कैसे रख सकी?"

मैंने कंधे झटके।

"सही कहूं तो कोई मिला ही नहीं.." बस तुम ही दिखे एक जवां मर्द...*और तुम कैसे राक्षस निकले।*

"तुम मुझसे इतना नाराज क्यों हो?" मैं हौले से बोली।

"मैं तुमसे नहीं, अपने-आप से नाराज हूं। मैं दंग हूं..." उसने आह भरी। फिर उसने बड़े प्यार से पूछा-"तुम जाना चाहती हो?"

"नहीं, जब तक तुम न चाहो।" मैं बुदबुदाई। अरे *नहीं...मैं नहीं जाना चाहती।*

"बेशक नहीं!" मुझे तुम्हारा यहां रहना अच्छा लगेगा। उसने अपनी घड़ी पर नजर मारी। "रात बहुत हो गई।"

फिर मेरी तरफ मुड़कर अपनी भारी आवाज में बोला-"तुम फिर से अपना होंठ काट रही हो।"

"सॉरी"

"माफी क्यों मांग रही हो? मैं तो बस यही कहना चाह रहा था कि मैं इस होंठ को काटना चाहता हूं।"

मैंने आह भरी...वह ऐसी बातें करेगा और मुझ पर कोई असर नहीं होगा, ऐसा कैसे हो सकता है?

"आओ।" वह हौले से बोला

"क्या?"

"हम अभी इन हालात को सुलझाने जा रहे हैं।"

"क्या मतलब? कैसे हालात?"

"एना! तुम्हारी उलझन और हालात। मैं आज तुम्हारे साथ रात बिताना चाहता हूं।"

ओह! पांवों तले से जमीन ही खिसक गई। *मैं एक हालात हूं!* मैंने अपनी सांस रोक रखी है।

"अगर तुम ऐसा करना चाहो तो! मेरी ओर से कोई जबरदस्ती नहीं है।"

"मैंने सोचा कि तुम किसी से प्यार नहीं करते बस शरीर का रिश्ता रखते हो?" अचानक सूख आए हलक को गीला करने के लिए मैंने थूक निगला।

उसने मुझे दुष्टता से भरी मुस्कुराहट दी और उसी के कारण तो मैं आज यहां तक आ गई थी।

"मैं एक अपवाद ले सकता हूं या हो सकता है कि दोनों बातों को मिलाकर कुछ किया जाए। मैं सचमुच तुम्हें प्यार करना चाहता हूं। प्लीज! मेरे साथ बिस्तर में आओ। मैं चाहता हूं कि वह व्यवस्था काम करे पर तुम्हें पहले कुछ अंदाजा तो होना चाहिए कि किन हालातों का सामना करना होगा। हम बुनियादी बातों के साथ आज से ही तुम्हारा प्रशिक्षण शुरू कर सकते हैं। इसका मतलब ये नहीं कि मैं रोमानी तरीके से प्यार करने लगा हूं। बेशक आखिर में आ कर, ऐसा करना पड़ रहा है पर ये कुछ ऐसा है, जो मैं करना चाहता हूं। उम्मीद करता हूं कि तुम भी यही चाहती हो।" उसने गहराई से घूरा

ओह...मेरी चाह पूरी होने जा रही थी।

"पर मैंने तो तुम्हारे नियमों के हिसाब से सब कुछ नहीं किया है।" मेरी आवाज में भारीपन था।

"नियमों को भूल जाओ। आज रात के लिए उन सब बातों को भूल जाओ। मैं तुम्हें चाहता हूं। तुम जब से मेरे ऑफिस में आई हो, मैं उसी दिन से तुम पर फिदा हूं और जानता हूं कि तुम भी मुझे चाहती हो। अगर न चाहती तो यहां आराम से बैठकर अपनी सजा और सीमाओं के बारे में बात न कर रही होती। मेहरबानी करके, आज की रात मेरे साथ बिताओ।"

उसने मेरा हाथ थामा और अपनी बांहों में भर लिया। मैं उसके पूरे शरीर की छुअन को शिद्दत से महसूस कर सकती थी। उसने मेरी गर्दन के आसपास अंगुलियां फेरीं और बालों की पोनी को पकड़कर हल्का सा पीछे खींच लिया। मुझे मजबूरन उसकी ओर देखना पड़ा। वह मुझे घूर रहा था

"तुम एक बहादुर नवयुवती हो। मैं तुम पर फिदा हूं।" वह हौले से बोला

उसके शब्दों ने जैसे मेरी रगों में आग भर दी। वह हौले से आगे झुका, मेरे होंठों को प्यार से चूमा और फिर मेरे निचले होंठ को चूसने लगा

"मैं इस होंठ को काटना चाहता हूं।" वह मेरे मुंह के पास आकर बुदबुदाया और होंठ को अपने दांत से काटा। मैं कराही और वह मुस्कुराने लगा

"प्लीज एना! मुझे इजाजत दो कि मैं तुम्हें प्यार कर सकूं।"

"हां!" मैं फुसफुसाई क्योंकि मैं इसीलिए यहां आई हूं। उसने मुझे छोड़ा तो उसके चेहरे पर विजयी मुस्कान थी। वह हाथ थाम कर अपने कमरे की तरफ ले चला।

उसका शयनकक्ष बड़ा था। छत जितनी ऊंची खिड़कियों से रोशनी अंदर आ रही थी। दीवारें सफेद और सामान हल्का नीला था। आधुनिक किस्म का बना पलंग आलीशान था।उसके ऊपर कोई चंदोवा नहीं था। दीवार पर सागर की बहुत सुंदर पेंटिंग टंगी थी।

मैं पत्ते की तरह कांप रही हूं। आखिरकर आज मैं पहली बार किसी से शारीरिक संबंध बनाने जा रही हूं, वह भी किसी और के साथ नहीं, क्रिस्टियन ग्रे के साथ... मेरी सांसें उथली हो रही हैं और मैं उस पर से अपनी आंखें नहीं हटा सकती। उसने अपनी घड़ी उतारकर दराज पर रखी और जैकेट उतारकर एक कुर्सी पर टांग दी। वह सफेद लिनन की शर्ट और जींस में है। वह सचमुच जानलेवा तरीके से खूबसूरत है। उसके गहरे तांबई बाल उलझे हुए हैं, शर्ट पैंट से बाहर झूल रही है–उसकी भूरी आंखें निडरता के साथ चमक रही हैं। उसने अपने कन्वर्स जूते उतारे और एक-एक कर जुराबें भी उतार दीं। ओह क्रिस्टियन ग्रे के पांव..

वाउ... इसके नंगे पैरों में ऐसी क्या बात है? उसने मुझे मुड़कर ताका।

"तुम कोई गोलियां तो नहीं लेतीं न?"

क्या? छि!

"मुझे भी नहीं लगता।" उसने एक दराज खोला और उसमें से कंडोम का पैकेट निकाला। उसने मुझे गहराई से घूरा।

"तैयार हो।" वह हौले से बोला।

"क्या पर्दे खींच दूं?

"कोई फर्क नहीं पड़ता।" मैं हौले से बोली।

"मैंने तो सोचा था कि तुम किसी को अपने बिस्तर में सोने नहीं देते।"

"किसने कहा कि हम सोने जा रहे हैं?" वह बोला।

ओह! हद हो गई।

वह मेरी ओर चलता हुआ आया। उसकी सेक्सी, चमकीली और आत्मविश्वास से दमकती आंखें देखकर मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा। पूरे शरीर में खून का दौरा तेज हो गया। मेरे पेट में; चाह, गर्म और उबलती चाह हिलोरें लेने लगी। वह मेरे सामने खड़ा है, सीधा मेरी आंखों में देख रहा है। ये कितना हॉट है....।

"क्या इस जैकेट को उतार दें?" उसने कहा और धीरे से मेरी जैकेट को कंधों से उतार दिया। उसने उसे कुर्सी पर रख दिया।

"क्या तुम्हें पता कि मैं तुम्हें कितना चाहता हूं, एना स्टील?" वह धीमे से बोला। मेरी सांस और भी भारी चलने लगी। मैं उससे नजरें नहीं हटा सकती। वह आगे आया और चिबुक से गले तक अंगुलियां फिराता चला गया।

"क्या तुम्हें पता भी है कि मैं तुम्हारे साथ क्या करने जा रहा हूं?" उसने मेरे चिबुक को थपथपाते हुए पूछा।

मेरे पेट की मांसपेशियों में अजीब-सी ऐंठन होने लगी। ये दर्द इतना तीखा और प्यारा है कि मैं अपनी आंखें मूंदना चाहती हूं पर उसकी नजरों के सम्मोहन में बंधकर ऐसा कुछ भी तो नहीं कर पा रही। उसने आगे झुककर मुझे चूमा। मेरे वस्त्र उतारते-उतारते वह पूरे बदन पर पंखों की छुअन जैसे चुंबनों की बरसात करता चला गया। फिर उसने मुझे सिर से पांव तक निहारा।

"तुम्हारी त्वचा कितनी कोमल और बेदाग है। मैं इसके एक-एक इंच को चूमना चाहता हूं।"

"ओह..."

इसने ऐसा क्यों कहा कि इसे प्यार करना ही नहीं आता? मैं तो इसके लिए कुछ भी कर सकती हूं।

उसने मेरे बाल खोले और कंधों पर बिखेर दिए।

"मुझे काले बालों वाली लड़कियां पसंद हैं।" उसने अपने दोनों हाथों से मेरा सिर थाम लिया और होठों पर गहरा चुंबन दिया। मैं अब अपने पूरे शरीर पर उसके शरीर का भार महसूस कर सकती थी।

मैं खुद समझ नहीं पा रही थी कि मेरे मन में ये भावनाएं कहां से आ रही थीं? क्या ये हारमोन थे जो पूरे शरीर में रेंग रहे थे? मैं उसे कितना चाहती हूं। मेरे हाथ उसके बाजुओं तक जा पहुंचे। उसका शरीर कितना गठा हुआ और मजबूत है...मैं अपने हाथ उसके चेहरे से ले जाते हुए बालों तक ले गई। वे कितने मुलायम हैं। मैंने उन्हें हौले से खींचा और वह कराहा। वह मुझे पलंग तक ले गया और घुटनों के बल बैठकर अपनी जीभ को मेरे अंगों पर फिराने लगा।

उसे अपने आगे इस तरह झुका देख मैं दंग रह गई। मेरे हाथ अब भी उसके बालों में थे और मैं अपनी सांसों पर काबू पाने की कोशिश कर रही थी। उसने मुझे पलंग पर लिटा दिया और एक-एक मेरे जूते और जुराबें उतारने लगा। उसने मेरी एड़ी को उठाया और उस पर अपने अंगूठे का नाखून फिराने लगा। हल्का-सा दर्द तो हुआ पर वह एहसास भी कुछ कम हसीन नहीं था।

उसने मुझे देखा और बोला।

"एनेस्टेसिया स्टील तुम बहुत हसीन हो। मुझे बताओ कि तुम खुद को खुश करने के लिए क्या करती हो?"

मैं तो सुनकर ही चौंक गई।

"क्या"

"नहीं, मैं कुछ नहीं करती"

मैंने अपना सिर हिलाया।

उसने अविश्वास से अपना सिर हिलाया।

"ओह! तो देखते हैं कि इस बारे में हम क्या कर सकते हैं?"

उसने मुझे पलंग पर लिटाकर चुंबनों की बरसात कर दी। मैंने हिलने की कोशिश की तो वह बोला।

"हिलो मत!"

ओह! ऐसा कैसे हो सकता है? मैं स्थिर कैसे रह सकती हूं।

"लगता है बेबी! मुझे तुम्हें आराम से लेटना भी सिखाना होगा।"

मेरे पूरे शरीर पर लगातार चुंबन बरस रहे थे और फिर अचानक उसने मेरे वक्षस्थल को दोनों हाथों से थाम लिया। अब उसकी अंगुलियां उनसे खेल रही थीं और मैं एक अजीब से मीठे एहसास में खोई हुई थी। ओह! अब उसकी दूरी सही नहीं जा रही थी। वह चाहता था कि शरीर के भीतर छिपी इस गहरी और जलती चाह का पहला मजा मैं अकेले ही लूं।

मेरा पूरा शरीर इस खेल से कांप रहा था और वह रुकना नहीं चाहता था।

ओह! प्लीज...!

और पहली बार...मैंने शरीर के उस सुख को जाना। वह मुझे चूम रहा था और मेरा पूरा शरीर हजार-हजार टुकड़ों में कांप रहा था।

ओह! ये तो अद्भुत था। अब मैं जान गई कि ये सब क्या है, उसके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान खेल गई। बेशक मेरे चेहरे पर भी उसे आभार के सिवा कुछ नहीं दिखा होगा

"तुम्हें बस थोड़ा-सा नियंत्रण रखना सीखना होगा। बेशक तुम्हें सिखाने में बहुत मजा आने वाला है।" उसने मुझे फिर से चूमा।

मैं चरम सुख की सीमाओं को छूकर लौटी हूं और उखड़ी सांसों पर काबू पाने की कोशिश में हूं और फिर एक बार दोबारा मेरा मन उसी एहसास को पाने के लिए ललक उठा। उसने एक पैकेट से कंडोम निकाला ताकि उसका प्रयोग किया जा सके। मैंने पहली बार शारीरिक संबंध बनाए और क्रिस्टियन के साथ ने सब कुछ इतना सहज कर दिया मानो यह सब पहली बार न होकर पहले भी कई बार हो चुका हो। मेरे मुंह से आह सी निकली।

ओह!

"कहीं मैंने तुम्हें चोट तो नहीं पहुंचाई?"

क्रिस्टियन ने मेरे साथ लेटते हुए पूछा।

"ये बात तुम पूछ रहे हो? मैंने व्यंग्यात्मक स्वर में कहा।"

"नहीं, सच बताओ। तुम ठीक हो न?"

मैं उसके पास ही पसर गई। पूरा शरीर निचुड़ गया था पर भीतर ही भीतर एक अजीब-सी संतुष्टि और सुख का एहसास भी तो हो

रहा था। मुझे तो पता तक नहीं था कि मेरा अपना ही शरीर सुख का इतना बड़ा साधन हो सकता है।

"तुम अपना होंठ काट रही हो और तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।" उसने त्योरी चढ़ाई। मैं उसे देखकर खीसें निपोरने लगी। वह बिखरे बालों, जलती हुई भूरी आंखों और गहरे-गंभीर भावों साथ और भी प्यारा लग रहा था।

"मैं तो ये सब फिर से करना चाहूंगी।" मैं हौले से बोली।

"क्या अभी? मिस स्टील?" वह झुका और कोमलता से मेरे मुंह के कोने को चूम लिया। मैंने बिना कुछ कहे सब कह दिया। वह मेरे शरीर पर हाथ फिराने लगा।

"ओह! तुम कितनी सुंदर हो।"

"तुमने अभी तक ये शर्ट क्यों पहन रखी है?" मैंने कहा और उसने भी अपनी शर्ट उतार दी। ...हम दोनों एक बार फिर जुनून की उन गलियों से होकर गुज़रे और मंजिलों तक जा पहुंचे। इस दौरान वह बार-बार मुझसे एक ही बात पूछता रहा।

"एनेस्टेसिया, तुम क्या चाहती हो?"

मैं बार-बार एक ही जवाब देती रही।

"मैं तुम्हें चाहती हूं, क्रिस्टियन! मैं तुम्हें चाहती हूं।"

"तुम कितनी प्यारी हो। मैं तुम्हें चाहता हूं।" क्रिस्टियन के एक-एक शब्द में जैसे रस घुला था। मैं उसके नाम के उच्चारण के साथ ही शरीर सुख के उस छोर तक जा पहुंची, जो आज तक मुझसे भी अनजान था। क्रिस्टियन ने फिर से वही प्रक्रिया आरंभ कर दी तो मैंने उससे विनती की कि मेरा शरीर अब साथ नहीं दे रहा था। मैं बुरी तरह से थकान से बेहाल थी पर वह बोला

"बेबी! अभी नहीं! मैं चाहता हूं कि कल जब भी तुम हिलो तो तुम्हें याद आए कि कल रात तुम कहां थीं।"

ये तो हद थी। किसी तरह कराहों और आहों के बीच वह सफर पूरा हुआ और इसके बाद क्रिस्टियन करवट लेकर सो गया और मुझे भी थकान से भरी नींद के आगोश में समाने में मुश्किल से कुछ ही पल लगे होंगे। अपने जीवन के पहले शारीरिक संबंध बनाने के बाद संतुष्टि और सुख से भरपूर नींद!!!!

जब मैं उठी तो वहां अभी अंधेरा था, पता नहीं मैं वहां कितनी देर से सोई हुई थी। मैंने कंबल के अंदर शरीर फैलाया तो शरीर की जकड़न ने बहुत कुछ याद दिला दिया। क्रिस्टियन आसपास नहीं था। मैं उठी और अपने सामने फैले विशाल शहर की इमारतों को देखा। बड़ी इमारतों में कहीं-कहीं बत्तियां जल रही थीं और पूर्व दिशा सुबह होने के संदेशे दे रही थी। मैंने संगीत सुना, कोई पियानो बजा रहा था। मुझे लगा कि धुन जानी-पहचानी है पर पक्का नहीं कह सकती थी।

मैंने अपने आसपास कंबल लपेटा और दबे पांव बड़े कमरे में आई। क्रिस्टियन पियानो पर है और बजाई जा रही धुन में पूरी तरह से खोया हुआ है। उसके चेहरे के भाव उदास हैं। वह बहुत अच्छा पियानो बजाता है। मैं वहीं दीवार के पास टेक लगाकर खड़ी रही और उस उदास कर देने वाली धुन का आनंद लेती रही। ये तो बड़ा ही धुरंधर संगीतज्ञ निकला।उसने शरीर के ऊपरी हिस्से पर कुछ नहीं पहना हुआ और उसका शरीर पियानो के पीछे पड़े लैंप की रोशनी में नहाया हुआ है। बाकी सारा कमरा अंधेरे में खोया है। मानो वह अपने ही रोशनी के दायरे में सिमटा है, जहां उसे कोई छू भी नहीं सकता...अकेला...अपने ही बुलबुले में कैद!!

मैं चुपचाप उसकी ओर बढ़ी। मैं सम्मोहित भाव से पियानो पर नाचती उसकी लंबी अंगुलियां देख सकती हूं और फिर अचानक याद आया कि इन्हीं अंगुलियों ने उसी कुशलतासे मेरे शरीर को भी छेड़ कर नए सुर निकाले थे। उसने अचानक नजरें ऊंचीं कीं तो उसके चेहरे के भाव समझ नहीं आए।

"सॉरी! मैं हौले से बोली–मैं तुम्हें खलल नहीं देना चाहती थी।"

उसके चेहरे की त्योरी चढ़ गई।

"अरे! ये तो मुझे तुमसे कहना चाहिए।" वह हौले से बोला और पियानो बजाना बंद कर, अपने हाथ टांगों पर रख लिए। अब मैंने देखा कि उसने पी जे पैंट पहन रखी है। उसने बालों में हाथ फिराया और उठ खड़ा हुआ। वह पियानो की ओर से घूमकर मेरी ओर बढ़ा तो मेरा हलक सूख गया। उसके कंधे चौड़े व नितंब संकरे हैं और जब चलता है तो पेट की मांसपेशियां लहराई हुई लगती हैं। वह सचमुच बड़ा ही दिलकश है।

"तुम्हें तो बिस्तर में होना चाहिए।" उसने फटकारा

"ये सुंदर धुन थी। बाक की है?"

"नहीं, मूल रूप से अलासेंद्रो मार्सेलो की है।"

"ये बहुत प्यारी पर उदास है।"

उसके होंठों पर आधी मुस्कान खेल गई।

"बिस्तर!" उसने हुक्म दिया। "वरना सुबह तुम्हें थकान महसूस होगी।"

"मैं उठी तो तुम पास नहीं थे।"

"मुझे नींद नहीं आ रही थी और वैसे भी मुझे किसी के साथ सोने की आदत नहीं है।" वह हौले से बोला

मैं उसके मूड का अंदाजा नहीं लगा सकती। वह थोड़ा सा मायूस दिखा पर अंधेरे में कुछ कहना भी मुश्किल था। शायद यह उसकी धुन का असर था। उसने मेरी कमर में बाजू डाली और कमरे की ओर चल दिया।

"तुम कब से पियानो बजाते आ रहे हो? बहुत अच्छा बजाते हो।"

"जब मैं छह साल का था।"

ओह! क्रिस्टियन और छह साल का बच्चा!...मेरी आंखों के सामने एक सुंदर, तांबई बालों वाले प्यारे से बच्चे की छवि आ गई, जो पियानो की उदास धुनें पसंद करता हो।

"तुम कैसा महसूस कर रही हो?" हम कमरे में आ गए तो उसने पूछा

फिर उसने साइडलाइट जला दी।

"मैं ठीक हूं।"

हम दोनों ही बिस्तर पर एक साथ झुके। चादर पर खून के हल्के धब्बे थे–मेरे खोए हुए कौमार्य का सूचक। मैंने शर्मिंदा होकर अपने कंबल को और भी कस कर लपेट लिया।

वैसे इसे देखकर मिसेज जोंस भी सोच में पड़ जाएंगीं। उसने मेरी चिबुक थामी और सिर पीछे की ओर कर दिया, फिर मुझे ताकने लगा। मेरा चेहरा देखते हुए उसकी आंखें बहुत ही गहरी दिखीं। मुझे एहसास हुआ कि मैंने पहले कभी उसकी नंगी छाती नहीं देखी थी। मेरी अंगुलियां उसकी छाती के बालों से खेलने के लिए सहज भाव से आगे आईं तो वह एकदम पीछे हट गया।

"बिस्तर में जाओ।" उसने तीखे शब्दों में कहा

मैं बिस्तर पर लेट गई और वहां दिख रहे खून के धब्बों को अनदेखा करने का फैसला लिया। वह मेरी पीठ के पीछे लेटा और वहीं से मुझे बांहों के घेरे में ले लिया। अब मेरा चेहरा उससे परे था। उसने मेरे बालों को चूमा और गहरी सांस ली।

"सो जाओ! स्वीट एनेस्टेसिया!" वह बुदबुदाया। मैंने आंखें तो बंद कर लीं पर मन अजीब सा हो आया था, पता नहीं उसकी धुन का असर था या उसके अजीब से दिखते बर्ताव का। क्रिस्टियन ग्रे की ज़िंदगी का कोई अंधेरा पक्ष भी था।

अध्याय 9

कमरे में घिर आई रोशनी ने अचानक ही मुझे गहरी नींद से जगा दिया। मैंने शरीर को फैला कर अंगड़ाई ली और आंखें खोलीं। ये तो मई माह की खूबसूरत सुबह थी। सिएटल मेरे कदमों में था। वाह! क्या नज़ारा है। मेरे साथ ही क्रिस्टियन ग्रे गहरी नींद में सोया था। वाह! क्या नज़ारा है। मुझे हैरानी है कि वह अभी भी मेरे बिस्तर में है। उसका चेहरा मेरी ओर है और मुझे उसके नाक-नक्श देखने का भरपूर मौका मिल गया। उसका प्यारा सा चेहरा जवान दिखता है, नींद में शांत, पूरी तरह से शांत! उसके खूबसूरती से गढ़े होंठ हल्के से खुले हुए हैं और चमकदार बाल बड़ी ही बेतरतीबी से फैले हैं। कोई इतना सुंदर, इतना प्यारा..और फिर भी इतना जायज़ कैसे दिख सकता है? मुझे सीढ़ियों से ऊपर वाले कमरे की याद आ गई... शायद ये जायज़ नहीं है।

मैंने अपना सिर हिलाया, सोचने को कितना कुछ है। जी तो कर रहा है कि उसे छू लूं पर एक छोटे बच्चे की तरह लग रहे ग्रे को जगाने का मन नहीं हुआ। मुझे इस बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है कि मैं क्या कह रही हूं, वह क्या कह रहा है और उसके पास खासतौर से मेरे लिए क्या योजनाएं हैं।

मैं तो उसे सारा दिन यूं ही देख सकती थी पर बाथरूम जाना भी ज़रूरी था। बिस्तर से नीचे कदम रखा तो उसकी सफेद कमीज़ ज़मीन पर पड़ी दिखी। मैंने उसे ही कंधों पर डाल लिया। एक दरवाजे को बाथरूम समझ कर आगे बढ़ी पर वहां तो एक बड़ी सी अलमारी निकली, मेरे सोने के कमरे से भी बड़ी। एक से एक महंगे, जूते, शर्ट, सूट और टाईयां कतारों में सजे थे। किसी एक इंसान को इतने कपड़ों की ज़रूरत कैसे हो सकती है? मैंने गर्दन हिलाई, दरअसल केट की अलमारी से इसकी होड़ हो सकती है। केट! अरे नहीं, मुझे तो पूरी शाम में उसका ध्यान तक नहीं आया। मुझे उसे मैसेज करना था। मैं तो मुसीबत में पड़ने वाली हूं। मैंने पल भर के लिए सोचा कि उसकी इलियट से कैसी निभ रही होगी।

वापिस लौटी तो ग्रे को सोते ही पाया। मैंने दूसरा दरवाजा खोला और बाथरूम मिल गया। ये भी मेरे सोने के कमरे से बड़ा था। किसी एक इंसान को इतनी जगह की ज़रूरत क्यों होती है? दो सिंक? चूंकि वह किसी को अपने साथ सुलाना पसंद नहीं करता इसलिए उन दोनों में एक सिंक कभी प्रयोग में ही नहीं आ सकता।

मैंने खुद को वहां लगे बड़े से शीशे में निहारा। क्या मैं अलग दिख रही हूं? मैं अलग महसूस कर रही हूं। शरीर में हल्की सूजन और मांसपेशियों में जकड़न है। ऐसा लगता है कि मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी कसरत नहीं की। *तुमने अपनी जिंदगी में कभी कोई कसरत नहीं की।* मेरे भीतर बैठी लड़की भी जाग गई। वह मुझे दबे होंठों से देखते हुए पांव पटक रही है। *तो तुम अभी एक ऐसे इंसान के साथ सो कर आई हो, जिसे तुमने अपना सब कुछ सौंप दिया। एक ऐसा इंसान, जो तुम्हें प्यार तक नहीं करता। दरअसल वह तुम्हारे बारे में बड़ी ही अजीब-सी सोच रखता है। वह तुम्हें अपना सेक्स गुलाम बनाकर रखना चाहता है।*

क्या तू पागल हो गई है? वह मुझ पर बरसी।

मैंने उसे देखकर आंख दबाई। मैं इन सारी बातों पर विचार करने जा रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं उस हद से ज्यादा खूबसूरत व अमीर इंसान को चाहने लगी हूं, जिसका पीड़ा से भरा लाल कमरा मेरी प्रतीक्षा में है। मैंने कंधे झटके। मैं पूरी तरह से बेतरतीब और उलझन में हूं। बाल हमेशा की तरह बिखरे पड़े हैं और ऐसे उलझे बाल मुझे पर बिल्कुल नहीं फबते। मैंने उन्हें अंगुलियों से संवारना चाहा, जब नहीं संभले तो छोड़ दिया। शायद पर्स में बाल बांधने के लिए कुछ पड़ा हो।

भूख से जान निकल रही है। मैं सोने के कमरे से बाहर निकली। ग्रे अब भी गहरी नींद में है इसलिए मैं रसोई की ओर चल दी।

अरे नहीं...केट! मैंने अपना पर्स ग्रे की स्टडी में छोड़ा था। मैं उसे वहां से लाई और अपना फोन लगाया। तीन मैसेज

एना! तुम ठीक हो

एना! तुम कहां हो

एना! भाड़ में जा तू।

मैंने केट को फोन लगाया। जब उसने नहीं लिया तो मैंने संदेश छोड़ दिया कि मैं ज़िंदा हूं और उसे मेरी किसी भी तरह से चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे क्रिस्टियन ग्रे के बारे में अपनी भावनाओं पर विचार करके उनका विश्लेषण करना ही होगा। ये तो लगभग असंभव-सा काम है। मैंने हार मानते हुए सिर हिलाया। मुझे सोचने के लिए यहां से परे, अकेले में कुछ समय चाहिए होगा।

मुझे अपने बैग में दो सुंदर से रबड़बैंड मिल गए और मैंने दो चोटियां बना लीं। *हां! जितनी छोटी दिखूंगी, इस अहमक से उतना ही*

बची रहूंगी। मैंने बैग से आईपॉड निकाला और कानों में हैडफोन लगा लिए। खाना बनाते समय संगीत सुनने का मज़ा ही कुछ और है।

मैं ग्रे के शर्ट की जेब में उसे डाल दिया और तेज बजती धुन के साथ पैर थिरकने लगे।

हाय! भूख से जान निकल रही है!

मैं तो इसकी रसोई देखकर दंग हूं। इस आधुनिक किस्म की रसोई में किसी भी दराज में हैंडिल ही नहीं हैं। मुझे ये समझने में कुछ सैकेंड लगे कि उन्हें अंदर की ओर दबाने से वे खुलते हैं। शायद मुझे ग्रे के लिए भी नाश्ता बनाना चाहिए। वह उस दिन तो एक ऑमलेट खा रहा था। उम्म......कल ही तो हीथमैन में...। अरे! एक ही दिन में कितना कुछ बदल गया है। मैंनेफ्रिज में नज़र मारी, वहां अंडे दिखे और मैंने तय किया कि पैनकेक और बेकन (सूअर का मांस) बना लूंगी। मैंने कुछ घोल तैयार किया और रसोई में नाचते हुए यहां-वहां मंडराने लगी।

व्यस्त रहने का भी अपना ही मज़ा है। इस तरह आपको गहराई से सोचने का मौका मिल जाता है। कानों में बज रहे संगीत ने भी सोचने में मदद की। मैं यहां क्रिस्टियन ग्रे के साथ एक रात बिताने आई थी और सफल भी रही, जबकि वह किसी को अपने साथ बिस्तर में रात बिताने की इजाज़त नहीं देता। मैं मुस्कुराई, मिशन पूरा हुआ। फिर मेरे चेहरे पर खिली हुई बड़ी सी मुस्कान खेल गई। पिछली रात की यादें दिमाग को उलझाने लगीं। उसके शब्द, उसका शरीर, उसके प्यार करने की अदा... मैं आंखें बंद कर झूमने लगी और पेट के भीतर की मांसपेशियों में अजीब सा संकुचन होने लगा। एक मीठा सा एहसास! मेरे भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं *-उसने तेरे साथ प्यार नहीं किया था... वह तो...!* वह मुझ पर चिल्लाई। मैंने उसकी बात को अनसुना तो कर दिया पर मन ही मन मैं जानती थी कि उसकी बात में दम था। मैंने हाथ के काम पर ध्यान लगाने के लिए गर्दन को झटका।

वाह! क्या साजो-सामान है। लगता है कि मेरे दिल को भा गया है। मुझे पैनकेक को गर्म करने के लिए कहीं रखना था और मैं बेकन बनाने लगी। एमी का गाना मेरे कानों में गूंज रहा है जो किसी 'मिसफिट' की बात करता है, ये मुझे बहुत पसंद है क्योंकि मैं भी तो मिसफिट ही हूं यानी कहीं के लिए भी फिट नहीं हूं। मुझे मि. मिसफिट राजा की एक ओर से एक ऐसा भद्दा प्रस्ताव आया है। वह ऐसा क्यों है? कुदरतन या फिर पालन-पोषण में कमी? मैं जानती हूं कि ये बात कितनी अजीब है, सबसे अजीब!!

मैंने बेकन को ग्रिल में रखा और इस दौरान कुछ अंडे फेंट लिए। वहां से मुड़ी तो क्रिस्टियन को नाश्ते की मेज के पास पड़े स्टूल पर बैठा पाया। उसने अपने गठे हाथों से चेहरा थामा हुआ था। अब भी वही टी-शर्ट पहन रखी है, जिसे पहन कर सोया था। बेशक बिखरे बाल और डिजाइनर दाढ़ी, दोनों ही उस पर फबते हैं। वह हैरानी और शोख़ी के साथ मुझे ही देख रहा था। मैं तो वहीं जम गई। झट से कानों से हैडफोन निकाल दिए, उसे देखते ही घुटने कमज़ोर पड़ गए थे।

"गुडमार्निंग मिस स्टील! आज तो आप पूरी उमंग में दिख रही हैं?" उसने बड़े ही रुखे लहजे में कहा

"मैंने पूरी नींद ल-ली है।" मैंने अपनी सफाई दी। उसके होंठों ने अपनी मुस्कान दबानी चाही

"मैं कल्पना नहीं कर सकता कि क्यों...क्योंकि मैं तुम्हारे पास बिस्तर में आ गया था?"

"क्या तुम्हें भूख लगी है?"

"बहुत..." उसने गहरी नज़रों से देखा। मुझे नहीं लगता कि वह खाने की बात कर रहा था।

"पैनकेक, बेकन और अंडे?"

"सुन कर तो अच्छा ही लगा।"

"मुझे नहीं पता कि मेज के मैट कहां पड़े हैं?" मैंने खुद को सहज दिखाने की कोशिश में कंधे झटके।

"मैं कर लूंगा। तुम पकाओ। क्या तुम चाहोगी कि मैं कोई धुन लगा दूं ताकि तुम नाच जारी...रख सको?"

मैंने अपनी अंगुलियों को घूरा...हाए! उसने मुझे नाचते भी देख लिया

"प्लीज़! मेरी वजह से मत रुको। बड़ा मज़ा आ रहा था।"

मैंने अपने होंठ भींच लिए। मज़ा आ रहा था। मेरी भीतर बैठी लड़की दुगने वेग से खिलखिलाई। मैं मुड़कर अंडे फेंटने लगी और

शायद जरूरत से ज़्यादा फेंट दिया। एक ही पल में वह मेरे साथ खड़ा मेरी चोटियां खींच रहा था।

"मुझे पसंद आई। वह हौले से बोला। *ये तुम्हारा बचाव नहीं करने वालीं।*

हुंह! लड़कियों का रसिया..

"तुम अंडे कैसे लेना चाहोगे?"

"पूरी तरह से फेंटे व मसले हुए...।" उसने चुटकी ली।

मैं अपने काम पर मुड़ी और हंसी दबाने की कोशिश की। इससे तो नाराज़ रहना भी मुश्किल है। खासतौर पर जब वह अपने आनंदी स्वभाव में हो। उसने एक दराज खोला और नाश्ते की मेज के लिए दो मैट निकाले। मैंने अंडों का मिश्रण पैन में डाला। बेकन को बाहर निकाल कर पलटा और फिर से ग्रिल में रखा दिया। जब मुड़ी तो मेज पर संतरे का जूस रखा था और वह कॉफी बना रहा था।

"क्या तुम चाय लेना चाहोगी?"

"हां! अगर तुम्हारे पास है तो?"

मैंने दो प्लेटें लीं और रेंज के गर्म करने वाले हिस्से में रख दीं। क्रिस्टियन अलमारी के पास गया और वहां से चाय के कुछ पाउच ले आया।

मैंने गर्म प्लेटों में नाश्ता लगा दिया। फ्रिज में से थोड़ा मेपल सिरप भी मिल गया। क्रिस्टियन की ओर देखा तो वह बैठने के लिए मेरा इंतज़ार कर रहा था।

"मिस स्टील!" उसने एक स्टूल की ओर संकेत किया।

"मि. ग्रे!" मैंने भी गर्दन हिलाई और हल्की सी कराहट के साथ स्टूल पर बैठ गई।

"तो कैसी है आपकी तबीयत?" उसने अजीब से संकेत से बात कही और मैं खिसिया कर रह गई। *वह इतने निजी सवाल कैसे पूछ सकता है?*

" खैर! उसका तो कोई मुकाबला नहीं है। पर क्या आप अपनी सहानुभूति जताना चाह रहे थे?" मैंने प्यार से पूछा

शायद उसने मुस्कान दबाने की कोशिश की पर यकीन से नहीं कह सकती।

"नहीं। मैं सोच रहा था कि अगर ऐसा है तो हमें तुम्हारी बेसिक ट्रेनिंग पर काम करना होगा।"

"ओह!" मैंने उसे अहमकों की तरह घूरा और ऐसा लगा कि मेरा पूरा शरीर सुन्न पड़ गया हो। अब इस बात से उसका क्या मतलब है?

" खाओ! एनेस्टेसिया!" मेरी भूख फिर से दफा हो गई है। सेक्स......*और सेक्स। जी हां, प्लीज़।*

"ये तो स्वादिष्ट है।" वह बोला

मैंने भी ऑमलेट का एक चम्मच लिया पर उसका स्वाद नहीं ले सकी। बेसिक ट्रेनिंग? इसमें क्या-क्या शामिल होगा?

"अपना होंठ काटना बंद करो। मेरा ध्यान भी उसी ओर जा रहा है और मैं ये भी जानता हूं कि इस समय तुमने मेरी टी-शर्ट के सिवा कुछ नहीं पहन रखा...।"

मैं छोटे से बर्तन में चाय पी रही थी पर दिमाग गोल-गोल चकरा रहा था।

"तुम्हारे दिमाग में किस तरह की बेसिक ट्रेनिंग है?" मैंने पूछा

आवाज़ ज़रा तेज ही निकल गई और इस बात में अपनी दिलचस्पी न दिखाने का इरादा वहीं चकनाचूर हो गया। हालांकि पूरे शरीर में

हारमोन तेजी से अपना असर दिखा रहे थे।

"जैसा कि साफ है कि तुम्हारा शरीर अभी थका हुआ है इसलिए मैं सोच रहा था कि क्यों न हम तुम्हारे मुंह का कुछ कमाल देखें।"

मेरे गले में चाय अटक गई। आंखें चौड़ी हुई और मुंह खुला का खुला रह गया। उसने धीरे से पीठ सहलाई और हाथ में संतरे का रस थमा दिया। मैं कह नहीं सकती कि वह क्या सोच रहा है?

"क्या तुम ठहरना चाहोगी?" उसने पूछा और मैंने खुद को संभालते हुए कहा

"आज ही रुक सकती हूं। अगर तुम चाहो तो। मुझे कल काम पर जाना है।"

"कल कितने बजे काम पर जाना है?"

"नौ बजे"

"मैं तुम्हें कल नौ बजे वहां पहुंचा दूंगा।"

मैंने त्योरी चढ़ाई। क्या वह मुझे आज रात भी यहीं रखना चाहता है?

"मुझे आज घर जाना होगा-साफ कपड़े नहीं हैं।"

"हम यहीं से ले सकते हैं।"

"मेरे पास कपड़े खरीदने के लिए फालतू पैसे नहीं हैं।" उसका हाथ आगे आया और मेरे चिबुक को खींचा, जिससे होंठ दांतों की पकड़ से बाहर आ गया। मुझे तो पता भी नहीं था कि मैं अपना होंठ काट रही थी।

"ये क्या है?" उसने पूछा

"मुझे आज शाम घर जाना है।"

उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं उभर आईं।

"अच्छा! आज शाम। पहले नाश्ता करो।"

मेरी सोच और पेट दोनों में ही उथल-पुथल मची है। भूख तो पतली गली से जा चुकी है। मैंने अपने आधे बचे नाश्ते को देखा। मुझे सच में भूख नहीं है।

"एनेस्टेसिया खाओ! तुमने कल रात भी कुछ नहीं खाया।"

"तुम खाने को लेकर इतना मच-मच क्यों करते हो?" मैं फट पड़ी। उसने भवें सिकोड़ीं "मैंने कहा था न कि मुझे जूठन बचाने से सख्त नफरत है। खाओ!" उसकी गहरी काली आंखों में दर्द देखा जा सकता था।

"हाय! ये सब क्या है?" मैंने कांटा उठाया और धीरे-धीरे खाने लगी। मुझे याद रखना होगा कि इसके सामने प्लेट में उतना ही खाना लिया जाए, जितना उस समय पेट में उतारा जा सके। मैं नाश्ता करने लगी तो उसके चेहरे के भाव कोमल हो गए। मैंने देखा कि उसने अपनी प्लेट साफ कर दी थी। उसने मेरे खाने का इंतज़ार किया और मेरी प्लेट भी धो दी।

"तुमने पकाया, बर्तन मैं साफ कर लूंगा।"

"वाह! बड़ा प्रजातंत्र है।"

"जी। वैसे मैं अकसर ऐसे नही करता। इसके बाद हम नहाने चलेंगे।"

"ओह! अच्छा।" *हाय! बल्कि नहाने का मन तो मेरा भी है।* तभी केट का फोन आ गया।

"हाय!" मैं उससे परे बालकनी की कांच वाली दीवार के पास चली गई।

"एना! रात को मैसेज क्यों नहीं किया?" वह गुस्से में है।

"सॉरी! मैं यहां उलझ गई थी।"

"तू ठीक है न? "हां! बढ़िया।

"क्या सच, कल रात...? वह कोई जानकारी पाना चाहती है। मैंने उसके सुर में छिपी उम्मीद को पहचान कर आंखें मटकाईं।

"केट! मैं अभी बात नहीं कर सकती।" क्रिस्टियन ने वहां से मुझे ताका।

"तुमने वह सब किया...मैं दावे से कह सकती हूं।

वह कैसे कह सकती है? शायद मुझसे खेल रही है और मैं इस बारे में बात नहीं कर सकती क्योंकि मैंने कागज़ों पर साइन जो कर दिए हैं।

"केट प्लीज़।

"सब कैसा रहा? तू ठीक तो है?

"मैंने कहा न कि मैं ठीक हूं।

"क्या उसने सख्ती बरती?

"केट चुप भी कर।" मैं अपनी खीझ नहीं दबा सकी।

"एना! मुझे मत बना। मैंने तेरे मुंह से यह सब सुनने के लिए पूरे चार साल इंतज़ार किया है।"

"मैं शाम को मिलती हूं।" मैंने फोन रख दिया।

ये मामला बड़ा ही पेचीदा हो गया है। वह जाने बिना रहेगी नहीं और मैं उसे सब कुछ बता नहीं सकती क्योंकि मैंने उस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं–अरे, क्या कहते हैं उसे-एनडीए। मुझे उसे बहलाने के लिए पूरी योजना बनानी होगी। मुड़कर देखा तो वह बड़े ही आराम से अपनी रसोई में घूमते हुए सब कुछ समेट रहा था।

"एनडीए, उस एनडीए में क्या सब कुछ आता है?" मैंने पूछा ही लिया

"क्यों?" वह मुड़ा और मुझे घूर कर बोला। मैं खिसिया गई।

"वैसे मेरे पास सेक्स से जुड़े कुछ सवाल हैं।" मैंने अपनी अंगुलियों को घूरा। "और मैं उन्हें केट से पूछना चाहूंगी।"

"तुम मुझसे पूछ सकती हो"।

"क्रिस्टियन! तुम्हारी सेवा में सविनय निवेदन करना चाहूंगी कि...".मेरा सुर भर्रा सा गया। *मैं तुमसे नहीं पूछ सकती। तुम तो अपनी सोच के हिसाब से जो भी बताओगे वह तो सेक्सके विकृत रूप से ही जुड़ा होगा। मैं एक पक्षपात से परे सटीक उत्तर चाहती हूं।* "बस यह तो सेक्स की बुनियादी जानकारी के बारे में है। मैं तुम्हारे पीड़ादायी लाल कमरे के बारे में बात नहीं करूंगी।"

उसने भवें उठाईं।

"पीड़ादायी लाल कमरा? एनेस्टेसिया! वह सब तो आनंद से संबंध रखता है। मेरा विश्वास करो। इसके अलावा तुम्हारी वह सहेली पिछले दो सप्ताह से मेरे भाई के साथ जैसे गुलछर्रे उड़ा रही है। उस हिसाब से तो तुमने कुछ भी नहीं किया।"

"क्या तुम्हारा परिवार...इन बातों के बारे में जानता है?"

"नहीं, इससे उनका कोई लेन-देन नहीं है।"

"तुम क्या जानना चाहती हो? उसने अपनी अंगुलियों से मेरी चिबुक थाम कर पीछे को धकेल दी ताकि मैं उसकी आंखों में सीधे देख सकूं। मैं अंदर ही अंदर सिकुड़ गई। मैं इस इंसान से झूठ नहीं बोल सकती।

"अभी तो कुछ खास नहीं।" मैं हौले से बोली

"अच्छा तो हम शुरुआत के लिए पूछ सकते हैं कि कल रात तुम्हारे लिए कैसी रही?" उसकी आंखों में गहरा कौतूहल भाव था। *वह जानना चाहता है। वाउ!*

"अच्छी!" मैं बुदबुदाई

उसके होंठ हल्के से हिले

"मुझे भी अच्छी लगी। मैंने आज से पहले कभी वनीला सेक्स नहीं किया। इसके लिए बहुत कुछ कहा गया है पर शायद ये सब इसलिए हो सका क्योंकि यह तुम्हारे साथ था।" उसने मेरे निचले होंठ पर अपना अंगूठा फेरा।

मैंने मन ही मन गहरी सांस ली। *वनीला सेक्स?*

"आओ! चलो नहाने चलें।" वह आगे झुका और हौले से चूम लिया।

मेरा दिल धड़का और अंदर ही अंदर एक चाह मचलने लगी।

नहाने का बाथ टब सफेद पत्थर का बना अंडाकार डिजाइनर टब था। क्रिस्टियन उस पर झुका और नल खोल कर पानी से भर दिया। फिर उसने पानी में महंगा सा दिखने वाला बाथ ऑयल डाला। उसकी झाग बन गई और चारों तरफ जैस्मिन की महक फैल गई। वह खड़ा हुआ, मुझे घूरते हुए अपनी टी-शर्ट उतारकर नीचे फेंक दी।

"मिस स्टील!" उसने हाथ बढ़ाया

मैं दरवाजे के पास खड़ी विस्फारित नेत्रों से यहां-वहां ताक रही हूं और दोनों बाजुओं से खुद को घेरा हुआ है। मैं उसके शरीर की सुंदर गठन की मन ही मन सराहना करते हुए आगे बढ़ी। उसका हाथ थामा और उसने मुझे टब में आने का संकेत किया। मैंने अब भी उसकी शर्ट पहन रखी है। मैंने वही किया, जो कहा गया था। अगर उसके प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करना है तो उसकी बात मानने की आदत तो डालनी ही होगी...अगर!! वह मुझे गहरी नज़रों से देख रहा है।

"बेशक! तुम्हारे होंठ बहुत स्वादिष्ट हैं पर क्या अब तुम्हें इन्हें काटना बंद करोगी? ये देखकर मेरे मन में कैसे ख़्याल आते हैं...शायद मैं बता चुका हूं।"

मैंने झट से होंठ को दांत की कैद से आज़ाद कर दिया।

मुझे तो अंदाज़ा तक नहीं था कि मैं उस पर इतना असर डाल सकती हूं।

"अच्छा।" वह आगे बढ़ा और शर्ट की जेब से मेरा आई-पॉड निकाल लिया। उसे सिंक के पास रख कर बोला-

"पानी और आई-पॉड कोई बहुत अच्छा मेल नहीं है। कुछ ही देर में मैं उसके सामने निर्वस्त्र थी।

उसने मुझे घूरना शुरू किया और जी में आया कि मैं खुद को उस पानी की तहों में छिपा लूं पर बेशक वह ऐसा नहीं करना चाहेगा।

"हे! एनेस्टेसिया तुम बहुत ही सुंदर युवती हो। अपने-आप में पूरी तरह से ख़ूबसूरत। शर्मिंदा होकर अपना सिर मत झुकाओ। इसमें शर्मिंदा होने जैसी कोई बात नहीं है। सच इस तरह तुम्हें निहारने का भी अपना ही एक आनंद है।" उसने मेरी चिबुक को हाथों में थामा और सिर को इस तरह झुकाया कि मेरी पहुंच उसकी आंखों तक हो गई। वे कितनी कोमल और गर्म हैं, बेशक जल रही हैं। वह मेरे कितने पास है। मैं उसे आगे होकर छू सकती थी।

"तुम अब बैठ सकती हो।" उसने मेरी सोच को छितरा दिया और मैंने उस गर्म गुनगुने पानी में पैर रखा। ओह......पहले-पहल तो उसने मेरे शरीर में चुभन पैदा की पर कुछ ही पलों में शरीर उस तापमान का आदी हो गया। कितनी भीनी और मीठी गंध आ रही है। दर्द भी जैसे कहीं खो गया है। मैंने पीठ के बल लेटकर पल भर के लिए आंखें मूंद लीं और उस पानी को शरीर के पोर-पोर

को सहलाने की इजाज़त दे दी। जब मैंने आंखें खोलीं तो वह मुझे ही घूर रहा था।

"तुम क्यों नही आते?" मैंने काफी बहादुरी दिखाई।

"शायद मुझे भी आना चाहिए। चलो आगे खिसको।"

उसने अपने कपड़े उतारे और बाथ टब में आ गया। मैं अपने पूरे शरीर पर उसके शरीर का भार और छुअन महसूस कर सकती थी। उसने गहरी सांस ली। "एनेस्टेसिया! तुम्हारी गंध बड़ी मीठी है।"

मेरे पूरे शरीर में एक लहर सी दौड़ गई। मैं और क्रिस्टियन दोनों एक ही बाथ टब में, निर्वस्त्र! कल जब मैं उसके होटल सुईट में सो कर उठी थी, अगर उस समय किसी ने मुझसे यह बात कही होती, तो बेशक मैं उसका कभी यकीन न करती।

उसने वहां पड़ी शेल्फ से बॉडीवॉश लिया और दोनों हाथों में मलते हुए झाग सी बना ली। फिर वह मेरे अंगों पर उसे मलते हुए मालिश-सी करने लगा। उसकी लंबी अंगुलियों का वह स्पर्श मुझे मदहोश कर देने के लिए काफी था।

"तुम्हें अच्छा लगा? मैं उसकी मुस्कान को महसूस कर सकती थी।

"हम्म!

उसके हाथ मेरे बगलों तक आए और मुझे खुशी हुई कि मैंने केट के बार-बार कहने से वहां के बाल शेव करवा लिए थे। अब मेरा पूरा शरीर बिना किसी वर्जना के उसके हाथों में था और मैंने उसे मनचाहे तरीके से खेलने की छूट दे दी। हर बीतते पल के साथ मेरी सांसें उथली हो रही थीं। ये जानना भी कितना सुख दे रहा था कि मेरा शरीर उसे उत्तेजित करने की क्षमता रखता है। तभी भीतर बैठी सयानी लड़की कराही—तेरा मन तो नहीं न...। मैंने उस सोच को उसी समय परे झटक दिया।

बड़ी देर तक यही खेल चला और मैं अंदर ही अंदर सुलगती रही। तभी उसने अपना हाथ खींच लिया। नहीं-नहीं-नहीं!!! मेरी सांस उखड़ रही है।

"तुमने हाथ क्यों रोक दिया?"

"क्योंकि एनेस्टेसिया! मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ और योजनाएं हैं।"

क्या...ओह... पर मैं तो...ये तो इंसाफ नहीं है।

"मुड़ो! मुझे भी शरीर की साफ-सफाई की ज़रूरत है।" मैंने उसकी ओर मुंह घुमाया और उसने.....

...वह चाहता था कि मैं उसके शरीर के उस अंग को अपने हाथों से छूकर महसूस करूं। वही अंग, जो उसके अनुसार उसके शरीर का सबसे प्रिय और आनंददायक अंग था। मैं कुछ सोचकर मन ही मन मुस्कुराई और ठीक उसकी तरह अपने हाथों में साबुन लेकर झाग बना ली। फिर मेरे हाथ अपना कमाल दिखाने लगे और उसने अपनी आंखें बंद कर ली। तो अब मैं समझ पा रही थी कि वह मेरे मुंह का कौन-सा कमाल देखना चाह रहा था। मैंने मुख-मैथुन से उसे वही सुख दिया, जिसकी उसे मुझसे शायद उम्मीद तक नहीं थी।

"ओह एना! तुमने मुझे इतना आनंद दिया। अब मेरा भी फर्ज़ बनता है बदले में तुम्हें भी वही सुख दूं।"

अरे! एक और बार..

उसने बाथ टब से निकल कर बाहर कदम रखा तो उसके शरीर के दिव्य सौंदर्य से मुग्ध होकर मैं सांस तक लेना भूल गई। उसने एक छोटा तौलिया अपनी कमर में बांधा और मेरे लिए एक बड़ा सा रोएंदार सफेद तौलिया ले लिया। मैं बाहर आई तो उसने मुझे तौलिए में लपेटा और अपने पास खींच कर चूम लिया। मैं उसे छूने को तरस रही थी पर मेरे बाजू तौलिए में लिपटे थे। मैं जल्द ही उसके चुंबन में खो गई। फिर उसने मुझे गहरी नज़रों से देखा और बोला

"'हां' कहो।"

"किसलिए?"

"हामी दो कि तुम हमारे इस रिश्ते के लिए तैयार हो। प्लीज़! एना मेरी बन जाओ।" वह हौले से बोला। फिर वह मुझे अपने सोने के कमरे में ले गया।

उसने मुझे पलंग के पास खड़ा करके कहा। "मेरा भरोसा करोगी?"

मैं अचानक सोचने लगी कि क्या मैं उस पर भरोसा रखती हूं? अब वह मेरे साथ क्या

करने जा रहा है? पूरे शरीर में बिजली सी दौड़ गई।

"गुड गर्ल!!" उसने सांस लेते हुए मेरे निचले होंठ पर अपना अंगूठा फिराया।

वह अपनी अलमारी के पास गया और वहां से सिल्वर-ग्रे रेशमी टाई ले आया।

"अपने दोनों हाथ आगे की ओर करते हुए एक साथ लाओ।" उसने हुक्म दिया और मेरा तौलिया फर्श पर फेंक दिया।

मैंने वही किया जो कहा गया था। उसने मेरी दोनों कलाईयां उस टाई से बांध दीं।

फिर उसने उन्हें जांचा। गांठ मजबूत थी। बेशक वह ब्वॉय स्काउट रहा होगा। अब क्या?

मेरा दिल बेकाबू हो रहा है। उसने मेरी चोटियों पर अपनी अंगुलियां चलाईं।

"तुम इनमें बहुत छोटी दिखती हो। वह बोला और आगे बढ़ा। मुझे पीछे की ओर चलना पड़ा और मैं पलंग के छोर तक जा पहुंची। उसके तन पर भी अब तौलिया नहीं था पर मेरी निगाहें उसके चेहरे पर टिकी थीं। उसके चेहरे से चाह झलक रही थी।

"ओह एनेस्टेसिया! मैं तेरा क्या करूं?" वह बोला। मुझे पलंग पर लिटा कर साथ ही लेट गया। मेरे दोनों हाथ सिर से ऊपर कर दिए।

"अपने हाथ यहीं रखना और हिलाना मत समझीं।"

ओह! मैंने तो कभी कल्पना तक नहीं की थी मेरे साथ..

फिर उसने तय किया कि वह मुझे सिर से पांव तक चूमेगा। उसके चुंबनों के साथ-साथ मेरे शरीर का रोम-रोम जागता चला गया। मेरी त्वचा की संवेदनशीलता अचानक बढ़ गई।

मैं भी उसे छूना चाहती थी पर मेरे हाथ बंधे थे। मैंने हिलना चाहा तो वह बोला

"हिलो मत। तुम हिलोगी तो मुझे ये सब फिर से शुरू करना होगा।"

"पर मैं तुम्हें छूना चाहती हूं।"

"मैं जानता हूं पर तुम हाथ अपने सिर के ऊपर रखो।" शरीर में चुंबनों की सनसनाहट से ही गहरी और तीखी चाह जाग गई थी।" उसने अपना वादा पूरा किया और मैंने भी पहली बार मुख मैथुन का आनंद पाया। मैं उस आनंद को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती।

फिर उसके हाथ कंडोम की ओर बढ़े और.....हम जुनून से भरी उन गलियों से होकर लौट आए.....

"देखा! हम दोनों का साथ कितना अच्छा है।" वह हौले से बोला।

"अगर तुम खुद को मुझे सौंप दो तो यकीन करो। यह सब और भी बेहतर होगा। एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें ऐसी-ऐसी जगह ले जा सकता हूं, जिनके बारे में तुमने सोचा तक नहीं होगा।" उसके शब्द मेरे दिमाग में गूंजने लगे। उसने अपनी नाक मेरी नाक से टकराई। मैं अब भी उत्तेजना से कांप रही हूं।

अचानक हम दोनों ही हॉल से आती आवाज़ों से चौंके। हमें सब कुछ सुन कर समझने में कुछ पल लग गए।

"पर अगर वह इस समय भी बिस्तर में है तो इसका मतलब है कि वह बीमार है। वह तो इस समय तक कभी नहीं लेटता। क्रिस्चियन को देर तक सोने की आदत नहीं है।"

"मिसेज ग्रे प्लीज़!"

"टेलर! तुम मुझे मेरे ही बेटे से दूर नहीं रख सकते।"

"मिसेज ग्रे! वे अकेले नहीं हैं।"

"इस बात से क्या मतलब है कि वे अकेले नहीं हैं?"

"उनके साथ कोई है।"

"*ओह!...*" यहां तक कि मुझे भी उस आवाज़ में छिपा अविश्वास सुन गया।

क्रिस्टियन ने तेजी से पलकें झपकाई और मुझे हास्य-मिश्रित भय के साथ देखकर बोला " हो गया कबाड़ा!!!! ये तो मॉम आई हैं।"

अध्याय 10

वह झटके से अलग हुआ और मैं कराही। वह पलंग पर उठ बैठा।

"चलो! जल्दी से कपड़े पहनो-अगर मेरी मॉम से मिलना है तो...।"

उसने झट से जींस चढ़ा ली। "क्रिस्टियन मैं तो हिल भी नहीं सकती।"

मैंने उठने की कोशिश की।

उसने खीसें निपोरीं और आगे आकर टाई खोल दी। ये क्या...मेरी कलाईयों पर टाई का नमूना उभर आया है। ये तो बड़ा सेक्सी लग रहा है...। उसने उसे घूरा और उसकी आंखें गहरी खुशी से चमक उठीं। मेरा माथा चूमा और बोला

"मेरी जिंदगी में एक और पहली बार...।" वैसे मुझे समझ नहीं आया कि वह कहना क्या चाहता था।

"मेरे पास साफ कपड़े नहीं हैं।" मैं अचानक ही उसकी मॉम से मिलने के नाम से भयभीत हो गई। उसकी मॉम!! हाय। यहां पहनने को साफ कपड़े तक नहीं हैं और मुझे एक धनी भद्र महिला से मिलाने ले जाया जा रहा है।

"क्यों न मैं यहीं रुक जाऊं?"

"अरे नहीं, तुम ऐसा नहीं कर सकतीं।" क्रिस्टियन ने धमकी दी। तुम मेरे कपड़ों में से कुछ भी पहन सकती हो। उसने जल्दी से सफेद टी-शर्ट पहनी और अपने बिखरे बालों में हाथ फिराया। अपनी चिंता के बावजूद मैं फिर से उसकी सुदंरता में खो गई।

"एनेस्टेसिया! अगर तुम बोरी भी पहन लोगी तो प्यारी दिखोगी। अब चिंता मत करो। मैं तुम्हें अपनी मॉम से मिलाना चाहूंगा। जल्दी से कपड़े पहन लो। मैं जाकर उन्हें शांत करता हूं।"

उसके चेहरे की रेखाएं सख्त हो आईं–"पांच मिनट में कमरे में नहीं आई तो मैं यहांआकर तुम्हें घसीट ले जाऊंगा, भले ही तुम किसी भी हाल में क्यों न हो। मेरे टी-शर्ट दराज में हैं और शर्ट अलमारी में हैं। जो जी में आए, पहन लो।" उसने मुझे घूरा और कमरे से निकल गया।

हाय भगवान! क्रिस्टियन की मॉम! यार ये तो कुछ ज़्यादा ही नहीं हो गया। वैसे एक बात भी है। हो सकता है कि उनसे मिलने के बाद इस क्रिस्टियन नाम की पहेली को सुलझाने में थोड़ी मदद मिल जाए। हो सकता है कि मैं समझ सकूं कि वह जैसा है...वैसा क्यों है? अचानक ही उसकी मॉम से मिलने की इच्छा जाग गई। मैं उनसे मिलना चाहती हूं। यहां-वहां ताका तो अपनी शर्ट पा कर बड़ी खुशी हुई और खुशकिस्मती से उस पर सलवटें भी नहीं पड़ी थीं। बस मुझे गंदे अंतर्वस्त्र पहनने बिल्कुल पसंद नहीं हैं। चिंता की क्या बात है। मैंने क्रिस्टियन की अलमारी की सेवाएं लीं और झट से जींस व जूते पहन लिए।

जैकेट लपकते हुए बाथरूम में गई तो अपना चेहरा देखकर दंग रह गई। ओह! मेरा घबराहट से लाल चेहरा और बिखरे बाल। आसपास ब्रश या कंघी खोजी। फिर जल्दी से बाल सिर के पीछे बांध लिए। जैकेट पहन कर मन को तसल्ली मिली। उसकी बाजुओं ने टाई बांधने से बने निशान छिपा लिए थे। फिर मैं एक भी पल गंवाए बिना बड़े कमरे में चल दी।

"ये रही!" क्रिस्टियन अपने काउच से उठ खड़ा हुआ

उसके चेहरे के भाव गरमाहट और प्रशंसा से भरे हैं। सफेद बालों वाली महिला उठी और मुझे चकाचक मुस्कान देते हुए आगे आईं। उन्होंने भूरे रंग के स्वेटर के साथ मेल खाते जूते पहन रखे हैं। वे दिखने में ही शालीन, भद्र और सभ्य दिख रही हैं और मैं यह जानकर अंदर ही अंदर मर रही हूं कि मैं उन्हें इस हाल में कैसी दिख रही होऊंगी।

"मॉम! ये है एनेस्टेसिया स्टील! एनेस्टेसिया! ये हैं ग्रेस ट्रैवलियन-ग्रे।"

डॉ. ट्रैवलियन ग्रे ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। टी से ट्रैवलियन...अच्छा उसके साइन होते हैं।

"तुमसे मिल कर खुशी हुई।" वे बोलीं। अगर मैं गलत नहीं हूं तो पता नहीं क्यों मुझे उनके सुर में एक अजीब-सी राहत का एहसास हुआ। आंखें प्यार भरी गरमाहट से चमक रही थीं। मैंने उनका हाथ थामा और वही प्यार भरी मुस्कुराहट दिए बिना रहा नहीं गया।

"डॉ. ट्रैवलियन ग्रे!" मैं हौले से बोली

"मुझे ग्रेस कहो।" वे मुस्कुराईं और क्रिस्टियन ने भवें नचाईं। "वैसे मेरा नाम डॉट्रैवलियन है और मिसेज ग्रे मेरी सासू मां हैं।" उन्होंने आंख दबाई "तो तुम दोनों कैसे मिले?" वे अपना कौतूहल छिपा नहीं सकीं और क्रिस्टियन को सवालिया निगाहों से देखा।

"एनेस्टेसिया ने डब्ल्यूएसयू के स्टूडेंट पेपर के लिए मेरा इंटरव्यू लिया था क्योंकि मैं इस सप्ताह वहां डिग्रियां देने वाला हूं।"

हो गया कबाड़ा! मैं तो भूल ही चुकी थी।

"तो इस सप्ताह तुम ग्रेजुएट होने जा रही हो?" ग्रेस ने पूछा

"जी।"

मेरा सेल फोन बजने लगा। मैंने मन ही मन सोचा कि केट ही होगी।

"एक्सक्यूज़ मी! ये किचन में रखा है।"

मैंने आगे जाकर नाश्ते की मेज से फोन उठा लिया और नंबर भी नहीं देखा।

"हैलो केट!"

"एना!!"

अरे, ये तो जोस की आवाज़ है। वह बड़ा ही मायूस लगा। "तुम कहां हो! मैं तुम्हें कब से खोज रहा हूं। मैं तुमसे मिलना चाहता हूं। शुक्रवार को मैंने जो भी बर्ताव किया, उसके लिए माफी मांगना चाहता हूं। तुमने मेरे कॉल का जवाब क्यों नहीं दिया?"

"देखो जोस! अभी इन बातों के लिए सही वक्त नहीं है।" मैंने कनखियों से क्रिस्टियन को ताका, जो मुझे ही घूर रहा था, उसने चेहरे के इन्हीं भावों के साथ अपनी मॉम से कुछ कहा। मैंने उसकी ओर से पीठ मोड़ ली।

"तुम कहां हो? केट भी छका रही है।" वह बोला

"मैं सिएटल में हूं।"

"तुम सिएटल में क्या कर रही हो? कौन है तुम्हारे साथ?"

"जोस! मैं बाद में बात करूंगी। अभी बात नहीं कर सकती।" मैंने फोन रख दिया।

मैं क्रिस्टियन और उसकी मॉम के पास वापिस आ गई। ग्रेस पूरे मूड में दिखीं।

"......और इलियट ने बताया कि तुम आए हुए हो–डार्लिंग! तुम्हें देखे हुए दो सप्ताह हो गए थे।"

"क्या उसने अभी फोन किया था? क्रिस्टियन मुझे घूरते हुए हौले से बोला पर उसके चेहरे के भाव समझ नहीं आ रहे थे।

"मैंने सोचा था कि लंच एक साथ लेते पर मैं देख सकती हूं कि तुम्हारे पहले से ही कुछ प्लांस बने हुए हैं और मैं तुम्हारे कार्यक्रम में दखल नहीं देना चाहती।" उन्होंने अपना क्रीम रंग का लंबा कोट उठाया और उसकी तरफ मुड़ते हुए अपना गाल आगे कर दिया। क्रिस्टियन ने प्यार से उनका गाल चूमा पर उन्होंने उसे नहीं छुआ।

"मुझे एनेस्टेसिया को वापिस पोर्टलैंड ले जाना है।"

"बेशक डार्लिंग! एनेस्टेसिया, तुमसे मिल कर अच्छा लगा। उम्मीद करती हूं कि हमारी अगली मुलाकात जल्द ही होगी।" उन्होंने अपना हाथ आगे किया और हमने अपने हाथ मिलाए।

टेलर पता नहीं कहां से फिर प्रकट हो गया। कहां?

" मिसेज ग्रे?" उसने पूछा

"थैंक यू टेलर!" वह उन्हें कमरे से बाहर बरामदे तक ले गया। टेलर सारा समय यहीं था? ये यहां कितने समय से था? कहां था?

क्रिस्टियन ने मुझे घूरा

"तो फोटोग्राफर का फोन था?"

हो गया कबाड़ा!

"हां।"

"वह चाहता क्या है?"

"बस माफी मांग रहा था। वही उस दिन वाली बात...।"

क्रिस्टियन ने आंखें सिकोड़ीं।

"आई सी!" उसने इतना ही कहा

टेलर फिर से हाज़िर हो गया।

"मि. ग्रे! डारफर शिपमेंट के मामले में बात करनी थी।"

क्रिस्टियन ने उसकी ओर गर्दन घुमाई

"चार्ली टैंगो बोईंग फील्ड पहुंच गया?"

"जी, सर।"

टेलर ने मुझे देखकर गर्दन हिलाई।

"मिस स्टील!"

मैंने भी उसे देखकर मुस्कान दी और वह मुड़कर लौट गया।

"क्या वह यहीं रहता है? टेलर?"

"हूं!" उसने सख़्त सुर में जवाब दिया। इस बंदे की मुश्किल क्या है?

क्रिस्टियन रसोई की ओर गया और अपना ब्लैकबैरी उठा लिया, शायद कुछ ई-मेल देख रहा था। उसने एक फोन मिलाया तो चेहरे पर गंभीर सी रेखाएं खिंच गईं।

"रोस! क्या दिक्कत है?" वह झपटा। उसने बात सुनते हुए मुझे देखना जारी रखा और मैं उस बड़े से कमरे में खड़ी सोच रही थी कि क्या करूं। बेशक मैं उस जगह के लिए खुद को असहज पा रही थी।

"मैं क्रू को भी खतरे में नहीं डाल रहा। नहीं, रद्द करो...। इसकी बजाए हम...।"फिर उसने फोन रख दिया।

उसकी आंखों की गरमाहट जाने कहां गुम हो चुकी थी। उसने मुझे ताका और अपनी स्टडी की तरफ चल दिया और वहां से लौट भी आया।

"ये रहा अनुबंध! इसे पढ़ो और हम अगले सप्ताहांत पर चर्चा करेंगे। मैं सलाह दे सकता हूं कि तुम थोड़ी खोजबीन कर लो ताकि तुम्हें कम से कम पता तो हो कि इसमें क्या-क्या होता है। अगर...तुम तैयार हो तो... और मुझे पूरी उम्मीद है कि तुम तैयार ही होगी।" उसने अपने सुर में बदलाव लाते हुए कहा

रिसर्च??

"तुम इंटरनेट पर इस बारे में जान कर तो हैरान रह जाओगी।" वह हौले से बोला

इंटरनेट? मेरे पास तो कंप्यूटर तक नहीं है और जब भी काम पड़ता है तो केट से लैपटॉप उधार ले लेती हूं और मैं क्लेटन वाले कंप्यूटर का प्रयोग नहीं कर सकती, खासतौर पर इस तरह के काम के लिए तो बिल्कुल भी नहीं!!

"क्यों, क्या हुआ?" उसने एक ओर गर्दन झुकाते हुए कहा।

"मेरे पास कंप्यूटर नहीं है। मैं स्कूल में उसका इस्तेमाल किया करती थी। देखूंगी कि केट से उधार मिल सका तो......।"

उसने मेरे हाथ में एक मनीला लिफाफा थमा दिया।

"मुझे पक्का यकीन है...मैं तुम्हें एक उधार दे सकता हूं... अपना सामान ले लो। हम कार से पोर्टलैंड चलेंगे और रास्ते में कहीं लंच भी ले लेंगे। मुझे भी कपड़े बदलने हैं।"

"मुझे एक फोन करना है।" मैं हौले से बोली। मैं बस केट की आवाज़ सुनना चाहती थी। उसने त्योरी चढ़ाई।

"फोटोग्राफर को?" उसके जबड़े कस गए और आंखें जलने लगीं। मैंने उसे देखकर पलकें झपकाईं। "मिस स्टील! याद रखना, मैं कुछ भी बांटना पसंद नहीं करता।" उसके सुर की धमकी या चेतावनी आसानी से सुनी जा सकती थी, उसने मुझे ठंडी निगाह से देखा और अपने बेडरूम की ओर चल दिया।

सत्यानाश!! मैं तो केट को फोन करने जा रही थी। मैं चाहती थी कि उसके जाने के बाद फोन करूं पर अचानक ही ये सब हो गया। उस उदार, प्यारे और दिलकश इंसान का क्या हुआ जो कुछ ही देर पहले मुझसे प्यार जता रहा था?

"तैयार?" हम बरामदे के पास वाले दोहरे दरवाजे के पास जाकर खड़े हुए तो क्रिस्टियन ने कहा।

मैंने अनिश्चितता से सिर हिलाया। वह फिर से अपने सुदूर, विनीत और संभले हुए जामे में आ गया था। अपना मुखौटा पहन कर दुनिया में आने के लिए तैयार! उसने हाथ में एक छोटा बैग ले रखा है। उसकी उसे क्या ज़रूरत है? शायद वह पोर्टलैंड में ठहरेगा..ओह फिर मुझे ग्रेजुएशन वाली बात याद आई। वीरवार को वह वहीं होगा। उसने काले चमड़े की जैकेट पहनी हुई है। बेशक, वह कहीं से भी अरबपति-ख़रबपति टाइप का रईसज़ादा तो नहीं लगता। इन कपड़ों में तो वह ऐसा ही लग रहा है मानो कोई बददिमाग रॉक स्टार हो या फिर कोई कैटवॉक करने वाला मॉडल! मैंने मन ही मन आह भरी और सोचा कि काश मुझमें उसकी अदा का दसवां हिस्सा भी होता। वह कितना शांत और संयमित दिखता है। मैंने याद किया कि जोस के नाम पर वह कैसे भड़क गया था, तब अचानक मेरी भी त्योरी चढ़ गई।

टेलर वहीं मंडरा रहा है।

"कल मिलते हैं।" उसने टेलर से कहा और उसने हामी भरी।

"जी सर! आप कौन सी गाड़ी ले जा रहे हैं?"

उसने मुझे देखा और बोला

"आर 8"

"मि. ग्रे व मिस स्टील! आपका सफर सुरक्षित हो।" टेलर ने मुझे दयापूर्वक देखा, शायद उसकी आंखों की गहराई में कहीं तरस भी छिपा दिखा।

बेशक उसे लगा होगा कि मैंने क्रिस्टियन के बेतुकी आदतों के लिए हामी दे दी है। या फिर सेक्स सबके लिए ऐसा ही होता होगा। दरअसल मैं कुछ जानती नहीं और केट से भी नहीं पूछ सकती। मुझे क्रिस्टियन से इस बारे में बात करनी ही होगी। ये तो स्वाभाविक है कि मुझे किसी से तो करनी ही है और मैं उससे बात करने के बारे में नहीं सोच सकती। वह एक मिनट में खुल कर बात करता है तो दूसरे ही पल अपने खोल में बंद हो जाता है।

टेलर ने हमारे लिए दरवाज़ा खुला रखा और हम बाहर आ गए। क्रिस्टियन ने लिफ्ट के लिए बटन दबाया।

"क्या बात है?" एनेस्टेसिया। उसे कैसे पता कि मेरे दिमाग में कुछ चल रहा है। वह मेरे पास आया और मेरा चिबुक थाम लिया।

"अपना होंठ काटना बंद करो वरना......।"

मैं शरमाई पर उसके चेहरे के कोनों पर भी मुस्कान दिखी। शुक्र है कि उसका मूड ठीक हो गया।

"क्रिस्टियन! एक बात है?"

"ओह?" वह पूरा ध्यान दे रहा था।

लिफ्ट आई। हम भीतर गए और उसने 'जी' लिखा हुआ बटन दबा दिया।

खैर! मैं सोच में पड़ गई कि ये बात कहूं कैसे। "मुझे केट से बात करनी होगी। मुझे सेक्स के बारे में बहुत कुछ पूछना है और तुम इन बातों में इस कदर शामिल हो। अगर तुम चाहते हो कि मैं यह सब करूं तो मैं कैसे जान सकती हूं?" मैंने रुक कर कुछ शब्द तलाशने चाहे। मेरे पास तो संदर्भ के लिए भी कोई जानकारी नहीं है

उसने अपनी आंखें मटकाई।

"अगर लगता है कि ऐसा करना है तो उससे बात कर लो। बस ये ध्यान रहे कि वह इस बारे में इलियट से चर्चा न करे।"

मैंने मन ही मन हिसाब लगाया-नहीं, केट ऐसी नहीं है।

"वह ऐसा नहीं करेगी और अगर उसने मुझे इलियट के बारे में कुछ बताया तो मैं भी तुम्हें नहीं बताऊंगी।" मैंने झट से कहा

"हां! फ़र्क इतना है कि मैं उसकी सेक्स लाइफ के बारे में जानना ही नहीं चाहता। वह पक्का कमीना है...। अगर केट को पता चल गया कि मैं तुम्हारे साथ क्या करना चाहता हूं तो बेशक मेरी कमज़ोर नस उसके हाथ में होगी।"

"ओ.के.।" मैंने हामी भरी और मुस्कुराई।

केट क्रिस्टियन पर इस बात को लेकर हावी हो जाए, ये तो मैं कभी नहीं चाहूंगी।

"तुम जितनी जल्दी मेरी सेक्स गुलाम बनने की हामी दोगी, उतनी जल्दी हम ये सब बंद कर सकते हैं।" वह हौले से बोला

"क्या बंद कर सकते हैं?"

"वही, तुम्हारी ओर से मेरा विरोध। उसने मेरे होंठों पर हल्का सा चुंबन दिया और लिफ्ट का दरवाजा खुलते ही हाथ थाम कर भूमिगत गैराज की ओर चल दिया।

मैं उसका विरोध कर रही हूं...पर कब? कैसे?

मैं लिफ्ट के पास खड़ी ऑडी देख सकती थी, बेशक कार काफी आलीशान थी और मैं तो देखकर दंग ही रह गई। उसका हुड हटाया जा सकता था।

"बढ़िया गाड़ी है।" मेरे मुंह से निकला।

उसने देखकर खीसें निपोरीं।

"मैं जानता हूं।" और फिर एक ही झटके में वहीं जवां, बेपरवाह, प्यारा और मुक्तमन क्रिस्टियन मेरे सामने था। मेरा दिल खिल गया। वह कितना उत्साहित लग रहा है। लड़के और इनके खिलौने, क्या कहें! मैंने भी आंखें नचाई पर अपनी मुस्कान को रोक नहीं पाई। उसने मेरे लिए दरवाज़ा खोला और मैं झट से उसमें जा बैठी। वह बड़े ही अंदाज़ से गाड़ी में बैठाऔर उसका लंबा फ्रेम मेरे साथ खोल दिया। उसने यह कैसे किया?

"तो यह किस तरह की कार है?"

"ये ऑडी आर ८ स्पाइडर है। आज का दिन प्यारा लग रहा है; हम इसकी छत हटा सकते हैं। वहां एक बेसबॉल कैप है। शायद दो होनी चाहिए।" उसने दस्ताने रखने वाले बॉक्स की ओर संकेत किया। "अगर चाहो तो वहां से धूप के चश्मे भी ले सकती हो।"

उसने चाबी घुमाई और इंजिन चालू हो गया। फिर हमारी सीटों के पीछे वाली जगह पर अपना बैग रख दिया। एक ही झटके में हम वहां से बाहर सड़कों पर थे। मई माह की प्यारी सी सुबह ने स्वागत किया।

मैंने दस्ताने और कैप पहन लिए। हू...लगता है कि इसे बेसबॉल पसंद है। मैंने उसे कैप दी तो उसने भी पहन ली।

जब हम सड़कों से निकल रहे थे तो लोग हमें घूर रहे थे। एक पल के लिए लगा कि वे उसे देख रहे थे या ऐसा लगा कि वे मुझे घूर रहे हैं कि पिछले बारह घंटों में मैंने क्या-क्या किया है पर फिर समझ आया कि ये तो कार का चमत्कार था। क्रिस्टियन अपनी ही धुन में मग्न था।

यातायात हल्का हुआ और हम इंटरस्टेट 5 की ओर चल दिए। ब्रूस का संगीत गाड़ी में गूंज रहा था। क्रिस्टियन के चेहरे पर रे-बैन होने के कारण भाव समझ नहीं आ रहे थे। उसने अपना हाथ बढ़ा कर मेरे घुटने पर रखा और मेरी सांस अटक गई।

"भूख लगी है?" उसने पूछा

खाने की नहीं

"नहीं, ऐसी बात नहीं है।"

उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं खिंच गईं।

"एनेस्टेसिया! तुम्हें खाने पर ध्यान देना चाहिए। मुझे ओलंपिया के पास एक जगह पता है। हम वहीं रुकेंगे।" उसने मेरा घुटना फिर से दबाया और गाड़ी की गति बढ़ा दी। मैं अपनी सीट से लग कर बैठ गई।

रेस्त्रां छोटा सा और दिखने में अंतरंग लगा। घने वन के बीच लकड़ी से बने केबिन! वहां की सजावट में भी जंगल की महक है। मेजों पर जंगली फूल सजे हैं। दरवाजे पर बड़े से अक्षरों में नाम चमक रहा था।

"मैं काफी समय से यहां नहीं आया। हमारे पास कोई चुनाव नहीं है क्योंकि यहां वही पकता है, जो ये पकड़ते हैं या इकट्ठा कर पाते हैं।" उसने नकली डर से भौं नचाई और मुझे हंसना पड़ा। महिला वेटर हमारा ऑर्डर लेने आ गई। जब उसने देखा कि क्रिस्टियन उसे बिल्कुल भाव नहीं दे रहा तो उसके चेहरे की नाराज़गी देखने लायक थी। सिर्फ मैं ही क्रिस्टियन की दीवानी नहीं, उसे भी वह भा गया था।

"दो गिलास पिनोट ग्रिगिओ।" क्रिस्टियन ने बड़े अधिकार से कहा। मैंने अपने होंठ भींचे।

"क्या?" वह बोली।

"मैं तो डाइट कोक लेना चाहती थी।" मैंने कहा

उसकी भूरी आंखें सिकुड़ीं और उसने सिर हिलाया।

"ये यहां की बहुत अच्छी वाइन है। हमें खाने को जो भी मिलेगा, ये उसके साथ अच्छी रहेगी।"

"हमें जो भी मिलेगा।"

"हां।" वह अपना सिर एक ओर मोड़ते हुए मुस्कुराया। मैं उसकी मुस्कुराहट का जवाब दिए बिना रह न सकी।

"मेरी मॉम को तुम अच्छी लगीं।"

"सच्ची?" उसकी बात सुन कर मुझे खुशी हुई

"अरे हां! उन्हें तो हमेशा से यही लगता था कि मैं एक समलैंगिक हूं।"

मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। मुझे अपना ही सवाल याद आ गया। वही इंटरव्यू वाला...क्या आप...हैं?

"उन्हें ऐसा क्यों लगता था कि तुम...।" मैंने पूछा

"क्योंकि उन्होंने कभी मुझे किसी लड़की के साथ नहीं देखा।"

"ओह... उन पंद्रह में से भी नहीं?"

वह मुस्कुराया।

"तुम्हें याद रहा। नहीं, उनमें से किसी के साथ भी नहीं देखा।"

"अच्छा!"

"तुम्हें पता है एनेस्टेसिया! इस सप्ताह में ऐसी बहुत सी बातें पहली बार हुई, जो मेरे जीवन में कभी नहीं घटीं।" वह हौले से बोला

"जैसे?"

मैं कभी किसी के साथ नहीं सोया, अपने बिस्तर में किसी के साथ सेक्स नहीं किया, किसी लड़की को चार्ली टैंगो में नहीं बिठाया और न ही किसी लड़की को अपनी मां से मिलवाया। तुम मेरे साथ कर क्या रही हो?" उसकी आंखों की गहराई ने तो जैसे मेरी जान ही ले ली।

तभी वेटर हमारे गिलास ले आई और मैंने झट से एक घूंट भरा। क्या वह खुलना चाहता है या फिर यूं ही समय बिता रहा है।

"मैंने भी इस सप्ताहांत का पूरा आनंद लिया।" मैं बुदबुदाई। उसने अपनी आंखें सिकोड़ीं।

"अपना होंठ काटना बंद करो। मुझे भी अच्छा लगा।"

"वैसे ये वनीला सेक्स क्या होता है?" मैंने खुद को उसकी गहरी और सेक्सी नज़रों से परे रखने के लिए पूछ लिया।

वह हंसा–"एनेस्टेसिया! किसी तरह के सामान या खिलौनों के बिना किया जाने वाला सेक्स वनीला सेक्स कहलाता है। इसका यही मतलब होता है।"

ओह! मुझे लगा कि ये तो चॉकलेट फज ब्राउनी सेक्स था जिसके ऊपर चैरी भी लगी थी। पर हे, मैं अभी जानती ही क्या हूं?

तभी हमारे लिए सूप आ गया और हम दोनों ने उसे शक्की निगाहों से देखा।

"नेटल सूप!" वेटर हमें बता कर चली गई। लगता है कि उसे क्रिस्टियन की बेरुखी अच्छी नहीं लगी। मैंने चख कर देखा तो अच्छा लगा। क्रिस्टियन और मैंने एक-दूसरे को देखा और एक साथ राहत की सांस ली। मैं हंस दी और उसने अपना सिर एक ओर झुका दिया।

"ये आवाज़ अच्छी लगती है।"

"तुमने पहले कभी वह वनीला सेक्स क्यों नहीं किया? क्या तुम हमेशा...वही करते हो जो करते आए हो?" मैंने पूछा

उसने हौले से हामी भरी।

मन ही मन अपने-आप से जूझने के बाद उसने जैसे कोई फैसला सा लिया और बोला-"जब मैं पंद्रह साल का था तो मुझे मेरी मॉम की एक सहेली ने फुसलाया था।"

"ओह! इतनी कमसिन उम्र में?"

"उसकी पसंद कुछ अलग ही थी। मैं पूरे छह साल तक उसका सेक्स गुलाम बन कर रहा।" उसने कंधे झटके।

ओह! मेरा दिमाग तो जैसे सुन कर सन्नाटे में आ गया।

"तो एनेस्टेसिया! मैं इस बारे में सब कुछ जानता हूं।" उसकी आंखें चमक उठीं।

मैंने उसे घूरा पर कुछ पता नहीं लगा सकी। आज तो मेरे भीतर से चिल्लाने वाली लड़की भी मुंह दुबकाए बैठी थी।

"मुझे सचमुच सेक्स के बारे में कोई आम या औसत जानकारी नहीं मिली।"

कौतूहल बढ़ता जा रहा था।

"तो तुमने कॉलेज में कभी किसी लड़की से दोस्ती नहीं की?"

"नहीं।" उसने अपनी गर्दन हिलाई।

तभी वेटर आई और हमारे सूप के खाली कटोरे ले गई।

"क्यों?" मैंने उसके जाते ही पूछा

वह उदासी से मुस्कुराया।

"क्या तुम सचमुच जानना चाहती हो?"

"हां।"

"मैं नहीं चाहता था। मुझे तो बस वही भाती थी और उसी की ज़रूरत थी। वैसे भी उसे पता चलता तो शायद मेरी जान ही निकाल देती।" वह प्यार से मुस्कुराया।

ओह! इतनी सारी जानकारी–पर मुझे तो और जानना है।

"तो अगर वह तुम्हारी मॉम की सहेली थी तो उसकी उम्र क्या थी?"

उसने व्यंग्य से कहा–"इतनी तो थी कि सब कुछ बेहतर जानती थी।"

"क्या अब भी उससे मिलते हो?"

"हां?"

"क्या अब भी तुम...?"

"नहीं!" उसने गर्दन हिला कर कहा–"वह एक अच्छी दोस्त है।"

"ओह! क्या तुम्हारी मॉम जानती हैं?"

उसने मुझे उन नज़रों से घूरा जो कह रही थीं 'पागल हुई हो क्या?'

"बेशक नहीं!!"

तभी वेटर हमारे लिए वेनीसन यानी हिरण का मांस परोस लाई पर मेरी भूख तो कब की हवा हो चुकी थी। क्या बात सामने आई थी!!!......क्रिस्टियन और किसी का सेक्स गुलाम!

मैंने अपनी वाइन से एक बड़ा सा घूंट भरा–उसने सही कहा था, ये तो काफी स्वादिष्ट है। हाय भगवान! इतनी बातों के सिरे खुलते जा रहे हैं, मैं क्या करूं? मुझे अकेले में यह सारी जानकारी हजम करने के लिए समय चाहिए, इस समय तो कुछ सोचने का सवाल ही नहीं पैदा होता। एक तो वह पहले ही इतना ज़बरदस्त इंसान है कि उसके सामने मेरी बोलतीबंद हो जाती है और ऊपर से ऐसी-ऐसी बातें बता रहा है कि क्या कहूं?

"पर मैं यह सब करने के लिए पूरा समय नहीं दे सकती?" मैंने थोड़ी उलझन के साथ कहा

"नहीं, ऐसा नहीं कि मैं भी पूरा समय यही करता था। मुझे भी स्कूल या कॉलेज जाना होता था। एनेस्टेसिया! खाओ!"

"क्रिस्टियन! मुझे सच में भूख नहीं है। मैं तो तुम्हारी बातों से हिली पड़ी हूं।"

उसके चेहरे के भाव कठोर हो गए। " खाओ!" उसने धीरे से कहा और खाने लगा।

मैंने उसे घूरा। ये आदमी–इसे इसकी किशोरावस्था में यौन शोषण झेलना पड़ा–इसके सुर में कितनी धमकी भरी है।

"एक मिनट!" उसने दो बार पलकें झपकाई।

"अच्छा!" वह बोला और अपना खाना खाने लगा।

अगर मैंने कागज़ों पर हस्ताक्षर कर दिए तो हमेशा मुझे उसका हुक्म मानना होगा। क्या मैं सचमुच यही सब चाहती हूं? मैंने इसी बेध्यानी में कांटे और छुरी से मांस काट कर मुंह में डाला।

"क्या ......हमारा रिश्ता भी ऐसा ही होगा?" मैं फुसफसाई। "तुम मुझ पर हुक्म चलाते रहोगे?" मैंने कह ही दिया

"हां!" वह बोला

"ओह!"

"और...तुम मुझसे क्या चाहती हो।" उसने पूछा

मैंने एक और टुकड़ा अपने मुंह में रखा।

"ये एक बड़ा कदम होगा।" मैंने कहा और खाने लगी।

हां, सो तो है। उसने पल भर के लिए आंखें मूंद ली। जब उसने उन्हें खोला तो वे उदास दिखीं। "एनेस्टेसिया! तुम्हें अपने दिल की सुननी होगी। थोड़ी जानकारी नेट से लो और अनुबंध पढ़ो–मैं किसी भी पहलू के बारे में बात करने के लिए राजी हूं बल्कि मुझे खुशी होगी। मैं शुक्रवार तक पोर्टलैंड में ही हूं, अगर तुम उससे पहले बात करना चाहो तो। मुझे फोन करना। हो सकता है कि हम बुधवार को रात का खाना एक साथ ले सकें। मैंने आज तक किसी भी संबंध के लिए स्वयं को इतना उत्सुक नहीं पाया, जितना आग्रह इसके लिए महसूस कर रहा हूं।"

उसकी चाह और गंभीरता आंखों से झलक रही है। मैं यही समझ नहीं पा रही। मैं हीक्यों? उन पंद्रह में से कोई क्यों नहीं? अरे नहीं...क्या मैं भी एक नंबर बन जाऊंगी? सोलह नंबर.....

"उन पंद्रह का क्या हुआ?"

उसने हैरानी से अपनी भौं उठाई और सिर हिलाते हुए बोला

"कई कारण थे पर सबसे अहम बात थी-अनुकूलता का अभाव।"

"और तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारे अनुकूल हूं?"

"हां।"

"तो तुम उनमें से किसी से भी नहीं मिलते?"

"नहीं, एनेस्टेसिया! मैं उनमें से किसी से भी नहीं मिलता। मैं एक बार में एक ही स्त्री से संबंध बनाने में यकीन रखता हूं।"

ओह...ये तो एक ख़बर है।

"अच्छा!"

"एनेस्टेसिया! तुम इस बारे में थोड़ी खोजबीन करो।"

मैंने कांटा-छुरी नीचे रख दिया। और नहीं खा सकती।

"बस यही? तुम इतना ही खा कर बस करने वाली हो?"

मैंने हामी भरी। उसे गुस्सा तो आया पर बोला कुछ नहीं। मैंने चैन की सांस ली। मेरे पेट में इतनी सारी जानकारी से खलबली मची है। ऐसे में खाने की किसी सूझती है? शायद अल्कोहल से भी थोड़ा सिर चकरा रहा है। वह तो घोड़े की तरह खाता है। बेशक ये फिगर बनाए रखने के लिए उसे काफी कसरत करनी पड़ती होगी। मेरे दिमाग में, अपने पाजामे में डोलते क्रिस्टियन की छवि घूम गई, जो ध्यान को दूसरी ओर ले जाने के लिए काफी थी। मैंने बेचैनी से पहलू बदला। उसने मुझे देखा और मैं खिसिया गई।

"तुम उस समय क्या सोच रही हो, अगर कोई ये बता दे तो मैं उसे कुछ भी देने के लिए तैयार हूं।" वह बोला और मैं सकुचा गई।

उसने दुष्टता से भरी मुस्कान दी।

"वैसे मैं अदाज़ा लगा सकता हूं।" उसने मुझे चिढ़ाया।

"मुझे खुशी है कि तुम मेरा मन पढ़ सकते हो।"

"एनेस्टेसिया! तुम्हारा मन नहीं, मैं तुम्हारा शरीर पढ़ सकता हूं–जिसे मैंने एक ही दिन में काफी हद तक जान लिया है।" उसकी आवाज़ में एक अदा है। वह अचानक अपने मूड कैसे बदल लेता है। वह बड़ा ही फुर्तीला है......इससे होड़ लेना आसान नहीं है।

उसने बिल लाने के लिए संकेत किया। बिल देने के बाद मेर हाथ थाम कर बाहर ले आया।

"आओ!" वह हाथ थाम कर मुझे कार तक ले गया। मुझे उससे ऐसे संपर्क की उम्मीद बिल्कुल नहीं थी, बिल्कुल ही सादा और अंतरंग स्पर्श! वह अपने 'पीड़ादायी लाल कमरे' में जो भी करना चाहता है, उसे याद करके तो इस रूप की कल्पना तक नहीं की जा सकती।

हम ओलंपिया से वैंकूवर जाते समय शांत रहे। दोनों अपनी-अपनी सोच में खोए थे। जब उसने मेरे अपार्टमेंट के बाहर गाड़ी पार्क की तो शाम के पांच बज रहे थे। बत्तियां जल रही हैं यानी केट घर में है। बेशक जब तक इलियट यहां था, तब तक तो सामान बांधने का सवाल ही पैदा नहीं हुआ होगा। उसने इंजिन बंद किया और मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे उसे छोड़कर जाना है।

"क्या तुम अंदर आना चाहते हो?" मैंने पूछा। मैं नहीं चाहती कि वह जाए। मैं हमारे

साथ को और भी लंबा बनाना चाहती हूं।

"नहीं! मुझे कुछ काम है।" उसने मुझे घूरते हुए कहा

मैं अपने हाथों को घूरने लगी और अंगुलियां आपस में गुंथ गईं। अचानक मैं भावुक हो उठी। वह जा रहा है। उसने अचानक मेरा हाथ धीरे से अपने हाथ में लिया और चूम लिया। ये अलविदा कहने का बेहद पुराना पर प्यारा सा तरीका है। मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया।

"एनेस्टेसिया! इस सप्ताहांत के लिए धन्यवाद। यह......बहुत बेहतर था। फिर बुधवार? तुम जहां से कहोगी, वहीं से तुम्हें ले लूंगा।" उसने हौले से कहा।

"बुधवार!" मैं फुसफुसाई।

उसने फिर से मेरा हाथ चूमा और मेरी गोद में वापिस रख दिया। वह कार से बाहर आया और मेरी ओर का दरवाजा खोल दिया। उसके जाने का इतना दुख क्यों हो रहा है? गले में जैसे कुछ अटक सा गया हो।

मैं नहीं चाहती कि वह मुझे इस हाल में देखे। मैं चेहरे पर एक मुस्कान चिपकाए कार से निकल कर आगे चल दी, जानती हूं कि अंदर जाकर मुझे केट के सवालों की तोप का जवाब देना है। मैं मुड़ी और उसे देखा। मैंने खुद को चिढ़ाया-स्टील! जरा हिम्मत दिखा।

"ओह......वैसे मैंने तुम्हारा अंडरवियर पहन रखा है।" मैंने एक मुस्कान के साथ उसके बॉक्सर ब्रीफ की पट्टी को दिखाते हुए कहा। क्रिस्टियन का मुंह खुला का खुला रह गया। क्या रिएक्शन है? मेरा मूड अचानक बदल गया और मैं घर में घुस गई। जी में तो आ रहा था कि हवा में एक घूंसा उछाल दूं। जी हां! मेरे भीतर बसी लड़की उमंग में थी!!!!

केट बड़े कमरे में बैठी अपनी किताबें एक बक्से में बंद कर रही थी।

"तू आ गई। क्रिस्टियन कहां है? कैसी है?" उसकी आवाज़ में चिंता और उत्सुकता दोनों ही छलक रहे हैं और उसने कंधों से पकड़कर मुझे सिर से पांव तक अच्छी तरह निहारा।

हाय! मुझे इस अड़ियल केट के सवालों के जवाब देने हैं और वहां मैं एक ऐसे अनुबंध पर हस्ताक्षर कर आई हूं, जिसके अनुसार मैं क्रिस्टियन के राज़ किसी के सामने नहीं खोल सकती। अजीब उलझन है!

"कैसा रहा?" इलियट के जाने के बाद से तेरी तरफ ही ध्यान लगा रहा। वह शरारत से भरी हंसी हंस दी।

मैं भी उसकी चिंता और कौतूहल को देख अपनी मुस्कान नहीं दबा सकी पर अचानक ही मुझे लज्जा अनुभव होने लगी। ये सब तो बहुत ही गोपनीय और निजी था। सब कुछ। क्रिस्टियन ने जो कुछ भी कहा या दिखाया, वह सब छिपाने के लिए था पर मुझे केट को कुछ तो बताना ही था वरना वह मेरी जान नहीं छोड़ने वाली थी।

"ये अच्छा रहा केट! बहुत अच्छा।" मैंने अपनी शर्मिंदगी से भरी मुस्कान छिपाते हुए कहा।

"तुझे क्या लगता है?"

"मैं किसी चीज़ से इसका मुकाबला नहीं कर सकती।"

"क्या उसने तुझे...?"

हाय! ये भी कैसे नंगे तरीके से सब पूछ लेती है!

"हां!!" मैं हकलाई।

केट ने मुझे काउच पर बिठा दिया। उसने मेरे हाथ जकड़ लिए।

ये तो अच्छी बात है। केट ने हैरानी और अविश्वास से देखा। "ये तो तेरे लिए पहली बार था। वाउ! कम से कम क्रिस्टियन ये तो जानता ही होगा कि वह क्या कर रहा है?"

ओह केट! काश तू जान पाती।

"मेरी पहली रात तो बड़ी जानलेवा थी।" उसने कहा और मेरी दिलचस्पी भी जाग गई क्योंकि उसने पहले कभी इस बारे में बात नहीं की थी।

"हां! स्टीव पैट्रोन। हाईस्कूल। बेहूदा जोकर।" उसने कंधे झटके।

"उसका बर्ताव काफी कठोर था। मैं तैयार नहीं थी। हम दोनों ही नशे में थे। तुझे तो पता ही है–वही टीनएज की बेअक्ली!! ओह! इससे पहले कि मैं कभी दूसरी बार यह सब करने के बारे में सोचती, मुझे संभलने में महीनो लग गए थे और वह भी उसके साथ तो बिल्कल नहीं। मैं बहुत छोटी थी। अच्छा हुआ कि तूने सही उम्र का इंतज़ार किया।"

"केट! ये सब सुनने में ही बुरा लग रहा है।"

केट विषाद में दिखी।

"हां! मुझे इस तरह के शारीरिक संबंधों से चरम सुख पाने के लिए पूरा साल लग गया था और तू किस्मतवाली है कि पहली ही बार में......?"

मैंने शरमाते हुए हामी दी। मेरे भीतर बैठी लड़की बड़े ही संतुष्ट भाव से कमल मुद्रा में विजयी मुस्कान के साथ विराजमान है।

"मुझे खुशी है कि तेरा कौमार्य किसी ऐसे व्यक्ति के हाथों भंग हुआ जो कम से कम इन बातों को जानता और समझता तो होगा।" उसने आंख दबाई। "तो दोबारा कब मिल रही है?"

"बुधवार! हम एक साथ डिनर लेने वाले हैं।"

"तो तू उसे अब भी पसंद करती है?"

"हां! पर कुछ कह नहीं सकती...आने वाले कल के लिए..."

"क्यों?"

"उसकी ज़िंदगी काफी उलझी हुई है। केट! उसकी और मेरी दुनिया में ज़मीन-आसमान का अंतर है।" चलो बहाना सही मिल गया। इस पर उसे भरोसा भी हो जाएगा। यह बताने से तो बेहतर ही है कि–उसके पास एक पीड़ादायी लाल कमरा है और वह मुझे अपना सेक्स गुलाम बनाना चाहता है।

"ओह प्लीज़! इस चीज़ को पैसे से मत जोड़। इलियट भी बता रहा था कि आमतौर पर क्रिस्टियन कभी किसी लड़की से नहीं मिलता।"

"क्या उसने ऐसा कहा?" मैंने पूछा

स्टील! बात तो साफ है। मेरे भीतर बैठी लड़की ने बोला और अपनी अंगुली से इंसाफ के तराज़ू को दिखाते हुए धमकाया कि अगर मैंने कुछ ज्यादा बका तो वह मुझ पर मुकदमा कर सकता था। हुं...ज्यादा से ज्यादा क्या कर लेगा? मेरा पैसा ले लेगा?

वैसे मैंने खुद को याद दिलाया जब उसके काम की रिसर्च करूंगी तो गूगल पर ये भी देखना है कि किसी एनडीए को भंग करने पर क्या-क्या जुर्माना भरना पड़ सकता है। ऐसा लग रहा था कि मुझे स्कूल के लिए कोई काम दिया गया हो। शायद मुझे ग्रेड मिले। मैं खिसिया गई, मुझे आज सुबह के स्नान वाला अनुभव याद आ गया।

"एना! क्या है?"

"मैं क्रिस्टियन की एक बात याद कर रही थी।"

"तू कुछ अलग सी दिख रही है।" उसने लगाव से कहा

"हां मैं खुद भी कुछ अलग महसूस कर रही हूं और बदन में...।"

केट ने हैरानी से आंखें फैलाई और अंगड़ाई लेकर बोली

"सच्ची! यहां भी यही हाल है।"

"हैं??"

"हां! लगता है कि कुछ ज्यादा ही हो गया।"

"ओह! दोनों भाई जानवरों से कम नहीं हैं।"

और हम दोनों हंसते-हंसते दोहरी हो गईं।

ओह! सच केट के साथ बैठकर कितना अच्छा लग रहा है। मैं ठीक वैसा ही महसूस कर रही हूं, जैसा उस दिन बार में क्रिस्टियन का फोन आने और वह सब घटने से पहले महसूस कर रही थी; बिल्कुल संतुष्ट, शांत, प्रसन्न और किसी भी तरह की उलझन से कोसों दूर।

"ज़रा इलियट के बारे में कुछ बता?"

ये सुनते ही उसने जो प्रतिक्रिया दी। उसे देखकर तो मैं दंग ही रह गई।

अरे भई! केट को ये क्या हुआ? मेरी केट तो ऐसी नहीं थी। उस मर्द ने इस पर कैसा असर कर दिया था। "वह... एना...वह तो कमाल का लड़का है। सच्ची...उसके साथ तो..क्या बताऊं।" केट के प्यार की दीवानगी साफ दिख रही थी। वह तो एक वाक्य भी सही तरीके से बोल नहीं पा रही थी।

"मुझे लगता है कि तू मुझे बताना चाह रही है कि तू उसे बहुत पसंद करती है।"

उसने पागलों की तरह गर्दन हिलाते हुए हामी भरी।

"और मैं उससे शनिवार को मिल रही हूं। वह हमें सिएटल जाने में मदद करने वाला है।"

उसने हाथों से ताली भी बजाई और काउच पर ही उछलने लगी। हे भगवान! मैं तो इस बारे में भूल ही गई थी। हमें जाने के लिए पैकिंग भी तो करनी है।

"अच्छा! उसने तो काफी मदद कर दी।" मैंने इलियट की तारीफ की। मुझे भी उसे जानना होगा। शायद वह मुझे क्रिस्टियन के बारे में कोई जानकारी दे सके।

"तो तूने कल रात क्या किया?" मैंने उससे पूछा। उसने मुझे अजीब-सी निगाहों से घूरा और फिर बिंदास बोली

"काफी हद तक वही, जो तूने किया। हालांकि पहले हमने डिनर लिया था।" फिर वह बोली-"एना! तू थकी-थकी और परेशान क्यों लग रही है?"

"ओह! दरअसल क्रिस्टियन का स्वभाव ही कुछ ऐसा है।"

"हां! मैं देख सकती हूं पर तेरे साथ तो उसका बर्ताव ठीक ही था न?"

"हां!" मैंने उसे तसल्ली दी। "मुझे भूख लगी है। कुछ बना लूं?"

उसने हामी दी और बॉक्स में किताबें पैक करने लगी।?

"तू उन चौदह हजार डॉलर की किताबों का क्या करने वाली है?" उसने पूछा।

"मैं उन्हें लौटाने जा रही हूं।"

"सचमुच?"

"ये उपहार कुछ ज्यादा ही महंगा है। मैं इसे नहीं रख सकती। खासतौर पर अब तो बिल्कुल भी नहीं।" मैंने खीसें निपोरीं और उसने हामी भरी।

"मैं समझ गई। तेरे लिए दो खत आए थे। जोस भी हर घंटे के बाद फोन करके दिमाग चाट रहा है। लगता है काफी परेशान है।"

"मैं उससे बात कर लूंगी।" मैंने कहा। अगर मैं केट को जोस के बारे में बताऊंगी तो वह उसे कल ही नाश्ते पर बुला लेगी। मैंने डाईनिंग टेबल से पत्र उठाए और खोले।

"हे! इंटरव्यू के लिए कॉल हैं। सिएटल में अगले सप्ताह के बाद, वहीं इंटर्न वाली नौकरियों के लिए!"

"कौन से प्रकाशन गृह से हैं?"

"उन दोनों से ही आ गए हैं।"

"मैंने कहा था न कि तेरी जीपीए से फायदा होगा, एना।"

केट के लिए भी सिएटल टाइम्स में इंटर्नशिप तय हो गई है। उसके पापा किसी को जानते हैं, जो आगे किसी को जानते हैं।

"इलियट को तेरे जाने के बारे में कैसा लग रहा है?"

केट रसोई में यहां-वहां मंडरा रही थी और आज शाम को पहली बार उसके चेहरे पर निराशा की झलक दिखी।

"वह समझता है। मैं जाना भी नहीं चाहती पर दो सप्ताह के लिए सागरतट पर सूरज की धूप सेंकने का लालच भी कुछ कम नहीं है। वैसे भी वहां मॉम होंगी। उन्हें लगता है कि इससे पहले कि मैं और भाई ईथन नौकरी-वौकरी के चक्कर में पडें, हमें एक पारिवारिक अवकाश मनाना चाहिए, पता नहीं फिर हमारे पास समय हो या न हो।"

मैं तो यू.एस. से भी बाहर नहीं गई और केट अपने मॉम-डैड और भाई ईथन के साथ पूरे दो सप्ताह के लिए बारबाडोस जा रही है। मैं अपने नए अपार्टमेंट में कुछ दिन केटरहितहो जाऊंगी। बड़ा अजीब लगेगा। ईथन तो पिछले साल अपनी डिग्री पूरी करने के बाद से

ही सारी दुनिया में डोलता फिर रहा है। मैं सोचने लगी कि काश छुट्टियों पर जाने से पहले मैं उससे मिल पाती। वह बड़ा प्यारा लड़का है। घंटी बजते ही मैं अपनी सोच से बाहर आ गई।

"जोस का होगा।"

मैंने आह भरी। मैं जानती हूं कि उससे बात करनी ही होगी। मैंने फोन लपका।

"हाय!"

"एना, तुम आ गई?" जोस ने मानो चैन की सांस ली।

"बेशक!" मेरे सुर से व्यंग्य झलक ही गया और मैंने फोन पर ही आंखें मटकाईं।

वह एक पल के लिए चुप रहा।

"क्या मैं तुमसे मिल सकता हूं? मैं शुक्रवार रात के लिए माफी मांगना चाहता हूं। मैं नशे में था... और तुम...। एना-प्लीज़ मुझे माफ कर दो।"

"हां! जोस मैंने तुम्हें माफ किया पर दोबारा फिर कभी ऐसा मत करना। तुम्हें पता है कि मैं तुम्हारे बारे में ऐसी सोच नहीं रखती।"

उसने उदासी से भरी सांस ली।

"मुझे पता है एना। मैंने सोचा था कि शायद वह चुंबन मेरे बारे में तुम्हारे विचार बदल देता।"

"जोस! मैं तुमसे प्यार करती हूं और तुम मेरे लिए बहुत मायने भी रखते हो। तुम मेरे लिए भाई की तरह हो, जो मेरे पास कभी नहीं था। ये सब कभी नहीं बदलने वाला। तुम ये जानते हो।" मुझे उसे ये सब कहना अच्छा तो नहीं लगा पर यही सच था।

"तो तुम अब उसके साथ हो।" उसके सुर में घृणा सी झलक रही थी।

"जोस! मैं किसी के साथ नहीं हूं।"

"पर तुम कल रात उसके साथ ही थी।"

"इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है।"

"क्या ये पैसे का खेल है?"

"जोस! तुमने ये कहने की हिम्मत कैसे की?" मैं उसकी हिमाकत पर चिल्लाई।

"एना!" वह झट से माफी मांगने के सुर में आ गया। मैं तो इसकी जलन से तंग आ गई हूं। मैं जानती हूं कि उसके दिल को ठेस लगी है पर अभी दिमाग में क्रिस्टियन ग्रे इस कदर घुसा है कि कुछ सोचने का होश नहीं है।

"हो सकता है कि हम कल या परसों एक साथ कॉफी लें? मैं तुम्हें फोन करूंगी।" बेशक वह मेरा दोस्त है, मुझे पसंद भी है पर इस समय मुझे उसकी ज़रूरत नहीं है।

"कल! ठीक है? तुम फोन करोगी।" उसके सुर की उम्मीद ने मेरा दिल छू लिया।

"हां...गुडनाइट जोस।" मैंने उसके जवाब का भी इंतज़ार नहीं किया और फोन रख दिया।

"ये सब क्या था?" केट ने अपने नितंबों पर हाथ टिका कर पूछा।

मैंने तय किया कि ईमानदारी अच्छी नीति है। वह पहले से ज्यादा चिंतित दिखी।

"जोस ने शुक्रवार को मेरे साथ बद्तमीज़ी करने की कोशिश की।"

"जोस? और क्रिस्टियन ग्रे? लगता है कि तू मर्दों को कुछ ज्यादा ही आकर्षित करने लगी है। वह बेवकूफ जोस!! अक्ल घास चरने चली गई थी क्या?"

उसने हैरानी से सिर हिलाया और फिर से सामान बांधने लगी।

पैंतालीस मिनट बाद, हमने पैकिंग का काम रोका और हम घर के खास व्यंजन, मेरे हाथ के बने 'लासगना' को खाने के लिए तैयार हो गए। केट ने वाइन की एक बोतल खोली और हम बॉक्स के बीच बैठ कर, किफायती लाल वाइन की चुस्कियां लेते हुए टी.वी. देखने लगे। लासगना खाने से तो मज़ा ही आ गया। ये सब कितना आम था। बेशक पिछले अड़तालीस घंटों की दीवानगी के बाद सहज भाव से खाना अच्छा लग रहा था। मैंने बड़े ही दिल से अपना डिनर किया। पता नहीं खाने के मामले में वह ऐसा क्यों है? केट ने बर्तन साफ किए और मैं बड़े कमरे का सामान बटोरने लगी। उस कमरे में एक काउच, टी.वीऔर डाईनिंग टेबल ही रह गया हैं। हम और क्या चाह सकते हैं? बस रसोई और हमारे कमरे समेटने रह गए हैं और हमारे पास अभी पूरा सप्ताह है।

फोन की घंटी फिर से बजी। इलियट का फोन था। केट ने आंख मारी और किसी चौदह साल की किशोरी की तरह अपने कमरे में भाग गई। मुझे पता है कि उसे फंक्शन में बोली जाने वाली स्पीच लिखनी चाहिए पर ऐसा लगता है कि इलियट ज्यादा मायने रखता है। ये ग्रे खानदान के मर्दो की खूबी है क्या? इन्हें देखकर दिल पर काबू पाना इतना मुश्किल क्यों हो जाता है? मैंने वाइन का एक और घूंट भरा।

टी.वी. के चैनल बदलते समय मैं अच्छी तरह जानती थी कि मैं बस उस लम्हे को टालने की कोशिश में थी, जो मेरे पर्स में किसी जलते अंगारे की तरह रखा था। मुझे वह अनुबंध देखना था। क्या मुझमें इतनी हिम्मत बची है कि आज रात उसे देख सकूं?

मैंने दोनों हाथों में सिर थाम लिया। जोस और ग्रे, दोनों ही मुझसे कुछ चाहते हैं। जोस को संभालना आसान है पर क्रिस्टियन... उसे जानने-समझने के लिए एक पूरी नई भाषाचाहिए। मेरा एक हिस्सा चाहता है कि कहीं भाग कर छिप जाऊं। मैं क्या करने जा रही हूं? उसकी जलती निगाहें मेरे ध्यान में आते ही पूरा शरीर कांपने लगा। मैंने आह भरी। वह यहां है भी नहीं और मैं उसके ख़्याल से ही उत्तेजित हो रही हूं। ये केवल सेक्स नहीं हो सकता, क्या ऐसा है? आज सुबह नाश्ते की मेज पर उसका दुलार, मेरी हेलीकॉप्टर उड़ान के समय उसका उछाह और उसका पियानो बजाना...सब कुछ याद आ गया! कितना मीठा, दिल को छू लेने वाला उदास सा संगीत था।

वह सचमुच काफी उलझा हुआ इंसान है। और अब मैं कुछ-कुछ समझ सकती हूं कि ऐसा क्यों है। एक नवयुवक को अपनी किशोरावस्था से ही किसी दुष्टा मिसेज रॉबिन्सन के हाथों यौन शोषण का सामना करना पड़ा......तभी तो वह समय से पहले बूढ़ा गया है। वह किन हालातों से गुज़रा होगा, यह याद करते ही मेरा दिल उसके लिए उदास हो गया। हालांकि मैं यह सब बातें अच्छी तरह नहीं जानती पर शायद रिसर्च से कुछ समझ आ जाए। पर क्या मैं सचमुच जानना चाहती हूं? क्या मैं उस दुनिया में कदम रखना चाहती हूं, जिसके बारे में मैं कुछ नहीं जानती? ये सचमुच एक बड़ा कदम होगा।

अगर मैं उससे न मिली होती तो आज भी अपने मासूम और प्यारे से भोलेपन के साथ मग्न होती। मेरे दिमाग में कल रात और आज सुबह की सारी घटनाएं घूम गई और शारीरिक सुख में डूबे उन लम्हों की याद आ गई। क्या मैं सचमुच इन चीज़ों से दूर जाना चाहती हूं? नहीं!!!! मेरे भीतर बैठी लड़की चिल्लाई और शायद हममें से कोई भी ऐसा नहीं करना चाहती।

केट एक बड़ी सी मुस्कान के साथ यहां-वहां डोल रही है। बेशक वह प्यार में है। मैंने

उसे हैरानी से देखा। वह तो कभी ऐसे पेश नहीं आती।

"एना! मैं सोने जा रही हूं। बड़ी थक गई हूं।"

"मैं भी केट!"

उसने मुझे गले से लगाया।

"मुझे खुशी है कि तू सही-सलामत लौट आई। इस क्रिस्टियन के बारे में पता नहीं क्यों मेरा मन आश्वस्त होना ही नहीं चाहता।" उसने थोड़ा माफी मांगने के लिहाज़ से कहा। मैंने उसे एक तसल्ली से भरी मुस्कान दी और यही सोचती रही कि *यार! इसे इस बात का एहसास कैसे हो रहा है कि क्रिस्टयन मेरे लिए सही नहीं है......।* तभी तो...ये एक अच्छी पत्रकार बनेगी। इसे अनदेखी चीज़ों से जुड़े खतरे और उनमें छिपे राज़ भांपने आते हैं।

मैं अपना पर्स हाथ में लिए अपने कमरे में यहां से वहां चक्कर लगाती रही। कल की शारीरिक थकान और मानसिक द्वंद्व से पूरी

तरह से टूटी हुई हूं। मैंने पलंग पर बैठकर पर्स से मनीला लिफाफा निकाला और बार-बार हाथों में उलटने-पुलटने लगी। क्या मैं सचमुच क्रिस्टयन की हदें जानना चाहती हूं? ये सब बड़ा ही पीड़ादायी है। मैंने एक गहरी सांस ली और धड़कते दिल के साथ लिफाफा खोल लिया।

अध्याय 11

उस लिफाफे में बहुत सारे कागज़ थे। मैंने उन्हें निकाला और पढ़ने लगी।

अनुबंध

यह इस तिथि को बनाया गया---------वर्ष 2011(आरंभ करने की तिथि)

किन पक्षों के मध्य

मि. क्रिस्टियन ग्रे, 301 एस्काला, सिएटल, डब्लयू ए 98889

(डॉमीनेंट यानी मालिक)

मिस एनेस्टेसिया स्टील, 1114 एसडब्लयू ग्रीन स्ट्रीट, अपार्टमेंट-7, हैवन हाईट्स,

वैंकूवर, डब्लयू ए 98889 (द सबमिसिव, सेक्स गुलाम)

दोनों पक्षों ने निम्नलिखित मामलों में सहमति दी है:

1. यहां मालिक व उसके सेक्स गुलाम के बीच तय की गई शर्तों का विवरण दिया जा रहा है

मूलभूत शर्तें

2. इस अनुबंध का मूलभूत उद्देश्य यही है कि मालिक अपने सेक्स गुलाम की ज़रूरतों, सीमाओं और भलाई को ध्यान में रखते हुए पूरे आदर के साथ उसकी नारी संवेदनाओं व सीमाओं का सुरक्षापूर्वक अन्वेषण कर सके।

3. मालिक व सेक्स गुलाम दोनों ही इस बात पर सहमत हैं तथा मानते हैं कि इस अनुबंध में तय की गई सभी बातें आपसी सहमति व गोपनीयता पर आधारित हैं तथा वे अनुबंध में दी गई सीमाओं व सुरक्षा प्रक्रियाओं के लिए अपनी हामी देते हैं। अतिरिक्त सीमाओं व सुरक्षा प्रक्रियाओं पर लिखित सहमति की जा सकती है।

4. मालिक व सेक्स गुलाम दोनों ही इस बात का दावा करते हैं कि वे किसी भी प्रकार के काम संबंधी, गंभीर, संक्रामक या प्राणघातक रोग से पीड़ित नहीं हैं, जिनमें एचआईवी, हर्पीज़ व हेपेटाइटिस जैसे रोग भी शामिल हैं। यदि समय अवधि के दौरान किसी भी पक्ष को कोई ऐसा रोग होता है या उसे इस बारे में सूचना मिलती है तो वह दूसरे पक्ष को तत्काल इस बारे में बताएगा और इस अवस्था में शारीरिक संबंध नहीं रखे जाएंगे।

5. यहां दिए गए आश्वासन, सहमतियां व मंजूरी आदि मूलभूत हैं तथा इनमें से किसी के भी तोड़े जाने पर यह अनुबंध समाप्त माना जाएगा तथा दोनों पक्ष इस अनुबंध के किसी भी प्रकार से टूटने पर पूरी तरह से एक-दूसरे के लिए उत्तरदायी होंगे।

6. इस अनुबंध को मूलभूत उद्देश्य व शर्तों को ध्यान में रखते हुए पढ़ा जाना चाहिए।

भूमिकाएं

7. मालिक अपने गुलाम की भलाई, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन व अनुशासन की पूरी जिम्मेवारी लेता है। वह स्वयं तय करेगा कि किस प्रकार का प्रशिक्षण, अनुशासन व मार्गदर्शन देना है तथा उसके लिए कौन सा स्थान व समय चुना जाएगा। यह सब अनुबंध में दी गई शर्तों व मंजूरियों के अनुसार ही होगा।

8. यदि मालिक किसी भी समय इन शर्तों, सीमाओं व सुरक्षा प्रक्रियाओं आदि को लागू करने में असफल रहता है तो सेक्स गुलाम कभी भी मालिक को नोटिस दिए बिना छोड़कर जा सकती है।

9. सेक्स गुलाम को हर मामले में अपने मालिक की आज्ञा का पालन करना होगा। दी गई शर्तों, मंजूरियों व नियमों के अनुसार वह बिना किसी पूछताछ या हिचक के मालिक के आनंद के लिए तय की गई गतिविधियों में हिस्सा लेगी और अपने प्रशिक्षण, मार्गदर्शन

व अनुशासन को बेहिचक स्वीकारेगी, भले ही वह किसी भी रूप में क्यों न हों।

आरंभ तथा अवधि

10. मालिक व गुलाम इस अनुबंध को आरंभ करते समय इसके बारे में पूरी जानकारी रखते हैं तथा बिना किसी अपवाद के इसके लिखित नियमों पर सहमत हैं।

11. यह अनुबंध आरंभ की गई तिथि से तीन माह के लिए प्रभावी होगा। समयावधि समाप्त होने पर दोनों पक्ष तय करेंगे कि यह अनुबंध व प्रबंध संतोषदायक है तथा दोनों पक्षों की आवश्यकताएं पूरी करता है। कोई भी पक्ष इसे बढ़ाने के विषय में प्रस्ताव रख सकता है। यदि ऐसा कुछ नहीं किया जाता तो अनुबंध को समाप्त माना जाएगा तथा दोनों पक्ष स्वतंत्रतापूर्वक अपना-अपना जीवनयापन कर सकते हैं।

12. उपलब्धता : जैसा कि मालिक ने मुलाकात का समय तय किया है। गुलाम अपने मालिक के साथ प्रति सप्ताह शुक्रवार शाम से रविवार दोपहर तक का समय बिताएगी। यदि इसके अतिरिक्त कोई और समय भी तय करना है तो आपसी रज़ामंदी से तय किया जा सकता है।

13. मालिक चाहे तो अकारण ही गुलाम को काम से निकाल सकता है। सेक्स गुलाम भी किसी भी समय अपनी रिहाई के लिए विनती कर सकती है। ऐसी विनती पर ध्यान देना मालिक की इच्छा व विवेक पर निर्भर होगा।

स्थान

14. सेक्स गुलाम दिए गए समय व स्थान पर मालिक के लिए उपलब्ध होगी। मालिक ध्यान रखेगा कि इस प्रक्रिया में सेक्स गुलाम द्वारा किए गए हर प्रकार के राह खर्च का भुगतान करे।

सेवा से जुड़े प्रावधान

15. दिए गए समय के दौरान, दोनों पक्षों के द्वारा निम्नलिखित सेवा प्रावधानों की मंजूरी दी गई है। दोनों पक्ष सहमति देते हैं कि यदि कोई ऐसा मसला सामने आता है, जिसके बारे में यहां कुछ तय नहीं किया गया तो उस पर नए सिरे से चर्चा की जा सकती है। ऐसी परिस्थिति में संशोधन की व्यवस्था रहेगी। उसे दोनों पक्षों द्वारा लिखित व हस्ताक्षरित रूप में दिया जाएगा।

मालिक:

15.1 मालिक अपनी सेक्स गुलाम की सेहत व सुरक्षा को हमेशा प्राथमिकता देगा और उसे उन कामों के लिए कभी आग्रह, दबाव या विनती नहीं करेगा, जिन्हें परिशिष्ट 2 में शामिल किया गया है या कोई भी पक्ष असुरक्षित मानता हो। मालिक ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा, जिससे गुलाम को किसी तरह की चोट आने या उसके प्राण जाने का भय हो।

15.2 मालिक सेक्स गुलाम को दी गई अवधि के अनुसार अपने तरीके से अनुशासन में रखेगा। वह उसके शरीर को किसी भी समय प्रयोग में ला सकता लैंगिक रूप से फिट या किसी दूसरे रूप में शरीर का प्रयोग कर सकता है।

15.3 मालिक सेक्स गुलाम को पूरा प्रशिक्षण व मार्गदर्शन देगा कि उसे अपने मालिक की सेवा किस प्रकार करनी है। 15.4 मालिक एक स्थिर व सुरक्षित वातावरण तैयार करेगा ताकि सेक्स गुलाम मालिक के प्रति अपनी सेवाएं दे सके।

15.5 मालिक चाहे तो सेक्स गुलाम को अनुशासन में रखने के लिए सजा दे सकता है और उसके अवांछित बर्ताव को निरुत्साहित कर सकता है। मालिक अनुशासन के लिहाज़से अपनी सेक्स गुलाम को फ्लॉग, छड़ी, कोड़े या चाबुक आदि से सजा दे सकता है। वह अपने निजी आनंद या अन्य किसी कारण से भी ऐसा कर सकता है।

15.6 अनुशासन देने के दौरान मालिक इस बात को ध्यान में रखेगा कि सेक्स गुलाम के शरीर पर किसी प्रकार के स्थायी निशान न पड़ें और न ही उसे किसी तरह के घाव हों, जिनमें मेडिकल देखभाल की आवश्यकता पड़े।

15.7 प्रशिक्षण व अनुशासन के दौरान मालिक ध्यान देगा कि प्रयोग में लाए गए उपकरण पूरी तरह से सुरक्षित हों और इस तरह से प्रयोग में न लाए जाएं जिससे सेक्स गुलाम को किसी प्रकार की हानि हो या फिर अनुबंध में दी गई सीमाओं की अवमानना होती हो।

15.8 बीमारी या चोट लगने की दशा में मालिक अपनी सेक्स गुलाम की देखरेख करेगा और यदि उसे लगेगा कि डॉक्टर को दिखाने की आवश्यकता है तो इसका प्रबंध भी करेगा।

15.9 मालिक स्वयं अपनी सेहत पर भी ध्यान देगा तथा ज़रूरत पड़ने पर डॉक्टरी सलाह लेगा ताकि एक सुरक्षित वातावरण बनाया जा सके।

15.10 मालिक अपनी सेक्स गुलाम को किसी दूसरे मालिक को उधार नहीं देगा।

15.11 मालिक दिए गए समय के दौरान कभी भी अपनी सेक्स गुलाम को हथकड़ियों से या यूं ही बांध सकता है किंतु साथ ही उसकी सेहत व सुरक्षा को भी नज़रंदाज़ नहीं करेगा।

15.12 मालिक यह ध्यान रखेगा कि प्रशिक्षण व अनुशासन के काम आने वाले सभी उपकरण साफ, सुरक्षित तरीके से रखे जाएं।

सेक्स गुलाम:

15.13 सेक्स गुलाम मालिक को अपना स्वामी कबूल करती है और इस तथ्य को समझतीहै कि अब वह अपने मालिक की संपत्ति है। मालिक, तय किए गए समय व अतिरिक्त समय के लिए उस पर अपना अधिकार जता सकता है।

15.14 सेक्स गुलाम परिशिष्ट 1 में दिए गए सभी नियमों का पालन करेगी

15.15 वह मालिक की स्वेच्छा से उसे सेवा प्रदान करेगी और अपनी पूरी क्षमता के साथ मालिक को आनंद देने के लिए प्रस्तुत होगी।

15.16 वह अपनी सेहत को बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा सकती है और यदि उसे किसी भी तरह से डॉक्टरी सहायता की आवश्यकता हो तो वह मालिक से कह सकती है। वह मालिक को समय-समय पर अपनी सेहत के बारे में बताती रहेगी।

15.17 सेक्स गुलाम ध्यान रखेगी कि वह सही समय पर गर्भनिरोध के लिए दवाएं लेती रहे।

15.18 वह मालिक द्वारा तय किए गए अनुशासन को बिना किसी सवाल के कबूल करेगी और मालिक के सामने अपनी भूमिका व स्थान को हमेशा याद रखेगी।

15.19 वह मालिक की आज्ञा के बिना स्वयं को किसी भी प्रकार से यौन सुख नहीं दे सकती।

15.20 वह मालिक द्वारा मांगी गई किसी भी यौन गतिविधि में लिप्त होते समय कोई भी आपत्ति या बहस नहीं करेगी

15.21 वह मालिक द्वारा छड़ी, कोड़े, चाबुक आदि की मार को अनुशासन के लिए बिना किसी जिज्ञासा, पूछताछ या शिकायत के स्वीकारेगी।

15.22 उसे जब तक कहा न जाए, वह मालिक की आंखों में सीधा नहीं देख सकती। वह अपनी आंखें नीची रखेगी और मालिक की उपस्थिति में शांत व सम्मानजनक तरीके से पेश आएगी।

15.23 वह मालिक के प्रति आदर से पेश आते हुए सर, मि. ग्रे या मालिक द्वारा दिए गए किसी दूसरे नाम से संबोधित करेगी।

15.24 वह मालिक को उसकी आज्ञा के बिना स्पर्श नहीं करेगी।

गतिविधियां:

16. सेक्स गुलाम किसी भी तरह की शारीरिक संबंध रखने वाली गतिविधियों या ऐसे कामों में लिप्त नहीं होगी, जिन्हें दूसरा पक्ष असुरक्षित माने या फिर वे परिशिष्ट 2 में वर्णित गतिविधियां हों।

17. मालिक और सेक्स गुलाम ने परिशिष्ट 3 की गतिविधियों पर भी चर्चा कर ली है और उसे लिखित रूप में भी ले लिया है।

परिशिष्ट 3 से जुड़े सेफवर्ल्ड्स

18. मालिक और सेक्स गुलाम दोनों ही जानते हैं कि मालिक अपनी गुलाम से कुछ इस तरह की मांगें रख सकता है जिसमें शारीरिक, मानसिक, भावानात्मक, आध्यात्मिक या अन्य किसी प्रकार की हानि होने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों में सेक्स गुलाम द्वारा सेफवर्ल्ड्स का प्रयोग किया जा सकता है। यहां ऐसे दो शब्द दिए जा रहे हैं जो मांग की गंभीरता के अनुसार प्रयोग में लाए जा सकते हैं।

19. 'पीला' शब्द कह कर मालिक को यह याद दिलाया जा सकता है कि सेक्स गुलाम की सहनशक्ति समाप्त होने को है।

20. 'लाल' शब्द के माध्यम से मालिक को यह बताया जा सकता है कि सेक्स गुलाम उस मांग को पूरा करने की दशा में नहीं रही। जब ये शब्द कहा जाएगा तो मालिक तुरंत प्रभाव के साथ उस गतिविधि को वहीं रोक देगा।

निष्कर्ष:

21. हम यह दावा करते हैं कि हमने अनुबंध को अच्छी तरह पढ़ लिया है और इसमें दिए गए नियमों और शर्तो को मानने के लिए सहमत हैं। हम अपने हस्ताक्षरों द्वारा अपनी सहमति प्रकट कर रहे हैं:

मालिक: क्रिस्टियन ग्रे
तिथि

सेक्स गुलाम: एनेस्टेसिया स्टील
तिथि

परिशिष्ट 1
नियम

आज्ञाकारिता:

सेक्स गुलाम को बिना किसी हिचक या संकोच के अपने मालिक का हुक्म मानना होगा। सेक्स गुलाम मालिक के आनंद के लिए तय की गई किसी भी तरह की कामसंबंधी गतिविधियों के लिए हामी देगी। यहां वे गतिविधियां अपवाद हैं, जो परिशिष्ट 2 में कठोर सीमाओं के रूप में वर्णित हैं। वह पूरी खुशी और उत्साह से मालिक का कहा मानेगी।

नींद

सेक्स गुलाम जब अपने मालिक के साथ नहीं होगी तो वह ध्यान रखेगी कि उसे रात को कम से कम सात घंटे की भरपूर नींद मिले।

भोजन:

सेक्स गुलाम चुनी गई भोजन सूची (परिशिष्ट 4) से नियमित रूप से भोजन करेगी ताकि उसकी सेहत व ताकत बनी रहे। वह दो समय के भोजन के दौरान फलों के अतिरिक्त कुछ नहीं खाएगी।

वस्त्र:

सत्र के दौरान वह मालिक द्वारा दिए गए कपड़े ही पहनेगी। मालिक उसके लिए कपड़ों का बजट तय करेगा, जिसे वह प्रयोग में लाएगी। मालिक कभी-कभी उसे अपने साथ कपड़े खरीदवाने भी ले जा सकता है। यदि मालिक चाहेगा तो उसे उसके साथ के दौरान आभूषण भी पहनने होंगे।

कसरत:

मालिक अपनी सेक्स गुलाम को सप्ताह में चार बार निजी प्रशिक्षक की सुविधा प्रदान करेगा। ये सत्र एक-एक घंटे के होंगे तथा ये समय आपसी रजामंदी से तय किया जा सकता है। निजी प्रशिक्षक सेक्स गुलाम की प्रगति के बारे में मालिक को सूचित करेगा।

व्यक्तिगत साफ-सफाई व सौंदर्य

सेक्स गुलाम खुद को साफ-सुथरा रखेगी और हमेशा शरीर के अंगों की वैक्सिंग या शेव करवाती रहेगी। वह मालिक की मर्जी से उसके द्वारा चुने गए ब्यूटी सैलून में जाएगी और मालिक जो भी उपचार करवाना चाहे, उन्हें बेहिचक करवाएगी।

व्यक्तिगत सुरक्षा:

सेक्स गुलाम आवश्यकता से अधिक शराब व धूम्रपान का सेवन नहीं करेगी और नशे की दवाएं नहीं लेगी। खुद को किसी भी तरह के अनावश्यक खतरे से दूर रखेगी।

व्यक्तिगत विशेषताएं:

सेक्स गुलाम अपने मालिक के सिवा किसी भी दूसरे व्यक्ति से शारीरिक संबंध नहीं रखेगी। वह सदैव मालिक से आदर से पेश आएगी। उसे एहसास होना चाहिए कि उसके इस बर्ताव का मालिक पर सीधा असर होगा। उसे मालिक की अनुपस्थिति में किसी भी तरह के गलत काम या बर्ताव के लिए दोषी ठहराया जाएगा।

यदि इनमें से कोई भी नियम तोड़ा गया तो मालिक के द्वारा तत्काल सजा दी जाएगी। जो कि वह स्वयं तय करेगा।

परिशिष्ट 2

कठोर सीमाएं

आग से जुड़ा कोई काम नहीं होगा।

मल या मूत्र विसर्जन या उससे जुड़े उत्पाद शामिल नहीं होंगे।

सुईयों, चाकू, त्वचा को छेदने या खून निकालने जैसे कोई काम नहीं होंगे।

ऐसे काम नहीं होंगे जिनमें महिलारोग संबंधी उपकरणों का प्रयोग किया जाए।

ऐसे काम नहीं होंगे जिनमें बच्चे या जानवर शामिल हों।

ऐसे काम नहीं होंगे जिनसे त्वचा पर कोई स्थायी दाग या निशान पड़ जाए।

ऐसी कोई गतिविधि शामिल नहीं होगी जिसमें बिजली का झटका दिया जाए या शरीर को आग व लपटों से जलाया जाए।

परिशिष्ट 3

स्वीकार की गई सीमाएं

दोनों पक्षों की आपसी रज़ामंदी द्वारा तय की गई:

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित के लिए सहमति देती है:

हस्तमैथुन - योनि संभोग

स्त्री के लिए मुख मैथुन योनि - में मुट्ठी का प्रयोग

पुरुष के लिए मुख मैथुन - गुदा संभोग

वीर्य को निगलना - गुदा में मुट्ठी का प्रयोग

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित के प्रयोग की सहमति देती है:

वाईब्रेटर्स - डिल्डो

बट प्लग्स - योनि व गुदा से संबंधित अन्य खिलौने व उपकरण

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित के प्रयोग की सहमति देती है:

रस्सी से बांधना - टेप से बांधना

चमड़े की हथकड़ियों से बांधना - अन्य वस्तुओं से बांधना

हथकड़ियों/ बेड़ियों आदि से जकड़ना

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित रूप से नियंत्रित होने की सहमति देती है:

आगे की ओर हाथ बांधना - कलाईयां व टखने बांधना

टखने बांधना - कुछ खास वस्तुओं व फर्नीचर आदि से बांधना

कोहनियां बांधना - स्प्रेडरबार से बांधना

हाथ पीछे की ओर बांधना - घुटने बांधना

टांगना

क्या सेक्स गुलाम आंखों पर पट्टी बांधने की सहमति देती है?

क्या सेक्स गुलाम मुंह में कपड़ा ठूंसने या मुंह बंद करने के लिए किसी वस्तु के प्रयोग की सहमति देती है?

वह किस सीमा तक पीड़ा को सहन करने के लिए प्रस्तुत है?

यहां 1 का अर्थ होगा कि बहुत पसंद करती है तथा 5 का अर्थ होगा कि गहराई से नापसंद करती है।

1-2-3-4-5

क्या सेक्स गुलाम पीड़ा/ सज़ा/ अनुशासन के इन रूपों पर अपनी सहमति देती है:

नितंबों पर वार - पैडलिंग

कोड़े से मार - छड़ी से पिटाई

काटना - निप्पलों पर लगने वाल चिमटियां

गुप्तांगों पर लगने वाली चिमटियां - बर्फ

गर्म वैक्स - पीड़ा देने के अन्य उपाय/ प्रकार

ये सब क्या है! मेरी तो फूड लिस्ट को भी देखने की इच्छा नहीं बची। थूक निगला तो जैसे पूरे मुंह में कड़वाहट सी फैल गई।

मेरा सिर चकरा रहा है। मैं इन बातों के लिए हामी दे भी कैसे सकती हूं? और बेशक यह सब तो वह मेरे फायदे के लिए, मेरी नारी संवेदना और सीमाओं के अन्वेषण के लिए करेगा–सुरक्षित रूप से–ओह, मुझे माफ करो! मैं गुस्से के मारे आग हो रही थी। सभी बातों को मानेगी और सेवाएं देगी। सभी बातें। अविश्वास से दिमाग घूमने लगा। दरअसल क्या शादी की कसमों में इस शब्द का प्रयोग नहीं करते...आज्ञा मानना? क्या जोड़े अब भी ऐसे ही कहते हैं? बस तीन महीने–क्या यही वजह है कि इतनी सेक्स गुलाम साथ रह चुकी हैं? वह उन्हें लंबे समय तक साथ नहीं रख सका? या तीन महीनों में ही वे इस आदमी से उकता गई? हर सप्ताहांत? ये भी हद है। अगर इसके चक्कर में आई तो शायद केट और नौकरी के दौरान बने नए दोस्तों से मिलने का मौका भी नहीं मिल पाएगा। शायद महीने में एक वीकएंड तो मुझे अपने लिए भी चाहिए। शायद तब...जब मुझे पीरियड्स हो रहे हों-या ये सही लगता

है..व्यावहारिक भी है। वह मेरा मालिक है! मुझे उसकी रज़ामंदी से ही चलना होगा। भाड़ में जाए सब!

मैंने किसी फ्लॉगर या चाबुक से मारे जाने की संभावना का ध्यान आते ही कंधे झटक दिए। बेशक नितंबों पर मारने से इतनी चोट नहीं आएगी पर अपमानजनक तो है ही और बांधना? वैसे उसने एक बार टाई से मेरे हाथ बांधे थे और वह इतना बुरा भी नहीं लगा था। वह मुझे किसी दूसरे मालिक को उधार नहीं देगा–बिल्कुल सही, वह कभी नहीं देगा। ये बात तो मैं कभी नहीं मानने वाली। मैं इन बातों के बारे में सोच भी क्यों रही हूं?

मैं उसकी आंखों में नहीं देख सकती। ये भी कितनी अजीब बात है? यही तो एक ज़रिया है, जिससे उसके मन की बात का कुछ अंदाज़ा हो पाता है। दरअसल, मैं किससे मज़ाक कर रही हूं? मैं कभी नहीं जान पाती कि वह सोच क्या रहा है पर मुझे उसकी खूबसूरत, मोहक, बुद्धिमान, गहरी और किसी सेक्स मालिक के रहस्यों से भरी काली आंखें देखना पसंद है। मैंने उसकी जलती हुई निगाहों को याद किया और अपने-आप ही शरीर में एक सिरहन सी दौड़ गई।

और मैं उसे छू नहीं सकती। वैसे इसमें तो हैरानी की कोई बात नहीं है। और ये बेहूदे कायदे-कानून......नहीं, नहीं! मैं यह सब नहीं कर सकती। मैंने दोनों हाथों में अपना सिर थाम लिया। इस रिश्ते की कोई तुक ही नहीं बनती। मुझे थोड़ी नींद चाहिए। मैं पूरी तरह से बिखरी पड़ी हूं। पिछले चौबीस घंटों के दौरान, मैं जितने भी मिले-जुले हालात से गुज़री हूं, उन्होंने शरीर को पूरी तरह से निचोड़ कर रख दिया है। और मानसिक तनाव......ओह! इसे तो संभालना भी भारी हो रहा है। जोस ने सही कहा था कि ये आदमी दिमाग पर हावी हो जाता है। हो सकता है कि सुबह के समय ये सब किसी भद्दे मज़ाक जैसा न दिखे।

मैंने हिम्मत बटोरी और कपड़े बदले। शायद मुझे आज केट का मुलायम पजामा उधार ले लेना चाहिए था। आज मुझे अपने आस-पास एक सुरक्षा और कोमल एहसास की आवश्यकता थी, जो दुलार कर सुला देता। मैंने जल्दी से ब्रश किया और खुद को बाथरूम के शीशे में घूरने लगी। तुम सचमुच ऐसी बातों पर...गंभीरता से विचार नहीं कर सकतीं...। मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की ने आंखें तरेरीं पर मैंने उस पर ध्यान नहीं दिया और भीतर बैठी लड़की तो किसी पांच साल के बच्चे की तरह उछल-उछल कर तालियां बजा रही है–चल न, करते हैं...बड़ा मज़ा आएगा...वरना आखिर में हम तेरे क्लासिक उपन्यासों और बिल्लियों के साथ अकेले ही रह जाएंगे।

आज तक ज़िंदगी में मैं पहली बार किसी मर्द के सम्मोहन में फंसी थी और वह ऐसे कमीने अनुबंध, कोड़े, चाबुक और जाने क्या-क्या चीजें लेकर सामने आ गया। वैसे इस सप्ताह में जो भी हुआ, वह ज़िंदगी का पहला अनुभव था। मैं अपने शरीर पर उसके हाथों की छुअन की याद से ही शरमा गई। आंखें बंद करते ही मांसपेशियों की उस अजीब-सी मीठी ऐंठन को फिर से महसूस किया जा सकता था। मैं वह सब फिर से करना चाहती हूं। हो सकता है कि वह केवल यही सब करने के लिए मान जाए पर ऐसा लगता नहीं..

क्या मैं कोई सेक्स गुलाम हूं? हो सकता है कि मैंने उसे ऐसा कोई आभास दिया हो। हो सकता है कि इंटरव्यू के दौरान उसे ऐसा कुछ लगा हो। माना मैं शरमीली हूं पर किसी की सेक्स गुलाम? और उसकी वह कठोर और कोमल सीमाएं!!!! हाय! दिमाग चकराने लगा पर उम्मीद करती हूं कि उन पर एक बार चर्चा हो सकती है।

मैं अपने सोने के कमरे में लौट आई। ये सब तो सोचना भी भारी पड़ रहा है। कल सुबह यह सब सोचने के लिए दिमाग तरोताज़ा हो जाएगा। मैंने वे कागज़ात बैग में डाले। कल...कल एक और दिन होगा। मैंने पलंग पर जाते ही बत्ती बुझा दी और लेटकर छत को घूरने लगी। ओह! काश हम मिले ही न होते। मेरे भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं। वह और मैं, हम दोनों ही जानते हैं कि यह एक झूठ है। मैंने खुद को आज से पहले इतना जीवंत कभी महसूस नहीं किया।

मैंने आंखें बंद कर लीं और उसके कमरे के पलंग और गहरी आंखों के सपने देखते-देखते सो गई।

केट ने ही अगले दिन जगाया।

"एना! कब से उठा रही हूं। तू तो बेसुध पड़ी है।"

मैंने बेमन से आंखें खोलीं। वह तो जल्दबाजी में दिख रही है। सुबह के आठ बजे हैं। अरे! मैं पूरे नौ घंटे सोती रही।

"क्या है?" मैं नींद में ही बुड़बुड़ाई।

"एक आदमी तेरे लिए कुछ लाया है। तुझे साइन करने होंगे।"

"क्या?"

"आ तो सही। बड़ा सा बॉक्स है। दिखने में दिलचस्प है"। वह उछलती हुई कमरे की ओर भागी। मैंने दरवाजे के पीछे टंगा गाउन पहना और बाहर आई तो देखा कि पोनीटेल वाला स्मार्ट सा युवक कमरे में एक बड़ा सा बॉक्स लिए खड़ा था।

"हाय!"

"मैं तेरे लिए चाय बना देती हू।" केट रसोई में चल दी।

"मिस स्टील?"

और मैं जान गई कि पैकेट कहा से आया था।

"हा!" मैंने सावधानी से कहा

"मेरे पास आपके लिए ये पैकेज है। पर मुझे इसे सैट करके आपको ये भी दिखाना है कि ये कैसे काम करता है।"

"अच्छा! अभी?"

"मैम! मैं तो हुक्म बजा रहा हू।" वह व्यावसायिक तरीके से मुस्कुराया।

"क्या उसने मुझे मैम कहा?" क्या मैं रातों-रात दस साल बड़ी हो गई। अगर ऐसा है तो ये सब उस अनुबंध का ही असर है। मैंने मायूसी में मुह बिचकाया।

"ओ.के! ये क्या है?"

"ये मैकबुक प्रो है।"

"बेशक!" मैंने आखे नचाई

"मैम! ये अभी दुकानों में नहीं आए। एप्पल की नई तकनीक है।"

ऐसा कैसे हो सकता है कि वह अपनी हरकतों से मुझे हैरानी में न डाले। मैंने आह भरी

"इसे वहा डाईनिंगटेबल पर लगा दें।"

मैं रसोई में केट के पास चली गई।

"क्या है?" उसने पूछा। बिखरे बाल और लाल आंखें...लगता है कि उसने भी गहरी नींद ली है।

"क्रिस्टियन ने लैपटॉप भेजा है"

"उसने क्यों भेजा? तू जानती है कि तू मेरा इस्तेमाल कर सकती है।" उसने गुस्सा दिखाया।

वह जो चाहता है, उसके लिए तेरा लैप सही नहीं रहेगा।

"ये तो उधार लिया है। वह चाहता है कि मैं इसे इस्तेमाल करके देखूं।" मैंने कमजोर सा बहाना बनाया पर केट मान गई। ओह! आज तो मैंने कैथरीन कैवेना को गच्चा दे दिया। पहली बार। उसने मुझे चाय पकड़ा दी।

मेरा मैक लैपटॉप पतला, सिल्वर और सुंदर है। इसका स्क्रीन काफी बड़ा है। मैंने ग्रे के लिविंग एरिया और पूरे अपार्टमेंट के बारे में सोचा, बेशक उसको पसंद ही ऐसी है।

इसमें नई तकनीक के ओएस के साथ सभी प्रोग्राम दिए गए हैं। साथ ही 1.5 टैराबाइट की हार्ड ड्राईव भी है ताकि काफी सामग्री आ सके। 32 गिग्स की रैम है-आप इसे किसी रूप में प्रयोग में लाना चाहेंगीं।"

"ओह.........ई-मेल"

"ई-मेल?" उसके गले में कुछ अटक-सा गया। उसने हैरानी से भवें नचाई।

"और शायद इंटरनेट रिसर्च भी करूंगी।" मैंने कंधे झटके।

उसने आह भरी।

"वैसे ये पूरी तरह से वायरलैस है और मैंने इसमें मी एकांउट का ब्यौरा भी डाल दिया है। अब ये बेबी इस दुनिया के किसी भी कोने में जाने के लिए तैयार है।" उसने उसे लगाव से देखा।

"मी एकाउंट?"

"हां! आपका नया ई-मेल आई डी।

मेरा एक ई-मेल पता भी है

उसने स्क्रीन पर बने एक आइकन पर संकेत किया और बात करने लगा पर मुझे उसका एक भी शब्द पल्ले नहीं पड़ा। मुझे कोई दिलचस्पी नहीं है। बस इसे खोलना और बंद करना बता दे–बाकी तो खुद ही देख लूंगी। भई पिछले चार साल से केट का लैप तो इस्तेमाल कर ही रही हूं। केट ने इसे देखते ही प्रभावित होकर सीटी बजाई।

"ये नई पीढ़ी की तकनीक है। तकरीबन औरतों को तो गहने या फूल मिलते हैं!!! उसने" मुस्कान दबाते हुए कहा

मैंने उसे आंख दिखाई पर अपनी हंसी नहीं रोक पाई और हम दोनों की खिलखिलाहट ने कंप्यूटर वाले को हैरानी में डाल दिया। उसने अपना काम खत्म किया और डिलीवरी नोट पर हस्ताक्षर करवाए।

केट उसे छोड़ने गई तो मैंने चाय का प्याला हाथ में लेकर ई-मेल प्रोग्राम खोल लिया। जिसमें क्रिस्टियन ग्रे का ई-मेल मेरे इंतज़ार में था। मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया। मुझे क्रिस्टियन ग्रे ने मेल भेजा था। बड़ी घबराहट के साथ उसे खोला।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारा नया कंप्यूटर
डेट: मई 22 2011 23:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील

प्रिय मिस स्टील!
मैं मान लेता हूं कि तुमने भरपूर नींद ली होगी
और उम्मीद करता हूं कि तुम इस लैपटॉप का सही इस्तेमाल करोगी,
जैसा कि हमने चर्चा की थी।
मैं बुधवार के डिनर के इंतज़ार में हूं।
यदि उससे पहले किसी भी तरह के सवाल का जवाब चाहो
तो मुझे ई-मेल के माध्यम से जवाब देने में खुशी होगी।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
मैंने 'रिप्लाई' बटन दबाया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: तुम्हारा नया कंप्यूटर (उधार)
डेट: मई 22 2011 8:20
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मैंने अच्छी नींद ली। धन्यवाद-किसी खास कारण से सर मैंने समझा था कि ये कंप्यूटर आप मुझे उधार ही दे रहे हैं। ये मेरा नहीं है। एना और तत्काल ही जवाब भी आ गया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारा नया कंप्यूटर (उधार)

डेट: मई 23 2011 8:22
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील, कंप्यूटर अनिश्चित तौर पर उधार ही है।
मैंने तुम्हारी टोन से अंदाज़ा लगा लिया है कि तुमने मेरे दिए कागज़ात पढ़ लिए हैं। क्या अभी तक तुम्हारे पास कोई सवाल हैं?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ. ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
मैं चाहकर भी अपनी हंसी रोक नहीं पाई।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: कुछ जानने को उत्सुक मन
डेट: मई 22 2011 8:25
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मेरे पास बहुत से सवाल हैं पर वे ई-मेल के लिए उपयुक्त नहीं हैं और हममें से कुछ लोगों को रोज़ी-रोटी के लिए काम भी करना होता है।
वैसे अनिश्चितकाल के लिए मुझे कंप्यूटर की भी कोई आवश्यकता नहीं है।
तब तक के लिए गुड डे सर!
एना
उसने झट से जवाब दिया, जिसने मेरे चेहरे पर मुस्कान ली दी।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारा नया कंप्यूटर (फिर से उधार)
डेट: मई 23 2011 8:26
टू: एनेस्टेसिया स्टील

बाद में बेबी!
कृपया ध्यान दें: मुझे भी आजीविका के लिए काम करना होता है।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैंने बेवकूफों की तरह खीसें निपोरते हुए कंप्यूटर बंद कर दिया। मैं इतने खिलंदड़े स्वभाव के क्रिस्टियन के असर से अछूती कैसे रह सकती हूं? मैं काम के लिए लेट होने वाली हूं। वैसे तो ये मेरा काम का आखिरी सप्ताह है। शायद मि. और मिसेज क्लेटन थोड़ी रियायत दे दें। मैं झट से नहाई और एक पल के लिए भी चेहरे से मुस्कान को ओझल नहीं कर सकी। उसने मुझे ई-मेल किया। मैं एक छोटे बच्चे की तरह हुलस रही हूं। और उस अनुबंध की सारी कड़वाहट धुल-पुंछ गई। मैंने अपने बाल धोते समय यह सोचने की कोशिश की कि मैं उससे ई-मेल के ज़रिए क्या-क्या पूछ सकती हूं। बेशक इन बातों पर विस्तार से चर्चा करना ही सही रहेगा। मान लो कि अगर किसी ने उसके एकांउट को हैक कर लिया तो? मैं सोचते ही सिहर गई। जल्दी से कपड़े पहने, केट को तुरत-फुरत में बाय कहा और क्लेटन चल दी।

जोस ने ग्यारह के करीब फोन किया

"हे, क्या हम एक साथ कॉफी ले रहे हैं?" ऐसा लगा कि पुराना जोस लौट आया हो। जोस मेरा दोस्त, वो नहीं, जैसा कि क्रिस्टियन ने उसके लिए कहा था-आशिक!!

"पक्का! मैं काम पर हूं। क्या यहां बारह बजे तक आ सकते हो?"

"फिर मिलते हैं।"

उसने फोन रख दिया और मैं पेंटब्रशों को संभालने के काम में जुट गई। इसी दौरान क्रिस्टियन और उसके अनुबंध के बारे में भी सोचती रही।

जोस समय का पाबंद है। वह गहरी आंखों वाले छोटे से पिल्ले की तरह चुपचाप दुकान में आ गया।

"एना!" उसने अपने चमकदार दांतों की प्यारी-सी मुस्कान दी और अब मैं उससे और नाराज़ नहीं रह सकती।

"हाय जोस! मैंने उसे गले से लगाया। मैं भूख से मर रही हूं। ज़रा मिसेज क्लेटन को कह दूं कि लंच के लिए जा रही हूं।"

हम स्थानीय कॉफी शॉप की ओर चले तो मैंने अपनी बांह उसकी बांह में डाल दी। मैं उसके आम या सामान्य होने के लिए...उसकी आभारी हूं। कोई ऐसा, जिसे मैं जानती और समझती हूं।

"हे, एना! क्या तुमने मुझे सचमुच माफ कर दिया?" वह हौले से बोला

"जोस! तुम्हें पता है कि मैं तुमसे ज्यादा देर तक नाराज़ रह ही नहीं सकती।"

उसने खीसें निपोर दीं

मैं घर पहुंच कर क्रिस्टियन को ई-मेल करने का लालच रोक नहीं पा रही थी और हो सकता है कि मैं अपना खोजबीन वाला काम भी शुरू कर सकूं। केट कहीं बाहर है इसलिए मैंने लैप ऑन करते ही ई-मेल खोल लिया। बेशक इनबॉक्स में उसका एक मेल इंतज़ार करता मिला। मैं तो खुशी के मारे अपनी सीट से उछल ही पड़ी।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: आजीविका के लिए काम
डेट: मई 23 2011 17:24
टू: एनेस्टेसिया स्टील

प्रिय मिस स्टील
उम्मीद करता हूं कि आज काम पर आपका दिन अच्छा रहा होगा।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
मैंने झट से 'रिप्लाई' बटन दबा दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: आजीविका के लिए काम
डेट: मई 23 2011 17:48
टू: क्रिस्टियन ग्रे
सर......आज काम पर दिन अच्छा रहा।
धन्यवाद
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: काम करो
डेट: मई 23 2011 17:50
टू: एनेस्टेसिया स्टील

प्रिय मिस स्टील
खुशी हुई कि आपका दिन अच्छा रहा।
आप ई-मेल कर रही हैं इसलिए रिसर्च का काम नहीं कर रहीं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: उपद्रव
डेट: मई 23 2011 17:53
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मि. ग्रे! मुझे ई-मेल करना बंद करें। तभी मैं अपने काम पर ध्यान दे सकूंगी। मैं एक और 'ए' लेना चाहूंगी।

एना

मैंने खुद को गले से लगा लिया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: अधीर
डेट: मई 23 2011 17:55
टू: एनेस्टेसिया स्टील

प्रिय मिस स्टील
मुझे ई-मेल करना बंद करें और अपना काम करें।
मैं एक और 'ए' देना पसंद करूंगा।
पहला तो सचमुच गजब का था। ;)
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
क्रिस्टियन ग्रे ने मुझे अभी-अभी आंख मारने वाली स्माइली बना कर भेजी...ओह वाह! मैंने गूगल ऑन कर दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: इंटरनेट रिसर्च
डेट: मई 23 2011 17:59
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे! आपके हिसाब से मुझे सर्च इंजन में क्या लिखना चाहिए?
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: इंटरनेट रिसर्च
डेट: मई 23 2011 18:02
टू: एनेस्टेसिया स्टील
प्रिय मिस स्टील
हमेशा विकीपीडिया से शुरुआत करें।
जब तक कोई सवाल न हो। ई-मेल मत भेजना।
समझीं?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: तानाशाही रवैया!
डेट: मई 23 2011 18:04
टू: क्रिस्टियन ग्रे

जी सर!
आप तो बड़े तानाशाह हैं।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: नियंत्रण में रखना
डेट: मई 23 2011 18:06
टू: एनेस्टेसिया स्टील

एना तुम्हें कोई अंदाज़ा नहीं है। हो सकता है कि कोई संकेत मिल जाए।
काम करो।
क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने विकीपीडिया पर 'सेक्स गुलाम' टाइप किया

आधे घंटे बाद ही सिर घूमने लगा और मैंने खुद से पूछा कि क्या मैं अपने लिए यह सब चाहती हूं? हे भगवान!!! उसके उस लाल कमरे में ऐसा सामान भरा हुआ है? मैं वहीं बैठी स्क्रीन को घूरती रही। हां, मानती हूं कि ये सब वस्तुएं काफी हद तक उत्तेजक थीं पर क्या वह सब मेरे लिए था? ओह......क्या मैं ऐसा कर सकूंगी? मुझे सोचने के लिए वक्त चाहिए। इन बातों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

अध्याय 12

आज ज़िंदगी में पहली बार मेरे मन ने कहा कि तुझे एक लंबी दौड़ लगा आनी चाहिए। मैंने अपने गलीज़ और कभी इस्तेमाल न हुए जूते निकाले, एक ट्रैक पैंट और टी-शर्ट पहनी और बालों को दो चोटियों में बांध लिया। उन यादों को मन में दोहराते हुए चेहरे पर लाली छा गई और मैंने कानों में आईपॉड की तार लगा ली। मैं अब उन्नत तकनीक से युक्त उसखिलौने के आगे बैठकर और कुछ पढ़ने या जानने के हाल में नहीं थी। मुझे अपनी उस ऊर्जा को कहीं और खपाने की आवश्यकता थी। वैसे सही कहूं तो दिल में यह भी आया कि क्योंन भागते हुए हीथमैन होटल तक चली जाऊं ताकि उससे मिल सकूं। पर वह पांच मील दूर था और मुझे नहीं लगता कि मैं एक मील भी दौड़ सकूंगी। वैसे ये भी हो सकता है कि वह मुझे वहीं लताड़ दे, तब तो कहीं मुंह छिपाने को भी जगह नहीं मिलेगी।

मैं दरवाजे से निकलने लगी तो केट कार से बाहर आ रही थी। मुझे इस रूप में देखते ही उसके हाथ से शॉपिंग बैग छूटने को हो गए। एना स्टील दौड़ के लिए जा रही है। मैंने हाथ हिलाया और उसके सवालों का जवाब देने की बजाए आगे चल दी।। मुझे सचमुच अपने लिए थोड़ा समय अकेले चाहिए।

मैं तेजी से पार्क की ओर बढ़ी। मैं क्या करने जा रही हूं? मैं उसे पाना चाहती हूं पर उसकी शर्तों पर? मैं नहीं जानती। शायद यहां थोड़ी सौदेबाजी करनी पड़े। उस बेहूदे अनुबंध को सारा का सारा पढ़ो और देखो कि कौन सी बात को मंज़ूर कर सकते हैं और कौन सी मंज़ूर नहीं होगी। मेरे अध्ययन से पता चला है कि ये कानूनी रूप से मान्य नहीं है। उसे भी यह पता होगा। बस वह रिश्ते के निजी मापदंड बनाने के लिए ही यह सब कर रहा है। इससे पता चलता है कि हम दोनों इस रिश्ते में एक-दूसरे से क्या अपेक्षा रखते हैं। क्या मैं पूरी तरह से उसकी सेक्स गुलाम बनने को तैयार हूं? क्या मैं उसे वह सब देने के लिए तैयार हूं? क्या मैं इसके लायक हूं?

मैं एक से एक सवालों से घिरी हुई थी—वह ऐसा क्यों है? क्या इसलिए कि उसे कमसिन उम्र में ही पथभ्रष्ट किया गया था? मैं नहीं जानती। वह अब भी किसी रहस्य से कम नहीं है।

मैं एक बड़े से स्प्रूस के पास घुटनों पर हाथ रख कर खड़ी हो गई। उखड़ी हुई सांसों पर काबू पाने की कोशिश करते हुए, ताजी हवा को फेफड़ों में भरा। ओह! ये तो बड़ा ही प्यारा एहसास है। ऐसा लगा कि नई जान आ गई हो। हां...मुझे उसे बताना ही होगा कि मुझे कौन सी बात पसंद है और कौन-सी नापसंद? मुझे उसे अपने विचार ई-मेल करने होंगे ताकि हम बुधवार की बैठक में उन पर चर्चा कर सकें। मैंने एक गहरी सांस खुल कर ली और जॉग करते हुए अपार्टमेंट में वापिस आ गई।

केट अपने बारबाडोस के अवकाश के लिए जी भर कर खरीददारी कर रही है। जिनमें खासतौर पर बिकनी और लुंगी शामिल है। वह तो जो भी पहनेगी, उसी में खिल जाएगी पर फिर भी उसने मुझे सामने बिठाकर सारी पोशाकें पहन-पहन कर दिखाईं और मैं एक ही बात को कई तरीके से बदल-बदलकर कहती रही—केट! तुम ज़बरदस्त लग रही हो!! उसकी पतली छरहरी काया देखकर तो कोई भी मर मिटे। माना वह मुझे जलाने के लिए ऐसा नहीं कर रही पर मैं कमरे का बचा सामान समेटने के नाम पर वहां से उठ गई। अपने-आप कोकाफी अधूरा-सा महसूस कर रही थी। मैंने उस मुफ्त तकनीक को गले से लगाते हुए, लैपटॉप ऑन कर लिया और क्रिस्टियन को ई-मेल भेजा।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: डब्लयूएसयूवी का सदमा
डेट: मई 23 2011 20:33
टू: क्रिस्टियन ग्रे

ओ. के.! मैंने बहुत देख लिया।
आपसे मिल कर अच्छा लगा।
एना

मैंने सैंड बटन दबा दिया और अपने ही मज़ाक पर खुद को गले से लगाकर हंसने लगी। क्या उसे भी मज़ाक पसंद आएगा? ओह!! शायद नहीं। क्रिस्टियन ग्रे अपने मज़ाकिया स्वभाव के लिए नहीं जाना जाता। पर मुझे पता है कि उसमें ये गुण है। मुझे इसका अनुभव है पर शायद मैंने कुछ ज़्यादा ही कर दिया। मैं उसके जवाब का इंतज़ार करने लगी।

मैं काफी देर तक इंतज़ार करती रही...करती रही। फिर अलार्म घड़ी पर नज़र मारी। दस मिनट बीत गए थे।

मैंने अपने पेट में मच रही खलबली को शांत करने के लिहाज से कोई और काम करने की सोची। फिर वही करने लगी, जो कि

मैंने केट को कहा था यानी अपने कमरे का सामान पैक करना। मैंने बिखरी किताबों को एक बॉक्स में बंद करने से शुरू किया। नौ बजे तक, मैंने कोई आवाज़ नहीं सुनी। शायद वह कहीं बाहर हो। मैंने अपने कानों से आई पॉड के ईयर प्लग निकाले और मेज पर बैठकर अनुबंध के लिए बिंदु बनाने लगी।

पता नहीं अचानक कैसे मेरी नज़र एक कोने पर गई और मैंने उसे अपने बैडरूम के दरवाजे पर खड़ा पाया। वह वहां खड़ा गहराई से घूर रहा था। उसने सफेद लिनन की कमीज़ के साथ ग्रे पजामानुमा पैंट पहनी हुई थी और कार की चाबियों को धीरे-धीरे घुमा रहा था। मैं तो वहीं जड़ रह गई।

"गुड ईवनिंग स्टील!" उसकी आवाज़ काफी मुलायम है पर चेहरे के भावों से कोई अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता। मेरी तो जैसे बोलती ही बंद हो गई। लानत है केट पर, मुझे बताया भी नहीं और उसे सीधा मेरे कमरे में ही भेज दिया। अंदर ही अंदर मैं जानती हू कि मैं दौड़ से आने के बाद उन्हीं कपडों में पसीने से लथपथ बैठी हूं और वह अपने उसी अंदाज़ में खुशबुओं से महक रहा है। दूसरी बात यह है कि वह मेरे बैडरूम में खड़ा है।

"मुझे लगा कि तुम्हारे ई-मेल का जवाब तो खुद आकर ही दिया जा सकता है।" उसने सफाई दी।

मैंने दो बार मुंह खोला और बंद कर लिया। ये तो मेरा ही मज़ाक उड़ाया जा रहा है। मैंने तो सपने में भी नहीं सोचा था कि वह मेल पढ़ते ही अपने काम-धंधे छोड़कर यहां आ जाएगा।

"क्या मैं बैठ सकता हूं?" उसने पूछा और आंखों में शरारत नाच उठी। *शुक्र है! शायद उसे मज़ाक इतना बुरा भी नहीं लगा।*

मैंने हामी भरी। अब भी आवाज़ नहीं निकल रही। क्रिस्टियन ग्रे मेरे पलंग पर बैठा है।

"मैं सोच रहा था कि तुम्हारा सोने का कमरा कैसा दिखता होगा?" वह बोला

मैंने आसपास नज़र घुमाई ताकि कहीं मुंह छिपाने की जगह मिल जाए। नहीं, दरवाजे या खिड़की के अलावा कोई और उपाय नहीं है। मेरा कमरा छोटा पर बड़े काम का है। इसमें सफेद आयरन का डबलबैड है जिस पर मॉम के हाथ की बनी रजाई पड़ी है। यह उन्होंने तब बनाई थी जिन दिनों उन्हें यह काम करने का जुनून सवार हुआ था। पूरा कमरा हल्के नीले व क्रीम रंग में है।

"ये जगह तो काफी शांत है। वह हौले से बोला। *पर अभी नहीं...तुम्हारे साथ तो बिल्कुल भी नहीं।"*

आखिरकर मेरी जुबान काबू में आई और मैंने सांस लेते हुए पूछ ही लिया

"कैसे?"

वह मुस्कुराया "मैं अभी हीथमैन में ही हूं।"

मैं जानती हूं।

"क्या तुम एक ड्रिंक लेना चाहोगे? मैं जो भी कहूंगी, मेरी ये विनम्रता उन कमियों को ढांप लेगी।"

"नहीं! धन्यवाद एनेस्टेसिया!" वह गर्दन टेढ़ी कर अपनी दुष्टता से भरी मुस्कान देने लगा।

खैर, शायद मुझे लेनी पड़ेगी।

"तो, मुझसे मिल कर तुम्हें अच्छा लगा?"

"हाए! यह तो बुरा मान गया। मैं अपनी अंगुलियों को घूरने लगी। मैं खुद को इस पचड़े से कैसे निकालूंगी? अगर मैंने कहा कि वह एक मज़ाक था तो शायद उसे ये बात पसंद नहीं आएगी।

"मैंने सोचा कि तुम मेल से जवाब दोगे?" मैंने दयनीय से सुर में कहा

"क्या तुम जान कर अपना निचला होंठ काट रही हो?"

मैंने अपना होंठ दांतों से अलग करते हुए पलकें झपकाई।

"मुझे नहीं पता था कि मैं अपना होंठ काट रही हूं।" मैं हौले से बोली

मेरा दिल धड़क रहा है। मैं अपने भीतर से उठती उस हिलोर को महसूस कर पा रही हूं। नसों में फिर से वही मीठी चुभन जाग रही है। वह मेरे साथ ही बैठा और उसने मेरी चोटियों को खोल कर बाल लहरा दिए। मैं जैसे उसके हाथों के स्पर्श से ही सम्मोहित हो गई हूं।

"तो तुमने तय कर ही लिया है कि व्यायाम किया करोगी?" उसने बड़े ही मीठे और प्यारे सुर में कहा। उसकी सांस बड़ी मीठी और मोहक थी।

"क्यों एनेस्टेसिया!" उसने अपने हाथों से बालों की लट कान के पीछे की और अंगुलियों से कान को धीरे-धीरे छेड़ने लगा। फिर उसने मेरे कान के आसपास अंगुलियां घुमाते हुए उन्हें खींचा, ये तो बहुत ही उत्तेजक था।

"मुझे सोचने के लिए समय चाहिए।" मैं हौले से बोली। मैं इस समय वही हूं–हिरण/कार की बत्तियां, शमा/परवाना, पक्षी/सांप...और वह अच्छी तरह जानता है कि वह मेरे साथ क्या कर रहा है।

"एनेस्टेसिया क्या सोचना है?"

"तुम्हारे बारे में..."

"और तुमने तय किया कि बस मुझे जान कर तुम्हें अच्छा लगा? क्या तुम मुझे बाइबिल के अर्थ में जानने की बात कर रही थीं?"

ओह! मैं खिसिया गई।

"मैंने तो सोचा भी नहीं था कि तुम्हें बाइबिल की जानकारी होगी।"

"एना! मैं संडे स्कूल में गया हुआ हूं। और सब जानता हूं।"

"वैसे मुझे तो याद नहीं कि बाइबिल में किसी तरह की निप्पल पर लगने वाली चिमटियों का ज़िक्र आता है। शायद तुम्हें किसी आधुनिक अनुवाद से पढ़ाया गया होगा।"

उसके टेढ़े होंठों पर एक मुस्कान खेल गई और मेरी आंखें उसके चेहरे पर चिपक कर रह गईं।

"वैसे मुझे लगा कि तुमसे मिल कर तुम्हें याद दिलाना चाहिए कि मुझे जानना कितना भला लगा था।"

हाय! मैं उसे हैरानी से मुंह फाड़े देखती रही और उसकी अंगुलियां मेरे कानों से चिबुक तक आ पहुंचीं।

"मिस स्टील! इस बारे में आप क्या कहना चाहेंगीं?"

उसकी आंखों में एक चुनौती है। उसके होंठ मेरे होंठों से मिलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और मेरे भीतर एक तीखी चाह हिलारें ले रही है। मैं जाने कब उसकी बांहों में पहुंचगई और पलक झपकते मैं पलंग पर उसके भार तले दबी हुई थी। मेरी बांहें सिर के ऊपर फैली थीं और वह पूरी ताकत के साथ मुझे चूम रहा था। वह मुझे चाहता है और यही एहसास मुझे तसल्ली देने के लिए काफी है। न तो नन्ही बिकनियों वाली केट, न उन पंद्रह सेक्स गुलामों से कोई और और न ही मिसेज रॉबिन्सन। मैं और बस मैं!! ये खूबसूरत इंसान मुझे चाहता है। मेरे भीतर बैठी लड़की ऐसी दमकी कि पूरे पोर्टलैंड को रोशन कर सकती थी। उसने मुझे चूमना बंद किया, मैंने आंखें खोलीं तो वह मुझे ही घूर रहा था।

"मुझ पर भरोसा करो।" उसने सांस ली।

मैंने हामी भरी। दिल तेज़ी से धड़क रहा था और नसों में लहू उबाल ले रहा था।

उसने अपनी पैंट की जेब से वही सिल्वर ग्रे टाई निकाली... जिसने उस दिन मेरे हाथों पर छाप छोड़ी थी। उसने एक ही झटके में मेरे दोनों हाथ उससे बांध दिए पर इस बार टाई का एक छोर मेरे पलंग की लोहे की सलाख से बंधा था। उसने उसे खींच कर जांचा कि वह सही तरीके से बंधा था या नहीं!

मैं कहीं नहीं जा रही। मैं बंधी हुई हूं, मैं अपने ही पलंग से बंधी हूं और खुद को उत्तेजित पा रही हूं।

उसने मुझे विजयी मुस्कान के साथ देखा और आंखों में घिर आई चाह साफ देखी जा सकती थी।

"बेहतर है।" वह हौले से बोला और फिर मेरे जूते उतारने लगा। अरे नहीं! मैं अभी दौड़ लगाकर आई हूं।

"नहीं!" मैंने विरोध करते हुए उसे परे करना चाहा।

वह रुक गया। "अगर ज़्यादा तंग किया तो मैं तुम्हारे पांव भी बांध दूंगा। एनेस्टेसिया! शोर मचाओगी तो तुम्हारा मुंह भी बंद कर दूंगा। चुप रहो। बेशक कैथरीन बाहर आसपास ही कहीं मंडरा रही होगी।"

मेरा मुंह बंद! केट! मैं चुप हो गई।

उसने धीरे से मेरे जूते और जुराबें उतारीं और फिर...। उसने खुद को भी कपड़ों और जूतों से परे करने में देर नहीं की और हंस कर बोला "बेबी! तुमने बहुत कुछ देख लियाहै।" फिर मेरी ही टी-शर्ट इस तरह ऊंची कर दी कि वह मेरे मुंह पर अटक गई और मुझे कुछ भी दिखना बंद हो गया।

"अरे वाह! ये सब तो और भी बेहतर होता जा रहा है। मैं ड्रिंक्स लेकर आता हूं।"

उसने हौले से मेरे होंठ चूमे और कमरे से निकल गया।

ड्रिंक लेने जा रहा है? कहां? कैसे? पोर्टलैंड? सिएटल? मैंने अपने कान बाहर की ओर ही लगा दिए। मुझे पता है कि वह केट से बात कर रहा है। अरे नहीं...... वह भी पूरे कपड़ों के बिना है। पर हो सकता है कि बाहर जाने से पहले उसने उन्हें पहन लिया हो। पता नहीं केट क्या सोचेगी?

वह लौट आया और उसके हाथ में पकड़े गिलास में बर्फ के गोल-गोल घूमने की आवाज़ सुनाई दी।

"एनेस्टेसिया! क्या तुम्हें प्यास लगी है?" उसने चिढ़ाया

"हां!" मैंने कहा क्योंकि अचानक ही मेरा हलक सूख गया था।

वह झुका और अपने मुंह में भरा पेय पदार्थ मेरे मुंह में डाल दिया। उसके चुंबन के साथ ही मुंह में व्हाईट वाइन का स्वाद घुल गया। यह तो दिव्य जान पड़ा क्योंकि उसके मुंह से जो होकर आ रहा था। ये तो सचमुच हॉट है।

"और?" वह हौले से बोला

मैंने हामी भरी। उसने झुक कर अपने होठों से एक और घूंट मेरे मुंह में डाल दिया।

"एनेस्टेसिया! हम और नहीं पी सकते...हमें पता है कि तुम्हें ज्यादा वाइन रास नहीं आती।" फिर उसने बर्फ के एक टुकड़े के साथ थोड़ी और वाइन मुंह में डाल दी और वह अपने ठंडे होंठों से मेरे पूरे शरीर पर चुंबनों की बरसात करने लगा। उसने ठंडी वाइन के साथ मेरी नाभि में बर्फ का एक टुकड़ा डाल दिया। जो मेरे पेट की गहराईयों तक एक तीखी जलन पैदा करता चला गया। वाउ!

"अब तुम्हें बिल्कुल स्थिर रहना है।" वह हौले से बोला। "एनेस्टेसिया! अगर तुम हिलीं तो सारे बिस्तर पर वाइन बिखरी पाओगी।"

"अगर ये शराब गिरी तो तुम्हें सज़ा मिलेगी।"

उसने मुझे बेबस कर दिया और उसके हाथ वक्षस्थल तक जा पहुंचे। एक ओर जहां उसके हाथों की छुअन मुझे दीवाना बना रही थी। वहीं दूसरी ओर वह कोमल अंगों पर बार-बार बर्फ लगा रहा था। बड़ा ही अजीब सा एहसास था पर मैं बंधे हाथों और आंखों पर पड़े कपड़े की वजह से कुछ नहीं कर पा रही थी और न ही देख पा रही थी। मेरी नाभि की बर्फ पिघलने लगी..

मेरी संवेदनशील त्वचा उसके स्पर्श और इस ठंडक के बीच झूल रहे थी। जैसे ही शराब मेरी नाभि से होकर बहने को हुई तो क्रिस्टियन के होठों ने उसे चाट लिया।

"ओह! एनेस्टेसिया। तुम हिलीं और सारी वाइन गिर गई। मैं तुम्हारा क्या करूं?"

मैं बुरी तरह से हांफ रही हूं। बस मैं उसके स्वर और छुअन पर ही ध्यान लगा पा रही हूं। मानो और कुछ भी वास्तविक नहीं है।

कुछ भी मायने नहीं रखता। मेरे राडार में कुछ और दर्ज नहीं हो रहा। उसके हाथ शरीर के एक-एक कोने पर रेंग रहे हैं और मैं उन्हें बड़ी गहनता से अनुभव कर रही हूं।

फिर उसने मेरी टी-शर्ट नीचे कर दी और उसकी अंगुलियां..

"मैं भी तुम्हें छूना चाहती हूं।" मैंने कहा

"मैं जानता हूं।" वह बुदबुदाया। उसने झुक कर मुझे चूमा और मेरे चेहरे पर आए बाल अपने हाथों से पीछे कर दिए।

आज उसने यातना देने के लिए यह नया ही तरीका खोज निकाला था। न तो वह दूर जा रहा था और न ही इतना पास आ रहा था कि मैं संतुष्ट हो पाती। उसने मुझे बहुत देर तक तरसाने के बाद पास आने की हामी दी और इस दौरान व्यंग्यात्मक स्वर में यही पूछता रहा कि क्या यह अच्छा था–क्या वह अच्छा था मानो मेरे ई-मेल वाले मज़ाक का बदला ले रहा हो।

...आखिरकार मेरे मन की मुराद पूरी हुई और वह झट से खड़ा होकर अपने कपड़े भी पहनने लगा। पूरे कपड़े पहनने के बाद वह पलंग पर आया और मेरे हाथ खोल दिए। मैंने अपनी कलाई और अंगुलियां घुमाई और हाथों पर बने टाई के निशान देखकर मुस्कुराने लगी। मैंने अपने कपड़े सहेज कर खुद को कंबल से ढांप लिया और उसे घूरने लगी।

"ये सब तो बहुत ही अच्छा था।" मैंने धीरे से कहा

"ओह! फिर से वही अच्छा शब्द का प्रयोग?"

"तुम्हें ये शब्द पसंद नहीं?"

"नहीं, यह मुझ पर सूट नहीं करता।"

"मिस स्टील! क्या आज के बाद मेरे अहं को चोट पहंचाने की कोशिश करेंगीं?"

"पर मैंने तो ऐसी कोई कोशिश नहीं की।"

"अच्छा! तो तुम्हें यही लगता है?" उसने मेरे पास कोहनी के बल लेटते हुए कहा।

"कोई तुम्हें छुए तो तुम्हें अच्छा क्यों नहीं लगता?" मैंने पूछा

"बस नहीं लगता।" वह आगे आया और मेरे माथे पर एक छोटा सा चुंबन अंकित कर दिया।

"तो तुम्हारा वह ई-मेल एक मज़ाक था?"

मैंने माफी मांगने के अंदाज़ में एक मुस्कान दी और कंधे झटक दिए।

"अच्छा! तो तुम अब भी मेरे प्रस्ताव पर विचार कर रही हो?"

" हां, तुम्हारा अभद्र प्रस्ताव...पर मेरे कुछ मुद्दे हैं।"

उसने मुझे देखकर राहत की सांस ली।

"अगर वे न होते तो मुझे मायूसी होती।"

"मैं उन्हें तुम्हें ई-मेल करने ही जा रही थी कि तुमने यहां आकर बाधा डाल दी।"

"ओह अच्छा जी!!!"

"देखा! मैं जानती थी कि कहीं न कहीं तुम भी हास्यप्रिय हो पर दिखते नहीं हो।"

"एनेस्टेसिया! कुछ चीजें ही मजेदार होती हैं। मुझे लगा कि तुम 'न' कह रही हो और इसके बाद कोई चर्चा नहीं होगी।" उसका सुर डूब गया।

"मैं तो अब भी नहीं जानती। मैंने अभी तक तय नहीं किया। क्या तुम मेरे गले में पट्टा डालोगे?"

उसने भौं नचाई। "तुम अपनी रिसर्च कर चुकी हो। एना! मैं नहीं जानता पर मैंने कभी किसी के साथ ज़बरदस्ती नहीं की।"

ओह...क्या मुझे इस बात पर हैरान होना चाहिए? मैं तो इन बातों के बारे में ...कितना कम जानती हूं। क्या कहूं।

"क्या तुम्हारे साथ ऐसा हुआ था।" मैं हौले से बोली

"हां"

"मिसेज रॉबिन्सन?

"मिसेज रॉबिन्सन।" वह खुल कर हंसा और कितना जवां और बेपरवाह दिखने लगा। उसने अपनी गर्दन पीछे झटकी और उसकी हंसी की छूत मुझे भी लग गई।

मैंने भी खीसें निपोरी।

"मैं उन्हें बताऊंगा कि तुमने ऐसा कहा। उन्हें सुन कर मज़ा आएगा।"

"तुम अब भी उससे नियमित रूप से बात करते हो?" मैं अपनी आवाज़ के सदमे को छिपा नहीं सकी।

"हां!" अब वह गंभीर हो गया।

ओह...अचानक कहीं से जलन का तेज भभका उठा—मैं अपनी इस भावना से बेचैन हो उठी।

"ओह! तो कोई है जिसके साथ तुम अपनी इस जीवनशैली के बारे में चर्चा कर सकते हो पर मुझे इसकी इजाज़त नहीं है।"

उसने त्योरी चढ़ाई।

"मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी इस बारे में इस तरह से सोचा होगा। मिसेज रॉबिन्सन उस जीवन का एक हिस्सा रही हैं। मैंने कहा न कि अब वे एक अच्छी दोस्त भर हैं। अगर चाहोगी तो अपनी किसी पिछली सेक्स गुलाम से भी तुम्हें मिलवा सकता हूं। तुम उससे बात कर सकती हो।"

"क्या?" वह जानबूझ कर मुझे परेशान करना चाह रहा है?

"क्या तुमने मज़ाक के लिए ये तरीका खोजा है?"

"नहीं, एनेस्टेसिया।" उसने हैरानी से गर्दन हिलाई।

"नहीं—मैं अपने-आप सब कर लूंगी। बहुत-बहुत धन्यवाद!" मैं उस पर झपटी और रजाई को चिबुक तक खींच लिया।

उसने मुझे बड़ी ही हैरानी से घूरा।

"एनेस्टेसिया मैं...... उसके शब्द कहीं खो से गए। "पहले तो बता दूं कि मैं तुम्हारा दिल

नहीं दुखाना चाहता था।"

"मैं तो तुम्हारी ये बात सुन कर अचंभे में हूं।"

"अचंभे में?"

" मैं तुम्हारी पिछली किसी दोस्त या सेक्स गुलाम से न तो मिलना चाहती हूं और न ही बात करना चाहती हूं।"

"एनेस्टेसिया स्टील, क्या तुम्हें जलन हो रही है?"

मैं एकदम लजा गई।

"क्या तुम यहीं रहोगे?"

"कल सुबह हीथमैन में नाश्ते के समय मीटिंग है। वैसे भी मैं बता चुका हूं कि मैंअपनी गर्लफ्रेंड्स, गुलाम या दासी वगैरह किसी के साथ नहीं सोता। शुक्रवार और शनिवार इसके अपवाद हैं। ऐसा दोबारा नहीं होगा।" मैं उसकी गंभीर आवाज़ में छिपे निश्चय को सुन सकती थी।

मैंने अपने होंठ भींच लिए।

" खैर, मैं काफी थक गई हूं।"

"क्या तुम मुझे घर से निकालना चाहती हो?" उसने हैरानी और मायूसी के मिले-जुले सुर में पूछा

"हां।"

"वाह! ये भी पहली बार हो रहा है।"

"तो अभी कोई बात नहीं करना चाहती, अनुबंध के बारे में?"

"नहीं।" मैंने दो टूक जवाब दिया।

"बढ़िया! पूरा वक्त लो। मैं तुम्हारी ऐसी पिटाई लगाऊंगा कि हम दोनों ही बेहतर महसूस करेंगे।"

"तुम ऐसी बातें मुझसे नहीं कर सकते...मैंने अभी किसी तरह के अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।"

"एनेस्टेसिया! इंसान सपने तो देख ही सकता है न?" उसने आगे आकर मेरी चिबुक थाम ली।

"बुधवार?" फिर होठों को हौले से चूमा

बुधवार। मैंने हामी दी। "एक मिनट रुको। मैं तुम्हें बाहर तक छोड़ आती हूं। मैं उठी और झट से अपने कपड़े पहन लिए। वह बेमन से बाहर निकला।

मेरे बाल बिखरे हुए थे और मुझे पता था कि कैथरीन के सवालों का जवाब देना होगा। मैंने झट से उन्हें पीछे बांधा और अपने कमरे का दरवाजा खोल कर बड़े कमरे में देखा। केट वहां नहीं थी। शायद वह अपने कमरे में फोन पर होगी। क्रिस्टियन मेरे साथ बाहर आया। वहां से बाहर आने तक मेरे विचार और भावनाएं काफी हद तक बदल चुके थे। अब मैं उससे नाराज़ नहीं थी। अचानक ही मुझे लज्जा अनुभव होने लगी। मैं नहीं चाहती कि वह यहां से जाए। पहली बार दिल ने चाहा कि काश वह एक आम इंसान होता-मुझसे एक सामान्यसंबंध रख पाता जिसमें किसी भी तरह से दस पृष्ठों के अनुबंध, फ्लॉगर, खूंटियों और प्लेरूम की छत का कोई काम न होता।

मैंने उसके लिए दरवाजा खोला और अपने हाथों को घूरने लगी। पहली बार आज मैंने अपने घर में किसी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। बेशक ये बहुत अच्छा था पर पर पता नहीं क्यों मन में खटास आ गई। मैं उसकी इच्छा की गुलाम थी। मेरे भीतर बैठी लड़की ने गर्दन मटकाई-तू भी तो हीथमैन तक छोड़कर जाना चाह रही थी ताकि उसके साथ...। तुझे घर पर ही सब कुछ मिल गया। उसने अपनी बाजुएं मोड़ीं और चेहरे पर इन भावों के साथ पांव पटके-अब और इससे ज़्यादा तू क्या चाहती है? क्रिस्टियन थोड़ा आगे जाकर खड़ा होगया और मेरा चिबुक थाम कर मुझे ऊपर देखने को मजबूर किया। उसकी भवों में बल थे।

"तुम ठीक तो हो?" उसने मेरे निचले होंठ पर अंगूठा फिराते हुए कहा

"हां!" मैंने कहा पर सच कहूं तो मैं पक्के तौर पर यह बात नहीं कह सकती थी। मैं जानती हूं कि अगर मुझे इसके साथ यह सब करना है तो चोट खानी ही होगी। वह किसी भी तरह से मुझे और कुछ देने के लायक नहीं है, न ही दिलचस्पी रखता है और न ही कुछ देना चाहता है......और मैं उससे और भी ज़्यादा चाहती हूं। बहुत ज़्यादा!!!! कुछ देर पहले मेरे मन में जलन की जो भावना पैदा हुई थी, वह उसी का तो नतीजा थी।

"बुधवार!" उसने पक्का किया और आगे आकर मुझे चूम लिया। उसका यह चुंबन दूसरे चुंबनों से काफी हद तक अलग था। उसका

जुनून महसूस किया जा सकता था। मैंने उसके बाजुओं पर अपने हाथ टिका दिए। मैं उन्हें उसके बालों में फिराना चाहती थी पर जानती थी कि वह यह पसंद नहीं करेगा। उसने मेरे माथे के साथ अपना माथा जोड़ा, आंखें बंद हो गईं और आवाज़ ठहर सी गई।

"एनेस्टेसिया! वह हौले से फुसफुसाया।

"तुम मेरे साथ यह क्या कर रही हो?"

"मैं भी तुम्हें यही कह सकती हूं।" मैं बोली

उसने एक गहरी सांस के साथ मेरा माथा चूमा और चला गया। वह कार की ओर जाते समय बालों में हाथ फिरा रहा था और उसने कार का दरवाज़ा खोलते हुए एक दिलकश मुस्कान दी। जवाब में मेरी मुस्कान बहुत ही कमज़ोर और उलझन से भरी थी। मुझे एक बार फिर से सूरज के बहुत पास होकर उड़ते इकारस का चित्र याद आ गया। वह अपनी स्पोर्ट्स कार में बैठा तो मैंने दरवाजा बंद कर लिया। रोने को दिल चाह रहा था; दिल को कचोट सी महसूस हो रही थी। मैंने अपने कमरे में जाकर दरवाज़ा थोड़ा सा बंद किया और खुद को संभालना चाहा पर ऐसा हो नहीं सका। मैं वहीं फ़र्श पर बैठकर घुटनों में सिर दिए रोने लगी।

केट ने हौले से दरवाज़ा खोला

"एना?" वह बोली। उसने मुझे देखते ही अपनी बांहों के घेरे में ले लिया।

"क्या हुआ? उस बला के हसीन और दिलफ़रेब इंसान ने तेरा दिल दुखाया?"

"नहीं! केट, उसने ऐसा कुछ नहीं किया"

उसने मुझे उठाकर पलंग पर बिठा दिया।

"तेरे बाल कैसे बिखरे पड़े हैं?"

अपनी उस उदासी के बीच भी मेरे चेहरे पर मुस्कान खेल गई।

"लगता है कि सब भयंकर रहा होगा?"

"ये सब अच्छा ही रहा। इतना भयंकर भी नहीं था।"

केट मुस्कुराई।

"बढ़िया! पर तुम रो क्यों रही हो? तुम तो कभी नहीं रोतीं।" उसने पास वाले टेबल से ब्रश लिया और मेरे उलझे बाल सुलझाने लगी।

"मुझे नहीं लगता कि हमारा ये रिश्ता कहां जा रहा है।" मैंने अपनी अंगुलियों को घूरते हुए कहा।

"मुझे तो यही पता था कि तू उससे बुधवार को मिलने जा रही है"

"हां जा रही हूं। हमारी योजना तो यही थी।"

"तो फिर वह आज क्यों आया?"

"मैंने उसे एक ई-मेल भेजा था।"

"उसे आने के लिए कहा था?"

"नहीं, लिखा था कि मैं उससे और मिलना नहीं चाहती।"

"और वह यहां आ गया। एना! वह तो जीनियस है।"

"दरअसल वह तो एक मज़ाक था।"

"ओह! अब तो मैं भी उलझन में पड़ गई हू।"

मैंने धीरे-धीरे उसे उस ई-मेल के बारे में समझाया।

"तो तूने सोचा कि वह मेल से ही जवाब देगा?"

"हां"

"पर वह यहां आ गया।"

"हां"

"मैं तो कहना चाहूंगी कि वह तेरा दीवाना हो गया है"

मैंने भौं नचाई।

क्रिस्टियन ग्रे और मेरा दीवाना......? वह तो एक नए खिलौने की तलाश में है, एक सुविधाजनक खिलौना–जिसके साथ बिस्तर में मनमानी की जा सके। मेरा दिल दर्द से ऐंठने लगा। यही तो हकीकत है।

"वह मेरे साथ यहां शारीरिक संबंध बनाने आया था। बस इतना ही!"

"कौन कहता है कि रोमांस मर गया है?" वह हौले से बुदबुदाई। मैंने केट को चौंका दिया था। वैसे यह काम आसान नहीं था। मैंने कंधे झटके।

"वह सेक्स को हथियार की तरह इस्तेमाल करता है

"हद है तेरी गुलामी की भी!!" उसने अपना सिर हिलाते हुए अविश्वास जताया। मैं उसे लगातार पलकें झपकते हुए देखती रही और पूरे चेहरे पर लाली छा गई। ओह... मैं तो मानो रंगे हाथों पकड़ी गई....कैथरीन कैवेना, पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता पत्रकार।

"एना! मैं समझ नहीं पा रही। वह तो तुझसे अपना लगाव जताने आया था?"

"नहीं केट! हमारे बीच कोई लगाव नहीं है। अगर क्रिस्टियन ग्रे के शब्दों में कहें तो वह बस शरीर का नाता रखना जानता है। उसे प्यार जैसी चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है।"

"मैं जानती थी कि उसके बारे में कोई न कोई अजीब बात तो है। शायद वह किसी के साथ बंध कर नहीं रह सकता।"

मैंने हामी भरी और अंदर ही अंदर चुभन भी होने लगी। काश...काश केट! मैं तुझे बता सकती, मैं तुझे बताती कि ये अजीब, उदास और शारीरिक संबंधों में ही भरोसा रखने वाला इंसान मुझसे क्या चाहता है और तू उसी समय मुझे उसे भूलने को कह देती। तू मुझे उसके हाथों का खिलौना बनने से रोक ले।

शायद ये सब कुछ ज़्यादा ही हो गया।

चूंकि मैं ये विषय बदलना चाहती थी इसलिए मैं इलियट की बात करने लगी। उसका नाम लेते ही कैथरीन का तो पूरा रवैया ही बदल गया। वह दमकने लगी और भीनी सी मुस्कान के साथ बोली-

"वह हमारी मदद करने के लिए शनिवार सुबह ही यहां आ जाएगा।" उसने बालों के ब्रश को गले से लगा लिया। ओह! ये तो उसके प्यार में गले-गले तक डूबी है। मुझे हल्की सी जलन भी हुई। केट को अपने लिए एक सामान्य साथी मिल गया है और वह उसे पाकर बेहद खुश है।

मैं मुड़ी और उसे गले से लगा लिया।

"ओह, कहना भूल गई। जब तुम अंदर थीं...तो तुम्हारे डैड का फोन आया था। बॉब को थोड़ी चोट आई है इसलिए वे दोनों तुम्हारी ग्रेजुएशन के लिए नहीं आ सकेंगे पर तुम्हारे डैड वीरवार को आ जाएंगे। वे चाहते हैं कि तुम उनसे बात कर लो।"

"ओह...मॉम कभी फोन नहीं करतीं। क्या बॉब ठीक है?"

"हां, अब कल सुबह फोन करना। रात बहुत हो गई है।"

"धन्यवाद केट! अब मैं बेहतर महसूस कर रही हूं। मैं कल रे से भी बात करूंगी।"

वह मुस्कुराई पर उसकी आंखों के छोरों पर मेरी लिए चिंता की लकीरें देखी जा सकती थीं।

उसके जाने के बाद मैंने अनुबंध को फिर से पढ़ा और कुछ नोट्स बना लिए। जब सारा काम हो गया तो लैप ऑन किया ताकि जवाब दिया जा सके।

मेरे इनबॉक्स में क्रिस्टियन ग्रे का मेल आया हुआ था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: इस शाम
डेट: मई 23 2011 23:16
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील
मैं अनुबंध के बारे में तुम्हारे नोट्स की राह देख रहा हूं।
तब तक अच्छी नींद लेना, बेबी!
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: कुछ मुद्दे
डेट: मई 24 2011 00:02
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे

यहां मैं अपने मुद्दों की सूची दे रही हूं। मैं चाहती हूं कि बुधवार को डिनर के दौरान हम उन पर विस्तार से चर्चा कर लें।

यहां दिए नंबर क्लॉज़ से संबंध रखते हैं।

2: ये नहीं समझ पा रही कि यह सब कुछ पूरी तरह से मेरे फायदे के लिए क्यों है–मेरी नारी संवेदनशीलता और सीमाओं के अन्वेषण के लिए? मुझे यकीन है कि मुझे उसके लिए दस पृष्ठों के अनुबंध की आवश्यकता नहीं होगी। बेशक ये सब तुम्हारे फायदे के लिए है।

4: जैसा कि तुम जानते हो, मैंने तुम्हारे सिवा अभी तक किसी से भी शारीरिक संबंध नहीं रखे। मैं नशा नहीं करती और मैंने कभी रक्ताधान नहीं करवाया। मैं पूरी तरह से सुरक्षित हूं। तुम अपने बारे में बताओ?

8: यदि मुझे लगे कि तुम नियमों के अनुसार नहीं चल रहे तो मैं किसी भी समय सब कुछ छोड़कर जा सकती हूं। ओ. के.–मुझे यही पसंद है।

9: तुम्हारे सारे हुक्म मानना? बिना किसी हिचक के तुम्हारे अनुशासन में चलना? हमें इस बारे में बात करनी होगी।

11: एक महीने का ट्रॉयल पीरियड होगा। तीन महीने का नहीं!

12.1 मैं हर सप्ताह के अंत में मिलने का वादा नहीं करती। मेरा भी एक जीवन है या होगा। शायद चार में से तीन सप्ताह ठीक रहेंगे?

15.2 लैंगिक रूप से फिट या किसी दूसरे रूप में मेरे शरीर का प्रयोग; यह दूसरा रूप क्या है?

15.5 यह अनुशासन से जुड़ा पूरा पैराग्राफ। मैं नहीं जानती कि मैं किसी भी तरह की मार के लिए तैयार हूं या नहीं? वैसे भी तुम मुझे बता चुके हो कि तुम पर-पीड़क नहीं हो।

15.10 वैसे मुझे कभी किसी को उधार देने का एक विकल्प होगा। मुझे खुशी है कि उसे यहां प्राथमिकता नहीं दी गई है।

15.14 नियम! इनके बारे में थोड़ी चर्चा!

15.19 तुम्हारी मर्जी के बिना अपने-आप को स्पर्श करना? तुम्हें इससे क्या परेशानी है? वैसे भी तुम्हें पता है कि मैं वह सब नहीं करती।

15.21 अनुशासन: कृपया 15.5 को देखें।

15.22 मैं तुम्हारी आंखों में नहीं देख सकती, क्यों?

15.24 मैं तुम्हें छू क्यों नहीं सकती?

नियम:

नींद: मैं छह घंटे की नींद के लिए हामी देती हूं।

भोजन–मैं दी गई सूची में से खाना नहीं खाना चाहूंगी। या तो भोजन की सूची रहेगी या मैं, सोच लो।

कपड़े–जहां तक मैं तुम्हारे साथ हूं, उन्हें पहन लूंगी...ओ.के

व्यायाम–हमने तीन घंटे तय किए थे पर यहां अब भी चार ही लिखे हैं।

कोमल सीमाएं-

क्या हम इन सब पर फिर से चर्चा कर सकते हैं? किसी भी तरह से मुट्ठियों का प्रयोग नहीं होगा। ये किसी तरह से लटकाने वाली क्या बात है? शरीर के कोमल अंगों पर लगने वाले शिकंजे–तुम मुझसे मज़ाक कर रहे हो।

क्या तुम मुझे बता सकते हो कि बुधवार का क्या प्रोग्राम होगा? मैं उस दिन शाम पांच बजे तक काम पर रहूंगी।

शुभरात्रि
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: मुद्दे
डेट: मई 24 2011 00:07
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील
ये तो बहुत लंबी सूची है। तुम अभी तक सोई नहीं?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: कड़ी मेहनत
डेट: मई 24 2011 00:10
टू: क्रिस्टियन ग्रे

श्रीमान

अगर आपको याद हो तो जब अचानक एक भटका हुआ दीवाना सनकी मेरे कमरे में आया और बहकाने लगा तो मैं यही काम कर रही थी।
शुभरात्रि
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: आधी रात तक कड़ी मेहनत बंद करो
डेट: मई 24 2011 00:12
टू: एनेस्टेसिया स्टील

एनेस्टेसिया सोने जाओ!!!!

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ और एक अजीब सनकी
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

ओह! शब्द भी कैसे चीख रहे हैं! मैंने झट से बत्तियां बुझा दीं। वह छह मील की दूरी से भी मुझे धमकाने की ताकत रखता है? मैं गर्दन हिलाई। दिल अभी भी भारी है। मैं पलंग पर लेटी और जल्द ही गहरी पर बेचैनी से भरी नींद की गोद में समा गई।

अध्याय 13

अगले दिन मैंने काम से लौट कर, मॉम को फोन किया। क्लेटन मे काफी शांत दिन रहा था इसलिए मुझे सोचने के लिए काफी समय मिल गया था। मै मि. सनकी के साथ कल हुई मुठभेड़ के बाद से काफी घबराहट में हू। कहीं ऐसा तो नहीं कि मै उस अनुबंध के बारेमें कुछ ज्यादा ही नकारात्मक रही होऊ? हो सकता है कि वह इन बातो को यू ही हवा में उड़ा दे।

मेरी मॉम ने बहुत सारी माफियों के साथ सफाई दी कि वे मेरी ग्रेजुएशन वाले कार्यक्रम में नहीं आ सकेंगी। बॉब के किसी लिगामेंट में कोई मोच आ गई है और मॉम को उसकी तीमारदारी के लिए रुकना होगा। ईमानदारी से कहू तो बॉब भी मेरी तरह ही है। बहुत जल्दी चोटिल हो जाता है। बेशक आराम तो आ ही जाएगा पर इस वजह से उनका आना संभव नहीं होगा।

"एना, हनी! आई एम सॉरी!" मॉम फोन में ही कलपने लगी।

"मॉम! कोई बात नही। रे वहा होंगे।"

"एना! तू कैसी थकी-थकी सी बोल रही है। सब ठीक है न बेटा?"

''हां, मॉम! काश आप जान पातीं कि मै इन दिनो एक ऐसे पैसे वाले सनकी के साथ हू जो मुझसे बड़े ही अजीब से यौन संबंध बनाने की हामी चाहता है, जिसके बारे में मै कोई अता-पता नहीं रखती।''

"क्या तुम किसी से मिली हो?"

" नहीं मॉम! अभी ऐसी कोई बात करने का मूड नहीं है"

"अच्छा डार्लिंग! वीरवार को मुझे सारा दिन तुम्हारी ही याद आएगी। आई लव यू.....और तुम जानती हो डार्लिंग।"

मैंने अपनी आखें बंद कीं और उनके शब्दों ने मुझे भीतर से रोशन कर दिया।

"लव यू टू मॉम! बॉब को मेरी ओर से हाय कहना। उम्मीद करती हूं कि वे जल्दी ही ठीक हो जाएंगे।"

"हां, हनी! कह दूंगी। बाय!"

"बाय!"

मैं फोन के साथ अपने बेडरूम में ही मंडरा रही थी। मैंने यूं ही मशीन ऑन की और ई-मेल प्रोग्राम खोल लिया। कल देर रात या आज अलसुबह क्रिस्टियन का ई-मेल आया हुआ है, आप चाहे जो भी समझ लें। मेरे दिल की धड़कन अचानक ही तेज़ हो गई। हाय ....कहीं उसने इंकार न कर दिया हो? हो सकता है कि उसने डिनर ही रद्द कर दिया हो। ये सोच ही कितनी पीड़ादायी है। मैंने इस सोच को दिमाग से झटका और ई-मेल खोला।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारे मुद्दे
डेट: मई 24, 2011 01:27
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील,
यहां मैं तुम्हारे मुद्दों पर थोड़ा विस्तार से चर्चा करना चाहता हूं। क्या मैं तुम्हें सबमिसिव शब्द के कुछ अर्थ व परिभाषाएं बता सकता हूं
विनम्र सेवक, आसानी से वश में आने वाला, लचीला, घरेलू, पालतू, सहज अनुगामी, दब्बू, आज्ञाकारी, विनम्र, विनीत, आज्ञाकारिता, विनम्रतापूर्वक आदि।
विपरीत–विद्रोही या आज्ञा न मानने वाला
मूल–1580–90
तुम मेरी सेक्स गुलाम बनने के लिए हामी देने आ रही हो इसलिए इन शब्दों को ध्यान में रखना।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट:
डेट: मई 24, 2011 18:29
टू: क्रिस्टियन ग्रे

सर! मैं आपको याद दिलाना चाहूंगी कि आपने जो अर्थ दिए हैं। उनका मूल बहुत पुराना है और हम 2011 में जी रहे हैं। हम तब से बहुत प्रगति कर चुके हैं:
क्या मैं आपको अपनी अगली मुलाकात के लिए कुछ बता सकती हूं:
समझौता
दो लोगों के बीच आपसी रजामंदी से तय की गई बातें, आपसी मतभेदों को भुला कर तय किए गए मुद्दे, किसी रजामंदी का परिणाम, विभिन्न जान पड़ने वाली बातों के बीच तालमेल आदि...।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: मेरे मुद्दे?
डेट: मई 24, 2011 18:32
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील! हमेशा की तरह बढ़िया बात कही। मैं तुम्हें कल अपार्टमेंट से सात बजे ले लूंगा।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: 2011–औरतें भी गाड़ी चला सकती हैं
डेट: मई 24, 2011 18:40
टू: क्रिस्टियन ग्रे

सर,
मेरे पास एक कार है। मैं कार चला सकती हूं।
मैं आपसे कहीं मिलना चाहूंगी।
कहां मिलने आऊं?
आपके होटल में सात बजे?
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: अड़ियल नवयुवती
डेट: मई 24, 2011 18:43
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील,
मैं 24 मई 2011 को 1:27 पर भेजी गई मेल और उसमें दी गई परिभाषा का संदर्भ देना चाहूंगा
क्या तुमने कभी सोचा कि तुम वही कर पाओगी, जो तुमसे करने को कहा जाएगा?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: हठी इंसान
डेट: मई 24, 2011 18:49
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मि. ग्रे

मैं ड्राइव करना चाहूंगी।
प्लीज़
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: खिझाऊ इंसान
डेट: मई 24, 2011 18:52
टू: एनेस्टेसिया स्टील

अच्छा। मेरे होटल में शाम सात बजे।
मैं तुम्हें मार्बल बार में मिलूंगा।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: इंसान इतना हठी भी नहीं है।
डेट: मई 24, 2011 18:55
टू: क्रिस्टियन ग्रे

धन्यवाद
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: खिझाऊ युवती
डेट: मई 24, 2011 18:59
टू: एनेस्टेसिया स्टील

तुम्हारा स्वागत है।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स इंक

मैंने रे को फोन किया तो वह साल्टे लेक सिटी की किसी सॉकर टीम के सांउडर्स को खेलते देख रहे थे इसलिए हमारी बातचीत काफी छोटी रही। वे वीरवार को ग्रेजुएशन समारोह के लिए आने वाले हैं। वे उसके बाद मुझे खाने के लिए कहीं बाहर ले जाना चाहते हैं। रे से बात करके अचानक ही दिल भारी हो आया और गले में कुछ अटक सा गया। मॉम के रोमानी तमाशों के बीच वे हमेशा मेरा सहारा बन कर खड़े रहे हैं। हम दोनों का नाता बहुत ही खास है। भले ही वे मेरे सौतेले पिता हैं पर उन्होंने हमेशा मुझे अपनी बेटी से बढ़कर चाहा है। मुझसे तो उन्हें देखे बिना रहा नहीं जा रहा। बहुत समय पहले मुलाकात हुई थी। इस समय मुझे उनके साथ और दुलार की सख़्त ज़रूरत है। हो सकता है कि मैं अपने भीतरी रे को कल की मुलाकात के लिए दिशा दे सकूं।

केट और मैंने रेड वाइन के साथ पैकिंग पर ध्यान दिया। जब हम बिस्तर पर गए तो मेरे कमरे का तकरीबन सामान पैक हो गया था, मैंने खुद को शांत महसूस किया। हर चीज़ को पैक करने के काम ने मन को अच्छे से उलझाए रखा और अब मैं थकान महसूस कर रही हूं। मैं पूरी रात की भरपूर नींद चाहती हूं। मैं बिस्तर में घुसी और जल्द ही सो गई।

पॉल न्यूयॉर्क में किसी फाइनेंसिंग कंपनी में अपनी इंटर्नशिप शुरू करने से पहले प्रिंसटन लौट आया है। आज वह सारा दिन स्टोर में मेरे पीछे घूम-घूम कर डेट के लिए पूछता रहा। उसने तो खिझा कर रख दिया।

"पॉल! मैं तुमसे सैकड़ों बार कह चुकी हूं कि आज तुम्हारे साथ जाना संभव नहीं है। आज मेरी किसी और के साथ डेट है।"

"नहीं, तुम झूठ कह रही हो। तुम मुझे बहकाने के लिए ऐसा कह रही हो। तुम्हारी कोई डेट नहीं है। तुम हमेशा मुझसे ऐसे ही पेश आती हो।"

''हां...शुक्र है कि तुम्हें अंदाज़ा हो गया।''

"पॉल! मुझे नहीं लगा कि बॉस के भाई के साथ डेट पर जाने में कोई अक्लमंदी होगी।"

"शुक्रवार को तो तुम यह जगह छोड़ ही रही हो। तुम कल से यहां काम नहीं करोगी।"

"और मैं शनिवार को सिएटल में मिलूंगी। तुम जल्द ही न्यूयॉर्क चले जाओगे। कोशिश करने पर भी इससे ज्यादा दूर नहीं हो सकते। वैसे भी आज शाम मेरी डेट है।"

"जोस के साथ?"

"नहीं"

"किसके साथ?"

"पॉल......" ओह! ये तो जान नहीं छोड़ने वाला। 'क्रिस्टियन ग्रे'।" मैं अपने सुर की खीझ दबा नहीं पाई पर ये तरीका कारगर रहा। पॉल का मुंह खुला का खुला रह गया। वह हैरानी से मुझे ताकने लगा। ओह! यहां तक कि उसका नाम ही लोगों को हैरत में डाल देने के लिए काफी है।

"तुम क्रिस्टियन ग्रे के साथ डेट कर रही हो?" उसने सदमे से उबर कर पूछा। उसकी आवाज़ में छिपा अविश्वास भांपा जा सकता था।

"हां"

अच्छा। पॉल दंग था और मेरे भीतर बैठी लड़की ने उसे गंदे व अश्लील तरीके से ईशारा करते हुए मुस्कान दी।

इसके बाद उसने मुझे अनदेखा किया और मैं पूरे पांच बजे वहां से बाहर थी।

केट ने मुझे आज और कल के समारोह के लिए दो जोड़ी पोशाक और जूते उधार दिए थे। काश! मैं भी अपने कपड़ों की खरीददारी पर ध्यान दे पाती पर ये सब मेरे बस की बात नहीं है। तो तुम्हारे बस में क्या है? एनेस्टेसिया? क्रिस्टियन ग्रे का प्यार से पूछा गया सवाल मेरे दिमाग में कौंधने लगा। मैंने गर्दन झटक कर अपनी घबराहट पर काबू पाया। आज शाम के लिए मैरून रंग की कॉकटेल ड्रेस चुनी है, बेशक दिखने में थोड़ा व्यावसायिक लुक देती है पर मैं भी तो एक अनुबंध पर सौदेबाज़ी करने ही जा रही हूं।

मैं नहाई, अपनी टांगें व बगलें शेव कीं और सिर धो कर बालों को सुखाने में पूरा आधा घंटा लगाया ताकि उसकी लटें मेरी छातियों और पीठ पर लहरा जाएं। फिर बालों को चेहरे के एक ओर ले जाते हुए कंघी से अटका दिया। थोड़ा सा मस्कारा और लिपग्लॉस लगाया। मैं कभी मेकअप नहीं करती, मुझे इससे डर लगता है। मेरी कोई भी साहित्यिक नायिका कभी मेकअप नहीं करती थी–अगर वे करतीं तो शायद मुझे भी इस बारे में काफी जानकारी होती।मैंने पोशाक से मेल खाते ऊंची एड़ी के सैंडिल पहने और छह बज कर तीस मिनट तक तैयार हो गई।

"कैसी लग रही हूं?" मैंने केट से पूछा

उसने दांत दिखाए।

"वाह! एना तू तो चमक गई।" उसने गर्दन हिलाई। हॉट लग रही है।

"हॉट! मैं तो बिज़नेसवूमन दिखना चाह रही थी।"

"हां, वह भी लग रही है पर ये पोशाक और रंग तुझ पर सूट कर रहे हैं और ये तेरे शरीर से कुछ ज्यादा ही चिपकी हुई है।" उसने कहा

"केट!" मैंने फटकारा

"एना! सच बोल रही हूं। कुल मिलाकर सारा पैकेज मस्त है। समझ, वह तो तेरे काबू

आ गया।"

मेरे चेहरे पर गंभीर रेखाएं खिंच गईं। ओह! तू क्या जाने केट कि आज क्या होने वाला है।

मुझे अपनी शुभकामनाएं दे।"

"तुझे डेट के लिए शुभकामनाएं चाहिए?" उसने हैरानी से भवें नचाईं।

"हां, केट।"

"अच्छा–गुडलक!" उसने मुझे गले से लगाया और मैं गेट से बाहर आ गई।

मुझे अपनी वांडा–सीब्ल्यू बीटल को नंगे पांव ही चलाना होगा क्योंकि इसे हील पहन कर नहीं चलाया जा सकता। मैं छह बज कर अट्ठावन मिनट पर हीथमैन पहुंची और कार की चाबियां पार्किंग के लिए दीं। उसने मेरी बीटल को बड़ी हैरानी से देखा पर मैंने अनदेखा कर दिया। मैंने एक गहरी सांस ली और हिम्मत बटोरते हुए होटल में कदम रखा।

क्रिस्टियन यूं ही बार के पास झुका खड़ा है। उसके हाथ में व्हाइट वाइन का एक गिलास है। उसने काली जींस, काली टाई व काली जैकेट के साथ सफेद लिनन की कमीज़ पहनी हुई है। बाल हमेशा की तरह बिखरे हुए हैं। मैंने आह भरी। मैं कुछ सेकेंड तक वहीं खड़ी उसे निहारती रही। उसने घबराहट से प्रवेश द्वार की ओर झांका और अचानक मुझे देखते ही स्थिर हो आया। पहले दो बार पलकें झपकाईं और फिर एक अलसाई सी मीठी मुस्कान से मुझे वश में कर लिया। मैंने पूरी कोशिश की अपना होंठ न काटूं। मैं आगे बढ़ी और मुझेपता था कि आज ऊबड़खाबड़ देश की रानी एनेस्टेसिया स्टील हाई हील में है इसलिए सोचकर कदम रखना था। वह अपने सधे अंदाज़ में आगे आया।

"तुम तो कमाल दिख रही हो। मिस स्टील! कहना ही पड़ेगा।" उसने मेरी बांह थामी और एक कोने में ले गया। उसने वहीं से वेटर को संकेत किया।

"तुम क्या लेना चाहोगी?"

मेरे होंठों पर एक छिपी मुस्कान खेल गई और मैं बूथ में बैठकर सोचने लगी कि शुक्र है आज कम से कम पूछ तो रहा है।

"मैं वही लूंगी, जो तुम ले रहे हो, प्लीज़।" देखा मैं कितने अच्छे तरीके से पेश आ सकती हूं। उसने मुग्ध भाव से एक और गिलास सैंसेरी का ऑर्डर दिया और मेरे साथ बैठ गया।

"यहां का वाइन सेलर ज़बरदस्त है।" उसने मेज पर कोहनियां रखते हुए अंगुलियों से अपनी चिबुक थाम ली। आंखों में कुछ अजीब से जीवंत भाव थे और अचानक मैं फिर से वही खिंचाव और आकर्षण महसूस करने लगी। मैं बेचैनी से अंदर ही अंदर पलटी। मुझे खुद को शांत रखना होगा।

"क्या तुम घबरा रही हो?" उसने प्यार से पूछा

"हां"

वह आगे झुका

"मैं भी!" वह धीरे से बोला। मेरी आंखें उसकी आंखों से टकराईं–क्रिस्टियन ग्रे और घबराहट? मैंने पलकें झपकाईं और वह मुस्कुराने लगा। वेटर एक प्लेट में मिक्स नट्स व ऑलिव के साथ मेरा ऑर्डर ले आया।

"तो हम यह सब कैसे तय करने जा रहे हैं?" मैंने अपने बिंदुओं पर नज़र मारते हुए पूछा

"मिस स्टील! आप हमेशा की तरह अधीर हैं।"

"वैसे मैं यह भी पूछ सकती हूं कि आज के मौसम के बारे में आपका क्या कहना है?"

वह मुस्कुराया और एक ऑलिव अपने मुंह में डाल लिया। उसके मुंह की ओर आंखें जाते ही जाने मैं लजा सी गई।

"मुझे तो लगा कि आज का मौसम बड़ा ही आम था।"

"मि. ग्रे क्या आप मेरा मज़ाक उड़ा रहे हैं?"

"जी हां मिस स्टील!"

"क्या तुम जानते हो कि यह अनुबंध कानूनी रूप से मान्य नहीं है।"

"मिस स्टील! मुझे इस बारे में अच्छी तरह पता है।"

"क्या तुम मुझे ये बात अपने-आप बताते?"

उसने त्योरी चढ़ाई-"तुम सोचती हो कि पहले तुम्हें मैं तुम्हारी मर्जी के खिलाफ उलझा लेता और फिर दिखावा करता कि तुम तो कानूनी रूप से बंधी हो?"

"हां"

"तो तुम मेरे बारे में कोई खास अच्छी राय नहीं रखतीं?"

"तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।

"एनेस्टेसिया! इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि वह कानूनी तौर पर मान्य है या नहीं? यह हम दोनों के बीच तय की गई एक व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है, जो हमें बताती है कि मैं तुमसे क्या चाहूंगा और तुम मुझसे क्या अपेक्षा रख सकती हो। यदि तुम्हें पसंद नहीं है तो तुम साइन मत करो। यदि साइन करने के बाद भी तुम्हें ये पसंद नहीं आता तो ऐसे कई रास्ते हैं, जिनके माध्यम से तुम अलग हो सकती हो। अगर ये कानूनी तौर पर लागू होता भी तो तुम्हें क्या लगता है कि मैं आगे जाकर तुम पर जबरदस्ती मनमानी करता और तुम्हें अदालत में घसीटता?"

मैंने शराब का एक लंबा घूंट लिया। भीतर बैठी लड़की ने कंधे पर थपकी दी। हिम्मत रख और दिमाग के ताले बंद मत होने देना। ज्यादा शराब भी मत पी।

"रिश्ते ईमानदारी और भरोसे की नींव पर टिकते हैं। अगर तुम मुझ पर भरोसा नहीं करती-तो मुझ पर भरोसा करो ताकि तुम जान सको मैं तुम पर किस तरह से असर डाल रहा हूं, मैं तुम्हारे साथ कितनी दूर तक जा सकता हूं, तुम्हें कितनी दूर तक ले जा सकता हूं–अगर तुम मेरे साथ ईमानदार नहीं हो सकतीं तो बेशक हम यह सब नहीं कर सकते।"

ओह! वह मुझे कितनी दूर तक ले जा सकता है। इसका कहने का मतलब क्या है?

"तो एनेस्टेसिया! बात बिल्कुल साफ है। तुम मुझ पर भरोसा करती हो या नहीं?" उसकी

आंखें तेजी से दहक रही थीं।

"क्या तुमने पिछली...पंद्रह के साथ भी ऐसी ही चर्चा की थी।"

"नहीं"

"क्यों नहीं?"

"क्योंकि वे सब पहले से इस काम से जुड़ी थीं। वे जानती थीं कि वे मुझसे इस रिश्ते में क्या चाहती थीं और मैं उनसे क्या अपेक्षा रख सकता था। उनके साथ तो बस थोड़ी-बहुत बातचीत और कोमल सीमाओं की चर्चा ही करनी पड़ती थी।"

"क्या तुम किसी स्टोर से उन्हें लाते थे"

वह हंसा–"नहीं, ऐसा तो नहीं है।"

"तो कैसे?"

"तुम यही सब चर्चा करना चाहती हो? या हम दूसरी बातों पर गौर कर लें? तुम्हारे मुद्दे, जैसा कि तुमने कहा।"

मैंने थूक निगला। क्या मैं उस पर भरोसा करती हूं? क्या यह सारी बात भरोसे पर टिकी हैं? बेशक यह दोतरफा होना चाहिए। मुझे याद है कि जब मैंने जोस को फोन किया था तो वह कैसे पेश आया था।

"क्या तुम्हें भूख लगी है?" उसने मेरी सोच को भंग कर दिया।

''अरे नहीं......खाना''

"नहीं"

"क्या आज कुछ खाया था?"

मैंने उसे घूरा। ईमानदारी.........हाय! उसे मेरा जवाब पसंद नहीं आने वाला।

"नहीं!" मैंने छोटा सा उत्तर दिया।

"एनेस्टेसिया! तुम्हें खाना होगा। हम यहां या मेरे सुईट में खा सकते हैं। तुम क्या चाहोगी?"

"मुझे लगता है कि हमें लोगों के बीच या उनके आसपास ही खाना चाहिए।"

उसके चेहरे पर उदासी से भरी मुस्कान तिर आई।

"क्या तुम्हें लगता है कि ऐसा होने पर मैं रुक जाऊंगा?" उसने मुझे बड़े ही उत्तेजक तरीके से चेतावनी दी।

मेरी आंखें फैल गईं और मैंने फिर से थूक निगला।

"उम्मीद तो यही है।"

"आओ! मैंने एक निजी डाइनिंगरूम बुक किया है। वहां लोग नहीं होंगे।" उसने एक मुस्कान के साथ बूथ से बाहर आते हुए मेरी तरफ हाथ बढ़ा दिया।

"अपनी वाइन ले लो।" वह हौले से बोला

मैं अपना हाथ उसके हाथ में देकर उठ गई और दूसरे हाथ में अपना गिलास थाम लिया। वह मुझे बार के पीछे से जा रही सीढ़ियों से मीज़ेन फ्लोर तक ले गया। वहां हीथमैन का एक आदमी हमारे स्वागत के लिए खड़ा था।

"मि. ग्रे! इस ओर से आएं।"

हम उसके पीछे चलते-चलते एक छोटे से डाइनिंग रूम तक पहुंचे। बस एक ही मेज लगा था। कमरा छोटा पर आलीशान था। चमचमाते फानूस के नीचे फैले मेज पर लिनन, क्रिस्टल के गिलास, चांदी की कटलरी और सफेद गुलाबों का गुलदस्ता देखते ही बन रहे थे। लकड़ी के पैनल वाले कमरे में मानो किसी पुराने युग का सौंदर्य लौट आया हो। वेटर ने मेरी कुर्सी खींची और मैं बैठ गई। उसने नैपकिन मेरी गोद में रख दिया। क्रिस्टियन मेरे सामने बैठा तो मैंने उसे कनखियों से देखा।

"अपना होंठ मत काटो।" वह हौले से बोला।

"हाय! मुझे पता ही नहीं कि मैं कब अपना होंठ काटने लगी।"

"मैंने पहले से ही ऑर्डर कर दिया है। उम्मीद करता हूं कि तुम बुरा नहीं मानोगी।"

"सच कहूं तो अच्छा ही लगा। मैं उस समय किसी भी तरह के निर्णय लेने की मनःस्थिति में नहीं थी।

"नहीं! ठीक है।" मैंने कहा।

"जानकर अच्छा लगा कि तुम ऐसा बर्ताव भी कर सकती हो। तो हम कहां थे?"

वहीं छोटी-मोटी बातें। मैंने एक घूंट भरा। ये सचमुच स्वादिष्ट है। क्रिस्टियन ग्रे को वाइन की गहरी समझ है। मुझे अपने पलंग पर उसके मुंह से मिला शराब का घूंट याद आ गया और मेरा चेहरा लाल हो गया।

"हां, तुम्हारे मुद्दे।" उसने जैकेट की जेब से कागज का एक टुकड़ा निकाला। वह तो मेरा ई-मेल था।

"क्लाज़ नंबर 2। मैं सहमत हूं। यह हम दोनों के फायदे के लिए है। मैं इसे ठीक करवा दूंगा।"

मैंने पलकें झपकाईं। हाय! क्या हम एक-एक कर सारे बिंदुओं पर इसी तरह चर्चा करेंगे। मुझे नहीं लगता कि मैं इतनी बहादुर हूं। यह तो पूरी तरह से तैयार लग रहा है। मैंने एक और घूंट भरा...तभी क्रिस्टियन बोला

"मेरा यौन स्वास्थ्य। वैसे मेरे पिछले सभी साथियों ने रक्त की जांच करवाई थी और मैं स्वयं हर छह माह सभी संभावित रोगों से बचाव के लिए सारे टेस्ट करवाता हूं। मेरे सारे टेस्ट बिल्कुल ठीक थे। मैंने आज तक नशे की दवाएं नहीं लीं। दरअसल मैं उनके बुरी तरह से खिलाफ हूं। मेरी अपने कर्मचारियों से भी यही उम्मीद रहती है कि वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे। कोई भी नशा करता पाया गया तो उसके साथ कोई सहानुभूति नहीं रखी जाएगी। समय-समय पर मैं उनकी जांच भी करवाता रहता हूं।"

वाउ!.........सबको नियंत्रण में रखने वाला सनकी पगला गया है......मैंने सदमे में आकर पलकें झपकाईं।

"मैंने आज तक ब्लड ट्रांसफ्यूज़न नहीं करवाया। क्या तुम्हें तुम्हारे सवाल का जवाब मिल गया?"

मैंने हामी भरी।

"तुम्हारे अगले बिंदु के बारे में मैं पहले ही कह चुका हूं। एनेस्टेसिया! तुम किसी भी समय छोड़कर जा सकती हो। मैं तुम्हें रोकूंगा नहीं। अगर तुम जाती हो तो सब वहीं खत्म हो जाएगा। बस!"

"ओ.के.।" मैंने धीरे से कहा। मेरे जाते ही सब खत्म हो जाएगा। यह सोच ही पीड़ादायी थी।

वेटर हमारे पहले कोर्स के साथ आ गया। मैं खा कैसे सकती हूं? उसने बर्फ की परत पर ऑयस्टर ऑर्डर किए हैं।

"उम्मीद करता हूं कि तुम्हें अच्छे लगेंगे।" उसने कहा।

"मैंने पहले कभी नहीं खाए। कभी नहीं।"

"सच्ची! उसने एक उठाया। देखो, बस इसे मुंह में डालो और निगलो। मुझे लगता है कि तुम ऐसा कर सकती हो।" उसने कहा और मैं मन ही मन यह सोचकर पानी-पानी हो गई कि वह किसी ओर इशारा कर रहा था। उसने खीसें निपोरीं और एक और ऑयस्टर पर नींबू का रस छिड़क कर उसे मुंह में डाल लिया।

"हम्म! स्वादिष्ट। समुद्र का ताज़ा स्वाद।"

"तुम भी खाओ न।" उसने हौंसला बढ़ाया।

"तो, मुझे इसे चबाना नहीं है?"

"नहीं एनेस्टेसिया!" उसकी आंखों में एक अलग सी चमक दिखी।

मैंने अपने होंठ काटे और वह मुझे सख़्ती से देखने लगा। मैंने झट से एक ऑयस्टर उठा लिया......अब भी कुछ नहीं बिगड़ा। उस पर नींबू का रस छिड़का और झट से निगल लिया। वह सीधा मेरे गले से उतरता चला गया। समुद्र का पानी, नमक, नींबू का तीखा रस और मांस का स्वाद...ओह! मैंने अपने होंठ चाटे और वह मुझे गहरी आंखों से देख रहा है।

"कैसा लगा?"

"एक और लूंगी।" मैंने कहा।

"अच्छी बच्ची!" उसने गर्व से कहा।

"क्या तुमने जान कर इन्हें चुना है? क्या ये अपनी कामोत्तेजक विशेषता के लिए नहीं जाने जाते?"

"नहीं! ये मेन्यू की पहली आइटम थे। मुझे तुम्हारे पास आने के बाद ऐसी चीजें लेने की जरूरत नहीं पड़ती। मुझे पता है कि तुम जानती हो। मेरे पास आकर तुम्हारा भी यही हाल होता है।" उसने कहा।

"तो कहां थे हम?" वह मेरा ई-मेल देखने लगा तो मैंने एक और ऑयस्टर उठा लिया।

उसका भी मेरे जैसा हाल होता है। मैं उस पर असर डाल सकती हूं......वाउ!"

"हर बात में मेरा हुक्म मानना। हां, मैं चाहता हूं कि तुम ऐसा ही करो। तुम्हें ऐसा करना ही होगा। एनेस्टेसिया! इसे एक रोल-प्ले की तरह लो।"

"पर मुझे चिंता है कि तुम मुझे चोट पहुंचाओगे।"

"तुम्हें चोट पहुंचाऊंगा कैसे?"

"शारीरिक रूप से।"

...और भावनात्मक रूप से भी।

"क्या तुम्हें सचमुच लगता है कि मैं ऐसा करूंगा। तुम्हारी सीमा से परे जाकर तुम्हेंचोट पहुंचाऊंगा।"

"तुमने एक बार कहा था कि तुमने किसी को चोट पहुंचाई थी।"

"हां, पर वह तो बहुत पहले की बात है।"

"तुमने वह कैसे किया था?"

"मैंने उसे अपने प्लेरूम की छत से टांग दिया था। दअरसल वह तुम्हारे सवालों में से एक है। प्लेरूम में वे खूंटियां इसलिए ही लगाई गई हैं। रोप प्ले। रस्सियों में से एक रस्सी बहुत कस कर बांधी गई थी।"

मैंने अपना हाथ उठाकर उसे चुप रहने की विनती की।

"मैं और नहीं जानना चाहती। तो क्या तुम मेरे साथ भी ऐसा करोगे?"

"नहीं! अगर तुम न चाहो तो ऐसा नहीं होगा। तुम इसे एक कठोर सीमा बना सकती हो।"

"ओ.के.।"

"तो आज्ञा मानना, तुम्हें लगता है कि तुम कर लोगी?"

उसने मुझे घूरा।

"मैं कोशिश कर सकती हूं।" मैंने कहा।

"गुड। अब समय की बारी है। तीन महीने की बजाए एक महीने की कोई तुक नहीं बनती। खासतौर पर तब, जब तुम मुझसे पहले ही महीने में एक वीकएंड अपने लिए मांग रही हो। मुझे नहीं लगता कि मैं तुमसे इतने लंबे समय तक अलग रह सकूंगा। मैं अब यह सब नहीं सह सकता।"

वह मुझसे दूर नहीं रह सकता। क्या?

"अगर हर महीने तुम्हें एक वीकएंड में एक दिन मिले तो कैसा रहेगा, पर उस सप्ताह में, मैं सप्ताह के बीच वाली एक रात भी लूंगा।"

"ओ. के.।"

"और प्लीज़। इसे तीन महीने का करने की कोशिश करो। अगर तुम्हें अच्छा न लगे तो तुम कभी भी जा सकती हो।"

तीन महीने? मैंने खुद को संभालने के लिए एक घूंट शराब और ऑयस्टर का सहारा लिया। मैं इन्हें पसंद करना सीख सकती थी।

"मालिकाना हक वाली बात, वह तो बस यूं ही लिखा गया है। इसका मतलब बस यही है कि अगर तुम एक सेक्स गुलाम के रूप में मेरी सीमाएं लांघोगी तो मैं वही करूंगा, जो मैं चाहूंगा। तुम्हें उसे स्वेच्छा से स्वीकारना होगा। तभी तो मैं चाहता हूं कि तुम मुझ

पर भरोसा करो। मैं कहीं भी, कभी भी, किसी भी तरह तुमसे शारीरिक संबंध बना सकता हूं। मैं तुम्हें अनुशासन में रखूंगा ताकि तुम्हें सिखा सकूं कि तुम मुझे खुश कैसे रख सकती हो।"

"पर मैं जानता हूं कि तुमने आज से पहले यह सब कभी नहीं किया इसलिए पहले-पहल हम सब कुछ सहज भाव से धीरे धीरे करेंगे और मैं तुम्हारी मदद करूंगा। मैं चाहता हूं कि तुम मेरा भरोसा करो पर मैं यह भी जानता हूं कि मुझे तुम्हारा भरोसा जीतना होगा और मैं जीत ही लूंगा।"

वह इस समय कितने जुनून और आवेग से भरा दिखाई दे रहा है। बेशक ये उसका जुनून है...वह ऐसा ही है...। मैं उस पर से अपनी आंखें नहीं हटा पा रही। उसने बोलना बंद किया और मुझे घूरने लगा।

"क्या तुम मुझे सुन रही हो"? उसने उन्हीं नज़रों के बीच अपनी वाइन से एक घूंट भरा। वेटर दरवाजे के पास आया और उसका संकेत पाते ही मेज खाली कर दी।

"क्या तुम और वाइन लेना चाहोगी?"

"मुझे गाड़ी चला कर जाना है।"

"तो थोड़ा पानी?"

"हां"

"सादा या स्पार्क्लिंग?"

"स्पार्क्लिंग प्लीज़।"

वेटर चला गया।

"तुम बहुत चुप हो।" क्रिस्टियन बोला।

"और तुम बहुत बोल रहे हो।"

वह मुस्कुराया।

"अनुशासन। एनेस्टेसिया! आनंद और पीड़ा के बीच की विभाजक रेखा बहुत बारीक होती है। वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। किसी एक के बिना, दूसरे का अस्तित्व हो ही नहीं सकता। मैं तुम्हें दिखा सकता हूं कि पीड़ा भी कितनी आनंददायी हो सकती है। तुम अभी मुझ पर भरोसा नहीं करतीं पर मैं भरोसे की बात बार-बार इसलिए करता हूं। वहां पीड़ा तो होगी पर ऐसा कुछ नहीं होगा, जिसे तुम सह न सको। सब भरोसे की बात है। एना! तुम्हें मुझ पर भरोसा है?"

"एना!"

"हां! मैं भरोसा करती हूं।" मैंने बिना सोचे-समझे जवाब दे दिया क्योंकि यह सच था–मुझे उस पर भरोसा था।

ऐसा लगा कि उसे सुन कर अच्छा लगा। "बाकी बातें तो बस यूं ही हैं।"

"नहीं, वे भी महत्त्व रखती हैं।"

"ठीक है, उनके बारे में भी बात कर लेते हैं।"

मेरा सिर उसके शब्दों से चकरा रहा है। मुझे केट का डिजीटल रिकॉर्डर साथ लाना चाहिए था ताकि उसकी बातें दोबारा सुन सकूं। यहां इतनी सूचना मिल रही है कि एक साथ पचानी भारी हो रही है। वेटर दोबारा प्रकट हो गया। इस बार वह ब्लैक कॉड, अस्पारागस व हॉलंडेस सॉस के साथ मसले हुए आलू लाया था।

"उम्मीद करता हूं कि तुम्हें मछली पसंद आएगी।" क्रिस्टियन ने कहा।

मैंने अपने पानी से एक घूंट भरा और मन ही मन सोचा कि काश वह वाइन होती।

"नियम! चलो उनकी बात कर लें। भोजन के ऊपर मामला बिगड़ सकता है?"

"हां।"

"क्या मैं थोड़ा परिवर्तन करते हुए कह सकता हूं कि तुम दिन में कम से कम तीन बार खाओगी?"

"नहीं! मैं इस मामले में कुछ नहीं सुनना चाहती। मुझे क्या खाना चाहिए, यह किसी को बताने का हक नहीं है। हां, बेशक मेरे शरीर पर तुम्हारा हक होगा पर मेरी भूख पर... कभी नहीं!"

उसने होंठ भींचे। "मुझे पता होना चाहिए कि तुम भूखी नहीं हो।"

मैंने त्योरी चढ़ाई। "क्यों? तुम्हें मुझ पर भरोसा करना होगा।"

वह मुझे एक पल तक घूरता रहा और फिर शांत हो गया।

"मिस स्टील। मैं तुम्हें खाने और सोने के मामले में छूट देता हूं।"

"मैं तुम्हें देख क्यों नहीं सकती?"

"ये तो मालिक/गुलाम वाली बात है। तुम्हें इसकी आदत हो जाएगी।"

"क्या सच में ऐसा होगा?"

"मैं तुम्हें छू क्यों नहीं सकती?"

"क्योंकि तुम नहीं छू सकतीं?"

उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं घिर आईं।

"क्या यह मिसेज रॉबिन्सन की वजह से है?"

उसने सवालिया निगाहों से देखा। तुम्हें ऐसा क्यों लगा? और अचानक वह समझ गया। "तुम्हें लगा कि उसने मुझे सताया होगा?"

मैंने हामी भरी।

"नहीं एनेस्टेसिया! वह इसका कारण नहीं है। वैसे भी वह मेरे साथ ऐसा कोई संबंध नहीं रखती थी।"

"ओह! पर मैं तो रखती हूं।" मैंने होंठ फुलाए।

"तो इस बात से उनका कोई लेना-देना नहीं है।"

"नहीं और मैं नहीं चाहता कि तुम मुझे छुओ।"

"क्या? अरे हां, वह हस्तमैथुन वाला क्लॉज़..."

"बस यूं ही पूछ लिया......क्यों?"

"क्योंकि मैं तुम्हारे सारे आनंद पर अपना हक चाहता हूं।" उसने कड़े शब्दों में कहा।

ओह...मेरे पास कोई जवाब नहीं था। एक ओर तो वह मेरा होंठ काटना चाहता है और दूसरी ओर इतना स्वार्थी है। मैंने मछली का एक कौर लिया और मन ही मन सोचने लगी कि मुझे क्या-क्या छूट मिली। खाना और सोना। वह सारे मामले को धीरे-धीरे आगे ले जाएगा और अभी हमने कोमल सीमाओं की चर्चा नहीं की है। पर मुझे नहीं लगता कि मैं खाने के दौरान उनके बारे में बात कर सकूंगी।

"मैंने तुम्हें सोचने के लिए बहुत कुछ दे दिया, है न?"

"हां।"

"क्या तुम कोमल सीमाओं पर चर्चा करना चाहोगी?"

"खाना खाते हुए तो नहीं?"

वह मुस्कुराया।

"जी मितलाता है?"

"हां! कुछ ऐसा ही मान लो।"

"तुमने तो कुछ खाया ही नहीं।

"मैंने काफी खा लिया है।''

"तीन ऑयस्टर, चार कौर मछली और एक छोटी गुच्छी अस्पारागस। न आलू, न मेवे, न ऑलिव; तुमने सुबह से कुछ नहीं खाया हुआ था। तुम कहती हो कि मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूं।"

हे भगवान! ये तो पूरा हिसाब रखता है।

"क्रिस्टियन! प्लीज़ ये कोई रोज़मर्रा का आम दिन नहीं है। मैं रोज़ बैठकर इस तरह की बातचीत नहीं करती।"

"मैं चाहता हूं कि तुम पूरी तरह से सेहतमंद और फिट रहो।"

"मैं जानती हूं।"

"और अभी तुम्हें इस पोशाक से बाहर निकालना चाहता हूं।"

मैंने अपना थूक निगला। केट की पोशाक से बाहर। पेट में अजीब-सी खलबली होने लगी। वह फिर से अपना सबसे अच्छा हथियार मुझ पर आज़माना जा रहा है-सेक्स!

"मुझे तो ये कोई अच्छा उपाय नहीं लगता। हमने तो मीठे में भी कुछ नहीं खाया।"

"तुम कुछ मीठा खाना चाहती हो?" वह झपटा।

"हां।"

"वह तो तुम ही हो सकती थी।"

"मुझे नहीं लगता कि मैं इतनी मीठी हूं।"

"एनेस्टेसिया! तुम कितनी मीठी हो, यह तो मैं जानता हूं।"

"क्रिस्टियन! तुम सेक्स को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हो।" यह सही नहीं है। मैंने अपने हाथों को घूरते हुए कहा और फिर सीधा उसकी आंखों में झांका।

उसने हैरानी से भवें उठाई और मेरे शब्दों पर विचार करने लगा।

"तुमने ठीक कहा। मैं ऐसा ही करता हूं। एनेस्टेसिया! जीवन में आप वही तो करते हैं, जो आप जानते हैं। इस तथ्य से इस बात पर कोई अंतर नहीं पड़ता कि मैं तुम्हें कितना चाहता हूं। यहीं और अभी!"

वह मुझे अपनी आवाज़ से ही किस तरह उत्तेजित कर लेता है? मैं पहले से ही हांफ रही हूं। नसों में खून तेजी से दौड़ रहा है और सारे स्नायु कांप रहे हैं।

"मैं कुछ आज़माना चाहूंगा।" उसने कहा

मैंने त्योरी चढ़ाई। उसने हाल ही में इतनी कहानियां सुनाई हैं और अब यह सब करना चाहता है।

"अगर तुम मेरी 'सब' यानी सेक्स गुलाम होतीं तो तुम्हें यह सब सोचना न पड़ता। ये सब काफी आसान होता। वे सारे फैसले और सारी प्रक्रियाएं भुलाकर वही करो, जो मैं कहता हूं। भूल जाओ कि क्या होना चाहिए? क्या ये हो सकता है? तुम्हें किसी चीज़ के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं एक मालिक के तौर पर कह रहा हूं और मैं ये भी जानता हूं कि एनेस्टेसिया! इस समय तुम भी मुझे चाहती हो।"

मेरी भवें तिरछी हो आईं। वह यह सब कैसे कह सकता है?

"मैं कह सकता हूं क्योंकि..."

हाय! यह तो मेरे बिना कहे सवाल का भी जवाब दे रहा है। क्या ये मन की बातें भी जान लेता है......।

"तुम्हारा शरीर ही सब कह जाता है...तुम अपनी जांघें दबा रही हो। तुम घबरा रही हो और सांस भी उथली हो गई है।"

ओह! अब तो अति हो गई।

''तुम्हें मेरी जांघों के बारे में कैसे पता?" मैंने हौले से पूछा। वे तो मेज के नीचे हैं। उसे कैसे पता?

"मैंने मेज के कपड़े को हिलते देखा और अंदाज़ा लगा लिया। मुझे बरसों का अनुभव भी तो है। मैं ठीक हूं न?"

मैंने घबराकर अपने हाथ देखने शुरू कर दिए। मैं तो कभी इस खेल में इससे जीत ही नहीं सकती। वही इस खेल के सारे नियम समझता है। मैं बिल्कुल ही नौसिखिया और अनाड़ी हूं। मैं केट से ही इस बारे में पूछ सकती हूं और वह मर्दों से ऐसे रिश्ते नहीं रखती। बाकी सारे संदर्भ तो काल्पनिक हैं। मेरी नायिकाएं कैसी प्रतिक्रियाएं देतीं?

"मैंने अभी खाना खत्म नहीं किया।"

"तुम मेरे बजाय ठंडी मछली खाना चाहती हो?"

"मैंने सोचा कि तुम्हें अच्छा लगेगा।"

"मिस स्टील! इस समय मुझे तुम्हारे खाने की परवाह नहीं है।"

"क्रिस्टियन! तुम सही नहीं कर रहे।"

"मैं जानता हूं। मैं कभी नहीं करता।"

मेरे भीतर बैठी लड़की ने त्योरी चढ़ाई। तुम ऐसा कर सकती हो। उसने बहलाया-इस सेक्स गॉड से उसका ही खेल, खेल कर दिखा। क्या मैं कर सकती हूं? ओ.के.। क्या करूं? मैंने झट से एक गुच्छी अस्पारागस उठाकर मुंह में धर ली और उसे चूसा।

क्रिस्टियन की आंखें हल्की सी सिकुड़ीं।

"एनेस्टेसिया! तुम क्या कर रही हो?"

मैंने खाते हुए कहा।

"अपना खाना खा रही हूं।"

क्रिस्टियन अपनी ही सीट में पलटा।

"मुझे लगता है कि तुम मुझसे खेल रही हो।"

"नहीं, मि. ग्रे! मैं तो खाना खा रही हूं।"

वेटर भी अचानक बिना पूछे अंदर आ गया। पहले तो क्रिस्टियन ने आंख दिखाई लेकिन फिर उसे मेज खाली करने की [illegible] दी। वेटर प्लेटें उठाने लगा और उसका जादू टूट गया। मैंने उसी पल में तय किया कि अब जाना ही होगा। अगर मैं [illegible] वह मुलाकात एकतरफा ही रह जाएगी। मुझे ऐसी गहरी बातचीत के बाद अपने लिए थोड़ा समय चाहिए। बेशक मेरा [illegible] स्पर्श के लिए तड़प रहा है पर मन बगावत पर उतारू है। मुझे उसकी बातों पर गौर करने के लिए थोड़ी दूरी चाहिए। मैंने [illegible] फैसला नहीं किया और उसके इस कामुक आकर्षण व शक्ति के आगे तो बाकी सब और भी मुश्किल हो जाएगा।

"क्या तुम मीठे में कुछ लेना चाहोगी?" क्रिस्टियन ने भलेमानस की तरह पूछा पर उसकी आंखें अब भी दहक रही हैं।

"नहीं, धन्यवाद!" मेरे हिसाब से मुझे चलना चाहिए।

"जाना है?" वह अपने आश्चर्य को छिपा नहीं पाया।

वेटर हड़बड़ाहट में निकल गया।

हां। यही सही फैसला है। अगर मैं यहां रही तो इसके साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे। मैं कुछ सोचकर खड़ी हो गई। "कल हम दोनों को ग्रेजुएशन समारोह में जाना है।"

क्रिस्टियन भी अपनी सभ्यता का तकाजा छोड़ नहीं पाया और साथ ही खड़ा हो गया।

"मैं नहीं चाहता कि तुम जाओ...।"

"प्लीज़......मुझे जाना होगा।"

"क्यों?"

"क्योंकि तुमने मुझे कई तरह के विचारों से लाद दिया है......और मुझे कुछ दूरी चाहिए।"

"मैं तुम्हें आसानी से रोक सकता हूं।" उसने धमकी दी।

"हां, मैं जानती हूं पर चाहती नहीं कि तुम ऐसा करो।"

उसने मुझे ध्यान से देखते हुए बालों में हाथ फिराए।

"पता है, जब तुम पहली बार मेरे ऑफिस में आई थीं तो तुम्हारे मुंह से 'जी सर', 'नहीं सर' के सिवा कुछ निकल ही नहीं रहा था मुझे लगा कि तुममें तो गुलामों वाली आदतें जन्मजात हैं। पर सही कहूं तो एनेस्टेसिया। किसी के हुक्म पर चलना तुम्हारे खून में ही नहीं है।" वह कहते हुए आगे बढ़ा। उसकी आवाज़ भारी हो गई थी।

"हो सकता है कि तुम ठीक कह रहे हो।" मैंने सांस ली।

"मैं तुम्हारी संभावना के अन्वेषण का अवसर चाहता हूं। वह मुझे घूरते हुए हौले से बोला।" फिर आगे आकर मेरे निचले होंठ पर अपना अंगूठा फिराने लगा। "एनेस्टेसिया! मुझे कोई और तरीका नहीं आता। मैं ऐसा ही हूं।"

"मैं जानती हूं।"

वह मुझे चूमने के लिए झुका पर पहले मानो उसकी आंखें मुझसे इजाजत मांगने लगीं। मैंने भी अपने होंठ आगे कर दिए और उसने उन्हें चूम लिया। पता नहीं क्यों, ऐसा लगा कि कभी उसे दोबारा चूम भी पाऊंगी या नहीं?" मैंने अपने हाथों को उसके बालों में जाकर घूमने की छूट दे दी और उसकी पकड़ भी कड़ी होती चली गई। वह लगातार चूम रहा था।

"मैं तुम्हें यहां ठहरने के लिए लुभा नहीं सका।" उसने चुंबनों की बौछार के बीच कहा।

"नहीं!"

"मेरे साथ एक रात बिताओ।"

"और तुम्हें हाथ भी न लगाऊं। क्यों?"

वह कराहा।

"तुम बड़ी ही ज़बरदस्त लड़की हो।" उसने मुझे फिर से घूरा।

"मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि तुम मुझसे हमेशा के लिए विदा ले रही हो।"

"क्योंकि मैं अब जा रही हूं।"

"मेरा यह मतलब नहीं था और तुम भी यह जानती हो।"

"क्रिस्टियन! मुझे इस बारे में सोचना होगा। पता नहीं, मैं तुम्हारे साथ इस तरह का कोई संबंध चाहती भी हूं या नहीं।"

उसने आंखें बंद कर, मेरे माथे से अपना माथा सटा दिया और हम दोनों को ही सांस लेने का मौका मिल गया। फिर उसने मेरा माथा चूमकर गहरी सांस ली, मेरे बालों में अपनी नाक घुसाते हुए हाथ हटाए और कदम पीछे ले लिया।

"मिस स्टील! जैसा तुम चाहो।" उसका चेहरा भावहीन था। मैं तुम्हें लॉबी तक छोड़ दूंगा। उसने अपना हाथ आगे किया। मैंने झुक कर पर्स उठाया और हाथ उसके हाथों में दे दिया। ओह! यह ऐसा भी कर सकता है। मैं चुपचाप उसके साथ लॉबी तक आई। अगर मैंने न कहने का फैसला लिया तो बेशक यह हमारी आखिरी मुलाकात होगी। जैसे मेरे दिल को कोई भीतर ही भीतर ऐंठ रहा था। यह सब कितना पीड़ादायी होता है।

"क्या तुम्हारे पास वालेट टिकट है?"

मैंने क्लच पर्स में हाथ डाला और उसने उसे दरबान को दे दिया। मैंने उसे कनखियों से देखा।

"डिनर के लिए थैंक्स!"

"मिस स्टील! ये मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।" उसने विनम्रता से कहा। हालांकि वह अपने ही विचारों में पूरी तरह से खोया और भटका हुआ था। मैंने उसे कनखियों से देखा और उसके सुंदर चेहरे को आंखों में भर लिया। यह सोचकर ही कलेजा दरक रहा था कि शायद दोबारा उससे नहीं मिल सकूंगी। वह अचानक मुड़कर मुझे घूरने लगा और चेहरे के भाव गहरा गए।

"तुम इस वीकएंड पर सिएटल जा रही हो। अगर तुमने सही फैसला लिया तो क्या हम इतवार को मिल सकते हैं?" उसने हिचकते हुए पूछा।

"मैं देखती हूं।" हो सकता है। पल भर के लिए जैसे उसे चैन आ गया और फिर चेहरे के भाव गंभीर हो गए।

"बाहर ठंड है। क्या तुम्हारे पास जैकेट नहीं है?"

"नहीं"

उसने खीझ कर सिर हिलाया और अपनी जैकेट उतार दी।

"ये लो। मैं नहीं चाहता कि तुम्हें सर्दी लग जाए।"

मैंने उसे देखकर पलकें झपकाई और उसने जैकेट को मेरे कंधों पर डाल दिया। मुझे उससे पहली मुलाकात याद आ गई। तब भी उसने मुझे मेरी जैकेट इसी तरह दी थी। वही खिंचाव आज तक बरकरार है बल्कि पहले से भी ज्यादा गहरा गया है। उसकी जैकेट गर्म है......काफी बड़ी पर इसमें से उसकी महक आ रही है......उम्म यम्मी!

मेरी कार बाहर आ गई।

मेरी कार देखकर क्रिस्टियन का मुंह खुला का खुला रह गया।

"तुम यह चला कर आई हो?" वह हतप्रभ था। वह मेरा हाथ पकड़कर बाहर ले गया। दरबान ने बाहर आकर चाबियां मुझे दे दीं। क्रिस्टियन ने उसके हाथ पर कुछ पैसे धर दिए।

"क्या ये सड़क पर चलने लायक है? उसने खीसें निपोरीं।

"हां"

"क्या यह सिएटल जाएगी?"

"हां! जाएगी।"

"सुरक्षित रूप से?"

"हां। माना ये पुरानी है पर मेरी है और सड़क पर चलने के लायक है। मेरे सौतेले पिता

ने इसे मेरे लिए खरीदा था।"

"ओह एनेस्टेसिया! मुझे लगता है कि हम इससे बेहतर प्रबंध कर सकते हैं।"

"कहना क्या चाहते हो? तुम मुझे कार खरीद कर नहीं दे रहे हो।"

उसने मुझे घूरा और जबड़े सख़्त हो गए।

"देखेंगे।"

उसने ड्राईवर वाला दरवाजा खोला और मुझे अंदर जाने दिया। मैंने हील उतारीं और शीशा नीचे किया। वह बड़ी हैरानी से मुझे देख रहा है।

"ध्यान से जाना।"

"गुडबाय क्रिस्टियन!" मेरी आवाज़ छिपाए गए आंसुओं से भर्रा रही है। ओह! मैं रोऊंगी नहीं! मैंने उसे छोटी-सी मुस्कान दी।

जैसे ही गाड़ी चली तो आंसू रोकना भारी हो गया और मैं सुबकियां भरने लगी। समझ नहीं आ रहा था कि मैं रो क्यों रही हूं? मैं तो अपनी बात पूरी करके आई थी। उसने सब कुछ साफ-साफ समझा दिया। वह मुझे चाहता है पर सच्चाई यह है कि मैं और भी ज्यादा चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि वह भी मुझे उसी तरह चाहे, जैसे मैं चाहती हूं। अंदर ही अंदर मैं यह भी जानती हूं कि यह कभी संभव नहीं हो सकता। मैं भावुक हो उठी हूं।

मैं तो ये भी नहीं जानती कि उसे किस श्रेणी में रखूं? अगर यह सब करती हूं तो क्यावह मेरा ब्वायफ्रेंड कहलाएगा...? क्या मैं उसे दोस्तों से मिला सकूंगी? उसके साथ बार, सिनेमा और बाउलिंग गेम के लिए जा सकूंगी? सच तो यह है कि मैं शायद ऐसा कुछ नहीं कर सकूंगी। वह मुझे खुद को छूने तक नहीं देगा और मेरे साथ सोएगा नहीं। मैं जानती हूं कि अब तक यह नहीं हुआ पर मैं आने वाले समय के लिए तो सब चाहती हूं। और उसका आने वाला कल ऐसा नहीं है।

अगर मैंने हां कहा और उसने तीन महीने बाद न बोल दिया तो? अगर वह मुझे बदलने में नाकामयाब रहा तो? मैं कैसा महससू करूंगी? मैं उन सब बातों में तीन महीने भावनात्मक रूप से भी लगा दूंगी, जिन्हें मैं शायद सही नहीं मानती? अगर तब उसने मुझे नकार दिया तो क्या मैं यह कष्ट सह सकूंगी? शायद यही बेहतर होगा कि मैं अपनी बचा-खुचा स्वाभिमान समेट कर पैर पीछे हटा लूं।

पर उसे दोबारा न देख पाने या उससे न मिल पाने की सोच भी तो कितनी पीड़ादायी है। वह कितनी आसानी से मेरी रूह में समा गया है। यह सिर्फ सेक्स का असर तो नहीं हो सकता...... क्या ऐसा हो सकता है? मैंने आंसुओं को उमड़ने दिया और मैं अपनी भावनाओं को उसके लिए परखना भी नहीं चाहती। डरती हूं कि अगर जान गई तो क्या होगा? मैं क्या करने जा रही हूं?

मैंने घर के बाहर गाड़ी पार्क की। बत्तियां बंद हैं। इसका मतलब है कि केट बाहर गई हुई है। अच्छा ही है, मैं नहीं चाहती कि वह मुझे दोबारा रोता देखे। मैंने कपड़े बदलते हुए लैप ऑन कर दिया। वहां क्रिस्टियन का ई-मेल इंतज़ार में था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: आज रात
डेट: मई 25, 2011 22:01
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील,

मैं समझ नहीं सका कि तुम आज शाम भाग क्यों आईं? मैं उम्मीद करता हूं कि मैंने पूरी ईमानदारी से तुम्हारे सभी सवालों के जवाब दिए हैं। बेशक तुम्हें बहुत कुछ सोचना होगा और उम्मीद करता हूं कि तुम मेरे प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करोगी। मैं सचमुच इस रिश्ते को कारगर बनाना चाहता हूं। हम सब कुछ सहज भाव से लेंगे।

भरोसा करो!

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

उसका ई-मेल पढ़कर तो मैं और भी रोई। मैं कोई जायदाद नहीं हूं। मैंने उसे जवाब भी नहीं दिया। समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या कहूं। मैं बिस्तर में लेटकर उन सारी परिस्थितियों के बारे में सोचने लगी, जब उसने मुझे खुद से दूर रहने को कहा था।

एनेस्टेसिया! तुम्हें मुझसे दूर रहना चाहिए। मैं तुम्हारे लिए नहीं बना हूं।

मैं गर्लफ्रेंड वगैरह में यकीन नहीं रखता।

मैं रोमानी किस्म के लोगों में से नहीं हूं

मैं प्यार नहीं करता।

मैं तो बस यही जानता हूं।

जब मैं तकिए में मुंह दिए रो रही थी तो दिमाग में आखिरी बात यही आई। मैं भी यही जानती हूं। शायद हम दोनों मिलकर कोई नया रास्ता तय कर सकें।

अध्याय 14

क्रिस्टियन अपने हाथ में चमड़े का चाबुक लिए लहरा रहा है। उसने लेविस की पुरानी और बदरंग जींस पहन रखी है। वह मुझे घूरते हुए चाबुक को हथेली पर मारता है। वह किसी विजेता की तरह मुस्कुरा रहा है। मैं निर्वस्त्र, उसके पलंग पर बेड़ियों में जकड़ी पड़ी हूं। वह चाबुक को मेरे माथे से नाक तक छुआता चला जाता है ताकि मैं उस चमड़े की गंध ले सकूं। फिर वह उसे मेरे मुंह में डाल देता है ताकि मैं चमड़े का बेहूदा स्वाद ले सकूं।

"इसे चूसो!" उसने हुक्म दिया। मेरा मुंह हुक्म मानने के लिए मजबूर था।

"बहुत हुआ।" वह झपटा।

उसने उस चाबुक को मुंह से निकालकर चिबुक और गर्दन पर फिराया तो मैं हांफने लगी। वह उसे धीरे-धीरे मेरे पूरे शरीर से छुआता चला गया। मैं कलाईयों और टखनों को काटने वाली बेड़ियों को झटक रही हूं। वह अचानक ही उस चाबुक से मेरे गुप्तांगों पर चोट करता है......... मैं जोर से अपने बचाव के लिए चिल्लाती हूं............और इसी एहसास के बीच मैं उसी चरम सुख की सीमाओं तक पहुंच जाती हूं, जहां मैं क्रिस्टियन के साथ जाती रही हूं।

एक झटके से मेरी आंख खुल गई। हाय! मैं यह कैसा सपना देख रही थी। ये सब मेरे साथ हो क्या रहा है? सुबह हो गई है और कुछ देर पहले मैं कहां थी? क्या कर रही थी और मेरे साथ कौन था? घड़ी पर नज़र दौड़ाई तो आठ बजे थे। मैंने अपना सिर हाथों में थाम लिया। मैं तो सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसे सपने आ सकते हैं। क्या ये कल रात के डिनर का असर था? या मेरी इंटरनेट रिसर्च के कारण मैंने ऐसा सपना देखा? मैं कुछ समझ नहीं पा रही।

जब मैं रसोई में पहुंची तो केट वहीं फुदकती मिली।

"एना! तुम ठीक हो। कितनी अजीब-सी दिख रही हो? क्या तुमने क्रिस्टियन का जैकेट पहन रखा है?"

"मैं ठीक हूं।" हद है! मुझे पहले खुद को शीशे में एक बार देख लेना चाहिए था। मैंने

उसकी भेदती हुई हरी आंखों से बचना चाहा। मैं अब भी सुबह वाले सपने से हिली हुई हूं।

"हां, क्रिस्टियन का जैकेट है।"

उसने भवें नचाईं। "नींद पूरी ली?"

"नहीं, पूरी नहीं हुई।"

मैं केतली की तरफ बढ़ी ताकि थोड़ी चाय ले सकूं।

"डिनर कैसा था?"

"पहले हमने ऑयस्टर खाए और फिर मछली आ गई। मतलब सी-फूड ठीक था।"

"ओह...मुझे तो ऑयस्टर सख़्त नापसंद हैं। वैसे मैं तेरे खाने के बारे में नहीं जानना चाहती। क्रिस्टियन कैसा था? तुमने क्या बात की?"

उसने पूरा ध्यान दिया। मैं वहीं थम गई। इसे क्या बताऊं? उसका एचआईवी टेस्ट क्लियर है। वह रोल-प्ले में शामिल है। वह चाहता है कि मैं उसकी हर बात मानूं। उसने किसी को चोट पहुंचाने के लिए उसे अपने कमरे की छत से टांग दिया था और वह अपने निजी डाइनिंग रूम में मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाना चाहता था। क्या यह सब बताना ठीक रहेगा? मैंने अपनी बातचीत का कोई ऐसा हिस्सा याद करने की कोशिश की जिसे आराम से केट को बताया जा सके।

"उसे वांडा पसंद नहीं आई।"

"एना! वह तो किसी को नहीं आती। ख़बर पुरानी है। तू इतनी शरमा क्यों रही है? ज़रा खुल कर बता।"

"ओह केट! हमने बहुत सी बातें कीं। तुम्हें पता है कि वह खाने के मामले में कितनी किचकिच करता है? वैसे उसे तुम्हारी ड्रेस

पसंद आई।" केतली के पानी में उबाल आ गया तो मैंने खुद ही चाय बना ली। "चाय लोगी?"

"क्या तुम आज के समारोह वाली मेरी स्पीच सुनना चाहोगी?"

"हां, प्लीज!"

"मैं अभी लाई और थोड़ी चाय मैं भी लूंगी।"

उफ्फ! चलो केट को तो बहला लिया। मैंने एक बैगल स्लाइस काटा और टोस्टर में डाल दिया। अचानक अपना सपना याद आते ही फिर से घबराहट होने लगी। हे भगवान! मैं क्या देख रही थी?

कल रात मुझे नींद भी नहीं आ रही थी। मेरा सिर तरह-तरह के विकल्पों में उलझ कर चकरा रहा था। मैं बुरी तरह से उलझन में हूं। क्रिस्टियन का यह प्रस्ताव किसी नौकरी के लिए आए प्रस्ताव से कम नहीं है। इसमें तयशुदा घंटे, काम और काफी हद तक उलझी हुई प्रक्रियाएं शामिल हैं। मैंने अपने पहले रोमांस के बारे में तो ऐसा कभी नहीं सोचा था-पर यह भी सच है कि क्रिस्टियन कभी रोमांस करता ही नहीं। अगर मैं उससे ज्यादा की मांग करती तो बेशक वह मुझे इंकार कर देता......। मैं उसे खोना नहीं चाहती पर सवाल यह भी है कि क्या मैं उसकी सेक्स गुलाम बन सकूंगी? उसकी छड़ियां और चाबुक कहां जाएंगे? मैं इस तरह की शारीरिक पीड़ा को सहने के बारे में सोच तक नहीं सकती। तभी अपना सपना याद आ गया...क्या वह सब बिल्कुल ऐसा ही होगा? मेरे भीतर बैठी लड़की हाथ में पम-पम लिए उछल-उछल कर नाच रही थी और हामी देने का इसरार कर रही थी।

केट किचन में अपना लैपटॉप ले आई। मैंने अपने बैगल पर ध्यान लगाया और बड़े ही धीरज से उसकी तैयार की गई स्पीच सुनने लगी।

मैंने कपड़े बदल कर खुद को संवारा और तब तक रे भी आ गए। मैंने आगे वाला दरवाजा खोला तो उन्हें अपने पोर्च में बेढ़ब से सूट में खड़ा पाया। मेरे भीतर से स्नेह और उष्णता की हिलोर सी उठी और मैंने उनके गले में बांहें डाल दीं। वे हैरान रह गए।

"हे एनी! मुझे तुम्हें देखकर बहुत खुशी हुई। वे मुझे गले से लगाकर बोले। उन्होंने मेरे कंधों पर हाथ टिकाए और देखते हुए बोले-"कैसा है मेरा बच्चा? तबीयत तो ठीक है?"

"बेशक डैड! क्या एक लड़की अपने डैड को देखकर खुश नहीं हो सकती?"

वे मुस्कुराए और आंखों के कोने नम हो गए। वे मेरे साथ लिविंग रूम में आ गए।

"तुम अच्छी लग रही हो।" वे बोले

"ये केट के कपड़े हैं।" मैंने ग्रे शिफॉन की हॉल्टर नेक वाली ड्रेस पर नज़र मारी।

उन्होंने भौं नचाई।

"केट कहां है?"

"वह कैंपस गई है। वह स्पीच दे रही है इसलिए उसका जल्दी जाना जरूरी था।"

"क्या हम भी चलें?"

"डैड! हमारे पास आधा घंटा है। क्या आप चाय लेना चाहेंगे? और आप मुझे बता सकते हैं कि मोंटीसेना में सब कैसे हैं? आपका सफर कैसा रहा?"

रे ने कैंपस के पार्किंग लॉट में गाड़ी खड़ी की और हम काले और लाल गाउन वाली भीड़ के रेले के संग हो लिए, जो जिम की ओर जा रही थी।

"गुडलक एनी। तुम घबराई हुई क्यों हो? आज क्या बात है?"

"ओह! आज रे इतने ध्यान से क्यों देख रहे हैं?"

"नहीं डैड! आज का दिन ऐसा ही है।" मैं उससे मिलने जो जा रही हूं।

"हां! मेरी नन्ही सी बिटिया को डिग्री मिलने वाली है। एनी! मुझे तुम पर गर्व है।"

"ओह थैंक्स डैड!" मैं उनसे बहुत प्यार करती हूं।

जिम में काफी भीड़ है। रे दूसरे माता-पिता के साथ जाकर बैठ गए और मैं आगे की ओर आ गई। जहां मुझे अपने नाम के अक्षर वाले छात्रों के साथ बैठना है। मैंने अपना काला गाउन और कैप पहन रखा है और खुद को बेहद सुरक्षित पा रही हूं। वैसे तो अभी स्टेज खाली है पर वहां कुछ देर बाद मुझे जो दिखेगा, उसने मुझे पहले से ही घबराहट दे रखी है। कलेजा बाहर आने को है, सांस तेज हो रही है। वह भी यहीं कहीं होगा। शायद केट उससे बात कर रही हो या कोई पूछताछ कर रही हो। मैंने पीछे मुड़कर रे को देखा और हाथ हिला दिया। मैं बैठकर इंतज़ार करने लगी।

ऑडीटोरियम जल्दी ही भर गया। आगे वाली कतारें भरने में भी देर नहीं लगी। आसपास का शोर तेज़ होता जा रहा था। मेरे आसपास दो लड़कियां थीं, किसी और विभाग की होने के कारण मैं उन्हें नहीं जानती थी। वे शायद पक्की सहेलियां थीं और लगातार बातें करने से बाज़ नहीं आ रही थीं।

ग्यारह के करीब मंच के पीछे से चांसलर बाहर आए और उनके साथ ही तीन वाइस चांसलर और लाल-काली पोशाकों में सजे सीनियर प्रोफेसर भी आ गए। हमने खड़े होकर अपने अध्यापकों के लिए तालियां बजाईं। कुछ प्रोफसरों ने हामी भरी और कुछ ने हाथ हिलाए। कुछ तो ऐसे लगे मानो जबरदस्ती खड़े किए गए हों। मेरे प्रिय प्रोफेसर कॉलिन हमेशा की तरह ऐसे लग रहे थे, मानो बिस्तर से सीधा ही उठकर आ गए हों। वहीं मंच के कोने में केट और क्रिस्टियन खड़े दिखाई दिए। क्रिस्टियन ने ग्रे सूट पहन रखा है और ऑडीटोरियम की बत्तियों में उसके बालों के कॉपर हाईलाइट चमक रहे हैं। वह पूरी तरह से गंभीर और आत्मसंतुष्ट दिख रहा है। उसने बैठते ही अपनी सिंगल ब्रेस्ट जैकेट का बटन खोल लिया और उसकी टाई पर मेरी नज़र पड़ी। हाए.....यह तो वही टाई है। अचानक ही मैं अपनी कलाईयांमसलने लगी, जैसे अब भी उन पर टाई बंधने के निशान दिख रहे हों। मैं उसके ऊपर से अपनी आंखें नहीं हटा सकती। बेशक उसने जानबूझ कर वही टाई पहनी है। मेरे चेहरे पर कड़ी रेखाएं खिंच गईं। दर्शक बैठ गए और तालियों की गड़गड़ाहट शांत हो गई।

"ज़रा उसे देख तो।" साथ बैठी लड़की ने पूरी उमंग के साथ दूसरी को टहोका दिया।

"हाय कितना हॉट है!"

मैं अंदर ही अंदर कुढ़ गई। ये तो तय था कि वे प्रोफेसर कॉलिन की बात नहीं कर रही थीं।

क्रिस्टियन ग्रे की ही बात हो रही थी।

"क्या वह सिंगल है?"

मैंने टांग अड़ाई-"मुझे तो नहीं लगता।"

"ओह!" दोनों लड़कियों ने मुझे हैरानी से ताका।

"मुझे लगता है कि वह एक गे है।"

"कितने शर्म की बात है।" उनमें से एक बोली।

जैसे ही चांसलर ने अपनी स्पीच शुरू की, मैंने देखा कि क्रिस्टियन की आंखें पूरे हॉल में मंडरा रही थीं। मैं अपनी सीट में दुबक गई। कंधों को नीचे की ओर करते हुए खुद को ओझल करने की पूरी कोशिश की। मैं बुरी तरह से असफल रही क्योंकि एक ही पल बाद उसकी आंखों ने मुझे खोज लिया। उसने बेलाग नज़रों से मुझे ताका और मैं उसकी नज़रों के सम्मोहन में घिरकर उलझ गई। चेहरे पर धीरे-धीरे घबराहट तैरने लगी। अचानक ही सुबह का सपना आंखों में नाच उठा और पेट में वैसी ही मीठी सी ऐंठन होने लगी। मैंने गहरी सांस ली। उसके होठों पर भी हल्की-सी मुस्कान दिखी पर शायद इतनी छोटी थी कि किसी दूसरे को नहीं दिखी होगी। उसने पल-भर के लिए पलकें मूंदीं और फिर से अपने विरक्त भाव में आ गया। चांसलर पर एक नज़र डालने के बाद वह लगातार प्रवेशद्वार पर लटके चिन्ह को घूरता रहा। उसने मेरी ओर नज़रें नहीं उठाईं। चांसलर की बातें खत्म होने पर भी उसकी नज़रें वहीं टिकी रहीं।

वह मेरी ओर क्यों नहीं देख रहा? क्या उसने अपना मन बदल लिया है? मेरे पूरे शरीर में बेचैनी की लहर दौड़ गई। शायद कल रात की मेरी नादानी हमारी आखिरी मुलाकात थी।वह मेरे जवाब के इंतज़ार ऊब गया है। अरे नहीं, ये मैं क्या कर बैठी? मुझे उसका कल रात का ई-मेल याद आया। शायद उसका जवाब न मिलने से ही ख़फ़ा है।

अचानक मिस कैथरीन कैवेना के मंच पर आते ही तालियां बज उठीं। चांसलर बैठ गए और अपने लंबे बाल लहराते हुए कैथरीन ने अपने कागज़ पोडियम पर रखे। उसने बड़े इत्मीनान से तैयारी की थी। वह वहां बैठे हजारों लोगों से कतई नहीं घबरा रही थी। तैयारी पूरी होने पर उसने मीठी-सी मुस्कान दी। फिर उसने अपने भाषण से पूरे हॉल को वश में करने में बिल्कुल देर नहीं लगाई। साथ बैठी लड़कियां उसके पहले ही चुटकुले पर खिलखिला उठीं। ओह, कैथरीन कैवेना! तेरा भी जवाब नहीं। मैं क्रिस्टियन को कुछ पल के लिए भूल गई और मुझे कैथरीन पर गर्व अनुभव हुआ। हांलाकि सब पहले सुन चुकी थी पर फिर भी ध्यान से सुनने लगी। श्रोता मनोयोग से सबकुछ सुन रहे थे।

उसकी थीम थी–कॉलेज के बाद क्या? ओह सचमुच उसके बाद क्या होगा? क्रिस्टियन भवों में बल डाले केट को देख रहा है। अरे हां, ये भी तो हो सकता था कि मेरी बजाय केट उसका इंटरव्यू लेने गई होती और वह केट के सामने ऐसे भद्दे और बेहूदे प्रस्ताव रख रहा होता। सुंदर केट और दिलकश क्रिस्टियन! मैं भी साथ बैठी लड़कियों की तरह दूर से ही क्रिस्टियन की सुंदरता पी रही होती। वैसे यह ख़्याल ही मुझे हिलाने के लिए काफी था। क्रिस्टियन तो मेरा है, वह केट का कैसे हो सकता है?

केट के भाषण के बाद तालियां गूंज उठीं और लोगों ने खड़े होकर उसका अभिनंदन किया। मैं भी दमकी और उसने मंच से ही मुझे देखकर दांत निपोर दिए। बढ़िया केट! वह जाकर बैठ गई। श्रोता भी बैठ गए और चांसलर ने खड़े होकर क्रिस्टियन का परिचय दिया

हाय! अब वह भाषण देगा। चांसलर ने संक्षेप में उसकी उपलब्धियों का वर्णन किया। अपनी असाधारण रूप से सफल कंपनी का सीईओ, अपने बल पर सफल होने वाला व्यक्ति।

......और हमारे विश्वविद्यालय को महती अनुदान देने वाले दानकर्ता। कृपया मिक्रिस्टियन ग्रे का स्वागत करें।

चांसलर ने क्रिस्टियन का हाथ उठाया और लोगों ने विनम्रता के साथ तालियां बजायीं। मेरा कलेजा उछलकर गले तक आ गया। वह पोडियम के पास आकर हॉल का सर्वेक्षण करने लगा। वह भी हमारे सामने खड़ा आत्मविश्वास से दमक रहा था। मेरे साथ वाली लड़कियां तो पूरी तरह से उसके सम्मोहन में खोई हुई थीं। शायद हॉल की सभी महिला श्रोता और कुछ पुरुष भी उसके आकर्षण से अछूते नहीं रहे होंगे। उसने अपनी धीमी और सम्मोहक आवाज़ के साथ बोलना शुरू किया।

मैं आज डब्ल्यूएसयू के उच्च अधिकारियों द्वारा की गई प्रशंसा व आदर-मान के लिए हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि उन्होंने मुझे इस मंच से विश्वविद्यालय के पर्यावरणीय विज्ञान विभाग में हो रहे कार्यों के बारे में कुछ कहने का अवसर प्रदान किया।हमारा लक्ष्य यही है कि हम तीसरी दुनिया के देशों के लिए, कृषि के पर्यावरण मित्र व उन्नत उपाय तलाश सकें। हम चाहते हैं कि दुनिया के ग्लोब से भूख और गरीबी का नामोनिशान मिटा दिया जाए। दुनिया के इन हिस्सों में खेती-बाड़ी इतनी पर्याप्त नहीं कि उनकी जरूरतें पूरी हो सकें। हम इस समय पर्यावरणीय व सामाजिक विनाश का सामना कर रहे हैं। मैं जानता हूं कि सही मायनों में 'भूख' किसे कहते हैं। यह मेरे लिए एक निजी यात्रा व अनुभव रहा है........''

मेरे जबड़े खुले के खुले रह गए। क्या! क्रिस्टियन जानता है कि भूख किसे कहते हैं? मैंने उस इंटरव्यू को याद किया: वह सचमुच इस दुनिया को खाना खिलाना चाहता है। मैंने केट के लेख को याद करने के लिए दिमाग के जंग लगे किवाड़ खटखटाए। उसे चार साल की उम्र में गोद लिया गया था और बेशक ग्रेस ने तो उसे भूखा नहीं रखा होगा तो यह उससे पहले की बात रही होगी। मेरा दिल एक छोटे से भूखे बच्चे की कल्पना से ही पिघल गया। अरे नहीं! ग्रे खानदान का मान और धन पाने से पहले उसकी ज़िंदगी कैसी रही होगी?

मैं मन ही मन गुस्से से भर उठी। बेचारा, यौन उत्पीड़न से ग्रस्त सनकी व दानी क्रिस्टियन–हालांकि मैं यह भी जानती हूं कि वह अपने बारे में ऐसी कोई राय नहीं रखता और मेरी सहानुभूति को एक पल में सिरे से उखाड़ देगा। अचानक सभी तालियां बजाते-बजाते खड़े हो गए। मैंने भी ऐसा ही किया हालांकि मैंने उसका आधा भाषण भी नहीं सुना था। वह यह सभी नेक काम कर रहा था, एक बड़ी कंपनी चला रहा था और सब कामों के साथ-साथ मेरा पीछा कर रहा था। मैं भावुक हो उठी। मैंने मन ही मन डारफर के बारे में होने वाली बातचीत के टुकड़े जोड़े तो समझ आ गया कि यह तो इसी भोजन से संबंध रखती है।

वह तालियों की गूंज को सुन कर प्यार से मुस्कुराया। यहां तक कि केट भी तालियां बजा रही है। वह मुझे नहीं देख रहा और मैं हाल ही में मिली जानकारी को हजम करने की कोशिश कर रही हूं।

एक वाइस चांसलर उठ खड़े हुए और हमने डिग्रियां लेने की लंबी और नीरस प्रक्रिया आरंभ की। करीब चार सौ छात्रों को डिग्रियां

मिलनी थीं और मुझे अपना नाम सुनने में घंटा लग गया। मैं दो खी-खी करती लड़कियों के बीच से उठकर मंच तक पहुंची। क्रिस्टियन ने मुझे चोर नज़रों से देखा।

"बधाई, मिस स्टील!" उसने हाथ मिलाते हुए कहा और उसे ज़ोर से दबा दिया। मैं अपने हाथ पर उसके हाथ का स्पर्श काफी गहराई से महसूस कर सकती थी।

"क्या लैप में कोई दिक्कत आ रही है?"

उसने डिग्री मेरे हाथ में देते हुए कहा।

"नहीं।"

"तो मेरे ई-मेल को अनदेखा क्यों कर रही हो?"

"मैं तो मिल्कियत और जायदाद वाली मेल ही देख पाई।"

उसने सवालिया निगाहों से देखा।

"बाद में।" वह बोला क्योंकि मेरी वजह से लाइन अटक रही थी।

मैं सीट पर लौट आई। ई-मेल? हो सकता है कि उसने कोई और मेल भेजा हो। उसमें क्या लिखा होगा?

समारोह समाप्त होने में एक घंटा और लग गया। आखिरकर मंच से सबके नीचे आने की बारी आई। तालियों की तेज गड़गड़ाहट के बीच क्रिस्टियन ने सबको देखा बस मेरी ओर ही नज़र नहीं उठाई। हालांकि मैं चाहती थी कि वह मुझे देखे। भीतर बैठी लड़की ने मुंह फुला लिया।

मैं खड़ी होकर अपनी पंक्ति से निकलने की प्रतीक्षा में थी कि केट ने पुकारा। वह मंच के पीछे से मेरी ओर आ रही थी।

"क्रिस्टियन तुमसे बात करना चाहता है।" वह चिल्लाई। मेरे साथ खड़ी लड़कियां मुझे

हैरानी से ताकने लगीं।

"उसने मुझे तुम्हें बुलाने भेजा है।" केट बोली।

"ओह...।"

"केट! तेरी स्पीच ज़बरदस्त थी।"

"अच्छी थी, हैं सच्ची?" वह दमकी। ''तू आ रही है। वह बहुत इसरार कर रहा था।" उसने आंखें नचाई और मैं खिसिया गई।

"तुझे कुछ पता नहीं है पर रे वहां अकेले खड़े हैं। मैं रे को ज्यादा देर तक अकेले नहीं छोड़ सकती।" मैंने रे को देखा और दूर से ही पांच मिनट में लौटने का संकेत दिया। उन्होंने हामी भरी कि वे समझ गए। मैं केट के साथ मंच के पीछे वाले बरामदे में हो ली। क्रिस्टियन चांसलर और दो अध्यापकों से बात कर रहा है। उसने मेरी ओर देखा।

"एक्सक्यूज़ मी जेंटलमैन!" उसने कहा। वह मेरे पास आया और केट को छोटी-सी मुस्कान दी।

"धन्यवाद!" इससे पहले कि केट कुछ कहती। उसने मुझे कोहनी से थामा और एक अलग कमरे में ले गया, जो दिखने में पुरुषों का लॉकर रूम लग रहा था। उसने देखा कि वहां कोई था तो नहीं, फिर उसे अंदर से बंद कर लिया।

"तुमने मुझे ई-मेल क्यों नहीं किया? मैसेज का भी जवाब नहीं दिया?" उसने घूरा।

"मैंने आज कंप्यूटर या फोन को देखा ही नहीं।" ओह! क्या वह फोन भी मिला रहा था? मैंने ध्यान बंटाने वाली तकनीक लगाई, जो मैं अकसर केट पर आज़माती हूं। "स्पीच तो अच्छी रही।"

"धन्यवाद!"

"मुझे पता लग गया कि खाने को लेकर तुम्हारा इतना आग्रह क्यों रहता है?"

उसने बेचैनी से बालों में हाथ फिराए।

"एनेस्टेसिया! मैं अभी ऐसी कोई बात नहीं करना चाहता।" उसने आंखें बंद कर लीं। मानो उसे ठेस लगी हो। "मुझे तुम्हारी चिंता हो रही थी।"

"चिंता, क्यों?"

"क्योंकि कल तुम मौत के जाल में घर गई थीं जिसे तुम कार कह रही थीं।"

"क्या? वह कोई मौत का जाल नहीं है। वह बढ़िया है। जोस नियमित रूप से मेरे लिए उसकी सर्विस करता है।"

"जोस, फोटोग्राफर?" क्रिस्टियन की आंखें सिकुड़ीं और चेहरा धूमिल हो गया।

ओह! हो गया कबाड़ा!

"हां! यह बीटल पहले उसकी मॉम के पास होती थी।"

"हां। शायद उनकी भी मां और उनकी मां की भी मां की रही होगी। ये बिल्कुल सुरक्षित नहीं है।"

"मैं इसे पिछले तीन साल से चला रही हूं। मुझे अफसोस है कि तुम्हें चिंता हो रही थी।"

"तुमने फोन क्यों नहीं किया?"

हाय! ये बात को इतना बढ़ा क्यों रहा है?

उसने गहरी सांस ली।

"एनेस्टेसिया! मुझे तुम्हारा जवाब चाहिए। यह इंतज़ार मुझे पागल कर रहा है।"

"क्रिस्टियन...देखो, मैं...... मेरे डैड वहां अकेले खड़े हैं।"

"कल! मुझ कल तक जवाब चाहिए।"

"ओ.के.। कल। तब तक बता दूंगी।"

वह पीछे हटा और बड़े चैन की सांस लेते हुए कंधे ढीले छोड़ दिए।

"क्या तुम यहां ड्रिंक्स के लिए रुक रही हो?"

"पता नहीं रे क्या चाहेंगे?"

"तुम्हारे सौतेले पिता? मैं उनसे मिलना चाहूंगा।"

''अरे नहीं......क्यों?''

"मुझे नहीं लगता कि ये कोई अच्छा विचार है।"

क्रिस्टियन ने दरवाजा खोला और चेहरे पर अप्रिय भाव आ गए।

"क्या मुझसे मिलवाने में शर्मिंदगी हो रही है?"

"नहीं!" अब मेरी खीझने की बारी थी। क्या कहूं डैड से? मैंने इस आदमी के साथ पहली बार शारीरिक संबंध बनाए और अब यह चाहता है कि हम बीडीएमएस संबंध बनाएं–जिसके अनुसार मैं इसकी सेक्स गुलाम और यह मेरा मालिक होगा? "क्यों तुमने भागने

वाले जूते नहीं पहने हुए?"

क्रिस्टियन के होंठों पर तिरछी मुस्कान तिर आई। बेशक मुझे उस पर गुस्सा आया हुआ था पर चेहरे पर हंसी खिल गई।

"वैसे बता दूं कि मैं काफी तेज़ भाग सकता हूं। उन्हें ये कहो एनेस्टेसिया कि मैं तुम्हारा दोस्त हूं।"

उसने दरवाज़ा खोला और हम बाहर आ गए। मेरा दिमाग चकरा रहा है। जब मैं वहां से गुज़री तो चांसलर, तीन वाइस चांसलर, चार प्रोफ़ेसर और केट मुझे घूरने लगे। ये क्या हो रहा है...... मैं क्रिस्टियन को वहीं विभाग में छोड़कर रे की तलाश में निकली।

उनसे कहो कि मैं तुम्हारा दोस्त हूं।

ऐसा दोस्त, जो मेरा फ़ायदा उठाना चाहता है। सयानी लड़की ने गुस्से से कहा और मैंइस बेमज़ा सी बात को हवा में उड़ा कर बाहर निकल आई। मैं रे से उसे कैसे मिलवाऊंगी? हॉल अभी भी आधा भरा हुआ है। रे अपनी जगह से नहीं हिले। उन्होंने मुझे देखकर हाथ हिलाया और नीचे आ गए।

"हे एनी! बधाई हो।" उन्होंने मेरे गले में बांह डाल दी।

"क्या आप शमियाने में चल कर ड्रिंक लेना चाहेंगे?"

"क्यों नहीं! आज तो तुम्हारा दिन है।"

"अगर आप नहीं चाहते तो रहने देते है।" प्लीज़ न कर दो...।

"एनी! मैं लगातार बकवास सुन-सुन कर पक गया हूं। ड्रिंक तो लेनी बनती है।"

मैंने उनकी बांह में बांह डाली और हम शमियाने की ओर बढ़े। हम औपचारिक फोटो वाली पंक्ति से निकले तो रे ने कहा।

"हां, याद आया। मैं भी तो डिजिटल कैमरा लाया हूं।"

"एनी! एक फोटो मेरे एलबम के लिए भी हो जाए।"

उन्होंने फोटो ली और मैंने गाउन और कैप उतार दिए।"

सयानी लड़की फिर से तीर-कमान लेकर आ गई-तो ऐसे इंसान को रे से मिलवाने जा रही है जो तेरे शरीर के सिवा कुछ नहीं चाहता? वह मुझे अपने चश्मों के नीचे से दिख रही आंखों से घूरती रही। ओह! कभी-कभी तो इसके सयानेपन से नफ़रत होने लगती है।

शमियाने में ज़बरदस्त भीड़ है। छात्र, माता-पिता, अध्यापक और दोस्त सभी हंसी-खुशी बतिया रहे हैं। रे ने मेरे हाथ में एक शैंपेन पकड़ा दी। बड़ी अजीब-सी मीठी वाइन है और चिल्ड भी नहीं है। मैंने सोचा कि क्रिस्टियन को तो यह कभी पसंद नहीं आएगी।

"एना!" मैं मुड़ी और ईथन कैवेना ने मुझे बांहों में भर लिया। उसने मेरी वाइन को गिराए बिना एक गोल चक्कर खिला दिया।

"बधाई हो!" वह अपनी हरी चमकीली आंखों में खुशी भर कर बोला।

"क्या सरप्राइज़ है!" उसके गंदे लाल बाल बिखरे हुए और सेक्सी दिख रहे हैं। वह केट की तरह ही सुंदर है। पूरा परिवार दिखने में एक सा लगता है।

"वाउ-ईथन! तुम्हें देखकर दिल खुश हो गया। डैड! ये केट का भाई ईथन है और ये हैं मेरे डैड रे स्टील!" उन्होंने हाथ मिलाए और डैड उसे आराम से परखने लगे।

"तुम यूरोप से कब आए?" मैंने पूछा

"मैं एक सप्ताह पहले आ गया था पर मैं अपनी बहन को चकित करना चाहता था।" उसने धीरे से कहा।

"ये तो बहुत अच्छी बात है।" मैंने खीसें निपोरीं।

"वह आज भाषण देने वाली थी। मैं कैसे न आता?"

"उसने बहुत अच्छी स्पीच दी।"

"हां बिल्कुल सही कहा।" रे बोले।

ईथन ने मेरी कमर में हाथ डाला हुआ था तभी मुझे क्रिस्टियन की भूरी आंखें दिखीं। केट उसके साथ थी।

"हैलो रे!" केट ने रे के दोनों गाल चूमे और वे लजा गए। क्या आप एना के ब्वायफ्रेंड से मिले? क्रिस्टियन ग्रे।"

हो गया कबाड़ा! केट! भाड़ में जा तू। मेरे चेहरे का सारा खून किसी ने सोख लिया।

"मि. स्टील! आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई।" क्रिस्टियन ने सहज भाव से कहा। उसे केट के इस रवैए से कोई दिक्कत नहीं हुई थी। उसने हाथ आगे किया तो रे ने बड़ी ही गर्मजोशी से उसे मिलाया और बड़ी ही खूबसूरती से अपनी हैरानी को छिपा लिया।

थैंक्स कैथरीन कैवेना। मैं अंदर ही अंदर भड़क गई। शायद बेचारी अंदर वाली लड़की तो बेहोश ही हो गई थी।

"मि. ग्रे!" रे के चेहरे के भाव अजीब से थे। फिर उन्होंने मुझे उन नज़रों से देखा–जो कह रही थीं-'तुम मुझे इस बारे में कब बताने जा रही हो?'

"और ये मेरा भाई है, ईथन कैवेना।" केट ने क्रिस्टियन से कहा।

क्रिस्टियन ने अपनी ठंडी नज़र ईथन पर डाली जिसने अब भी अपना एक हाथ मेरी कमर में डाला हुआ था।

"मि. कैवेना"

उन्होंने हाथ मिलाए और क्रिस्टियन ने अपना हाथ मेरी ओर बढ़ा दिया।

"एना बेबी!" वह हौले से बोला और मैं तो उसके इस अंदाज़ पर मरते-मरते बची।

मैं ईथन की पकड़ से बाहर आकर क्रिस्टियन के साथ खड़ी हो गई। केट ने मुझे देखकर खीसें निपोरीं। वह अच्छी तरह जानती है कि वह क्या कर रही है। कमीनी कहीं की!

"ईथन, मॉम और डैड बात करना चाह रहे हैं।" केट ईथन को खींच ले गई।

"तो तुम दोनों एक-दूसरे को कब से जानते हो?" रे क्रिस्टियन से काफी प्रभावित लगे।

मैं कुछ बोल ही नहीं पा रही। दिल में तो आ रहा है कि ये धरती मुझे निगल जाए। क्रिस्टियन ने मुझे अपनी बांह से घेर लिया और अंगूठे से पीठ सहलाने लगा। फिर उसने अपने हाथ से मेरा कंधा जकड़ लिया।

"करीब दो सप्ताह से...... एनेस्टेसिया स्टूडेंट न्यूज़पेपर के लिए मेरा इंटरव्यू लेने आई थी।"

"एना! मुझे तो पता नहीं था कि तुम अखबार के लिए काम करती हो?" रे के सुर में हल्की खीझ सुनाई दी।

"केट बीमार थी इसलिए......।" मैं इतना ही कह पाई।

"मि. ग्रे! आपने अच्छी स्पीच दी।"

"धन्यवाद सर! मैं समझ सकता हूं कि आप एक ज़बरदस्त मछुआरे हैं।"

रे अपनी भवें नचाते हुए मुस्कुराए–एक विशुद्ध और प्यारी सी रे स्टील टाइप मुस्कान! और ये क्या...वे तो मछलियों की बातें करने लगे। अचानक ही मुझे अजीब सा लगने लगा और मैं मन ही मन सोचने लगी कि इसने कितनी आसानी से मेरे डैड को पटा लिया। अंदर से सयानी लड़की ने आंखें तरेरीं–क्यों तुझे नहीं पटाया? क्रिस्टियन की ताकत का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता। मैं माफ़ी मांगकर केट की खोज में आ गई।

वह अपने मॉम-डैड से बात कर रही है। वे हमेशा की तरह मुझसे बड़े स्नेह व गर्मजोशी से मिले। हमने एक-दूसरे के हाल-चाल लिए और बातों के तकरीबन सिरे उनके बारबाडोस अवकाश के बारे में ही जुड़ते रहे।

"केट, रे के सामने मुझे नीचा दिखाने की हिम्मत कैसे की?" मैं मौका पाते ही केट से बोली

"क्योंकि मैं जानती हूं कि अपने दोस्त को रे से मिलवाना तेरे बस में नहीं था इसलिए मैंने यह किया और मैं क्रिस्टयन के वादा निभाने वाले मामले में भी मदद करना चाहती थी।" केट ने मीठी सी मुस्कान दी।

मैं मन ही मन जल-भुन गई। अभी तो मैंने ही उससे कोई वादा नहीं किया है। पागल!

"लगता है, एना! वह तेरा दीवाना हो गया है। जरा देख तो, उसकी नज़रें तेरे ऊपर से हट ही नहीं रहीं।" मैंने कनखियों से देखा तो रे और क्रिस्टियन इधर ही देख रहे थे। वह तुझे किसी गिद्ध की तरह घूर रहा है।

मुझे जाकर बचाना चाहिए पर ये समझ नहीं आ रहा कि किसे बचाऊं-रे को या क्रिस्टियन को? "कैथरीन कैवेना तूने अच्छा नहीं किया।"

"एना! मैंने तो तुझ पर एहसान किया है।" उसने कहा।

मैंने उन दोनों को देखकर गर्दन हिलाई।

वे दोनों दूर से तो सही लग रहे थे। क्रिस्टियन मन ही मन किसी निजी चुटकुले पर मुदित हो रहा था और डैड अविश्वसनीय रूप से इस सामाजिक स्थिति में सहज भाव से पेश आ रहे हैं।

वे लोग मछली के अलावा क्या बात कर रहे होंगे?

"एना? शौचालय कहां हैं?"

"शमियाने के पीछे बाईं ओर बने हैं।"

"अभी आता हूं। तुम लोग मस्ती करो।"

रे वहां से चले गए। मैंने क्रिस्टियन को घबराहट के साथ ताका। हम पल भर के लिए रुके क्योंकि फोटोग्राफर तस्वीर लेने आ गया था।?

"थैंक यू मि. ग्रे!" उसने धन्यवाद कहा और उसके कैमरे की लाइट से मेरी पलकें झपक गई।

"तो तुमने मेरे पिता को भी मोह लिया?"

"हां। कह सकते हैं।" उसने एक सवालिया निगाह उठाई। मैं घबरा गई। उसने हाथ उठाया और अंगुलियों को मेरे गालों पर लहराने लगा।

"ओह! एनेस्टेसिया काश मैं जान पाता कि तुम क्या सोच रही हो?" वह हौले सेफुसफुसाया और मेरा चिबुक पकड़कर ऊंचा कर दिया जिससे हमारी नज़रें आपस में मिल गई। मेरी सांस अटक गई। वह इतनी भीड़ से भरे टेंट में भी मुझ पर ऐसा असर कैसे डाल सकता है?

"वैसे अभी तो मैं सोच रही थी टाई अच्छी है।" मैंने सांस ली।

वह बोला-"हां, हाल ही में यह मेरी भी प्रिय हो गई है।"

मैं लजाकर लाल पड़ गई।

"एनेस्टेसिया! तुम बहुत प्यारी दिख रही हो। ये हाल्टर नेक तुम पर फबता है। मैं तुम्हारी पीठ को हाथ लगाकर इस मुलायम त्वचा को महसूस करना चाहता हूं।"

अचानक ऐसा लगा मानो हम दोनों अपने ही कमरे में अकेले हों। बस हम दोनों! मेरा पूरा शरीर जीवंत हो उठा और बड़ी तेज़ी से

कोई मुझे उसकी ओर खींचता ले जा रहा है।

"तुम्हें नहीं लगता कि यह सब बहुत अच्छा होगा, बेबी?" वह हौले से बोला।

"पर मैं तो और ज्यादा चाहती हूं।"

"ज्यादा?" उसने मुझे हैरानी से देखा और आंखें गहरा गईं। मैंने हामी भरते हुए थूक निगला और वह समझ गया।

"ज्यादा?" उसने आराम से कहा। एक छोटा सा शब्द पर इसमें कितना बड़ा वादा छिपा है। उसके होंठ ने मेरे निचले होंठ को छुआ–"तुम मुझसे प्यार-मुहब्बत के वादे चाहती हो?"

मैंने फिर से हामी भरी। उसने पलकें झपकाईं और आंखों से आंतरिक संघर्ष झलकने लगा।

"एनेस्टेसिया! मैं यह सब नहीं जानता।"

"मैं भी नहीं जानती।"

वह हौले से मुस्कुराया।

"तुम ज्यादा नहीं जानतीं।"

"तुम सारी गलत बातें जानते हो।"

"गलत? मेरे लिए गलत नहीं हैं।" उसने सिर हिलाया। आज़माकर तो देखो। उसने चुनौती देते हुए अपने सिर को एक ओर झुकाते हुए दुष्टता से भरी मुस्कान दी।

मैंने आह भरी। मैं ईडन के बाग की हव्वा हूं और वह सांप है, मैं उससे मोहित हुए बिना नहीं रह सकती।

"ओ.के.।" मैंने कहा

"क्या?" उसने पूरे ध्यान से पूछा।

"मैं कोशिश करूंगी।"

"तुम हामी दे रही हो?" उसकी हैरानी नज़र आ रही थी।

"कोमल सीमाओं पर बात करनी होगी। हां, मैं कोशिश करूंगी।" मैंने हौले से कहा और क्रिस्टियन ने मुझे खींचकर गले से लगा लिया।

"ओह एना! तुम तो कमाल हो। तुमने तो मेरी जान ही निकाल दी थी।"

उसने पैर पीछे हटाया तभी रे लौट आए। शमियाने का शोर तेज़ होकर कानों को चुभने लगा। हम अकेले नहीं हैं। हाय! मैंने अभी-अभी उसकी सेक्स गुलाम बनने की सहमति दी है। क्रिस्टियन रे को देखकर मुस्कुराया और उसकी आंखों में खुशी हिलोरें ले रही है।

"एनी! लंच करने चलना चाहिए?"

"ओ.के.।" मैंने पलकें झपकाईं। क्या किया तूने? मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की ने झिड़की दी। भीतर वाली लड़की किसी रशियन ओलंपिक जिमनास्ट की तरह कलाबाजियां खा रही है।

"क्रिस्टियन! तुम भी साथ आना चाहोगे?" रे ने पूछा।

क्रिस्टियन! मैंने उसे घूरा ताकि वह इंकार कर दे। मुझे सोचने के लिए वक्त चाहिए.....मैंने अभी-अभी कैसा कदम उठा लिया है?

"थैंक यू मि. स्टील पर मुझे कुछ और काम हैं। सर, आपसे मिलकर अच्छा लगा।"

"मुझे भी।" रे ने कहा। "मेरी बिटिया का ध्यान रखना।"

"ओह! मैं पूरा ध्यान रखूंगा।"

दोनों ने हाथ मिलाए और मेरा जी कसैला हो आया। रे क्या जानें कि क्रिस्टियन उनकी बेटी का कैसा ख़्याल रखने वाला है। क्रिस्टियन ने मेरा हाथ अपने हाथों में लिया और उसे पलट कर हौले से चूम लिया।

"फिर मिलते हैं, मिस स्टील!" उसने गहरी सांस ली।

मेरे पेट में उथलपुथल होने लगी–बाद में........

रे मुझे कोहनी से थामकर बाहर ले गए।

"बंदा तो कमाल लगता है। एनी! वैसे मुझे कैथरीन के मुंह से यह बात सुनने को क्यों मिली...। उन्होंने फटकारा।

मैंने माफी मांगते हुए कंधे झटक दिए।

"मेरे हिसाब से तो जो इंसान मछली पकड़ना पसंद करता है और जानता है। बढ़िया ही होता है।"

ओह! रे को भी क्रिस्टियन भा गया। काश! उन्हें उसके बारे में सब पता होता।

रे ने शाम को मुझे घर छोड़ दिया।

"मॉम से बात कर लेना।" उन्होंने कहा।

"मैं बात करूंगी। डैड! आने के लिए धन्यवाद।"

"एनी! मैं तो कभी ये प्रोग्राम मिस करने के बारे में सोच भी नहीं सकता था। तुमने मेरा भी सीना चौड़ा कर दिया।"

अरे नहीं! मैं भावुक नहीं होने वाली। अचानक ही गले में कुछ अटक सा गया। मैंने उन्हें कसकर गले से लगा लिया। उन्होंने जैसे ही मुझे बांहों से घेरा तो मैं अपने आंसू रोक नहीं सकी।

"हे एनी स्वीटहार्ट!" रे ने पुचकारा। आज का दिन तो बहुत खास था। क्या तुम चाहोगीकि मैं अंदर आकर तुम्हें कुछ चाय बना कर पिलाऊं?"

मैं अपने आंसुओं के बावजूद हंसने लगी। रे के हिसाब से चाय हर चीज़ का इलाज होती है। मुझे याद है, मॉम उनके बारे में हमेशा शिकायत करती हैं कि जब भी सहानुभूति दिखाने या चाय बनाने की बात आती है तो वे चाय ज्यादा बेहतर बनाते हैं।

"नहीं डैड! मैं ठीक हूं। आपको मिल कर अच्छा लगा। सिएटल में सेट होते ही आपसे मिलने आऊंगी।"

"इंटरव्यू के लिए गुडलक। मुझे बताना कि नतीजा क्या रहा?"

"डैड पक्का बताऊंगी।"

"एनी लव यू।"

"लव यू टू डैड!"

वे मुस्कुराए और उनकी आंखों की गरमाहट मुझ तक पहुंच गई। वे कार में बैठे तो मैंने हाथ हिलाया और उनके जाते ही मैं कमरे में आकर यहां-वहां घूमने लगी।

सबसे पहले तो मैंने अपना फोन देखा। उसे रीचार्ज करना था इसलिए चार्जर खोजा और लगा दिया। चार मिस्ड कॉल, एक वॉयस मैसेज और दो टैक्स्ट मैसज! क्रिस्टियन की तीन मिस्ड कॉल्स......कोई मैसज नहीं। एक कॉल जोस की...एक वॉयस मैसेज, ग्रेजुएशन के लिए ऑल द बेस्ट कह रहा था। मैंने टैक्स्ट खोले।

"क्या तुम घर सुरक्षित पहुंच गई?"

"मुझे फोन करो।"

वे दोनों ही क्रिस्टियन के थे। उसने घर में फोन क्यों नहीं किया? मैं बेडरूम की ओर गई और लैपी ऑन कर दिया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: आज रात
डेट: मई 25, 2011 23:58
टू: एनेस्टेसिया स्टील
उम्मीद करता हूं कि तुम उस वाहन में घर पहुंच गई होगी, जिसे तुम कार कह रही थीं।
मैं जानना चाहता हूं कि तुम ठीक हो न?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

हाय! वह मेरी बीटल को लेकर इतना परेशान क्यों है? वह तीन साल से मुझे अपनी सेवाएं दे रही है और कोई भी दिक्कत आती है तो जोस संभाल लेता है।
क्रिस्टियन का अगला मेल आज का था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: कोमल सीमाएं
डेट: मई 26 2011 17:22
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मैं क्या कह सकता हूं, जो मैंने अभी तक नहीं कहा।
मैं कभी भी इस बारे में बात करने के लिए राजी हूं।
तुम आज सुंदर लग रही थीं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
मैं उससे मिलना चाहती थी इसलिए 'रिप्लाई' का बटन दबा दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: कोमल सीमाएं
डेट: मई 26, 2011 19:23
टू: क्रिस्टियन ग्रे
यदि तुम चाहो तो मैं आज शाम बातचीत करने के लिए आ सकती हूं। एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: कोमल सीमाएं
डेट: मई 26, 2011 19:27
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मैं तुम्हारे पास आऊंगा। जब मैंने कहा कि तुम्हारा वह कार चलाना मुझे पसंद नहीं है तो इस बात का कोई मतलब था।
मैं जल्द ही तुम्हारे साथ होऊंगा।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
हाय!............वह यहीं आ रहा है। मुझे उसके लिए एक चीज़ तैयार रखनी होगी–थामस हार्डी की किताबों का पहला संस्करण अब भी लिविंग रूम में ही रखा है। मैं उन्हें नहीं रख सकती। मैंने उन्हें भूरे कागज़ में लपेटा और किताब से टैस की ही पंक्तियां लिख दीं:

एंजिल! मैं सभी शर्तों पर हामी देती हूं; क्योंकि मैं जानती हूं कि मेरी सज़ा के बारे में तुमसे बेहतर कोई नहीं जान सकता। बस यह ध्यान रहे कि वे मेरी सहनशक्ति के बाहर न हों।

अध्याय 15

हाय! दरवाज़ा खोलते ही मुझे बहुत शर्म-सी महसूस हुई। क्रिस्टियन अपनी जींस और चमड़े की जैकेट पहने पोर्च में खड़ा है। हाय! उसके चेहरे पर भीनी सी मुस्कान खेल गई। मैंने एक पल ठहरकर उस खूबसूरती को दिल में उतारा। ओह! वह इस लैदर में कितना हॉट लग रहा है।

"आओ।"

"अगर मैं आ सकता हूं! उसने हैरानी से कहा और हाथ में पकड़ी शैंपेन की बोतलको ऊंचा उठाया। मुझे लगा कि तुम्हारी ग्रेजुएशन का जश्न मनाएंगे। एक अच्छी बोलिंजर से बढ़िया क्या हो सकता है।"

शब्दों का चुनाव अच्छा था।

वह मुस्कुराया-"एना! मुझे भी तुम्हारी हाजिर जवाबी पसंद है।"

"हमारे पास चाय के कप ही हैं। सारे गिलास पैक हो गए हैं।"

"चाय के कप? सुन कर तो अच्छा ही लगा।"

मैं रसोई की ओर चल दी। घबराहट के मारे पेट में खलबली हो रही है। मानो कोई चुस्त बाघ मेरे कमरे में डोल रहा हो।

"क्या प्लेट भी चाहिए?"

"हां! तुम्हारे लिए।"

जब मैं लौटी तो वह किताबों के पैकेट को घूर रहा था। मैंने कप मेज पर रखे।

"ये तुम्हारे लिए है।" मैंने कहा

"ओह...लगता है कि आज तो जंग होकर रहेगी।"

"हम्म! पंक्तियां तो बढ़िया हैं मुझे लगा कि मैं तो डि अरबरविले था एंजिल नहीं तो तुमने मेरा रास्ता चुना? तुम पर भरोसा किया है।"

"ये मेरी ओर से एक अपील भी है। मैं इतना घबरा क्यों रही हूं?" मेरा मुंह सूख गया।

"एक अपील? ताकि मैं तुम पर सख़्ती न बरतूं।"

मैंने गर्दन हिलाई।

"मैंने ये तुम्हारे लिए ली थीं और अगर तुम इन्हें रख लोगी तो मैं भी तुम्हारे साथकोमलता से पेश आऊंगा।"

मैंने हलक में अटका थूक निगला।

"क्रिस्टियन! मैं किसी भी कीमत पर इन्हें नहीं रख सकती।"

"देखा, मैं यही बात कर रहा था। तुम बात-बात पर मुझे नीचा दिखाती हो। मैं चाहता हूं कि तुम इन्हें रखो और बात खत्म। सीधी सी बात है। तुम्हें इस बारे में सोचने की ज़रूरत ही क्या है। एक सेक्स गुलाम होने के नाते तुम्हें बस एहसानमंद होना चाहिए। मैं जो कुछ भी खरीद कर दूं, उसे स्वीकारो क्योंकि मुझे तुम्हारे लिए ऐसा करने से खुशी होती है।"

"जब तुमने उन्हें मेरे लिए लिया तो हमारे बीच ऐसा कोई नाता नहीं था।"

"नहीं......एनेस्टेसिया पर तुमने हामी दी थी।"

मैंने आह भरी। ओह...ये तरीका नहीं चला। अब प्लान बी आजमाती हूं।

"तो ये मेरी है और मैं इनके साथ कुछ भी कर सकती हूं।"

उसने हैरानी से आंखें सिकोड़ीं।

"हां।"

"तब तो मैं इन्हें दान में देना चाहूंगी, वे लोग डारफर में ही काम करते हैं। तुम्हें भी अच्छा लगेगा। वे लोग इनकी नीलामी कर सकते हैं।"

"तुम यही करना चाहती हो।" उसके चेहरे पर गंभीर रेखाएं आ गईं। वह मायूस हो गया था।

मैं घबरा गई।

"मैं इस बारे में सोचूंगी।" मैं हौले से बोली। मैं उसे मायूस नहीं देख सकती। और उसी के शब्द मेरे पास लौट आए। मैं चाहता हूं कि तुम मुझे खुश करो।

"एनेस्टेसिया! इस बारे में मत सोचो।"

"मैं कैसे न सोचूं?" तुम कार होने का दिखावा कर सकती हो, उसके बाकी सामान की तरह......। सयानी लड़की अपने बाण चलाने आ गई थी। मैंने उसे देखकर मुंह बनाया। ओह! क्या हम अच्छे माहौल को वापिस नहीं ला सकते? हमारे बीच का माहौल तनावपूर्ण हो गया था। पता नहीं चल रहा कि क्या करूं। मैंने अपनी अंगुलियों को देखा। इस हालातसे बाहर कैसे आऊं?

वह शैंपेन की बोतल मेज पर रख कर मेरे सामने आ गया। मेरी चिबुक को पकड़करऊंचा उठाया और गहरी भेदक निगाहों से घूरने लगा

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हारे लिए बहुत सी चीज़ें खरीदूंगा और तुम्हें इनकी आदत डालनी होगी। मैं तुम्हारे लिए खरीद सकता हूं। मैं बहुत पैसे वाला हूं।" वह आगे झुका और मेरे होंठों पर प्यारा और छोटा सा चुंबन अंकित कर दिया। प्लीज! उसने मुझे छोड़ दिया।

सयानी लड़की मुंह चिढ़ा रही है।

"इन सबके कारण मुझे खुद को बड़ा घटिया सा लगता है।"

क्रिस्टियन ने बड़ी उदासी के साथ बालों में हाथ फिराए।

"ऐसा नहीं होना चाहिए। एनेस्टेसिया! तुम बहुत ज्यादा सोच रही हो। तुम खुद हीनए-नए नतीजे मत निकालो। अपनी ऊर्जा नष्ट मत करो। चूंकि तुम्हारे मन में हमारे इस नाते को लेकर शंकाएं हैं, यही वजह है कि तुम ये सब महसूस करती हो। ये तो स्वाभाविक है। तुम नहीं जानतीं कि तुम खुद को किस उलझन में डाल रही हो।"

मैंने उसके शब्दों का मतलब जानने की कोशिश की।

"एनेस्टेसिया! इसमें घटिया लगने वाली कोई बात नहीं और न ही तुम्हारे भीतर कोई घटियापन है। मैं तुम्हें ऐसा नहीं सोचने दे सकता। मैंने तो ये सोचकर वे कुछ पुरानी किताबें ले लीं कि शायद तुम्हें पसंद आएं। बस और क्या? चलो शैंपेन लेते हैं।"

मैं उसे देखकर मुस्कुराई तो उसके चेहरे का तनाव भी पिघल गया। उसने शैंपेन का फॉयल उतारा, कॉर्क की बजाए बोतल को घुमाया और उसे हल्की सी आवाज़ के साथ खोल दिया। उसने ये काम इस तरह किया कि फर्श पर एक बूंद तक नहीं गिरी। उसने कप आधे भर दिए।

"ये तो गुलाबी है।" मैंने हैरानी से कहा

"बोलिंजर ग्रेंड एनी रोज़ 1999, एक एक्सीलेंट विंटेज।" उसने स्वाद लेते हुए कहा

"चाय के कपों में?"

वह हंसने लगा

"हां, चाय के कपों में। एनेस्टेसिया! तुम्हारी डिग्री के लिए बधाई हो।" हमने कप आपस में टकराए। वह पीने लगा पर मैं खुद को यह सोचने से रोक नहीं सकी कि ये तो मेरे गुलामी स्वीकारने की खुशी में पी जा रही थी।

"धन्यवाद!" मैंने कहा और चुस्की ली। "बेशक स्वाद तो है।"

"क्या हम कोमल सीमाओं पर चर्चा कर लें?"

वह मुस्कुराया और मैं लाल पड़ गई।

"हमेशा की तरह अधीर!" क्रिस्टियन हाथ थाम कर मुझे काउच पर ले गया, हम दोनों वहीं बैठ गए।

"तुम्हारे सौतेले पिता भी निराले ही हैं।"

ओह! ये दूसरी बातें कर रहा है और यहां तनाव के मारे मेरी हालत खस्ता हो रही है।

"तुमने उन्हें भी पटा ही लिया।" मैं बोली।

क्रिस्टियन हौले से हंसा।

"सिर्फ इसलिए कि मैं भी मछली पकड़ना जानता हूं।"

"तुमने कैसे जाना कि उन्हें फिशिंग पसंद है?"

"तुमने ही तो बताया था, जब हम कॉफी के लिए गए थे।"

ओह...अच्छा मैंने ही? मैंने एक और घूंट लिया। वाउ! इसे तो सब याद रहता है। "हम्म.....शैंपेन सचमुच स्वादिष्ट है। क्या तुमने रिसेप्शन वाली वाइन ली थी?"

क्रिस्टियन ने बुरा सा मुंह बना लिया।

"हां! बड़ी बकवास थी।"

"जब मैंने उसे चखा तो मुझे तुम्हारी याद आई। तुम वाइन के बारे में इतनी बातें कैसे जानते हो?"

"एनेस्टेसिया! मैं कोई ज्ञानी नहीं बस जो पसंद करता हूं, उसे जानता हूं।"

"थोड़ी और?" उसने शैंपेन की ओर संकेत किया।

"प्लीज़!"

क्रिस्टियन बड़ी ही शालीनता से उठा और बोतल ले आया। उसने मेरा कप भर दिया। क्या वह मुझे बेसुध करना चाहता है? मैंने उसे संदेह से देखा।

"ये जगह काफी खाली दिख रही है? क्या तुम लोग जाने के लिए तैयार हो?"

"हां काफी हद तक।"

"क्या तुम कल काम पर जाओगी?"

"हां, कल क्लेटन में आखिरी दिन है।"

"मैं जाने में मदद करता पर कल मुझे बहन को एयरपोर्ट लेने जाना है।"

ओह...ये तो खबर है।

"शनिवार सुबह ईया पेरिस से आ रही है। मैं सिएटल जा रहा हूं पर सुना कि इलियट तुम लोगों की मदद कर रहा है।"

"हां, केट इस बात को लेकर बहुत उत्साहित है।"

उसने त्योरी चढ़ाई। "हां, केट और इलियट। किसने सोचा था?" पता नहीं क्यों वह खुश नहीं लगा। तो सिएटल में काम करने के बारे में क्या सोचा?"

हम सीमाओं की बात कब करेंगे? इसकी योजना क्या है?

"वहां इंटर्न के लिए मेरे दो इंटरव्यू हैं।"

"तुम मुझे इस बारे में कब बताने वाली थीं?"

"ओह...बता तो रही हूं"

"कहां?"

किसी कारण से, हो सकता है कि वह अपना प्रभाव दिखाना चाहे इसलिए मैं उसे बताना नहीं चाहती।

"दो प्रकाशन गृह हैं।"

"क्या तुम यही करना चाहती हो? मतलब प्रकाशनगृह का काम?"

मैंने हामी भरी

"खैर?" उसने और जानकारी के लिए मेरी ओर नज़रें गड़ा दीं।

"एनेस्टेसिया! उनके नाम तो बोलो।" उसने फटकारा

"बस छोटे से हैं।"

"तुम क्यों नहीं चाहतीं कि मुझे उनके बारे में पता चले।"

"तुम उन पर अपना रोब...?"

"ओह एना! तुम भी हद करती हो। चलो अब सीमाओं की बात करें।" उसने मेरे ई-मेल की कॉपी और सूची निकाल ली। क्या वह जेब में ये सब लिए डोलता है? शायद मेरी सूची इसकी जैकेट की जेब में है। ओह! मुझे याद रखना होगा। मैंने कप खाली कर दिया

उसने मुझे ताका

"और?"

"प्लीज़"

उसने शैंपेन डालते हुए पूछा

"तुमने कुछ खाया?"

अरे नहीं...वही पुरानी कहानी

"हां! आज मैंने रे के साथ तीन कोर्स वाला डिनर किया है।" मैंने आंखें नचाई। शैंपेन ने मुझे निडर बना दिया है।

वह आगे झुका और मुझे घूरा

"अगली बार आंखें नचाई तो तुम्हारा वह हाल करूंगा...।"

क्या?

ओह! मैं उसकी आंखों में छिपी उत्सुकता देख सकती थी।

"ओह!" उसने मेरी नकल उतारी और बोला।

"चलो एनेस्टेसिया! शुरू करें।"

मेरा दिल तेजी से धड़क रहा है। पेट में खलबली मची है। ये सब इतना हॉट क्यों है? उसने फिर से कप भरा और मैंने घूंट भरा। फिर पूरा कप एक साथ खाली कर दिया।

"अब मेरी ओर ध्यान दो।"

"हां"

"जवाब दो"

"हां...ठीक है।"

"तो हम अब परिशिष्ट तीन पर चर्चा कर लेते हैं।"

परिशिष्ट 3

स्वीकार की गई कोमल सीमाएं

दोनों पक्षों की आपसी रज़ामंदी द्वारा तय की गई:

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित के लिए सहमति देती है:

हस्तमैथुन - योनि संभोग
स्त्री के लिए मुख मैथुन - योनि में मुट्ठी का प्रयोग
पुरुष के लिए मुख मैथुन - गुदा संभोग
वीर्य को निगलना - गुदा में मुट्ठी का प्रयोग

"तुमने कहा कि गुदा में मुट्ठी के प्रयोग के लिए सहमति नहीं है। क्या कोई और आपत्ति भी है? उसने आराम से पूछा। मैंने थूक गटका।

"मुझे तो गुदा संभोग वाली बात भी हजम नहीं हुई। ये मेरे बस में नहीं है।'

"वैसे मैं पहली बात तो मान गया पर यहां मैं अपना पलड़ा भारी रखना चाहूंगा। एनेस्टेसिया! हम उन पलों का इंतज़ार करेंगे, जब तुम इसके लिए शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार हो जाओगी। तुम्हें थोड़े से प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी।

"प्रशिक्षण? मैं फुसफुसाई।

"अरे हां! इसके लिए तैयारी चाहिए और यकीन जानो तुम्हें इसमें आनंद आएगा। अगर कोशिश के बावजूद तुम्हें पसंद नहीं आया तो हम इसे नहीं करेंगे। उसने खीसें निपोरीं।

मैंने पलकें झपकाई उसे लगता है कि मुझे मज़ा आएगा। उसे कैसे पता कि इसे करने में आनंद आता है?

"क्या तुमने इसे पहले किया है?" मैं हौले से बोली।

"हां"

हाय! मैंने आह भरी।

"किसी पुरुष के साथ?"

"नहीं, मैंने कभी किसी पुरुष के साथ ऐसे संबंध नहीं रखे। ये मुझे पसंद नहीं है।"

"मिसेज रॉबिन्सन?"

"हां।"

"कैसे?" मैंने भौं नचाई। वह लिस्ट में आगे देखने लगा।

"और...वीर्य निगलने के बारे में? वैसे तो तुम उस हुनर में माहिर हो और तारीफ़ भी पा चुकी हो।"

मैं घबरा गई और मेरे भीतर बैठी लड़की ने गर्व से दमकते हुए अपने होंठ भींचे।

तो। वह खीसें निपोरते हुए बोला–"इसमें तो कोई परेशानी नहीं है?"

मैंने हामी भरी पर उसी नज़रों का सामना न कर सकने के कारण चाय के कप पर नज़रें गड़ा लीं।

"और?"

और जब वह चाय का कप दोबारा भरने लगा तो कल वाली बात याद आ गई। क्या वह उसकी ही बात याद कर रहा है या शैंपेन के बारे में पूछ रहा है?

"सेक्स खिलौने?" उसने पूछा।

मैंने कंधे झटके और लिस्ट पर नज़र डाली:

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित के प्रयोग की सहमति देती है:

वाईब्रेटर्स - डिल्डो

बट प्लग्स -योनि व गुदा से संबंधित अन्य खिलौने व उपकरण

"बट प्लग्स? बॉक्स पर जो लिखा है, क्या ये उसी काम आते हैं?" मैंने नाक चिढ़ाई।

"हां। वह मुस्कुराया। और मैंने ऊपर जिस प्रशिक्षण की बात की थी, यह उसी से संबंध रखता है।"

"ओह......दूसरे डिब्बों में क्या है?"

"मोती, अंडे......उस तरह का सामान"

"अंडे......" मैं चौंकी।

"नहीं सचमुच के अंडे नहीं.....।" वह सिर हिलाते हुए खुल कर हंसा।

मैंने अपने होंठ भींचे।

"मुझे खुशी हुई कि तुम्हें बड़ा मज़ा आया।" मैं अपनी आहत भावनाएं छिपा नहीं सकी। उसने हंसना बंद कर दिया।

"मैं माफी मांगता हूं। मिस स्टील! आई एम सॉरी!" उसने गंभीर होने का दिखावा किया। आंखों में अब भी हंसी नाच रही थी। "इन खिलौनों से कोई परेशानी?"

"नहीं। मैंने कहा।

"एनेस्टेसिया! उसने पुचकारा। सॉरी! यकीन करो, मैं हंसना नहीं चाहता था। मैंने आज तक किसी से इस विषय पर इतने विस्तार से बात नहीं की और तुम बिल्कुल अनाड़ी हो। सॉरी!"

मैं थोड़ा पिघली और शैंपेन का घूंट भरा।

"ठीक है, बांधने वाली बात। वह फिर से लिस्ट पर आ गया। मेरे भीतर बैठी लड़की इस तरह उछल-कूद मचाने लगी मानो कोई बच्चा आईसक्रीम देखकर ललचा रहा हो।

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित के प्रयोग की सहमति देती है:

रस्सी से बांधना - टेप से बांधना
चमड़े की हथकड़ियों से बांधना - अन्य वस्तुओं से बांधना
हथकड़ियों/ बेड़ियों आदि से जकड़ना
क्रिस्टियन ने भौं नचाई—"तो?"
"ठीक है।" मैंने कहा और चुपचाप दोबारा लिस्ट देखने लगी।

क्या सेक्स गुलाम निम्नलिखित रूप से नियंत्रित होने की सहमति देती है:

आगे की ओर हाथ बांधना - कलाईयां व टखने बांधना
टखने बांधना - कुछ खास वस्तुओं व फर्नीचर आदि से बांधना
कोहनियां बांधना - स्प्रेडरबार से बांधना
हाथ पीछे की ओर बांधना - घुटने बांधना
टांगना

क्या सेक्स गुलाम आंखों पर पट्टी बांधने की सहमति देती है?

क्या सेक्स गुलाम मुंह में कपड़ा ठूंसने या मुंह बंद करने के लिए किसी वस्तु के प्रयोग की सहमति देती है?

"हमने टांगने के बारे में बात कर ली है और क्या तुम उसे एक कठोर सीमा के रूप में लेना चाहती हो? वैसे भी इस काम के लिए काफी समय चाहिए और तुम मुझे इतने लंबे वक्त के लिए मिलोगी नहीं। कुछ और?"

"मेरा मज़ाक मत उड़ाना पर ये स्प्रेडर बार क्या होता है?"

"मैंने वादा किया है कि नहीं हसूंगा, दो बार माफी भी मांग ली है। दोबारा यह मत कहना।" उसने तल्ख़ी से कहा। ओह......मैं अंदर ही अंदर सिकुड़ गई। ये तो बड़ा रोब मारता है।

"स्प्रेडरबार पर कलाई व टखनों के लिए बहुत सारी हथकड़ियां वगैरह टंगी होती हैं। वे बड़ा ही मज़ा देती हैं।"

"ओ.के......मुंह में कपड़ा ठूंसने के बारे में...? मुझे चिंता है कि कहीं मेरा दम ही न घुट जाए।"

"अगर तुम सांस न ले सकीं तो ये मेरे लिए भी चिंता का विषय होगा। मैं नहीं चाहता कि तुम्हारा दम घुट जाए।"

"अगर मुंह में कपड़ा होगा तो मैं सुरक्षित शब्द का प्रयोग कैसे करूंगी?"

"सबसे पहले तो, उम्मीद तो यही है कि तुम्हें कभी उनके इस्तेमाल की ज़रूरत ही नहीं होगी। अगर ऐसा हुआ भी तो हाथों से भी तो ईशारा किया जा सकता है।"

मैंने पलकें झपकाईं। अगर हाथ भी बंधे होंगे तो क्या होगा? मेरा दिमाग चकराने लगा है। ओह...अल्कोहल का असर?

"मैं तो इस बारे में ही घबराहट महसूस कर रही हूं।"

"ओ.के.। मैं लिख लेता हूं।"

"क्या तुम अपनी सेक्स गुलामों को इसलिए बांधते हो ताकि वे तुम्हें छू न सकें।"

उसने मुझे चौड़ी आंखों के साथ घूरा।

"एक वजह यह भी है।" उसने हौले से कहा

"तभी तुम मेरे भी हाथ बांध देते हो?"

"हां"

"तुम इस बारे में बात तक करना पसंद नहीं करते?" मैं बुदबुदाई।

"नहीं! यह मुझे पसंद नहीं। क्या तुम एक और ड्रिंक लेना चाहोगी, ये तुम्हें बहादुर बनाती है और मैं जानना चाहता हूं कि तुम दर्द के बारे में कैसा महसूस करती हो।"

ओह! तो ये बात है। उसने मेरा चाय का कप भर दिया और मैंने चुटकी ली।

"तो! दर्द के बारे में तुम्हारी क्या राय है? क्रिस्टियन ने मेरी ओर देखा। तुम अपना होंठ काट रही हो।" वह बोला

मैं वहीं थम गई। पर ये समझ नहीं आया कि जवाब क्या दूं?

"जब तुम बच्ची थीं तो तुम्हें कभी सज़ा दी गई थी?"

"नहीं"

"तो तुम्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है।"

"नहीं।"

"वैसे ये इतना बुरा भी नहीं, जितना तुम सोचती हो। यहां तुम्हारी कल्पना ही तुम्हारी

सबसे बड़ी दुश्मन है।"

"क्या तुम्हें ये करना ही होगा?"

"हां?"

"क्यों?"

"एनेस्टेसिया! मैं यही कर सकता हूं और करता हूं। मैं तुम्हारी घबराहट देख सकता हूं। चलो उपायों पर चर्चा करें।"

उसने मुझे सूची दिखाई। सयानी लड़की तो झट से चिल्लाकर काउच के पीछे जा छिपी।

क्या सेक्स गुलाम पीड़ा/ सज़ा/ अनुशासन के इन रूपों पर अपनी सहमति देती है:

नितंबों पर वार - पैडलिंग
कोड़े से मार - छड़ी से पिटाई
काटना - निप्पलों पर लगने वाली चिमटियां
गुप्तांगों पर लगने वाली चिमटियां - बर्फ
गर्म वैक्स - पीड़ा देने के अन्य उपाय/ प्रकार

"वैसे तुमने गुप्तांग पर लगने वाली चिमटियों के लिए न बोला है। वह ठीक है। पर छड़ी से सबसे ज्यादा चोट आती है।"

मेरा चेहरा पीला पड़ गया।

"हम उस बारे में कुछ कर सकते हैं।"

"या उसे बिल्कुल ही प्रयोग में न लाए।" मैंने धीरे से कहा।

"बेबी! यह सब हमारे अनुबंध का हिस्सा है पर तुम चिंता मत करो मैं तुम पर ज्यादा दबाव नहीं दूंगा।"

"ये सज़ा वाली बात से मुझे बड़ी परेशानी हो रही है।" मैंने हौले से कहा।

"मुझे खुशी है कि तुम कुछ बोली तो सही। हम छड़ी वाली बात तो सूची से निकाल ही देते हैं। जब तुम सही चीजों को सहज भाव से लेने लगोगी तो हम उनकी गहनता बढ़ा देंगे। हम सब कुछ धीरे-धीरे सहज भाव से ही करेंगे।"

मैंने थूक गटका और उसने आगे आकर मेरे होंठ चूम लिए।

"हम्म! बुरा तो नहीं रहा।"

"देखो मै तुमसे एक बारे में और बात करना चाहता हूं और फिर हम......"

हैं???? यह चाहता क्या है?

अब तक छिपी बैठी चाह अंदर ही अंदर उसके इशारे से कुलांचे भरने लगी।

"ओह एनेस्टेसिया! तुम्हें नहीं लगता कि हमें अगले सप्ताह का इंतज़ार किए बिना अभी ..."

मेरे भीतर बैठी लड़की हांफने लगी।

"देखो! वैसे मैं कुछ आज़माना भी चाहता हूं।"

"कुछ दर्दनाक?"

"ओह नहीं–तुम हमेशा दर्द की बात क्यों करती हो? ये सब तो आनंद की बातें हैं। क्या मैंने तुम्हें आज तक कभी चोट पहुचाई?"

"नहीं"

"तो। देखो कल तुम और अधिक पाने के बारे में बात कर रही थीं।"

ओह...वह कहना क्या चाहता है?

उसने मेरे हाथ थाम लिए।

"तुम जितने समय के लिए मेरी सेक्स गुलाम हो। उसके अतिरिक्त हम कोशिश कर सकते हैं। पता नहीं कि ये कारगर होगा या नहीं पर मैं ऐसा करना चाहता हूं। हो सकता है कि सप्ताह में एक रात। पता नहीं।"

ओह! मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। क्रिस्टियन ग्रे भी हमारे रिश्ते से कुछ और की उम्मीद रखता है! वह कोशिश करना चाहता है। भीतर बैठी लड़की के चेहरे की हैरानी भी छिपाए नहीं छिप रही।

"मेरी एक शर्त है।" वह बोला।

"बोलो?" मैंने सांस ली। उसके लिए तो मैं कुछ भी कर सकती हूं।

"तुम्हें पूरे दिल से ग्रेजुएशन वाला उपहार कबूल करना होगा।"

"ओह।" अंदर ही अंदर शायद मैं यह बात पहले से जानती थी।

वह मेरी प्रतिक्रिया के लिए टकटकी बांधे बैठा है।

"आओ।" उसने मुझे पास घसीट लिया।

उसने अपनी जैकेट उतारकर मेरे कंधों पर डाली और बाहर ले गया, जहां लाल रंग की दो दरवाजों वाली ऑडी खड़ी थी।

"ये तुम्हारे लिए है। हैप्पी ग्रेजुएशन।" वह बोला और बांहों में खींचते हुए बाल चूम लिए।

उसने मेरे लिए एक नई ब्रांडेड गाड़ी ली है...हाय मैं तो अभी उन महंगी किताबों के पचड़े से नहीं निकली और अब यह कार? मैं उसे घूरते हुए मन ही मन अंदाज़ा लगाने लगी कि ये सब मुझे कैसा महसूस हो रहा था। मैं एक ओर खुश हूं, एक ओर सदमे में हूं और एक ओर उसकी एहसानमंद हूं पर सबसे ज्यादा तो इस वक्त गुस्सा आ रहा है। हां, अभी तो गुस्सा ही आ रहा है, खासतौर पर जब मैंने उसे किताबों के बारे में सब बता दिया था..पर वह इसे पहले ही ले चुका था......। वह मुझे हाथ थाम कर कार के पास ले गया।

"एनेस्टेसिया! तुम्हारी बीटल बहुत पुरानी और खतरनाक थी। अगर तुम्हें कुछ हो जाता तो मैं खुद को कभी माफ न कर पाता और खासतौर पर तब, जब इस समस्या का हल खोजा जा सकता है।"

उसकी आंखें मुझे देख रही हैं पर मैं उसे नहीं देख पा रही। मैं चुपचाप उस लाल नई चमकीली गाड़ी को देख रही हूं।

"मैंने तुम्हारे सौतेले पिता से भी इसका ज़िक्र किया था और उन्हें कोई एतराज़ नहीं है।" वह बोला।

मैंने मुड़कर उसे हैरानी से देखा।

"तुमने रे से इस बारे में बात की? तुम कैसे कर सके?" उसकी हिम्मत कैसे हुई? बेचारे रे। मुझे अपने प्यारे पिता के लिए अफ़सोस होने लगा।

"एनेस्टेसिया! ये एक तोहफा है। तुम एक शुक्रिया कहकर बात खत्म नहीं कर सकती?"

"पर तुम जानते हो कि ये हद हो रही है।"

"नहीं मेरे लिए नहीं। मेरे लिए मन की शांति ज्यादा मायने रखती है।"

मैं कुछ नहीं कह पाई। ये नहीं समझेगा। उसके जीवन में कभी पैसे की कमी नहीं रही। वैसे छुटपन में तो वह भी गरीब ही था न? मेरा दिमाग उसी ओर चला गया। मेरा मन अचानक पिघला और कार को प्यार से देखने लगी।

जो भी हो, उसकी नीयत साफ है।

"मैं खुश हूं कि तुमने लैपटॉप की तरह इसे भी मुझे उधार दिया है।"

उसने भारी सांस ली। "अच्छा, अनिश्चित रूप से उधार ही सही।"

"नहीं, अनिश्चित तौर पर नहीं लेकिन अभी के लिए धन्यवाद!"

मैंने आगे आकर उसे गाल पर चूम लिया।

"सर! कार के लिए थैंक्स।" मैंने अपने शब्दों में चाशनी घोलते हुए कहा।

उसने एक ही झपटे में मुझे खुद से सटा लिया

"एना स्टील! तुम बड़ी जिद्दी लड़की हो।" उसने बड़ा ही गहरा चुंबन दिया।

मैंने भी उसी जुनून में भर कर उसके चुंबन का उत्तर दिया। मैं कार, किताबों और कोमल-कठोर सीमाओं और छड़ियों...... के बावजूद उसे दिल से चाहती हूं। मैं उसे चाहती हूं।

"मैं खुद पर काबू नहीं रख पा रहा। जी तो कर रहा है कि यहीं इसी कार के हुड पर..। खैर मैं तुम्हें यकीन दिलाना चाहता हूं कि तुम मेरी हो और मैं जब जी चाहे तुम्हें कार या कुछ भी खरीद कर दे सकता हूं।"

ओह!! ये तो नाराज़ दिख रहा है।

वह सीधा मुझे कमरे में खींच ले गया और बत्तियां जला दी।

"मुझसे गुस्सा हो?"

"मैं कार और किताबों वाली बात के लिए माफी चाहती हूं......जब तुम गुस्सा होते हो तो मुझे डर लगता है।

उसने आंखें बंद की और सिर झटका। आंखें खोलीं तो चेहरे के भाव बदल गए थे

"मुड़ जाओ। मैं तुम्हें इस पोशाक से बाहर निकाल कर तुम्हारी बेदाग त्वचा को देखना चाहता हूं।" वह हौले से बोला

फिर वह धीरे-धीरे चुंबनों की बौछार के बीच मेरी पोशाक उतारता चला गया। उसके हाथ मेरे वक्षस्थल से खेलने लगे...... उन्हीं सरगोशियों के बीच मैं सारी कोमल और कठोर सीमाएं और उनसे जुड़ी बातें भूल गई। उस पल में मेरे लिए क्रिस्टियन से बढ़कर कोई और नहीं था। कुछ भी मायने नहीं रखता था।

उस दिन उसने मुझे अपने कपड़ों सहित छूने की इजाज़त दी और खेल का मुखिया बना दिया। मैं हैरान रह गई पर अपना हुनर दिखाने का मौका भी तो मिल रहा था। मानो उसने खुद को मेरे हवाले कर दिया। भले ही यह सब खेल में हो रहा था। असल ज़िंदगी में तो ऐसा संभव ही कहां था कि यह सनकी किसी और को अपना नियंत्रण लेने देता।

जो भी हो, मैंने उसके साथ उस खेल का पूरा मज़ा लिया। एक अजीब सा एहसास था..ऐसा लग रहा था कि वह मेरे वश में हो..... और फिर जल्द ही हम ऐसी दुनिया में पहुंच गए...... कल्पना और वास्तविकता के बीच एक ऐसी दुनिया......जहां किसी तरह की कोई सीमा न थी।

अध्याय 16

धीरे-धीरे मेरी बाहरी जगत की सुध लौटी। ये सब कितना अनूठा है। मानो मैं हवा में हल्की होकर तैर रही हूं। मेरे अंग फूलों से भी हल्के हो गए हैं। मेरा सिर उसकी छाती पर है और मैं उसकी दिव्य सुगंध में खोई हुई हूं। ताज़ी धुली लिनन की कमीज़ और कोई महगा बॉडी वाश,इस ग्रह की सबसे कामोत्तेजक गंध...क्रिस्टियन। मैं हिलना नहीं चाहती, मैं चाहती हूं कि अनंतकाल तक इसी सुगंध के बीच पड़ी रहूं। मैंने उसकी टी-शर्ट पर नाक फिराई। काश! हमारे बीच में टी-शर्ट न होती, मैंने अचानक ही अपना हाथ उसकी छाती पर फैला दिया। आज पहली बार उसे छूने का सुख पाया है। उसका सीना......कितना मजबूत है! उसने एक हाथ से मेरा हाथ जकड़ लिया पर इस असर को घटाने के लिए उस हाथ को अपने मुंह तक ले गया और प्यार से चूमने लगा। फिर इस तरह पलटा कि मुझे देख सके

"ऐसा मत करो।" वह हौले से बोला

"कोई तुम्हारे शरीर को स्पर्श करे, तुम्हें बुरा क्यों लगता है?" मैं उसकी आंखों को देखते हुए हौले से बोली

"क्योंकि एनेस्टेसिया मैंने ज़िंदगी के पचासों कड़वे रंग देखे हैं।"

ओह......उसकी ईमानदारी ने तो मुझे हत्थे से उखाड़ दिया। मैंने पलकें झपकाईं।

"मेरा ज़िंदगी के साथ बड़ा ही कठोर परिचय रहा है। मैं ये बातें विस्तार से बता कर तुम्हारे दिल पर भार नहीं डाला चाहता। बस तुम ऐसा मत करो।" उसने मेरे नाक से अपनी नाक टकराई और मुझसे परे हो गया।

"मेरे हिसाब से तो सारे बेसिक पूरे हो गए हैं। तुम्हें कैसे लगे?"

वह अपने-आप से पूरी तरह प्रसन्न दिख रहा था और ऐसा लगा मानो अपनी चेकलिस्ट में उसने एक और सही का निशान लगाया हो। मैं अब भी 'ज़िंदगी के साथ कठोर परिचय' वाले वाक्य से जूझ रही हूं। ये सब तो कुंठित कर देने वाला है-मैं और सब जानने के लिए मरी जा रही हूं पर वह मुझे कुछ और नहीं बताएगा। मैंने उसकी तरह अपना सिर एक ओर झुकाया और मुस्कुराने की भरपूर कोशिश की।

"अगर तुम एक मिनट के लिए सोचो, मैं मान लेती हूं कि तुमने अपना नियंत्रण मुझे सौंप दिया है पर मेरी जीपीए पर तो ध्यान ही नहीं दिया...वैसे इस भ्रम के लिए मेहरबानी।"

"मि स्टील! तुम्हारे पास सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा ही नहीं है और अब तक तुम छह बार उस चरम सुख को पा चुकी हो, जिसमें हर बार तुम्हारे साथ मैं शामिल था।" उसने बड़े ही खिलवाड़ के साथ डींग मारी।

मैं खिसियाने के साथ-साथ लजा गई। ओह! यह तो सारा हिसाब रखता है।

"क्या तुम्हारे पास मुझे बताने के लिए कुछ है?" उसकी आवाज़ में अचानक ही सख़्ती आ गई।

मैंने भौं नचाई। हो गया कबाड़ा

"मैंने आज सुबह एक सपना देखा।"

ओह? वह मुझे घूरने लगा।

हो गई गड़बड़! क्या मैं मुसीबत में हूं?

"मैंने आज नींद में ही उस सुख......।" मैंने अपनी आंखों पर हाथ रख लिया। उसने कुछ नहीं कहा। मैंने कनखियों से देखा तो उसके चेहरे पर हंसी की रेखाएं दिखीं।

"अच्छा, क्या नींद में ही?"

"हां, उस सपने ने मुझे जगा दिया।"

"बेशक! यही हुआ होगा पर तुम सपने में कर क्या रही थीं? तुम्हारे साथ कौन था?"

कबाड़ा..

"तुम"

"मैं कर क्या रहा था?"

मैंने फिर से आंखों पर हाथ रख लिया और छोटे बच्चे की तरह पल भर को यह मान लिया कि अगर मैं उसे नहीं देख सकती तो वह भी मुझे नहीं देख सकता।

"एनेस्टेसिया! मैं क्या कर रहा था? मैं दोबारा नहीं पूछूंगा।"

"तुम्हारे हाथ में एक चाबुक था।"

उसने मेरी बाजू हटाई।

"सचमुच?"

"हां!" मैं लाल पड़ गई।

"अब भी तुम्हारे लिए कुछ उम्मीद है।" वह हौले से बोला

"मेरे पास बहुत सारे हैं।"

"भूरे चमड़े से मढ़ा हुआ"

वह हंस दिया–"अभी तो नहीं है पर बेशक मैं ला सकता हूं।"

उसने आगे बढ़कर मुझे चूमा और अपने कपड़े उठा लिए।

नहीं!!!! वह जा रहा है।

घड़ी पर नज़र मारी। अभी तो नौ बजकर चालीस मिनट हुए थे। मैं भी बिस्तर से उठी और कपड़े पहनकर, पलंग पर ही आलथी-पालथी लगाकर बैठ गई। मैं उसे जाने नहीं देना चाहती। मैं क्या कर सकती हूं?

"तुम्हारे पीरियड कब से हैं।" उसने मेरी सोच में बाधा दी।

"क्या?"

"मुझे ये सब चीजें इस्तेमाल करने से उलझन होती है।" उसने इस्तेमाल किया हुआ कंडोम परे रखा और जींस चढ़ा ली।

वैसे मैंने जवाब नहीं दिया तो वह मुझे उम्मीद भरी निगाहों से ताकने लगा। अरे! ये कैसी व्यक्तिगत बातें भी पूछ लेता है।

"अगले सप्ताह।" मैंने हाथों को घूरते हुए कहा।

"तुम्हें अपने लिए कोई गर्भ-निरोधक साधन चुनना होगा।"

ये कितना तानशाह है। मैं उसे खाली नज़रों से घूरती रही। वह अपने जूते और जुराबें पहनते हुए पलंग पर ही बैठ गया।

"क्या तुम्हारा कोई डॉक्टर है?"

मैंने गर्दन हिला दी। हम फिर से बड़ी जमीन-ज़ायदाद किस्म की बातों पर आ गए थे। वाह! इसका मूड पल में बदलता है।

उसने कहा "मैं अपने डॉक्टर को तुम्हारे यहां रविवार से पहले भेज दूंगा या तुम उसे वहीं रविवार को मिल सकती हो। जो तुम्हें ठीक लगे?

चलो कोई दवाब नहीं है। वह इनके लिए भी पैसे चुकाएगा......क्या करें, वह इसे अपने फायदे के लिए करने जा रहा है।

"तुम्हारे यहां।" इसका मतलब रविवार को हमारे मिलने की गारंटी हो जाएगी।

"अच्छा! मैं तुम्हें समय बता दूंगा।"

"क्या तुम जा रहे हो?"

"मत जाओ......मेरे साथ रहो, प्लीज़"

"हां।"

क्यों?

"तुम वापिस कैसे जाओगे?" मैं हौले से बोली

"टेलर मुझे ले जाएगा।"

"मैं गाड़ी चला सकती हूं। मेरे पास बहुत प्यारी नई गाड़ी है।"

उसने मुझे घूरा और चेहरे पर गरमाहट के भाव आ गए।

"बहुत अच्छी बात है पर इस समय तुमने बहुत पी रखी है।"

"क्या तुमने मुझे जान कर ज्यादा पिलाई थी?"

"हां।"

"क्यों?"

"क्योंकि तुम हर चीज़ के बारे में ज़रूरत से ज्यादा सोचती हो और अपने सौतेले पिता की तरह बड़बोली हो। तुम्हारे अंदर एक बूंद शराब जाते ही बड़बड़ाने लगती हो। मैं चाहता था कि तुम दिल खोल कर अपने मन की बात कहो। वरना तुम चुप रहतीं और मैं कुछ भी न जान पाता।"

"तुम्हें क्या लगता है कि तुम हमेशा मेरे साथ ईमानदार होते हो?"

मैं कोशिश करता हूं और यह तभी कारगर होगा जब हम दोनों ही एक-दूसरे के साथ ईमानदारी बरतेंगे।"

"मैं चाहूंगी कि तुम यहीं रहो और इसे भी इस्तेमाल करो।" मैंने दूसरा पैकेट उठाकर दिखाया।

वह मुस्कुराया और आंखों में अजीब-सी चमक आ गई।

"एनेस्टेसिया! मैंने आज रात यहां बहुत सी सीमाएं लांघ ली हैं। मुझे जाना ही होगा।

मैं तुमसे इतवार को मिलूंगा। मैं तुम्हारे लिए नया अनुबंध बनवा कर तैयार रखूंगा और फिर हम सही मायनों में मौज कर सकते हैं, खेल सकते हैं।"

खेल, तौबा! मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया।

"मैं तुम्हारे साथ कुछ अनूठा करना चाहता हूं पर तब तक नहीं, जब तक तुम अनुबंधपर हस्ताक्षर नहीं कर देतीं, तभी तो मैं जान पाऊंगा कि तुम तैयार हो।"

"ओह! अगर मैं हस्ताक्षर न करूं तो यह सब कुछ दिन इसी तरह और चल सकता है?"

"हां! तुम ऐसा कर सकती हो पर मेरे लिए भारी पड़ेगा।"

क्यों? कैसे? मेरे भीतर बैठी लड़की अचानक ही जागी और पूरे ध्यान से सुनने लगी।

उसने चिढ़ाया–"सब कुछ काफी बदतर हो सकता है। पता है, बम के धमाके, कारों का पीछा, अपहरण वगैरह-वगैरह।

"तुम मुझे अगवा करा लोगे?"

"अरे हां।" वह हंसा

"मेरी मर्जी के बिना बंदी बना लोगे।" ओह! ये सब कितना हॉट होगा।

"हां। हमेशा के लिए तुम मेरी बंदी बन जाओगी।"

ओह! मैं तो गई काम से। उसकी हर अदा दिलकश जान पड़ती है।

"तो तुम्हारे पास कोई चुनाव नहीं बचता।" उसने व्यंग्यात्मक मुस्कान दी।

"हां, ठीक ही कहा।" मैं खुद को आंखें नचाने से नहीं रोक पाई।

"ओह! एनेस्टेसिया स्टील, क्या तुमने अभी मुझे देखकर फिर से आंखें नचाई।" हो गया कबाड़ा। वह पलंग के छोर पर आ बैठा।

"यहां आओ।" उसने कोमल सुर में कहा।

मेरा रंग पीला पड़ गया। ...इसने तो बात का बुरा मान लिया। मैं बिना हिले-डुले उसे ही घूर रही थी।

"मैंने अभी कहीं भी हस्ताक्षर नहीं किए हैं।" मैं हौले से बोली।

"मैंने तुम्हें बताया था न कि मैं क्या करूंगा। मैं अपने शब्दों पर कायम रहने वालों में से हूं। मैं तुम्हें नितंबों पर मारने जा रहा हूं और फिर एक बार हम शारीरिक संबंध बनाएंगे। देखा, दूसरे पैकेट की जरूरत पड़ ही गई।"

मैं वहीं बुत बनी खड़ी हूं। क्या मुझे वहां से भाग जाना चाहिए? क्या हमारे रिश्ते का संतुलन यही है? यहीं और अभी? क्या मैं उसे मनमानी करने दूं या साफ न कह दूं, बात खत्म कर दूं? मुझे ये भी पता है कि मेरे इंकार के बाद बात हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। मेरे भीतर बैठी लड़की गिड़गिड़ाने लगी–उसकी बात मान ले, हर्ज़ भी क्या है। मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की को मेरी तरह लकवा मार गया है।

"मैं इंतज़ार कर रहा हूं। वह बोला। मैं बहुत धीरज वाला इंसान नहीं हूं।"

ओह, इसके प्यार के लिए क्या-क्या करना होगा। मैं हांफ रही हूं। पूरे शरीर में रक्त हिलोरें ले रहा है और टांगों में जैसे जान ही नहीं बची। मैं धीरे से सरक कर उसके पास हो गई।

"गुड गर्ल। अब खड़ी हो जाओ।"

ओह...क्या यह ड्रामा बंद नहीं हो सकता? मैं यकीन से नहीं कह सकती कि यह सबसह भी पाऊंगी या नहीं? मैं लड़खड़ाई और उसकी फैली हथेली पर कंडोम का पैकेट रख दिया। अचानक उसने मुझे अपनी गोद में पेट के बल लिटा दिया। मेरा पूरा धड़ पलंग पर था। मेरी दोनों टांगें उसकी एक टांग के नीचे दबी थीं। उसने एक हाथ से मुझे इस तरह पकड़ लिया कि मैं हिल न सकूं।

ओह! ये हो क्या रहा है?

"एना! अपने दोनों हाथ सिर के पास ले जाओ।" उसने हुक्म दिया।

मैंने पालन किया।

"तुम्हें पता है कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं?"

"क्योंकि मैंने तुम्हें देखकर आंखें नचाई थीं?" बमुश्किल गले से आवाज़ फूटी।

"क्या तुम्हें ये विनम्रता लगती है?"

"नहीं।"

"क्या तुम दोबारा ऐसा करोगी?"

"नहीं"

"जब भी तुम ऐसा करोगी तो इसी तरह मार खाओगी। समझीं?"

उसने मेरे कपड़े खिसकाए और नंगी चमड़ी पर, हथेली से जोर से वार किया। ओह! बडी जोर से दर्द हुआ। फिर उसने त्वचा को सहलाया और दोबारा तेज वार किया। उसकी हर चोट पर मेरी सांसें उथली और तेज होती जा रही थीं। मेरे मुंह से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। इसी दौरान मैं जरा सा हिली तो उसकी धमकी आई

"हिलो मत वरना ज्यादा देर तक मार खाओगी।"

फिर उसने सहलाने और मारने के बीच एक ताल सी बना ली। मझे दर्द पर ध्यान केंद्रित करना भी मुश्किल लगता था। वह किसी एक जगह पर मारने की बजाए अलग-अलग जगह मार रहा था।

ओह! मैं दसवें तमाचे पर कराह उठी। पता नहीं कब अनजाने में ही मैं उसके हाथ की

चोटों को गिनने लगी थी।

मेरी बार-बार की कराहों पर जवाब मिला।

"बेबी! मेरे सिवा तुम्हारी आवाज़ सुनने के लिए यहां कोई नहीं है।" उसने कुल अठारह बार मारा होगा और फिर वह अपने साथ से मुझे देह-सुख की उन्हीं अंधेरी वहशी गलियों में ले गया, जहां जाने के बाद मुझे कुछ भी याद नहीं रहता था। मेरे साथ-साथ उसने भी कुछ गहरी सांसें भरीं और बोला।

"ओह बेबी! मेरी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है।"

हम दोनों कुछ देर वहीं पड़े रहे और अपनी सांसों के काबू आने का इंतज़ार करते रहे। वह हौले से मेरे बाल सहला रहा है और मैं फिर से उसकी छाती पर हूं पर इस बार मुझमें इतनी ताकत नहीं बची कि हाथ उठाकर उसे छू सकूं। ओह...शुक्र है! जान तो बची। वैसे ये इतना बुरा भी नहीं था। मैं उतनी नाजुक भी नहीं, जितनी मैं खुद को समझती थी। क्रिस्टियन अपने नाक से मेरे बाल रगड़ते हुए बोला

" बहुत खूब! बेबी।" उसकी खुशी में भीगे स्वर ने मुझे वही आराम दिया जो उस दिन हीथमैन होटल के नरम मुलायम तौलिए में लपेट कर आया था। मुझे खुशी है कि वह खुश है।

उसने मेरे कपड़े देखकर कहा।

"तुम ऐसे कपड़े पहनकर सोती हो? तुम्हें तो सिल्क और साटिन में होना चाहिए।खूबसूरत लड़की! मैं तुम्हें शॉपिंग के लिए ले जाऊंगा।"

"नहीं! मुझे यही पसंद हैं।"

उसने फिर से मेरा सिर चूम लिया।

"देखेंगे।" वह बोला

हम कुछ मिनट या पता नहीं कुछ घंटों तक वहीं ऊंघते रहे, कौन जाने?

"मुझे जाना होगा।" उसने कहा और एक बार फिर से झुककर मेरा माथा चूम लिया।

तुम ठीक हो न?" उसका सुर कोमल था।

मैंने उसके सवाल के बारे में सोचा। मेरे नितंब मार से सूज गए हैं और इस एहसास के अलावा कह सकती हूं कि मार के कारण लाली से दमक भी रहे हैं। कुछ समझ नहीं आ रहा। इस एहसास को बयां नहीं कर पा रही।

"मैं ठीक हूं।" मैं हौले से बोली। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती।

वह उठा।

"तुम्हारा बाथरूम कहां है?"

"हॉल के बाईं ओर।"

उसने इस्तेमाल किए हुए कंडोम उठाए और उसी ओर चल दिया। मैंने किसी तरह उठकर अपनी स्वेटपैंट पहनी। हल्की-सी चुभन महसूस हुई। मैं अपनी ही प्रतिक्रिया के लिए अचंभे में हूं। मुझे याद है, उसने कहा था–ये नहीं याद कि कब कहा था–मैं अच्छी तरह से पिटाई लगाने के बाद बेहतर महसूस करता हूं। वह ऐसा कैसे हो सकता है? मैं तो सचमुच समझ नहीं पा रही। पर हैरानी की बात यह है कि कुछ-कुछ समझ भी आ रहा है। मैं यह भी नहीं कह सकती कि मैंने इस अनुभव का आनंद नहीं लिया। दरअसल अभी इसे कुछ समय के लिए टाला जा सकता था पर......। मैंने अपने दोनों हाथों में सिर थाम लिया। दिमाग उलझन में है।

क्रिस्टियन ने कमरे में कदम रखा। मैं उसकी नज़रों से नज़रें नहीं मिला सकती। मैं अपने हाथों को घूरने लगी।

"मुझे कुछ बेबी ऑयल मिला है। लाओ तुम्हारे पीछे मल दूं।"

"क्या?"

"नहीं! मैं ठीक हो जाऊंगी।"

एनेस्टेसिया!" उसने चेतावनी दी। मैं अपनी आंखें नचाते-नचाते एकदम ही संभल गई। मैं पलंग की ओर मुंह करके खड़ी हो गई। उसने मेरे साथ बैठकर पैंट नीचे की और हल्के सधे हाथों से बेबी ऑयल मलने लगा। मन ही मन मैं सोच रही थी कि किस हिस्से में हाथ छूने से ज्यादा आराम आएगा। मेकअप रिमूवर से लेकर सूजी हुई नितंब को आराम पहुंचाने के लिए–किसने सोचा था कि यह तरल पदार्थ इतना काम आएगा।

मुझे तुम्हारे शरीर पर अपने हाथ अच्छे लग रहे हैं।" उसने हौले से कहा। मुझे भी कहना पड़ा–मुझे भी!"

"हो गया!" उसने मेरी पैंट ऊपर खिसका दी।

मैंने घड़ी पर नज़र मारी। 10:30 हो गए हैं।

"मैं जा रहा हूं।"

मैं तुम्हें छोड़ आती हूं।" मैं अब भी उससे नज़रें नहीं मिला पा रही।

वह मेरा हाथ थाम कर बाहर वाले दरवाज़े तक ले गया। खुशकिस्मती से केट आज घर पर नहीं है। वह अपने परिवार और ईथन के साथ डिनर ले रही होगी। मुझे खुशी है कि मेरी ये बदतर हालत देखने के लिए वह आसपास नहीं है।

"क्या तुम्हें टेलर को बुलाना नहीं होगा?" मैंने नज़रें चुराते हुए कहा

"टेलर नौ बजे से यहीं है। मेरी तरफ देखो।" उसने गहरी सांस ली।

मैंने नज़रें मिलानी चाहीं और इस दौरान वह मुझे हैरानी से देखता रहा।

"तुम रोई नहीं।" वह हौले से बोला और मुझे कसकर गले से लगाकर चूमा।

वह मेरे होठों के पास आकर फुसफुसाया–रविवार। इन शब्दों में एक वादे के साथ-साथ धमकी भी छिपी थी।

मैंने उसे उसकी बड़ी काली ऑडी में जाते देखा। वह पीछे नहीं मुड़ा। मैंने दरवाजा बंद किया और उस अपार्टमेंट के लिविंग रूम में खड़ी यहां-वहां ताकने लगी, जिसमें मैंने बस अब दो रातें और बितानी थीं। एक ऐसी जगह, जहां मैं पिछले चार साल से बड़े ही

मज़े से रहती आई थी...। और आज पहली बार, शायद पहली बार मैंने खुद को यहां अकेला और असहज पाया। क्या अब तक मैं इस बात से भी अनजान थी कि मैं कौन हूं? मैं जानती हूं कि अंदर ही अंदर बहुत सारे आंसू सैलाब बन कर उमड़ने को तैयार हैं। मैं क्या कर रही हूं? विडंबना तो यह है कि मैं आराम से बैठकर रो भी नहीं सकती। मुझे संभलना ही होगा। बेशक रात ज्यादा हो गई है पर मैंने मॉम को फोन करने की सोची।

"हनी, कैसी हो तुम? ग्रेजुएशन समारोह कैसा रहा?" उन्होंने फोन उठाते ही कहा और उनकी आवाज़ से मेरे दिल को मलहम सा लग गया।

"सॉरी! आपको देर से फोन किया।"

वे ठिठकीं।

"एना? क्या बात है बेटा?" वे अब भी गंभीर हो गई थीं।

"कुछ नहीं मॉम! बस आपकी आवाज़ सुनने को मन कर रहा था।"

वे एक पल के लिए चुप रहीं।

"एना, क्या बात है? प्लीज़ मुझे बताओ।" उनकी आवाज़ बहुत ही तसल्ली और सुकून दे रही है और मैं जानती हूं कि वे मेरी कितनी परवाह करती हैं। अचानक ही आंसू बहने लगे। मैं पिछले कुछ दिनों में कई बार रो चुकी हूं।

"प्लीज़ एना!" उन्होंने एक बार फिर से कहा

"ओह मॉम! एक पुरुष मित्र की बात है।"

उसने क्या किया तेरे साथ?" उनके स्वर में नाराज़गी दिखी।

नहीं ऐसा कुछ नहीं। बल्कि......ओह हो गया कबाड़ा! मैं उन्हें चिंता में नहीं डालना चाहती। मैं तो बस यही चाहती थी कि उन पलों में किसी अपने का साथ मिल जाता।

"एना! तुम मुझे चिंता में डाल रही हो।"

"मैंने एक बड़ी सांस ली। मैं उस पर फिदा हूं पर वह मेरी टाइप का इंसान नहीं है और पता नहीं कि हम एक हो भी पाएंगे या नहीं?"

"ओह डार्लिंग! काश मैं वहां तुम्हारे साथ होती। सॉरी! मैंने तुम्हारी ग्रेजुएशन भी मिस कर दी। खैर, हनी! मर्द थोड़े अलग किस्म के और चालबाज़ होते हैं। ये बिल्कुल अलग तरह की प्रजाति है। तुम उसे कब से जानती हो?"

क्रिस्टियन तो सचमुच बिल्कुल ही अलग तरह की प्रजाति है। एक अलग ग्रह का बाशिंदा।

"ओह! करीब तीन हफ्ते हो गए।"

"एना डार्लिंग! तुम इतने कम समय में किसी इंसान को कैसे पहचान सकती हो? उसके साथ सहजता से पेश आओ और जब तक यह तय न कर लो कि वह तुम्हारे लायक है भी या नहीं, उसे खुद से एक हाथ की दूरी पर ही रखो।"

वाउ......मॉम तो अंतर्यामी हैं पर उन्होंने ये बात बताने में काफी देर कर दी। क्या वह सचमुच मेरे लायक है? ये भी बड़ी दिलचस्प खोज होगी। मैं तो हमेशा से यही सोचती आई हूं कि क्या मैं उसके लायक हूं।

"हनी! तुम उदास लग रही हो। घर आओ–हमारे पास कुछ दिन के लिए आ जाओ। मैं तुम्हें बहुत याद करती हूं। बॉब को भी खुशी होगी। तुम्हें थोड़ी दूरी से उसके बारे में सोचने का मौका मिल जाएगा। तुम्हें ब्रेक चाहिए। काफी कड़ी मेहनत करती आ रही हो।"

ओह वाह! सुनकर ही कितना अच्छा लग रहा है। मैं जार्जिया भाग जाऊं? कुछ कॉकटेल के साथ सूर्यस्नान का आनंद! मेरी मॉम की हास्यप्रियता...उनकी स्नेही बाहें!

"सोमवार को सिएटल में दो इंटरव्यू हैं।"

"ओह! ये तो अच्छी खबर है।"

तभी दरवाजा खुला और केट ने मुझे देखकर दांत निपोरे। उसने मुझे रोता देख तो अचानक उसका चेहरा लटक गया।

"मॉम! मैं चलती हूं। वहां आने के बारे में सोचूंगी। थैंक यू"

"हनी, प्लीज़। उस इंसान से ज़रा दूरी ही रखना। तुम अभी छोटी हो। जाओ और मज़े करो।"

"हां मॉम! लव यू।"

"ओह एना! मैं भी तुमसे बहुत प्यार करती हूं। हनी, अपना ध्यान रखना।" मैंने फोन रखकर केट को देखा, जो हैरानी से मुझे ही घूर रही थी।

"क्या उस बेहूदे दौलतमंद भड़वे ने फिर से कुछ कहा?"

"नहीं......मतलब......हां"

"एना! उसे दफा कर दे। जबसे तू उससे मिली है, तेरी ज़िंदगी में इतने उतार-चढ़ाव आ रहे हैं। मैंने तो तुझे आज से पहले इस तरह कभी नहीं देखा।"

कैथरीन कैवेना के शब्द बिल्कुल साफ तरीके से काले-सफेद रंग के साथ अपनी बात कह रहे थे। वे ग्रे के रहस्यमयी, अमूर्त और अनजाने रंगों से मेरी दुनिया को नहीं रंग रहे थे। मेरी दुनिया में स्वागत है!

"बैठो। ज़रा बात करते हैं। मैं थोड़ी वाइन लाती हूं। ओह! तो तुम शैंपेन ले चुकी हो।" उसने बोतल को देखकर कहा।

मैं उसे देखकर मुस्कुराई। थोड़ा ध्यान से बैठना पड़ा। उस जगह पर..

"क्या तुम ठीक हो?"

मैंने अपने शरीर को ढीला छोड़कर काउच पर पसरने दिया।

उसने मेरे इस तरीके पर हैरानी नहीं जताई क्योंकि मैं वाशिंगटन स्टेट के सबसे ज्यादा बेहूदे और बेतरतीब किस्म के लोगों में से हूं। कभी सोचा नहीं था कि यही बेहूदगी इस तरह काम आएगी। फिर मैंने अपना ध्यान केट की ओर लगाना चाहा पर उससे पहले हीथमैन की ओर चला गया—अगर तुम मेरी जगह होती तो आज जो हरकत तुमने की है, तुम एकहफ्ते तक बैठने लायक न रहती। जब उसने ये कहा था, तब मैं उसका होने के सिवा किसी और बात पर ध्यान ही नहीं दे सकी थी। वह तो बार-बार चेतावनी दे रहा था, मैं ही इतनी अनाड़ी निकली कि किसी भी नोटिस को गंभीरता से नहीं लिया।

केट रेड वाइन और चाय के धुले कप लेकर लौट आई।

"ये ले!" उसने मेरे हाथ में कप पकड़ा दिया। ये बॉली जितनी स्वादिष्ट नहीं है।

"एना! अगर वह वादा निभाने के मामले में टेढा लग रहा है तो उसे भाड़ में जाने दे। हालांकि मुझे भी समझ नहीं आ रहा कि वह तुझसे चाहता क्या है? वहां शमियाने में तो तुझे बाज़ जैसी नज़रों से घूर रहा था। कह सकते हैं कि तुझ पर पूरी तरह से फिदा है पर हो सकता है कि ऐसा दिखावा ही करता हो।"

फिदा? क्रिस्टियन और मुझ पर? "बस दिखावा कर रहा है? हां, यही सच होगा।"

"केट! बात उलझी हुई है। तेरी शाम कैसी रही?" मैंने पूछा।

मैं अब केट से इस बारे में और बात नहीं कर सकती, खासतौर पर और कुछ बताना भी मुश्किल है इसलिए उसके बारे में एक सवाल पूछा और केट चालू हो गई। बैठकर उसकी गप्पें सुनना कितना अच्छा लग रहा है। गर्मागर्म खबर यह है कि ईथन अपनी छुट्टियों के बाद हमारे साथ रहने आ सकता है। बड़ा मज़ा आएगा। पर मुझे नहीं लगता कि क्रिस्टियन इस बात के लिए मंजूरी

देगा...खैर! जो भी हो, उसे यह बात माननी ही होगी। मैंने दो कप वाइन लेने के बाद सोने की सोची। आज का दिन बहुत थकाने वाला रहा था। केट ने मुझे गले से लगाया और ईथन को फोन लगाने चल दी।

मैंने दांत साफ करने के बाद लैप ऑन किया। वहां क्रिस्टयन का एक ई-मेल इंतज़ार में था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुम
डेट: मई 26 2011 23:14
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर मिस स्टील!

तुम तो सचमुच लाजवाब हो। मैं आज तक तुम जैसी बहादुर, होशियार, सयानी और बुद्धिमान लड़की से नहीं मिला। एक एडविल लो–यह कोई विनती नहीं है। और दोबारा अपनी बीटल मत चलाना। मुझे पता चल जाएगा।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

ओह, मैं अपनी कार दोबारा न चलाऊं? मैंने अपना जवाब लिखा:

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: चापलूसी
डेट: मई 26, 2011 23:20
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे

चापलूसी आपको कहीं नहीं ले जा सकती पर आप तो हर जगह मौजूद हैं इसलिए आपके बारे में कुछ नहीं कह सकते।
मुझे अपनी बीटल को चलाकर गैराज तक ले जाना होगा ताकि उसे बेचा जा सके। इस बारे में आपका कोई भी बेतुका हुक्म नहीं मान सकती।
एडविल की बजाए रेड वाइन ज्यादा असर दिखाती है।
एना
पी.एस. छड़ी से पीटना मेरे लिए एक कठोर सीमा है।
मैंने सेंड बटन दबा दिया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: कुंठित युवती, जिसे अपनी प्रशंसा सुनना भी नहीं आता
डेट: मई 26, 2011 23:26
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!

मैं कोई चापलूसी नहीं कर रहा। तुम्हें अब सोने जाना चाहिए।
मैं कठोर सीमाओं में तुम्हारी इस सीमा को भी शामिल करता हूं।
ज्यादा शराब मत पीना।
टेलर तुम्हारी गाड़ी बेच कर इसके अच्छे पैसे दिलवा देगा।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: टेलर–क्या वह इस काम के लिए सही इंसान है?
डेट: मई 26, 2011 23:40
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर सर

मैं हैरान हूं कि आप अपने दाएं हाथ कहलाने वाले टेलर को बीटल चलाने जैसे खतरे के लिए भेज रहे हैं और किसी ऐसी युवती को यह खतरा मोल नहीं लेने देंगे, जिसके साथ आप अकसर शारीरिक संबंध बनाते हैं? मैं कैसे यकीन कर सकती हूं कि टेलर मुझे इस कार के लिए अच्छे पैसे दिलवा देगा? वैसे आपको जानने से पहले मैं भी अच्छे मोलभाव करने वालों में जानी जाती थी।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: सावधान
डेट: मई 26 2011 23:44
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
मैं समझ सकता हूं कि यह तुम नहीं रेड वाइन बोल रही है और तुम्हारा दिन काफी थकाने वाला रहा।
हालांकि मन तो यही कह रहा है कि वहां आऊं और कुछ ऐसा करूं कि तुम एक शाम की बजाए पूरे सप्ताह तक बैठने के लायक न रहो।
टेलर पहले आर्मी में था और वह मोटर साइकिल से लेकर शरमन टैंक तक कोई भी वाहन चला सकता है। तुम्हारी कार से उसे कोई तकलीफ नहीं होगी।
अब कृपया अपने-आपको एक ऐसी युवती के रूप में प्रस्तुत मत करना, जिसके साथ मैं केवल शारीरिक संबंध बनाना ही पसंद करता हूं क्योंकि इससे मुझे बड़ा गुस्सा आता है और जब मुझे गुस्सा आएगा तो सचमुच तुम मुझे बिल्कुल पसंद नहीं कर पाओगी।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: टेलर-आप संभल जाएं
डेट: मई 26, 2011 23:57
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर सर

मैं यकीन से नहीं कह सकती कि मैं आपको पसंद भी करती हूं या नहीं, खासतौर पर इन पलों में...।
मिस स्टील

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: आप संभल जाएं
डेट: मई 27, 2011 00:03
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुम मुझे पसंद क्यों नहीं करतीं?

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: टेलर-आप संभल जाएं
डेट: मई 26, 2011 00:09
टू: क्रिस्टियन ग्रे

क्योंकि तुम कभी मेरे पास नहीं ठहरते।
एना

बहुत हो गया। अब जरा वह भी इस बारे में सोचेगा। मैंने एक झटके से लैपी बंद किया।पलंग पर जाने का मन ही नहीं हुआ। मैंने साइड की बत्ती बंद की और छत को घूरने लगी।एक पूरा दिन बीत गया था, एक के बाद एक कितने भावात्मक झटके! रे के साथ समय बिताकर कितना अच्छा लगा। वे अच्छे दिख रहे थे और हैरानी की बात है कि उन्होंने क्रिस्टियनके लिए भी मंज़ूरी दे दी। केट और उसका बड़बोलापन! क्रिस्टियन का भूखे होने के बारे मेंसुनना। ये सब क्या है? और ऊपर से वह कार? मैंने तो अभी तक केट

को भी नई गाड़ीके बारे में नहीं बताया। क्रिस्टियन क्या सोच रहा था?

और आज शाम, उसने सच में मुझ पर हाथ उठाया। मुझ पर पूरी ज़िंदगी में किसी ने हाथनहीं उठाया। मैं किन चक्करों में पड़ गई हूं? केट के आने से थमे हुए आंसू फिर से बहने लगे।मैं किसी ऐसे इंसान को चाहने लगी हूं जो भावात्मक रूप से बिल्कुल ही निराला है। अंदर ही अंदरमैं जानती थी कि उसमें दिल लगाकर मुझे दर्द के सिवा कुछ नहीं मिलने वाला। एक ऐसा इंसान जो खुद ही स्वेच्छा से शरीर से जुड़े नातों में उलझा है। वह ऐसा क्यों है? बचपन में उसने क्याकुछ नहीं झेला होगा, इस सोच ने तो मन को और भी दुखी कर दिया। शायद! अगर वह एकआम इंसान होता तो उसने तुझे पसंद न किया होता, ...मेरी भीतर बैठी लड़की ने भी सताने मेंकसर नहीं छोड़ी। दिल ही दिल में मैं भी जानती थी कि यह बात झूठी नहीं थी। मैंने तकिए मेंमुंह छिपाया और शायद ज़िंदगी में पहली बार तकिए में मुंह छिपा कर, फूट-फूटकर रोने लगी।

अचानक ही केट की आवाज़ से ध्यान भंग हुआ और मैं अपने गहरे अंधेरे सायों से बाहर आ गई।

"तुम यहां कर क्या रहे हो?"

"खैर! तुम नहीं आ सकते।"

"तुमने उसे कहा क्या है?"

"जब से तुमसे मिली है, हमेशा रोती रहती है।"

"तुम यहां नहीं आ सकते।"

क्रिस्टियन अचानक ही मेरे कमरे में आ गया और लाइट जला दी। मैं अपने ही बिस्तर में उकडू हो गई।

"ओह गॉड! एना...उसने एक ही झटके में दोबारा बत्ती बुझा दी और मेरे पास आ गया।

"तुम यहां क्या कर रहे हो?" मैंने सुबकियों के बीच पूछा। केट दहलीज़ पर आकर खड़ी हो गई।

"क्या तू चाहती है कि मैं इस अहमक को अभी यहां से निकाल बाहर करूं?" उसनेपूछा और अपनी पूरी कड़वाहट को ज़ाहिर किया।

बेशक क्रिस्टियन भी उसके इस रूखे और अशिष्ट व्यवहार से हैरान हुआ। मैंने गर्दनहिलाई तो उसने आंखें नचाईं। ओह.....मि. ग्रे के सामने ऐसा मत कर।

"अगर ज़रूरत हो तो बस आवाज़ लगा देना। उसने और भी हौले से कहा–तुम मेरीशिट लिस्ट में सबसे ऊपर हो और तुम पर मेरी पूरी नज़र है।" वह फुफकारी। उसने पलकेंझपकाई और केट दरवाजा भड़भड़ाते हुए लौट गई।

क्रिस्टियन मुझे हैरानी से देख रहा है और चेहरा राख जैसा हो गया है। उसने अपनीबारीक धारियों वाली जैकेट पहन रखी है और उसने अपनी जेब से एक रूमाल निकालकरआगे कर दिया। शायद मेरे पास पहले भी उसका एक रूमाल रखा है।

"क्या चल रहा है?" उसने हौले से पूछा।

"तुम यहां क्यों आए हो?" मैंने उसके सवाल को अनसुना करते हुए कहा। आंसूचमत्कारी रूप से सूख गए थे पर सूखी सिसकियों से शरीर अब भी कांप रहा था।

"तुम्हारी देखरेख करना भी मेरे रोल का एक हिस्सा है। तुमने कहा कि तुम मुझे यहांचाहती हो इसलिए मैं आ गया हूं। और तुम यहां इस हाल में बैठी हो।" उसने मुझे देखकरहैरानी से पलकें झपकाई। "बेशक इस हाल के लिए मैं ही जिम्मेदार हूं पर मुझे इसकी वजहनहीं पता? क्या इसलिए कि मैंने तुम्हें चोट पहुंचाई थी?"

मैंने अपने को ऊपर की ओर उठाया और दर्द से कराह उठी। अब मैं उसकी ओर मुंहकरके बैठी थी।

"क्या तुमने एडविल ली?"

मैंने गर्दन हिलाई। उसने आंखें सिकोड़ीं, कमरे से बाहर निकल गया। मैंने उसे केट से बात करते सुना पर यह समझ नहीं आया कि

वे क्या बात कर रहे थे। वह कुछ ही मिनट में दवाई और पानी के गिलास के साथ लौट आया।

"ये लो।" उसने पलंग पर बैठते हुए हुक्म दागा।

मैंने वही किया, जो कहा गया था।

"मुझसे बात करो।" वह हौले से बोला। तुमने तो कहा था कि तुम ठीक हो। अगर मुझेलगता कि तुम ऐसे पेश आओगी तो मैं तुम्हें कभी छोड़कर न जाता।"

मैं अपने हाथों को घूरती रही। मैं ऐसा क्या कह सकती थी जो मैंने पहले नहीं कहाथा। मैं और चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि वह मेरे साथ रहे, वह मेरे साथ इसलिए रहे किउसका भी मन चाहे। अपनी भूमिका निभाने के लिए साथ न दे। मैं नहीं चाहती कि वह मुझेमारे। मुझे इसमें कोई तुक नहीं दिखती।

"मुझे लगा कि तुम ठीक हो और तुमने कहा भी यही था।"

मैं घबरा गई। "मुझे लगा था कि मैं ठीक हूं।"

"एनेस्टेसिया! तुम मुझसे वही बात करोगी, जो मैं सुनना चाहता हूं? ऐसा नहीं हो सकता।इस तरह तो मैं तुम्हारी बात का भरोसा कैसे कर सकता हूं?"

मैंने उसे कनखियों से देखा। वह खाली-खाली निगाहों से मुझे ही घूर रहा था। उसनेअपने दोनों हाथ बालों में फिराए।

"जब मैंने तुम्हें पीटा और उसके बाद तुमने क्या महसूस किया?"

"मुझे अच्छा नहीं लगा। मैं चाहूंगी कि तुम दोबारा ऐसा न करो।"

"तुमने कब कहा कि तुम्हें ये पसंद नहीं था?"

"तुम्हें ये सब क्यों पसंद है?" मैंने उसे घूरा।

मेरे सवाल ने उसे हैरत में डाल दिया।

"ओह! तुम सचमुच जानना चाहती हो?"

"मुझ पर भरोसा करो। मैं तो पूरी तरह से सम्मोहित हो गई हूं।" मैं अपने स्वर को व्यंग्यसे परे नहीं रख सकी।

उसने फिर से आंखें सिकोड़ीं।

"संभल जाओ।" उसने चेतावनी दी।

"क्या तुम मुझे फिर से मारोगे?" मेरा रंग पीला पड़ गया।

"नहीं, आज रात नहीं।"

ओह......! मैंने और भीतर बैठी लड़की ने चैन की सांस ली।

"तो।" मैंने कहा

"एनेस्टेसिया! मुझे इस काम से मिलने वाला नियंत्रण बहुत भाता है। मैं चाहता हूं कि तुम एक खास तरीके से पेश आओ और अगर तुम ऐसा नहीं करोगी तो मैं तुम्हें सज़ा दूंगाऔर तुम मेरे तरीके से पेश आना सीख जाओगी। मुझे तुम्हें सज़ा देने में मज़ा आता है। जब से तुमने मुझे इंटरव्यू में समलैंगिक कहा था, तभी से मैं तुम्हें इस तरह मारना चाहता था।

मैं उस सोच से ही खिसिया गई। ओह! वह सवाल पूछ कर तो मैं खुद अपनी ठुकाई लगाना चाह रही थी। तो इस तमाशे के लिए कैथरीन कैवेना ही दोषी है। अगर उसने इंटरव्यू में जाकर वह सवाल पूछा होता तो आज सूजे हुए नितंबों के साथ वह यहां बैठी होती। मुझे ये सोच पसंद नहीं आई। सब कुछ कितना उलझन से भरा है।

"तो मैं जो हूं, तुम मुझे उसे उस रूप में पसंद नहीं करते?"

उसने फिर से हैरानी से देखा–"मुझे लगता है कि तुम जो हो, बहुत प्यारी हो।"

"तो तुम मुझे बदलना क्यों चाहते हो?"

"मैं तुम्हें बदलना नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि तुम शिष्टता से पेश आओ और उन नियमों पर चलो, जो मैंने तुम्हें दिए हैं और मुझे नीचा मत दिखाओ। बस इतनी सी बात है।" वह बोला।

"पर तुम मुझे सज़ा देना चाहते हो?"

"हां, मैं ऐसा करना चाहता हूं।"

"मुझे यही तो समझ नहीं आ रहा...।"

उसने एक आह भरी और बालों में हाथ घुमाया।

"एनेस्टेसिया! मैं ऐसा ही हूं। मुझे तुम्हें अपने काबू में रखना है। मैं चाहता हूं कि तुम एक खास तरीके से पेश आओ और अगर तुम ऐसा नहीं करतीं तो मैं फिर से तुम्हें यही सज़ा देने का आनंद लेना चाहूंगा।"

ओह! अब कुछ बात बनती दिख रही है।

"तो तुम मुझे तकलीफ़ देने के लिए यह सब नहीं कर रहे?"

उसने थूक निगला।

"हां ज़रा सा! बस यही देखना चाहता हूं कि तुम इसे सह सकती हो या नहीं पर यही पूरा कारण नहीं है। यह हकीकत है कि तुम मेरी हो और मैं किसी भी तरीके से तुम परअपना नियंत्रण रख सकता हूं। इससे मुझे उत्तेजना मिलती है। एनेस्टेसिया! देखो, मैं बहुत अच्छी तरह से अपनी बात को समझा नहीं पा रहा। दरअसल...आज से पहले मुझे कभी ऐसा नहीं करना पड़ा। मैंने कभी गहराई से इन बातों पर विचार भी नहीं किया। मैं हमेशा से अपनी जैसी सोच वाले लोगों के बीच ही रहा हूं।" उसने माफी मांगने के लिहाज़ में कंधे झटके। "और तुमने अब भी मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया। उस मार के बाद तुम्हें कैसा लगा था?"

मैं उलझन में हूं।

"एनेस्टेसिया! तुमने कामोत्तेजना अनुभव की थी न?"

उसने मुझे कौतूहल से देखा।

उसका यह सवाल मुझे अपने भीतर छिपी उन गहराईयों तक ले गया, जहां अब भी कोई चाह हिलोरें ले रही है।

"मुझे ऐसे मत देखो।" वह बोला।

मैंने त्योरी चढ़ाई। ओह! अब मैंने क्या कर दिया?

"एनेस्टेसिया! इस समय मेरे पास मेरे पैकेट नहीं हैं और तुम परेशान हो। वैसे तुम्हारी सहेली मुझे जैसा दुष्ट समझती है, मैं वैसा हूं नहीं।"

"तो तुमने उलझन महसूस की?"

मैं उसकी नज़रों तले सिकुड़-सी गई।

"तुम मेल लिखते समय तो पूरी ईमानदारी दिखाती हो। उनसे मुझे तुम्हारे मन की बातें पता चल जाती हैं। तुम बातचीत में ऐसा क्यों नहीं कर सकतीं? क्या मुझसे बहुत डरती हो?"

मैंने मां की रजाई पर एक काल्पनिक बिंदु खोज निकाला और वहीं आंखें गड़ा लीं।

"क्रिस्टियन मैं तुम्हें समझ नहीं पा रही। मेरा और तुम्हारा रिश्ता कुछ ऐसा ही है मानो कोई इकारस उड़ते-उड़ते सूरज के बहुत पास आ गया हो।" मैं हौले से बोली।

उसने सांस छोड़ी

"ओह एनेस्टेसिया! तुम बात को गलत तरीके से पेश कर रही हो। तुमने मुझे सम्मोहित कर रखा है। ये तो साफ नहीं दिखता?"

नहीं, नहीं ऐसा कैसे हो सकता है?...भीतर बैठी लड़की मुंह खोले हैरानी से सब सुन रही है। यहां तक कि मेरे साथ-साथ उसे भी इस बात का यकीन नहीं आ रहा।

"तुमने अब भी मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया। प्लीज़ मुझे ई-मेल लिखना। पर अब तो मैं यहां सोना चाहता हूं। क्या मैं यहां रह सकता हूं?"

"क्या तुम सचमुच यहीं रुकना चाहते हो?" मैं अपनी आवाज़ में बसी उम्मीद को छिपा नहीं पाई।

"तुम चाहती थीं कि मैं तुम्हारे पास आ जाऊं।"

तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।

"मैं ई-मेल लिखूंगी।"

उसने खड़े होकर जेब से ब्लैकबैरी, चाबियां, पर्स और पैसे वगैरह निकाले। ओह! मर्दों को भी जेब में कितना सामान लेकर घूमना पड़ता है। उसने घड़ी, जूते, जुराबें, जींस और जैकेट उतारकर कुर्सी पर रख दिए। वह पलंग के दूसरी ओर आया और लेट गया।

"लेट जाओ।" हुक्म मिला।

मैं भी उसे हैरानी से घूरते हुए रजाई में आ गई। वह यहां ठहर रहा है। लगता है कि मैं सदमे से सुन्न हो गई हूं। वह एक कोहनी पर सिर टिकाकर मुझे घूरने लगा।

"अगर रोना चाहती हो तो मेरे सामने रोओ। मुझे पता होना चाहिए।"

"क्या तुम चाहते हो कि मैं आंसू बहाऊं?"

"नहीं। बस यह जानना चाहता हूं कि तुम क्या महसूस कर रही हो? मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता। लाइट बंद कर दो। हम दोनों को सुबह काम पर भी जाना है।"

तो...अब भी तानाशाही गई नहीं। पर मैं उलाहना भी नहीं दे सकती; जो भी हो वह मेरे साथ मेरे बिस्तर में है। मैं समझ नहीं पा रही; शायद मुझे उसके सामने ज्यादा रोना-धोना करना चाहिए। मैंने पलंग के साथ वाली लाइट बुझा दी।

"अपना मुंह दूसरी ओर करके लेटो।" वह अंधेरे में हौले से बोला।

मैंने यह जान कर आंखें नचाई कि वह मुझे अंधेरे में देख नहीं सकता पर वही किया जो, उसने करने को कहा। उसने अपनी एक बांह से मुझे घेरा और अपनी छाती के पास खींच लिया।

"सो जाओ बेबी!" वह बोला और मैंने महसूस किया कि वह अपने नाक को मेरे बालों से सटा कर गहरी सांस ले रहा था।

ओह क्रिस्टियन ग्रे मेरे बिस्तर में, मेरे साथ सो रहा है, मैं उसकी बांहों के घेरे में पूरी तरह से आरामदेह और सुरक्षित महसूस कर रही हूं। मैं राहत भरी गहरी नींद में खो गई।

अध्याय 17

मोमबत्ती की लौ बहुत गर्म है। यह गर्म हवा में टिमटिमाते हुए नाच रही है। चारों ओर घूमते परवाने दिख रहे हैं। मैं न चाहते हुए भी खिंचती चली जाती हूं और मैं उड़ते-उड़ते सूरज के बहुत पास पहुंच गई हूं। मैं गर्मी और रोशनी के बीच पिघल रही हूं। मैं बहुत गरमाहट महसूस कर रही हूं। गर्मी......ओह! इसने मुझे जगा दिया।

मैंने आंखें खोलीं तो पाया कि क्रिस्टियन ग्रे किसी जीते गए झंडे की तरह मुझसे लिपटा है। उसका सिर मेरी छाती पर टिका है। उसके एक हाथ और टांग ने मेरे बाकी शरीर को घेरा हुआ है। अपने शरीर की गरमाहट से मेरा दम घोंट रहा है और वह भारी है। मुझे यह समझने में एक पल लगा कि वह अब भी मेरे बिस्तर में गहरी नींद ले रहा है और बाहर सुबह हो गई है। उसने पूरी रात मेरे साथ बिताई है।

मेरी दाईं बांह फैली है और अचानक ही दिमाग में आया कि वह साथ सोया हुआ है। मैं उसे छू सकती हूं। मैंने अपनी अंगुलियां उसकी पीठ पर फेरीं। उसने गले से एक भर्राहट सी निकाली और वह हिला। उसने नींद में ही मेरे साथ बदन को सटा लिया। उसकी भूरी उनींदी आंखें बालों के नीचे से झांकीं।

"गुडमार्निंग!" उसने कहा और त्योरी चढ़ा ली। "ओह! मैं तो नींद में भी तुम्हारा दीवानावना हुआ हूं।" मैं उसकी उत्तेजना को महसूस कर सकती हूं और मेरी हैरानी देखकर उसने धीमी सी सेक्सी मुस्कान दी।

"हम्म....संभावनाएं तो हैं पर हमें रविवार तक इंतज़ार करना चाहिए।" उसने अपनी नाक से मेरे कान को गुदगुदा दिया।

मैं घबरा गई और उसकी शरीर की गरमाहट से पिघल गई।

"तुम बहुत हॉट हो।" मैं हौले से बोली

"तुम भी इतनी बुरी नहीं हो। उसने कहा और मुझे अपने साथ चिपका लिया।"

मैं थोड़ा और घबरा गई। मेरा यह मतबल नहीं था। वह एक कोहनी के बल लेटकर मुझे निहारने लगा। वह झुका और मेरे देखते-देखते होंठों पर प्यारा सा चुंबन अंकित कर दिया।

"अच्छी नींद आई?" उसने पूछा।

मैंने उसे घूरते हुए हामी भरी। ...और एहसास हुआ कि बस गर्मी लगने के आधे घंटे को छोड़ दें तो मैंने पूरी नींद ली।

"हां, मैंने भी। वैसे समय क्या हो गया?"

मैंने घड़ी पर नज़र डाली।

"साढ़े सात हो गए।"

"हैं! साढ़े सात?" वह झट से पलंग से कूदा और जींस चढ़ा ली।

मैं बैठकर उसे चकित होकर देख रही हूं। क्रिस्टियन ग्रे को आज देर हो गई। वह घबराया हुआ है। उसके साथ तो ऐसा कभी नहीं होता। मैंने तो ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मुझे बाद में एहसास हुआ कि मेरा रात वाला दर्द भी खत्म हो गया था।

"देखो! तुमने मुझ पर कितना बुरा असर डाल रखा है। आज मेरी एक मीटिंग थी। मुझे जाना ही होगा। मुझे आठ बजे पोर्टलैंड पहुंचना था। क्या तुम मुझ पर हंस रही हो?"

"हां"

वह भी हंस दिया। "मुझे देर हो गई। मैं कभी लेट नहीं होता। मिस स्टील! मेरी ज़िंदगी में यह भी पहली बार है।"

उसने झट से जैकेट पहनी और दोनों हाथों से मेरा सिर थामकर बोला–

"तो रविवार को मिल रहे हैं।"

उसके शब्दों में जाने कैसा जादू भरा है कि मैं मीठे से एहसास से भर गई।

उसने मुझे झट से चूमा। पास की मेज से अपना सामान और जूते उठाए–उसने उन्हें पहना नहीं।

"टेलर आकर बीटल का काम कर देगा। मैं गंभीर था। तुम उसे मत चलाना। मैं तुमसे रविवार को मेरे यहां मिलूंगा। समय मिलते ही मेल करूंगा।" और वह किसी हवा के झोंके की तरह गायब हो गया।

क्रिस्टियन ग्रे ने अपनी एक रात मेरे साथ बिताई और मैं बहुत सुकून महसूस कर रही हूं। हमने कोई शारीरिक संबंध भी नहीं बनाए। बस एक-दूसरे की बांहों में सोए भर थे। उसने कहा था कि वह कभी किसी के साथ नहीं सोता पर वह मेरे साथ तीन बार सो चुका है। मैं मुस्कुराते हुए पलंग से निकल आई। मैं पिछले दिन के मुकाबले खुद को ज्यादा आशावादी महसूस कर रही हूं। चाय की तलब होते ही मैंने किचन की ओर रुख किया।

नाश्ते के बाद नहाई और क्लेटन में आखिरी दिन के लिए कपड़े बदले। ये एक युग का अंत होगा–मिस्टर व मिसेज क्लेटन, डब्ल्यूएसयू, वैंकूवर, अपार्टमेंट और मेरी बीटल! सबको मेरी अलविदा। मैंने घड़ी पर नज़र डाली। आठ बजने को थे। मेरे पास काफी वक्त है।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: कल की घटना...
डेट: मई 27 2011 08:05
टू: क्रिस्टियन ग्रे,

डियर मि. ग्रे

दरअसल आप जानना चाहते थे कि मैंने आपके जाने के बाद उलझन क्यों महसूस की–हमें अनुशासन के लिए सज़ा के किन रूपों को अपनाना होगा। खैर, इस सारी प्रक्रिया के दौरान मैंने खुद को बहुत हीन, छोटा और सताया गया महसूस किया। वैसे हैरानी यह भी है कि आपकी बात सही थी, मैंने यौन उत्तेजना का अनुभव भी किया। ये मेरे लिए बिल्कुल अनपेक्षित था। जैसा कि आप जानते हैं कि मेरे लिए ये सभी बातें बिल्कुल नई हैं-काश मैं और अधिक तैयार व अनुभवी होती। मैं अपनी यौनोत्तेजना को देख स्तब्ध हूं। उसके बाद मैंने जो महसूस किया, मैं उसके लिए ज्यादा चिंतित हूं। उसे बता पाना भी ज्यादा कठिन है। मैं खुश थी क्योंकि तुम खुश थे। मुझे इस बात से चैन मिला कि ये सब उतना दर्दनाक भी नहीं था, जितना मैंने सोचा था। जब मैं तुम्हारी बांहों में थी तो...मैंने खुद को बहुत आरामदेह पाया लेकिन इस घटना के बाद की वह उत्तेजना अब भी मेरे मन में अपराधबोध जगा रही है। ऐसा क्यों हुआ? क्या आपको अपने सवाल का जवाब मिल गया?
उम्मीद करती हूं कि आप अपनी मिल्कियत और अभिग्रहण वाली दुनिया में मग्न होंगे।
मेरे साथ रहने के लिए शुक्रिया
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: अपने दिमाग को खुला रखो
डेट: मई 27 2011 08:24
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील! मेल काफी रोचक रहा। अब तुम्हारे लिए जवाब:

मैं सज़ा देने के लिए यही तरीका पसंद करूंगा।

तो तुमने मार खाने के दौरान जो भी महसूस किया......तुमने तो खुद ये रास्ता चुना था? जानना चाहता हूं कि तुमने सचमुच ऐसा महसूस किया या तुम्हें लगता है कि तुम्हें ऐसा महसूस करना चाहिए? ये दोनों ही बातें अलग हैं? अगर तुम ऐसा महसूस कर रही हो तो तुम्हें अपने भावों पर काबू पाना सीखना होगा क्योंकि तुम्हारी जगह कोई भी सेक्स गुलाम होती तो यही करती।

मैं तो तुम्हारे अनाड़ीपन के लिए एहसानमंद हूं। मैं इसे मान देता हूं और इसे समझने की कोशिश करने लगा हूं। सादे शब्दों में कहूं तो...इसका मतलब है कि तुम हर तरह से मेरी हो।

हां, तुम यौन रूप से उत्तेजित हुई थीं, जो कि मेरे लिए भी यौनोत्तेजना का कारण बना, इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

मेरी खुशी के लिए यदि परम आनंद शब्द का प्रयोग किया जाए तो कहीं बेहतर होगा। मैं तुम्हारे साथ से केवल खुश नहीं हूं...।

यौन रूप से उत्तेजित करने के लिए दी गई मार से ज्यादा सज़ा वाली मार पीड़ादायी होती है। ये तुम जान लो। मेरा हाथ भी सूजा है पर मुझे अच्छा लगा।

मैंने भी तुम्हारी बांहों में बड़ी चैन की नींद ली।

अपराधबोध के बीच अपनी ऊर्जा नष्ट मत करो। हम दोनों ही व्यस्क हैं और आपसी रज़ामंदी से बंद दरवाजों के पीछे यह सब कर रहे हैं। तुम्हें अपने दिमाग के ताले खुले रखने होंगे ताकि तुम अपने शरीर की सुन सको।

वैसे बता दूं कि मिल्कियत और अभिग्रहण वाली दुनिया तुमसे अधिक उत्तेजक नहीं है, मिस स्टील!

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

हाय.........हर तरह से मेरी। मेरी सांस उथली हो आई।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: रज़ामंद व्यस्क
डेट: मई 27 2011 08:26
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्या तुम एक मीटिंग में हो?
मुझे खुशी है कि तुम्हारा हाथ भी सूज गया था।
और अगर मैं अपने शरीर की सुनती तो शायद अब तक अलास्का में होती
एना
पी.एस.–मैं इन भावनाओं को अपनाने के बारे में सोचूंगी।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुमने पुलिस नहीं बुलवाई
डेट: मई 27 2011 08:35द्य
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील!
मैं एक मीटिंग में भावी बाजार की चर्चा कर रहा हूं, अगर तुम्हें इसमें रुचि है तो। वैसे रिकॉर्ड के लिए तुम मेरे साथ खड़ी थी और जानती थी कि मैं क्या करने जा रहा था। तुमने मुझे रोका नहीं–तुमने किसी सेफवर्ल्ड का इस्तेमाल नहीं किया। तुम एक व्यस्क हो। तुम्हारे अपने चुनाव हैं।
सच कहूं तो मैं तो अपनी हथेली को दोबारा तकलीफ देने के लिए तरस रहा हूं। ये तो साफ है कि तुम अपने शरीर के उचित हिस्से की बात नहीं सुन रहीं। अलास्का में बहुत ठंड है और भाग कर जाने की कोई जगह नहीं है। मैं तुम्हें खोज लेता। मैं तुम्हारे सेल फोन से पता लगा सकता हूं। याद है न?
काम पर जाओ।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैंने स्क्रीन को देखकर मुंह बनाया। बेशक वह सही कह रहा है। ये मेरा अपना चुनाव था। हम्म। क्या वह मुझे खोजने के लिए आने के बारे में गंभीर है? क्या मुझे अभी से बचाव का कोई रास्ता खोज लेना चाहिए? मेरा दिमाग अचानक मॉम के निमंत्रण पर चला गया और मैंने रिप्लाई बटन दबा दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: खोजी प्रवृत्ति
डेट: मई 27 2011 08:36
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्या तुमने अपनी खोजी प्रवृत्ति के लिए कोई उपचार लिया?

एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: खोजी? मैं?
डेट: मई 27 2011 08:38
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मिस स्टील!
मैं डॉक्टर फ्लिन को अपनी खोजी और अन्य प्रकार की प्रवृत्तियों के लिए काफी पैसा दे रहा हूं।
काम पर जाओ।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: महंगे दिखावे
डेट: मई 27 2011 08:40
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्या मैं पूरी विनम्रता के साथ दूसरी राय लेने के लिए कह सकती हूं? मेरे हिसाब से डॉक्टर फ्लिन इतने असरदार नहीं हैं।
मिस स्टील

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: दूसरी राय
डेट: मई 27 2011 08:43
टू: एनेस्टेसिया स्टील

इस बात से तुम्हारा कोई मतलब नहीं है। वैसे मैं डॉक्टर से ही राय लेना चाहूंगा। तुम्हें अपनी कार में तेज चला कर जाना होगा। जिससे तुम अनावश्यक खतरे में पड़ सकती हो। मेरे हिसाब से ये नियमों के खिलाफ है।
काम पर जाओ।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: ओह चीखते हुए शब्द
डेट: मई 27 2011 08:47
टू: क्रिस्टियन ग्रे

दरअसल मैं ही तुम्हारी खोज के हिसाब से एक निजी ट्रेनर मिलने वाला है। मैंने त्योरी चढ़ाई। मुझे कसरत करना सख़्त नापसंद है। मैंने गाड़ी चलाने के दौरान अपने ई-मेल का विश्लेषण करना चाहा। कभी-कभी तो वह कमीनेपन की भी हद कर देता है। फिर अचानक ही उसकी मां ग्रेस का ख़्याल आते ही मैं शर्मिंदा हो गई। उस बेचारी ने क्या बिगाड़ा है। वैसे भी उसने तो क्रिस्टियन को जन्म भी नहीं दिया। हम्म! वह अनजानी-सी पीड़ा की पूरी एक दुनिया है। वैसे क्रिस्टियन ग्रे! मुझे यह याद दिलाने के लिए मेहरबानी कि मैं एक व्यस्क हूं और ये मेरा चुनाव है। समस्या यह है कि मैं केवल क्रिस्टियन को चाहती हूं, मेरा उसके प्रपंचों से भरे सामान व नियमों से कोई लेन-देन नहीं है। क्या मैं उसे यूं ही गले से लगाकर दुलार नहीं सकती? जहां तक उसकी सेक्स गुलाम बनने की बात है। मैंने कहा है कि मैं कोशिश करूंगी। ये भी अपने-आप में एक बड़ा काम होगा।
मैंने गाड़ी को क्लेटन में पार्क किया। यकीन नहीं आ रहा कि आज वहां मेरा आखिरी दिन है। खुशकिस्मती से स्टोर में भीड़ थी इसलिए समय आसानी से कट गया। लंच टाइम में मि. क्लेटन ने मुझे स्टोर से बुलवा लिया। वे एक मोटरसाइकिल कूरियर के साथ खड़े हैं।
"मिस स्टील?" कूरियर वाले ने कहा। मैंने सवालिया निगाहों से उन्हें ताका और उन्होंने भी अनजान बनते हुए कंधे झटक दिए। मेरा दिल डूब गया। अब क्रिस्टियन ने क्या भेज दिया? मैंने छोटे से पैकेट के लिए हस्ताक्षर किए और उसे झट से खोला। ये तो एक ब्लैकबैरी है। मेरा दिल और भी डूब गया। मैंने उसे ऑन किया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: उधार ब्लैकबैरी

डेट: मई 27 2011 11:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मैं चाहता हूं कि तुमसे किसी भी समय संपर्क साध सकूं और यह तुम्हारे लिए एक ईमानदार संप्रेषण है इसलिए मुझे लगा कि तुम्हारे पास ब्लैकबैरी होना ही चाहिए।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: उपभोक्तावाद को अति
डेट: मई 27 2011 13:22
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मेरे हिसाब से तुम्हें अभी डॉक्टर फ्लिन से बात करनी चाहिए।तुम्हारी खोजी प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है।
मैं काम पर हूं। घर जाकर ई-मेल करूंगी।
एक और उपकरण के लिए धन्यवाद!
जब मैंने कहा था कि तुम एक संपूर्ण उपभोक्ता हो तो गलत नहीं था।
तुमने यह क्यों किया?
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: छोटा मुंह और बड़ी बात
डेट: मई 27 2011 13:24
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिस स्टील! हमेशा की तरह बढ़िया बात कही।
डॉक्टर फ्लिन छुट्टी पर हैं।
और मैंने यह काम इसलिए किया क्योंकि मैं कर सकता हूं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैंने उसे अपनी जेब में रखा और मैं अभी से उससे नफ़रत करने लगी हूं। बेशक क्रिस्टियन को ई-मेल करने की मुझे लत हो गई है पर मुझे काम भी तो करना है। यह एक बार फिर से बजा......ओह! कितना लोभनीय...पर मैंने पूरी संकल्पशक्ति के साथ उसे अनुसना कर दिया।

चार बजे के करीब, मि. और मिसेज क्लेटन ने दुकान के सभी कर्मचारियों को एक जगह एकत्र किया और बड़ी ही शर्मिंदगी से भरी बेतरतीब स्पीच देने के बाद मुझे तीन हजारडॉलर का चेक गिफ्ट किया। उसी पल में, पिछले तीन सप्ताह की घटनाएं मेरे सामने ताज़ा हो गई। परीक्षा, ग्रेजुएशन, एक कमीनगी की हद तक दीवाना अरबपति, कौमार्य का भंग होना, कठोर व कोमल सीमाएं, ऐसे प्लेरूम जिनमें कोई कंसोल यानी खेलने के उपकरणनहीं थे, हेलीकॉप्टर की उड़ानें और ये हकीकत कि मैं कल यहां से चली जाऊंगी। मैंने सारी कड़ियां जोड़कर देखीं। मेरा अवचेतन आश्चर्य में है। मैंने क्लेटन को गले से लगा लिया। वे बहुत दयालु और उदार नियोजक रहे हैं। मुझे उनकी याद आएगी।

घर पहुंची तो केट को अपनी कार से निकलते देखा।

"ये क्या है?" उसने अचानक अंगुली उठाते हुए पूछा।

मैं खुद को रोक नहीं पाई-ये एक कार है। उसने आंखें सिकोड़ीं और मुझे ऐसा लगा कि कहीं वह भी मुझे क्रिस्टियन की तरह...
"मेरा ग्रेजुएशन का उपहार।" मैंने बड़े ही बेलाग भाव से कहा। जी हां, मुझे तो अकसर इसी तरह नई कारें उपहार में मिलती रहती हैं, कोई बड़ी बात नहीं है... उसका मुंह खुला का खुला रह गया।

"अरे वाह! क्या दरियादिल आशिक है! है न?"

मैंने हामी भरी। मैंने मना करना चाहा पर जीत नहीं सकी और ये चीज़ इतनी लुभावनी थी कि क्या कहूं...।

केट ने होंठ भींचे–"इसमें कोई शक नहीं कि तू उसके घेरे में है। कल रात वह यहीं था न?"

"हां"

"चल पैकिंग पूरी करें।"

मैं हामी दी और उसके साथ अंदर चल दी। फिर मैंने क्रिस्टियन का ई-मेल देखा।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: रविवार
डेट: मई 27 2011 13:40
टू: एनेस्टेसिया स्टील
क्या मैं तुम्हें रविवार को एक बजे मिलूं?
डॉक्टर से डेढ बजे एस्काला में मुलाकात का समय है।
मैं सिएटल के लिए निकल रहा हूं।
उम्मीद करता हूं कि तुम्हारी तैयारी अच्छी चल रही होगी। मैं रविवार के इंतज़ार में हूं। क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

हे भगवान! ये बंदा तो मौसम का हाल भी पूछ सकता है। मैंने तय किया कि सामान बांधने के बाद उसे ई-मेल करूंगी। एक ही मिनट में कितनी मज़ाकिया बातें करता है तो दूसरे ही मिनट में कितना औपचारिक और रूखा बर्ताव करने लगता है। इससे पार पाना बेहद कठिन है। सच कहूं तो ऐसा लग रहा है मानो कोई अपने कर्मचारी को ई-मेल भेज रहा हो। मैंने ई-मेल पर नज़र मारी और केट के साथ सामान बांधने चल दी।

केट और मैं रसोई में थे तो दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। टेलर पोर्च में खड़ा है, वह अपने सूट में लाजवाब दिख रहा है। मैंने ध्यान से देखा तो उसके बालों के कट, छरहरी काया और ठंडी नज़रों से साफ दिख रहा था कि वह पहले सेना में रहा होगा।

"मिस स्टील! मैं आपकी कार के लिए आया हूं।"

"अरे हां, क्यों नहीं, मैं अभी चाबियां लाई।"

बेशक यह काम उसके कामों की लिस्ट में तो नहीं आता होगा। मैंने फिर से उसके कामों की सूची पर विचार किया। मैंने उसे चाबियां दीं और बड़ी अजीब-सी खामोशी के बीच हल्कीनीली बीटल के पास पहुंचे। मैंने दरवाजा खोला और ग्लव बॉक्स से फ्लैशलाइट हटा दी। बस हो गया। बीटल में और कुछ नहीं है। अलविदा वांडा, बहुत-बहुत धन्यवाद! मैंने दरवाजा बंद करते-करते उसकी छत को बांहों से घेर लिया।

"तुम मि. ग्रे के लिए कब से काम कर रहे हो?" मैंने पूछा।

"चार साल से मिस स्टील।"

अचानक ही दिल में आया कि उस पर ही सवालों की झड़ी लगा दूं। ये आदमी अपने बॉस के बारे में क्या जानता है, उसके कौन से राज़ इसे पता हैं? पर हो सकता है कि इसने भी किसी एनडीए पर हस्ताक्षर किए हों। मैंने उसे घबराहट के साथ देखा। उसके चेहरे पर भी रे के चेहरे जैसे उष्ण भाव थे।

"वे एक अच्छे इंसान है। मिस स्टील! उसने एक मुस्कान के साथ कहा। फिर मुझे देखकर गर्दन हिलाई और कार में चला गया।

अपार्टमेंट, बीटल क्लेटन–ये सब अब बदल गया है। मैंने अंदर जाते हुए सिर को झटका। और क्रिस्टियन ग्रे तो इनमें से सबसे बड़ा बदलाव है। टेलर को लगता है कि वह एक अच्छा इंसान है। क्या मैं उस पर भरोसा कर सकती हूं?

जोस उस रात हमारे साथ चाइनीज़ डिनर में शामिल हुआ। हमारा काम पूरा हो गया। हम जाने को तैयार हैं। वह अपने साथ बीयर की बोतलें लाया था, मैं और केट काउच पर बैठे और वह हमारे पास फर्श पर ही आलथी-पालथी लगाकर बैठ गया। हमने कचरा टीवी. देखा, बीयर चढ़ाई और बीयर का असर होते ही हम पुरानी यादें दोहराने लगे। हमने एक साथ चार अच्छे साल बिताए थे।

जोस और मेरे बीच का तनाव घुल गया था और हम उस जबरन लिए जाने वाले चुंबन को भूल गए थे। वैसे एक बात बता दूं, अंदर

बैठी लड़की बड़ी ही अधीरता से अंगूर के दाने चबा रही है और आने वाले रविवार के इंतज़ार में है। दरवाजे पर आहट हुई और मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया...कहीं?

केट ने दरवाजा खोला और इलियट को सामने पाते ही उसके पांवों तले जमीन खिसक गई। उसने उस पर बॉलीवुड स्टाइल झपट्टा मारा और वह जल्द ही यूरोपियन आर्ट हाउस की गलबांहीं में बदल गया। ओए-होए बल्ले-बल्ले! जोस और मैं एक-दूसरे को देख रहे हैं और मुझे केट के इस बर्ताव से हल्की खीझ हो रही है।

"क्या हम बार तक चलें?" मैंने जोस से पूछा और उसने हामी दे दी। हम अपने सामने चल रहे तमाशे से सिटपिटा गए थे। केट ने मुझे देखा और शरमा गई।

"जोस और मैं एक पैग लगाकर आते हैं।" मैंने उसे देखकर आंखें नचाईं। उफ्फ! मैं अपने समय में तो आंखें नचा ही सकती हूं।

"ठीक है।" वह दमकी।

"हाय इलियट! बाय इलियट।"

उसने मुझे देखकर अपनी नीली आंख दबाई और जोस और मैं किशोरों की तरह खिलखिलाते हुए दरवाजे से बाहर हो गए।

जब हम बार जाने लगे तो मैंने जोस की बांह में बांह डाल दी। ओह! ये कितना सादादिल इंसान है। मैं आज तक इस बात की कद्र नहीं कर पाई।

"तुम अब भी मेरे शो की ओपनिंग में आ रही हो, आओगी न?"

"बेशक जोस, वह होगा कब?"

"9 जून"

"उस दिन क्या वार है?" मैं अचानक घबरा गई।

"वीरवार है।"

"हां, मैं आ सकती हूं... तुम सिएटल में हमारे यहां आना।

"तुम मुझे रोक कर तो दिखाओ।" उसने खीसें निपोर दीं।

जब हम बार से आए तो बहुत देर हो गई थी। केट और इलियट कहीं नहीं दिख रहे थे पर हाय! दूसरे कमरे से आती उनकी आवाजें तो हमें सुन ही सकते थे। कहीं हमारी भी इसी तरह से आवाजें...। मुझे पता है कि क्रिस्टियन तो ऐसा नहीं है। मैं इस सोच से शरमाकर अपने कमरे की ओर लपकी। गले लगाने के बाद जोस लौट गया। पता नहीं, उसे शो में भीदेख पाऊंगी या नहीं? जो भी हो उसे अपनी प्रदर्शनी लगाने का मौका मिल ही गया। मैं उसे और उसके भोलेपन को याद करूंगी। मैं उसे बीटल के बारे में नहीं बता सकी। मुझे पता है कि वह पता चलते ही हड़बड़ा जाएगा और भन्नाएगा और मैं इस काम के लिए सिर्फ एक ही इंसान को सह सकती हूं। कमरे में आते ही लैपी ऑन किया और क्रिस्टियन का ई-मेल मेरा इंतजार कर रहा था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम कहां हो?
डेट: मई 27 2011 22:14
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मैं काम कर रहा हूं। घर जाकर तुम्हें ई-मेल करूंगा
क्या तुम अभी काम पर हो या तुमने अपने फोन, ब्लैकबैरी और मैकबुक पैक कर दिए हैं?
मुझे फोन करो वरना मुझे मजबूरन इलियट से बात करनी होगी।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मर गई। जोस। शिट!!!

मैंने फोन उठाया। पांच मिस्ड कॉल और एक वॉयस मैसेज। मैंने मैसेज सुना। उसी का था।

तुम्हें मेरी उम्मीदों पर खरा उतरना सीखना होगा। मैं बहुत धीरज वाला इंसान नहीं हूं। अगर तुम कहती हो कि तुम काम खत्म होने बाद बात करोगी तो तुम्हें शिष्टता का पालन करते हुए बात करनी चाहिए। वरना मुझे चिंता होगी और मेरा इस भाव से कोई गहरा परिचय नहीं है और मैं इसे सह भी नहीं पाता। मुझे फोन करो।

आज तो मर ही गए! क्या वह मुझे कभी चैन की सांस लेने देगा? मैंने फोन को मुंह चिढ़ाया। वह मेरा दम घोंट रहा है। मैंने उसे कॉल किया। बेशक वह सारा गुस्सा निकालेगा और यह सोचकर ही मेरी जान निकल गई।

"हाय!" उसकी मुलायम आवाज़ ने तो मुझे हैरान कर दिया। कहां तो मैं उसका गुस्से

से भरा स्वर सुनने को तैयार थी।

"हां!"

"मुझे तुम्हारी चिंता हो रही थी।"

"पता है, सॉरी! मैं कॉल नहीं कर सकी पर मैं ठीक हूं।"

वह एक क्षण के लिए रुका।

"आज की शाम कैसी रही?"

"हां। हमने पैकिंग की और फिर जोस के साथ बाहर से मंगाकर चाइनीज़ खाया।" वह कुछ नहीं बोला।

मैंने जोस का नाम लेते हुए जोर से आंखें भींच लीं।

"तुम अपनी सुनाओ।" मैंने उस चुप्पी को तोड़ना चाहा।

"मैं फंड जमा करने वाले एक डिनर में गया। बस बाकी तो वही बोरिंग ज़िंदगी...।"

वह कितना उदास और हारा हुआ लग रहा है। मेरा कलेजा कचोट उठा। मैंने देखा कि वह आधी रात को अकेला बैठा पिआनो पर उदास धुनें बजा रहा है।

"काश तुम यहां होते।" मैंने कहा क्योंकि मैं चाहती थी कि उसे बांहों में भरकर पुचकार दूं। उसके दिल को बहला दूं। बेशक वह मुझे ऐसा करने ने देता पर मैं ऐसा करना चाहती हूं।

"क्या तुम ऐसा चाहती हो?" ओह नहीं! क्या वह सचमुच...?

"हां।"

"मैं रविवार को मिलूंगा।"

"हां, रविवार!" मेरे पूरे शरीर में सिरहन-सी दौड़ गई।

"शुभरात्रि"

"शुभरात्रि सर"

उसकी गहरी सांस से पता चला कि उसने भी मेरा यह संबोधन सुना।

"एनेस्टेसिया! शुभकामनाएं।" फिर हम दोनों ही किशोरों की तरह फोन पर टंगे रहे। दोनों में से कोई भी रखना नहीं चाहता था।

"तुम रखो।" मैंने कहा।

"नहीं, मैं नहीं रखना चाहता।"

"मैं भी नही चाहती।"

"मैं भी नहीं।"

"क्या तुम मुझसे नाराज़ थे?"

"हां"

"क्या अब भी हो?"

"नहीं"

"तो तुम सज़ा नहीं दोगे?"

"नहीं, मैं वर्तमान में जीता हूं।"

"हां, मैंने देखा है।"

"मिस स्टील फोन रखो"

"सर! क्या आप यही चाहते हैं?"

"एनेस्टेसिया सोने जाओ।"

"जी, सर"

हम दोनों ही लाइन पर बने रहे।

"क्या तुम्हें लगता है कि तुम कभी ऐसा कुछ कर पाओगी जो तुम्हें करने को कहा जाता है?"

"हो सकता है। रविवार के बाद देखेंगे..." और मैंने फोन बंद कर दिया।

इलियट खड़ा अपनी ही कारीगरी पर मुग्ध है। उसने पाइक प्लेस मार्केट वाले घर में हमारे टी.वी. को सैटेलाइट सिस्टम में लगा दिया है। केट और मैं काउच पर बैठे खिलखिला रहे हैं और उसके पावर ड्रिल के कौशल को देखकर चकित हैं। बेशक ईंटों वाली दीवार पर चपटा स्क्रीन अटपटा दिख रहा है पर कोई बात नहीं मुझे इसकी आदत हो जाएगी।

"देखा बेबी! कितना आसान था।" उसने चौड़े सफेद दांतों की मुस्कान दी और वह तो काउच में ही धंस ही गई।

मैंने दोनों को देखकर आंखें नचाई।

"बेबी! मैं यहीं रह जाता पर आज बहन पेरिस से आ रही है और डिनर सबके साथ करना होगा।"

"क्या उसके बाद आ सकते हो?" केट ने रोमानी होते हुए पूछा। मैंने एक और डिब्बा खोलने का बहाना करते हुए रसोई की राह ली क्योंकि वे ज़्यादा ही आगे बढ़ रहे थे।

"देखूंगा कि निकल सकता हूं या नहीं।" उसने कहा।

"मैं तुम्हें छोड़ आती हूं।" केट ने कहा।

"अच्छा एना!" वह बोला।

"बाय इलियट! मेरी ओर से क्रिस्टियन को हाय कहना।"

"बस हाय?" उसने हैरानी से कहा।

"हां।" मैं घबरा गई। उसने मुझे देखकर आंख मारी और मैं लाल पड़ गई।

वे दोनों नीचे उतर गए। इलियट बड़ा प्यारा है और क्रिस्टियन से तो बहुत अलग है। वह बड़े दिल से केट के सामने अपनी भावनाएं प्रकट करता है। वे एक-दूसरे के बिना रह ही नहीं पाते और सच कहूं तो यह देख-देखकर मुझे जलन होने लगती है।

केट बीस मिनट बाद पिज़्ज़ा लेकर लौटी और हम उस खुली जगह में, सामान के बीच बैठे खाने लगे। केट के पापा ने बड़ा अच्छा घर ले दिया है। तीन बेडरूम और एक लिविंग रूम, हमारे लिए तो बहुत है। वैसे भी ये पाइक प्लेस मार्केट में है इसलिए हम शहर के बीच ही हैं। रसोई और कमरों की साज-सज्जा भी सराहनीय है।

आठ बजे के करीब बाहर की घंटी बजी। केट देखने भागी और मेरा दिल उछल गया।

"डिलीवरी मिस स्टील के नाम!" मैं मायूस हो गई। वह नहीं आया।

"दूसरी मंज़िल। दूसरा अपार्टमेंट।"

केट ने उसे अंदर बुला लिया और वह केट को टाइट जींस, टी-शर्ट और खुली लटों वाले जूड़े में देखकर चकित रह गया। अकसर लोग उसकी खूबसूरती के ऐसे ही दीवाने हो जाते हैं। उसके हाथ में एक शैंपेन की बोतल है जिसके साथ हेलीकॉप्टर के आकार का गुब्बारा टंगा है। उसने उसे मुस्कान के साथ विदा दी। और मुझे उस पर लिखा कार्ड पढ़कर सुनाने लगी।

लेडीज़
नए घर के लिए शुभकामनाएं
क्रिस्टियन ग्रे

केट ने हैरानी से सिर हिलाया।

"वह केवल नाम भी तो लिख सकता था। ये बैलून क्या है?"

"चार्ली टैंगो"

"क्या?"

"क्रिस्टियन मुझे अपने साथ इसी हेलीकॉप्टर में लाया था।" मैंने कंधे झटके।

वह मुझे मुंह फाड़े देखती रही। कहना पड़ेगा कि मुझे ऐसे मौके अच्छे लगते हैं। कैथरीन कैवेना के पास बोलने को शब्द न हों! मैंने एक पल तक इन पलों का भरपूर आनंद लिया।

"हां! वह अपना हेलीकॉप्टर खुद ही चला लेता है।" मैंने गर्व से कहा।

"बेशक उस अमीरजादे कमीने के पास चार्ली टैंगो नहीं होगा तो किसके पास होगा। तुमने बताया क्यों नहीं?" केट ने इल्ज़ाम लगाया पर वह साथ ही साथ खुश भी है।

"दिमाग में इतना कुछ चल रहा था कि याद ही नहीं रहा।"

उसने त्योरी चढ़ाई।

"क्या तुम मेरे पीछे से ठीक रहोगी?"

"बेशक। नई नौकरी, नया शहर और नया दोस्त?"

"क्या तुमने हमारा पता दिया था।"

"नहीं, उसके लिए तो ये पता लगाना बाएं हाथ का खेल है।"

केट ने भौं सिकोड़ी।

"वैसे मुझे हैरानी नहीं हुई। एना। वह मुझे चिंता में डाल रहा है। ये एक महंगी शैंपेन है और ठंडी भी है।"

बेशक! केवल वही ठंडी शैंपेन भेज सकता था या फिर सेक्रेटरी या टेलर के हाथों करवाया होगा। हमने उसे खोला तो चाय के कप ही दिखे, जो सबसे आखिर में पैक हुए थे।

बोलिंजर ग्रैंड एनी रोज़ 1999। एक एक्सीलेंट विंटेज! मैंने केट को देखकर दांत निकाले और हमने अपने कप टकराए।

मैं रात की गहरी नींद के बाद तरोताज़ा उठी। सयानी लड़की ने बंद डिब्बों की तरफ ईशारा किया–तुम्हें इन्हें आज खोलना चाहिए। पर अंदर बैठी लड़की कहां सुनती है। वह तो उछाले मार रही है। मैं आज के दिन के बारे में सोचकर उत्साहित हूं। पेट में अजीब-सी खलबली मची है। मैं कल्पना करने की कोशिश कर रही हूं कि वह मेरे साथ कैसे पेश आएगा। बेशक! मुझे उस अनुबंध पर भी हस्ताक्षर करने होंगे। मैंने इनबॉक्स से पिंग का स्वर सुना और मेल देखने आगे आ गई।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: अंकों में बसा मेरा जीवन
डेट: मई 29 2011 08:04
टू: एनेस्टेसिया स्टील

अगर गाड़ी चला कर आओगी तो तुम्हें एस्काला में भूमिगत गैराज में आने के लिए कोड की ज़रूरत होगी। 146963
पांचवीं बे में पार्क करना–यह मेरी ही है।
लिफ्ट के लिए कोड–1880
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: एक एक्सीलेंट विंटेज
डेट: मई 29 2011 08:08
टू: क्रिस्टियन ग्रे
जी सर, समझ गई।
शैंपेन व टैंगो चार्ली के लिए धन्यवाद जो अब मेरे बिस्तर से बंधा है।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: जलन
डेट: मई 29 2011 08:11
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुम्हारा स्वागत है।
देर मत करना।
लकी चार्ली टैंगो
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मैंने उसकी तानाशाही पर आंखें नचाई पर आखिरी लाइन पर मुस्कुराहट भी आ गई।

मैं हील में ऑडी भी चला सकती हूं। ठीक 12:55 पर एस्काला के गैराज में गाड़ी पार्क कर दी। वहीं उसकी बाकी गाड़ियां भी हैं। मैंने अपनी आंखों में लगाया गया मस्कारा देखा। बीटल में यह देखने के लिए शीशा नहीं था।

चलो जी। अंदर बैठी लड़की दोनों हाथों में पम-पम लिए चीयरलीडिंग के मूड में लग रही है। मैंने रास्ते में अपनी पोशाक पर नज़र मारी। पिछली बार पहनी थी तो वह इसे उतारना चाहता था। दरवाजा खुला और मैं उसके घर पहुंच गई। टेलर वहीं खड़ा है।

"मिस स्टील! हैलो।"

"ओह! मुझे एना कहें।"

"एना। मि. ग्रे आपका इतज़ार कर रहे हैं।" उसने कहा।

क्रिस्टियन वहीं बैठा रविवार के अखबार देख रहा है। मुझे पूरा कमरा ज्यों का त्यों याद है। वह सफेद लिनन की कमीज और जींस में बड़ा प्यारा लग रहा है। बाल बिखरे हैं और आंखों में दुष्टता से भरी चमक है।

मैं उसकी सुंदरता से अभिभूत होकर वहीं खड़ी रह गई। अचानक ही पूरी देह उसके लिए तरस उठी।

"हम्म...वही ड्रेस! मिस स्टील, आपका स्वागत है।" उसने मेरे होंठों पर छोटा-सा चुंबन

दिया और मेरी सांस जैसे अटक गई।

"हाय!" मैंने घबराकर कहा।

"तुम सही समय पर हो। मुझे समय की पाबंदी पसंद है। आओ। मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।" उसने मेरे हाथ में सिएटल टाइम्स थमा दिया। आठवें पेज पर हम दोनों का वह चित्र है जो हमारे समारोह के दौरान लिया गया था।

क्रिस्टियन ग्रे अपनी मित्र के साथ वैंकूवर के स्नातक समारोह में।

मैं हंसी–"तो अच्छा, अब से हम दोनों दोस्त हैं।"

"हां, दिखता तो यही है। अगर अख़बार में छपा है तो सच ही होगा।" वह दबी हंसी हंसा।

मेरे साथ बैठकर उसने अपना पूरा शरीर मेरी ओर मोड़ लिया और टांग पर टांग रख ली। उसने अपनी लंबी तर्जनी से बालों की लट कान के पीछे कर दी। उसकी छुअन से मेरा शरीर जाग जाता है, उसके इंतज़ार में तड़पने लगता है।

"तो एनेस्टेसिया, तुम अब बेहतर जानती हो कि मैं कौन हूं।

"हां!" वह कहना क्या चाहता है?

मैंने धीमे से हामी भरी। उसने मन ही मन कुछ सोचा।

"तुमने कुछ खाया?"

मर गए।

"नहीं।"

"क्या तुम्हें भूख लगी है?"

"खाने की नहीं!" उसकी हैरानी देखने लायक थी।

वह मेरे कान में झुककर बोला–"मिस स्टील! हमेशा की तरह अधीर और इससे पहले कि मैं तुम्हें एक राज़ बताऊं। डॉक्टर कुछ ही देर में आने वाली हैं। काश! तुमने कुछ खाया हुआ होता।"

"ओह! मैं तो भूल ही गई थी।"

"तुम मुझे डॉ. ग्रीनी के बारे में क्या बता सकते हो?" मैंने बात का विषय बदला।

"वह सिएटल की सबसे बेहतर महिला-रोग विशेषज्ञ है। और क्या कह सकता हूं?"

"मैंने सोचा कि हम तुम्हारे डॉक्टर से मिल रहे थे और अब यह मत कहना कि तुम्हारी डॉक्टर एक औरत है क्योंकि मैं यकीन नहीं करूंगी।"

"मुझे लगा कि किसी विशेषज्ञ को दिखाना ही बेहतर होगा।"

अगर वह इतनी बड़ी डॉक्टर खासतौर पर मुझे देखने, रविवार को घर आ रही है तो उसे कितना पैसा दिया जा रहा होगा।

"एनेस्टेसिया! मॉम चाहती हैं कि तुम आज मेरे यहा डिनर पर चलो। शायद इलियट ने केट से भी कहा है। पता नहीं तुम्हें कैसा लगेगा? वैसे मुझे तुम्हें अपने परिवार से मिलवाना थोड़ा अटपटा-सा लगेगा।"

अटपटा क्यों?

"क्या तुम मुझसे शर्मिंदा हो?" मैं अपनी पीड़ा को छिपा नहीं सकी।

"बेशक नहीं।"

"तो इसमें अटपटा क्या है?"

"एनेस्टेसिया! मैंने आज तक ऐसा नहीं किया।"

"ऐसा क्यों है कि तुम तो आंखें नचा सकते हो पर मैं ऐसा नहीं कर सकती?"

"वैसे मुझे पता नहीं था पर मैं ऐसे करता भी नहीं हूं।"

अचानक टेलर आ गया।

"डॉक्टर आ गई हैं।"

"उन्हें मिस स्टील का कमरा दिखा दो।"

मिस स्टील का कमरा!

"किसी गर्भनियोजक के लिए तैयार?" उसने मुझसे पूछा और अपना हाथ आगे कर दिया।

"क्या तुम भी साथ आ रहे हो।" मैं हैरान थी।

"वैसे तो मुझे देखना अच्छा लगता पर कोई भी अच्छी डॉक्टर इसकी इजाज़त नहीं देगी।"

उसने मुझे बांहों में भर कर गहरा चुंबन दिया। और हम माथे जोड़कर खड़े रहे।

"मुझे खुशी है कि तुम यहां आईं। मैं तुम्हारे बिना रह नहीं पा रहा...।"

अध्याय 18

लंबी और लाल बालों वाली डॉ. ग्रीनी अपने नीले सूट में गजब की लग रही हैं। मुझे क्रिस्टियन के ऑफिस में काम करने वाली महिलाओं की याद आ गई। वह भी मानो उन्हीं की प्रतिलिपि हैं। उनके लंबे बाल एक सुंदर जूड़े में बंधे हैं। शायद चालीस से कम की ही होंगी।

"मि. ग्रे!" उन्होंने क्रिस्टियन से हाथ मिलाया।

"इतने कम समय में आने के लिए मेहरबानी।" उसने कहा।

"इस मुलाकात को संभव बनाने के लिए शुक्रिया! मि. ग्रे और मिस स्टील!" वे मुस्कुराईं।

हमने हाथ मिलाए और मैं जान गई कि वे उन औरतों में से हैं, जो किसी भी तरह की बेवकूफी आसानी से बरदाश्त नहीं करतीं। जैसे कि केट! मुझे वे झट से पसंद आ गईं। उन्होंने क्रिस्टियन को तीखी नज़रों से देखा और ज़रा सी अटपटी खामोशी के बाद उसे बात समझ आ गई।

"मैं नीचे मिलूंगा।" वह बोला और हम दोनों को बेडरूम में छोड़कर चला गया।

"खैर मिस स्टील! मुझे इस मुलाकात के लिए मि. ग्रे काफी बड़ी रकम देने जा रहे हैं। मैं आपके लिए क्या कर सकती हूं?"

सारी जांच-पड़ताल और लंबी बहस के बाद हमने तय किया कि मैं गर्भनिरोधक के तौर पर मिनी पिल इस्तेमाल करूंगी। उन्होंने मुझे एक नाम लिख दिया और अगले दिन से शुरू करने का निर्देश दिया। मुझे उनका यह संभला हुआ रवैया पसंद आया। उन्होंने मुझे इतनी देर तक सही समय पर दवा लेने के बारे में लैक्चर दिया, जब तक उनका अपना मुंह सूट के रंग की तरह नीला नहीं पड़ गया। मैं यह भी बता सकती हूं कि वे मेरे और क्रिस्टियन के बीच के रिश्ते को जानने के लिए मरी जा रही थीं पर मैंने जरा सा भी सुराग नहीं दिया। वैसे मैं सोच रही थी कि अगर वह कहीं क्रिस्टियन का पीड़ादायी लाल कमरा देख लेतीं तो क्या तब भी इतनी सहज और संभली हुई रहती? जब हम उस बंद दरवाजे के पास से निकले तो मैं घबरा गई और फिर हम क्रिस्टियन की आर्ट गैलरी यानी बड़े कमरे में पहुंचे।

वह अपने काउच पर बैठा कुछ पढ़ रहा था। और बड़ा ही मीठा संगीत बज रहा था। पूरे कमरे में उस धीमे संगीत के सुर गूंज रहे थे। वह अचानक मुड़ा और हमें देखकर पूरी गर्मजोशी से मुस्कान दी।

"हो गया?" मानो उसे बड़ी दिलचस्पी हो। उसने संगीत के स्वर धीमे कर दिए। फिर वह हमारी ओर आ गया।

"हां! मि. ग्रे, इनका ध्यान रखिएगा। ये बहुत प्यारी, सुंदर और होशियार नवयुवती है।"

क्रिस्टियन के साथ-साथ मैं भी सकते में आ गई। भला एक डॉक्टर को यह सब कहने की क्या पड़ी है? क्या वह किसी तरह से क्रिस्टियन को चेतावनी देना चाह रही है? क्रिस्टियन ने खुद को संभाला।

"मैं पूरा ध्यान रखूंगा।" वह कौतुक से बोला।

मैंने उसे घूरते हुए शर्मिंदगी के साथ कंधे झटके।

"मैं आपको बिल भेज दूंगी।" डॉ. ने कहा और हाथ मिलाया।

"गुड डे और गुड लक एना!" वे मुस्कुराईं और हमने हाथ मिलाए। मैं उनकी आंखों के आसपास आ गई झुर्रियां देख सकती थी।

पता नहीं कहां से अचानक टेलर उन्हें बाहर ले जाने के लिए आ गया। वह ऐसा कैसे कर लेता है? वह कहां छिपा खड़ा रहता है?

"कैसा रहा?" क्रिस्टियन ने पूछा।

"बढ़िया, धन्यवाद।" डॉ. ने कहा है कि मैं अगले चार सप्ताह तक किसी भी तरह के शारीरिक संबंध नहीं बना सकती।

"क्रिस्टियन का मुंह यह सुनकर खुला का खुला रह गया और मैं ज्यादा देर तक चुप नहीं रह सकी। मेरी हंसी फूट ही पड़ी।

"देखा कैसा बनाया?"

उसने अपनी आखें सिकोड़ीं और मेरी हंसी वहीं थम गई। वह तो डरावना लग रहा था। हाय! लगता है मैंने इसे गुस्सा दिला दिया। मेरे चेहरे का खून सूख गया और भीतर बैठी लड़की कोने में सिकुड़ गई। मैं कल्पना कर रही थी कि दोबारा उसके हाथों की फटकार सहनी होगी।

"देखा कैसा बनाया!" उसने कहा और हंस दिया। उसने मुझे कलाई से पकड़ा और अपने पास खींच लिया।

"मिस स्टील! तुम्हें सुधारना बहुत मुश्किल है।" उसने मेरी आंखों में देखते हुए गहरा चुंबन दिया और मैं उसकी बलिष्ठ बांहों में झूल गई।

"मैं तुम्हें पाने के लिए तड़प रहा हूं पर उससे पहले हम दोनों को ही कुछ खाना होगा। मैं नहीं चाहता कि तुम बाद में मुझे ताना दो।"

"क्या तुम मुझसे इस शरीर के सिवा कुछ नहीं चाहते?" मैं हौले से बोली।

"हां! वह और तुम्हारा बड़बोलापन।"

उसने मुझे गहरे आवेग से चूमा और फिर अचानक मेरा हाथ थाम कर रसोई में ले गया। मैं हैरान हूं...एक ही पल में हम मज़ाक करते हैं और अगले ही पल......मैंने अपने तपे हुए चेहरे को हवा दी। अभी तो वह कौन-सी दुनिया में था और अब वह खाने की बात कर रहा है। अभी भी हल्का संगीत गूंज रहा है

"किसका गाना है?"

"ये विला लोबोस है, अच्छा है न?"

"हां!" मैंने हामी दी।

नाश्ते की मेज दो के लिए लगी है। क्रिस्टियन ने फ्रिज से सलाद का डोंगा निकाला।

"कैसर सलाद चलेगा?"

"शुक्र है! ये तो हल्का है। मैं खा लूंगी।"

"हां, ठीक है। धन्यवाद"

मैंने उसे बड़ी ही शालीनता से अपनी रसोई में यहां से वहां जाते देखा। वह अपने शरीर के साथ एक स्तर पर कितना आरामदेह है और दूसरी ओर नहीं चाहता कि उसे कोई छुए.. हो सकता है कि वह अंदर से ऐसा न हो। कोई भी इंसान अकेला द्वीप नहीं होता पर मुझे लगता है कि क्रिस्टियन ग्रे ऐसा ही है।

"तुम क्या सोच रही हो?" वह मुझे मेरी सोच के घेरे से बाहर खींच लाया।

"मैं तो बस तुम्हें चलते देख रही थी।"

उसने चकित होकर एक भौं उठाई।

"और?"

मैं थोड़ा खिसिया गई।

"तुम बहुत शालीन और गरिमामयी हो।"

"अच्छा! थैंक्स मि. स्टील! थोड़ी चाब्लिस चलेगी?"

"हां! धन्यवाद।"

"साथ-साथ सलाद खाओ और मुझे बताओ कि तुमने क्या तरीका चुना?"

मैं एक पल के लिए तो सकते में ही आ गई। फिर समझ आया कि वह डॉक्टर की बात पूछ रहा था?

"मिनी पिल"

उसने त्योरी चढ़ाई।

"और क्या तुम इसे रोज़ लेना याद रख सकोगी ....सही वक्त पर हर रोज़....?"

"हे भगवान......बेशक मैं याद रखूंगी। ये कैसे जानता है? मैं इस सोच से ही शरमा गई। शायद उसकी पंद्रह गुलामों में से कोई इन्हें लेती होगी।

"मुझे पक्का यकीन है कि तुम याद दिला दोगे।" मैंने कहा

उसने मुझे हैरानी और कौतुक से देखा।

"ठीक है, मैं अपने कैलेंडर पर एक अलार्म लगा दूंगा। चलो तुम खाओ।"

चिकन कैसर सलाद काफी मज़ेदार है। हैरानी की बात यह भी है कि मुझे ज़ोर की भूख लगी है और शायद पहली बार हो रहा है कि उसके साथ होने के बावजूद मैंने उससे पहले अपना हिस्सा खा लिया है। वाइन भी स्वादिष्ट और फलों के रस जैसे स्वाद वाली है।

"मिस स्टील! हमेशा की तरह अधीर......।" वह मेरी खाली प्लेट देखकर बोला

मैंने उसे कनखियों से देखकर कहा–"हां।"

उसकी सांस जैसे अटक गई। जैसे ही उसने मुझे घूरना शुरू किया। हमारे बीच का माहौल बदलने लगा...धीरे-धीरे उसमें एक नया ही रंग आने लगा। वह खड़ा हुआ और मुझे अपनी बांहों में खींच लिया।

"क्या तुम यह करना चाहती हो?" उसने मुझे गहरी नज़रों से देखकर पूछा।

"मैंने अभी तक कहीं हस्ताक्षर नहीं किए हैं।"

"पता है पर मैं आजकल सारे नियम तोड़ रहा हूं।"

"क्या तुम मुझ पर हाथ उठाने जा रहे हो?"

"हां, पर यह तुम्हें चोट पहुंचाने के लिए नहीं होगा। मैं तुम्हें अभी कोई सज़ा नहीं देना चाहता। अगर कहीं कल शाम मिलती तो बेशक आज की कहानी कुछ और होती।"

ओह......वह मुझे चोट पहुंचाना चाहता है। मैं इन चीज़ों से कैसे निपटूंगी?

मैं अपने चेहरे पर पसर आया भय छिपा नहीं सकती।

"एनेस्टेसिया! किसी दूसरे की सोच को अपने पर हावी मत होने दो। मुझ जैसे लोग यह सब करना इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि हम दर्द लेना या देना पसंद करते हैं। ये बड़ी सीधी बात है। तुम ऐसा नहीं करतीं और मैंने कल इस बारे में सोचते हुए काफी समय बिताया।"

मैं उसके शरीर में हो रहे बदलाव महसूस कर सकती थी। मुझे भाग जाना चाहिए पर मैं भाग नहीं सकती मैं किसी गहरे स्तर पर उसकी ओर खिंचती जा रही हूं, जिसे मैं अभी समझ नहीं सकती।

"क्या तुम किसी नतीजे पर पहुंचे?"

"नहीं और अभी मैं केवल इतना चाहता हूं कि तुम्हें बांधकर तुम्हारे साथ संबंध बनाऊं। क्या तुम इसके लिए तैयार हो?"

"हां।" मैंने एक सांस ली और पूरे शरीर में जैसे एक अजीब-सी ऐंठन आ गई।

"बढ़िया। आओ।" उसने मेरा हाथ थामा और हम नाश्ते के झूठे बर्तन वहीं छोड़कर सीढ़ियों से ऊपर चल दिए।

मेरा दिल तेजी से धड़क रहा है। तो ये बात है. मैं सचमुच ऐसा करने जा रही हूं। मेरे भीतर बैठी लड़की तो मानो विश्वस्तरीय बैलेरीना बनी बैठी है और एक के बाद एक घुमेर खा रही है। उसने अपने लाल कमरे का दरवाजा खोला और मैं एक बार फिर से पीड़ादायी लाल कमरे में हूं।

वही चमड़े, खट्टी-सी गंध वाली पॉलिश और गहरे रंग की लकड़ी की गंध, कुलमिलाकर सब कुछ कामोत्तेजक है। देह में खून उछालें मार रहा है। चाह और वासना के मारे एड्रेनालिन का स्तर बढ़ गया है। बड़ा ही सिर घुमा देने वाला कॉकटेल है। क्रिस्टियन की नज़रें पूरी तरह से बदल गई हैं। उसने मुझे गहरे सम्मोहन से भरी वासनात्मक निगाहों से देखा।

"जब तुम यहां हो......तुम पूरी तरह से मेरी हो।"

मैंने हामी दी, मुंह सूख गया और ऐसा लगा कि कलेजा उछलकर बाहर आ जाएगा।

"अपने जूते उतारो।"

मैंने अपना थूक निगला। हाथ-पैर जैसे बस में नहीं हैं। जूते उतारे तो उसने उन्हें दरवाजे के पास आराम से रख दिया।

"गुड! जब मैं कुछ करने को कहूं तो तुम्हें हिचकने की ज़रूरत नहीं है। अब मैं तुम्हें इस पोशाक से बाहर निकालने जा रहा हूं। मैं कुछ दिन से यही करना चाह रहा था। एनेस्टेसिया! मैं चाहता हूं कि तुम अपनी देह के साथ सहज महसूस करो। तुम्हारा शरीर सुंदर है और मैं इसे देखना चाहता हूं। ये भी एक आनंद है। दरअसल मैं तो इस तरह पूरा दिन तुम्हें देख सकता हूं और तुम्हें इसके लिए कोई शर्मिंदगी या कुंठा नहीं होनी चाहिए। क्या तुम समझीं?"

"हां"

"हां, क्या?"

"जी हां, सर"

"क्या तुम सचमुच इसका मतलब समझती हो?"

"जी सर"

"बहुत अच्छे!"

"अब अपने बाजू सिर के ऊपर ले जाओ।"

मैंने वही किया, जो कहा गया था। उसने धीरे-धीरे मेरी पोशाक उतार दी। फिर वह मुझे एकटक निहारने लगा। उसने पोशाक को वहीं कोने में रख दिया। उसने मेरा चिबुक थामकर कहा, "तुम अपना होंठ काट रही हो और तुम जानती हो कि ऐसा देखकर मुझ पर क्या असर होता है। पीछे मुड़ो।"

मैं बेहिचक मुड़ गई। उसने मेरे ऊपरी अधोवस्त्र उतार दिए और गले से कानों तक मीठे चुंबन देने लगा।

"एनेस्टेसिया! तुम्हारे शरीर से हमेशा की तरह बड़ी प्यारी और दैवीय गंध आ रही है।"

मैंने हल्की कराह भरी तो वह बोला, "हिलो मत! कोई आवाज़ मत निकालो।"

उसने मेरे बाल पीछे किए और अचानक पूरी दक्षता के साथ उनकी चोटी गूंथने लगा। उसने उन्हें बालों की एक लट से ही बांध दिया और उसे खींच कर मेरी गर्दन पीछे की।

"मैं चाहता हूं कि तुम यहां आओ तो तुम्हारे बाल चोटी में बंधे हों।"

"हम्म......क्यों?"

उसने मेरे बाल छोड़ दिए।

"मुड़ो।"

मेरी सांसें उखड़ी हुई हैं। एक अजीब-सा नशा हावी है।

"जब मैं यहां बुलाऊं तो तुम्हें इस पोशाक में आना होगा। तुम केवल निचले अधोवस्त्र में रहोगी। समझीं?"

"हां"

"हां, क्या?"

"जी हां, सर"

उसके होंठों के कोनों पर एक मुस्कान तिर आई।

"गुड गर्ल। जब तुम यहां आओ तो मैं चाहूंगा कि तुम वहां घुटने मोड़कर बैठ जाओ।" उसने दरवाजे के पास इशारा किया। जाओ बैठो।

मैंने शब्दों को समझने की कोशिश में पलकें झपकाई और फिर लड़खड़ाते हुए उसी ओर बढ़ गई।

"तुम अपनी एड़ियों के बल बैठ सकती हो।"

"अपने हाथ जांघों पर रखो। अब अपने घुटने खोलो और फर्श की ओर देखो।"

वह मेरे पास आ गया और मैं नीची नज़रों के साथ उसके पैर देख सकती थी।

उसने फिर से मेरी चोटी पकड़ी तो मुझे ऊपर देखना पड़ा। इस तरह कोई दर्द नहीं हो रहा।

"एनेस्टेसिया! क्या यह मुद्रा याद रहेगी?"

"जी सर।"

"गुड! यहीं रहना। हिलो मत।" वह कमरे से निकल गया।

मैं अपने घुटनों के बल बैठी इंतज़ार कर रही हूं। वह कहां गया? वह मेरे साथ क्या करने जा रहा है? समय बढ़ता गया। मुझे कुछ अंदाज़ा नहीं कि वह कितनी देर तक बाहर रहा...पांच मिनट, दस मिनट। मैं अंदर ही अंदर कौतूहल से अधमरी हुई जा रही हूं।

और अचानक वह लौट आया। मैं अचानक एक ही सांस में शांत और उत्तेजित हो गई।क्या मैं इससे अधिक उत्तेजित हो सकती हूं? मैं उसके पैर देख सकती हूं। वह जींस बदल आया है। अब उसने पुरानी, फटेहाल और मुलायम जींस पहन रखी है। ओह! ये तो बड़ी ज़बरदस्त लगती हैं। उसने दरवाजा बंद किया और वहां कुछ टांग दिया।

"एनेस्टेसिया! चलो खड़ी हो जाओ।"

मैं खड़ी हो गई पर अपना मुंह नीचे ही रखा।

"तुम मुझे देख सकती हो।"

मैंने उसे देखा और उसने बड़ी गहराई से झांका। उसकी नज़रों में कोमलता है। उसने अपनी शर्ट उतार दी। मैं उसे छूना चाहती हूं...।

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें बांधने जा रहा हूं। मुझे अपना दायां हाथ दो।"

मैंने अपना हाथ आगे कर दिया। उसने हथेली सीधी की और अचानक ही एक चाबुक से मेरे हाथ पर मारा। पहले मुझे चाबुक नहीं दिखा था। शायद वह उसके दूसरे हाथ में था जिस पर मेरा ध्यान नहीं गया था। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि दर्द का कोई एहसास होने की बजाए हैरानी ज़्यादा थी। खैर हल्की-सी चुभन थी और कुछ नहीं।

"कैसा लगता है?" उसने पूछा।

मैंने उसे देखकर उलझन में पलकें झपकाईं।

"जवाब दो।"

"ठीक है।"

"त्योरी मत चढ़ाओ।"

मैंने सहज दिखने का प्रयास किया और मैं सफल रही।

"क्या इससे चोट लगती है।"

"नहीं"

"इससे चोट नहीं लगती और कोई दर्द नहीं होगा। समझीं?"

"जी।" मैंने अनिश्चित स्वर में कहा। क्या सचमुच इससे तकलीफ नहीं होगी?

"मैं सच कह रहा हूं।" उसने कहा

ओह! मेरी सांसें उखड़ रही हैं। क्या वह जानता है कि मैं क्या सोच रही हूं? उसने मुझे वह चाबुक दिखाया वह भूरे चमड़े में गुथा है। मेरी आंखों में उसे देखते ही एक भय और कौतुक का साया लहरा गया।

"मिस स्टील! आनंद देना ही हमारा लक्ष्य है।" वह बोला

वह मुझे कोहनी से थामकर ग्रिड के नीचे ले गया। वहां से उसने बांधने के लिए बेड़ियां लीं, साथ ही काले चमड़े की हथकड़ियां भी थीं।

"ये ग्रिड इस तरह बना है कि बेड़ियां ग्रिड के आसपास भी घूम सकें।"

मैंने झांका। ओह ये तो किसी सब-वे के नक्शे जैसा लग रहा है।

"हम यहीं से सब शुरू करेंगे।" फिर उसने दीवार पर टंगे लकड़ी के क्रॉस की तरफ संकेत किया

"अपने हाथ सिर के ऊपर ले जाओ।"

ऐसा लगा कि मैंने अपने शरीर को वहां घट रही घटनाओं के हवाले कर दिया हो। ये सब तो मेरी फैंटेसी से भी कहीं परे है। मैंने आज तक इतना डरावना और उत्तेजक काम कभी नहीं किया। मैंने खुद को एक ऐसे खूबसूरत इंसान के हवाले कर दिया है जो उसके शब्दों में कड़वी हकीकतों के पचासों रंग देख चुका है। मैंने भीतर से उठ रही भय की लहर को दबा दिया। केट और इलियट, वे जानते हैं कि मैं यहां हूं।

वह हथकड़ियां बांधते हुए बहुत पास आ गया। मैं उसकी छाती को देख रही हूं। उसका साथ स्वर्गीय जान पड़ता है। उसके शरीर में से बॉडी वाश और क्रिस्टियन की प्यारी-सी महक आ रही है। मैं उसकी छाती के बालों को महसूस करना चाहती हूं। काश! मैं थोड़ा-सा झुक सकती...।

उसने पीछे हटकर मुझे घूरा और मैं हाथ बांधे बेबस होकर उसके प्यारे से चेहरे को देख रही हूं।

"मिस स्टील! तुम यहां अच्छी लग रही हो और इस तरह तुम थोड़ी देर चुप भी रहोगी।"

फिर उसने अपना चाबुक हाथ में लिया और मेरी नाभि के आसपास घुमाते हुए सनसनाहट-सी पैदा करने लगा। मैं चमड़े की छुअन से सिहर गई। अचानक ही उसने उसे फटकारा और मुझे उससे मारा। मैं हैरानी से चिल्ला उठी। हथकड़ियां खींचने की कोशिश की पर कोई लाभ नहीं हुआ

"चुप रहो।" उसने कहा और मेरा शरीर उस मीठे वार के लिए तड़प रहा है।

उसने इस बार शरीर के दूसरे अंगों को उसका एहसास दिलाया।

"क्या पसंद आया?"

"हां"

उसने फिर से एक और वार किया। इस बार हल्की चुभन हुई।

"हां, क्या?"

"जी सर!" मैंने कहा।

वह रुक गया पर मैं अब उसे देख नहीं सकती क्योंकि मैंने आंखें बंद कर ली है।

"आंखें खोलो और मुझे इसका स्वाद बताओ। बेबी।"

मैंने आंखें खोली और उसने उसे मेरे मुंह में डाल दिया। मैंने सपने में भी तो ऐसा ही देखा था। चमड़े की गंध मेरे नथुनों में जा घुसी। उसकी आंखें गहराई से चमक रही हैं।

फिर उसने चाबुक निकाला और मुझे अपने पास खींचते हुए चुंबन दिया। उसने मुझे अपने पास खींचा तो मैं उसकी छाती के पास आ गई पर चाहकर भी छू नहीं सकती थी। मेरे हाथ बंधे थे और मैं तरस रही थी।

"ओह एनेस्टेसिया! तुम कमाल हो।"

चाबुक का एक और वार हुआ और कुछ ही देर में मैं सारी दुनिया भुलाकर उसके इस खेल का हिस्सा बन गई। बेशक उसने सही कहा था कि यह सब पीड़ा के लिए नहीं आनंद देने के लिए था। फिर वह धीरे-धीरे अपनी मनमानी करने लगा। जी भरने के बाद उसने मेरी हथकड़ियां खोल दीं और हम वहीं फर्श पर लेट गए। उसने मुझे गोद में खींचकर दुलारा और मैंने अपना सिर उसकी छाती पर टिका दिया। काश! मुझमें उसे छूने की ताकत होती पर नहीं मैं तो बेजान हुई पड़ी हूं।

"बहुत अच्छे बेबी! क्या तुम्हें कोई दर्द हुआ?" उसने हौले से पूछा।

नहीं। मुझसे तो आंखें भी नहीं खोली जा रहीं। मैं इतना थक क्यों गई?

"क्या तुमने इसकी उम्मीद की थी?" उसने मेरी बिखरी लट संवारी।

"हां"

"देखा एनेस्टेसिया! यह डर तुम्हारे मन की उपज है। क्या तुम इसे दोबारा करना चाहोगी?"

मैंने दिमाग पर हावी होती थकान को परे धकेलकर एक पल के लिए सोचा।

"दोबारा?"

फिर मैंने हौले से कहा–"हां"

उसने मुझे कस कर गले से लगा लिया।

"बहुत अच्छे! मैं भी करना चाहूंगा।" उसने मुझे अपने से लिपटाकर सिर चूम लिया। और अभी ये कहानी खत्म नहीं हुई।

अभी खत्म नहीं हुई? मैं तो कुछ भी नहीं कर सकती। मैं पूरी तरह से पस्त हूं और नींद लेने के लिए मरी जा रही हूं। मैं उसकी छाती पर झुकी हूं और सोना चाहती हूं। उसके शरीर से लिपटकर बहुत आरामदायक और सुरक्षित महसूस कर रही हूं। क्या वह मुझे सोने देगा? मैंने जैसे ही अपना मुंह उसकी छाती के पास ले जाकर उसकी गंध लेनी चाही। उसका पूरा शरीर बचाव में ऐंठ गया। वह मुझे घूर रहा है।

"ऐसा मत करो।"

मैंने उसकी छाती को बड़े ही लगाव से देखा। मैं उन बालों में अंगुलियां फिराना चाहती हूं। उन्हें चूमना चाहती हूं।

"मत करो।" उसने चेतावनी दी।

मैंने ध्यान दिया कि उसकी छाती पर छोटे-छोटे निशान हैं। चिकन पॉक्स? मीजल्स? किस चीज़ के हो सकते हैं?

"दरवाजे के पास घुटनों के बल बैठ जाओ।" उसने हुक्म दिया और मुझे पैरों पर खड़ा कर दिया। अब उसके सुर में पहले जैसी गरमहाट नहीं रही।

मैं लड़खड़ाते हुए उठी और वैसा ही किया। किसने सोचा था कि इस कमरे में मैं यह सब करूंगी। कोई सोच सकता है कि यह सब कितना थका देने वाला हो सकता है। मेरे अंग शिथिल हो रहे हैं। अंदर बैठी लड़की ने बोर्ड टांग रखा है–कृपया मुझे तंग न करें।

क्रिस्टियन आसपास घूम रहा है और मेरी आंखें नींद से भारी हैं।

"मिस स्टील! मैं बोर कर रहा हूं?"

मैं झटके से जगी। वह मेरे पास आ गया और घूरने लगा। हाय! कहीं उसने मुझे झपकी लेते देख तो नहीं लिया

"उठो।" उसने कहा

"तुम थक रही हो। है न?"

मैंने शरमाते हुए हामी भरी।

"मिस स्टील! तभी तो कहा था कि हिम्मत चाहिए। तुम अपने हाथ जोड़ो।"

अच्छा ताकि कह सकूं कि मेरे साथ सख़्ती से पेश मत आना।

उसने एक तार मेरी कलाईयों पर लपेट दी। ओह! मेरी आंखें खुली की खुली रह गईं।

ये तो जानी-पहचानी हैं?

क्लेटन वाला माल? अचानक ही पूरा शरीर जाग गया। अब मैं फिर से खेल का हिस्सा बन गई हूं। मैंने कलाईयों को खींचना चाहा पर तार हाथों में चुभती है। वैसे वे इतनी टाइट भी नहीं कि चमड़ी को काटें।

"आओ।" वह मुझे पलंग के पास ले गया।

"मैं और भी चाहता हूं पर यह सब बहुत जल्द होगा क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम थकी हुई हो।

हम एक बार फिर से वासना और चाहत की गलियों में चल दिए। जहां जाने के बाद एना अपनी थकान और नींद भूल गयी और क्रिस्टियन की हल्की सरगोशियों के बीच यह खेल पूरा हुआ।

जब सुध आई तो हम दोनों फर्श पर लेटे थे। मैं उसके ऊपर पीठ के बल लेटी छत और वहां लटके सामान को देख रही थी। सब कुछ रंगीन और गुलाबी दिख रहा था।

क्रिस्टियन हौले से बोला, "अपने हाथ ऊंचे करो।"

मुझे लगा कि मेरे बाजू धातुओं से बंधे हैं पर मैंने उन्हें उठा ही लिया। उसने कैंची ली और प्लास्टिक काटकर बोला।

"मैं इस एना को मुक्त घोषित करता हूं।"

मैं अपनी कलाईयां मलते हुए खिलखिलाने लगी।

"कितनी प्यारी आवाज़ है।" उसने कहा।

वह अचानक उठ बैठा और इस तरह मैं उसकी गोद में आ गई।

"ये तो मेरी ही गलती है।" वह मेरी कलाईयां मलने लगा।

"क्या?"

"मैं कुछ समझी नहीं।"

"कि तुम अकसर इस तरह नहीं खिलखिलातीं।"

"मैं वैसे भी कोई बहुत ज़्यादा खिलखिलाने वालों में से नहीं हूं।"

"ओह! पर मिस स्टील जब ऐसा होता है तो यह आवाज़ सुनने का भी आनंद आ जाता है।"

"मि. ग्रे! बड़े रोमानी हो रहे हैं।"

उसकी आंखें मुलायम हो आईं और वह मुस्कुराया।

"मैं कहना चाहूंगा कि अब तुम्हें गहरी नींद चाहिए।"

"सारे रोमांस का हो गया कबाड़ा।" मैंने मुंह बनाया।

उसे देखकर ऐसा लगा कि काश मैं सारी ज़िंदगी इस खूबसूरती को निहार सकती। उसने किसी कमांडो की तरह झट से जींस चढ़ा ली।

"मैं टेलर या मिसेज जोंस को डराना नहीं चाहता।"

हम्म......वे तो जानते ही होंगे कि ये कैसा झक्की और सनकी आदमी है।

उसने मुझे पैरों पर खड़े होने में मदद की और इस तरह भूरा चोगा पहनाया मानो किसी बच्चे को तैयार कर रहा हो। जब मेरा शरीर ढंक गया तो उसने मुझे झुककर चूमा और मुस्कुराया।

"पलंग पर चलें।"

अरे... नहीं...।

"सोने के लिए।" उसने मुझे तसल्ली दी।

अचानक ही उसने मुझे गोद में उठाकर छाती से लगा लिया और मेरे कमरे की ओर चल दिया। मुझे याद नहीं कि आज से पहले मैंने कभी इतनी थकान महसूस की होगी। उसने मुझे कंबल ओढ़ाकर लिटाया और अचानक ही मेरे पीछे आकर लेट गया। उसने मेरे बालों में नाक देते हुए हौले से कहा।

"सो जाओ! खूबसूरत लड़की।" फिर उसने मेरे बाल चूम लिए।

और इससे पहले कि मैं कोई जवाब दे पाती। मैं गहरी नींद में खो चुकी थी।

अध्याय 19

माथे पर गीले होंठों के स्पर्श से आंखें खुल गईं। जी में तो आया कि मुड़कर उनका जवाब दे दूं पर अभी नींद हावी थी इसलिए मैंने कुनमना कर फिर से तकिए में सिर छिपा लिया।

"एनेस्टेसिया उठो!" क्रिस्टियन ने दुलार से पुचकारा

"नहीं!" मैंने आह भरी।

हमें आधे घंटे में मेरे माता-पिता के यहां डिनर पर जाना है।

मैंने बेमन से आंखें खोलीं तो बाहर अंधेरा दिखा। क्रिस्टियन मुझे बड़ी गहराई से घूर रहा है।

"चलो, आलसी बिल्ली जल्दी से उठो।" वह उठा और मुझे फिर से चूम लिया।

"मैंने तुम्हारे लिए एक ड्रिंक रखा है। मैं नीचे जा रहा हूं। दोबारा सो मत जाना वरना तुम मुश्किल में पड़ जाओगी।" उसने धमकी दी पर सुर तीखा नहीं है। उसने मुझे हल्का सा चुंबन दिया और बाहर निकल गया। मैं उस अंधेरे कमरे में नींद से भरी आंखों के साथ अकेली रह गई।

मैं तरोताज़ा होने के बावजूद घबराहट महसूस कर रही हूं। हाय! अब क्या होगा मैं इसके घरवालों से मिलने जा रही हूं। वह अभी चाबुक और मुझ से ही खरीदी गई रस्सियों के साथ अजीब-अजीब हरकतें करके हटा है और मैं उसके मां-बाप से मिलने जा रही हूं। केट भी आ रही है, उसके लिए भी सबसे पहली मुलाकात होगी, चलो इस बहाने मुझे थोड़ा सहारा मिल जाएगा। मैंने कंधे गोल घुमाए। उनमें जकड़न महसूस हो रही थी। अब समझ में आने लगा है कि वह बार-बार निजी ट्रेनर रख कर कसरत करने की बात क्यों करता है? दरअसल अगर मुझे उसके साथ पार पाने की ज़रा सी भी उम्मीद रखनी है तो ये सब करना ही होगा।

मैं धीरे से बिस्तर से बाहर आई तो देखा कि पोशाक अलमारी के बाहर लटक रही है और चोली वहीं पड़ी है तो शरीर के निचले हिस्से में पहने जाने वाले अंतर्वस्त्र कहां गए? ओह... वे तो उसने कल रात अपनी जींस की जेब में...। आसपास देखा तो कुछ दिखा नहीं। उसने उन्हें वापिस क्यों नहीं किया?

मैं बाथरूम में पहुंची और हल्के से स्नान के बाद खुद को पोंछ लिया। फिर एहसास हुआ कि यह सब उसने जानबूझ कर किया है। वह चाहता है कि मैं अपने मुंह से उन्हें मांगूंऔर शर्मिंदा हो जाऊं। कौन जाने वह देगा भी या नहीं? ओह! तो ये हम दोनों के बीच का खेल है।

मैंने भी तय किया कि उससे कुछ कहूंगी ही नहीं और वह तरसता रहेगा। मुझे इसी तरह उसके माता-पिता से मिलने जाना होगा। अंदर बैठी सयानी लड़की ने आंखें तरेरीं पर मैंने अनदेखा कर दिया। मेरे पास कोई और उपाय था क्या? बेशक खेल मस्त होने वाला था क्योंकि मैं जानती थी कि वह मेरे इस बर्ताव से बुरी तरह चिढ़ जाएगा।

मैंने झट से अपने कपड़े और जूते पहने और तैयार हो गई। बालों की चोटी खोली और बालों में ब्रश फेरा। वहां पड़ा ड्रिंक बड़ा स्वादिष्ट था। पीते ही शरीर में जान सी आ गई।

फिर मैंने शीशे पर नज़र मारी। आंखें चमकदार, गाल हल्के से लाल और आंखों में हल्का-सा नशा महसूस हुआ। अब मैं नीचे जाने के लिए तैयार थी। पंद्रह मिनट। ठीक हैएना, कोई देर नहीं हुई। क्रिस्टियन मेरी मनपसंद फ्लैनल भूरी पैंट में बड़ी खिड़की के पास खड़ा है और साथ में एक लिनन की सफेद कमीज़ पहनी है। क्या इसके पास कोई और रंग नहीं है? स्पीकर्स पर मधुर संगीत गूंज रहा है।

मैं पहुंची तो वह मुझे देखकर मुस्कुराया और उम्मीद भरी निगाहों से ताका।

"हाय"

"हाय। कैसा लग रहा है?" उसकी आंखें शरारत से नाच रही हैं?

"बढ़िया! थैंक्स और तुम्हें..."

"मिस स्टील! मैं पूरी तरह से मस्त हूं।"

वह इस इंतजार में है कि शायद मैं कुछ कहूंगी।

अचानक ही वह मेरे पास आया और बोला–"मेरे साथ डांस करो।"

उसने जेब से रिमोट निकालकर गाने की आवाज़ तेज़ कर दी। उसकी आंखों में चाहत, शरारत और लगाव के कितने ही रंग दिख रहे हैं। मैं पूरी तरह से उसके वश में हूं। यह उसका कौन-सा रूप है? मैंने उसके हाथों में अपना हाथ दिया। उसने धीरे से मुझे अपने बाहुपाश में ले लिया। उसकी बांह ने मेरी कमर घेर ली थी।

मैंने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और दांत निकाल दिए। मुझे भी उसके मस्तमौला अंदाज़ की छूत लग गई है। उसने एक घुमाव लिया और ये क्या! इसे तो नाचना भी आता है। हम कमरे की खिड़की से होते हुए रसोई तक गए और फिर वापिस वहीं आ गए। संगीत की धुन के साथ पर थिरक रहे हैं। उसने मेरे लिए भी इसे सहज बना दिया है।

हम घूमते हुए डाइनिंग टेबल तक गए, पियानो के पास से निकले और फिर नाचते हुए कांच की दीवार के पास आ गए। बाहर सिएटल जगमगा रहा है और हमारे नाच को एक जादुई रंग दे रहा है। मैं अपनी बेपरवाह हंसी को रोक नहीं सकी। गाना खत्म होने को आया तो उसने मुझे देखकर मुस्कान दी।

"तुम किसी प्यारी सी जादूगरनी से कम नहीं हो।" वह हौले से बोला और मुझे चूम लिया। खैर! मिस स्टील, तुम्हारे गालों पर थोड़ा रंग तो आया। मेरे साथ नाचने के लिए धन्यवाद। मेरे माता-पिता से मिलने चलें?"

"तुम्हारा स्वागत है और हां, मैं भी उनसे मिले बिना रह नहीं पा रही।" मैंने हांफते हुए कहा। "क्या तुम्हारे पास अपनी ज़रूरत की हर चीज़ है?"

"अरे हां!" मैंने प्यार से कहा।

"पक्का यकीन है?"

मैंने उसके चेहरे से नज़रें परे ले जाते हुए हामी दी। उसके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान खेल गई।

"अच्छा, मिस स्टील! अगर तुम यूं ही खेलना चाहती हो तो यही सही।"

उसने मेरा हाथ थामा, बारस्टूल पर टंगी अपनी जैकेट ली और मुझे बरामदे से लिफ्ट की ओर ले गया। क्रिस्टियन ग्रे के कितने चेहरे हैं? क्या मैं कभी इस अस्थिर स्वभाव के इंसान को समझ सकूंगी।

मैंने उसकी ओर ताका। वह मन ही मन किसी बात पर हंस रहा है। मुझे लगा कि कहीं मेरा ही मज़ाक तो नहीं उड़ा रहा। मैं क्या सोच रही थी? मैं उसके मां-बाप से मिलने जा रही थी और मैंने शरीर के निचले हिस्से में कुछ नहीं पहना था। मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की ने ऐसा भाव दिया मानो कह रही हो–मैंने तो तुझे पहले ही कह दिया था कि इस बारे में सोच ले! उसके अपार्टमेंट के सुरक्षित माहौल में तो यह सब बड़ा मज़ेदार और किसी खेल जैसा लग रहा था पर अब तो मैं लोगों के बीच जा रही हूं। उसने मुझे झांका और उसके चेहरे के भाव अचानक बदलने लगे। इसका मूड कितनी तेजी से बदलता है...।

क्रिस्टियन ने गर्दन के संकेत से पहले मुझे बाहर जाने को कहा। बेशक वह भला इंसान बनने का दिखावा कर रहा था पर मैं भी क्या कह रही हूं। बड़ा आया भला इंसान...। मेरे अधोवस्त्र लिए घूम रहा था।

टेलर ने बड़ी ऑडी निकाल ली थी। क्रिस्टियन ने मेरे लिए दरवाजा खोला और मैंने पूरी शालीनता के साथ गाड़ी में बैठने की कोशिश की मुझे खुशी है कि केट की पोशाक शरीर से चिपकी हुई है और घुटनों तक आ रही है वरना...।

हम दोनों ही चुपचाप इंटरस्टेट 5 की ओर चल दिए। बेशक टेलर के सामने कोई बात नहीं हो सकती थी। क्रिस्टियन के चेहरे की हास्यप्रियता जाने कहां चली गई थी और वह अपने ही ख्यालों में गुम खिड़की के बाहर ताक रहा था। हाए! ये तो मेरी पकड़ से बाहर जा रहा है। ऐसा क्या करूं कि इसका ध्यान मेरी ओर हो जाए। वैसे मैं टेलर के सामने क्या पूछ सकती थी। बड़ा दिमाग लगाकर पूछा

"नाचना कहां से सीखा?"

उसने मुझे देखा और बोला–"क्या तुम सचमुच जानना चाहती हो?"

मेरा दिल डूब-सा गया और लगा कि सवाल का जवाब तो मैं पहले से जानती हूं।

"हां!" मैंने बेमन से कहा

"मिसेज रॉबिन्सन नाच की शौकीन हैं।"

ओह! मेरा शक सही निकला। उसी ने सिखाया होगा।

मेरे दिमाग में यही बात घूमने लगी। मैं तो इसे कुछ नहीं सिखा सकती। मेरे पास तो कोई हुनर भी नहीं है। वह तो एक अच्छी टीचर रही होगी।

"हां, ऐसा ही था।"

मेरी खोपड़ी भन्ना गई। क्या उसे क्रिस्टियन का सबसे बेहतर रूप मिला? क्या वह उसके पास गया? या उसने इसे अपनी ओर खींचा? सच, क्रिस्टियन का वह रूप कितना प्यारा रहा होगा। मुझे जैसे ही अपने नाच की याद आई तो चेहरे पर प्यारी-सी मुस्कान आ गई।

और फिर वह पीड़ादायी लाल कमरा। अचानक ही हाथ कलाईयों पर चला गया और मैं उन्हें मलने लगी। उसने ही उसे यह सब सिखाया या बरबाद किया। यह देखने वाले के नज़रिए पर निर्भर करता है। या हो सकता है कि उसने यह सब कहीं और से सीखा हो। उस एक पल में ही मुझे एहसास हुआ कि मैं उस महिला से नफ़रत करती हूं। मैंने उम्मीद की कि हमारी मुलाकात कभी न हो क्योंकि उस समय मैं क्या कर बैठूं, कह नहीं सकती। याद नहीं आता कि मैंने कभी किसी के लिए ऐसे भाव महसूस किए हों। खासतौर पर ऐसे इंसान के लिए जिससे मैं अभी तक मिली ही नहीं। खिड़की से बाहर ताकते हुए मैंने अपने गुस्से और जलन पर काबू पाना चाहा।

मेरा दिमाग आज दोपहर पर चला गया। अगर मैं उसकी प्राथमिकताएं समझूं तो शायद वह मेरे साथ सख़्त बर्ताव न करे। क्या मैं दोबारा ऐसा करूंगी? मैं तो इसके खिलाफ़ बहस तक नहीं कर सकती। बेशक मैं करूंगी, जब तक वह मुझे चोट नहीं पहुंचाता। वैसे भी उसके साथ रहने का कोई और उपाय भी तो नहीं है।

यही तो बात है। मैं उसका साथ चाहती हूं। मेरे भीतर बैठी लड़की ने भी चैन की सांस ली। मैं इस नतीजे पर पहुंची कि वह कभी नतीजों तक आने के लिए दिमाग का इस्तेमाल नहीं करती बल्कि शरीर का कोई और हिस्सा उसे नतीजों पर आने के लिए मजबूर करता है और इस समय वहां कपड़े भी नहीं पहने हुए हैं।

"ऐसा मत करो।" वह धीरे से बोला।

मैंने त्योरी चढ़ाकर उसे देखा।

क्या न करूं? मैंने तो उसे हाथ तक नहीं लगाया।

"एनेस्टेसिया! बातों को ज़रूरत से ज़्यादा मत सोचो।" उसने मेरा हाथ अपने होंठों तक ला कर चूम लिया। आज दोपहर बहुत अच्छी रही। धन्यवाद।"

ओह! वह फिर से मेरे पास आ गया है। मैंने पलकें झपकाकर लजीली मुस्कान दी। वह बड़ा उलझा हुआ इंसान है। मैंने वह सवाल पूछ ही लिया जो बड़ी देर से सुगबुगा रहा था।

"तुमने मुझे तार से क्यों बांधा?"

उसने खीसें निपोर दीं।

"ये जल्दी हो जाता है। यह आसान है और यह एक नया सा अनुभव है। मझे पता है कि थोड़ा क्रूर दिखता है पर मुझे बांधने वाले उपकरणों में यह पसंद है। यह तुम्हें सही जगह टिकाए रखने में असरदार है।"

मैं घबरा गई और टेलर को देखा जो अपनी आंखें सड़क पर गड़ाए, निर्लिप्त भाव से गाड़ी चला रहा है। अब मैं क्या कहूं?

क्रिस्टियन ने मासूमियत से कंधे झटके।

"एनेस्टेंसिया! यह सब मेरी दुनिया का हिस्सा है।" उसने मेरा हाथ दबाकर छोड़ दिया और फिर से खिड़की के बाहर देखने लगा।

मैं सचमुच उसकी दुनिया से नाता रखना चाहती हूं पर उसकी शर्तों पर? मैं नहीं जानती। उसने दोबारा उस अनुबंध का नाम नहीं लिया है। मैं मन ही मन कुम्हला-सी गई। खिड़की से बाहर के बदलते सीन देखती रही। हम गहरे अंधेरे से घिरे एक पुल से गुज़र रहे हैं। रात का अंधेरा मेरे दमघोंटू मूड की तरह दिख रहा है।

मैंने क्रिस्टियन को ताका तो पाया कि वह तो मुझे ही देख रहा था।

"क्या सोच रही हो?"

मैंने आह भरी।

"इतना बुरा...?"

"काश मैं जान पाती कि तुम क्या सोच रहे हो।"

"मैं भी तो यही कह रहा हूं, बेबी!"

करीब आठ बजे ऑडी एक विशाल मैंशन में जाकर रुकी। दरवाजे के आसपास गुलाब ही गुलाब दिख रहे हैं। नज़ारा खूबसूरत है।

"क्या तुम तैयार हो?" क्रिस्टियन ने पूछा। इस दौरान टेलर ने बड़ा दरवाजा खोला।

मैंने हामी दी और उसने मेरा हाथ दबा कर तसल्ली देनी चाही।

"मेरे लिए भी पहली बार है। वैसे शर्त लगा लो तुम यही सोच रही हो कि काश तुम पूरे कपड़ों में होतीं।" उसने चिढ़ाया।

मैं घबरा गई। मैं तो उस बारे में भूल ही गई थी। शुक्र है कि टेलर गाड़ी से बाहर था और उसने यह बात सुनी नहीं। मैंने क्रिस्टियन को तेवर दिखाए और वह खीसें निपोरने लगा। हम गाड़ी से बाहर आ गए।

डॉ. ग्रेस ट्रैवलीन ग्रे घर के दरवाजे पर हैं। वे हल्की नीली रेशमी पोशाक में बहुत ही सौम्य व शालीन दिख रही हैं। उनके साथ ही लाल बालों वाले एक पुरुष को खड़े देखा। बेशक वे उनके पति और क्रिस्टियन के पिता मि. ग्रे ही हैं। क्रिस्टियन की तरह ही अपने-आप में सुंदर!

"एनेस्टेसिया! तुम मेरी मॉम ग्रेस से मिल चुकी हो। ये मेरे डैड कैरिक हैं।"

" मि. ग्रे! आपसे मिल कर खुशी हुई।" मैंने मुस्कान के साथ हाथ आगे बढ़ाया।

"एनेस्टेसिया! मुझे भी खुशी हुई।"

"कृपया मुझे एना कहें।"

उनकी नीली आंखें कोमल व मृदु हैं।

"एना! तुम्हें दोबारा देखकर बहुत अच्छा लगा। ग्रेस ने प्यार से गले लगाया। "आओ डियर!"

"क्या वह आ गई?" मैंने घर के अंदर से चिल्लाने की आवाज़ सुनी। मैंने क्रिस्टियन को घबराहट से ताका।

"वह ईया होगी, मेरी छोटी बहन।" उसने हल्की खीझ से कहा।

उसके शब्दों से बहन के लिए प्यार उमड़ता दिख रहा है और बहन का नाम लेते ही उसकी आंखों में एक चमक-सी आ गई। बेशक वह उसे चाहता है। ये तो नई बात पता चली। लंबी, सुडौल और स्याह बालों वाली ईया हॉल में दनदनाती हुई दौड़ी आई। तकरीबन मेरी उम्र की होगी।

"एनेस्टेसिया! मैंने तुम्हारे बारे में बहुत कुछ सुना है।" उसने मुझे कसकर गले से लगा लिया।

"ओह!" मैं उसके उछाह में डूब गई।

"एना प्लीज!" मैं हौले से बोली और वह मुझे एक विशाल कमरे में खींच ले गई। गहरे रंग के लकड़ी के फर्श और आलीशान कालीन और दूसरी मंज़िल पर जाती हुई प्यारी-सी सीढ़ियां।

"वह आज से पहले किसी लड़की को घर नहीं लाया।" ईया की आंखें उत्तेजना से चमक रही हैं।

मैंने देखा कि क्रिस्टियन अपनी आखें नचा रहा था। मैंने त्योरी चढ़ाई और उसने मुझे देखकर आंखें सिकोड़ दीं।

"ईया शांत हो जा।" ग्रेस ने दुलार से फटकारा। हैलो डार्लिंग! उन्होंने क्रिस्टियन के दोनों गाल चूम लिए और उसने अपने डैड से हाथ मिलाया।

हम सब मुड़े और उनके लिविंग रूम की ओर चल दिए। ईया ने मेरा हाथ नहीं छोड़ा था। कमरा काफी बड़ा है और क्रीम, भूरे, हल्के नीले रंगों से सजा है–बहुत ही आरामदेह और स्टाइलिश।

केट और इलियट एक काउच पर लिपटे बैठे हैं। उनके हाथों में शैंपेन के गिलास हैं। केट मुझसे उछलकर गले मिली और ईया ने मेरा हाथ छोड़ दिया।

हाय एना! वह दमकी। क्रिस्टियन! उसने बड़ी ही औपचारिकता से कहा और क्रिस्टियन ने भी उतना ही औपचारिक अभिवादन किया। इलियट ने एक झटके से मुझे बांहों में भर लिया।

ओए! ये क्या है। एना को गले से लगाने का सप्ताह चल रहा है?

दरअसल मैं प्यार के इस रूप की इतनी आदी नहीं हूं। क्रिस्टियन साथ ही खड़ा था। उसकी अंगुलियां मेरे शरीर से बेज़ा हरकतें करने लगीं। ओह! सभी आसपास खड़े हैं। मैं इस इंसान का क्या करूं?

"ड्रिंक्स? मि. ग्रे ने माहौल बदला। प्रोसैको?"

मेरे और क्रिस्टियन के मुंह से एक साथ निकला–"प्लीज़!"

"ओह... ये तो हद हो गई। तुम दोनों तो बोली भी एक ही बोल रहे हो।" ईया ने ताली बजाई और कमरे से निकल गई।

मैं लाल पड़ गई और इलिएट के साथ बैठी केट को देखा। अचानक दिमाग में आया कि कहीं क्रिस्टियन ने मुझे इसी वजह से तो नहीं बुलाया क्योंकि केट यहां है। इलियट तो बड़ी खुशी से केट को मिलाने ले आया होगा और क्रिस्टियन फंस गया था क्योंकि केट मेरे बारे में यहां आते ही बक देती। उसे मजबूरन मुझे भी यहां लाना पड़ा। मैंने इस सोच पर त्योरी चढ़ाई। यह जान कर तो मन ही कसैला हो गया। भीतर बैठी सयानी लड़की को ताना कसने का मौका मिल गया-क्यों अब समझ आया बेवकूफ लड़की?

"डिनर तैयार है।" ग्रेस ने कहा और ईया साथ ही बाहर आई।

क्रिस्टियन ने मुझे हैरानी से देखा।

"बैठो!" उसने एक काउच पर बैठने का संकेत किया और मैंने वही किया जो कहा गया था। फिर ध्यान से अपनी टांगें मोड़ लीं। वह मेरे पास बैठ गया पर मुझे छुआ नहीं।

"एना! हम छुट्टियों की बातें कर रहे थे।" मि. ग्रे बोले। इलियट ने तय किया है कि वह एक सप्ताह के लिए केट के परिवार के साथ बारबाडोस जाएगा।"

मैंने केट को देखा और उसने चौड़ी-सी मुस्कान दी। वह खुश है। कैथरीन कैवेना ज़रा शांत रह!

"क्या तुम भी डिग्री लेने के बाद ब्रेक लेने जा रही हो?" उन्होंने पूछा।

"मैं सोच रही हूं कि कुछ दिन के लिए जार्जिया हो आऊं।" मैंने जवाब दिया।

क्रिस्टियन ने दो बार हैरानी से पलकें झपकाईं। हाय! मैंने उसे तो इस बारे में बताया तक नहीं।

"जार्जिया।" वह हौले से बोला।

"मेरी मॉम वहां रहती हैं और मैं उनसे काफी समय से नहीं मिली।"

"तुम कब जाने की सोच रही हो।" उसने धीरे से पूछा।

"कल शाम को।"

ईया हाथों में शैंपेन के गिलास लेकर लौटी जिनमें हल्की गुलाबी प्रोसैको भरी थी।

"तुम्हारी अच्छी सेहत के नाम!" मि. ग्रे ने कहा और मैं मुस्कुरा दी। एक डॉक्टर का पति होने के नाते उनका यही कहना बनता था।

"कितने समय के लिए जा रही हो?" क्रिस्टियन ने पूछा।

हाय...ये तो गुस्से में है।

"पता नहीं। कल इंटरव्यू से पता चलेगा।"

उसके जबड़े भिंच गए और केट ने घुसपैठ करने वाली मुस्कान दी। वह कुछ ज़्यादा ही मिठास घोल रही है।

"एना को ब्रेक चाहिए।" उसने क्रिस्टियन से कहा। वह इससे इतनी खार क्यों खाती है? इसकी मुश्किल क्या है?

"कल तुम्हारे इंटरव्यू हैं?" मि. ग्रे ने पूछा।

"हां! कल दो प्रकाशकों के पास इंटर्नशिप के लिए इंटरव्यू हैं।"

"मेरी शुभकामनाएं।"

"डिनर तैयार है।"

ग्रेस ने कहा और सभी खड़े हो गए। केट और इलियट मि. ग्रे के पीछे चले और ईया भी कमरे से बाहर हो गई। मैं भी जाने लगी पर क्रिस्टियन ने कोहनी से पकड़कर रोक लिया।

"तुम मुझे यहां छोड़कर जाने के बारे में कब बताने वाली थीं?" उसने झट से पूछा। उसके सुर में छिपा गुस्सा दिखाई दे रहा है।

"मैं छोड़कर नहीं जा रही। मैं तो मॉम से मिलने जा रही हूं। अभी तो मैं इस बारे में सोच ही रही थी।"

"हमारे प्रबंध का क्या होगा?"

"अभी तो कुछ तय नहीं हुआ है।"

उसने आंखें सिकोड़ीं और खुद को याद दिलाया। फिर वह मुझे कमरे में ले गया।

"ये बात अभी खत्म नहीं हुई।" उसने डाइनिंग रूम में जाते हुए धमकी दी।

ओह! मर गए आज तो...।

डिनर का कमरा देखकर तो मुझे हीथमैन वाला कमरा याद आ गया। गहरे रंग की लकड़ी की मेज पर एक फानूस टंगा था और दीवार पर बहुत सुंदर कारीगरी वाला शीशा टंगा है। मेज पर सफेद लिनन बिछा है और उसकी सजावट भी देखने लायक है।

हमने अपनी प्लेटें लीं। मि. ग्रे मेज पर कोने में हैं। मैं उनके दाएं हाथ पर बैठी और क्रिस्टियन मेरे साथ बैठा है। मि. ग्रे ने रेड वाइन की बोतल खोली और केट को परोसी। ईया क्रिस्टियन के साथ बैठी और उसका हाथ पकड़कर कस कर दबा दिया। क्रिस्टियन ने उसे गरमाहट से भरी मुस्कान दी।

"तुम एना से कहां मिले?" उसने पूछा।

"वह डब्ल्यूएसयू के छात्र समाचार-पत्र के लिए मेरा इंटरव्यू लेने आई थी।"

"जिसे केट ने तैयार किया।" मैंने जानकर कहा ताकि बात दूसरी ओर चली जाए।

ईया इलियट के साथ बैठी केट को देखकर मुस्कुराई और वे अखबार की बातें करने लगे।

"वाइन एना।" मि. ग्रे ने पूछा।

"प्लीज़!" मैंने कहा और उन्होंने हम दोनों के गिलास भर दिए।

मैंने क्रिस्टियन को देखा और उसने अपनी गर्दन एक ओर झुका दी।

"क्या?" उसने पूछा

"मुझसे नाराज़ मत होना।"

"मैं तुमसे नाराज़ नहीं हूं।"

मैंने उसे घूरा और उसने आह भरी।

"हां, मैं तुमसे नाराज़ हूं।" उसने पल भर के लिए आंखें बंद कीं।

"इतने नाराज़ कि मुझे सज़ा दोगे?" मैंने घबराकर पूछा।

"तुम क्या खुसर-पुसर कर रहे हो?" केट ने पूछा।

मैं खिसिया गई। क्रिस्टियन ने उसे इन नज़रों से घूरा–तुम्हें क्या, अपने काम से मतलब रखो। यहां तक कि केट जैसी दबंग भी दब गई।

"मैं जार्जिया के बारे में बात कर रही थी।" मैंने आपसी कड़वाहट को मिटाने के लिए शहद घोला।

"जब तुम शुक्रवार को जोस के साथ बार गई थीं तो वह कैसा था?" केट ने पूछा उसकी आंखों में दुष्टता से भरी चमक दिखी।

केट! दफा हो तू! मैंने उसे आंखें दिखाईं। वह कर क्या रही है? उसने भी आंखें दिखाईं और मुझे एहसास हुआ कि वह क्रिस्टियन को जलाना चाह रही है। वह उसके बारे में जानती ही क्या है। मैंने सोचा कि बात निपटानी तो पड़ेगी।

"वह ठीक था।" मैं बुदबुदाई।

क्रिस्टियन आगे की ओर झुका। सचमुच इतना गुस्सा हूं कि दो लगाए बिना नहीं रह सकता।"

"अरे नहीं!" मैं अंदर ही अंदर सिकुड़ गई।

ग्रेस दो प्लेटें लेकर आई और उनके साथ एक सुंदर नवयुवती ने कदम रखा। लाल बालों की दो चोटियों वाली उस लड़की ने हल्की नीली पोशाक पहनी है और हाथों में एक ट्रे उठाई हुई है। उसकी आंखों ने झट से क्रिस्टियन को कमरे में खोज लिया। वह शरमाई और मस्कारा लगी आंखों से ताकने लगी। ये क्या है भई?

घर में कहीं फोन की घंटी बजी।

"माफ करना।" मि. ग्रे देखने चले गए।

"धन्यवाद ग्रेचन! ट्रे को वहां रख दो।" ग्रेस ने कहा। ग्रेचन ने हामी दी और एक बार फिर से क्रिस्टियन को घूरते हुए अंदर चली गई।

तो ग्रे परिवार ने स्टाफ रखा हुआ है और उसकी नज़रें मेरे होने वाले मालिक पर गड़ी हैं? क्या यह शाम इससे बदतर हो सकती है? मैंने गोदी में रखे अपने हाथों को देखकर त्योरियां चढ़ाईं।

मि. ग्रे लौट आए।

"डार्लिंग तुम्हारे लिए है।" अस्पताल से फोन है।

"आप लोग शुरू करें। मैं अभी आई।" ग्रेस ने मेरे हाथ में प्लेट दी और चली गई।

बड़ी प्यारी खुशबू आ रही है—मसालेदार स्पेनिश पोर्क सॉसिज व घोंघे, भुनी लाल शिमला मिर्च व हरे प्याज के साथ, उसके ऊपर से पार्सले की पत्तियां छिड़की गई हैं। बेशक क्रिस्टियन की धमकियों के असर से मेरा पेट गुलाटियां खा रहा है और दो चोटियों वाली नौकरानी ने मेरा दिमाग खराब कर दिया है। मैंने पूरे कपड़े तक नहीं पहने पर फिर भी भूख से मरी जा रही हूं। मुझे याद आया कि आज दोपहर की थकान भी इसके लिए जिम्मेदार है। यही वजह है कि मुझे इतनी भूख लग रही है।

कुछ ही देर बाद ग्रेस लौटीं और मि. ग्रे ने क्रिस्टियन की तरह एक ओर गर्दन झुकाई

"सब ठीक है?"

"एक और खसरे का मामला आया है।"

"अरे नहीं"

"हां, एक बच्चा है। इस महीने का चौथा मामला है। काश लोग बच्चों को टीके लगाने के मामले में सावधान होते।" उन्होंने उदासी के साथ कहा और फिर मुस्कुरा कर बोलीं।

"मुझे खुशी है कि हमारे बच्चों को इन चीजों से कभी नहीं गुज़रना पड़ा। उन्हें कभी चिकनपॉक्स से ज़्यादा कुछ नहीं हुआ। बेचारा इलियट।" उन्होंने बेटे को देखा और दुलार से मुस्कुराईं। इलियट ने बेचैनी से पहलू बदला। क्रिस्टियन और ईया किस्मतवाले निकले। इनके शरीर पर तो कहीं-कहीं एकाध निशान ही होगा।

ईया खिलखिलाई और क्रिस्टियन ने आंखें नचा दीं।

"तो डैड! मैरीनर गेम कैसी रही?" इलियट ने बात का विषय बदल दिया।"

खाना स्वादिष्ट था। कमरे में बैठे पुरुष बेसबॉल की बात करने लगे। क्रिस्टियन अपने परिवार से बात करते हुए बड़ा सहज व शांत दिखा। मेरा दिमाग चकराने लगा। भाड़ में जाए केट! ये कैसा खेल रच रही है। क्या वह मुझे सज़ा देगा? मैं तो सोचकर ही सिहर गई। वैसे मैंने अभी कहीं हस्ताक्षर नहीं किए हैं। शायद मैं ऐसा करूंगी भी नहीं। शायद मैं जार्जियामें ही रह जाऊं ताकि वह मुझ तक पहुंच ही न सके।

"डियर! नए अपार्टमेंट में सब सैट हो गया?" शुक्र है ग्रेस ने यह पूछकर मेरे दिमाग को भटकने से बचा लिया।

मैंने उन्हें सब कुछ बताया।

स्टार्टर्स के बाद ग्रेचन पधारी और मेरे दिल में आया कि उसके सामने क्रिस्टियन पर हाथ रख कर जता दूं कि भले ही वह बरबादियों के पचासों रंग देख चुका हो पर वह मेरा है। वह मेज साफ करने आगे आई और क्रिस्टियन के बहुत पास से सामान उठाने लगी। बेशक वह ध्यान नहीं दे रहा पर मैं तो जल-भुन रही हूं।

केट और ईया पेरिस का गुणगान कर रही हैं।

"एना! क्या तुम कभी पेरिस गई हो?" ईया ने भोलेपन से पूछा।

"नहीं, पर मैं जाना चाहूंगी।" मैं जानती हूं कि पूरे मेज पर अकेली मैं ही हूं जो कभी यूएसए से बाहर नहीं गई।

"हमने पेरिस में हनीमून मनाया था।" ग्रेस मि. ग्रे को देखकर मुस्कुराईं।

मुझे ये देखकर शर्मिंदगी-सी हुई। वे आपस में कितना प्यार करते हैं। मैंने एक पल के लिए सोचा कि सिएटल में रह रहे मां-बाप के साथ पलना कैसा लगता होगा।

"ये एक प्यारा शहर है बस वहां रहने वालों की बात मत करो। क्रिस्टियन तुम्हें एना को एक बार वहां ले जाना चाहिए।" ईया बोली।

"मुझे तो लगता है कि एनेस्टेसिया पहले लंदन जाना चाहेगी।" क्रिस्टियन ने हौले से कहा।

है... तो क्या इसे याद रहा। उसने मेरे घुटने पर हाथ रखा और उसका हाथ धीरे-धीरे जांघों तक जाने लगा। मेरा पूरा शरीर विरोध में ऐंठ गया। नहीं......यहां नहीं...किसी कीमत पर नहीं। मैं घबरा गई और उसे पीछे करने की कोशिश की। उसका हाथ मेरी जांघ दबाने लगा और मैं अपनी वाइन पर लपकी।

छोटी चोटियों वाली मिस यूरोपियन लौट आई...शरमाते हुए। कूल्हे मटकाते हुए उसने हमें बीफ वेलिंगटन परोसा और प्लेटें रखकर जल्द ही निकल गई। हालांकि उसने क्रिस्टियन को उसकी प्लेट देने में काफी वक्त लिया। जब मैं उसे दरवाजे से जाते देखने लगी तो क्रिस्टियन ने मुझे सवालिया निगाहों से देखा।

"तो पेरिस वालों में क्या खराबी है? इलियट ने बहन से पूछा। क्या वे तुम्हारे बस में नहीं आए?"

"ओह, नहीं आए। और मैं जिस श्रीमान फ्लोबर्ट के लिए काम कर रही थी। वह तो किसी तानाशाह मालिक से कम नहीं था।"

अचानक वाइन मेरे गले में अटक गई।

"एनेस्टेसिया! तुम ठीक हो।" क्रिस्टियन ने अचानक जांघ से हाथ हटा लिया। उसकी आवाज़ की हास्यप्रियता लौट आई थी। ओह शुक्र है। मैंने हामी भरी और वह तब तक मेरी पीठ सहलाता रहा जब तक मैं अचानक लगे धक्के से संभल नहीं गई।

बीफ तो स्वादिष्ट बना है। उसके साथ भुनी शकरकंदी, गाजर व हरी बींस परोसी गई हैं। शायद क्रिस्टियन के मूड में बदलाव के कारण भी मुझे खाने में पूरा रस आ रहा है और मैं पूरे दिल से खा रही हूं। ग्रे परिवार के बीच बड़े ही प्यारे व गरमाहट से भरे माहौल में बातचीत जारी रही। लेमन सिलेबब का मीठा व्यंजन खाने के दौरान ईया पेरिस के किस्सेसुनाने लगी और एक जगह तो उसने धाराप्रवाह फ्रेंच बोलनी शुरू कर दी। हम उसे घूरतेरहे और उसने हैरानी से हमें ताका फिर क्रिस्टियन ने उसे उतनी ही धाराप्रवाह फ्रेंच के बीच बताया कि वह क्या कर रही थी। फिर तो उसके गालों पर लाली आ गई और वह इस तरह खिलखिलाई कि हम भी अपनी हंसी नहीं रोक सके। हंसते-हंसते हमारे पेट दुखने लगे।

इलियट ने सिएटल के उत्तर में चल रही एक नई पर्यावरण मित्र समुदाय भवन परियोजना के बारे में बात की। मैंने केट की ओर झांका, वह तो उसके एक-एक शब्द को पी रही थी और उसकी आंखों में प्यार झलक रहा था या वासना–यह मैं अभी नहीं जानती क्योंकि मुझे अभी इनके बारे में जानना है। इलियट भी उसे देखकर ऐसे मुस्कुराया मानो कह रहा हो कि 'बाद में बेबी'। दोनों ने आंखों ही आंखों में कुछ बातें कर लीं। मैं उन्हें देखकर खिसिया गई।

मैंने आह भरी और अपने फिफ्टी शेड्स को देखा। मैं उसे सारी ज़िंदगी यूं ही निहार सकती थी। उसके चिबुक पर हल्की दाढ़ी उग आई थी और मेरी अंगुलिया उसे छूने के लिए मचल रही थीं। मैं उसे अपने शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर महसूस करना चाह रही थी। अचानक उसका हाथ आगे आया।

"अपने होंठ मत काटो। मैं ऐसा करना चाहता हूं।" वह हौले से बोला

ग्रेस और ईया हमारे बर्तन समेट रही हैं और तीनों पुरुष वाशिंगटन स्टेट में सोलर पैनलों के बारे में चर्चा कर रहे हैं। क्रिस्टियन को शायद मज़ा नहीं आया। उसने उठ कर मेरा हाथ थामा और बोला।

"चलो तुम्हें बाहर दिखा लाऊं?"

मुझे पता है कि मुझे हां कहना चाहिए पर मैं उस पर भरोसा नहीं करती। इससे पहले कि मैं जवाब देती, मुझे उसके साथ जाना पड़ा। उसकी आंखों में चमकती भूख साफ देखी जा सकती थी।

"माफ कीजिएगा!" मैंने मि. ग्रे से कहा और हम बाहर आ गए।

वह मुझे हॉल से किचन में ले गया। वह नौकरानी तो कहीं नहीं दिखी पर ग्रेस और ईया डिशवाशर में बर्तन लगा रही हैं।

"मैं एनेस्टेसिया को पिछला बरामदा दिखाने ले जा रहा हूं।" क्रिस्टियन ने बड़ी मासूमियत से अपनी मां से कहा। उन्होंने प्यारी सी मुस्कान दी और ईया ड्राईंग रूम में चली गई। हम पिछले बरामदे वाले इलाके में से निकले। वहां भूरे पत्थर के टबों में पौधे और बेलें लगी हैं और कोने में कुछ कुर्सियां लगाई गई हैं। क्रिस्टियन उस सारी जगह को पार कर उस ओर चला गया जहां पानी में खड़ी दो नौकाएं दिख रही हैं। वहां से सिएटल का नज़ारा भी बहुत प्यारा लग रहा है। जेट्टी के पास ही एक बोटहाउस है। यह सचमुच अद्‌भुत है।

उसने मझे खींचा और मेरे पांव घास में धंसने लगे।

"क्या हुआ? मैं हील पहनकर चल नहीं पा रही।"

उसने अचानक मुझे कंधों पर उठा लिया। मैं हैरानी से चिल्लाई तो एक धौल जमा दिया "आवाज़ धीमी करो। कोई सुन लेगा।" वह गुर्राया।

अरे नहीं! ये क्या बात हुई। पता नहीं जोस, जार्जिया, मेरा होंठ काटना... उसे किसी बात पर गुस्सा आया हुआ है।

"हम कहां जा रहे हैं?"

"बोटहाउस।"

मैं उसके नितंबों पर झूल रही हूं और वह मुझे कंधे पर लादे लॉन में चलता जा रहा है।

"क्यों?" मैंने हांफते हुए पूछा।

"मैं तुम्हारे साथ अकेले में कुछ पल बिताना चाहता हूं।"

"किसलिए?"

"क्योंकि मैं पहले तो तुम्हें फटकारूंगा और फिर हम शारीरिक संबंध बनाएंगे।"

"क्यों?" अब मैंने धीरे से पूछा।

"तुम जानती हो क्यों?" वह फुंफकारा।

"मुझे तो लगा था कि तुम वर्तमान में जीने वालों में से हो।"

"हां, एना मैं इस समय पूरी तरह से वर्तमान में हूं। मुझ पर भरोसा करो।"

हाय! अब क्या करूं!!

अध्याय 20

क्रिस्टियन ने बोटहाउस का लकड़ी का दरवाजा झटके से खोला और कुछ स्विचों के साथ उलझा रहा। पहले कुछ रंगीन और सफेद बत्तियों से सारा लकड़ी की बड़ी सी इमारत नहा गई। मैं अपनी उलटी हो चुकी दुनिया से एक सुंदर मोटरबोट देख सकती थी जो गहरे काले पानीमें खड़ी थी। इससे पहले कि मैं कुछ ज़्यादा देख पाती। वह मुझे सीढ़ियों से ऊपर ले गया।

वह दरवाजे के पास रुका और इस बार हैलोजन जला दिए। उनकी रोशनी थोड़ी मंद थी। हम ढलवां छत वाले प्यारे से केबिन में थे। यह न्यू इंग्लैण्ड थीम में सजाया गया था। लाल रंग के छींटों के साथ नीला और क्रीम!

सामान ज़्यादा नहीं है पर कुछ काउच ही दिख रहे हैं।

क्रिस्टियन ने मुझे वहां खड़ा कर दिया। मुझे आसपास देखने का समय तक नहीं मिला क्योंकि नज़रें उसी पर गड़ी थीं। उसे देखकर ऐसा लगा मानो कोई शिकारी अपने शिकार पर ताक लगाए बैठा हो। मुझे वहां तक उठाकर लाने की वजह से वह हांफ रहा था। उसकी भूरी आंखों में गुस्सा, ज़रूरत और वासना के भाव देखे जा सकते हैं।

ओह! इसकी तो नज़रें ही कातिल हैं।

"प्लीज़! मुझ पर हाथ मत उठाना।"

उसने अपनी पलकें सिकोड़ीं और दो बार झपकाईं।

"मैं नहीं चाहती कि तुम यहां मुझे मारो। मेरी बात को समझने की कोशिश करो।" उसका मुंह हैरानी से खुला रह गया और मैंने बहादुरी की सीमाओं से भी परे जाते हुए उसके गालों पर हाथ फिरा दिया। यह तो सख़्त और मुलायम का अजीब-सा मेल था। उसने आंखें बंद कर मेरे स्पर्श को महसूस किया और अचानक उसकी सांस जैसे गले में अटक गई। मैंने दूसरा हाथ आगे किया और उसके बालों में हाथ फिराया। मुझे उसके बाल पसंद हैं। उसकी हल्की कराह सुनाई भी नहीं दी। उसने आंखें खोलीं तो उनमें अलग से भाव दिखे, जैसे उसे मेरा बालों को छूना पसंद नहीं आया।

मैं आगे बढ़ी और उसे अपने पास खींच लिया। हम दोनों एक दूसरे के बाहुपाश में थे और गहरा चुंबन ले रहे थे। उसका स्वाद कितना दैवीय है।

उसने अचानक ही मुंह हटा लिया और हम दोनों ही उखड़ी सांसों पर काबू पा रहे हैं।

मेरे हाथ उसके बाजुओं पर जा टिके और उसने मुझे घूरा

"तुम मेरे साथ क्या कर रही हो?" वह उलझन के बीच फुसफुसाया।

"तुम्हें चूम रही हूं।"

"तुमने तो इंकार किया था।"

"क्या? इंकार कब किया?"

"खाने की मेज पर तुमने टांगें भींच कर इंकार किया था"

ओह! अब समझ आया।

"पर हम तुम्हारे घर में खाने की मेज पर थे।" मैंने उसे हैरानी से घूरा

"मुझे आज तक कभी किसी ने इंकार नहीं किया। मेरे लिए ये नई बात है। ये बड़ी हॉट है।"

उसकी आंखें वासना से दमक रही हैं। उसने अचानक एक ही झटके से मुझे अपनी ओर खींच लिया।

ओह!

"तुम मुझ से नाराज़ हो क्योंकि मैंने इंकार किया था और तुम्हारे उत्तेजित होने का भी यही कारण है?"

"मैं नाराज़ हूं क्योंकि तुमने मेरे सामने कभी जार्जिया का नाम नहीं लिया। मैं नाराज़ हूं क्योंकितुम उस लड़के के साथ बार गई, जिसने तुम्हें नशे में धुत होने के बाद चूमना चाहा और जब तुम बीमार हुई तो तुम्हें तकरीबन एक अजनबी के साथ छोड़कर चला गया। वह कैसा दोस्त है?मैं नाराज़ और उत्तेजित हूं कि तुमने मेरे स्पर्श पर अपनी टांगें कस कर भींच लीं।" उसकी आंखेंखतरनाक तरीके से चमक रही है। वह धीरे-धीरे मेरी पोशाक को ऊंचा उठाता जा रहा है।

"मैं तुम्हें चाहता हूं और अभी के अभी चाहता हूं। अगर तुम सज़ा की हकदार होने के बावजूद अभी ऐसा नहीं चाहतीं तो कोई बात नहीं पर तुम मुझे यहीं शारीरिक संबंध बनाने से नहीं रोक सकतीं। तुम्हारे शरीर पर मेरा हक है। मैं इसे कभी भी, कहीं भी ले सकता हूं। आज यह बस तुम्हारे नहीं केवल मेरे आनंद के लिए होगा।"

वह अचानक ही पलटा और उसकी अंगुलियां मेरे शरीर पर सरसराने लगीं और दूसरे हाथ ने कस कर थाम लिया।

"ये सब मेरा है...मेरा! तुम समझीं?" शरीर के निचले हिस्से में घूमती उसकी अंगुलियों की हरकत बढ़ती गई। मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा, मानो उछलकर बाहर आ जाएगा, नसों में खून का दौरा तेज़ हो गया

एक ही झटके में उसने मुझे काउच पर लिटा दिया और तैयार हो गया।

"हाथ सिर के ऊपर ले जाओ।" उसने दांत भींच कर कहा और कुछ ही क्षणों बाद वह अपनी ज़िद पूरी कर रहा था। बेशक पहले मैं तैयार नहीं थी पर उसके साथ ने मुझे रोमांचित कर दिया।

"हमें ज़्यादा समय नहीं मिलेगा। ये सब तुम्हारे लिए नहीं, मेरे लिए हो रहा है। शांत रहो वरना अच्छा नहीं होगा।"

ओह! मेरा क्रिस्टियन!

उसने मुझे पूरी तरह से अपने घेरे में ले लिया है। वह मुझ पर छाया हुआ है। मेरा दम घुट रहा है पर यही तो मेरी ताकत है। इसी से मुझे जीत का एक एहसास सा मिलता है। मेरा पूरा शरीर पिघलने के लिए तड़प रहा है पर आज वह मेरे लिए नहीं आया। उसके लौट आने के बाद भी मैं तड़प रही हूं।

वह बोला, "खबरदार! अपने-आप को हाथ मत लगाना। यही तुम्हारी सज़ा है। तुमने मुझसे बात नहीं की, जो मेरा है, उसे देने से इंकार किया।" उसकी आंखें गुस्से से दहक रही हैं।

"बेहतर होगा कि हम घर चलें।"

मैं बेसुध-सी उठ बैठी।

इसके बाद ही उसने मेरे अंतर्वस्त्र भी लौटा दिए। चलो यहां तो मेरी जीत हुई। मुझे उन्हें मांगना नहीं पड़ा।

तभी ईया की पुकार सुनाई दी। वह हमें खोजते हुए यहां तक आ गई थी।

"जल्दी करो।" वह खीझा।

मैंने जल्दी से खुद को संभाला और पूरे होश-हवास के साथ खड़ी हो गई। फिर मैंने अपने बिखरे बाल संवार लिए।

"हम यहां हैं।" वह बोला। "मिस स्टील! अभी सज़ा देना बाकी है।"

"मुझे नहीं लगता कि आपके इस अचानक हमले के बाद भी मैं सज़ा की हकदार बनती हूं।"

"अचानक हमला? पहले तुमने ही तो मुझे चूमा था?"

"यह तो मेरे बचाव का तरीका था।"

"किससे बचाव?"

"तुम और तुम्हारे सख्त हाथ।"

वह अपनी गर्दन एक ओर मोड़कर मुस्कुराया और ईया सीढ़ियां चढ़ती वहीं आ गई।

"पर ये बर्दाश्त के अंदर था।" उसने हौले से कहा।

मैं कुछ कहती पर इससे पहले ईया आ गई।

"ओह! तुम दोनों यहां हो।"

"मैं एना को आसपास दिखा रहा था।" क्रिस्टियन ने अपना हाथ आगे कर दिया। मैंने उसका हाथ थामा तो उसने उसे दबा दिया।

"केट और इलियट जा रहे हैं। क्या तुम यकीन कर सकते हो? वे तो एक-दूसरे को एक पल के लिए भी नहीं छोड़ पा रहे। तुम दोनों यहां क्या कर रहे थे?"

"ओह! ये तो बहुत खुली हुई है।" मैं शर्म से लाल हो गई।

"मैं एनेस्टेसिया को अपनी ट्रॉफियों की कतारें दिखा रहा था। क्रिस्टियन ने बिना किसी घबराहट के कहा। आओ केट और इलियट को विदा दें।"

मैं कमरे को गौर से देखने लगी और ईया के आगे जाते ही वह बोला–"मैं यह सब फिर से करूंगा। बहुत जल्दी।" उसने कान में कहा और मुझे पीछे से बांहों में लेते हुए चूम लिया।

घर में केट और इलियट सबसे विदा ले रहे थे। केट ने मुझे कस कर गले लगाया।

"मैं तुझसे इस चिड़चिड़े बादशाह से बैर के बारे में बात करना चाहती हूं।" मैंने उसके कान में कहा

"उसके साथ यही करना होगा और फिर तू देखना कि उसे क्या पसंद है। एना! संभल कर रहना। इसे बंदों पर काबू करने का बड़ा शौक है।" वह बोली

मैं जानती हूं कि उसे सचमुच क्या पसंद है। तू कुछ नहीं जानती।

मैं मन ही मन उस पर झल्लाई। बेशक वह मेरे भले की बात करती है पर कभी-कभी सीमाएं लांघ जाती है और इस समय तो वह सीमा पार कर पड़ोसी राज्य में चली गई है। मैंने उसे तेवर दिखाए तो उसने जीभ निकाल कर दिखा दी और मैं मुस्कुरा दी। केट तो ऐसी आनंदी नहीं थी; बेशक इलियट का असर है। हम उन्हें दरवाजे तक छोड़कर आए और क्रिस्टियन मेरी ओर मुड़ा–"हमें भी चलना चाहिए। कल तुम्हारे इंटरव्यू हैं।"

हमने सबसे अलविदा ली तो ईया ने बड़े प्यार से बांहों में भर लिया।

"हमने कभी सोचा भी नहीं था कि वह अपने लिए कोई लड़की खोज लेगा।" वह बोली।

मैं शरमा गई और क्रिस्टियन ने फिर से आंखें नचाई। मैंने अपने होंठ भींच लिए। जब मैं ऐसा नहीं कर सकती तो वह क्यों कर सकता है? मैं भी आंखें मटकाना चाहती हूं पर हिम्मत नहीं पड़ती, कम से कम बोटहाउस वाली धमकी के बाद तो बिल्कुल भी नहीं।

"एना डियर! अपना ख़्याल रखना।" ग्रेस ने दुलार से कहा

क्रिस्टियन ग्रे परिवार की ओर से मुझे मिल रहे ध्यान से शर्मिंदा या कुंठित दिखा और मुझे हाथ से अपनी ओर खींच लिया।

"इसको लाड-प्यार से बिगाड़ो मत।" क्रिस्टियन बोला।

"क्रिस्टियन! तुम ज्यादा मत बोलो।" ग्रेस ने बड़े ही दुलार से उसे फटकारा। वह झुका और उन्हें चूम लिया। बेशक मां-बेटे का नाता ही ऐसा होता है। मां की डांट में भी प्यार ही छिपा होता है।

"मि. ग्रे! अलविदा और धन्यवाद।" मैंने अपना हाथ आगे किया और उन्होंने भी मुझे बांहों में भर लिया।

"प्लीज़! मुझे कैरिक कहो। उम्मीद करता हूं कि अगली मुलाकात जल्द ही होगी।"

फिर हम कार की ओर बढ़े। जहा टेलर इंतज़ार करता दिखा। क्या वह तब से यहीं था? टेलर ने दरवाजा खोला और मैं ऑडी में बैठ गई। ऐसा लगा कि कधो से एक भार-सा उतर गया। मै शारीरिक व भावात्मक रूप से पस्त हुई पड़ी हूं। टेलर से बातचीत के बाद क्रिस्टियन ने सीट से पीठ टिका ली। उसने अपना चेहरा मेरी ओर घुमाया।

"हां! लगता है कि मेरे परिवार को भी तुम पसंद आ गई हो।"

भी? मुझे बुलावा क्यों दिया गया था, यह याद आते ही मेरा मन दुखी हो गया। मैंने उसे देखा तो वह हैरानी से देखने लगा।

"क्या हुआ?"

पहले तो मैं हिचकी, पर नहीं, मैं उसे ज़रूर बताऊंगी। वह हमेशा यही उलाहना देता है कि मैं खुलकर बात नहीं करती।

"मुझे लगता है कि तुम फंस गए थे इसलिए मुझे भी डिनर पर ले जाना पड़ा। अगर इलियट केट को न ले गया होता तो शायद तुम भी मुझे कभी न ले जाते।"

मैं अंधेरे में उसका चेहरा नहीं देख सकी पर उसने गर्दन एक ओर झुका ली। "एनेस्टेसिया! मुझे खुशी है कि तुम मेरे माता-पिता से मिलीं। तुम हमेशा अपने-आप को लेकर संदेहों से क्यों घिरी रहती हो? मैं तो यह देख-देखकर हैरान होता रहता हूं। तुम एक मजबूत और अपने-आप में एक भरपूर युवती हो पर खुद के लिए इतनी नकारात्मक सोच क्यों? अगर मैं तुम्हें उनसे न मिलवाना चाहता तो तुम यहां न होतीं। तुम जितना समय वहां रहीं, क्या यही महसूस करती रहीं।"

ओह! वह मुझे वहां चाहता था... ये तो खबर है। अगर वह सच छिपा रहा होता तो बेशक पता चल जाता। वह झूठ नहीं बोल रहा। उसे मेरे वहां जाने से खुशी हुई है। मेरा पूरा शरीर जैसे राहत से पसर गया। उसने सिर हिलाया और मेरा हाथ थाम लिया। मैंने टेलर की ओर देखा।

"टेलर की चिंता मत करो। मुझसे बात करो।"

मैंने कंधे झटके।

"हां। मुझे ऐसा लगा। वैसे केट बारबाडोस की बात कर रही थी इसलिए मैंने जार्जिया का नाम ले दिया। मैंने अभी तय नहीं किया है।"

"क्या तुम मॉम से मिलने जाना चाहती हो?"

"हां"

उसने मुझे ऐसा देखा मानो मन ही मन कोई जंग लड़ रहा हो।

"क्या मैं साथ आ सकता हूं?"

"क्या!"

"नहीं...ये ठीक नहीं रहेगा।"

"क्यों?"

"मुझे नहीं लगता कि ऐसा होना चाहिए।"

"मैं चाह रही थी... इन सब बातों से परे होकर कुछ सोचने के लिए समय निकालूं।"

उसने मुझे घूरा।

"क्या आप मुझसे इतना डरती हैं?"

"हां, इससे कहीं ज़्यादा।"

"क्या आप मेरा मज़ाक उड़ा रही हैं?"

"नहीं मि. ग्रे, मेरी इतनी मज़ाल"

"नहीं, मुझे अकसर ऐसा लगता है कि तुम मेरा माखौल उड़ा रही हो।"

"तुम बड़े ही मज़ेदार हो?"

"मैं मज़ेदार?"

"हां"

"मज़ेदार अजीब इंसान या हंसाने वाला इंसान"

"ओह! ज़्यादा तो अजीब वाला ही और थोड़ा हंसाने वाला।"

"अच्छा जी!"

"हां, जी। बाकी आप खुद पता कर लो।"

"एनेस्टेसिया! जब तुम आसपास होती हो तो मैं कुछ भी नहीं कर सकता। तुम जार्जिया जाकर क्या सोचना चाहती हो?"

"हमारे बारे में।" मैं हौले से बोली।

उसने मुझे बेलाग नज़रों से देखा।

"तुमने कहा था कि तुम कोशिश करोगी।" वह बुदबुदाया।

"मैं जानती हूं।"

"क्या तुम दोबारा सोचना चाह रही हो?"

"शायद?"

उसने बेचैनी से पहलू बदला।

"क्यों?"

हाय! हमारे बीच इतनी तनाव और अर्थपूर्ण बात क्यों होने लगी? ऐसा लग रहा है कि मैं उस परीक्षा में हूं, जिसकी मैंने तैयारी तक नहीं की। क्या कह सकती हूं? क्योंकि मुझे लगता है कि मैं तुम्हें प्यार करती हूं और तुम मुझे एक खिलौना समझते हो। क्योंकि मैं तुम्हें छू नहीं सकती क्योंकि तुम्हें प्यार दिखाने से भी डरती हूं कि कहीं तुम झटक न दो या हाथ न उठा दो? और क्या कह सकती हूं।

मैं एक पल के लिए खिड़की से बाहर ताकती रही। कार पुल के रास्ते से लौट रही है। हम अंधेरे में डूबे अपनी ही सोच में मग्न हैं।

"क्यों एनेस्टेसिया?" उसने मुझे टोका।

मैंने कंधे झटके। मैं उसे खोना नहीं चाहती। उसकी सारी मांगों, उसकी नियंत्रण में रखने की इच्छा और डरावने दुर्गुणों के बावजूद उसे खोना नहीं चाहती। मैंने आज तक स्वयं को इतना जीवंत कभी नहीं पाया। उसके साथ बैठना ही कितना रोमांचक है। उसके बारे में कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता। वह सेक्सी, मज़ाकिया, स्मार्ट और हंसोड़ है। उसने कहा कि वह मेरी सीमाओं का ख्याल रखेगा पर फिर भी मुझे डर लगता है। पर उसके मूड... वह मुझे चोट पहुंचाना चाहता है। मैं डरी हुई हूं। मैंने आंखें बंद कर लीं। मैं क्या कह सकती हूं? अंदर ही अंदर मैं अपने लिए और स्नेह और आनंदी क्रिस्टियन और ज़्यादा प्यार चाहती हूं।

उसने मेरा हाथ दबा दिया।

"एनेस्टेसिया मुझसे बात करो। मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता। यह पिछला सप्ताह...।"

हम पुल के आखिरी छोर पर आ गए हैं और चारों ओर निऑन प्रकाश बिखर गया है। बेशक इस अंधेरे उजाले से इस इंसान की तुलना की जा सकती है। कभी जिसे मैंने अपना रोमानी हीरो, एक बहादुर राजा माना था। वह तो गहरे, गंभीर भावात्मक दोषों के साथ मुझे भी अंधेरे में खींच ले जाना चाहता है। क्या मैं इसे प्रकाश की ओर नहीं ले जा सकती?

"मैं अब भी और चाहती हूं।" मैंने हौले से कहा।

"मैं जानता हूं। मैं कोशिश करूंगा।"

मैंने उसे देखकर पलकें झपकाईं और उसने मेरे होंठों को दांतों की कैद से आज़ाद कर दिया।

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हारे लिए कोशिश करूंगा।"

और मुझे अपने लिए सहारा मिल गया। मैंने सीट बेल्ट खोली और उसकी गोद में लपक गई। वह भौंचक्का रह गया। उसके सिर के आसपास अपनी बांहें लपेट कर मैंने एक गहरा चुंबन दिया और एक ही पल में वह मेरे साथ था।

"आज रात मेरे पास रहो। अगर तुम चली गई तो मैं पूरा सप्ताह नहीं मिल सकूंगा।" उसने कहा।

"हां! मैं भी कोशिश करूंगी। मैं तुम्हारे अनुबंध पर भी हस्ताक्षर करूंगी।" और मैंने एक पल में ही यह निर्णय ले लिया।

"जार्जिया से आने के बाद हस्ताक्षर करना। बेबी! इस बारे में अच्छी तरह सोचना।"

"मैं सोचूंगी।" और एक-दो मील तक हम शांत बैठे रहे।

"तुम्हें सीट बेल्ट लगा लेनी चाहिए।" उसने कहा पर मुझे अपनी गोद से हटाने की कोशिश भी नहीं की।

मैंने उससे अपनी नाक रगड़ी और सेक्सी क्रिस्टियन के साथ-साथ उसके मस्क बॉडी वाश की गंध भी मेरे सिर तक जा पहुंची। मैंने अपने दिमाग को भटकने दिया। उसे इस फैंटेसी में खोने दिया कि हां, वह मुझसे प्यार करता है। बेशक अंदर बैठी सयानी लड़की के लिए इन बातों पर यकीन करना मुश्किल है और वह बार-बार एक ही बात कह रही है कि मुझे ऐसी कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिए। मैंने खुद को उसकी छाती से परे रखा पर उसकी बाजुओं से सिर टिकाकर बैठी रही।

जल्दी ही मैं अपने सपने से जगी।

"हम घर आ गए।" क्रिस्टियन हौले से बोला।

घर क्रिस्टियन के साथ! वैसे उसका अपार्टमेंट एक घर नहीं आर्ट गैलरी है।

टेलर ने हमारे लिए दरवाजा खोला और मैं यह सोचकर लजा गई कि उसने हमारी बातें सुनी होंगी पर उसके चेहरे पर दया से भरी, तसल्ली देने वाली मुस्कान है। बाहर आते ही क्रिस्टियन ने मुझे घूरा। ओह! अब मैंने क्या कर दिया?

"तुम्हारी जैकेट कहां है?" उसने अपनी जैकेट उतारकर मेरे कंधों पर डाल दी।

वह तो मेरी नई गाड़ी में है।"

मुझे बड़ी राहत मिली।

उसने तिरछी मुस्कान दी।

"थक गईं। मिस स्टील!"

"हां, मि. ग्रे। आज मेरे साथ जो-जो हुआ, वह कभी सोचा तक नहीं था।"

"वैसे मैं तो कुछ और की भी उम्मीद लगाए बैठा था।" वह मुझे इमारत में ले गया। हाए! एक बार फिर से।

मैंने लिफ्ट में उसकी ओर ताका। मैंने तो मान लिया था कि वह मेरे साथ सोना पसंद करेगा पर फिर मुझे याद आया कि वह किसी के साथ नहीं सोता, हालांकि वह मेरे साथ कुछ बार सो चुका था। मैंने त्योरी चढ़ाई और उसकी नज़रें गहरा गईं। उसने मेरे चिबुक को पकड़ा और दांतों में दबे होंठ को आज़ाद कर दिया।

"एक दिन इसी लिफ्ट में...। वैसे अभी तो तुम्हें सोना चाहिए।"

हमने एक बार फिर से गहरा चुंबन लिया और वहां से बाहर आते ही वह मुझसे बोला

"क्या तुम ड्रिंक लेना चाहोगी?"

"नहीं।"

"चलो बिस्तर पर चलें"

"क्या तुम आज फिर से पुराने वनीला को आज़माने जा रहे हो।"

"नहीं, वनीला कोई पुराना नहीं है। उसका भी अपना ही स्वाद है।"

"कब से?"

"पिछले शनिवार से। क्यों? क्या तुम कुछ और खास की उम्मीद में थीं?"

मेरे अंदर बैठी लड़की ने मुंडेर से मुंह ऊपर उठाया।

"अरे नहीं! आज के लिए बहुत हो गया है।" उसने मुंह बनाया मानो निराश हो गई हो।

"पक्का? वैसे यहां सारे स्वाद मिलते हैं। कम से कम 31 तो होंगे ही।" वह मुस्कुराया।

"मैंने देखा है।"

उसने एक ओर गर्दन हिलाई। आओ एनेस्टेसिया! तुम थकी हुई हो। जितनी जल्दी हम अपना आनंद लेंगे, उतनी जल्दी तुम सोने जा सकोगी।"

"मि. ग्रे आप तो जन्मजात रोमांटिक लगते हैं।"

"मिस स्टील! आप बहुत बोलती हैं। मुझे इसका कोई न कोई इंतज़ाम करना ही होगा।"

हम उसके बेडरूम में गए और उसने दरवाजा बंद कर दिया।

फिर किसी जादूगर की तरह उसने मेरे हाथ हवा में करवाए और पोशाक को मुझसे अलग कर दिया।

तारा-रा... उसने करतब दिखाते हुए कहा

मैं खिलखिलाई और तालियां बजाईं। वह मुस्कुराते हुए झुका। जब वह इतने अच्छे मूड में हो तो मैं पीछे कैसे रह सकती हूं? उसने वहीं कुर्सी पर मेरी पोशाक रख दी।

"और तुम्हारा अगला करतब?"

"ओह मिस स्टील! मेरे पलंग पर जाओ।"

"पर मैं अगर कुछ और चाहूं तो?"

"कुछ और?"

वह हैरानी में था-"तुम कुछ और क्या चाहती हो?"

"मैं चाहती हू कि तुम मुझसे प्यार करो।"

उसने यह सुनते ही अपने दोनों हाथ बालों में घुमाए।

बेशक! उसे सुन कर अच्छा नहीं लगा।

"एना......मैं। वह परेशान दिखा।"

"मैं तुम्हें छूना चाहती हू।"

वह मुझसे एक कदम पीछे हट गया।

"प्लीज! मैं हौले से बोली"

उसने खुद को संभाला। "अरे नहीं! मिस स्टील आज शाम तुम मुझसे बहुत छूट ले चुकी हो और अब मैं इंकार कर रहा हूं।"

"नहीं?"

"नहीं"

ओह! मैं इस बारे में बहस नहीं कर सकती......क्या कर सकती हूं?

"देखो। तुम थकी हुई हो। मैं भी थका हुआ हूं। चलो बिस्तर पर चलें।" उसने मुझे सावधानी से देखते हुए कहा।

"तो छूना तुम्हारे लिए एक कठोर सीमा है।"

"हां। ये तो पुरानी बात है।"

"पर मुझे बताओ कि ऐसा क्यों?"

"ओह एनेस्टेसिया! प्लीज़। अब बात खत्म करो।"

"यह मेरे लिए मायने रखता है।"

वह बालों में हाथ फिरा कर मन ही मन जाने क्या बुदबुदाया।। उसने दराज खोल कर एक टी-शर्ट निकाली और मेरी ओर उछाल दी। मैंने उसे पकड़ लिया।

"इसे पहनो और पलंग पर आओ।" वह खीझ कर बोला।

"मुझे वाशरूम जाना है।"

वह त्योरी चढ़ा कर बोला–"यह भी पूछ कर जाओगी?"

"अर...नहीं।"

"एनेस्टेसिया! तुम्हें पता है कि वह किस ओर है। आज हमारे इस विचित्र प्रबंध के बीच तुम्हें इस काम के लिए पूछने की ज़रूरत नहीं है। उसने अपनी शर्ट उतारी और मैं अंदर चली गई।

मैंने खुद को लंबे शीशे में निहारने के बाद पाया कि मैं तो वैसी ही दिखती हूं। आज इतना सब करने के बाद भी मेरे सामने वही साधारण सी लड़की खड़ी है। तुमने क्या उम्मीद की थी–तुम्हारे दो सींग और एक पूंछ निकल आई होगी। सयानी लड़की ने तीर चलाया। और तू ये सब कर क्या रही है? उसके लिए छूना कठोर सीमा है और तू कुछ ज़्यादा ही तेजी दिखा रही है। उसे दौड़ने से पहले चलने तो दे। सयानी लड़की गुस्से से पगलाई पड़ी है। उसके बाल बिखरे हैं और हाथों की मुटिठ्यां भिंची हैं। मैंने उसे अनदेखा किया पर हटने को राजी नहीं है। तू उसे नाराज़ कर रही है। उसने जो भी कहा, उसकी बातों पर गौर कर। मैं अपने ही प्रतिबिंब को तेवर दिखाए। मुझे उसे स्नेह देना होगा। शायद बदले में वह तभी यह दे सकेगा।

मैंने सिर हिलाया और उसका टूथब्रश उठा लिया।

बेशक मैं ज़्यादा ही जल्दी दिखा रही हू। सयानी लड़की ने गलत नहीं कहा। हम दोनों में से अभी कोई तैयार नहीं है। हम दोनों अपने इस विचित्र अनुबंध के सी-सॉ झूले पर संतुलन साधे बैठे हैं। हम दोनों को थोड़ा-थोड़ा खिसक कर बीच में आना होगा। कहीं हम दोनों में से कोई गिर न जाए। ये बस इतना जल्दी हो रहा है कि शायद मुझे थोड़ी दूरी चाहिए। जार्जिया का उपाय बेहतर है। मैं ब्रश कर ही रही थी कि उसने दरवाजा खटखटाया।

"आओ।" मैंने मुंह में पेस्ट भरे-भरे कहा।

क्रिस्टियन अपने उसी पजामें में खड़ा है, जिसे देखते ही मेरा रोम-रोम उसे देखने के लिए तड़प उठता है। उसकी छाती को देखकर मैं ऐसे घूरने लगी मानो किसी प्यासे को ठंडा पहाड़ी झरना मिल गया हो। वह मेरे साथ आकर खड़ा हो गया। मैंने उसे ब्रश वापिस किया और उसने उसे अपने मुंह में डाल लिया। मैंने उसे घूरा और उसकी आंखों में शरारत नाचने लगी।

"तुम कभी भी मेरा ब्रश उधार ले सकती हो।"

"धन्यवाद सर!" मैं प्यार से मुस्कुराई और पलंग पर चली गई।

कुछ ही मिनट बाद वह भी आ गया।

"वैसे मेरे हिसाब से आज की रात ऐसी होने वाली नहीं थी।"

"जरा सोचो! अगर मैं कहूं कि तुम मुझे छू नहीं सकते"

वह पलंग पर चढ़ा और टांगें मोड़ कर बैठ गया।

"एनेस्टेसिया! मै तुम्हें बता चुका हूं। फिफ्टी शेड्स। मैंने अपनी ज़िंदगी में बड़ी खराब शुरुआत पाई है और तुम वह सब क्यों सुनना चाहती हो? तुम क्यों सुनना चाहोगी?"

"क्योंकि मैं तुम्हें और बेहतर तरीके से जानना चाहती हूं।"

"तुम मुझे पहले से ही बेहतर जानती हो"

"तुम ऐसा कैसे कह सकते हो?" मैं घुटनों के बल बैठी और उसकी आंखों में आंखें डाल कर कहा

उसने बड़ी कुंठा से आंखें नचाई।

"तुम अपनी आंखें नचा रहे हो। पिछली बार मैंने ऐसा किया था तो तुमने मेरी अच्छी फटकार लगाई थी।"

"ओह! मैं तो अब भी वही करना चाहूंगा।"

मुझे एक प्रेरणा मिल गई।

"ठीक है, पहले कारण बताओ। फिर तुम ऐसा कर सकते हो।"

"क्या?"

"तुमने सुना नहीं?"

"तुम सौदेबाजी कर रही हो?" उसकी आवाज़ में हैरानी का पुट था।

मैंने हामी भरी। "हां, यही समझ लो"

"सौदेबाजी"

"एनेस्टेसिया! ऐसे तो नहीं चलेगा।"

"अच्छा! मैं तुम्हें देखकर आंखें नचाऊंगी।"

वह हंसा और मुझे एक बार फिर से उन्मुक्त और बेपरवाह क्रिस्टियन की छवि देखने का मौका मिला। काफी समय से उसे ऐसे नहीं देखा।

"जानकारी पाने के लिए हमेशा अधीर रहती हो?"

उसने मुझे घूरा और फिर बोला।

"यहीं रहना। मैं अभी आया।"

मैंने घबराहट के मारे खुद को गले से लगा लिया। वह क्या करने जा रहा है? क्या उसके दिमाग में कोई दुष्ट योजना है? ओह! शायद वह कोई छड़ी या फिर अजीब सा दिखने वाला उपकरण लेकर लौटे? तब मैं क्या करूंगी? जब वह आया तो उसके हाथों में छोटी-सी चीज़ थी। मैं उसे देख नहीं सकती और मैं कौतूहल से मरी जा रही हूं।

"कल तुम्हारा पहला इंटरव्यू कितने बजे है?" उसने कोमलता से पूछा।

"दो बजे।"

चेहरे पर दुष्टता से भरी मुस्कान तैर गई।

अचानक ही उसके भाव बदल गए। ये तो डॉमिनेंट क्रिस्टियन है..

मेरा होने वाला मालिक..

"पलंग से उतरो और नीचे खड़ी हो जाओ।"

मैं एक झटके में नीचे आ गई। उसने मुझे गहराई से घूरा और बोला–"भरोसा करती हो?"

मैंने हामी भरी। उसने हाथ फैलाया। उसकी हथेली पर दो चमकदार रूपहले बॉल हैं जो एक मोटे काले धागे से जुड़े हैं।

"ये नई चीज़ है।"

मैंने उसे सवालिया निगाहों से देखा।

"मैं इन्हें तुम्हारे अंदर रखने जा रहा हूं और फिर मैं तुम्हें नितंबों पर चपत लगाऊंगा। ये बस सज़ा के लिए नहीं बल्कि मेरे और तुम्हारे आनंद के लिए होगा।" वह मेरी प्रतिक्रिया जानने के लिए रुका।

"मेरे अंदर!" मैंने थूक गटका। पेट की मांसपेशियों में अजीब-सी ऐंठन होने लगी। भीतर बैठी लड़की सातवें आसमान पर है।

"फिर हम आपस में संबंध बनाएंगे और अगर तुम जागती रहीं तो मैं तुम्हें अपने जीवन के शुरुआती सालों के बारे में जानकारी दूंगा। मंजूर?"

वह मेरी इजाज़त मांग रहा है? मैंने बेसुधी में हामी दे दी।

"गुड गर्ल। अब अपना मुंह खोलो"

"मुंह?"

"चौड़ा खोलो?"

उसने धीरे से वे गोलियां मेरे मुंह में डाल दी।

"इन्हें चूसो और अपने थूक से गीला कर दो।"

वे गोलियां ठंडी और मुलायम हैं और किसी धातु की गंध आ रही है। मेरे मुंह की लारके बीच वे गोलियां घूम रही हैं। क्रिस्टियन की आंखें एक पल के लिए भी मेरे ऊपर से नहीं

हटीं। ये सब तो काफी हॉट होता जा रहा है।

"एनेस्टेसिया! हिलो मत।" उसने चेताया

फिर उसने वे गोलियां मेरे मुंह से निकाल लीं और पलंग के छोर पर जा बैठा।

"यहां आओ।"

"अब मुड़ो और नीचे झुक कर अपने टखने पकड़ लो।"

मैंने उसे देखकर पलकें झपकाईं और उसके चेहरे के भाव गहरा गए।

"संकोच मत करो।" उसने मुझे प्यार से लताड़ा। फिर वे गोलियां उसने अपने मुंह में डाल लीं और उन्हें लार में तर करने लगा। ओह! ये सब तो एक टूथब्रश इस्तेमाल करने से भी ज़्यादा सेक्सी होता जा रहा है।

मैं हैरान हूं कि मेरे शरीर में इतनी लोच है? उसने धीरे से वे गोलियां मेरे भीतर सरका दीं। एक के बाद एक करके भीतर जा रही उन गोलियों का तापमान हमारे मुंह की लार के कारण गर्म हो गया था। अब मैं उन्हें महसूस तो नहीं कर पा रही पर जानती हूं कि वे मेरे अंदर हैं।

उसने हुक्म दिया। "खड़ी हो जाओ"

ओह! अब मैं उन्हें महसूस कर सकती हूं।

"तुम ठीक हो"

"हां"

"मुड़ो"

मेरे मुड़ते ही उन गोलियों की हरकत महसूस हुई और मैंने उन्हें अंदर ही अंदर भींच लिया।

"कैसा लग रहा है?"

"अजीब"

"अच्छा अजीब या बुरा-सा अजीब?"

"अच्छा पर अजीब।" मैंने शरमाते हुए कहा।

"जाओ! मेरे लिए एक गिलास पानी ले आओ"

ओह!

"तुम आओगी तो हम आगे की कारवाई करेंगे।"

"पानी? वह मुझसे इस समय पानी क्यों मंगा रहा है?

कमरे से निकलते ही समझ आ गया कि उसने पानी क्यों मांगा था। मैं चलने लगी तो वे गोलियां मेरे जिस्म के अंदर मालिश सी करने लगीं। ये एक अजीब-सा एहसास था। हालांकि इसे पूरी तरह से बेकार भी नहीं कह सकते थे। कुछ ही देर में मुझे समझ आ गया कि उन्हें रखने के बाद मेरे भीतर की प्यास बढ़ती जा रही थी। बेशक उनका मकसद यही था कि शरीर को सेक्स के लिए तैयार किया जा सके।

मैं लौटी तो उसने मुझे ध्यान से देखा।

"धन्यवाद!" उसने मुझसे गिलास लेते हुए कहा।

फिर धीरे से एक घूंट भरा और उसे मेज पर रख दिया। वहां एक फॉयल पैकेट पड़ा दिखा, वह भी मेरे जैसे पूरी तरह तैयार था। मैं जानती थी कि उस प्यास को और जगाने के लिए ही यह देर की जा रही थी। उसने मुझे अपनी भूरी आंखों से देखा तो दिल जैसे धड़कना ही भूल गया।

"आओ! मेरे पास बैठो। जैसे पहले बैठी थीं।"

इस बार तो मेरी उत्तेजना का अंत नहीं है। मेरा पूरा शरीर उसके इंतज़ार में है।

"मुझसे कहो।"

मैंने त्योरी चढ़ाई–"क्या कहूं?"

"मुझसे कहो।" इस बार आवाज़ में कड़ाई थी।

क्या? पानी ठीक था? या वह चाहता क्या है?

"एनेस्टेसिया, मुझसे पूछो। मैं दोबारा नहीं कहूंगा।" उसके शब्दों की धमकी ने मुझ पर सीधा असर दिखाया। वह चाहता है कि मैं उसे कहूं कि वह मुझे मारे।

हाय! ये क्या? वह मुझे उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है।

"सर! प्लीज! मेरी पिटाई लगाएं।" मैं हौले से बोली।

उसने एक पल के लिए आंखें बंद कीं और मेरे शब्दों का स्वाद लिया। फिर अपने बाएं हाथ के झटके से मुझे गोद में गिरा लिया। फिर उसके हाथ मुझे सहलाने लगे। इस बार उसने मुझे अपनी टांगों के नीचे दबाया नहीं है। उसने मेरे बाल कानों के पीछे किए। उन्हें गर्दनपर इकट्ठा कर हाथ से पकड़ा और सिर ऊंचा करते हुए कहा। मैं चाहता हूं कि जब मैं तुम्हें मारूं तो तुम्हारा चेहरा दिखाई दे।"

"एनेस्टेसिया! यह सब मेरे और तुम्हारे आनंद के लिए है।"

उसके हाथ मेरे शरीर से खेलने लगे। फिर उसने अचानक मुझे जोर से चपत दे मारी। मैं दोनों तरह के भावों के बीच झूल रही हूं। उसके हाथों का सहलाना और मारना...उसने मुझे इस बार पिछली बार की तरह तेज़ी से नहीं मारा। उसने मुझे सहलाया और फिर से पीछ दे मारा।

उसने एक तरह का ढांचा सा बना लिया। पहले बाएं से दाएं और फिर नीचे की ओर इस दौरान वह मुझे बार-बार सहला भी रहा था। गोलियों की सनसनाहट ही काफी नहीं थीकि यह सब अपना असर दिखाने लगा। बेशक यह तो कामात्तेजक है। चूंकि यह सब मेरी मर्जी से हो रहा था इसलिए मैंने थोड़े-बहुत दर्द की परवाह भी नहीं की। दर्द तो है पर सहन किया जा सकता है। हां, मैं उसका साथ दे सकती हूं। उसकी छुअन से मेरा पूरा शरीर कांप रहा है।

"एनेस्टेसिया! तुम अच्छी लड़की हो।" उसकी सांसें उथली हो आई हैं।

उसने मुझे दो बार और मारा और वे गोलियां धागे से बाहर खींच लीं। यह एहसास शब्दों में नहीं कहा जा सकता। हमारे शारीरिक संबंधों के दौरान दोनों को ही सुख की चरम सीमा तक पहुंचने में देर नहीं लगी। उसने बड़े ही दुलार से मेरा नाम लिया।

"एना!"

वह चुपचाप मेरे साथ लेटा हांफ रहा था।

मुझे अच्छा लगा।" उसने हौले से कहा और मेरा माथा चूम लिया।

उसने मुझे कंबल से ढका और बाथरूम में चला गया। जब वह आया तो उसके हाथ में एक सफेद लोशन की बोतल थी। वह मेरे पास पलंग पर बैठ गया।

"घूम जाओ।" मैंने वही किया जो कहा गया था।

"तुम्हारे नितंबों का रंग देखने लायक है।" उसने कहा और उस ठंडे से लोशन से मालिश करने लगा।

"मुझे नींद आ रही है पर अपनी शर्त पूरी करो"

"ओह मिस स्टील! तुमसे तो पार पाना मुश्किल है।"

उसने आह भरी और मुझे बांहों में ले लिया। एक बार फिर से मैं उसकी ओर पीठ करके लेटी हूं। उसे इसी तरह पसंद है। उसने मेरे कान के पास चूमकर कहा।

"एनेस्टेसिया! जो औरत मुझे इस जिंदगी में लाई वह एक वेश्या थी। तुम सो जाओ।" हैं? वह कहना क्या चाहता है?

"थी?"

"वह मर चुकी है।"

"कब?"

उसने आह भरी।

"जब मैं चार साल का था। मुझे उसके बारे में कुछ याद नहीं। कैरिक ने ही थोड़ा-बहुत बताया था। बस कुछ खास बातें ही याद हैं। तुम सो जाओ।"

"गुडनाइट क्रिस्टियन!"

"गुडनाइट एना!"

मैं जल्द ही गहरी नींद में खो गई और भूरी आंखों वाले चार साल के बच्चे को सपने में देखा, जो किसी अंधेरी, डरावनी और भयंकर जगह में खड़ा था।

अध्याय 21

चारों ओर रोशनी फैली हुई थी। तेज़, गरमाहट से भरी तीखी रोशनी...। मैंने कुछ और कीमती पलों तक उसे अपने से परे रखने की कोशिश की पर चमक इतनी ज़्यादा है कि मुझे जागना ही पड़ा। एक शानदार रोशनी से जगमगाते सिएटल ने मेरा स्वागत किया। पूरी खिड़कियों से आने वाली रोशनी कमरों में पसरी हुई है। हमने कल रात खिड़कियां बंद क्यों नहीं कीं? मैं क्रिस्टियन ग्रे के विशाल पलंग पर उसके बिना लेटी हूं।

मैं कुछ पल वहीं लेटी खिड़कियों से सिएटल के आकाश को घूरती रही। बादलोंकी दुनिया कितनी अवास्तविक लगती है। एक फैंटेसी-ज़मीन से ऊंचा उठा हुआ, हवा में खड़ा एक किला-ज़िंदगी की हकीकतों से कहीं परे-भूख, उपेक्षा और दुष्ट मान्यताओं से कहीं परे!! मैं सोचने लगी कि एक बालक के रूप में उसका जीवन कैसा रहा होगा। मैं समझ सकती हूं कि वह यहां इस आलीशान कला के नमूने में सुंदरकलाकृतियों से घिरा अकेला क्यों रहता है? वह उस दुनिया से बहुत दूर है, जहां से चला था। मैंने त्योरी चढ़ाई क्योंकि अभी तक समझ नहीं आया कि वह अपने-आप को मुझे छूने क्यों नहीं देता।

मैं भी खुद को इस किलेनुमा घर में बड़ा अजीब महसूस कर रही हूं। मैं हकीकत से परे हूं। मैं इस फैंटेसी घर में अपने फैंटेसी पुरुष मित्र के साथ फैंटेसी सेक्स का आनंद ले रही हूं। हालांकि हकीकत यह है कि वह मुझसे एक बेहूदे अनुबंध पर हस्ताक्षर चाहता है, वैसे उसने कहा है कि वह अधिक देने की कोशिश करेगा। मैं इस बात का मतलब नहीं समझ पा रही। मुझे इस बात का मतलब पूछना होगा। तभी अंदाज़ा लगा सकूंगी कि हम दोनों अब भी झूलों के अलग-अलग छोर पर हैं या थोड़ा-बहुत करीब आए हैं।

मैं शरीर में अकड़न के साथ पलंग से कूदी और आंखें नचाईं। वैसे मैंने देख लिया था कि वह सनकी आसपास तो नहीं है। मैंने तय किया कि उसके निजी ट्रेनर की बात करूंगी। अगर मैंने हस्ताक्षर किए तो...। मेरे भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं। बेशक! तू साइन करेगी। मैंने उसे अनदेखा किया और बाथरूम का छोटा-सा दौरा करने बाद बाहर आ गई। फिर मैं क्रिस्टियन की खोज में निकली।

वह अपनी आर्ट गैलरी में नहीं है पर एक सुसंस्कृत सी दिखती मध्यम आयु की महिला रसोई साफ करती दिखी। मैं उसे देखते ही वहीं अटक गई। उसके छोटे लाल बाल और सुंदर सी नीली आंखें हैं, उसने नीली तंग व लंबी स्कर्ट के साथ सफेद कमीज़ पहनी है। मुझे देखते ही बड़ी सी मुस्कान दी।

"गुडमार्निंग मिस स्टील! क्या आप नाश्ता लेना चाहेंगी?" उसके सुर की गरमाहट में व्यावसायिक लहज़ा है। मैं दंग हूं, क्रिस्टियन की रसोई में यह महिला कौन है? मैंने सिर्फ क्रिस्टियन की टी-शर्ट पहनी है और मैं कपड़ों की कमी के कारण खुद को असहज पा रही हूं।

"माफ कीजिए, मैंने आपको पहचाना नहीं।" मैंने अपने स्वर में छिपे उद्वेग को छिपाते हुए कहा।

"ओह! माफ करें। मैं मिसेज जोंस हूं। मि. ग्रे की हाउसकीपर। उनके रसाई और घर की व्यवस्था मैं ही देखती हूं।"

"ओह!"

"कैसी हैं आप?"

"मैम! क्या आप नाश्ता लेना चाहेंगी?"

मैम ...!

"थोड़ी चाय चलेगी। थैंक्स! क्या आपको पता है कि मि. ग्रे कहां है"

"वे स्टडी में हैं।"

"धन्यवाद।"

मैं डरते-डरते उसी ओर चल दी। क्रिस्टियन भूरे बालों वाली आकर्षक औरतों को ही काम पर क्यों रखता है? मेरे दिमाग में जाने क्या-क्या घूमने लगा। क्या वे सब उसकी पुरानी सेक्स गुलाम हैं? मैंने इस सोच को परे झटकने में ही भलाई समझी। दरवाजे में धीरे से झांककर देखा तो वह खिड़की की ओर मुंह किए हाथ में फोन लिए खड़ा था। काली पैंट और सफेद कमीज़ पहने क्रिस्टियन के बाल अभी गीले हैं। शायद कुछ देर पहले ही नहाया होगा। मैं अपनी नकारात्मक सोच से बुरी तरह हिली पड़ी हूं।

"जब तक...उस कंपनी के पी एंड एल में सुधार नहीं होता, तब तक मुझे उसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। हमें भार नहीं उठाना... मुझे किसी तरह के झूठे बहाने नहीं चाहिए...मार्को से कहना कि मुझे फोन करे, अब तो अति हो गई... हां, बर्नी से कहो कि वह प्रोटोटाइप ठीक है पर अब भी मैं यकीन से नहीं कह सकता। बस कुछ कमी है... मैं आज दोपहर उससे मिलना चाहूंगा... उसकी टीम भी आ जाए तो बेहतर होगा... हां, लाइन फिर से एंड्रिया को दे दो। उसने इंतज़ार किया, दुनिया का शहंशाह खिड़की से बाहर देख रहा है और आकाश में बने किले से नीचे जा रहे लोगों को निहार रहा है। एंड्रिया..."

उसने नज़र उठाते ही अचानक ऊपर की ओर देखा। उसके प्यारे से चेहरे पर भीनी-सी मंद मुस्कान खेल गई। मैं तो कुछ बोल ही नहीं सकी। बेशक वह इस ग्रह का सबसे खूबसूरत मर्द है, नीचे से जा रहे लोगों के लिए, मेरे लिए... नहीं, मेरे लिए नहीं... भीतर बैठी लड़की चिढ़ गई। अभी तो वह मेरा है... अचानक ही मेरा दिल तेज़ी से धड़कने लगा।

वह बात करता रहा पर उसकी आंखें मुझ पर ही टिकी रहीं।

"आज सुबह कोई मीटिंग मत रखना पर बिल से कहो कि मुझसे बात करे। मैं दो बजेके करीब आऊंगा। मुझे आज दोपहर मार्को से बात करनी है, उसमें आधा घंटा लगेगा। उसके बाद या कल बर्नी की टीम को बुला लो और इस सप्ताह रोज़ क्लॉड से मिलने का समय रखना... उसे इंतज़ार करने को कहो... अरे ......नहीं, मैं डारफर के लिए कोई प्रचार नहीं चाहता... सैम को बोलो कि देख ले.... नहीं...कौन सा इवेंट? वह अगले शनिवार... रुको!"

"तुम जार्जिया से कब आओगी?" उसने पूछा।

"शुक्रवार"

उसने बातचीत जारी रखी।

"मुझे एक और टिकट चाहिए, मेरी डेट है... हां एंड्रिया, मैंने यही कहा... एक डेट है। मेरे साथ मिस एनेस्टेसिया स्टील होगी। बस...हो गया।" उसने फोन रख दिया।

"शुभप्रभात मिस स्टील!"

"मि. ग्रे!" मैं शरमाते हुए मुस्कराई।

वह उसी अदा के साथ चलता हुआ डेस्क तक आया और मेरे आगे खड़ा हो गया। फिर अपने हाथ के पिछले हिस्से से मेरे गाल सहलाए।

"तुम इतनी गहरी नींद में थीं कि जगाने को मन नहीं हुआ। अच्छी नींद आई?"

"बहुत नींद ली। मैं तो नहाने जाने से पहले हैलो कहने आई थी।"

मैंने उसे घूरा और आंखों ही आंखों में पी लिया। वह आगे झुका और प्यार से चूमा और मैं खुद को रोक नहीं सकती। मैंने उसके गले में बांहें डाल दीं और मेरी अंगुलियां उसके गीले बालों में घूमने लगीं। मैंने अपने शरीर को उसकी ओर धकेलते हुए चूमा। वह इस बर्ताव से पल भर के लिए हैरान तो हुआ पर फिर उसे भी तैयार होते देर नहीं लगी। मैं उसे पाना चाहती थी। हम दोनों ने गहरे आवेग से भरा चुंबन लिया। हमारी जीभें आपस में टकराईं और उसकी आंखें मुंद गईं।

"लगता है कि नींद ज़्यादा ही अच्छी हो गई। यहां से जाओ वरना इसी डेस्क पर मुझे मजबूरन...।" उसने कहा

"मैं तो डेस्क के लिए तैयार हूं।" मैंने हौले से कहा और पूरे शरीर में सरसराती चाह को महसूस किया।

उसने मुझे एक पल से भी कम समय के लिए घूरा।

"मिस स्टील! लगता है कि आप यहां का भी स्वाद लेना चाहती हैं? तुम तो दिन-ब-दिन अधीर होती जा रही हो।"

"मैं तो सिर्फ तुम्हारा ही स्वाद चखना चाहती हूं। मुझे कोई और दिलचस्पी नहीं है।"

"ओह! केवल मैं...।" वह इन शब्दों से झूम उठा और एक ही झटके में डेस्क का सारा सामान नीचे धकेल दिया। मुझे अपनी बांहों में उठाया और डेस्क पर लिटा दिया।

"जो चाहोगी, तुम्हें मिलेगा। यही चाहती हो तो बंदा हाज़िर है।" और फिर उसे अपना ज़िरहबख़्तर पहन कर मैदान में आने में देर नहीं लगी। अगले ही पल हम उस सफर पर निकल पड़े, जिसकी मंज़िल पर पहुंचने के बाद मुझे अपनी भी सुध नहीं रहती थी। उसकी जुनून और अधिकार भाव से भरी आंखें मुझ पर ही टिकी थीं। बेशक यह प्यार नहीं था.....ये जिस्मों का नाता था। मैंने अपनी आंखें बंद कीं ताकि सुख की उस चरम सीमा तक जा सकूं, जहां देह का रोम-रोम तृप्त हो जाता है।

उसने प्रक्रिया पूरी होते ही मुंह से आह निकाली और मैं भी उस बिंदु को छूकर लौट आई। मानो मैंने सूरज को छुआ हो और झुलसकर धरती पर आ गिरी। वह एक ही झटके में मुझसे अलग हो गया लेकिन मुझे खुद को संभालने में समय लगा।

"हद है! एना तुम मेरे साथ यह कर क्या रही हो?" उसने हांफते हुए मेरी गर्दन से अपनी नाक रगड़ी। मैंने उसके आसपास अपनी टांगों का घेरा कस दिया।

"तुम मेरी हो।" उसके चेहरे के भाव अचानक ही बदल गए और मुझे थोड़ा चौकन्ना होना पड़ा।

उसने एक-एक शब्द को चबाते हुए कहा। "तुम मेरी हो। समझ गई न?"

मैं समझ नहीं पा रही कि उसे यह सब क्यों कहना पड़ रहा है। यह कैसी असुरक्षा है या फिर उसे मुझ पर पूरा भरोसा नहीं है।

"हां! मैं तुम्हारी हूं।" मैं हौले से बोली।

"क्या तुम्हारा जार्जिया जाना तय है?"

मैंने धीरे से हामी दी। उसी एक पल में मैंने उसके भावों को सिर से पैर तक बदलते देखा। अचानक ही वह परे हट गया।

"क्या तुम कुछ महसूस कर रही हो?"

"हां! थोड़ी सी बेचैनी।"

"बेशक, होना भी यही चाहिए ताकि तुम्हें याद रहे कि तुम किसके साथ थीं और यहां मेरे अलावा कभी और किसी की याद न आए।"

उसने मुझे चिबुक से थामा और चूम लिया। फिर हाथ देकर खड़ा कर दिया। मैंने अपने पास पड़े फार्यल पैकेट को देखा।

"हमेशा तैयार रहते हो"?

उसने मुझे पैकेट उठाते देखा तो बोला "एना! इंसान को सपने तो देखने ही चाहिए और हमेशा तैयार रहना चाहिए। क्या पता, कब और कहां; कौन-सा सपना सच हो जाए।"

वह कितना अलग तरीके से बोल रहा है। समझ नहीं आ रहा। संबंधों के बाद चेहरे पर आया उल्लास घुलने लगा है। इस बंदे की मुश्किल क्या है?

"तो क्या डेस्क पर यह सब करना, तुम्हारा सपना था?" मैंने हमारे बीच के तनाव को घटाने के लिए पूछ लिया।

उसने एक अजीब-सी मुस्कान दी, जो उसकी आंखों तक नहीं पहुंची। मैं समझ गई कि वह पहले भी दूसरी सेक्स गुलामों के साथ यह सब कर चुका है। इस सोच से मन कसैला हो गया। मैं अंदर ही अंदर बेचैन होने लगी। मुंह का स्वाद बिगड़ गया था।

"बेहतर होगा कि मैं नहा लूं।" मैं उसके पास से जाने लगी।

उसने त्योरी चढ़ा कर बालों में हाथ फेरा।

"मुझे दो फ़ोन करने हैं। तुम नहा कर आओ, नाश्ते की मेज़ पर मिलते हैं। शायद मिस जोंस ने तुम्हारे कपड़े भी धो कर इस्त्री कर दिए होंगे। वे अलमारी में हैं।"

क्या? हद हो गई। उन्होंने ऐसा कब किया? अरे, कहीं हमारी बातें तो नहीं सुनी होंगीं?

"धन्यवाद"

"स्वागत है।"

मैं अभी डेस्क पर हुई घटना के लिए थैंक्यू नहीं कह रही। हालांकि यह काफी..

"क्या?" उसने मेरी त्योरी चढ़ी हुई देखी

"क्या हुआ?" मैंने आराम से पूछा

"तुम कहना क्या चाहती हो?"

"तुम्हारा बर्ताव आम दिनों से ज़्यादा अजीब था।"

"मेरा बर्ताव अजीब...... मैं ऐसा हूं क्या?" उसने मुस्कान देनी चाही।

"कभी-कभी"

"वैसे मिस स्टील मैं तो आपको देखकर हैरान हूं।"

"क्यों?"

"कह सकते हैं कि ये दावत तो अचानक ही हो गई।"

"मि. ग्रे! आनंद देना ही हमारा लक्ष्य है।" मैंने उसी के शब्द उसे सुनाते हुए, उसी की तरह गर्दन एक ओर झुका दी।

"सही कहा......मुझे लगा कि तुम नहाने जा रही हो।"

"ओह! वह मुझे यहां से भगाना चाहता है।"

"हां... अम्म। अभी थोड़ी देर में मिलते हैं।" मैं अहमकों की तरह उसके ऑफिस से निकल आई।

वह उलझन में था। क्यों? जहां तक शारीरिक संपर्क की बात है, उसमें तो कोई कमी नहीं थी पर भावात्मक तौर पर-मैं उसकी प्रतिक्रिया से चिढ़ी हुई हूं और वह सब भावात्मक रूप से उतना ही भरपूर था जितनी कि बूढ़ी माई के मीठे बालों में पौष्टिकता होती है। आप खुद ही अंदाज़ा लगा लें।

मिसेज जोंस अभी रसोई में हैं। "क्या आप अब चाय लेना चाहेंगी?"

"मैं दो मिनट में नहा कर आई।" मैंने कहा और अपना सफेद पड़ गया चेहरा लेकर कमरे में घुस गई।

नहाते समय यही सोचती रही कि आखिर उसे हुआ क्या था। मैं आज तक उससे ज़्यादा उलझे हुए इंसान से नहीं मिली और मैं उसके पल-पल बदलने वाले मूड को भी नहीं समझ सकती। जब मैं स्टडी में गई, तब तो वह ठीक ही लग रहा था। हमने सेक्स किया......और उसका मूड बदल गया। नहीं, बात पल्ले नहीं पड़ी। मैंने अपनी भीतर बैठी सयानी लड़की को देखा जो मुझे देखकर सीटियां बजा रही थी और दूसरी लड़की तो अभी उसी नशे में थी, उससे कुछ पूछना बेकार था। वैसे हममें से किसी को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था।

मैंने तौलिए से बाल सुखाए। क्रिस्टियन की इकलौती कंघी से बाल संवारे और जूड़ा बांध लिया। केट की पोशाक धो के और इस्त्री करके मेरी अलमारी में टंगी है और साथ ही धुले हुए अंतःवस्त्र भी हैं। मिसेज जोंस तो कमाल हैं। मैंने केट के जूते पहन कर झट से पोशाक की सलवटें निकालीं, गहरी सांस ली और बड़े कमरे में चल दी।

क्रिस्टियन अब भी कहीं नहीं दिख रहा। मिसेज जोंस पैंट्री के सामान की जांच कर रही हैं।

"मिस स्टील, चाय?"

"प्लीज!" मैं मुस्कुराई।

"कुछ और लेंगी?"

"नहीं, धन्यवाद।"

"नहीं कैसे, तुम्हें नाश्ता तो करना ही होगा। मिसेज जोंस, ये नाश्ते में पैनकेक, बेकन व अंडे लेती हैं।" क्रिस्टियन अचानक प्रकट हो गया।

"हां, मि. ग्रे! सर आप क्या लेंगे?"

"ऑमलेट और कोई फल प्लीज़!" वह मेरे ऊपर से नज़रें नहीं हटा पा रहा है।

"बैठो।" उसने बारस्टूल की ओर संकेत किया।

वह भी साथ आ गया और मिसेज जोंस नाश्ता बनाने लगीं। हे भगवान! कोई दूसरा हमारी बातें सुने, यह सोचकर ही हिचकिचाहट सी होती है।

"तुमने एयर टिकट खरीद ली?"

"नहीं, घर जाकर इंटरनेट से ले लूंगी।"

वह अपनी चिबुक मलता हुआ कोहनियों के बल झुक गया।

"क्या तुम्हारे पास पैसे हैं?"

अरे नहीं!

"हां।" मैंने इस तरह बात की मानो किसी छोटे बच्चे को बहला रही हूं।

उसने एक भौं नचाई।

"हां, धन्यवाद! मेरे पास हैं।" मैंने झट से गलती सुधार ली।

"मेरे पास एक जेट है। जो तीन दिन तक खाली है। तुम चाहो तो उसमें जा सकती हो।"

मैंने उसे घूरा। बेशक उसके पास जेट है और मुझे अपनी आंखें नचाने की लत को उसके सामने रोकना होगा। मैं हंसना चाहती हूं पर हंस नहीं सकती। कहीं बुरा मान गया तो?

"हम पहले ही तुम्हारी कंपनी की संपत्ति का नाजायज फायदा ले चुके हैं। मैं दोबारा ऐसा नहीं करना चाहूंगी।"

"यह मेरी कंपनी है। यह मेरा जेट है।" लगता है कि उसके दिल को ठेस लगी है। ओह! लड़के और उनके खिलौने।

"प्रस्ताव का धन्यवाद! मैं नियमित उड़ान से ही जाना चाहूंगी।"

ऐसा लगा कि वह अभी और बहस करना चाहता था पर उसने इरादा बीच में ही छोड़ दिया।

"जैसा तुम चाहो।" उसने आह भरी। क्या तुमने इंटरव्यू के लिए इतनी तैयारी की है?"

"नहीं"

"अच्छा! अब भी नहीं बताने जा रहीं कि कौन से प्रकाशनगृह में जा रही हो?"

"नहीं।"

उसके होठों पर एक जबरन मुस्कान आ गई।

"मिस स्टील! मुझे पता लगाने के सभी जुगाड़ आते हैं।"

"मि. ग्रे! मैं अच्छी तरह जानती हूं। क्या आप मेरा फोन ट्रैक करने वाले हैं?" मैंने भोलेपन से पूछा।

"दरअसल आज दोपहर बिज़ी हूं इसलिए किसी और को यह काम दूंगा।"

क्या वह मज़ाक कर रहा है?

"अच्छा! इस काम के लिए बंदा रखोगे तो इसका मतलब है कि तुम्हारी कंपनी में कर्मचारियों की संख्या काफी ज़्यादा है।"

"मैं मानव संसाधन प्रमुख को एक मेल करूंगा और वह सब पता लगा लेगी।" उसने बमुश्किल अपनी हंसी रोकी।

ओह! शुक्र है, इसकी हंसी तो लौटी।

मिसेज जोंस ने नाश्ता रखा तो हम कुछ पल तक चुपचाप खाते रहे। वे पैन खाली करते ही वहां से निकल गईं। मैंने उन्हें कनखियों से जाते देखा।

"एनेस्टेसिया! क्या बात है?"

"पता है। तुमने कभी नहीं बताया कि तुम्हें छुआ जाना क्यों अच्छा नहीं लगता?"

उसके चेहरे का रंग उतर गया और मुझे अपना यह सवाल दोहराने पर अफसोस होने लगा।

"मैंने तुम्हें जितनी बार बताया है, उतना तो कभी किसी को नहीं बताया।" उसकी आवाज़ सपाट थी।

ये भी साफ है कि वह कभी किसी पर भरोसा नहीं करता। क्या उसके कोई पक्के दोस्त नहीं? शायद उसने मिसेज रॉबिन्सन को बताया हो? मैं पूछना चाहती हूं पर पूछ नहीं सकती–मैं जख़्मों पर नमक नहीं डालना चाहती। सचमुच वह इंसान एक अकेला और तन्हा द्वीप है।

"क्या तुम जार्जिया जाकर हमारे अनुबंध के बारे में सोचोगी?"

"हां"

"क्या मुझे याद करोगी?"

मैंने इस सवाल पर उसे हैरानी से देखा।

"हां।" मैंने पूरी ईमानदारी से जवाब दिया।

वह इतने थोड़े ही समय में मेरे लिए इतने मायने कैसे रख सकता है? सच्ची......ये तो मेरे दिल में ही बस गया है...। वह मुस्कुराया और उसकी आंखें दमक उठीं।

"मैं भी तुम्हें याद करूंगा। जितना तुम जानती हो, उससे कहीं ज़्यादा।" उसने गहरी सांस ली।

मेरा मन उसके शब्दों से पिघल गया। वह सचमुच कोशिश कर रहा है। उसने प्यार से मेरे गाल सहलाए और आगे आकर उन्हें चूम लिया।

दोपहर बाद, मैं लॉबी में बैठी सिएटल इंडिपेंडेंट पब्लिशिंग के मि. जे. हाइड का इंतज़ार कर रही हूं और घबराहट में अंगुलियां चटकाने के सिवा कुछ नहीं सूझ रहा। यह आज का दूसरा इंटरव्यू है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। पहला इंटरव्यू तो ठीक रहा पर वह कंपनी काफी बड़ी है और वहां काम करने का मतलब होगा कि मेरी गिनती कई संपादकीय सहायिकाओं में होगी। उनकी शाखाएं दूर-दूर तक फैली हैं जबकि यह जगह यानी एसआईपी छोटी और गैरपारंपरिक किस्म की लग रही है। यह स्थानीय लेखकों को प्रोत्साहित करती है इसलिए मैं यहां काम करना चाहती हूं।

मेरे आसपास की जगह खाली है शायद यहां का नमूना ही ऐसा बना है। मैं चमड़े के बने हरे काउच पर बैठी हूं। यह वैसा नहीं है जैसा क्रिस्टियन के घर में है। अचानक ख़्याल आ गया कि वह उस पर क्या-क्या करता होगा। नहीं-नहीं! मुझे अपने दिमाग को वहां से हटाना होगा। मैंनेकाउच पर हाथ फेरा और फिर रिसेप्शन पर बैठी एक युवा अफ्रीकी-अमरीकी महिला पर नज़र चली गई। कानों

में चांदी के लंबे झुमके और लंबे सीधे बाल। वह दिखने में बड़ी ही बेपरवाह-सी लगी और मुझे लगा कि मैं उससे दोस्ती कर सकती थी। ये सोचकर दिल को तसल्ली मिली। वह जब भी कंप्यूटर से मुंह उठाकर मुझे देखती, मैं भी मुस्कान दे देती।

मेरी मॉम के पास जाने की टिकट हो गई है। मॉम बहुत खुश हैं। सामान बंध गया है और केट ने कहा है कि वह मुझे एयरपोर्ट छोड़ आएगी। क्रिस्टियन ने हुक्म दिया है कि मैंफोन और ब्लैकबैरी साथ ले जाऊं। मैंने उसके हुक्मनामे पर आंखें नचाई पर अब मुझे एहसास हो गया है कि वह ऐसा ही है। उसे हर चीज़ पर काबू रखना पसंद है, यहां तक कि मुझ पर भी! हां, उसके बारे में आप कुछ नहीं कह सकते। कभी-कभी तो कितनी प्यारी, दिल को लुभाने वाली और मज़ाकिया बातें करता है तो कभी-कभी अपनी बेरुखी से हैरानी में डाल देता है। उसने गैराज में खड़ी मेरी कार तक साथ जाने का इसरार किया। हे भगवान! मैं तो कुछ दिन के लिए जा रही हूं और वह ऐसे दिखा रहा है मानो हम कई सप्ताह के लिए बिछुड़ने वाले हैं। वह हमेशा मुझे ऐसे ही हत्थे से उखाड़ देता है।

"एना स्टील?" रिसेप्शन के पास खड़ी, लंबे काले बालों वाली महिला ने मेरा नाम लिया। उसके चेहरे पर भी वही मीठे और बेपरवाह से भाव हैं। उसे भी दोस्त बनाया जा सकता है। वैसे उम्र तीस के लपेटे में है या चालीस के......ये नहीं पता चलता। अकसर औरतों की उम्र धोखा देती है।

"जी हां!" मैं झट से खड़ी हो गई।

उसने मुझे विनम्र मुस्कान दी और आंखें दिलासा-सा देती लगीं। मैंने केट की ही पोशाक और काले पंप जूते पहने हैं। बाल एक टाइट जूड़े में बंधे हैं और एक लट आवारा हो गई है। उसने अपना हाथ आगे किया।

"हैलो एना। मैं एलिजाबेथ मार्गन! एसआईपी में मानव संसाधन प्रमुख हूं।"

"कैसी हैं आप। मैंने भी हाथ मिलाया। वह तो अपने पद के लिहाज़ से बड़ी सीधी-सादी लगती है।

"मेरे साथ आए"

हम रिसेप्शन के पीछे बने दोहरे दरवाजे से एक भड़कीले रूप से सुसज्जित ऑफिस में पहुंचे और वहां से छोटे मीटिंग कक्ष में गए। दीवारें हल्की हरी हैं, जिन पर किताबों केशीर्षकों की तस्वीरें लगीं हैं। कांफ्रेंस टेबल पर एक युवक बैठा है, जिसके लाल बाल एक पोनीटेल में बंधे हैं। उसके दोनों कानों में चांदी की छोटी गोल बालियां देखी जा सकती हैं। उसने हल्की नीली कमीज़ के साथ कोई टाई नहीं पहनी। मैं पहुंची तो उसने मुझे अपनी गहरी नीली आंखों से ताका।

"एना स्टील! मैं जैक हाइड हूं। यहां का प्रमुख संपादक और तुमसे मिलकर खुशी हुई" हमने हाथ मिलाए। उसके भाव दोस्ताना होने के बावजूद शक के दायरे में आते हैं।

"क्या आप इतनी दूर से आई हैं?"

"नहीं, मैंने कुछ दिन पहले ही यहां घर ले लिया है।"

"ओह! फिर तो ठीक है। प्लीज़ बैठें।"

मैं बैठी और एलिजाबेथ भी वहीं बैठ गई।

"तो आप हमारे लिए काम क्यों करना चाहती हैं?" उसने पूछा।

उसने बड़े ही प्यार से मेरा नाम लिया और उसी तरह गर्दन एक ओर झुकाई जैसे कोई और भी करता है। ओह! ये क्या। मैंने अपना पूरा ध्यान उस ओर लगाना चाहा। फिर मैंने अपनी तैयार स्पीच सुनानी शुरू कर दी पर ये भी पता था कि मेरे गाल शरम से लाल दिख रहे होंगे। मैंने उन्हें देखा और केट की कही बात याद आ गई। हमेशा आंखों का संपर्क बना कर बात करो। वे दोनों मेरी बातें सुन रहे हैं।

"आपकी जीपीए तो अच्छा है। इसके अलावा आप वहां क्या करती थीं?"

मैंने बताना शुरू किया कि मैंने कैंपस की लाइब्रेरी का काम संभाला हुआ है। मैंने यह भी बताया कि मैं अखबार के काम में मदद करती थी पर लेख नहीं लिखती थी। मैंने दो साहित्यिक संस्थाओं के अलावा क्लेटन के बारे में भी बताया और फिर उन पर ताबड़तोड़ जानकारी बरसा दी। हालांकि उन्हें हार्डवेयर की जानकारी से कोई लेना-देना नहीं था। वे दोनों हंसे और मैंने खुद को सहज

पाया। मुझे भी बात करने में मज़ा आने लगा।

जैक हाइड ने तीखे और होशियार सवाल पूछे पर मैं नहीं हारी। मेरी पसंद की किताबों के बारे में बात चली तो मैंने सारे नाम गिना दिए पर उसे तो क्लासिक से कोई लेना-देना ही नहीं था। शायद उसने 1950 के दशक के बाद लिखा गया साहित्य ही पढ़ा था। साथ बैठी एलिज़ाबेथ नोट्स लेती रही। वह खास नहीं बोली। जैक बहस कर लेता है, आकर्षक है और बात करने से आपस में एक सहजता सी आ गई।

"आप पांच सालों में अपने-आप को कहां देखती हैं?"

क्रिस्टियन ग्रे के साथ। मैंने झट से यह सोच परे झटक दी।

"कॉपीएडिटिंग या कुछ भी। दरअसल मैं खुद को सीमाओं में बांधना नहीं चाहती। शायद साहित्यिक एजेंट।"

"बहुत खूब। एना। हमने सब पूछ लिया। क्या तुम कुछ पूछना चाहोगी?"

"आप कब से काम पर बुलाना चाहेंगे?"

"जल्दी से जल्दी। आप कब से आ सकती है"?

"अगले सप्ताह से।"

"ठीक रहेगा।" जैक ने कहा।

"बस हो गया। आज का इंटरव्यू पूरा हुआ।"

"एना! तुमसे मिलकर अच्छा लगा।" हाइड ने हाथ मिलाया और हल्का-सा दबा भी दिया। पता नहीं क्यों।

मैं कार की ओर चल दी। इंटरव्यू तो अच्छा ही हुआ पर कुछ कह नहीं सकते। मुझे इंतज़ार करना होगा।

मैं ऑडी में बैठकर चल दी। मेरे उड़ान रात पौने ग्यारह पर है इसलिए मेरे पास काफी वक्त है।

केट रसोई का सामान लगा रही थी।

"कैसा रहा?" उसने पूछा। खुली कमीजें, फटी जींस और सिर पर नीले रंग का कपड़ा। बस केट ही ऐंसे सुंदर लग सकती है।

"केट! वैसे कह नहीं सकती, ये कपड़े दूसरे इंटरव्यू के हिसाब से ठीक नहीं थे।

वहां थोड़ा अनौपचारिक माहौल था।"

केट ने भौं नचाई।

"तू और बोहेमियन लुक!" उसने गर्दन एक और झुकाई। जिसे देखो मुझे उसकी याद दिलाता रहता है।

"एना! तू तो उस रूप में भी सजेगी।"

"मुझे दूसरी जगह पसंद है शायद बात बन जाए। जिसने इंटरव्यू लिया था वह लड़का.." मैं बोलते-बोलते चुप लगा गई। मुझे भूलना नहीं चाहिए कि कैथरीन किसी मैगाफोन से कम नहीं।

वह एक राडार की तरह आसपास की हर जानकारी बटोरना जानती है। और फिर मुझे हतप्रभ कर देती है। उसने डिनर में क्या किया था?

"तुम क्रिस्टियन से पंगे क्यों लेती रहती हो? डिनर के समय जोस की बात क्यों की? तुम जानती हो कि वह जलनखोर है। पता है इससे कोई भला नहीं होगा"

"देख अगर वह इलियट का भाई न होता तो मैं और भी बुरा बोलती। मैं तो इसलिए उसे जला रही थी ताकि वह तेरी ओर खिंच

सके।"

उसने हाथ खड़े कर दिए।

"अगर तुझे लगता है कि मुझे दखल नहीं देना चाहिए तो मैं नहीं दूंगी।"

"अच्छा! वैसे तुझे बता दूं कि उसके साथ से मेरी ज़िंदगी वैसे ही बहुत उलझी पड़ी है।"

"एना। तू ठीक तो है न? तुम कहीं जान बचाने के लिए मॉम के पास नहीं जा रहीं?"

मैं घबरा गई। "नहीं केट, तुमने ही तो कहा था कि मुझे ब्रेक लेना चाहिए।"

वह पास आई और हाथ थाम लिए। अरे ये क्या... केट तो कभी ऐसा नहीं करती।

आंसू छलकने को हैं... "पता नहीं! तू अलग सी लग रही है। उम्मीद करती हूं कि तू ठीक है। उस पैसे वाले कमीने के साथ तेरी जो भी परेशानी चल रही है, तू मुझसे बात कर सकती है। मैं कोशिश करूंगी कि उससे पंगा न लूं। वैसे बंदा बड़ा टेढ़ा है। देख एना, कोई बात है तो बता मैं परखने की बजाए समझने की कोशिश करूंगी।"

मैंने आंसू पीछे धकेल दिए और उसे गले से लगा लिया-"ओह केट! शायद मैं उस पर मरने लगी हूं"

"एना! यह तो कोई भी देख सकता है। वह तुझ पर मरता है। वह तेरे पीछे दीवाना है। तुझ पर से आंखें नहीं हटाता।

मैं अनिश्चितता से हंसी। "तुझे ऐसा लगता है?"

"क्या उसने बताया नहीं?"

"नहीं ज़्यादा शब्दों में नहीं..."

"क्या तुमने उससे कहा?"

"नहीं तो......" मैंने कंधे झटके।

"एना! किसी को तो पहल करनी ही होगी। वरना ये रिश्ता कहीं नहीं जा सकेगा।"

"क्या...उसे बता दूं कि मैं क्या महसूस करती हूं।"

"कहीं वह मुझसे कतरा न जाए"

"तू इतने दावे से कैसे कह सकती है?"

क्रिस्टियन का ख़्याल आते ही मन में एक छोटा-सा बच्चा आ गया। शायद वह बचपन में बहुत भयभीत रहा होगा इसलिए अब दुनिया को डराकर रखता है। इस सोच से कलेजा हिल गया।

केट ने भिंचे होंठों और सिकोड़ी हुई आंखों से देखा। बस गोल चश्मा और लगा ले, मेरे भीतर रहने वाली सयानी लड़की जैसी दिखेगी।

"तुम दोनों को बैठकर इस बारे में बात करनी चाहिए।"

"हम ज़्यादा बात नहीं करते।" मैंने शरमाते हुए कहा। बेशक बिना कहे भी बातें होती हैं।

वह हंस दी-"अच्छा! अगर ऐसा है तो मानो कि तुमने आधी जंग जीत ली। एना! मैं कुछ चाइनीज़ पैक करा लाती हूं। जाने के लिए तैयार हो?"

"हां, अभी होती हूं। ज़्यादा समय नहीं है।"

वह जैकेट उठाकर हवा हो गई और दरवाजा बंद करना भूल गई। मैंने दरवाजा बंद किया और उसके शब्दों पर गौर करते हुए अपने कमरे की ओर चल दी।

क्या क्रिस्टियन मेरे लिए अपनी भावनाएं प्रकट करने से डरता है? क्या उसके मन में मेरे लिए कोई भावनाएं हैं भी? बेशक वह मुझे पर मालिकान हक जताता है पर वह तो उसकी आदत है... वह ही चीज़ पर अपना स्वामित्व चाहता है।। मुझे लगा कि थोड़ा दूर होकर उसकी बातों पर गौर करना चाहिए।

मैं भी तुम्हें याद करूंगा... तुम जितना जानती हो उससे कहीं ज्यादा

तुमने मुझे सम्मोहित कर दिया है।

मैंने अपनी गर्दन झटकी। मैं अभी इस बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं ब्लैकबेरी चार्ज कर रही हू इसलिए अभी उसे नहीं ले सकती। ध्यान से देखा, कोई मैसेज नहीं था। मैंने लैपी ऑन किया तो वहां भी कुछ नहीं था बस उसका ई-मेल आई डी दिखा। मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की ने मुझे देखते ही आंखें नचाई और पहली बार मुझे एहसास हुआ कि मेरी इस आदत पर क्रिस्टियन मुझे फटकारना क्यों पसंद करता है।

"अच्छा! मैं उसे एक ई-मेल लिख दूंगी।"

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: इंटरव्यू
डेट: मई 30 2011 18:49
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर सर
मेरे इंटरव्यू अच्छे रहे।
आपका दिन कैसा रहा?
एना

मैं बैठकर स्क्रीन को घूरने लगी। क्रिस्टियन तो अकसर फुर्ती से जवाब देता है। मैं इंतज़ार करती रही......करती रही और फिर कहीं जाकर इनबॉक्स से पिंग का स्वर सुनाई दिया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: मेरा दिन
डेट: मई 29 2011 19:03
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर मिस स्टील
तुम जो भी करती हो। मैं उसमें दिलचस्पी रखता हूं। मैं आज तक तुमसे अधिक आकर्षक युवती से नहीं मिला।
मेरी सुबह सभी उम्मीदों से परे थी।
मेरी दोपहर उसके मुकाबले फीकी रही।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: अच्छी सुबह
डेट: मई 29 2011 19:05
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर सर!
सुबह तो मेरे लिए भी बेमिसाल थी पर ये समझ नहीं आया कि मेरे साथ डेस्क पर जुनून से भरे पल बिताने के बाद अचानक तुम्हारे मूड को क्या हो गया। तुम अजीब झक्की सा बर्ताव कर रहे थे। ये मत सोचना कि मझे पता नहीं चला होगा।
नाश्ते के लिए मिसेज जोंस या तुम्हें धन्यवाद!
मैं उसके बारे में एक सवाल पूछना चाहूंगी बशर्ते तुम मुझ पर अपनी खीझ नहीं उतारोगे एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: प्रकाशन और तुम
डेट: मई 30 2011 19:10
टू: एनेस्टेसिया स्टील
झक्की! तुम प्रकाशन गृह में काम करने जा रही हो। कम से कम अच्छे शब्दों का चुनाव करना तो सीखो और मिसेज जोंस के बारे में क्या जानना चाहती हो? मैं भी सुनना चाहता हूं।

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: तुम और मिसेज जोंस
डेट: मई 30 2011 19:17
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर सर
भाषा अकसर इसी तरह रंग बदलती रहती है। यह कहीं हाथी दांत से बने महल-दोमहलों में कला का नमूना बनी टंगी नहीं रहती और हैलीपैड वाली छत से सारे सिएटल को नहीं निहारती रहती।
वैसे आपको मेरे शब्दों के चुनाव पर ऐतराज़ क्यों है? दरअसल आप जिस दुनिया से हैं, उसके बारे में मेरा अनुभव अभी सीमित है। यही वजह है कि आपको मेरे शब्द अजीब लगते हैं। क्या मिसेज जोंस आपकी पुरानी सेक्स गुलामों में से हैं?
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: भाषा, ज़बान संभाल कर
डेट: मई 30 2011 19:22
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिसेज जोंस मेरी एक वफ़ादार कर्मचारी हैं। मैंने आज तक उनसे केवल व्यावसायिक संबंध रखे हैं। मैं अपने साथ शारीरिक संबंध रखने वाली किसी भी लड़की को अपने यहां काम पर नहीं रखता। बेशक तुम इसका अपवाद हो क्योंकि मैंने देखा है कि तुम कितनी खूबसूरती से सौदेबाज़ी कर लेती हो। हालांकि अगर तुमने अपनी ज़बान पर काबू न रखा तो मुझे इस बारे में फिर से सोचना होगा। मुझे खुशी है कि तुम्हारा अनुभव सीमित है। यह मुझ तक ही सीमित रहे तो बेहतर होगा। वैसे तुम्हारे साथ होता हूं तो यह समझ नहीं आता कि तुम मेरी किसी बात की तारीफ़ कर रही या ताना कस रही हो।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: एक साथ काम कभी नहीं
डेट: मई 30 2011 19:27
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
शायद मैंने आपको पहले ही बता दिया है कि मैं आपकी कंपनी में काम नहीं करना चाहती। इस बारे में मेरी सोच न तो बदली है और न ही बदलेगी। मैं चलती हूं। केट खाना लेकर आ गई है।
शुभरात्रि।
मैं जार्जिया जाकर तुमसे बात करूंगी।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: शुभकामनाएं
डेट: मई 30 2011 19:29
टू: एनेस्टेसिया स्टील
गुडनाइट एना। उम्मीद करता हूं कि तुम्हारी उड़ान सुरक्षित रहेगी।
क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

केट और मैं सी-टैक एयरपोर्ट पर पहुंचे और उसने आगे झुक कर मुझे गले से लगाया।

"बारबाडोज़ के मज़े लेना। केट! तुम्हारी छुट्टियां अच्छी बीतें!"

"मैं आकर बात करूंगी। उसे हराम... अमीरजादे को अपने पर हावी मत होने देना"

"नहीं, मैं ऐसा नहीं होने दूंगी।"

हम फिर से गले लगे। मैं अपने रास्ते पर चल दी। मैं आगे जाकर चेक-इन की पंक्ति में खड़ी हो गई। हालांकि मेरे पास ज्यादा सामान था भी नहीं। मैं बस एक बड़ा झोला लाई थी, जो रे ने पिछली बार मेरे जन्मदिन पर दिया था।

"टिकट प्लीज़!" डेस्क के पीछे बैठे पकाऊ नौजवान ने जिस अंदाज़ में टिकट मांगा। मैंने उसी तरह उसे पकड़ा दिया। पहचान-पत्र के तौर पर अपना लाइसेंस दिया। मैं उम्मीद कर रही थी कि अगर खिड़की वाली सीट मिल जाती तो बेहतर होता।

"ओ.के मिस स्टील! आपको फर्स्ट क्लास के लिए अपग्रेड कर दिया गया है।"

"क्या?"

"मैम! क्या आप फर्स्ट क्लास के लाउंज में बैठकर उड़ान की प्रतीक्षा करना चाहेंगी..।" ऐसा लगा कि वह नींद से जाग गया हो और मुझे देखकर ऐसे दमक रहा था मानो मैंसांटा क्लाज़ और ईस्टर बनी का मिला-जुला रूप बन गई होऊं।

"शायद कोई भूल हुई है।"

नहीं-नहीं! उसने फिर से कंप्यूटर का स्क्रीन देखा। "एनेस्टेसिया स्टील! अपग्रेड।"

ओह! मैंने अपनी आंखें सिकोड़ीं। उसने बोर्डिंग पास दिया और मैं प्रतीक्षा कक्ष की ओर चल दी। क्रिस्टियन ग्रे! भाड़ में जा तू। सबको काबू में रखने वाला सनकी कहीं का। वह किसी को एक पल के लिए भी अकेला नहीं छोड़ सकता।

अध्याय 22

मैंने वहां अपना मैनीक्योर करवाया। पीठ की मालिश करवाई और फिर दो गिलास शैंपेन पी। फर्स्ट क्लास लाउंज में कई तरह की खूबियां होती हैं। मैं मॉइट का घूंट भरते-भरते सोच रही थी कि क्रिस्टियन को इस दखलंदाज़ी के लिए माफ करना ही बेहतर होगा। मैंने अपना मैकबुक खोला और यह देखना चाहा कि वह इस ग्रह के किसी भी हिस्से में काम करेगा या नहीं।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: उदारता से भरा व्यवहार
डेट: मई 30 2011 21:53
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
मैं तो इस बात से हैरान हूं कि आपने कैसे जाना कि मैं किस उड़ान से जा रही थी।
आपकी खोजी प्रवृत्ति का तो जवाब नहीं। उम्मीद करती हूं कि डा. फ्लिन छुट्टी से लौट आए होंगे।
मैंने अभी मैनीक्योर करवाया। पीठ की मालिश करवाई और दो गिलास शैंपेन ली। छुट्टियों के हिसाब से शुरुआत अच्छी रही।
धन्यवाद
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारा स्वागत है।
डेट: मई 30 2011 21:59
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
डा. फ्लिन लौट आए हैं और मैं इस सप्ताह उनसे मिलने वाला हूं।
तुम्हारी पीठ की मालिश कौन कर रहा था?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
ओह! बदला चुकाने की बारी आ गई। उड़ान की तैयारी हो गई थी इसलिए मैंने प्लेन में से अगला ई-मेल करने की सोची। यह सुरक्षित होगा। मैंने खुश होकर खुद को ही गले से लगा लिया।
फर्स्ट क्लास में तो अच्छी-खासी जगह है। मैंने शैंपेन कॉकटेल हाथों में लिए चमड़े के काउच वाली विंडो सीट ले ली और केबिन धीरे-धीरे भरने लगा। मैंने रे को फोन करके बताया कि मैं कहां हूं। रात बहुत हो गई थी इसलिए मैंने छोटी-सी बात की।
"लव यू डैड!" मैं हौले से बोली।
"एनी, यू टू। मॉम से मेरा हाय कहना। गुड नाइट।"
"गुड नाइट!" मैंने फोन रख दिया।
रे ठीक-ठाक थे। मैंने मैक को घूरा और बच्चों जैसी शरारती निगाहों से देखते हुए, लैपी खोलकर ई-मेल लिखने लगी।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: मजबूत योग्य हाथ
डेट: मई 30 2011 22:22
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
एक बहुत ही प्यारे इंसान ने मेरी पीठ की मालिश की। हां! सच यह एहसास बड़ा ही खुशनुमा था। मैं आम प्रतीक्षाकक्ष में जीन-पॉल को नहीं देख पाती इसलिए इस ट्रीट का धन्यवाद! मुझे नहीं लगता कि उड़ान भरने के बाद मुझे ई-मेल करने की इजाज़त मिलेगी और कई दिन से मुझे अपनी ब्यूटी स्लीप नहीं मिली इसलिए मैं गहरी नींद लेना चाहूंगी।
मि. ग्रे! अच्छे सपने देखें... अपने बारे में सोचते हुए।
एना।

ओह! वह मेरी पकड़ से दूर जा रहा है। कुछ ही देर में मैं उड़ान में होऊंगी। वैसे अगर मैं आम प्रतीक्षा कक्ष में होती तो जीन-पॉल की सेवाएं कहां से मिलतीं। वह एक अच्छा नौजवान था। लाल बालों वाला गोरा युवक, वैसे भी सिएटल में कोई सांवला होता ही

नहीं है। वैसे ये गलत है पर मुझे लगा कि वह 'गे' था–पर मैं इस बात को अपने तक ही रखूंगी। केट ठीक कहती है। क्रिस्टियन एक अबूझ पहेली है। अंदर बैठी लड़की ने मुह चिढ़ाया–बड़ा बनती है, उसने तो कुछ बुरा नहीं किया। क्या तू सच में उससे जान छुड़ाना चाहती है? वह तेरी कद्र करता है और चाहता है कि तू ज़रा स्टाइल से सफ़र करे। हां, वैसे वह पूछ लेता या बता देता तो ज्यादा बेहतर होता। कम से कम मैं चेक-इन काउंटर पर भौचक्की तो न खड़ी होती। मैंने 'सेंड' बटन दबाया और किसी नटखट लड़की की तरह इंतज़ार करने लगी।

"मिस स्टील! हम उड़ान भरने जा रहे हैं। आपको लैपटॉप बंद करना होगा।" फ्लाइट सहायक ने विनम्रता से कहा। उसने मुझे एकदम चौंका दिया।

"ओह, सॉरी!"

हो गया कबाड़ा! अब मुझे यह जानने के लिए इंतज़ार करना होगा कि उसने क्या जवाब दिया। उसने मुझे दांत दिखाते हुए तकिया और मुलायम कंबल दे दिया। मैंने उसे घुटनों पर डाल लिया। कई बार ऐसी सेवा लेने में भी मज़ा आता है।

फर्स्ट क्लास में भी भीड़ हो गई थी पर मेरे साथ वाली सीट अभी खाली थी। अरे नहीं.. अचानक ही दिमाग में एक ख़्याल आया। शायद ये सीट क्रिस्टियन की हो। ओह! इतनी हद...। पर वह ऐसा क्यों करेगा... क्या वह ऐसा करेगा? मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहती कि वह मेरे साथ आए। मैंने घड़ी पर नज़र मारी और जहाज़ में अचानक स्वर गूंज उठा–केबिन क्रू! दरवाजों की जांच करें।

क्या मतलब है इसका? वे दरवाजे बंद कर रहे हैं? मैंने हैरानी-परेशानी से ताका। सोलह सीट के केबिन में मेरे साथ वाली सीट खाली थी। प्लेन के चलते ही मैंने चैन की सांस ली पर हल्की सी मायूसी भी हुई... चार दिन तक क्रिस्टियन नहीं मिलने वाला था। मैंने धीरे से ब्लैकबेरी में झांका।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: पूरा आनंद लो
डेट: मई 30 2011 22:25
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर मिस स्टील!
मैं जानता हूं कि तुम क्या करने की कोशिश कर रही हो और मेरा भरोसा करो कि तुम इसमें कामयाब रहीं। अगली बार तुम कारगो होल्ड में होगी। मैं तुम्हारे मुंह में कपड़ा ठूंसकर क्रेट में रखूंगा। भरोसा करो कि जब मैं तुम्हें इस स्थिति में रखने की बात कर रहा हूं तो मुझे तुम्हारी टिकट अपग्रेड करवाने से कहीं ज्यादा मज़ा आ रहा है।
मैं तुम्हारी वापसी की राह देख रहा हूं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

हाय! ये तो नाराज़ हो गया। इसके स्वभाव के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि यह कब नाराज़ हो जाएगा, यह पता ही नहीं चलता। मुझे लगता है कि इस बार तो खासा ही नाराज़ हो गया है। मैंने कंबल में फोन छिपाकर जवाब टाइप किया

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: मज़ाक है न?
डेट: मई 30 2011 22:30
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप मज़ाक कर रहे हैं या नहीं? तब मैं सोचूंगी कि जार्जियामें ही रह जाऊं? वैसे क्रेट मेरे लिए एक कठोर सीमा हैं। सॉरी! मैंने आपको गुस्सा दिला दिया। आप कहें कि आपने माफ कर दिया।
ए.

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: मज़ाक कर रहा था
डेट: मई 30 2011 22:31
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
तुम इस समय ई-मेल कैसे कर सकती हो? क्या तुम ब्लैकबेरी इस्तेमाल करते हुए अपने सहित सबको जान खतरे में डाल रही हो? मुझे लगता है कि यह नियमों के खिलाफ है।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

दो हथेलियां। मैंने फोन को परे रखा। आराम से बैठ गई और प्लेन टैक्सी करने लगा। मैंने टैस की फटेहाल प्रति निकाल ली ताकि हल्का-फुल्का पढ़ कर सो सकूं। जैसे ही हम आकाश में पहुंचे तो मैंने सीट नीचे की और सो गई।

हम अटलांटा पहुंचे तो उड़ान सहायक ने उठाया। स्थानीय समय के अनुसार 5:45 थे पर मैंने केवल चार घंटे की ही नींद ली थी...मुझे चिढ़ हुई पर उसने जब संतरे के जूस का गिलास दिया तो अच्छा भी लगा। मैंने अपने फोन पर घबराहट से नज़र मारी। वहां कोई ई-मेल नहीं थे। वैसे भी सिएटल में इस समय सुबह के तीन बजे होंगे और वह नहीं चाहता था कि मैं मोबाइल फोन चला कर उड़ान से जुड़े नियम तोड़ूं।

अटलांटा में एक घंटे की प्रतीक्षा करनी है और मैं एक बार फिर से पहले दर्जे के प्रतीक्षा कक्ष में हूं। मैं ललचा रही थी कि मुलायम काउच पर लोट लगा लूं, जो मेरे ही भार से दबा जा रहा था। पर झपकी भी नहीं मिल पाएगी। मैंने अपनी नींद भगाने के लिए क्रिस्टियन को एक लंबा ई-मेल टाइप करना शुरू किया:

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: क्या तुम्हें मुझे डराना पसंद है?
डेट: मई 30 2011 06:52 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

तुम जानते हो कि जब तुम मुझ पर अपना पैसा खर्च करते हो तो मुझे कितना बुरा लगता है। माना तुम अमीर हो पर मुझे ऐसा लगता है कि तुम हमारे शारीरिक संबंधों के एवज में मुझे पैसे दे रहे हो। हालांकि मुझे इस पहले दर्जे की उड़ान में मज़ा आया। यह तो कोच से कहीं सभ्य है। बहुत-बहुत धन्यवाद! मैंने जीन पॉल के हाथों से हुई मालिश का भी आनंद लिया। वह एक समलैंगिक था। मैंने पहले ई-मेल में जानबूझ कर यह नहीं बताया था क्योंकि मैं तुमसे चिढ़ी हुई थी। उसके लिए माफी चाहूंगी।

पर हमेशा की तरह तुमने ज़रूरत से ज्यादा तीखी प्रतिक्रिया दी। तुम मुझे ऐसी चीज़ें नहीं लिख सकते। वही बांधना और मुंह में कपड़ा ठूंसना वगैरह! (तुम मज़ाक कर रहे थे या सचमुच ऐसा करते?) इस बात से मैं डर गई... तुमने मुझे डरा दिया... मैं पूरी तरह से तुम्हारे सम्मोहन में जकड़ी गई हूं और तुम्हारे साथ एक ऐसी जीवनशैली अपनाने के बारे में विचार कर रही हूं, जिसके बारे में मैं पिछले सप्ताह तक जानती भी नहीं थी और तुमकुछ ऐसा लिख देते हो कि जी में आता है कि सब कुछ छोड़कर भाग जाऊं। वैसे मैं जाऊंगी नहीं क्योंकि मुझे तुम्हारी याद सताएगी। सच में बहुत याद आएगी। मैं चाहती हूं कि हमारा रिश्ता कारगर हो पर मैं तुम्हारे लिए अपने गहरे भावों और उस अंधेरे रास्ते पर जाने से डरती हूं, जहां तुम मुझे लिए जा रहे हो। तुम जो भी देना चाहते हो, वह कामुक और सेक्सी है और मैं उसके बारे में जानना भी चाहती हूं पर मुझे यह डर भी है कि तुम मुझे शारीरिक या भावात्मक रूप से चोट पहुंचाओगे। अगर तुम तीन महीने बाद अलविदा कह दो तो मैं क्या करूंगी? वैसे ये खतरा तो हर तरह के रिश्ते में होता है। वैसे मैंने कभी सोचा नहीं था कि मेरे जीवन का पहला रोमानी रिश्ता ही ऐसा होगा। यह मेरे लिए भरोसे की बहुत बड़ी छलांग है।

तुमने ठीक ही कहा था कि मैं किसी की आज्ञाकारी बन ही नहीं सकती......मैं तुमसे पूरी तरह सहमत हूं। फिर भी मैं तुम्हारा साथ पाना चाहती हूं और इसके लिए जो भी करना पड़ा, मैं करूंगी पर हर बात मानना...?

मुझे खुशी हुई कि तुमने कुछ और देने का वादा किया पर मुझे सोचना यह है कि मेरे लिए इस शब्द का क्या अर्थ है। तुमसे दूर जाने की एक वजह यह भी थी। तुम मुझे अकसर इतना उलझा देते हो कि हमारे साथ के दौरान मैं कुछ भी सोच-समझ नहीं पाती।

मेरी उड़ान तैयार है। मुझे जाना होगा।

बाद में!

तुम्हारी एना

मैंने 'सेंड' बटन दबाया और फिर दूसरे विमान में सवार होने के लिए उनींदी आंखों से चल दी। यहां पहले दर्जे में केवल छह सीटें ही थीं। विमान के उड़ान भरते ही मैं फिर से कंबल लेकर सो गई।

जल्द ही मुझे उड़ान सहायक ने जगा कर संतरे का जूस दिया और हम सवाना हवाईअड्डे पर पहुंचने वाले थे। मैंने उसे धीरे-धीरे चुस्कियां लेकर पीया। कहीं कोई थकान महसूस नहीं हो रही थी और मैंने खुद को आने वाले पलों के लिए उत्साहित करना चाहा। मैं छह माह बाद मॉम से मिलने वाली हूं। मैंने ब्लैकबेरी में एक बार झांका और याद आ गया कि मैंने उसे कितना बड़ा ई-मेल भेजा था। वहां कोई जवाब नहीं था। सिएटल में सुबह के पांच बजे होंगे और अगर वह इस समय अपने पियानो पर उदास धुनें नहीं बजा रहा तो बेशक सो ही रहा होगा।

वैसे झोला बैग की खूबी यही है कि आराम से टांगो और एयरपोर्ट से बाहर आ जाओ। कम से कम वहां लाइनों में खड़े होकर बैग आने का इंतज़ार तो नहीं करना पड़ता। फिर पहले दर्जे की यात्रा का यह लाभ भी मिलता है कि वे आपको प्लेन से सबसे पहले उतार देते हैं।

मॉम और बॉब मेरा इंतज़ार कर रहे हैं और उन्हें देखकर मन खुश हो गया। पता नहीं लंबे सफ़र के कारण था या पिछले कुछ दिनों की मानसिक उथलपुथल वजह थी–मैं मॉम के गले लगते ही रो दी।

"ओह एना, हनी...! तुम थक गई होगी। उन्होंने बॉब को हैरानी से ताका।

"नहीं, मॉम! बस आपको देखकर मन भर आया। मैंने उन्हें कस कर गले से लगा लिया।

उनसे मिल कर अच्छा लग रहा है। ऐसा लग रहा है कि अपने घर आ गई हूं। मैंने उन्हें छोड़ा और बॉब ने थोड़ा झिझकते हुए आधी गलबांही दी। लगता है कि पैर को पूरा आराम नहीं आया। मुझे याद है कि उसे चोट आई हुई थी।

"एना! स्वागत है पर तुम रो क्यों रो रही हो?" उन्होंने पूछा।

"ओह बॉब! मुझे तुम्हें देखकर बहुत खुशी हो रही है।" मैंने उसके चौरस चेहरे और प्यार से मुझे ताकती नीली आंखों को देखकर कहा। मुझे मॉम का यह पति पसंद है। मॉम! आप इसे रख सकती हो। उसने मेरा सामान पकड़ लिया।

"ओह एना! ये क्या सामान लाई हो?"

"ओह इसमें मैक भी है।" हम पार्किंग लॉट की ओर चले तो दोनों ने मेरे गले में बांहें डाल दी।

मैं हमेशा भूल जाती हूं कि यहां सवाना में कितनी भयंकर गर्मी होती है। हम वातानुकूलित कक्षों से बाहर आए तो गर्मी ने स्वागत किया। मुझे उन दोनों के बांहों से खुद को अलग करना पड़ा ताकि सिर से जैकेट की टोपी उतार सकूं। शुक्र है कि मैंने शॉर्ट्स पैक कर लिए थे। वैसे मैं कभी-कभी लॉस वेगास की शुष्क गर्मी को याद करती हूं, जहां मैं सत्रह साल की उम्र में रे और मॉम के साथ रहती थी पर यहां तो सुबह के साढ़े आठ बजे ही गर्मी से यह हाल है। मुझे इसकी आदत डालनी होगी। जब तक मैं बॉब की ज़बरदस्त वातानुकूलित ताहो एसयूवी में बैठी तो शरीर निढाल हो गया था और बाल चिपचिपाने लगे थे। मैंने बैठते ही रे, केट और क्रिस्टियन को मैसेज किया:

सवाना में सुरक्षित पहुंच गई–एना

सैंड बटन दबाते ही मेरा ध्यान जोस की ओर चला गया। मैं अपनी थकान के बाद भी भूली नहीं थी कि अगले सप्ताह ही उसका शो था। क्या मुझे क्रिस्टियन के उसके बारे में विचार जानने के बाद उसे साथ चलने को कहना चाहिए? क्या क्रिस्टियन मुझसे इस ई-मेल के बाद भी मिलना चाहेगा? मैंने इस सोच पर कंधे झटके और उसे दिमाग से परे कर दिया। इस बात को बाद में देखेंगे। अभी तो मुझे मॉम के साथ का आनंद लेना है।

"हनी! तुम थक गई हो। क्या घर पहुंच कर सोना चाहोगी?"

"नहीं मॉम मैं सागर तट की सैर पर जाना चाहूंगी।"

मैंने नीली हाल्टर नेक वाली पोशाक पहनी है और अटलांटिक महासागर के सामने बैठी डाइट कोक पी रही हूं और कल की ही तो बात है जब मैं पैसीफिक को ताक रही थी। मॉम भी मेरे सामने ही बैठी हैं और बड़ा सा बेतुका हैट और चश्मा पहन रखा है। वे भी कोक का केन ले कर बैठी हैं। हम टाइबी आईलैंड बीच पर हैं जो हमारे घर से केवल तीन ब्लॉक की दूरी पर है। उन्होंने मेरा हाथ थाम लिया और वहां सूरज की गुनगुनाहट के बीच मेरी सारी थकान छूमंतर हो गई। मैंने काफी समय बाद खुद को बहुत ही सहज और आरामदेह स्थिति में पाया।

"तो एना...उस आदमी के बारे में बताओ जिसने तुम्हें चक्कर में डाला हुआ है?"

चक्कर! वे कैसे जानती हैं? क्या कहूं। मैं उस एनडीए के कारण क्रिस्टियन के बारे में कुछ ज्यादा बता ही नहीं सकती पर अगर ऐसा न भी होता तो क्या मैं उन्हें ऐसी बातें बता पाती? इस सोच से चेहरा पीला पड़ गया।

उन्होंने मेरा हाथ दबाकर दिलासा दिया।

"उसका नाम क्रिस्टियन है। वह बहुत खूबसूरत है। पैसे वाला है... बहुत पैसे वाला। वह बहुत उलझा हुए और अस्थिर स्वभाव का व्यक्ति है।"

जी-मुझे खुशी हुई कि मैंने बहुत ही सटीक शब्दों में क्रिस्टियन को पेश कर दिया था। मैंने उनकी ओर अपना चेहरा घुमा लिया और उन्होंने भी यही किया। उन्होंने मुझे अपनी नीली आंखों से देखा।

"एना मैं उलझे हुए और अस्थिर स्वभाव शब्दों पर गौर करना चाहूंगी।"

अरे नहीं!

"ओह मॉम! उसके मूड के उतार-चढ़ाव से मेरा दिमाग चकरा जाता है। उसका पालन-पोषण बहुत ही मनहूस और सख़्त किस्म के माहौल में हुआ है इसलिए उसे समझना लगभग नामुमकिन है।"

"क्या तुम उसे पंसद करती हो?"

"मैं उसे पसंद से भी ज्यादा चाहती हूं।"

"सच?" उन्होंने मुझे हैरानी से ताका।

"हां मॉम"

"एना हनी! पुरुष अकसर उलझे हुए नहीं होते। वे बहुत ही सादे इंसान होते हैं। वे जो कहते हैं, उनकी बात का वही मतलब होता है। और हम उनकी बातों के विश्लेषण में घंटों लगा देते हैं। अगर तुम्हारी जगह मैं होती तो उसके शब्दों का कोई उलझा हुआ अर्थ न निकालती। इससे शायद मदद मिल सकती है।"

मैंने उन्हें अविश्वास से देखा। ये तो अच्छी सलाह लग रही थी। मतलब क्रिस्टियन के शब्दों पर गौर करूं। उसके शब्द मेरे दिमाग में गूंज उठे:

मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता..

तुमने मुझे सम्मोहित कर दिया है.....

तुमने मुझे दीवाना बना दिया है.....

मैं भी तुम्हें याद करूंगा...जितना तुम जानती हो, उससे कहीं ज्यादा..

मैंने मॉम को देखा। इस समय वे चौथे पति के साथ हैं। हो सकता है कि वे पुरुषों के बारे में बेहतर जानती हों।

"डार्लिंग तकरीबन पुरुष मूडी होते हैं, कुछ कम तो कुछ ज्यादा। मिसाल के तौर पर अपने पिता को ही लो...।" प्राय: मेरे पिता की बात करते हुए उनकी आंखें नम और उदास हो आती हैं। मेरे पिता, मेरे पौराणिक पिता, जिन्हें मैंने कभी नहीं जाना; उन्हें नौसेना में युद्ध प्रशिक्षण दुर्घटना ने बेरहमी से हमसे छीन लिया। मेरे मन का एक हिस्सा कहता है कि मॉम आज तक मेरे डैड जैसे पुरुष को ही आज तक अपने लिए खोजती आई हैं। ...हो सकता है कि उन्हें बॉब में वह झलक मिल गई हो। बड़े दुख की बात है कि वे रे में वैसी झलक नहीं पा सकीं।

"मुझे लगता था कि तुम्हारे पिता मूडी थे पर जब मैं आज पीछे मुड़कर देखती हूं तो समझ सकती हूं कि वे अपने काम में कितने मग्न रहते थे और हमें एक अच्छी ज़िंदगी देने के लिए मेहनत करते थे। उन्होंने आह भरी। वे अभी कम उम्र के थे। हम दोनों ही छोटे थे। शायद यही वजह थी कि...।"

हम्म...क्रिस्टियन को भी हम बूढ़ा तो नहीं कह सकते। मैं मॉम को देखकर प्यार से मुस्कुराई। वे मेरे पिता के बारे में बड़े दिल से सोच सकती हैं पर कह नहीं सकती कि वे क्रिस्टियन के मूड को भी समझ पाएंगी।

"बॉब आज हमें अपने गोल्फ क्लब में डिनर के लिए ले जाना चाहता है।"

"अरे नहीं! बॉब गोल्फ खेलने लगा?" मैंने हैरानी से मुंह बनाया।

"अब तुम्हीं कहो।" मॉम ने भी मुंह बना दिया।

घर में हल्का लंच लेने के बाद मैंने सामान खोलना शुरू किया। उसके बाद हल्की झपकीलेने का मूड है। मॉम पता नहीं मोमबत्तियां बनाने या पता नहीं कौन सा काम करने के लिए गायब हो गई हैं और बॉब काम पर गया है इसलिए मैं झपकी ले सकती हूं। मैंने मैक ऑन कर लिया। जार्जिया में दोपहर के दो हैं और सिएटल में सुबह के ग्यारह बजे होंगे। मैं सोच रही थी कि कोई जवाब आया या नहीं? मैंने घबराहट के साथ ई-मेल खोला।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: आखिरकर
डेट: मई 30 2011 07:30
टू: एनेस्टेसिया स्टील

एनेस्टेसिया!
मुझे इस बात की नाराज़गी है कि जैसे ही हमारे बीच थोड़ी दूरी आती है, तुम बड़े ही दिल से खुल कर अपने मन की बात कहती हो। जब हम साथ होते हैं, तब तुम ऐसा क्यों नहीं कर सकतीं?

हां, मैं दौलतमंद हूं। तुम्हें इसकी आदत डालनी होगी। मैं तुम पर पैसा क्यों नहीं लगासकता? हम तुम्हारे पिता से कह चुके हैं कि मैं तुम्हारा ब्वायफ्रेंड हूं और वे ऐसा ही करते हैं। तुम्हारा मालिक होने के नाते मैं तुमसे उम्मीद करता हूं कि मैं तुम्हारे लिए जो भी करूं, उसे तुम बिना किसी बहस के कबूल करो। वैसे अपनी मॉम को भी इस बारे में बता देना।

तुम एक वेश्या की तरह महसूस करती हो। समझ नहीं आ रहा कि इस बात का क्या जवाब दूं? मैं जानता हूं कि तुमने ऐसा नहीं लिखा पर तुम्हारा संकेत तो यही है। समझ नहीं आता कि तुम्हारे मन से यह बात निकालने के लिए क्या कहूं या क्या करूं? मैं चाहूंगा कि तुम्हारे पास हर बेहतरीन चीज़ हो। मैं इसलिए कड़ी मेहनत करता हूं ताकि जहां सही समझूं, वहां दिल खोलकर खर्च कर सकूं। एनेस्टेसिया! मैं तुम्हारी पसंद की हर चीज़ लेकर दे सकता हूं और मैं ऐसा करना चाहता हूं। अगर चाहो तो इसे धन का पुनःवितरण भी कह सकती हो या बस जान लो कि जैसा तुम अपने बारे में सोचती हो, वैसा मैं कभी सपने में भी तुम्हारे बारे में नहीं सोच सकता और मैं नाराज़ हूं कि तुम अपने बारे में ऐसी राय क्यों रखती हो। इतनी सुंदर व होशियार नवयुवती होने के बावजूद तुम्हारे अंदर स्वाभिमान की कमी है। मैं तय नहीं कर पा रहा कि डॉक्टर से तुम्हारे लिए मुलाकात का समय लूं या नहीं?

तुम्हें डराने के लिए माफी चाहूंगा। लगता है कि यह डर तुम्हारे भीतर जन्मजात है। क्या तुम्हें लगता है कि मैं कहीं बांध कर सफर करूंगा? मैं तो तुम्हें अपना प्राइवेट जेट तक दे रहा था। खैर, तुम्हें बांधने वाली बात एक मज़ाक थी, मेरे काम में क्रेट्स का कोई लेन-देन नहीं होता इसलिए हमें वे नहीं चाहिए। मुझे पता है कि तुम्हें मुंह बंद करने वाली बात पसंद नहीं और अगर किसी दिन ऐसा कुछ किया गया तो तुमसे पूछकर ही होगा। शायद तुम यह नहीं समझ पा रहीं कि मालिक/ गुलाम के रिश्ते में गुलाम यानी सब के पास ही सारी ताकत होती है। वह तुम हो और मैं दोहराना चाहूंगा कि सारी ताकत तुम्हारे पास ही है। तुमने बोटहाउस में इंकार किया और मैं तुम्हारे मना करने के बाद तुम्हें छू तक नहीं सकता-तभी तो हमें प्रबंध करना पड़ता है कि तुम क्या करोगी और क्या नहीं करोगी। यदि मैं कुछआज़माऊं और वह तुम्हें पसंद न आए तो हम उसे रोक देंगे। यह सब मुझ पर नहीं, तुम पर निर्भर करता है। यदि तुम बांधना या मुंह बंद करना पसंद नहीं करतीं तो ऐसा नहीं होगा।

मैं अपनी जीवनशैली तुम्हारे साथ बांटना चाहता हूं। मैंने आज तक किसी भी चीज़ की इतनी चाहना नहीं की। सच कहूं तो मैं तुम पर मोहित हूं कि कुछ भी करने को तैयार हूं। तुम देख नहीं पातीं कि मैं किस तरह तुम्हारी ओर खिंचा चला आता हूं। मैं तुम्हें अनगिनत बार यह बात बता चुका हूं। मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता। मैं घबराया हुआ हूं कि तुम मुझसे इतनी दूरी पर हो। तुम मेरे साथ रहने पर सही तरह से सोच नहीं पातीं। एनेस्टेसिया! मेरे साथ भी यही होता है। मेरे मन में तुम्हारे लिए ऐसी भावनाएं हैं कि तुम्हारे साथ होने पर मेरे सारे कारण ओझल हो जाते हैं।

मैं तुम्हारे मन की दशा समझ सकता हूं। मैंने तुमसे दूर रहने की कोशिश की। मैं जानता था कि तुम अनाड़ी थीं पर अगर मुझे पता होता कि तुम इतनी भोली हो तो शायद मैं तुम्हें इतना आगे न ले जाता। तुम अब भी अपने ही तरीके से मुझे बिल्कुल बेबस कर देती

हो। जैसे कि तुम्हारा ई-मेल: मैंने तुम्हारा नज़रिया जानने के लिए इसे जाने कितनी बार पढ़ा होगा। हम तीन माह के समय को छह माह में बदल सकते हैं। तुम इसे कितना करना चाहोगी? बताओ तुम्हारे लिए क्या सही रहेगा?

मैं समझ सकता हूं कि तुम्हारे लिए ये एक बड़ा कदम है। मुझे तुम्हारा भरोसा पाना है पर साथ ही तुम्हें अपने मन की बात भी कहनी है ताकि मैं सब जान सकूं। तुम दिखने में तो कितनी संतुष्ट और मजबूत लगती हो पर कैसी बातें लिखती हो। एनेस्टेसिया! हमें एक-दूसरे को रास्ता दिखाना होगा। मुझे यह मदद तुमसे ही मिलेगी। तुम्हें मेरे साथ ईमानदारी दिखानी होगी और हमारा यह अरेंजमेंट कारगर हो पाएगा।

तुम खुद को एक सेक्स गुलाम के तौर पर नहीं देखतीं। वैसे कोई हर्ज़ नहीं, बस तुम्हें उस प्लेरूम में ही उस तरह से पेश आना होगा। वहीं तुम मुझे अपने पर पूरा नियंत्रण दोगी और वही करोगी, जो मैं कहूंगा। वहां से बाहर आने पर मुझे तुम्हारी चुनौतियां पसंद आती हैं। ये एक नया और ताज़ा अनुभव है और मैं इसे बदलना नहीं चाहूंगा। तो बताओ, तुम और अधिक के नाम पर क्या चाहती हो? मैं खुले दिमाग से सुनूंगा और तुम्हें पूरी आज़ादी देने की कोशिश करूंगा और तुम जार्जिया में मुझसे दूर रहना चाहती हो तो यही सही। मैं तुम्हारे मेल का इंतज़ार करूंगा।

तब तक पूरी मस्ती करो। पर ज़्यादा भी नहीं!

क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

वाह! इसने तो पूरा निबंध लिख कर भेजा है। जैसा कि हम स्कूल में लिखते थे और मज़े की बात यह है कि उसका तकरीबन हिस्सा अच्छा है। मैंने इन पंक्तियों को बार-बार पढ़ा और अपने मैक को गले से लगा लिया। हमारा अनुबंध एक साल का? मेरे पास येताकत है। वाऊ! मैं इस बारे में सोचने जा रही हूं। मॉम ने यही तो कहा है, उसके शब्दों पर ध्यान दो। वह मुझे खोना नहीं चाहता और वह ऐसा दो बार कह चुका है। वह चाहता है कि हमारा यह रिश्ता आगे तक निभे। ओह क्रिस्टियन! मैं भी यही चाहती हूं। वह दूर रहने की कोशिश करने जा रहा है? इसका मतलब कि वह दूर रहने में नाकामयाब भी हो सकता है। अचानक ही दिल यही चाहने लगा। मैं उसे देखना चाहती हूं। हमें बिछुड़े चौबीस घंटे भी नहीं हुए और यह सोचकर ही दिल डूब रहा है कि मुझे उससे पूरे चार दिन दूर रहना होगा। मुझे पता चल रहा है कि मैं उससे कितना प्यार करती हूं या उसे कितना याद करती हूं।

"एना हनी!" बीते ज़माने की मीठी यादों से लिपटी बड़ी ही मुलायम और प्यारी-सी आवाज़ कानों में गूंज उठी।

एक कोमल हाथ मेरे चेहरे से टकराया। मेरी मॉम ने उठाया और मैं मैक को सीने से लिपटाए सो रही थी।

"एना बच्चे!।" मैंने नींद में ही पलकें झपकाईं।

"हाय मॉम!" मैंने अंगड़ाई लेते हुए मुस्कान दी।

"हम अगले तीस मिनट में डिनर के लिए निकल रहे हैं। क्या तुम आना चाहती हो?" उन्होंने प्यार से पूछा

"अरे हां! मॉम ज़रूर आना चाहती हूं।" मैंने कोशिश की पर जंभाई को रोक नहीं पाई।

"वाह बड़ी ज़बरदस्त तकनीक है।" उन्होंने लैप की ओर संकेत कर कहा।

ओह! हो गई गड़बड़।

"अरे... ये?" मैंने कोशिश की कि उनकी हैरानी को थोड़ा मंद कर दूं।

"क्या मॉम ध्यान देंगी? वैसे जब से मुझे एक ब्वायफ्रेंड मिला है। वे कुछ ज्यादा ही तेज़ नज़रों वाली हो गई हैं।

"क्रिस्टियन का है। मेरे हिसाब से तो इससे स्पेस शटल भी चलाया जा सकता है पर मैं केवल ई-मेल व इंटरनेट के लिए इस्तेमाल करती हूं।"

सच्ची! कोई ऐसी बात नहीं है। वे साथ ही बैठ गईं और मेरे चेहरे पर आई लट पीछे कर दी।

"क्या उसने ई-मेल किया?"

मर गए आज तो.....

मेरे मुंह से निकल ही गया है......।"

"शायद तुम्हें याद कर रहा है, है न?"

"मॉम! उम्मीद तो यही करती हूं।"

"क्या कहा उसने?"

ओह! अब क्या जवाब दूं.....

मैं जल्द ही कोई जायज़ सी लगने वाली बात खोजने लगी, जो कि मॉम को बताई जा सके। मुझे पक्का यकीन है कि वे मालिक और गुलाम, मुंह में कपड़ा डालने या बांधने वाली रामकहानियां तो कभी नहीं सुनना चाहेंगी और वैसे भी मैं कौन सा बता सकती हूं। मैंने भी तो कानूनी कागज़ों पर हस्ताक्षर करके अपने हाथ कटा दिए हैं।

"उसने कहा है कि मैं मस्ती करूं पर अपनी सीमा में रहूं।"

"सुनने में तो सही लगा। खैर! तुम जल्दी से तैयार हो जाओ।" वे आगे आई और मेरा माथा चूमकर बाहर निकल गईं। "एना! तुम यहां आई। बेटा! मुझे इस बात की बड़ी खुशी है।" वे जाते-जाते बोलीं और मेरे चेहरे पर मुस्कान खेल गई।

क्रिस्टियन और जायज़ बातें...। ये दोनों की बातें विचार करने वाली थीं पर शायद इस ई-मेल के बाद सब कुछ और साफ हो जाए। मैंने अपनी गर्दन हिलाई। मुझे उसके शब्दों को हजम करने के लिए वक्त चाहिए। शायद मैं रात के खाने के बाद जवाब दे सकती हूं। मैं पलंग से निकली, अपनी टी-शर्ट और शार्ट निकालकर नहाने चल दी।

मैं केट की भूरी हाल्टर गले वाली पोशाक लाई हूं, जो ग्रेजुएशन वाले दिन पहनी थी। मेरे पास पोशाक के नाम पर बस यही है। गर्मी की वजह से उसकी सलवटें निकल गई हैं और गोल्फ क्लब में तो चल ही जाएगी। मैंने कपड़े बदलते ही लैप खोला। वहां कुछ नया नहीं था। मन मायूस हो गया। मैंने जल्दी से एक ई-मेल टाइप किया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: बहुत खूब?
डेट: मई 30 2011 19:08 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
आप तो बहुत अच्छा लिख लेते हैं। मुझे अभी डिनर के लिए बॉब के गोल्फ क्लब जाना है और आपको बता दूं कि यह सुनकर ही मैं अपनी आंखें नचा रही हूं। आप और आपकी खुजाती हुई हथेली मुझसे बहुत दूर हैं और मेरी पीठ सुरक्षित है। मुझे आपका ई-मेल पसंद आया। मौका पाते ही जवाब दूंगी। मैं भी आपको मिस कर रही हूं।
दोपहर का आनंद लें।
आपकी एना

सब्जैक्ट: तुम्हारी पीठ
डेट: मई 30 2011 16:10
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
वैसे अभी कुछ समय के लिए तो तुम सुरक्षित ही हो।
अपने डिनर का आनंद लो। मैं भी तुम्हें और तुम्हारे बड़बोलेपन को याद कर रहा हूं।
मेरा दिन बोर होगा। बस तुम्हारी सोच ही इसमें थोड़ा रंग भरेगी और मुझे तो लगता है कि पहली बार तुमने ही मुझे बताया कि मैं भी आंखें नचाने की गंदी आदत का शिकार हूं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ व आंखें नचाने वाला
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: आंखें नचाना
डेट: मई 31 2011 19:14 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
मुझे ई-मेल करना बंद करें। मैं डिनर के लिए तैयार हो रही हूं। आप इतनी दूर होने पर भी मेरा ध्यान भटका रहे हैं। और हां–जब आप आंखें मटकाते हैं तो आपकी ठुकाई कौन करता है?
आपकी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारी पीठ
डेट: मई 30 2011 21:59
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
मैं बताना चाहूंगा कि मैं अपनी ज़िंदगी का राजा हूं और किसी में मुझे फटकारने कीहिम्मत नहीं है। बेशक मेरी मां और डॉक्टर फ्लिन के सिवा...। और तुम भी इस सूची में शामिल हो।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: मैं और तुम्हें शारीरिक दण्ड...?
डेट: मई 31 2011 19:22 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
मैंने आज से पहले ऐसी हिम्मत भी कब की है? मुझे लगता है कि तुम किसी और की बजाए गलती से मेरा नाम ले रहे हो। मुझे चिंता हो रही है। वैसे मुझे तैयार भी होना है।
तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारी पीठ
डेट: मई 30 2011 16:25
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
तुम जब भी कुछ लिखती हो तो यही करती हो। क्या मैं तुम्हारी ड्रेस की ज़िप बंद कर सकता हूं?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
जाने कैसे वे शब्द स्क्रीन से उतरे और मेरे पूरे शरीर में सिहरन दौड़ गई। ओह......वह मेरे साथ मस्ती करना चाहता है।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: एनसी 17
डेट: मई 31 2011 19:28 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डियर मि. ग्रे
अगर तुम इसे खोलते तो कहीं बेहतर होता।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: ज़रा सोचकर बोलो.........

डेट: मई 30 2011 16:31
टू: एनेस्टेसिया स्टील

डियर मिस स्टील!
मैं भी यही करता।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: मैं हांफ रही हूं
डेट: मई 31 2011 19:33 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
धीरे-धीरे

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: कराहें भरते हुए......
डेट: मई 30 2011 16:35
टू: एनेस्टेसिया स्टील
काश मैं वहां होता।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: हल्की आहें
डेट: मई 31 2011 19:37 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मैं भी!

"एना!" मॉम ने आवाज़ दी और मैं उछल पड़ी। मैं इतनी शर्मिंदगी क्यों महसूस कर रही हूं?
"आई मॉम!"

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: हल्की कराहें
डेट: मई 31 2011 19:39 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
जाना पड़ेगा
बाद में मिलते हैं बेबी!

मैं हॉल में भागी। जहां बॉब और मॉम मेरे इंतज़ार में हैं।

"डार्लिंग ठीक तो हो? घबराई हुई क्यों दिख रही हो?"

"मॉम! मैं ठीक हूं।"

"डियर! कितनी प्यारी लग रही हो।"

"ओह! ये तो केट की पोशाक है। आपको पसंद आई?"

उनकी त्यौरियां गहरी हो आईं।

"तुमने केट की पोशाक क्यों पहनी है?"

अरे नहीं.....

"मुझे पसंद है और उसे अच्छी नहीं लगती।" मैंने बात संभाली।

उन्होंने मुझे संदेह से घूरा और बॉब अधीरता से देखता रहा।

"मैं तुम्हें कल शॉपिंग के लिए ले जाऊंगी।" वे बोलीं।

"ओह मॉम! आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मेरे पास बहुत सारे कपड़े हैं।"

"क्या मैं अपनी बेटी के लिए कुछ कर नहीं सकती। चलो, जल्दी करो बॉब भूख से अधमरा हो रहा है।"

"बिल्कुल सही कहा।" बॉब बिसूरा और पेट पर हाथ मलते हुए हंसने लगा।

मैं भी उसे आंखें मटकाते देख हंस दी और हम दरवाजे की ओर बढ़े।

बाद में, रात को नहाने के दौरान मैंने सोचा कि मॉम में कितना बदलाव आ गया था। वे डिनर के समय गोल्फ क्लब के दोस्तों के साथ पूरे जोश और मस्ती में दिख रही थीं। बॉब भी पूरी गर्मजोशी से साथ दे रहा था... लगता है कि उन्हें एक-दूसरे का साथ भा गया है। मैं उनके लिए खुश हूं। इसका मतलब होगा कि मुझे उनके इस फैसले के बारे में चिंता करना छोड़ देना चाहिए और पति नंबर तीन के गहरे अंधेरे दिनों की यादों को भूल जाना चाहिए। बॉब सही चुनाव है। वे मुझे भी सही सलाह दे रही हैं। वैसे ये सब कब शुरू हुआ? जब से मैं क्रिस्टियन से मिल रही हूं। ऐसा क्यों?

जब मैं नहा ली तो खुद को सुखाया और झट से क्रिस्टियन की यादों में लौट आई। वहां एक ई-मेल मेरे इंतज़ार में है। कुछ घंटे पहले आया था।

फ्रॉम: **क्रिस्टियन ग्रे**
सब्जैक्ट: साहित्यिक चोरी
डेट: मई 31 2011 16:41
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुमने मेरी लाइन चोरी की और मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा। तुम मुझे अधर में छोड़ गई।
डिनर का आनंद लो।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: तुम चोर के लिए रोने वाले कौन होते हो?
डेट: मई 31 2011 22:18 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे सर,
मैंने सोचा कि आपको पता लग जाएगा कि मूल रूप से यह इलियट की लाइन थी। इसमें अधर में छोड़ने वाली क्या बात थी?
तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: अधूरा काम
डेट: मई 31 2011 19:22
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुम लौट आईं। तुम अचानक ही इतने दिलचस्प किस्से के बीच से चली गई थीं। डिनर कैसा रहा?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: अधूरा काम?
डेट: मई 31 2011 22:26 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

डिनर बढ़िया था। तुम्हें सुन कर खुशी होगी कि मैंने पेट भर कर खाया।

सब दिलचस्प कैसे हो रहा था?
तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: अधूरा काम, निश्चित तौर पर?
डेट: मई 31 2011 19:30
टू: एनेस्टेसिया स्टील
क्या तुम जानबूझ कर अनजान बन रही हो? तुमने ही तो मुझे पोशाक की ज़िप खोलने को कहा था।
और मैं ऐसा करने ही वाला था। मुझे सुन कर खुशी हुई कि तुमने भरपेट खाया।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: खैर......एक वीकएंड हमेशा आता है
डेट: मई 31 2011 22:36 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
बेशक मैंने भरपेट खाया... तुम्हारे आसपास की अनिश्चितता ही मुझे सही तरह से खाने नहीं देती।
और मैं अभी अनजान बन कर बातें नहीं करती। आपको अब तक तो यह पता लग ही गया होगा।
तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: इंतज़ार नहीं कर सकता
डेट: मई 31 2011 19:40
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिस स्टील! मैं इसे याद रखूंगा और सुन कर दुख हुआ कि तुम मेरी वजह से खा नहीं पातीं। मैंने सोचा कि मैं तुम पर गहरे आवेग से भरा प्रभाव रखता था। यही मेरा अनुभव है और अब तक बहुत ही आनंददायी रहा है।
मैं अगली बार की प्रतीक्षा में हूं।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: जिम्नास्टिक भाषाविद्
डेट: मई 31 2011 22:18 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्या तुम फिर से शब्दकोश लेकर बैठ गए हो?
तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: गड़गड़ाहट
डेट: मई 31 2011 19:40
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुम मुझे कहीं बेहतर जानती हो, मिस स्टील
मैं किसी पुराने दोस्त के साथ डिनर के लिए जा रहा हूं इसलिए अभी गाड़ी चला रहा हूं।
बाद में, बेबी!
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

कौन-सा पुराना दोस्त?

मुझे नहीं लगता कि उसके पास कोई पुराने दोस्त हैं...सिवाए उसके! मैंने सोचकर नाक चिढ़ाई। उसे अब भी उससे मिलने की क्या पड़ी है? मैं गुस्से और जलन के बीच झूलने लगी। मैं किसी चीज़ को मारना चाहती थी, अगर मिसेज राबिन्सन मिल जाती तो ज्यादा बेहतर होता। एक ही झटके में लैपी बंद किया और पलंग पर आ गई।

मुझे सुबह से पहले उसे लंबी ई-मेल का जवाब दे देना चाहिए पर अचानक ही इतना गुस्सा आ गया है। वह उसे उस रूप में क्यों नहीं देख सकता जैसी कि वह है। बच्चों कीयौन शोषक! मैंने बत्ती बंद कर दी और अंधेरे में ही सुलगने लगी। उसकी हिम्मत कैसे हुई? उसने एक किशोर का नाजायज फायदा कैसे उठाया? क्या वह अब भी ऐसा कर रही है? उन्होंने ऐसा करना बंद क्यों किया? मेरे दिमाग में हजारों बातें चक्कर काटने लगीं। अगर उनके बीच सब खत्म था तो अब भी उनके बीच दोस्ती क्यों है? क्या वह शादीशुदा है? क्या वह तलाकशुदा है? क्या उसके पास अपने बच्चे हैं? क्या उसके पास क्रिस्टियन के बच्चे हैं? मेरे अंदर बैठी लड़की इस सोच से इतना कुढ़ गई कि क्या कहूं। मेरा जी मिचला उठा। क्याडॉ. फ्लिन इस बारे में जानते हैं?

मैंने अपने-आप से जूझते हुए लैपी दोबारा चालू किया। मैं एक मिशन पर हूं। मैंने जल्दी से अंगुलियां चलाईं ताकि नीला स्क्रीन दिखने लगे। मैंने गूगल इमेज का बटन दबाया और लिखा–क्रिस्टियन ग्रे! स्क्रीन पर एक ही झटके में उसकी कई तस्वीरें आ गईं। काली टाई और सूट में खड़ा क्रिस्टियन। यहां तो वे तस्वीरें भी हैं जो जोस ने ली थीं। वे इंटरनेट पर कैसे आईं? हाय! कितना प्यारा दिख रहा है।

मैं जल्दी से आगे बढ़ी। कुछ तस्वीरें व्यावसायिक सहयोगियों के साथ थीं। एक शानदार व्यक्ति की ज़बरदस्त तस्वीरें, जिसे मैं बड़ी अंतरंगता से जानती हूं। क्या वह मेरा अंतरंग है? मैं तो उसे यौन संबंधों के नाते जानती हूं और शायद अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। मुझे पता है कि वह मूडी, मुश्किल, मज़ाकिया, ठंडे और गरमाहट से भरे......हे भगवान ये इंसान तो विरोधाभासों का उलझा हुआ गोला है। मैंने अगले पेज पर क्लिक किया। यहां भी वह अकेला है और मुझे केट की बात याद आ गई, उसने कहा था कि उसने कभी उसे किसी लड़की के साथ नहीं देखा। शायद यही वजह थी कि क्रिस्टियन को समलैंगिक माना जाने लगा था। फिर तीसरे पेज की तस्वीर में वह मेरे साथ था। वही तस्वीर, जो ग्रेजुएशन के समारोह में ली गई थी। उसकी किसी महिला के साथ एकमात्र तस्वीर वही है, जिसमें मैं उसके साथ हूं।

हाय! मैं गूगल पर हूं। मैंने हमारी तस्वीर को घूरा। मैं कैमरे को देख घबराई हुई हूं और चेहरे कर रंग उतरा दिख रहा है। मैंने इस फोटो से ठीक पहले उससे हामी भरी थी कि मैं उसके अनुबंध के लिए कोशिश कर सकती हूं। क्रिस्टियन बहुत सुंदर, संवरा और ठहरा हुआ दिख रहा है और उसने वही टाई पहनी हुई है। कितना सुंदर चेहरा... कितना सुंदर चेहरा और अब वह मिसेज रॉबिन्सन को निहार रहा होगा। मैंने उस तस्वीर को अपने पास सेव कर लिया और बाकी सारे अठारह पेज भी देख लिए...कुछ नहीं मिला। मुझे गूगल पर मिसेज रॉबिन्सन नहीं मिलीं। पर मुझे ये तो जानना ही है कि क्या वह उसके साथ है? मैंने जल्दी से क्रिस्टियन को एक ई-मेल टाइप किया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: डिनर का उपयुक्त साथ
डेट: मई 31 2011 23:58 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

उम्मीद करती हूं कि तुम अपने दोस्त के साथ एक खुशनुमा डिनर ले रहे होगे।
एना
क्या तुम मिसेज रॉबिन्सन के साथ हो?

मैंने सैंड बटन दबाया और फिर से पलंग पर आकर अपने-आप से वादा किया कि क्रिस्टियन से उस औरत के साथ संबंध के बारे में ज़रूर पूछूंगी। मेरे मन का एक हिस्सा उसके बारे में सब जानना चाहता है और दूसरा कहता है कि उसकी सब बातें भुला दे। मेरे पीरियड शुरू हो गए हैं इसलिए मुझे सुबह गोली लेना याद रखना होगा। मैंने जल्दी से ब्लैकबैरी में अलार्म लगा दिया। उसे कोने की मेज़ पर रखकर बेचैनी से भरी नींद में खो गई और सपने देखती रही कि हम पच्चीस हज़ार मील की दूरी पर नहीं बल्कि एक ही शहर में हैं।

सुबह हमने बाजार की सैर की और दोपहर को सागरतट पर आ गए। मॉम का कहना था कि हमें अपनी शाम किसी बार में बितानी चाहिए। हम बॉब को छोड़कर सवाना के एक आलीशान होटल के बार में आ गए। मैं दूसरा कॉस्मोपॉलिटन ले रही हूं और मॉम का तीसरा है। वे पुरुषों के अहं के बारे में काफी जानकारी दे रही हैं और मेरा दिल डूबता जा रहा है।

"देख एना! मर्द सोचते हैं कि औरत के मुंह से निकली हर बात एक ऐसी मुश्किल है जिसका कोई हल नहीं होता। हम तो अकसर बातें कहकर भूल जाते हैं पर मर्द हर बात में कार्यवाही करना पसंद करते हैं।"

"मॉम! आप मुझे यह सब क्यों बता रही हो?" वे सुबह से ऐसी ही बातें कर रही हैं।

"डार्लिंग! तुम बहुत खोई-खोई दिख रही हो। तुम कभी किसी लड़के को घर नहीं लाई और वेगास में भी तुम्हारा कोई दोस्त नहीं

था। मुझे लगता था कि शायद जोस से तुम्हारी कोई बात बन जाएगी।"

"मॉम! जोस एक अच्छा दोस्त है।"

"मुझे पता है जान! पर कुछ तो है और मुझे तो नहीं लगता कि तुम मुझे सब कुछ बता रही हो।" उन्होंने मुझे घूरा और चेहरे पर ऐसे भाव आ गए जो अकसर चिंता करने वाली मां के चेहरे पर दिखते हैं।

"मुझे क्रिस्टियन से थोड़ी दूरी चाहिए थी ताकि अपनी सोच को एक दिशा दे सकूं..बस! उसके साथ के कारण मैं कुछ सोच नहीं पाती। भावुक हो जाती हूं।"

"भावुक?"

"हां मॉम! मैं उसे बहुत याद कर रही हूं।"

आज सुबह से उसकी कोई खबर नहीं थी। न मैसज, न मेल और न ही कोई फोन! मैं उसे कॉल करके हाल-चाल लेना चाहती थी। डर था कि कहीं कोई कार दुर्घटना न हो गई हो; वह फिर से उस चुड़ैल के पंजे में न आ गया हो। बेशक बात बेतुकी है पर उसका नाम आते ही मैं खुद को संभाल नहीं पाती।

"डार्लिंग मैं टॉयलेट होकर आती हूं।" मॉम ने कहा

मॉम के जाते ही मैंने ब्लैकबेरी में झांका। मैं सारा दिन ई-मेल देखती रही थी। आखिरकर उसका जवाब आ ही गया

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: डिनर के साथी
डेट: 1 जून 2011 21:40 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टीलद्व
हां, मैंने मिसेज राबिन्सन के साथ डिनर किया था और एनेस्टेसिया! वह एक पुरानी दोस्त भर है।
तुमसे मिलने के इंतज़ार में। तुम्हारी बहुत याद आ रही है।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

वह उसके साथ ही डिनर ले रहा था। मेरे दिमाग में एड्रीनालिन का स्तर और भी बढ़ गया और शरीर में आग सी लग गई। मेरे सारे भय जैसे सामने आ गए थे। उसकी हिम्मत कैसे हुई? मैं दो दिन के लिए बाहर क्या आई। वह फिर से उस कमीनी बुढ़िया के पास चला गया?

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: डिनर के लिए पुराने साथी
डेट: 1 जून 2011 21:42 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे

वह केवल एक पुरानी दोस्त नहीं है।
क्या उसे अपने लिए कोई और किशोर मिल गया है?
या तुम्हारे हिसाब वे वह बूढ़ी हो गई है?
क्या तुम्हारा रिश्ता टूटने की यही वजह है?
मैंने जैसे ही 'सेंड' बटन दबाया। मॉम लौट आईं।
"एना! इतनी परेशान क्यों लग रही हो। सब ठीक है न?"
मैंने गर्दन हिलाई।
"कुछ नहीं! एक और ड्रिंक लेते हैं।"
उनकी भवें सिकुड़ीं पर उन्होंने वेटर को हमारे गिलास भरने का संकेत किया। उसने हामी भरी। वेटर इस संकेत को अच्छी तरह जानते हैं। मैंने झट से ब्लैकबेरी में झांका।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: सावधान......

डेट: 1 जून 2011 21:45 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मैं ई-मेल के माध्यम से ऐसी बातों की चर्चा नहीं करना चाहता।

तुम आज कितने कॉस्मोपॉलिटन पीने वाली हो?

सीईओ, ग्रे इंटरप्राईज़िस होल्डिंग्स, इंक

हे भगवान! वह यहां है!

अध्याय 23

मैंने बार के आसपास घबराहट भरी नज़रों से ताका पर उसे देख नहीं सकी।

"एना, क्या हुआ है? ऐसा लग रहा है कि तुमने कोई भूत देख लिया हो।"

"मॉम क्रिस्टियन यहां है? वह यहां है।"

"क्या? ...सचमुच?" उन्होंने भी बार के आसपास झांका। मैंने कोशिश की कि मॉम कोउसकी खोजी प्रवृत्ति के बारे में न ही बताऊं तो बेहतर होगा।

मैंने उसे देखा। वह हमारी ओर आने लगा और मेरे दिल धक-धक करने लगा। वह तो सचमुच यहां आया है—वह मेरे लिए आया है। भीतर बैठी लड़की का उत्साह तो देखो। वह भीड़ में से जगह बनाता हुआ हमारी ओर ही आ रहा है। हैलोजन रोशनी में उसके बालों का लाल तांबई रंग और भी चमक रहा है। उसकी चमकीली भूरी आंखें चमक रही हैं—गुस्सा? तनाव? उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं हैं, जबड़े तने हैं। ओह, मैंने क्या किया......नहीं। मैं अभी इस पर इतना गुस्सा दिखा रही थी और वह यहां है। मैं अपनी मां के सामने इस पर नाराज़ कैसे हो सकती हूं।

वह हमारी मेज़ पर आया और मुझे अजीब तरीके से घूरने लगा। उसने वही लिनन की सफेद कमीज और जींस पहनी है।

"हाय!" मैं चहकी और उसे साक्षात यहां देखने की हैरानी और झटके को छिपाने की कोशिश की।

"हाय!" उसने जवाब दिया फिर झुककर मेरे गाल चूमकर मुझे और भी चकित कर दिया।

"क्रिस्टियन, ये मेरी मॉम हैं, कार्ला।" अचानक ही मुझे शिष्टता का तकाज़ा याद आ गया।

वह मॉम से अभिवादन करने के लिए मुड़ा। "मिसेज एडम्स! आपसे मिलकर खुशी हुई।"

वह उनका नाम कैसे जानता है? उसने मॉम को विशुद्ध ग्रे मार्का और दिल धड़का देने वाली मुस्कान दी। मॉम की हालत देखने लायक थी। ऐसा लगा कि उनका जबड़ा मेज़ से ही न टकरा जाए। उन्होंने उससे हाथ मिलाया। मॉम ने कोई जवाब नहीं दिया। ओह! ये एकदम से अहमकों की तरह बर्ताव करना—लगता है कि यह हमारा खानदानी रवैया है।

"क्रिस्टियन।" आखिरकर मॉम के मुंह से निकला।

वह अपनी भूरी आंखों से मुस्कुराया और मैंने उन दोनों को देखकर आंखें सिकोड़ीं।

"तुम यहां क्या कर रहे हो?" सवाल कुछ ज़्यादा ही कड़ाई से निकल गया और उसकी मुस्कान गायब होते ही चेहरे के भाव बदल गए। मैं उसे देखकर खुश हूं पर रगों में अब भी मिसेज रॉबिन्सन वाली बात का गुस्सा ताज़ा है। समझ नहीं पा रही कि मैं उस पर चिल्लाना चाहती हूं या उसे अपनी बांहों में भर लेना चाहती हूं पर ये भी नहीं पता कि उसे सही भी लगेगा या नहीं। मैं जानना चाहती हूं कि वह हमें कितनी देर से घूर रहा था। दरअसल मैं अभी भेजे गए ई-मेल के बारे में परेशान हूं।

"बेशक! मैं तुमसे मिलने आया हूं।" उसने मुझे अधीरता से देखा। ओह! वह क्या सोच रहा है? मैं इसी होटल में ठहरा हूं।"

"तुम यहीं ठहरे हो।" मेरी आवाज़ अपने ही कानों को काफी तेज़ सुनाई दी।

"कल तुमने कहा था कि काश मैं यहां होता।" उसने मेरी प्रतिक्रिया जाननी चाही।

"मिस स्टील आनंद देना ही हमारा लक्ष्य है।" उसके सुर में हास्य का कोई पुट नहीं है।

हो गया कचरा! क्या वह नाराज़ है?

शायद मिसेज रॉबिन्सन वाली बात से? या मैं तीसरा-चौथा कॉस्मो लेने वाली हूं, इस बात की नाराज़गी है? मॉम हम दोनों को उत्सुकता से निहार रही हैं।

"क्रिस्टियन! तुम हमारे साथ ड्रिंक्स क्यों नहीं लेते?" उन्होंने वहां से जा रहे वेटर को हाथ से बुलाया।

"मैं जिन और टॉनिक लूंगा। हैंड्रिक्स या बॉबे सफीयर। हैंड्रिक्स के साथ खीरा और सफीयर के साथ नींबू लाना।"

हे भगवान! ड्रिंक के साथ खाने की चीजें मंगाना तो कोई क्रिस्टियन से सीखे।

"दो और कॉस्मो प्लीज़!" मैंने क्रिस्टियन को बेचैनी से ताकते हुए कहा। मैं अपनी मॉम के साथ पी रही हूं। मुझे डांटने का मतलब ही नहीं बनता।

"क्रिस्टियन अपने लिए एक कुर्सी ले लो।"

"धन्यवाद! मिसेज एडम्स।"

उसने कुर्सी खींची और बड़ी भद्रता से मेरे साथ बैठ गया।

"तो तुम अचानक ही इस होटल में ठहरे हो, जिसमें हम ड्रिंक्स ले रहे हैं?" मैंने अपनी सुर को मंद रखने की कोशिश की।

"या तुम उस होटल में ड्रिंक्स लेने आ गई हो, जहां मैं ठहरा हुआ हूं?" क्रिस्टियन ने जवाब दिया।

"मैं अभी डिनर लेकर यहां आया और तुम बैठी दिखाई दीं। मैं तुम्हारे हाल में ही भेजे गए मेल से परेशान-सा था और यहां तुम दिखाई दे गईं। क्या संयोग है?"

उसने अपनी गर्दन एक ओर झुकाई और चेहरे पर भीनी सी मुस्कान ले आया। शुक्र है! शायद आज की शाम खराब न हो।

"मैं और मॉम दिन में शॉपिंग के लिए गए और दोपहर को बीच पर थे। हमने तय किया कि शाम को कुछ कॉकटेल हो जाए।" मैं हौले से बुदबुदाई। ऐसा लग रहा था कि मुझे इसे थोड़ी सफाई दे देनी चाहिए।

"क्या तुमने यह टॉप नया खरीदा?" उसने मेरे नए हरे टॉप की ओर संकेत किया। ये रंग तुम पर फबता है और सूरज की धूप का भी कुछ असर हुआ है। तुम प्यारी लग रही हो।"

मैं खिसिया गई और कुछ नहीं कह सकी।

"वैसे मैं कल तुमसे मिलने की सोच रहा था पर तुम आज ही मिल गईं।"

उसने मेरा हाथ पकड़कर दबाया और उस पर अंगूठा फेरने लगा...मैं वही जाना-पहचाना खिंचाव महसूस करने लगी। उसके अंगूठे की छुअन से खून का दौरा तेज़ हुआ और पूरे शरीर में सनसनाहट-सी होने लगी। उससे मिले दो दिन हो गए हैं। ओह...मैं उसके लिए मरी जा रही हूं। मेरी सांस अटकने लगी है। मैंने शरमाते हुए पलकें झपकाईं और उसके होठों पर मुस्कान खेल गई।

"मैंने सोचा था कि एनेस्टेसिया! तुम्हें सरप्राइज़ दे दूंगा पर तुमने तो यहां आकर मुझे हैरानी में डाल दिया।"

मैंने झट से मॉम को देखा, जो क्रिस्टियन को लगातार घूरे जा रही थीं। जी हां, घूर रही थीं। मॉम! बस करो। मॉम तो उसे ऐसे देख रही थीं मानो वह कोई विलुप्त प्राणी है, जो पहलीबार लोगों के सामने आया हो। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि आज तक मेरा कोई ब्वायफ्रेंड नहीं था और अब क्रिस्टियन उनके सामने है। अब भी इस बात पर यकीन करना मुश्किल है कि मेरे जैसी लड़की ऐसे मर्द को लुभा सकती है। ये इंसान। हां, सही कह रही हूं। ज़रा उसे देख तो सही। सयानी लड़की ने ताना कसा। मैंने मॉम को तेवर दिखाए पर वे तो मेरी ओर देख ही नहीं रहीं।

"मैं आप दोनों के बीच बाधा नहीं बनना चाहता इसलिए ये ड्रिंक लेकर चलूंगा। कुछ ज़रूरी काम निबटाने हैं।" उसने साफ शब्दों में कहा।

"क्रिस्टियन! तुमसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। एना तुम्हारे बारे में बड़े दिल से बातें करती है।"

वह मुस्कुराया-"सच्ची?" उसने मुझे एक भौं उठाकर देखा और मैं घबरा गई।

वेटर हमारा ऑर्डर ले आया।

"हैंड्रिक्स सर।" उसने एक विजयी मुस्कान के साथ कहा।

"धन्यवाद।" क्रिस्टियन बोला।

मैं अकबका कर अपने गिलास में से घूंट भरने लगी।

"तुम जार्जिया में कब तक हो?" मॉम ने पूछा।

"मिसेज एडम्स! मैं शुक्रवार तक यहीं हूं।"

"क्या कल शाम हमारे साथ डिनर लोगे और प्लीज़ मुझे कार्ला कहो।"

"कार्ला, मुझे खुशी होगी।"

"बहुत अच्छे! तुम दोनों बातें करो। मैं ज़रा फ्रेश होकर आती हूं।"

मॉम......आप भी न हद हो। मैंने उन्हें हैरानी से देखा।

"तो तुम मुझसे नाराज़ थीं कि मैंने अपने एक पुराने दोस्त के साथ डिनर लिया।"

क्रिस्टियन ने पूछा और मेरा हाथ होठों के पास ले जाकर चूम लिया।

ओह! वह अब यह सब करना चाहता है।

"हां।"

"एनेस्टेसिया! मेरे और उसके बीच कोई शारीरिक संबंध नहीं हैं। वे बहुत पहले खत्म हो चुके हैं। मैं तुम्हारे सिवा किसी को नहीं चाहता। क्या तुम्हें अभी तक पता नहीं चला?"

"क्रिस्टियन! मुझे लगता है कि वह औरत बच्चों का यौन शोषण करने वाली औरत है।" मैंने पलकें झपकाईं।

"नहीं एना! तुम्हारा ऐसा सोचना गलत है। ऐसा बिल्कुल नहीं था।"

"ओह! तो वह क्या था?" कॉस्मो ने मुझे निडर बना दिया है।

उसने मुझे देखकर त्योरी चढ़ाई।

"उसने पंद्रह साल के मासूम लड़के का फायदा उठाया। अगर तुम पंद्रह साल की लड़की होते और वहां मि. रॉबिन्सन होते और वे तुम्हें बीडीएसएम रिलेशन में धकेलना चाहते तो क्या वह ठीक होता? अगर वहां ईया होती तो?"

"नहीं एना! ये सब वैसा नहीं था।"

मैंने उसे घूरा।

"अच्छा! मुझे ऐसा नहीं लगता। उसने जो भी किया, मेरे भले के लिए किया। वही किया जो मुझे चाहिए था।"

"मैं समझी नहीं।" अब हैरान होने की बारी मेरी थी।

"एनेस्टेसिया! तुम्हारी मॉम किसी भी समय आती होंगी। मैं यहां इस बारे में बात करके बड़ी बेचैनी महसूस कर रहा हूं। शायद हम बाद में बात कर सकते हैं। अगर तुम मुझे यहां नहीं चाहतीं तो हिल्टन हेड पर मेरा प्लेन खड़ा है। मैं वापिस जा सकता हूं।"

वह मुझसे गुस्सा है....नहीं।

"नहीं–मत जाओ प्लीज़! मैं तो तुम्हें यहां देखकर रोमांचित हूं। मैं तो यह समझाना चाह रही हूं कि मुझे इस बात पर गुस्सा आया कि मेरे वहां से जाते ही तुम उसके साथ डिनर करने चल दिए। ज़रा सोचो अगर मैं जोस के साथ जाती। जोस तो केवल मेरा दोस्त है। मैंने उसके साथ कभी कोई संबंध नहीं रखे और जबकि वह तो.........।" मेरे बाकी शब्द मुंह में ही रह गए।

"तुम्हें जलन हो रही है?" उसने मुझे हैरानी से देखा और आंखों में हल्का-सा प्यार दिखा।

"हां! उसने तुम्हारे साथ जो किया, उस बात के लिए गुस्सा भी है।"

"एनेस्टेसिया! उसने मेरी मदद की। मैं उसके बारे में अभी यही कह सकता हूं। जहां तक जलन की बात है। खुद को मेरी जगह रख कर देखो। पिछले सात सालों में मुझे कभी किसी को अपने किसी भी काम की सफाई नहीं देनी पड़ी। किसी एक भी इंसान को नहीं। एनेस्टेसिया! मैं वही करता हूं, जो मेरा दिल चाहता है। मुझे अपनी आज़ादी पसंद है। मैं तुम्हें नाराज़ करने के लिए उनसे मिलने नहीं गया था। मैं काफी समय से उनके साथ डिनर करना चाह रहा था। वह एक दोस्त होने के साथ-साथ व्यवसाय में सहयोगी भी है।"

बिज़नेस पार्टनर? ये तो खबर है।

उसने मुझे घूरते हुए प्रतिक्रिया जाननी चाही।

"हां, हमारे बीच सेक्स का नाता टूटे तो सालों बीत गए हैं।"

"तुमने यह रिश्ता क्यों तोड़ा?"

उसके चेहरे के भाव एकदम बदल गए। "उनके पति को पता चल गया था।"

हाय!!

क्या हम इस बारे में फिर कभी बात कर सकते हैं–"कहीं अकेले में?" वह गुर्राया।

"मुझे नहीं लगता कि तुम कभी मुझे यकीन दिला सकोगे कि वह कोई बच्चों का यौन शोषण करने वाली महिला नहीं है।"

"मैं ऐसा नहीं सोचता। मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा। बस अब बहुत हो गया।"

"क्या तुम उसे प्यार करते हो?"

"तुम दोनों का क्या चल रहा है?" मॉम अचानक लौट आईं।

मैंने चेहरे पर नकली मुस्कान चिपकाते हुए उन्हें बैठने को कहा।

"बढ़िया मॉम।"

क्रिस्टियन अपना ड्रिंक लेते हुए मुझे चौंकन्ना होकर देख रहा है। वह क्या सोच रहा है? क्या वह उसे प्यार करता है? अगर ऐसा है तो शायद मैं उसे खो दूंगी।

अच्छा लेडीज़! अब मैं जाना चाहूंगा।"

नहीं......नहीं...वह इस तरह बात को मंझधार में छोड़कर नहीं जा सकता।

"प्लीज़! ये ड्रिंक कमरा नंबर 612 में मेज पर रखवा दो।"

"अच्छा एनेस्टेसिया! कल फोन करूंगा। फिर मिलते हैं कार्ला!"

"ओह! किसी के मुंह से तुम्हारा पूरा नाम सुन कर अच्छा लगा।"

"एक सुंदर लड़की का सुंदर सा नाम।" क्रिस्टियन ने कहा और उनसे हाथ मिलाया।

ओह मॉम! बस करो। मैं वहीं खड़ी-खड़ी बुत बन गई और उसने मेरे गाल चूम लिए।

"बाद में बेबी!" वह मेरे कान में बोला और चला गया।

भाड़ में जा सनकी, गुस्सैल, नकचढ़े......... मेरा गुस्सा जोरों पर था। मैंने कुर्सी में बैठकर मॉम की ओर मुंह घुमाया।

"ओह! एना, मुझे नहीं पता कि तुम्हारे बीच क्या चल रहा है पर तुम्हें उससे बात करनी चाहिए। वह बंदा यहां तक आ गया। यकीन नहीं आता।" उन्होंने खुद को हवा करने का दिखावा किया।

"मॉम!!"

"जा, उससे बात कर"

"नहीं। मैं आपसे मिलने आई हूं।"

"एना! तुम यहां इसलिए आई क्योंकि तुम उस लड़के बारे में कुछ उलझन में थीं।"

"ये तो साफ है कि तुम दोनों एक-दूसरे के लिए दीवाने हुए पड़े हो। तुम्हें उससे बात करनी चाहिए। वह तीन हजार मील की दूरी तय करके तुमसे मिलने आया है और तुम जानती हो कि ये उड़ानें कितनी भयंकर होती हैं।"

मैं खिसिया गई। मैंने उन्हें प्राइवेट जेट के बारे में बताया।

"क्या?" उन्होंने हैरानी से पूछा।

"उसके पास अपना विमान है। मैं शर्मिंदा होकर बुदबुदाई। और मॉम ये रास्ता 2500 मील है।"

मैं शर्मिंदा क्यों महसूस कर रही हूं।

"वाऊ! तुम दोनों के बीच कुछ तो चल ही रहा है। तुम जब से यहां आई हो, मैं पता लगाने की कोशिश में थी पर तुम्हारी मुश्किल चाहे जो भी हो, उससे बात करके ही हल होगी। चाहे तुम जो मर्जी सोचती रहो पर जब तक बात नहीं करोगी, कोई बात नहीं बनेगी।"

मैंने मॉम को देख त्योरी चढ़ाई।

"एना हनी! हमेशा से ही तुम्हारी उधेड़बुन करने की ज़्यादा आदत रही है। अपने मन की बात सुनो। वह जो भी कहे, वही करो।"

मैंने अपनी ऊंगुलियां देखीं।

"मुझे लगता है कि मैं उसे चाहने लगी हूं।" मैं हौले से बोली।

"मुझे पता है और वह भी तुम्हें चाहता है।"

"नहीं!"

"हां एना! हद हो गई। तू और क्या चाहती है? वह अपने माथे पर रंगीन निऑन बत्ती से यह बात लिख ले।"

मैंने उन्हें देखा और आंखों में आंसू उमड़ पड़े।

"एना डार्लिंग रोना बंद करो।"

"मुझे नहीं लगता कि वह मुझे चाहता है।"

"मुझे परवाह नहीं कि कोई कितना अमीर है पर ऐसा कोई नहीं करता कि अपना काम-धंधा छोड़कर अपने प्राइवेट प्लेन में पूरा महाद्वीप पार करके दोपहर की चाय पीने आएगा। उसके पास जा! ये एक सुंदर और रोमानी जगह है।"

मैं उनकी नज़रों से सहम गई। मैं जाना चाहती भी हूं और नहीं भी जाना चाहती।

"डार्लिंग! मेरी वापसी की चिंता मत करो। मैं चाहती हूं कि तुम खुश रहो और इस समय तुम्हारी प्रसन्नता की चाबी कमरा नंबर 612 में है। अगर बाद में घर आना चाहो तो आगे वाले बरामदे में यूका पौधे के नीचे चाबी रखी होगी। अगर रुकना चाहो तो रुक सकती

हो, तुम अब बड़ी हो गई हो। अपना ध्यान रखना।"

"ओह मॉम!"

"चलो पहले अपने कॉस्मो खत्म करें।"

"शाबाश! मेरी बच्ची!"

मैंने हौले से कमरा नंबर 612 पर दस्तक दी और इंतज़ार करने लगी। क्रिस्टियन ने दरवाजा खोला। वह फोन पर था। उसने मुझे देखकर हैरानी से पलकें झपकाई फिर दरवाजा खोल कर मुझे अंदर आने दिया।

"हां, सारे काम हो गए?............और कीमत?...... क्रिस्टियन ने होंठों से सीटी सी बजाई..ओह वह तो महंगा सौदा हो गया......और लूकास?"

मैंने कमरे में यहां-वहां ताका। वह एक सुइट में ठहरा है, जैसे हीथमैन में था। सामान बिल्कुल आधुनिक किस्म का है। दीवारों पर रंगों का मेल देखने लायक है। क्रिस्टियन एक गहरे रंग के लकड़ी के केबिन के पास गया और दरवाजा खोला तो वह मिनी बार निकला। उसने इशारा किया कि मैं खुद कुछ ले लूं और वह फिर दूसरे कमरे में फोन पर बात करने लगा। मैंने यही सोचा कि मैं बात न सुन सकूं इसलिए वह दूसरे कमरे में गया है। मैंने कंधे झटके। जब मैं उसकी स्टडी में आई तो वह बात ही कर रहा था। मैंने पानी चलने की आवाज़ सुनी। वह बाथटब भर रहा था......। मैंने ऑरेंज जूस ले लिया। वह कमरे में लौट आया।

"आंद्रिया से कहो कि मुझे आंकड़े भेजे... बार्नी ने कहा कि वह संभाल लेगा... नहीं शुक्रवार... यहां मैं एक ज़मीन के टुकड़े में दिलचस्पी ले रहा हूं... हां, बिल से कहना कि फोन करे... नहीं, कल...मैं देखना चाहता हूं कि जार्जिया में हमारे लिए कुछ है भी या नहीं।" उसकी आंखें मुझ पर से हट नहीं पा रही थीं। उसने मुझे इशारे से बर्फ के टुकड़ों की छोटी बाल्टी दिखाई।

"अगर मुनाफा अच्छा है तो............हमें आगे बढ़ना चाहिए। वैसे यहां की गर्मी के बारे में कुछ नहीं कह सकता। डैट्रायट के अपने फायदे हैं और वह जगह ठंडी भी है......। उसका चेहरा पल भर के लिए स्याह हो गया। क्यों? बिल से कहो कि कल बात करे। सुबह-सुबह न करे।" उसने फोन रखकर मुझे देखा और हमारे बीच चुप्पी पसरी हुई है।

ओह...... अब मेरी बोलने की बारी है।

"तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।" मैंने हौले से कहा।

"नहीं, नहीं दिया।" उसकी भूरी आंखों में एक सावधानी बरतने का भाव दिखने लगा था।

"नहीं। तुमने सवाल का जवाब नहीं दिया या तुम उससे प्यार नहीं करते।"

वह बाजुएं मोड़ कर दीवार के सहारे टिक गया और होठों पर छोटी-सी मुस्कान खेल गई।

"एनेस्टेसिया! तुम यहां क्या कर रही हो?"

मैंने तुम्हें अभी बताया।"

उसने एक गहरी सांस ली।

"नहीं। मैं उसे प्यार नहीं करता।" उसने मुझे थोड़े से कौतुक और हैरानी से देखा।

मैं यकीन नहीं कर सकती कि मैंने अपनी सांस रोकी हुई है। ओह! अगर वह सचमुच उससे प्यार करता तो मेरा क्या होता।

"एनेस्टेसिया तुम तो हरी आंखों वाली देवी हो। किसने सोचा था?"

"मि. ग्रे! क्या आप मेरा मज़ाक उड़ा रहे हैं?"

"मैं ऐसी हिम्मत नहीं कर सकता।" उसने गर्दन हिलाई पर आंखों में दुष्टता से भरी चमक भी है।

"ओह! मैंने सोचा कि तुम अकसर ऐसा करते हो।"

"अपना होंठ मत काटो। तुम मेरे कमरे में हो। मैंने तुम्हें तीन दिन से नहीं देखा और मैं तुम्हें देखने के लिए ही उड़कर इतनी दूर से आया हूं।" अचानक ही उसका सुर मादक और धीमा हो गया था।

उसका ब्लैकबेरी बजा और उसने देखे बिना ही फोन ऑफ कर दिया। मेरी सांस अटक गई। मैं जानती हूं कि वह क्या चाहता है... पर मैं तो बात करने आई थी। उसने मुझे अपनी शिकारी नज़रों से घूरा।

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें चाहता हूं और तुम मुझे चाहती हो। तभी तो तुम यहां हो।"

"मैं सचमुच जानना चाहती थी।"

"अच्छा अब तुम यहां हो तो आ रही हो या जा रही हो।"

"आ रही हूं।" मैंने धीरे से कहा।

"ओह! मुझे भी यही उम्मीद थी। तुम मुझसे कितना गुस्सा थीं!"

"मुझे याद नहीं कि मेरे परिवार में कभी कोई मुझसे नाराज़ हुआ होगा। मुझे अच्छा लगा।"

उसने मेरे गालों पर अपनी अंगुलियां फेरीं। ओह! उसका साथ और दैवीय गंध! हमें तो बात करनी थी पर खून देह में उछालें मार रहा है। क्रिस्टियन ने अपना नाक मेरे कंधे से छुआ और फिर मेरे बालों में अंगुलियां फिराने लगा।

"हमें बात करनी चाहिए।"

"बाद में"

"मैं बहुत कुछ कहना चाहती हूं।"

"मैं भी।"

उसने मेरे कानों के नीचे एक चुंबन दिया और उसकी अंगुलियां मेरे बालों में कस गई। मेरे बाल खींचते हुए वह मेरी गर्दन को अपने होंठों के पास ले आया। उसने मेरे चिबुक और गर्दन को चूमा।

"मैं तुम्हें चाहता हूं।" उसने सांस ली।

मैं उसकी बांहों में समा गई।

उसने मुझसे पूछा कि क्या मुझे महीना शुरू हो गया था और क्या मैंने गोली ली थी। पीरियड्स के बारे में ऐसी बात सुन कर मैं शरमा गई। फिर उसने पूछा कि क्या मुझे कहीं दर्द हो रहा था। जब मैंने इंकार किया तो उसने नहाने की पेशकश रखी।

वह मुझे हाथ पकड़कर बाथरूम के साथ वाले कमरे में ले गया। वहां बड़ा सा पलंग रखा था पर हम वहां नहीं रुके। बाथरूम दो कमरों के बराबर था और वहां की आलीशान फिटिंग्स देखने वाली थीं। सब कुछ ही काफी बड़ा था। वहीं बाथटब बना था। जिसमें जाने के लिए चार सीढ़िया बनी थीं। उसमें एक साथ चार लोग नहा सकते थेउसके आसपास पत्थर का ही बेंच बना है। कोने में मोमबत्तियां टिमटिमा रही हैं। वाऊ! जब वह फोन पर था, तब उसने यह सब भी कर लिया। बाथटब में झाग वाला पानी भर रहा है।

"क्या तुम्हारे पास बाल बांधने के लिए कुछ है?"

मैंने जींस की जेब में देखा तो प्लास्टिक का बैंड निकल आया।

"अपने बाल ऊंचे बांध लो।" मैंने वही किया।

बाथ के बाहर गर्मी और चिपचिपापन है और मेरा टॉप भीगने लगा है। वह झुका और नल बंद कर दिया। वह मुझे बाथरूम के आगे वाले हिस्से में ले गया। हम कांच के दो सिंक के पास आदमकद शीशों के सामने खड़े थे।

"अपने सैंडिल उतारो।" मैंने सैंडिल उतार दिए।

फिर उसने एक-एक कर मेरे सारे वस्त्र भी उतार दिए। मैंने खुद को हाथों से ढकना चाहा पर ऐसा नहीं कर सकी। उसने बड़े ही लगाव से मेरे शरीर पर हाथ फिराया और बोला–"एनेस्टेसिया! तुम कितनी सुंदर हो। तुम्हारी त्वचा कितनी प्यारी है।" इन शब्दों के साथ ही उसके हाथ धीरे-धीरे पूरे शरीर को सहला रहे थे।

"देखो! ज़रा खुद को महसूस करो। देखो, तुम्हारी त्वचा कितनी मुलायम है।" उसने मेरे हाथों को मेरे पेट और उसके आसपास के हिस्सों पर घुमाते हुए कहा। फिर वह मेरे हाथों को वक्षस्थल तक ले आया और उनसे खेलने लगा।

मैंने हल्की सी आह भरी और अपने ही शरीर के इन उतार चढ़ावों को महसूस किया। वक्षों का उभार उसके हाथों के स्पर्श से जाग उठा और मैं आदमकद शीशे के सामने खड़ी अपनी ही सुंदरता का पान कर रही हूं......अपने ही हाथों में अपनी सुंदरता को महसूस कर रही हूं...उसके स्पर्श और स्वर से उत्तेजित हो रही हूं।

"हां बेबी! बिल्कुल ऐसे ही।" वह बोला।

वह मेरे हाथों को पेट और कमर पर घुमाते हुए शरीर के निचले हिस्से तक ले गया। उसने अपनी टांगों को फैला कर मेरी टांगें चौड़ी फैला दीं और अब मेरे अपने ही हाथ मेरी देह के उतार-चढ़ावों पर एक लय में घूम रहे हैं। यह सब कितना कामुक है। ऐसा लगता है कि मैं एक कठपुतली की तरह उसके इशारों पर नाच रही हूं।

"एनेस्टेसिया! देखो, तुम्हारे चेहरे पर कितना निखार आ गया है। तुम कैसे दमक रही हो।" उसने मेरे कंधे पर हल्के चुंबनों के साथ दांतों से थोड़ा-थोड़ा काटना शुरू कर दिया। मैं कराही। अचानक उसने ऐसा करना बंद कर दिया।

"एनेस्टेसिया! तुम खुद करो।" नहीं, मैं चाहती हूं कि वह साथ दे। उसके बिना इस खेल

में मज़ा नहीं आ रहा। उसने झट से अपने कपड़े उतार दिए।

"तुम चाहती हो कि मैं यह सब करूं?"

"ओह हां......प्लीज़!"

उसने एक बांह से मुझे घूरा और फिर से मेरी शरीर की गहराईयों में उतर गया। उसकी छाती के बाल मुझसे रगड़ खा रहे हैं। मैं उसकी उत्तेजना को महसूस कर सकती हूं। उसने मेरी गर्दन पर दांत से हल्का सा काटा और मैंने आंखें मूंद लीं। मैं अपने शरीर के पिछले हिस्से पर उसके दांतों और होठों की जुंबिश महसूस कर सकती हूं। वह अचानक ही रुका और मुझे घुमा दिया। मेरी कलाईयां कमर के पीछे लपेट दीं और दूसरे हाथ से मेरे बालों को खींचा। फिर वह दीवानों की तरह मुझे चूमने लगा।

उसकी उखड़ी सांसें, मेरी सांसों के साथ ताल दे रही हैं।

"एनेस्टेसिया! तुम्हारे पीरियड्स कब शुरू हुए?" उसने अचानक पूछा

"क......कल।" मैंने उत्तेजना के बीच हांफते हुए कहा

"बढ़िया।" उसने मुझे छोड़ दिया और पीछे घुमाया।

"सिंक को पकड़ लो।" उसने हुक्म दिया और मुझे नीचे झुका दिया।

उसने पीयिड्स के दौरान इस्तेमाल किया जाने वाला टैंपून निकाल कर फेंक दिया। ओह! ये इंसान भी किस हद तक चला जाता है!!!

और फिर उसने बड़ी ही कोमलता से हौले-हौले मेरे साथ सहवास शुरू किया। कुछ ही देर में मैं आसमान की उड़ानों पर थी।

ऐसा लगा कि आसपास सब घूम रहा है। उसने मुझे कस कर थाम लिया और मेरे मुंह से उसका नाम कुछ ऐसे निकला मानो कोई जप कर रहा हो।

"ओह एना! क्या कभी मेरा मन तुमसे भरेगा?" उसने उखड़ी सांसों पर काबू पाया।

हम धीरे-धीरे फर्श पर आ गए और मैं उसकी बांहों में कैद हूं। क्या हमेशा ऐसा ही रहेगा? इन सब चीज़ों से ने किस तरह मेरी पूरी ज़िंदगी को अपने कब्जे में लिया है। मैं बात करना चाहती हूं पर इतनी बुरी तरह से पस्त हूं कि आवाज़ भी नहीं निकल रही। मैं भी

तो यही सोच रही हूं कि क्या कभी मेरा मन उससे भरेगा?

मैं उसकी गोद में हूं और सिर उसकी छाती पर टिका है। हम दोनों शांत हैं और मैं चुपके-चुपके उसकी छाती से आती मादक गंध को सूंघ रही हूं। मुझे उसके छाती के बालों को नाक से नहीं सहलाना है। मैंने इस मंत्र को हालांकि मन ही मन दोहराया पर ऐसा करने के लिए मरी जा रही हूं। मैं अपनी अंगुलियों से उसकी छाती के बालों में गोल-गोल छल्ले बनाना चाहती हूं...पर ये भी पता है कि उसे ये पसंद नहीं आएगा। हम दोनों अपने-अपने ख़्यालों में खोए हैं। मैं उसमें खोई हूं......उसके लिए खो गई हूं।

मुझे याद आया कि मेरे तो पीरियड्स चल रहे हैं।

मैंने उसे इस बारे में याद दिलाया पर उसने कहा कि उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। शायद मुझे भी फर्क नहीं पड़ता।

"चलो नहाने चलें।"

उसने कहा उसने मुझे खड़ा किया तो अचानक मेरी नज़र उसकी छाती पर उभरे सफेद दागों पर गई। वे चिकनपॉक्स के तो नहीं हो सकते। मैंने मन ही मन सोचा। ग्रेस ने तो कहा था कि उस पर इसका असर नहीं हुआ था। ओह! ये निशान तो किसी चीज़ से जलने के ही हो सकते हैं। पर किस चीज़ से? मैं अचानक ही बुरी तरह से सहम गई। क्या उसे सिगरेट से दागा गया था? मिसेज रॉबिन्सन? उसकी मॉम, कौन? उसके साथ ऐसा किसने किया? हो सकता है कि इसका कोई जायज कारण रहा हो या फिर मैं ही कोई गलत अंदाज़ा लगा रही हूं। दिल तो यही चाहता है कि मेरा अंदाज़ा गलत निकले।

"क्या हुआ?" क्रिस्टियन के चेहरे पर चौकन्ना भाव आ गया।

"ये निशान? मैं हौले से बोली। ये तो चिकनपॉक्स के नहीं लगते।"

मैंने देखा कि एक पल में ही उसके हाव-भाव बदल गए। शांत और सहज क्रिस्टियन की जगह एक गुस्से से भरा चेहरा आ गया था। उसने त्योरी चढ़ाई, चेहरा काला पड़ गया और चेहरे पर एक कड़ी रेखा सी खिंच गई।

"नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।" वह झपटा पर आगे कुछ नहीं कहा।

"मुझे ऐसे मत देखो।" इस बार लहज़ा काफी ठंडा था।

मैं हल्का सा घबरा गई और अपनी अंगुलियों को घूरने लगी। जान गई हूं कि किसी ने उसकी छाती को सिगरेट से ही दागा होगा।

"क्या उसने ऐसा किया?" मैं न चाहते हुए भी बोल ही पड़ी।

उसने कुछ नहीं कहा तो मुझे उसकी ओर देखना पड़ा।

"वह? मिसेज रॉबिन्सन? एनेस्टेसिया! वह कोई जानवर नहीं है। बेशक उसने ऐसा कुछ नहीं किया। मुझे तो यह समझ नहीं आता कि तुम हमेशा उसे नीचा दिखाने पर क्यों तुली रहती हो?"

वह वहां निर्वस्त्र खड़ा है और हम ऐसे माहौल के बीच इस तरह की बातें कर रहे हैं। हम दोनों के बीच कपड़ों का कोई परदा नहीं है। मैंने गहरी सांस ली और जाकर बाथटब में कदम रख दिया। ये तो सचमुच बड़ा गर्म और आरामदेह है। मैंने उन बुलबुलों के बीच छिपते हुए उसे घूरा।

"मैं सोच रही थी कि अगर तुम्हारी मुलाकात उससे न हुई होती तो तुम क्या होते? अगर उसने तुम्हें...तुम्हारी इस जीवनशैली से परिचय न करवाया होता?"

उसने आह भरी और बाथ टब में साथ आ बैठा। उसके जबड़े तनाव से कसे हैं और आंखें धुंधली दिख रही हैं। इस दौरान उसने मेरे शरीर को बिल्कुल नहीं छुआ। ओह! लगता है कि मैंने उसे गुस्सा दिला दिया है।

उसने मुझे बेचैनी से ताका। चेहरे से कोई भाव नहीं पढ़े जा रहे। हमारे बीच अचानक ही खामोशी छा गई पर मैंने अपनी बात जारी रखी। ग्रे! इस बार तुम्हें बोलना होगा। अब तुम्हारी बारी है। भीतर बैठी लड़की भी बेचैनी से नाखून कतर रही है और मैं क्रिस्टियन को एकटक ताक रही हूं। नहीं, इस बार मैं नहीं झुकने वाली। बड़ी देर बाद कहीं जाकर उसने अपनी गर्दन हिलाई।

"अगर मिसेज रॉबिन्सन न होतीं तो शायद मैं भी जन्म देने वाली मां के कदमों पर ही चल पड़ता।"

ओह! मैंने पलकें झपकाई। कोई नशेबाज या वेश्या? या शायद दोनों?

"उसने मुझे उस रूप में प्यार दिया......जो मुझे कबूल था।" उसने कंधे झटकते हुए कहा।

इन बातों का मतलब क्या है?

"कबूल था?" मैं हौले से बोली।

"हां। उसने मुझे उस रास्ते पर जाने से बचा लिया जो मैंने खुद को तबाह करने के लिए चुन लिया था। अगर तुम पूरी तरह से संपूर्ण नहीं हो तो किसी संपूर्ण परिवार में रहना आसान नहीं होता।"

अरे नहीं। उसके शब्द सुन कर मेरा हलक सूख गया। मैं उसकी नज़रों की ताव नहीं ला पा रही थी और शायद अब वह कुछ और बताने भी नहीं वाला। मैं अंदर ही अंदर कुंठा से मरी जा रही हूं। मिसेज रॉबिन्सन उससे प्यार करती है? ऐसा लगा कि किसी ने पेट में घूंसा दे मारा हो।

"क्या वह अब भी तुम्हें चाहती है?"

"मुझे नहीं लगता और उस नज़रिए से नहीं।" उसने त्योरी चढ़ाई मानो उसे बात पसंद न आई हो। मैंने कहा था न कि ये सब बहुत पहले की बातें थीं। अगर चाहता भी तो इन्हें बदल नहीं सकता था और न ही मैंने बदला। उसने मुझे मेरे से ही बचाया। उसने गीले बालोंमें हाथ फिराया। मैंने आज तक डॉ. फ्लिन के सिवा कभी किसी से इनकी चर्चा तक नहीं की और तुम्हें इसलिए बताना चाहता हूं क्योंकि मैं चाहता हूं कि तुम मुझ पर भरोसा करो।"

"मैं तुम पर भरोसा करती हूं पर तुम्हें और बेहतर जानना चाहती हूं। जब भी तुमसे बात करना चाहती हूं। तुम मेरा ध्यान दूसरी ओर भटका देते हो। मैं कितना कुछ जानना चाहती हूं।"

"ओह! एनेस्टेसिया. तुम और क्या जानना चाहती हो? मुझे और क्या करना होगा?" मैं जानती हूं कि वह अपने गुस्से को काबू करने की कोशिश में है।

मैंने अपने हाथों से बुलबुल हटाने शुरू कर दिए।

"मैं तो तुम्हें समझने की कोशिश कर रही हूं। तुम किसी पहेली से कम नहीं हो। मैं आज तक तुम्हारे जैसे इंसान से नहीं मिली। मुझे खुशी है कि तुम मुझे यह सब बता रहे हो।"

शायद आज शराब मुझे निडर बना रही है पर मैं अचानक हमारे बीच आई इस दूरी को सह नहीं पा रही। मैं उसके पास खिसक गई ताकि हम एक-दूसरे को छू सकें। वह तनावग्रस्त दिख रहा है। ओह! मेरे भीतर बैठी लड़की मुंह फाड़े यह सब देख रही है।

"प्लीज़ मुझसे नाराज़ मत होना।" मैं हौले से बोली।

"एनेस्टेसिया! मैं तुमसे गुस्सा नहीं हूं। मैं इस तरह की बातचीत का आदी नहीं हूं। आज तक मैंने अपने डॉक्टर से ही ये बातें की हैं।"

"और मिसेज रॉबिन्सन के साथ? तुम उनसे बात करते हो?"

"हां, मैं करता हूं।"

"किस बारे में?"

वह मेरी तरफ घूमा और बोला

"एनेस्टेसिया! तुम कितनी अड़ियल हो। मुझे उसके साथ किसी भी बारे में बात करने में झिझक नहीं होती। हम आपस में खुले हुए हैं"

"मेरे बारे में भी?"

"हां।" ग्रे ने मुझे सावधानी से देखा।

मैंने अपना होंठ काटते हुए गुस्से को रोकना चाहा।

"तुम मेरे बारे में बात क्यों करते हो?" न चाहने पर भी सुर में तीखापन आ गया। मैं जानती हूं कि मुझे चुप हो जाना चाहिए। मैं बात को बहुत आगे ले जा रही हूं। अंदर बैठी लड़की चिल्लाना चाहती है।

"एनेस्टेंसिया! मैं आज तक तुम्हारे जैसी लड़की से नहीं मिला।"

"क्या मतलब? उन लड़कियों ने कुछ भी पूछे बिना तुम्हारे कागज़ों पर साइन कर दिए थे?"

उसने गर्दन हिलाई। "मुझे कुछ सलाहें लेनी होती हैं।"

"उसके लिए मिसेज रॉबिन्सन ही मिलती है?" इस बार तो गुस्सा भड़क ही गया।

"एनेस्टेंसिया! बहुत हो गया।"

मैं बहुत पतली बर्फ पर चलते हुए खतरे की ओर जा रही हूं। "एनेस्टेसिया! तुम नियम भंग कर रही हो। मिसेज रॉबिन्सन के लिए मेरे मन में कोई यौन या रोमानी आकर्षण नहीं बचा। वह एक प्यारी दोस्त और बिजनेस पार्टनर है। बस बात खत्म! हमारा एक अतीत था, जिसे हमने एक साथ बांटा और जो मेरे लिए फायदेमंद रहा, हालांकि इसने उसकी शादी उजाड़ दी पर हमारे रिश्ते का वह रूप अब नहीं रहा।"

ओह!!! मैं समझ नहीं सकी। वह शादीशुदा भी थी। वे इतने लंबे समय तक यह सब कैसे जारी रख सके?

"और तुम्हारे मां-बाप को कभी पता नहीं चला?"

"नहीं। मैं पहले बता चुका हूं।"

और मैं जानती हूं कि अब इसके बाद कोई जवाब नहीं मिलने वाला।

"अब हो गया तुम्हारा?"

"हां। बस अभी के लिए तो जान ही लिया।"

उसने गहरी सांस ली और ऐसे देखा मानो कंधों से भारी बोझ उतर गया हो।

"ठीक है—मेरी बारी!" वह हौले से बोला।

"तुमने मेरी ई-मेल का जवाब नहीं दिया?"

मैं घबरा गई। जब भी ऐसी कोई बात होती है तो उसे गुस्सा आ जाता है। मैंने अपनी गर्दन हिलाई। शायद उसे पसंद नहीं कि कोई उसे चुनौती दे। यह सोच ही मेरे दिल को दुखाने और डरा देने के लिए काफी है।

"मैं जवाब देने ही वाली थी कि तुम आ गए।"

"तो क्या मुझे नहीं आना चाहिए था?" उसने सांस ली।

"नहीं! मुझे तो खुशी ही हुई है।"

"गुड। मुझे भी खुशी है कि मैं यहां हूं, भले ही तुम्हारी खोजबीन की आदत पसंद नहीं करता पर यह तो जानना चाहूंगा कि क्या तुम्हें मेरा आना पसंद आया?"

"मैंने कहा न कि मुझे खुशी हुई। यहां आने के लिए मेहरबानी!"

मुझे भी खुशी हुई।" उसने मुझे हौले से चूम लिया।

मैंने भी तत्काल जवाब दिया। पानी अब भी गरम है और चारों ओर हल्की भाप दिख रही है। वह मुझे घूरने लगा।

"नहीं। मुझे लगता है कि इससे पहले हम कुछ करें, मुझे कुछ सवालों के जवाब जान लेने चाहिए।"

और? फिर से वही शब्द? वह कौन से जवाब चाहता है? मेरा तो कोई छिपा हुआ अतीत नहीं है, कोई भयानक बचपन नहीं रहा। वह मेरे बारे में ऐसा क्या जानना चाहेगा जो वह पहले से नहीं जानता।

मैंने आह भरी। "तुम क्या जानना चाहते हो?"

"तुम हमारे बीच होने वाले प्रबंध की इस शुरुआत के बारे में क्या महसूस करती हो?"

मैंने पलकें झपकाईं। ये तो करो या मरो वाली घड़ी आ गई। अंदर बैठी सयानी लड़की और दूसरी लड़की एक-दूसरे को ताक रही हैं। ओह! चलो सच ही बोल दें।

"मुझे नहीं लगता कि मैं लंबे समय तक यह कर सकूंगी। मैं पूरा वीकएंड एक ऐसा इंसान बन कर नहीं रह सकती, जो मैं सही मायनों में नहीं हूं।" मैं घबरा कर अपनी अंगुलियों को देखने लगी।

उसने मेरी चिबुक थाम कर मुंह ऊपर उठाया और विस्मित होकर देखने लगा।

"नहीं, मुझे भी लगता है कि तुम नहीं कर सकतीं।"

अचानक ही लगा कि वह मुझे चुनौती दे रहा है।

"क्या तुम मेरा मज़ाक उड़ा रहे हो?"

"हां, पर अच्छे तरीके से...।" उसने छोटी-सी मुस्कान के साथ कहा।

वह आगे झुका और हल्का सा चुंबन जड़ दिया।

"तुम कोई बहुत अच्छी गुलाम नहीं बन सकतीं।" उसकी आंखों में कौतुक झलक रहा है।

मैं पहले तो उसे कच्चा खा जाने वाली निगाहों से घूरती रही और फिर मेरी हंसी छूट गई। वह भी मेरी हंसी में शामिल हो गया।

"हो सकता है कि मुझे सिखाने वाला सही न हो।"

"हो सकता है। शायद मुझे तुम्हारे साथ थोड़ी सख़्ती बरतनी चाहिए।" उसने अपनी गर्दन एक ओर झुकाते हुए मुस्कान दी।

मैंने थूक गटका। नहीं! पर साथ ही दिल बेईमान भी हो रहा है। वह अकसर इसी तरीके से दिखाना चाहता है कि उसे मेरी कितनी परवाह है। शायद वह इसी तरह से अपना लगाव दिखा सकता है।

"जब मैंने तुम्हारे नितंबों पर पहली बार मारा था तो तुम्हें बुरा लगा था?"

मैं पलकें झपकाते हुए उसे देख रही हूं। क्या वह बुरा था? मैंने याद किया कि मैं किस तरह अपनी ही प्रतिक्रिया से उलझन में आ गई थी। बेशक दर्द हुआ था पर उतना भी नहीं! उसने बार-बार कहा कि वह सब मेरे मन का वहम था और दूसरी बार...वह अच्छा था..काफी हॉट!!!

"नहीं, ऐसा तो नहीं था।" मैं हौले से बोली।

"वैसे कुल मिलाकर कैसा लगा?"

"कह सकती हूं कि मुझे मज़ा ही आया।"

"मुझे भी यही लगा था पर ये बात तुम्हें ज़रा देर में समझ आई।"

"ओह! तब वह बच्चा था जब उसके साथ ऐसा हुआ होगा।

"एनेस्टेसिया! तुम हमेशा सुरक्षा कोड का इस्तेमाल कर सकती हो। उसे मत भूलो। जब तक तुम नियमों के हिसाब से चलती रहोगी। मेरे मन में तुम्हें बस में और सुरक्षित रखने की बात ही नहीं आएगी, इस तरह हमारा साथ दूर तक निभ सकता है।"

"तुम्हें मुझे बस में रखने की क्या जरूरत है?"

"क्योंकि इससे मेरी मांग की पूर्ति होती है, जो शुरुआती सालों में पूरी नहीं हुई।"

"तो यह एक तरह की थेरपी है?"

"मैं इसे ऐसा नहीं मानता पर शायद ये ऐसा ही है।"

"मैं इसे समझ सकती हूं। इससे मदद मिलेगी।"

"पर एक पल में तो तुम कहते हो कि मुझे नीचा मत दिखाओ और दूसरे ही पल में कहते हो कि तुम्हें कोई चुनौती दे तो तुम्हें अच्छा लगता है। मुझे तो यही बात समझ नहीं आती।"

उसने मुझे एक पल तक देखने के बाद त्योरी चढ़ा ली।

"मैं यह देख सकता हूं पर तुम अब तक सब बढ़िया ही करती आ रही हो।"

"पर किस कीमत पर? मैं यहां गांठों में उलझी हुई हूं।"

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें इसी रूप में देखना पसंद करता हूं।"

"मेरा ये मतलब नहीं था।" मैं कुंठित हो उठी।

उसने मुझे देखते हुए भौं उठाई।

"क्या तुमने मुझ पर पानी उछाला?"

हां। ओह! वह कातिल नज़र

"ओह! मिस स्टील।" उसने अचानक ही मुझे अपनी गोद में खींच लिया। सारा पानी फर्श पर छलक गया।

"मुझे लगता है कि हमने आज कुछ ज़्यादा ही बातें कर ली हैं।"

उसने मेरे सिर को दोनों हाथों से जकड़ते हुए आवेग से भरा गहरा चुंबन दिया। फिर मेरे सिर को अपने काबू में ले लिया...उसे यही पसंद है। वह इसी काम का माहिर है। मैं अंदर ही अंदर सुलग रही हूं और मेरी अंगुलियां उसके बालों में हैं। मैं भी उसे चूम कर अपने प्यार का इज़हार कर रही हूं और मुझे अपनी भावनाएं व्यक्त करने का कोई और तरीका नहीं आता।

अगले कुछ ही पलों में उसने मेरे दोनों हाथ थाम कर पीछे कर दिए और फिर से यौन संबंध बनाने के लिए तैयार हो गया।

मैंने कहा-

"प्लीज़! मेरे हाथ छोड़ दो।"

"वादा करो कि तुम मुझे छुओगी नहीं!"

मैंने उसे वादा किया तो उसने हाथ छोड़ दिए और मैं उसके होंठ चूमते हुए बालों में अंगुलियां फिराने लगी। ऐसा करने की इजाज़त है। उसे यह पसंद है। मुझे भी यह पसंद है। वह कितना हॉट दिख रहा है... हम दोनों ही गीले होने के कारण फिसल रहे हैं और वह धीरे-धीरे मुझे चाह और वासना की गहरी गलियों से होते हुए मंज़िल की ओर ले जाता जा रहा है। मैं उस सुख की सीमा तक पहुंच रही हूं... मैं इस अजीब-सी मीठी ऐंठन को पहचानने लगी हूं... यह एक भंवर की तरह मेरी देह में चक्कर काटते हुए मुझे दीवाना बना रही है.. ऐसा लगता है कि यह भंवर अपनी राह में आने वाली हर चीज़ को तबाह कर देगी।

"मुझे इस इंसान से प्यार है। मुझे इसके जुनून से प्यार है। मुझे खुशी है कि यह मेरे लिए इतनी लंबी उड़ान भर कर आया। मुझे

अच्छा लगता है कि उसे मेरी परवाह है। यह सब उम्मीद से कहीं परे और कितना संतुष्टिदायक है। वह मेरा है और मैं उसकी हूं।

"बिल्कुल ठीक बेबी!"

...और मैं चरम सुख की सीमाओं तक जा पहुंची। क्रिस्टियन अचानक ही मेरी कमर को अपनी बांहों के घेरे में कसते हुए चिल्लाया-एना बेबी। उसका वह स्वर मेरी आत्मा की गहराईयों तक उतरता चला गया।

हम बड़े से पलंग पर चादर ओढ़े लेटे हैं और एक-दूसरे को छुए बिना ही लगातार घूरे जा रहे हैं।

"क्या तुम सोना चाहती हो?" क्रिस्टियन ने लगाव से पूछा

"नहीं, मैं थकी नहीं। मैं खुद को ऊर्जा से भरपूर पा रही हूं। तुमसे बात करना अच्छा लग रहा है। मैं इसमें बाधा नहीं चाहती।"

"तुम क्या करना चाहती हो?"

"मैं तुमसे बात करना चाहती हूं।"

वह मुस्कुराया-"किस बारे में?"

"वही"

"क्या?"

"तुम"

"मेरे बारे में?"

"तुम्हारी मनपसंद फिल्म कौन सी है?"

वह हंसा-"आज है, 'द पिआनो"

मुझे भी हंसी आ गई।

"बेशक! मुझे पता है कि तुम ऐसी उदास धुनें भी बजा सकते हो। मि. ग्रे, मैं जानती हूं।"

"और मिस स्टील! तुम उनमें से सबसे ग्रेट हो।"

"तो मैं नंबर सत्रह हूं?"

"नंबर सत्रह...?"

"वही जिन औरतों के साथ तुमने सेक्स किया है?"

उसके होंठ तिरछे हो आए।

"नहीं, ऐसा नहीं कह सकते।"

"तुमने पंद्रह कहा था।"

मैं अपने प्लेरूम में आई औरतों के बारे में बता रहा था। मैंने सोचा कि तुम्हारा भी यही मतलब था। तुमने ये तो नहीं पूछा था कि मैंने कितनी औरतों साथ शारीरिक संबंध रखे हैं?"

"ओह! और ज़्यादा भी हैं क्या? कितनी। मैंने उससे पूछा। वनीला?"

"नहीं, मेरी वनीला क्वीन तो तुम्हीं हो।" उसने मुस्कुराते हुए गर्दन हिलाई।

उसे इसमें क्या मज़ाकिया लग रहा है और मैं क्यों बेवकूफों की तरह हंसे जा रही हूं?

"मैं तुम्हें नंबर नहीं बता सकता क्योंकि मैंने गिनती नहीं रखी।"

"हम क्या बात कर रहे हैं–दसियों, सैंकड़ों, हजारों......।" मेरी आंखें विस्मय से फैलती गईं।

"दसियों!" भगवान के लिए बता दूं कि यह गिनती दसियों में ही थी।

"सारी सेक्स गुलाम?"

"हां"

"मुझ पर हंसना बंद करो"

"क्या करूं। तुम हो ही इतनी मज़ाकिया।"

"मज़ाकिया अजीब या मज़ाकिया हा-हा..."

"दोनों ही थोड़ी-थोड़ी।"

"अच्छा जी! बड़ा मक्खन लग रहा है।"

उसने झुक मेरी नाक को चूमा और बोला, "एनेस्टेसिया! सुन कर सदमा खा जाओगी। सुनो, जब मैं प्रशिक्षण ले रहा था तब वे सब भी प्रशिक्षण में थीं। सिएटल में आसपास ऐसी जगह हैं, जहां जाकर इसका अभ्यास किया जा सकता है। वहां यह सब करना सीखा जा सकता है, जो मैं करता हूं।" वह बोला

"क्या?"

"ओह! मैंने पलकें झपकाई

"हां। एनेस्टेसिया! मैंने सेक्स कला की जानकारी के लिए भुगतान किया है।"

"इसमें गर्व की कौन सी बात है और तुमने ठीक कहा था। मुझे सुन कर झटका लगा और मैं तुम्हें ऐसा कोई सदमा नहीं दे सकती।

"तुमने भी तो मेरे अंतर्वस्त्र पहने थे?"

"क्या इससे तुम्हें झटका लगा?"

"हां"

मेरे दिल ने मानो पोल वाल्ट पर पंद्रह फुट की बार से छलांग लगाकर किलकारी भरी।

"तुम मेरे मां-बाप के यहां कैसे गई थीं?"

"ओह! उस बात से भी तुम्हें झटका लगा?"

"ओह! बार तो बार सोलह फुट का हो गया।"

"ऐसा लगता है कि मैं केवल उन्हीं मामलों में तुम्हें चौंका सकती हूं।"

"तुमने कहा था कि तुम कुंआरी हो और मेरे लिए इससे बड़ा झटका तो कोई हो ही नहीं सकता"

"हां! तुम्हारा चेहरा देखने लायक था। बस तस्वीर खींचनी बाकी थी।"

"तुमने मुझे चाबुक इस्तेमाल करने की इजाज़त दी।"

"क्या इससे तुम्हें झटका लगा?"

"हां"

"अच्छा! हो सकता है कि मैं तुम्हें दोबारा ऐसा करने की इजाज़त दूं।"

"ओह! मिस स्टील! क्या मैं इस सप्ताह के अंत में उम्मीद कर सकता हूं?"

"ओ.के.!" मैंने शरमाते हुए हामी दी।

"ओ.के.?"

"हां। मैं फिर से लाल पीड़ादायी कमरे में जाऊंगी।"

"तुमने मेरा नाम लिया।"

"इससे तुम्हें झटका लगा?"

"दरअसल मुझे ये झटका पसंद आया।"

"क्रिस्टियन"

"वह मैं कल कुछ करना चाहता हूं।" उसकी आंखें खुशी से चमकने लगीं।

"क्या?"

"तुम्हारे लिए एक सरप्राइज़ है।"

मुझे अचानक ही जंभाई आ गई।

"मिस स्टील! क्या मैं आपको बोर कर रहा हूं?" उसके सुर में व्यंग्य की झलक थी।

"कभी नहीं!"

वह आगे झुका और मेरे होंठों को हौले से चूम लिया।

और मैं उन पलों में आंखें मूंद कर लेट गई। उसने जो भी कहा, चाहे नहीं कहा पर मैं इतनी खुश पहले कभी नहीं थी।

अध्याय 24

क्रिस्टियन लोहे के एक पिंजरे में कैद है। उसने अपनी वही बदहाल और मुलायम जींस पहनी हुई है। पांव और छाती नंगे हैं। चेहरे पर वही भीनी सी मुस्कान और आंखों में भूरे रंग के साए हैं। उसने अपने हाथों में स्ट्रॉबरी से भरा डोंगा ले रखा है। वह किसी शातिर खिलाड़ी की तरह आगे आया और हाथों में एक स्ट्रॉबरी लिए अपना हाथ पिंजरे से बाहर निकाला।

"खाओ!" वह बोला

मैंने उसकी ओर जाना चाहा पर किसी अनजानी ताकत के बस में आने के बाद मैं उसकी ओर नहीं जा पा रही थी। जैसे किसी ने मुझे कलाई से पकड़ रखा हो। मैं कह रही *थी–मुझे जाने दो।*

"आओ खाओ!" उसने फिर से अपनी तिरछी मुस्कान देते हुए प्यार से कहा।

मैंने और जोर लगाया... और जोर लगाया। मैं चिल्लाना चाहती हूं पर आवाज़ नहीं निकलती। मैं गूंगी हो गई हूं। वह थोड़ा और आगे आया तो स्ट्रॉबरी मेरे होठों को छूने लगी।

"खाओ एनेस्टेसिया!" उसके होठों ने बड़े ही मादक तरीके से मेरा नाम लिया।

मैंने जैसे ही मुंह खोलकर टुकड़ा खाया, पिंजरा ओझल हो गया और मेरे हाथ आजाद हो गए। मैं उसके पास पहुंची और छाती के बालों में हाथ फिराने लगी।

"एनेस्टेसिया!"

"नहीं।" मैं कराही।

"आओ बेबी!"

नहीं, मैं तुम्हें छूना चाहती हूं।

"जागो।"

"नहीं प्लीज़!" मेरी आंखें पल भर के लिए फड़फड़ाई। मैं तो बिस्तर में हूं और कोई मेरी नाक को सहला रहा है।

"उठो बेबी!" वह हौले से बोला और उसका धीमा सुर ऐसा लगा मानो किसी ने मेरी नसों में गर्म पिघला कैरमल उड़ेल दिया हो।

ये तो क्रिस्टियन है। अभी थोड़ा अंधेरा है और सपने में दिखी छवियां मेरे दिमाग में चक्कर काट रही हैं। अरे नहीं......। मैं चाहती हूं कि दोबारा उसी सपने में खो जाऊं। वह मुझे क्यों जगा रहा है? क्या अभी आधी रात है या वह अभी फिर से अपना खेल खेलना चाहता है?

"बेबी! उठो। मैं कोने वाली लाइट जला रहा हूं।" उसने शांत स्वर में कहा।

"नहीं।" मैं कुनमुनाई।

"मैं तुम्हारे साथ भोर का पीछा करना चाहता हूं।" उसने मेरा चेहरा, पलकें, नाक और मुंह चूमा और मैंने आंखें खोल दीं।

"गुडमार्निंग जान!" क्रिस्टियन तो काले कपड़े पहने कहीं जाने के लिए तैयार है।

"मुझे लगा कि तुम सेक्स करना चाहते थे।"

"एनेस्टेसिया! वह तो मैं हमेशा ही करना चाहता हूं। जान कर खुशी हुई कि तुम भी ऐसा ही महसूस करती हो।"

मैंने उसे हैरानी से देखा और नींद से भरी आंखों को खोलना चाहा।

"बेशक! मैं भी करना चाहती हूं पर इतनी रात को नहीं।"

"ये रात नहीं बल्कि अलसुबह का वक्त है। उठो, हम बाहर जा रहे हैं। हम सेक्स वाले काम को बाद में देखेंगे।" वह बोला

"नहीं। मैं कितना अच्छा सपना देख रही थी।"

"सपने में किसे देखा?" उसने पूछा।

"तुम्हें।"

"मैं क्या कर रहा था?"

"मुझे स्ट्रॉबरी खिलाने की कोशिश कर रहे थे।" उसके होठों पर तिरछी मुस्कान तिर आई।

"डॉ. फ्लिन और तुम इस बारे में पूरा दिन बात कर सकते थे। उठो–कपड़े पहनो। नहाने की चिंता मत करो। हम आकर नहा लेंगे।"

हम....!!!

मैं उठी तो चादर खिसकने से देह नंगी हो आई। वह मुझे ही ताक रहा था।

"क्या समय है?"

"सुबह के साढ़े पांच हैं।"

"लग रहा है कि तीन ही बजे होंगे।"

"हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है। मैंने अपनी ओर से तुम्हें सोने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा वक्त दे दिया है। चलो..."

"क्या मैं नहा नहीं सकती?" उसने आह भरी।

"अगर तुम नहाने जाओगी तो मैं भी चलूंगा और फिर तुम जानती हो कि क्या होगा–दिन तो ऐसे ही निकल जाएगा। चलो।"

वह उत्साहित है। वह किसी छोटे बच्चे की तरह उत्साह और उमंग से दमक रहा है। मेरे चेहरे पर मुस्कान आ गई।

"हम क्या करने जा रहे हैं?"

"एक सरप्राइज़। मैंने कहा था न?"

मैं भी मुस्कुराई। ओह! पलंग से उतर कर अपने कपड़े तलाशने लगी। बेशक वे कुर्सी पर तह किए हुए मिले। उसने वहीं रॉल्फ लॉरेन का बॉक्सर भी निकाला है। वाह! मैंने झट से पहन लिया। अब तो मेरे पास क्रिस्टियन ग्रे का एक और अंडरवियर हो गया–मेरे संग्रह की एक और ट्रॉफी। उसकी कार, ब्लैकबेरी, मैक, काली जैकेट और पुरानी किताबों के सेट के साथ ये भी मेरे संग्रह का हिस्सा बन गया। मैंने उसके साइज़ को लेकर मुंह बनाया और फिर अपना सपना याद आ गया। डॉ. तो क्या फ्रॉयड भी इस इंसान को समझने की कोशिश करें तो नहीं जान सकते। फिफ्टी शेड्स को समझना कोई मज़ाक नहीं है।

"तुम तैयार होकर आओ।" क्रिस्टियन कमरे से निकल गया और मैं बाथरूम की ओर चल दी। मुझे फ्रेश होना था और साथ ही जल्दी से थोड़ा नहा भी ली। सात मिनट बाद मैं क्रिस्टियन के पास बड़े कमरे में मौजूद थी। ये क्या! वह नाश्ता कर रहा है? इस समय। हे भगवान!!!

"खाओ।" वह बोला

ओह! सपने में भी तो ऐसे ही कह रहा था।

"एनेस्टेसिया!" मैं अचानक अपनी तंद्रा से जगी।

"इतनी सुबह कैसे नाश्ता कैसे कर सकते हैं। मैं तो नहीं कर सकती।"

"मैं थोड़ी चाय लूंगी। बाद में कुछ खा लूंगी।" उसने त्योरी चढ़ाई।

"बात को समझो। इतनी सुबह नहीं खा सकती। करीब साढ़े सात के बाद कुछ खा लूंगी। ओ.के.?"

"ओ. के.?"

अरे. आज इसे हुआ क्या है? किसी भी बात पर नाराज़गी नहीं दिखा रहा।

मैंने वहां पड़ी चाय को देखकर कहा।

"थोड़ी चाय पी लूंगी।"

उसके सामने बैठकर अपनी मनपसंद चाय देखकर यही सोच रही थी कि इसे मेरी परवाह *तो है।* तभी इसे याद रहा कि मुझे कौन सी चाय पसंद है। मैं उसकी खूबसूरती को आंखों ही आंखों में पीते हुए चाय पीने लगी। क्या इसे देखने से कभी मेरा मन भर पाएगा?

हम कमरे से जाने लगे तो क्रिस्टियन ने अपना स्वेटर देते हुए कहा।

"इसे पहन लो। ज़रूरत होगी।" मैंने उसे उलझन में देखा।

"मेरा भरोसा करो।" उसने मेरे होंठ चूम लिए और हाथ पकड़कर बाहर ले गया।

बाहर हल्की ठंडक के बीच क्रिस्टियन ने दरबान से चमकदार स्पोर्ट्स कार की चाबियां लीं। आज वह अपने खुशनुमा अंदाज़ में कितना प्यारा और बेपरवाह युवक लग रहा है। उसने बड़ी अदा से झुक कर मेरे लिए कार का दरवाजा खोला और मैं उसी अंदाज़ में जा बैठी। आज वह अच्छे मूड में है।

"हम कहां जा रहे हैं?"

"अभी पता चल जाएगा।" उसने खीसें निपोरीं और हम सवाना पार्क-वे की ओर चल दिए। उसने जीपीएस को प्रोग्राम करने के बाद स्टेयरिंग व्हील पर लगा एक बटन दबाया और कार में क्लासिकल ऑर्केस्ट्रा की धुन गूंज उठी।

"ये क्या है।" मैंने वायलिन की मीठी धुन को मन ही मन सराहते हुए पूछा।

"ये वर्डी का ऑपेरा है।"

"ओह...बहुत सुंदर है।"

"कहीं सुना हुआ लगता है।"

"वैसे ये एलेक्जेंडर डुमास की एक किताब पर आधारित है-ला डेम ऑक्स कैमीलिआस"

"हां! मैंने इसे पढ़ा है।"

"मुझे भी यही लगा था कि तुमने पढ़ी हुई होगी।"

अभिशप्त दरबारी! मैंने बेचैनी से पहलू बदला। क्या वह मुझे कहना चाहता है। हम्म! ये बड़ी दुखदायी कथा है।

"क्या तुम कुछ और लगाना चाहोगी?" ये मेरे आई-पॉड में हैं। क्रिस्टियन ने अपनी राज़ से भरी मुस्कान दी।

मुझे तो कहीं नहीं दिख रहा पर उसने हमारे बीच पड़े उपकरण पर अंगुली दबाई तो प्लेलिस्ट आ गई।

"तुम चुनो।" उसने कहा और मैं जानती हूं कि ये काम किसी चुनौती से कम नहीं है।

क्रिस्टियन ग्रे का आई-पॉड तो अपने-आप में रोचक होगा। मैंने एक अच्छा सा गाना लगा दिया। मुझे नहीं पता था कि वह भी ब्रिटनी का प्रशंसक है। क्रिस्टियन ने आवाज़ धीमी कर दी। शायद सुबह-सुबह के लिहाज़ से ज़्यादा ही हो गया।

टॉक्सिक! उसने खीसें निपोरीं

"तुम कहना क्या चाहते हो?" मैंने भोलेपन से आंखें झपकाईं।

उसने आवाज़ थोड़ी और कम की और मैंने मन ही मन खुद को गले से लगा लिया। अंदर बैठी लड़की पोडियम पर खड़ी सोने का मैडल मिलने का इंतज़ार कर रही है। उसने आवाज़ कम की। मैं जीत गई।

"मैंने अपने आईपॉड में यह गाना नहीं डाला। उसने अपना पैर अचानक हटाया तो मैं अपनी सीट पर पीछे धंस गई। गाड़ी हवा से बातें करने लगी।

क्या? वह जानता है कि वह क्या कर रहा है, कमीना। *किसने डाले हैं?* मुझे लगातार ब्रिटनी को सुनना होगा। *कौन......कौन* हो सकती है?

गाना ख़त्म होकर दूसरा चालू हो गया पर मैं अब भी वहीं अटकी हूं।

"वह लीला थी।" उसने मेरे अनकहे सवाल का जवाब दे दिया। उसे कैसे पता चला कि मैं जानना चाहती थी।

"लीला?"

"हां, मेरी एक्स थी।" मैं हैरान रह गई।

"एक पुरानी सेक्स गुलाम? उन पंद्रह में से एक?" मैंने पूछा

"हां"

"उसे क्या हुआ?"

"हमारे बीच नाता टूट गया।"

"क्यों"

"हे भगवान! इस तरह की बातों के लिए अभी वक्त नहीं है।" उसने कहा पर शायद आज वह बात करने के मूड में है इसलिए बोला।

"वह मुझसे कुछ ज़्यादा की उम्मीद रखने लगी थी।"

"और तुमने उसे पूरा नहीं किया?" ओह! मैं न चाहने पर भी पूछ ही बैठी। काबू ही नहीं रहा।

"मैं तुमसे मिलने से पहले ऐसी किसी बात में यकीन नहीं रखता था।"

मेरा सिर चकरा रहा है। वह भी ज़्यादा चाहता है पर उसके लिए इसके मायने क्या हैं? अंदर बैठी लड़की को गुलाटियां खाने का मौका मिल गया है।

"बाकी चौदह को क्या हुआ?" मैंने पूछा

ओह-आज इसके बोलने का फायदा उठा लेती हूं।

"तुम कोई लिस्ट चाहती हो–तलाकशुदा, गर्दनें काटी गईं या कितनी मरीं?"

"तुम कोई हेनरी सप्तम नहीं हो।"

"अच्छा। वैसे एलीना के अलावा मेरे चार औरतों के साथ लंबे समय तक संबंध रहे।"

"एलीना?"

"तुम्हारे लिए मिसेज रॉबिन्सन।" उसने राज़ से भरी मुस्कान दी।

एलीना! उस दुष्टा का एक नाम भी है और सुनने में ही कितना बेगाना सा लग रहा है। मेरे सामने गेहुए रंग की एक शानदार और लाल लिपस्टिक से रंगे होठों वाली खलनायिका आ गई। वैसे मैं जानती हूं कि वह सुंदर है। *मुझे इस बारे में नहीं सोचना चाहिए। मुझे इस बारे में नहीं सोचना चाहिए।*

"बाकी चार का क्या हुआ?" मैंने अपना ध्यान हटाने के लिए पूछा।

"मिस स्टील! हमेशा की तरह जानकारी पाने के लिए अधीर।"

"ओह, मि. तुम्हारे पीरियड्स कब होते हैं?"

"एनेस्टेसिया! एक मर्द को इन बातों का ख्याल रखना होता है।"

"क्या वह रखता है?"

"हां, मैं रखता हूं।"

"क्यों?"

"मैं नहीं चाहता कि तुम्हें गर्भ रह जाए।"

"मैं भी नहीं चाहती। कम से कम कुछ साल तो बिल्कुल नहीं चाहती।"

क्रिस्टियन ने पलकें झपकाई और फिर रिलैक्स हो गया। अच्छा! वह बच्चा नहीं चाहता। अभी नहीं या कभी नहीं? मैं इतनी सुबह कहीं जाने के नाम से ही परेशान सी हूं। आखिर हम जा कहां रहे हैं। समझ नहीं आ रहा कि मेरी बेचैनी जार्जिया के हवा-पानी की वजह से है, सुबह जल्दी उठने की वजह से है या मैं और क्या जानना चाहती हूं?

"तो बाकी चार का क्या हुआ?" मैंने पूछा।

"एक को कोई और मिल गया। बाकी तीन 'ज्यादा' चाहती थीं और मैं तब ऐसी सोच वाला इंसान नहीं था।"

"और बाकी कहां गईं?"

उसने मुझे देखकर गर्दन हिलाई।

"बस बात नहीं बनी।"

वाऊ! कितनी सारी बातें पता लग गईं। मैंने शीशे से देखा तो आकाश में भोर की उजास हमारा पीछा कर रही थी।

"हम कहां जा रहे हैं?" मैंने इंटरस्टेट 95 की ओर देखकर पूछा।

"एक एयरफील्ड में।"

"हम कहीं सिएटल वापिस तो नहीं जा रहे?" मैं चौंकी। मैंने तो अभी मॉम को बाय भी नहीं कहा और वे तो हमें डिनर कराने के लिए तैयारी कर रही हैं।

वह हंसा-"नहीं एनेस्टेसिया! हम मेरी दूसरी मनपसंद हॉबी के लिए जा रहे हैं।"

"दूसरी?" मैंने भौं नचाई।

"हां, पहली तो मैं तुम्हें सुबह ही बता चुका हूं।"

"वह तो तुम ही हो। मिस स्टील! तुम लिस्ट में सबसे ऊपर हो।"

"ओह। सुन कर अच्छा लगा।"

"तो हम वहां क्यों जा रहे हैं?"

"हम आकाश में उड़ान भरने जा रहे हैं।"

"मतलब?"

"एनेस्टेंसिया! हम इस भोर का पीछा करेंगे।" कार का जीपीएस दाईं ओर जाने का संकेत दे रहा है। उसने एक बड़ी सफेद इमारत के बाहर गाड़ी रोकी, जिस पर लिखा है-ब्रुन्सविक सोरिंग एसोसिएशन।

"ग्लाइडिंग। हम ग्लाइडिंग करने जा रहे हैं?" उसने इंजन बंद कर दिया।

"तुम तैयार हो?"

"क्या तुम उड़ाने वाले हो?" मैंने पूछा।

"हां"

"हां प्लीज़! मुझे कोई हिचक नहीं है।" वह मुस्कुराया और आगे झुक कर मुझे चूम लिया।

"मिस स्टील! यह भी मेरी ज़िंदगी की एक और 'पहली बार' लिस्ट में जुड़ जाएगा।"

पहली बार? क्या ग्लाइडिंग या मेरे साथ ग्लाइडिंग? नहीं-उसने कहा था कि वह पहले भी कर चुका है। वह आगे आया और दरवाजा खोला। आकाश में रंग बदलते दिख रहे हैं और सुबह होने ही वाली है। बादल भी यहां वहां छितरे दिखाई दे रहे हैं।

उस इमारत में कई तरह के प्लेन खड़े थे। वहां टेलर के साथ गंजे सिर वाला जंगली नज़रों से घूरता इंसान खड़ा दिखा।

टेलर? क्या क्रिस्टियन इसके बिना कहीं नहीं जाता? मैं उसे देखकर दमकी और उसने भी मुस्कान दी।

"मि. ग्रे, ये आपके को पायलट मि. मार्क बैंसन हैं। टेलर ने कहा। क्रिस्टियन और मार्क ने हाथ मिलाए और आपस में तकनीकी किस्म की बातें करने लगे जो मुझे समझ नहीं आई।

"हैलो टेलर!" मैं हौले से बोली

"मिस स्टील!" उसने अभिवादन किया तो मैंने त्योरी चढ़ाई-एना! उसने खुद को सुधारा। वह बोला-"ये पिछले कुछ दिन से बहुत ही ज़्यादा व्यस्त थे। अच्छा हुआ कि हम कुछ दिन के लिए यहां आ गए।"

"ओह! ये तो खबर है। बेशक इसकी वजह मैं नहीं हूं! शायद सवाना का पानी ही इन्हें दिल के राज़ खोलने को मजबूर कर रहा है।

"एनेस्टेसिया! क्रिस्टियन ने पुकारा। आओ! उसने हाथ आगे किया।"

"बाद में मिलते हैं।" मैंने टेलर से कहा। वह मुझे सलामी देते हुए पार्किंग लॉट की ओर चला गया।

"मि. बैंसन! ये मेरी गर्लफ्रेंड एनेस्टेंसिया स्टील!"

"आपसे मिल कर खुशी हुई।" हमने हाथ मिलाए। मार्क ने एक बड़ी सी मुस्कान दी।

उसकी बोली और लहज़े से ही पता लग रहा था कि वह एक ब्रिटिश था।

क्रिस्टियन का हाथ थामते ही पेट में उथल-पुथल होने लगी। हम ग्लाइडिंग करने जा रहे हैं।

हम मार्क के साथ रनवे की ओर जा रहे हैं और उन दोनों की बातचीत जारी है। मैंने ब्लानिक एल-23 को निहारा जो बेशक एल-13 से बेहतर लग रहा है, हालांकि इस बारे में बहस की जा सकती है। मार्क पाइपर पॉवनी उड़ाएगा। वह पिछले पांच साल से उड़ानें भर रहा है। मेरे लिए इन बातों का कोई मतलब नहीं पर क्रिस्टियन की खुशी और उत्साह देखते ही बनते हैं। लंबे, पतले सफेद जहाज पर संतरी रंग की पट्टियां हैं। यह एक छोटे सिंगल इंजन वाले प्लेन से लंबी सफेद रस्सी से बंधा है। मार्क ने उस गुबंदनुमा चीज़ को ऊंचा किया ताकि हम कॉकपिट के अंदर जा सकें।

"पहले हमें तुम्हारा पैराशूट लगाना होगा।"

"पैराशूट!"

"मैं करता हूं।" क्रिस्टियन ने मार्क के हाथों से उसे ले लिया।

"मैं बाकी सामान लाता हूं।" वह प्लेन की ओर चल दिया।

"तुम मुझे इस तरह पट्टियों और तनियों में बांधना पसंद करते हो?"

"मिस स्टील! तुम कुछ नहीं जानतीं।" उसने भारी सुर में कहा और कुछ न कह कर बहुत कुछ कह दिया।

मैंने अपने बाजू उसके कंधों पर रखे। क्रिस्टियन के शरीर में हल्की जकड़न आ गई पर वह हिला नहीं। जैसे ही पांव लूप में बंध गए तो उसने पैराशूट को ऊपर खींचा और मैंने अपने बाजू कंधों वाले स्ट्रैप में डाल दिए। उसने तनियां कस कर बांध दी।

"हो गया।" उसकी आंखें चमक रही हैं।

"क्या बाल बांधने वाला रबड़ बैंड पड़ा है?" मैंने हामी दी।

"बाल बांध लूं?"

"हां।"

मैंने तुरंत वैसा ही किया।

"हो गया। चलो बैठो।"

"नहीं, आगे। पायलट पीछे बैठता है।"

"पर तुम्हें दिखाई नहीं देगा।

"मुझे सब दिखेगा।"

मैंने उसे आज तक इतने हल्के और खुशनुमा मूड में नहीं देखा। जगह काफी आरामदायक है। क्रिस्टियन ने कंधों से तनिया खींचीं, टांगों से निचली बेल्ट ली और पेट पर उन्हें कस दिया।

"एक दिन में दो-दो बार मैं कितना किस्मतवाला हूं।" वह हौले से बोला और मुझे चूम लिया। बस बीस-तीस मिनट की बात है। इस समय के लिहाज़ से थर्मल ठीक नहीं रहते पर इस वक्त की खूबसूरती का कोई मुकाबला नहीं होता। उम्मीद है कि तुम्हें घबराहट नहीं हो रही।

"मैं उत्साहित हूं।" मैं दमकी।

ये मुस्कुराहट कहां से आई? अंदर ही अंदर तो मैं डर रही हूं। अंदर वाली लड़की कंबल लेकर सोफे के नीचे जा छिपी है।

"गुड।" उसने मेरा चेहरा थपथपाया और वहां से ओझल हो गया।

जब वह पीछे आकर बैठा तो मैं तनियों में बंधी होने के कारण मुड़कर देख ही नहीं सकी। हम जमीन पर काफी नीचे हैं। मेरे सामने बहुत सारे पैनल, डायल और स्टिक जैसी चीज़ है। मैंने किसी को हाथ नहीं लगाया।

मार्क बैन्सन ने मेरी तनियां जांचने के बाद कॉकपिट के फर्श को देखा।

"हां! सब ठीक है। पहली बार?"

"जी!"

"आपको अच्छा लगेगा"

"धन्यवाद मि. बैंसन"

"मुझे मार्क कहें। वह क्रिस्टियन की ओर मुड़ा। ओ.के.!!"

"हां! चलें।"

मुझे खाली पेट रहने की खुशी है। बेशक अगर कुछ खाया होता तो मामला उलट जाता। आज मैं फिर एक बार खुद को इस खूबसूरत हुनरमंद आदमी के हाथों सौंप रही हूं। मार्क ने कॉकपिट का ढक्कन बंद किया और अंदर आ गया।

पाइपर का सिंगल प्रोपैलर चालू हुआ और मेरे पेट में खलबली सी होने लगी। ओह! मैं सचमुच ऐसा करने जा रही हूं। मार्क ने पहले उसे पट्टी पर दौड़ाया और फिर हमें एक झटका सा लगा। मैं अपने पीछे पड़े रेडियो की खटर-पटर सुन सकती हूं। शायद मार्क कुछ बात कर रहा है पर मुझे समझ नहीं आ रही। पाइपर ने गति पकड़ी तो हम भी गति में आ गए। हमारे नीचे का सिंगल प्रॉप प्लेन अभी जमीन पर ही है। ओह! हम आसमान में कब जाएंगे? अचानक ही मेरा कलेजा उछलकर बाहर आने को हो गया। हम आसमान में आ गए।

"बेबी! हम पहुंच गए।" क्रिस्टियन मेरे पीछे से चिल्लाया।

हम दोनों अपने ही बुलबुले में हैं। मैं बस तेजी से चलती हवा और पाइपर के इंजन का शोर ही सुन पा रही हूं।

मैंने सीट को दोनों हाथों से थामा हुआ है और इस तरह जकड़ा है कि हाथ सुन्न हो गए हैं। हम पश्चिम की ओर बढ़े जहां से सूरज खेतों, जंगलों, घरों व इंटरस्टेट 95 की ओर अपनी रोशनी बिखेर रहा है।

ओह अद्‌भुत! आकाश से तो सब बेमिसाल दिखता है। ये रोशनी सचमुच लाजवाब है और मुझे जोस की -मैजिक आवर वाली बात याद आ गई। अकसर फोटोग्राफर दिन के इसी वक्त को सराहते हैं। ...भोर से ठीक पहले और मैं यहां क्रिस्टियन के साथ हूं।

अचानक ही मुझे जोस के शो की याद आ गई। हम्म! मुझे क्रिस्टियन को बताना होगा। मैं सोच रही थी कि वह सुन कर कैसे पेश आएगा पर अभी वह चिंता छोड़कर इस उड़ान का आनंद लेना चाहिए। ऊंचाई पर जाते ही कान बंद हो गए। ज़मीन हमसे दूर होती जा रही है। यहां कितनी शांति है। मैं समझ गई कि उसे यहां आना क्यों पसंद है। वह यहां अपने ही तरह के काम के दबाव से मुक्त हो जाता है।

रेडियो ने हमें बताया कि हम तीन हजार फीट पर थे। ओह! सचमुच? मैं अब नीचे से कुछ नहीं पहचान पा रही।

"छोड़ दो।" क्रिस्टियन ने रेडियो में कहा और अचानक पाइपर ओझल हो गया और छोटे प्लेन द्वारा खींचे जाने का एहसास भी खत्म हो गया। अब हम तैर रहे हैं। जार्जिया के ऊपर!!

ये कितना रोमांचक है। हम अचानक ही सूरज की ओर घूम गए। इकारस! हां, वही बात तो है। मैं सूरज के पास उड़ रही हूं पर यहां वह मेरे साथ है। हम गोल-गोल घूमते हुए आसपास का नज़ारा देख रहे हैं।

"कस कर पकड़ो।" वह चिल्लाया और हमने एक और गोता खाया। इस बार वह नहीं

रुका। अचानक ही मैं उलट गई और कॉकपिट के ऊपरी चंदोवे से नीचे जमीन देखने लगी। मैं अचानक ही चिल्लाई और खुद को बचाने की कोशिश की। मैं उसे हंसते सुन सकती

हूं। कमीना कहीं का!" पर मुझे भी उसकी हंसी की छूत लग गई और उसने प्लेन सीधा कर दिया।

"शुक्र है कि मैंने कुछ खाया नहीं।" मैं चिल्लाई।

"हां! अच्छा हुआ क्योंकि मैं दोबारा ऐसा करने जा रहा हूं।"

उसने प्लेन को एक और गोता दिया और हम उलट गए। इस बार मैं तैयार थी इसलिए डर नहीं लगा। उसने प्लेन को साधा।

"कितना सुंदर दिख रहा है न?"

"हां! बहुत!"

हम हवा और खामोशी के संगीत के बीच सुबह की रोशनी के साथ आसमान में तैर रहे हैं और इसके सिवा कोई क्या चाह सकता है।

"आगे वाली जॉय स्टिक देखो।" वह चिल्लाया।

मैंने अपनी टांगों के बीच पड़ी स्टिक देखी। ओह वह क्या कहना चाहता है।

"इसे पकड़ो।"

"क्या वह चाहता है कि मैं प्लेन संभालूं। नहीं!"

"एनेस्टेसिया! इसे पकड़ो।" मैंने उसे थाम लिया।

"इसे कस कर पकड़ो और स्थिर रखो। बीच वाले डायल को देखो। इस सुई को बीच में रखो।"

मेरा कलेजा मुंह को आ गया। हाय! मैं ग्लाइडर उड़ा रही हूं.....मैं हवा में उड़ान भर रही हूं।

"अच्छी बच्ची!" क्रिस्टियन चहका

मैं हैरान हैं कि तुमने मुझे इसे चलाने दिया। मैंने कहा।

"मिस स्टील! तुम्हें देखकर हैरानी होगी कि मैं तुम्हें क्या-क्या करने को कहूंगा। अभी इसे मुझे देखने दो।"

यह सुन कर तो मेरी बोलती ही बंद हो गई।

अचानक ही जॉयस्टिक तेजी से घूमी और हम चकरघिन्नी खाते हुए नीचे की ओर जाने लगे। मेरे कान बजने लगे। जमीन नजदीक आ रही है और लगता है कि कहीं हम टकरा ही न जाएं। ओह! कितना डरावना लग रहा है।

बीएमए, ये बीजीएन पापा थ्री एल्फा है। ये नीचे की ओर...। क्रिस्टियन अपने ही सधे अंदाज़ में पता नहीं रेडियो पर क्या बोल रहा है। मुझे तो कुछ पल्ले नहीं पड़ा।

अब मैं नीचे एयरपोर्ट देख सकती हूं। हम इंटरस्टेट ९५ की ओर जा रहे हैं।

"बेबी! संभालो, झटका लग सकता है।"

एक और डुबकी सी खाने के बाद हम अचानक हल्के झटके के साथ जमीन पर आ गए। ओह! अचानक जमीन पर उतरने के झटके से मेरे दांत आपस में टकरा गए। फिर प्लेन दाईं ओर मुड़ गया। क्रिस्टियन ने कॉकपिट का दरवाजा खोला तो मैंने फेफड़ों में ताजी हवा भर ली।

"कैसा रहा।" उसकी आंखें एक अलग ही खुशी से चमक रही हैं। उसने मेरी तनियां खोलीं।

"बड़ा मज़ा आया। ये एक अलग ही अनुभव था। धन्यवाद!" मैंने कहा।

"क्या ये उस 'ज़्यादा' की लिस्ट में था?" उसने उम्मीद भरे सुर में पूछा।

"उससे भी ज़्यादा!" मैंने आह भरी और वह खीसें निपोरने लगा।

"आओ।" उसने हाथ थामा और मैं कॉकपिट से बाहर आ गई।

जैसे ही मैं बाहर आई। उसने हाथ पकड़कर मुझे अपनी ओर खींचा और अपने से सटा कर एक गहरा आवेग से भरा चुंबन दिया। ओह! हमारी जीभें आपस में टकरा रही हैं। एक-दूसरे के साथ होने का यह एहसास लाजवाब है। मेरे हाथ उसके बालों तक जा पहुंचे। मैं उसे बेहद चाहती हूं। मैदान में खड़े होने के बावजूद मुझे किसी चीज़ की परवाह नहीं है। सुबह की खिली रोशनी में उसका वह सलोना चेहरा और चुंबन से बेदम सांसें!!! वाऊ, ये तो मेरे होश ही उड़ा देता है।

"नाश्ता हो जाए!" उसने कहा और कुछ ऐसे कहा कि लगा सब कुछ कितना कामुक हो गया हो।

ये नाश्ते जैसी चीज़ को भी ऐसे कैसे पेश कर देता है कि वह वर्जित फल जैसी लगने लगती है। ये भी एक असाधारण हुनर है जो सबके पास नहीं होता वह मुड़ा, मेरा हाथ थामा और हम कार की तरफ चल दिए।

"ग्लाइडर का क्या होगा?"

"कोई इसे ले जाएगा। हम अब खाने चलेंगे।"

खाना! ये खाने की बात कर रहा है और मेरे दिमाग में इस समय केवल वही घूम रहा है।

"आओ!" वह मुस्कुराया।

मैंने उसे आज तक ऐसे रूप में नहीं देखा। इसकी भी अपनी ही एक खुशी है। मैंने पाया कि मैं हाथों में हाथ डाले उसके साथ चल रही हूं और चेहरे पर अहमकों की तरह मुस्कान चिपकी है। मुझे वह वक्त याद आ गया जब मैं इसी तरह रे के साथ डिजनीलैंड की सैर किया करती थी। बेशक यह एक प्यारा दिन था और उम्मीद थी कि ऐसा ही रहने वाला था।

कार में हम सवाना के लिए इंटरस्टेट 95 से रवाना हुए। अचानक फोन में अलार्म बजा। ओह! मेरी गोली...

"क्या हुआ?" उसने हैरानी से पूछा

"गोली के लिए अलार्म है।" मैंने कहा और गालों पर लाली छा गई।

मैं पर्स में पैकेट तलाशने लगी।

"शुक्र है! मुझे कंडोम इस्तेमाल करना पसंद नहीं है।"

वह हमेशा की तरह हर मामले में टांग अड़ाने से बाज़ नहीं आया।

मैंने कहा–"मुझे खुशी हुई कि तुमने मार्क से मेरा परिचय गर्लफ्रेंड के तौर पर करवाया।"

"तुम वही नहीं हो?" उसने एक भौं उठाई।

"क्या मैं हूं? मुझे लगा कि मैं तुम्हारी गुलाम या बांदी हूं।"

"एनेस्टेसिया! ये बात तो ऐसी है ही पर मैंने कहा कि मैं इससे ज्यादा भी चाहता हूं।"

ओह! मेरा दिल तो जैसे धड़कना ही भूल गया। एक आशा की किरण हिलोरें लेने लगी।

"मुझे खुशी है कि तुम और भी चाहते हो।" मैं फुसफुसाई।

"मिस स्टील! आनंद देना ही हमारा लक्ष्य है।" वह बोला और हम इंटरनेशनल हाउस ऑफ पैनकेक की ओर चल दिए।

वाऊ! मुझे तो यकीन नहीं आ रहा। किसने सोचा था कि.........क्रिस्टियन ग्रे ऐसी जगह आ सकता है...?

सुबह के साढ़े आठ के बावजूद वहां सुनसान पड़ा है। वहां से कई तरह के खट्टे, कड़वे और मीठे खाने की गंध आ रही है। वह मुझे बूथ की ओर ले गया।

"मैंने तो ऐसी जगह पर तुम्हारी कभी कल्पना तक नहीं की थी।" मैंने कहा।

"जब मॉम किसी मेडीकल कांफ्रेंस में जाती थीं तो डैड हमें ऐसी ही जगह ले जाया करते थे।" ये हमारा राज़ था। वह मुस्कुराया और मेन्यू कार्ड उठाते हुए बालों को संवारा।

ओह! मैं उसके बालों में हाथ फिराना चाहती हूं! मेन्यू पर नज़र डाली तो एहसास हुआ कि मैं तो भूख से मरी जा रही हूं।

"मैं जानता हूं कि मैं क्या चाहता हूं।" उसने धीमी और भारी आवाज़ में कहा।

मैंने उसे देखा। वह मुझे उन नज़रों से देख रहा है, जो मेरे पेट की मांसपेशियों में अजीब-सी ऐंठन भर कर मुझे बेदम कर देती हैं। मेरी देह का रक्त हिलोरें लेते हुए जवाब देने लगा।

"मैं भी वही चाहती हूं जो तुम चाहते हो।" मैं फुसफुसाई। उसने गहरी सांस ली।

"यहां?" उसने एक भौं नचाई और एक दुष्टता से भरी मुस्कान के साथ जीभ दांतों में दे ली।

ओह.........इस जगह पर सेक्स! उसकी आंखों के भाव बदल रहे हैं।

"अपना होंठ मत काटो। यहां नहीं, बिल्कुल भी नहीं...। वह एकदम से बड़ा ही प्यारा और खतरनाक लगने लगा। अगर मैं यहां तुम्हारे साथ कुछ नहीं कर सकता तो मुझे इसके लिए लुभाओ मत।"

"हाय! मेरा नाम लिआंद्रा है। मैं आपको सुबह के नाश्ते में क्या दे सकती हूं।" मेरे सामने बैठे मि. ब्यूटीफुल को देखते ही उसकी आवाज़ में हल्की सी लड़खड़ाहट आ गई। वह हल्की सी लाल पड़ गई और मुझे यह देखकर अच्छा नहीं लगा क्योंकि अकसर ग्रे को देखकर तो मेरे गालों पर लाली आ जाती है। वैसे उसके आने से मैं कुछ पलों के लिए क्रिस्टियन की कामुक नज़रों से परे हो गई।

"एनेस्टेसिया!" क्रिस्टियन ने उसकी मौजूदगी को अनदेखा करते हुए मेरा नाम इस तरह पुकारा कि मैं पिघल गई।

मैंने थूक गटका और खुद को संभाला कि कहीं बेचारी लिआंड्रा की तरह मेरा रंग भी लाल न हो जाए।

"मैंने तो कहा था कि जो तुम्हारी पसंद है, वही मेरी भी पसंद है।" ओह! वह मुझे कैसे देख रहा है। इस खेल में मज़ा आने लगा है।

लिआंद्रा वहां से मुड़ी तो उसके चेहरे का रंग बालों के लाल रंग जैसा हो चुका था।

"क्या आपको तय करने के लिए कुछ वक्त चाहिए?"

"नहीं, हमें पता है कि हम क्या चाहते हैं।" क्रिस्टियन के चेहरे पर प्यारी सी सेक्सी मुस्कान खेल गई।

"हम मेपल सिरप के साथ बटरमिल्क पैनकेक व बेकन लेंगे। इसके साथ दो गिलास संतरे का रस, स्किम दूध के साथ एक काली कॉफी और एक इंग्लिश ब्रेकफास्ट चाय चलेगी।" क्रिस्टियन की नज़रें मुझ पर ही जमी हैं।

"धन्यवाद सर! क्या ये हो गया?" उसके पूछते ही हमने उसकी ओर देखा और पता नहीं क्यों वह अचानक शरमा कर लौट गई।

"ये अच्छी बात नहीं है।" मैंने मेज के कपड़े पर अंगुलियों से आड़ी तिरछी रेखाएं बनाते हुए कहा।

"क्या अच्छी बात नहीं है?"

"तुम लोगों को औरतों को...मुझे बेबस कर देते हो।"

"मैं तुम्हें बेबस करता हूं?"

"हां......हमेशा"

"एनेस्टेसिया! बस ऐसा लगता है।"

"नहीं, क्रिस्टियन ये दिखने से कहीं ज़्यादा है।"

"मिस स्टील! तुम मुझे हथियार डालने पर मजबूर कर देती हो। तुम और तुम्हारा भोलापन। इसके आगे सब हार जाता है।"

"क्या तभी तुमने अपना मन बदल लिया है?"

"किस बारे में?"

"हां...वही......हमारे बारे में..."

उसने अपनी चिबुक को लंबी अंगुलियों से थपथपाया। मुझे नहीं लगता कि मैंने किसी बात के बारे में अपनी राय बदली है। अगर तुम चाहो तो बस हमें अपनी सीमा रेखाएं और परिभाषाएं नए सिरे से तैयार करनी हैं। बेशक, हम इसे कर सकते हैं। मैं चाहता हूं कि तुम मेरे प्लेरूम में मेरी गुलाम या बांदी का रोल करो। अगर नियम तोड़ोगी तो सज़ा भी मिलेगी। इसके अलावा... बाकी सब बातों पर चर्चा हो सकती है। मिस स्टील, वह तो मेरी जरूरत है। कहो, तुम क्या कहती हो।"

"तो मैं तुम्हारे बिस्तर में सो सकती हूं?"

"क्या तुम यही चाहती हो?"

"हां।"

"मुझे मंजूर है। वैसे भी समझ नहीं आया कि तुम्हारे साथ बिस्तर में होने पर भी मुझे इतनी गहरी नींद कैसे आ रही है?"

"मुझे डर था कि अगर मैंने इन बातों के लिए हामी नहीं दी तो तुम मुझे छोड़ जाओगे।"

"एनेस्टेसिया! मैं कहीं नहीं जा रहा। वैसे भी... हम तुम्हारी सलाह–तुम्हारी परिभाषा, समझौता पर चल रहे हैं। जो तुमने मुझे ई-मेल की थी। ये अभी तक तो मेरे लिए कारगर रही है।"

"मुझे खुशी है कि तुम और ज़्यादा चाहते हो।" मैंने हौले से कहा।

"मैं जानता हूं।"

"तुम कैसे जानते हो?"

"मेरा भरोसा करो। मैं जानता हूं। वह मुझ पर हंस रहा है।" वह कुछ छिपा भी रहा है। क्या?

उसी समय लिआंड्रा हमारा नाश्ता ले आई और बात वहीं खत्म हो गई। मैंने सब कुछ ज़्यादा ही स्वाद लेकर खाया।

"क्या मैं तुम्हें दावत दे सकती हूं।" मैंने क्रिस्टियन से पूछा।

"मेरी दावत, कैसे?"

"इस खाने के पैसे देकर!"

क्रिस्टियन ने मुंह बनाया।

"मुझे ऐसा नहीं लगता"

"प्लीज़! मैं ऐसा करना चाहती हूं।"

उसने मुझे त्योरियां दिखाईं।

"क्या तुम मुझ पर पूरी तरह से कब्जा करना चाहते हो?"

"यही जगह है जहां का भुगतान मैं आसानी से कर सकती हूं।"

"एनेस्टेसिया! तुम्हारी सोच अच्छी है पर मैं नहीं चाहता कि तुम ऐसा करो।"

मैंने अपने होंठ भींच लिए।

"मुंह मत चिढ़ाओ।" उसने आंखों से धमकी दी।

बेशक उसने मॉम का पता नहीं पूछा। वह पहले से जानता है। वह सब पता कर लेता है। जब उसने मुझे घर के बाहर छोड़ा तो मैंने कुछ नहीं कहा। कहने का फायदा भी क्या था।

"क्या घर नहीं आओगे?" मैंने शरमाते हुए कहा

"नहीं एनेस्टेसिया! थोड़ा काम है पर मैं शाम को आऊंगा किस वक्त आना है?"

मैंने अपनी मायूसी को अनदेखा किया।

मैं इस सनकी और सबको काबू में रखने वाले सेक्स गॉड के साथ हर एक मिनट क्यों बिताना चाहती हूं?

अरे हां, मैं तो इससे प्यार करती हूं और वह प्लेन भी उड़ा सकता है।

"धन्यवाद......उस अधिक के लिए!"

"एनेस्टेसिया!" उसने मुझे चूमा और उसकी सेक्सी गंध ने मुझे मदहोश कर दिया।

"बाद में मिलती हूं।"

"तुम मुझे रोक कर तो दिखाओ।"

मैंने अलविदा कहा और वह जार्जिया की धूप के बीच निकल गया। मैं अब भी उसकी गर्म टी-शर्ट और अंतर्वस्त्रों में हूं।

रसोई में मॉम की हालत देखने वाली है। उन्हें हर रोज़ किसी अरबपति के लिए खाना नहीं पकाना होता और यही बात उन्हें खा रही है।

"कैसी हो डार्लिंग?" मैं खिसिया गई क्योंकि वे ज़रूर जानती हैं कि मैंने कल रात क्या किया होगा?

"मैं ठीक हूं। क्रिस्टियन आज सुबह मुझे ग्लाइडिंग के लिए ले गया था।" मैंने उम्मीद की कि इस नई खबर से उनका ध्यान भटक जाएगा।

"ग्लाइडिंग? बिना इंजन का छोटा विमान। उस तरह की ग्लाइडिंग?"

मैंने हामी दी।

"वाऊ!"

वे कुछ नहीं बोल पा रहीं और मेरी मॉम के लिए तो यह बड़ी बात है। वे मुझे हैरानी से ताक रही हैं पर फिर धीरे-धीरे उसी बात पर लौट आईं।

"कल रात कैसी रही? तुम दोनों ने बात की?" ओह! मेरा रंग लाल पड़ गया।

"हमने कल रात और आज सुबह बात की। हालात सुधर रहे हैं।"

"बढ़िया।" फिर वे रसोई में खुली चार किताबों में खपने लगीं।

"मॉम!......आप कहें तो आज खाना मैं बनाऊं?"

"ओह हनी! तुम कितनी प्यारी हो पर मैं यह करना चाहती हूं।"

अच्छा! मैंने लाड से कहा। मैं जानती हूं कि या तो मॉम के हाथ का खाना बहुत अच्छा बनता है या बहुत बुरा! शायद हो सकता है कि बॉब के साथ के बाद कुछ सुधार हुआ हो। एक वक्त था जब मैं कहती थी कि उनके हाथ का बना खाना तो दुश्मन को भी नसीब न हो... वैसे अब ऐसा कौन है जिससे मैं नफ़रत करती हूं–मिसेज रॉबिन्सन-एलीना। हां, वही हो सकती है। क्या मैं कभी उस नामुराद औरत से मिल सकूंगी?

मैंने तय किया कि क्रिस्टियन को छोटा सा धन्यवाद भेज दूं।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: दुख (सोर-ईंग) के विपरीत ग्लाइडर की उड़ान (सोरिंग)
डेट: 2 जून 2011 10:20 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
कभी-कभी तो तुम सचमुच जानते हो कि किसी लड़की को खुश कैसे किया जाए।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: लंबी उड़ान बनाम दुख(सोरिंग बनाम सोर-ईंग)
डेट: 2 जून 2011 10:24 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील
वैसे मैं इनकी जगह तुम्हारे खर्राटे सुनना चाहूंगा।
मुझे भी बड़ा मज़ा आया।
पर मुझे तो तुम्हारा साथ हमेशा ऐसा ही लगता है।
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: खर्राटे(स्नोरिंग)
डेट: 2 जून 2011 10:26 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मैं खर्राटे नहीं लेती और अगर लेती भी हूं तो इसके बारे में कहना भद्रता नहीं होगी।
मि. ग्रे! आप भी कोई भले आदमी नहीं हैं। आप भी गहरे पानी में डूबे हैं।
एना।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: नींद में बोलने वाली......
डेट: 2 जून 2011 10:28 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मैंने कभी भला इंसान होने का दावा नहीं किया। एनेस्टेसिया! शायद मैं कई बार इस बारे में तुम्हें बता भी चुका हूं। मैं तुम्हारे इन बड़े-बड़े शब्दों से नहीं डरता पर एक बात तो कहनी ही होगी–तुम खर्राटे नहीं भरतीं, तुम नींद में बोलती हो और ये बात बड़ी प्यारी है।
मेरे चुंबन का क्या हुआ?
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

हे भगवान! मैं जानती हूं कि मुझे नींद में बोलने की आदत है। केट ने कई बार बताया है। अब मैंने क्या कह दिया होगा? हाय नहीं!

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: अफवाह
डेट: 2 जून 2011 10:32 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
तुम कोई भले इंसान नहीं बल्कि दुष्ट हो।
तो मैंने क्या कहा? जब तक तुम बात नहीं करते, तब तक कोई चुंबन नहीं मिलेगा।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: नींद में बोलने वाली सुंदरी
डेट: 2 जून 2011 10:35 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मेरे लिए ऐसा कहना अभद्रता होगी और वह मैं कर चुका हूं।
पर अगर तुम सही तरह से पेश आईं तो मैं शाम को तुम्हें बता सकता हूं। मुझे अभी एक मीटिंग में जाना है।

बाद में मिलते हैं, बेबी!
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
बदमाश व नीच
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मुझे आज शाम तक सब्र रखना होगा। समझ नहीं आता कि मैंने क्या कहा होगा। हो सकता है कि ये कहा हो कि मैं उससे नफ़रत करती हूं या यह भी कह सकती हूं कि मैं उससे प्यार करती हूं। उम्मीद करती हूं कि मैंने ऐसा नहीं कहा होगा क्योंकि मैं अभी उसे यह बात कहने के लिए खुद को तैयार नहीं पाती। मुझे यकीन है कि वह भी अभी यह सुनने को तैयार नहीं है और क्या वह कभी तैयार होगा? मैंने कंप्यूटर को देखकर मुंह बनाया और तय किया कि मॉम चाहे जो भी पकाएं, मैं आटा गूंथते हुए सारी कुंठा और गुस्सा निकाल लूंगी।

मॉम ने तय किया है कि वे गैज़पाचो सूप और ऑलिव ऑयल, लहसुन व नींबू में लिपटे स्टीक्स का बारबेक्यू तैयार करेंगी। क्रिस्टियन को मीट पसंद है और इसे बनाना भी आसान है। बॉब ने बारबेक्यू संभालने की जिम्मेदारी ली है। आदमी और आग का क्या नाता है? मैं मॉम के साथ सुपरमार्केट में घूमते हुए सोच रही थी।

अचानक फोन बजा। मुझे लगा कि क्रिस्टियन का होगा पर कोई अनजाना सा नंबर था।

"हैलो!" मैंने कहा

"एनेस्टेसिया स्टील?"

"जी हां।"

"मैं एसआईपी से एलिजाबेथ मोरगन बोल रही हूं।"

"ओह-हाय..."

"मैं आपको बताना चाहती थी कि मि. हाइड की सहायिका के पद के लिए आपको रखा गया है। हम चाहते हैं कि आप सोमवार से काम पर आ जाएं।"

"वाउ! ये तो बहुत अच्छी बात है। धन्यवाद!"

"आपको वेतन के बारे में पता है?"

"हां-हां! मतलब मुझे आपकी पेशकश पसंद है। मैं आप लोगों के साथ काम करना चाहूंगी।"

"बहुत अच्छे! सोमवार सुबह साढ़े आठ मिलते हैं।"

"ओ. के बाय! थैंक्स!" मैंने मॉम को इशारा किया।

"तुम्हें नौकरी मिल गई?"

मैंने हामी भरी। उन्होंने मुझे सुपरमार्केट में ही भींच लिया।

"बधाई हो डार्लिंग! हमें थोड़ी शैंपेन भी लेनी है।" उन्होंने दोनों हाथों से तालियां बजाई और उछलने लगीं। हे भगवान! इनकी उम्र बयालीस है या बारह?

मैंने अपने फोन को देखकर त्योरी चढ़ाई। क्रिस्टियन की मिस्ड कॉल है। वह कभी फोन नहीं करता। मैंने कॉल किया।

"एनेस्टेसिया!" उसने फौरन जवाब दिया।

"हाय!"

"मुझे सिएटल जाना पड़ रहा है। एक काम आ गया है। मैं हिल्टन हैड की ओर जा रहा हूं। प्लीज़ मेरी ओर से मॉम से माफी मांग

लेना–मैं डिनर पर नहीं आ सकता।" वह बड़े ही औपचारिक स्वर में बोल रहा है।

"कोई परेशानी वाली बात तो नहीं?"

"मुझे एक सिचुएशन का हल निकालना है। कल मिलूंगा। कल मैं लेने न आ सका तो टेलर को एयरपोर्ट भेज दूंगा।" वह काफी ठंडे और बेलाग से सुर में बोला पर पहली बार मुझे लगा कि इसका कारण मैं नहीं हूं।

"उम्मीद करती हूं कि तुम हालात को सुलझा लोगे। ध्यान से जाना।"

"तुम भी अपना ख्याल रखना बेबी।" बस आखिरी शब्द सुन कर लगा कि मेरा क्रिस्टियन लौट आया है। फिर उसने फोन रख दिया।

अरे नहीं! पिछली बार तो मेरा कुंआरापन उसके लिए ऐसी मुश्किल की वजह बना था। इस बार क्या हो सकता है? मैंने मॉम को देखा। उनके चेहरे पर खुशी की बजाए चिंता झलकने लगी थी।

"क्रिस्टियन से बात हो रही थी। उसे सिएटल जाना था इसलिए माफी मांग रहा था।"

"ओह! ये तो बुरा हुआ। हम अब भी अपना बारबेक्यू कर सकते हैं। हमारे पास जश्न का कारण भी है। तुम्हें नौकरी मिल गई है।"

दोपहर बाद, मैं और मॉम पूल के बाहर लेटे हैं। मॉम को पता चल गया है कि क्रिस्टियन नहीं आ रहा इसलिए वे अब काफी निश्चिंत हैं। मैं लेटे-लेटे कल शाम और आज नाश्ते के बारे में सोचने लगी। हमारी बातचीत और हरकतें दिमाग में नाचने लगीं और मैं उन पलों की यादों में खोने लगी।

पता नहीं कैसे, क्रिस्टियन के बर्ताव में काफी बदलाव आ गया है। वह मानता नहीं पर उसने यह तो कबूला है कि वह और अधिक के लिए कोशिश कर रहा है। क्या बदलाव हो सकता है। उसके आखिरी ई-मेल और मुलाकात के बीच ऐसा खास क्या हो गया? उसने ऐसा क्या किया? मैं अचानक उठ बैठी और हाथ में पकड़ा सोडा छलक गया। उसने किसके साथ डिनर किया था......एलीना?

"क्या हुआ एना हनी!" मॉम ने पूछा

"कुछ नहीं मॉम! टाइम क्या हुआ है?"

"छह बज कर तीस मिनट।"

हम्म......अभी वह पहुंचा नहीं होगा। क्या मैं उससे पूछ सकती हूं? क्या मुझे पूछना चाहिए? या उसका इससे कोई लेन-देना नहीं है? मैंने उम्मीद तो यही की। मैंने नींद में क्या कहा होगा? जो भी हो, बस यह बदलाव 'उसकी' वजह से न हो।

मैं गर्मी में झुलस रही हूं। मुझे पूल में एक और डुबकी लगानी होगी।

जब मैं सोने जाने लगी तो कंप्यूटर ऑन किया। क्रिस्टियन का कोई अता-पता नहीं था। यहां तक कि उसने सुरक्षित पहुंचने की खबर तक नहीं दी थी।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: सलामती के साथ वापसी
डेट: 2 जून 2011 22:32 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर सर,
प्लीज़ बताएं कि क्या सुरक्षित रूप से पहुंच गए हैं। मुझे चिंता होने लगी है। आपके बारे में ही सोच रही हूं।
तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: सॉरी
डेट: 2 जून 2011 19:36 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर मिस स्टील
मैं ठीक-ठाक पहुंच गया हूं और तुम्हें बता नहीं सकता इसलिए माफी चाहूंगा। मैं तुम्हारी चिंता का कारण नहीं बनना चाहता। ये जान

कर अच्छा लगा कि तुम्हें मेरी इतनी परवाह है। मैं भी तुम्हारे बारे में ही सोच रहा हूं और कल मिलने के इंतज़ार में हूं।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
मैंने आह भरी। वह फिर से अपने औपचारिक खेमे में लौट आया है।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: परेशानी
डेट: 2 जून 2011 22:40 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
ये तो साफ है कि मैं हमेशा ही तुम्हारी परवाह करती हूं। तुम इस बात पर शक कैसे कर सकते हो?
उम्मीद करती हूं कि हालात काबू आ गए होंगे।
पी.एस.–क्या तुम मुझे बताने जा रहे हो कि मैंने नींद में क्या कहा था? तुम्हारी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: एक विनती
डेट: 2 जून 2011 19:45 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर मिस स्टील
मुझे अच्छा लगता है कि तुम मेरी परवाह करती हो। यहां के हालात अभी संभले नहीं हैं। वैसे बता दूं कि मैं तुम्हें नहीं बताने वाला कि तुमने नींद में क्या कहा था।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: नींद में बोलना
डेट: 2 जून 2011 22:48 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
उम्मीद करती हूं कि आपको मज़ा आया होगा। पर आपको यह भी पता होना चाहिए कि अचानक नींद में मेरे मुंह से क्या निकल रहा है। मैं उसकी जिम्मेदारी नहीं लेती। हो सकता है कि तुमने सही से सुना ही न हो।
अकसर बड़ी उम्र के लोग ऊंचा सुनने लगते हैं।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: बहुत खूब?
डेट: 2 जून 2011 19:52 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील डियर मिस स्टील
सॉरी, क्या आप बोल सकती हैं? मैं आपको सुन नहीं सकता। क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: एक विनती
डेट: 2 जून 2011 22:54 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
तुम मुझे दीवानी बना रहे हो।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: उम्मीद तो यही है......
डेट: 2 जून 2011 19:59 ईएसटी
टू: एनेस्टेसिया स्टील?
डियर मिस स्टील

मैं शुक्रवार शाम कुछ ऐसा ही करने जा रहा हूं और उस दिन के इंतज़ार में हूं।
टू: क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: गररररररर......
डेट: 2 जून 2011 23:02 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मैं तुमसे औपचारिक रूप से नाराज़ हूं। गुडनाइट मिस ए. आर. स्टील

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: जंगली बिल्ली
डेट: 2 जून 2011 20:05
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिस स्टील! क्या आप मुझ पर गुर्रा रही हैं?
मेरे पास इस काम के लिए अपनी बिल्ली है।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

उसकी अपनी बिल्ली? मैंने तो उसके अपार्टमेंट में कभी नहीं देखी। नहीं, मैं जवाब नहीं देने जा रही। ओह! कभी-कभी तो ये दिमाग खराब कर देता है। मेरा फिफ्टी शेड्स! मैं पलंग पर लेटकर छत को ताकने लगी। कंप्यूटर से एक और पिंग का स्वर सुनाई दिया। मैं नहीं देखने वाली। नहीं, बिल्कुल नहीं। मैं नहीं देखूंगी। ओह! मेरे जैसा पागल और कौन होगा, क्रिस्टियन ग्रे के लिखे शब्दों को पढ़ने का लालच तक नहीं रोक पा रही।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुमने नींद में जो कहा
डेट: 2 जून 2011 20:20
टू: एनेस्टेसिया स्टील
एनेस्टेसिया
मैं चाहता हूं तुमने नींद में जो कहा, वे शब्द तुम पूरे होशोहवास में कहो इसलिए मैं वे तुम्हें बताना नहीं चाहता। सोने जाओ। कल हम जो भी करने वाले हैं, उसके लिए तुम्हारा पूरी नींद लेना ज़रूरी है।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

अरे नहीं, मैंने ऐसा क्या कह दिया। मुझे पक्का यकीन है कि वह इतना ही बुरा होगा, जितना मैं सोच रही हूं।

अध्याय 25

मॉम ने मुझे कस कर गले से लगाया।

"डार्लिंग प्लीज़! अपने दिल की सुनो। बातों पर ज़रूरत से ज़्यादा गौर मत करो। ज़िंदगी का पूरा आनंद लो, इसे जीयो। तुम अभी छोटी हो, मेरी बच्ची, अभी तो पूरी ज़िंदगी का अनुभव लेना बाकी है। इसे अपने तरीके से चलने दो। तुम सब कुछ अच्छे से अच्छा और बेहतर पाने की हकदार हो। वे मेरे कान में बोलीं और मेरे दिल पर जैसे मरहम सा लग गया। उन्होंने मेरे बाल चूमे।

"ओह मॉम!" उनके गले से लगते ही मेरी आंखों से अचानक गर्म आंसू की बूंदें टपकने लगीं।

"डार्लिंग, पता है कहते हैं कि तुम्हें अपना राजकुमार खोजने से पहले बहुत से मेंढकों को चूमना होता है।"

उन्होंने मुझे एक ऐसी मुस्कान दी, जिसे दुनिया में एक मां के सिवा कोई दे ही नहीं सकता। मैं मॉम को कितना चाहती हूं... हम फिर से गले लग गए।

एना-"तुम्हारी उड़ान के लिए ऐलान हो रहा है।" बॉब बेचैन हो गया।

"मॉम! क्या आप मिलने आओगे?"

"क्यों नहीं, बेटा जल्दी आऊंगी। लव यू!"

उनकी आंखें ज़बरन रोके गए आंसुओं से लाल हैं। मुझे उनसे विदा लेना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। मैं बॉब के गले लग कर गेट की ओर चल दी। आज पहले दर्जे के लाउंज में इंतज़ार के लिए वक्त नहीं है। मैं मुड़कर देखना नहीं चाहती थी पर फिर भी गर्दन घुमा ही ली।

पहले दर्जे में अपनी सीट लेने के बाद मैंने खुद को शांत करना चाहा। मॉम से विदा लेते समय हर बार ऐसा ही होता है। मैं बुरी तरह से बिखर जाती हूं। वे चाहे जैसी भी हैं पर मुझे प्यार करती हैं, मेरी परवाह करती हैं। ऐसा प्यार जिसमें कोई स्वार्थ नहीं। केवल मां-बाप ही अपने बच्चे को ऐसा प्यार दे सकते हैं। मैंने अपने ब्लैकबेरी को निकाला और घूरने लगी।

क्रिस्टियन नि:स्वार्थ प्रेम के बारे में क्या जानता है? लगता तो यही है कि उसे अपनी ज़िंदगी के शुरुआती सालों में ऐसा प्यार नहीं मिला होगा। मेरा दिल कचोट गया और मॉम की बात दिमाग में आई–एना हद हो गई! तू और क्या चाहती है? क्या वह माथे पर निआन बत्ती सा चमकता निशान बना ले कि वह तुझे चाहता है। वे समझती हैं कि क्रिस्टियन मुझसे प्यार करता है पर मां होने के नाते वे तो यही सोचेंगी। उन्हें लगता है कि मुझे सबसे बेहतर ही मिलना चाहिए। मैं उसी की हक़दार हूं। ये सच है और उन पलों में मैंने अचानक गौर किया कि ये बड़ी सीधी बात है: मैं उसका प्यार चाहती हूं और मैं चाहती हूं कि क्रिस्टियन भी मुझसे प्यार करे। तभी तो मैं इस रिश्ते को छोड़ नहीं पा रही। मैं अंदर ही अंदर प्यार पाने और करने की बुनियादी ज़रूरत को भी पूरा करना चाहती हूं।

और इसके फिफ्टी शेड्स के कारण ही मुझे अपना कदम पीछे हटाना पड़ रहा है। यह बीडीएसएम रिलेशन बड़ी अजीब-सी चीज़ है। बेशक सेक्स बेमिसाल है, वह पैसे वाला है, खूबसूरत है पर ये सब उसके प्यार के बिना बेमायने हैं। और सबसे ज़्यादा दिल दुखाने वाली बात है कि पता नहीं वह मेरे प्यार के लायक भी है या नहीं? वह तो अपने-आप से भी प्यार नहीं करता। उसे केवल 'उसका' प्यार ही मंजूर है। उसके प्यार का अंदाज़ ही कबूल है। सज़ा देना–कोड़े से मारना, पीटना या उनके रिश्ते में जो भी होता है–वह खुद को प्यार के काबिल ही नहीं मानता। वह ऐसा क्यों महसूस करता है? उसके शब्द मुझे छलने लगे–अगर तुम संपूर्ण न हो तो किसी संपूर्ण परिवार का हिस्सा बन पाना आसान नहीं होता।

मैंने ब्लैकबेरी को ताका कि शायद कुछ देखने को मिले पर कुछ नहीं था। अभी विमान ने उड़ान नहीं भरी थी इसलिए मैंने तय किया कि मैं अपने फिफ्टी शेड्स को ई-मेल भेजूंगी।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: घर की ओर वापसी
डेट: 3 जून 2011 12:53 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे

आपकी मेहरबानी से मैं एक बार फिर से पहले दर्जे में हूं। मैं शाम के इंतज़ार में घड़ियां गिन रही हूं और शायद मैं आपको किसी तरह से सता कर अपनी नींद वाली बात भी निकलवा लूं।
आपकी एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: घर की ओर वापसी
डेट: 3 जून 2011 09:058
टू: एनेस्टेसिया स्टील
एनेस्टेसिया!
मैं भी तुम्हारे इंतज़ार में हूं।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

उसके इंतज़ार को देख मेरी त्योरियां चढ़ गईं। कितनी औपचारिक सी बात लिखी है। कई बार इसे हो क्या जाता है?

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: घर की ओर वापसी
डेट: 3 जून 2011 13:01 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियरेस्ट मि. ग्रे
उम्मीद करती हूं कि हालात संभल गए होंगे। आपके ई-मेल की भाषा से मुझे चिंता हो रही है।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: घर की ओर वापसी
डेट: 3 जून 2011 10:04
टू: एनेस्टेसिया स्टील
एनेस्टेसिया
हालात बेहतर हो सकते हैं। क्या अभी उड़ान चालू नहीं हुई? अगर ऐसा हो चुका है तो तुम्हें ई-मेल नहीं करना चाहिए। तुम खुद को खतरे में डाल कर निजी सुरक्षा वाला नियम तोड़ रही हो। मैंने सजा देने के बारे में जो कहा था, वह यूं ही नहीं था। उस बात का भी मतलब है।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक
हो गया कबाड़ा! हाय इसे कौन सी बात खाए जा रही है? शायद वही परेशानी है...। शायद टेलर कहीं चला गया। शायद स्टॉक बाजार में गच्चा खा गया.........

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: ज़रूरत से ज़्यादा प्रतिक्रिया
डेट: 3 जून 2011 13:06 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
श्रीमान तुनकमिजाज,
विमान के दरवाजे अभी खुले हैं। हम दस मिनट की देरी से चल रहे हैं। मेरी और दूसरे यात्रियों की सुरक्षा कोई खतरा नहीं है। आप अपनी खुजा रही हथेली को जरा दूर ही रखें।
मिस स्टील

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: माफीनामा
डेट: 3 जून 2011 10:08
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिस स्टील! मैं आपको और आपके इस बड़बोलेपन को बहुत याद कर रहा हूं। मैं तुम्हारी सलामत वापसी चाहता हूं।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,

ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: माफी कबूल......
डेट: 3 जून 2011 13:10 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
वे दरवाजे बंद कर रहे हैं। इसके बाद यहां से कोई आवाज़ नहीं आएगी। वैसे भी आप तो बहरे हैं।
बाद में।
एना।

मैंने अपना फोन बंद कर दिया। क्रिस्टियन के मन में कोई परेशानी तो है। शायद हालात उसके काबू में नहीं आ रहे। मैं बैठकर उन केबिनों को ताकने लगी, जिनमें हमारे बैग रखे गए हैं। आज मैंने सुबह, मॉम की मदद से क्रिस्टियन के लिए छोटा सा तोहफा लिया है ताकि उसे पहले दर्जे के टिकट और ग्लाइडिंग के लिए धन्यवाद दिया जा सके। मैं अपनी उड़ान को याद कर मुस्कुराई–वह तो एक अलग ही मजा था। पता नहीं मैं अपना बचकाना तोहफा उसे दूंगी भी या नहीं! बेशक, वह इसे बचकाना ही कहेगा; काफी हद तक उसके मूड पर निर्भर करता है। मैं अपनी वापसी के साथ-साथ इस बात के लिए भी उत्साहित हूं कि वहां मेरे साथ क्या होने वाला है। उन 'हालात' के संभावित कारणों पर विचार करते-करते अचानक मेरी नज़र साथ वाली खाली सीट पर गई। मुझे लगा कि शायद उसने ऐसा इसलिए किया होगा कि मैं किसी से बात न कर सकूं।। मैंने इस सोच को बेतुका कह कर टाल दिया-बेशक कोई भी इतना काबू करने वाला या जलनखोर कैसे हो सकता है? प्लेन रनवे पर दौड़ने लगा तो मैंने आंखें मूंद लीं।

करीब आठ घंटे बाद सी-टैक टर्मिनल पर पहुंची तो टेलर को एक बोर्ड के साथ खड़ा पाया, जिस पर लिखा था–'मिस ए. स्टील।' सच्ची! पर उसे देखकर अच्छा लगा।

"हैलो, टेलर"

"मिस स्टील!" उसने औपचारिक अभिवादन किया पर उसकी तीखी भूरी आंखों के कोनों पर मुस्कान भी देखी जा सकती थी वह हमेशा की तरह अपने सूट में लैस था। गहरे रंग का सूट और सफेद कमीज़!

"टेलर मैं तुम्हें पहचानती हूं, तुम्हें इसे साथ लाने की क्या ज़रूरत थी और अगर मुझे 'एना' कह सको तो बेहतर होगा।"

"एना, क्या मैं आपके बैग ले सकता हूं, प्लीज़"

"नहीं, मैं ले चलूंगी।" धन्यवाद उसके होंठ हल्के से भिंच गए।

"पर... क्या तुम संभाल सकोगे....।" मैं हकलाई।

"धन्यवाद।" उसने झट से मेरी पीठ का बैग और पहियों वाला सूटकेस ले लिया, जिसमें मॉम के साथ खरीदे गए कपड़ों का ढेर था। यहां से आएं, मैम!

मैंने आह भरी। वह कितना विनम्र है। हालांकि मैं इस बात को भूल जाना चाहती हूं पर यही बंदा मेरे लिए अंतर्वस्त्र लाया था। दरअसल वह ऐसा काम करने वाला पहला मर्द है। यहां तक कि पिता होने के बावजूद 'रे' ने भी कभी यह काम नहीं किया था। हम चुपचाप काली ऑडी एसयूवी की ओर चल दिए। वह वहीं पार्किंग लॉट में थी। उसने मेरे लिए दरवाजा खोला। मैं उसमें बैठकर सोच रही थी कि क्या मुझे सिएटल में इतनी छोटी स्कर्ट पहन कर आना चाहिए था क्योंकि यह जार्जिया के मौसम के हिसाब से ठीक थी। यहां तो ऐसा लग रहा था कि मैंने कितने कम कपड़े पहने हैं। टेलर ने मेरा सामान डिक्की में रखा और हम एस्काला की ओर चल दिए।

हमारी कार को भारी यातायात के बीच से जाना था। टेलर की आंखें सड़क पर जमी थीं। मैं चुप्पी को सह नहीं सकी और कहा

"क्रिस्टियन कैसे हैं, टेलर?"

"मि. ग्रे थोड़ा व्यस्त हैं। मिस स्टील!"

ओह! उन्हीं हालात को सुलझा रहा होगा। मैं तो सोने की खान खोदने का काम कर रही हूं। शायद कोई जानकारी हाथ लग जाए।

"व्यस्त हैं। किसी बात से घिरे हैं?"

"जी मैम!"

मैंने टेलर को देख त्योरी चढ़ाई और उसने मुझे शीशे मे देखा। हमारी नज़रें मिलीं और मैं आगे कुछ नहीं पूछ सकी। वह कुछ नहीं बोल रहा। ओह! ये तो अपने मालिक पर ही गया है।

"क्या वह ठीक है?"

"हां! मैम"

"क्या मुझे मिस स्टील कहना सही नहीं होगा?"

"हां मैम!"

"ओह ओ. के.!"

हमारी बात यहीं खत्म हो गई और हम उसी चुप्पी के बीच आगे बढ़े। मुझे याद आने लगा कि किस तरह उसने कहा था कि क्रिस्टियन बहुत ज्यादा व्यस्त चल रहा था। शायद यही बात अपने मुंह से निकल जाने के कारण वह आज कुछ और नहीं बोलना चाह रहा। उसे लग रहा है कि ऐसा करना मालिक के साथ बेवफाई होगी। चुप्पी से दम सा घुटने लगा।

"प्लीज़ कोई गाना चला सकते हो?"

"मैम! आप क्या सुनना चाहेंगीं?"

"कुछ भी हल्का और मीठा सा!"

मैंने शीशे में टेलर के होठों पर प्यारी सी मुस्कान देखी।

उसने कुछ बटन दबाए और कार में मधुर संगीत गूंजने लगा। ओह......मुझे यही तो चाहिए था।

"धन्यवाद!" मैं सीट पर पसर गई और कार मंज़िल की ओर बढ़ती गई

पच्चीस मिनट बाद उसने मुझे एस्काला की चारदीवारी के प्रवेशद्वार के पास उतारा।

"मैम! आप जाएं। मैं सामान लेकर आता हूं।" उसे बड़े ही सहज और स्नेहिल भाव से कहा।

''ओह अंकल टेलर! वाह क्या सोच है।"

"मुझे लाने के लिए धन्यवाद!"

"मिस स्टील! मुझे खुशी हुई।" वह मुस्कुराया और मैं इमारत में दाखिल हो गई। दरबान ने गर्दन हिला कर सलामी दी।

तेरहवीं मंज़िल पर जाते ही पेट में अजीब-सी हलचल होने लगी। मैं इतना घबराई हुई क्यों हूं? शायद इसकी वजह यही है कि मैं नहीं जानती कि क्रिस्टियन किस मूड में होगा। बेशक अंदर बैठी लड़की तो एक ही बात चाहती है पर सयानी लड़की मेरी तरह ही थोड़ा घबराई हुई है।

लिफ्ट के खुलते ही मैं गलियारे में दाखिल हुई। वहां मुझे टेलर नहीं मिला। अरे, वह तो गाड़ी लगा रहा है। बड़े कमरे में क्रिस्टियन शीशे से बाहर देखते हुए फोन पर बात कर रहा है। उसने खुली जैकेट के साथ ग्रे सूट पहना है और वह बालों में हाथ फिरा रहा है। वह काफी परेशान और तनाव में दिखा। ओह! ऐसा क्या हो गया। वह इतना उलझा हुआ और तनावग्रस्त तो कभी नहीं लगा।

"कुछ पता नहीं...अच्छा...हां उसने मुझे मुड़कर देखा और एकदम से रवैया ही बदल गया। तनाव...राहत... कुछ और...। एक ऐसी नज़र जिसे देखते ही भीतर बैठी लड़की कुलांचे भरने लगती है।"

मेरा मुंह सूख गया और मन ही मन वासना के हिलारें उठने लगीं।

"मुझे खबर देते रहना।" उसने फोन बंद किया और मेरी तरफ बढ़ा।

वह मुझे आंखों ही आंखों में पीता हुआ आगे आ रहा है और मेरा हलक सूख रहा है। अचानक ही उसके जबड़ों का तनाव और आंखों की बेचैनी घटती हुई दिख रही है। उसने एक ही झटके में जैकेट और टाई उतारकर फेंक दिए। मेरे आसपास बाजुओं का घेरा कसा और मेरे बालों को पीछे की ओर खींचते हुए, इस तरह आवेग से भरा चुंबन देने लगा मानो उसकी ज़िंदगी और मौत का सवाल हो। हद है! उसने बड़े दर्दनाक तरीके से मेरे बालों का बैंड खींच कर निकाल दिया पर मुझे परवाह नहीं है। उसके चुंबन की यह एक अलग ही आदिम खूबी है। इस समय, कारण चाहे जो भी हो; उसे मेरी ज़रूरत है। मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया कि कोई मुझे इतने जुनून से भी चाह सकता है। बेशक यह सब बहुत यौनोत्तेजक है पर इसके साथ खतरे का संकेत भी देता है। मैंने भी उसी गति से उसे चूमा और उसके बालों में अंगुलियां फिराने लगी। उसका स्वाद कितना दैवीय है और हॉट क्रिस्टियन की सेक्सी गंध किसी को भी मदहोश कर सकती है। फिर वह अपना मुंह पीछे हटा कर लगातार मुझे ही घूरने लगा।

"क्या हुआ?" मैंने पूछा।

"मुझे तुम्हारे आने से खुशी हुई। मेरे साथ नहाने चलोगी।"

समझ नहीं आया कि वह विनती कर रहा था या हुक्म दे रहा था।

"हां" मैंने हौले से कहा और वह मुझे बाथरूम में ले गया।

वहां जाते ही उसने फव्वारा चालू कर दिया और पानी हमारे आसपास गोल चक्कर खाता हुआ गिरने लगा।

"मुझे तुम्हारी छोटी स्कर्ट पसंद आई। तुम्हारी टांगें बहुत सुंदर हैं।"

उसने लगातार मुझ पर नज़रें रखते हुए जूते और जुराबें उतारीं। मैं उसकी आंखों में छिपी भूख को देखते हुए जैसे गूंगी हो गई हूं। मुंह से बोल ही नहीं फूट रहे। वाऊ... यह ग्रीक देवता मुझे चाहता है। मैंने भी झट से अपने सैंडिल उतार दिए। अचानक ही उसने मुझे दीवार से सटा दिया। मेरे चेहरे, गले, होंठ और बालों को चूमने लगा। अब मैं उसके शरीर की गरमाहट और टाइलों की ठंडक के बीच कैद हूं। मैंने यूं ही सहारा लेने के लिए उसके कंधों पर हाथ रखा और हल्का सा दबाया तो उसने आह भरी।

"मैं तुम्हें अभी चाहता हूं......यहीं और अभी। क्या तुम्हारे पीरियड्स खत्म हो गए?"

"हां।"

"गुड!"

उसने मेरी स्कर्ट ऊंची कर दी। जांघों तक गहरे चुंबन देने के बाद वह शरीर के निचले अंगों पर अपनी जीभ फिराने लगा। ओह....मेरी अंगुलियां उसके बालों में घूमने के लिए तरस रही हैं।

उसकी जीभ लगातार अपना काम कर रही है और मैं वहां होकर भी जैसे किसी दूसरी दुनिया में हूं......। मेरा पूरा शरीर जकड़ गया और उसने अचानक ही मुझे छोड़ दिया। मेरी सांसें उखड़ गई हैं और मैं बेदम होकर हांफ रही हूं। हम दोनों एक साथ उस सफ़र पर निकले और एक साथ ही मंज़िल पर पहुंचे और उसके मुंह से एक कराह सी निकली। मानो उसका सारा तनाव भी साथ ही घुल गया हो।

उसकी सांसें उखड़ रही हैं और इसी दौरान उसका एक और चुंबन मिला। अपने-आप को संभालने के बाद उसने मुझे खड़ा किया। बाथरूम में अब चारों ओर भाप मंडरा रही है।

"ऐसा लगता है कि मुझे देखकर तुम्हें बहुत खुशी हुई।"

"हां, मिस स्टील। मुझे लगता है कि तुम्हें ये साफ दिख गया होगा कि मैं तुम्हारे आने से कितना खुश हुआ हूं। आओ, तुम्हें नहलाने ले चलूं।"

उसने शर्ट के तीन बटन खोले और कफ लिंक्स निकालने के बाद उसे उतारकर फर्श पर पटक दिया। बाकी के वस्त्र उतारने के बाद वह उसी तत्परता से मेरे कपड़े उतारने लगा। मैं उसकी छाती पर हाथ रखना चाहती हूं पर अपने-आप को रोक ही लिया।

"तुम्हारा सफ़र कैसा रहा?" अब वह काफी शांत और सहज दिख रहा है। सेक्स ने तनाव को धो-पोंछ कर बहा दिया है।

"अच्छा रहा। धन्यवाद! पहले दर्जे की यात्रा करवाने के लिए धन्यवाद। यह तो बड़ा ही मज़ेदार होता है। वैसे मैं कुछ बताना चाहती हूं।"

"हां बोलो।" उसने सारे कपड़े ज़मीन पर फेंकते हुए कहा

"मुझे नौकरी मिल गई है।"

उसकी आंखें पूरी गर्मजोशी के साथ मुस्कान दे रही हैं।

"बधाई हो मिस स्टील! अब तो बता दो कि कहां नौकरी मिली है?"

"मैंने सोचा कि तुमने अब तक तो पता लगा लिया होगा।"

"एनेस्टेसिया! जब तक तुम न कहो, मैं तुम्हारे कैरियर में दख़ल देने के बारे में सोच तक नहीं सकता। ऐसा लगा कि उसके दिल को चोट लगी।"

"तो तुम्हें कंपनी का नाम नहीं पता?"

"नहीं। यहां सिएटल में चार अच्छी कंपनियां हैं और उन्हीं में से कोई एक होगी।"

"एसआईपी"

"ओह! वह छोटी वाली। बढ़िया। उसने आगे झुक कर मेरा माथा चूमा–"होशियार लड़की! कब से काम पर जाना है?"

"सोमवार।"

"इतनी जल्दी। फिर तो मुझे तुम्हारा जल्दी से जल्दी फायदा उठा लेना चाहिए। मुड़ जाओ।"

मैं अचानक ही उसके हुक्म से चौंकी पर बात तो माननी ही होगी। उसने पीछे से मेरे शरीर को थामा और बालों की गंध लेते हुए बोला।

"एनेस्टेसिया! तुम मुझे मदहोश कर देती हो और साथ ही शांत भी करना जानती हो। क्या ज़बरदस्त मेल है।" उसने मेरे बाल चूमे और हाथ से खींच कर फव्वारे के पास ले गया।

"ओह। मैं सिकुड़ सी गई।" क्रिस्टियन पर पानी पड़ा तो वह हंसने लगा।

"ओह! ये तो हल्का गर्म पानी है।"

वैसे उसने सही कहा था। शरीर की गर्मी और चिपचिपाहट दूर करने के लिए नहाना ज़रूरी था। उसने हाथ में बॉडी वॉश लेते हुए कहा-

"मैं तुम्हें नहलाना चाहता हूं।"

"मैं कुछ और बताना चाहती हूं।"

"हां बोलो"

मैंने गहरी सांस ली और दोस्त शब्द पर जोर देते हुए कहा

"वीरवार को पोर्टलैंड में मेरे दोस्त जोस फोटोग्राफर के शो की ओपनिंग है।" उसके हाथ मेरे वक्षों पर मंडरा रहे हैं।

"हां, तो क्या कहना चाहती हो?"

"मैं वहां जाना चाहती हूं। क्या तुम साथ चलोगे?" उसने थोड़ी देर की खामोशी के बाद कहा

"किस समय?"

"शाम को साढ़े सात बजे।" उसने मेरे कान को चूमा

"ओ.के."

अंदर ही अंदर सयानी लड़की को यह सुन कर झटका सा लगा और वह अपनी पुरानी आरामकुर्सी पर ढह गई।

"क्या तुम्हें मुझसे पूछने में घबराहट हो रही थी?"

"हां। तुम्हें कैसे पता?"

"एनेस्टेसिया! मेरे हामी देते ही तुम्हारा पूरा शरीर रिलैक्स हो गया।"

"ओह......लगता है कि तुम्हें भी जलन होती है।"

"हां, मुझे भी जलन होती है। तुम याद रखना पर पूछने के लिए धन्यवाद। हम चार्ली टैंगो ले जाएंगे।"

"ओह! बड़ा मज़ा आएगा।"

"क्या मैं तुम्हें नहला सकती हूं।" मैंने पूछा

"नहीं, मुझे नहीं लगता कि इस समय ऐसा करना चाहिए। उसने अपने इंकार के दर्द को घटाने के लिए मेरा माथा चूमा और मैंने दीवार की ओर मुंह करके होंठ फुला लिए।

"क्या तुम कभी मुझे अपने-आप को छूने दोगे?"

अचानक ही उसके चलते हाथ थम गए।

"एनेस्टेसिया! अपने हाथ दीवार पर रखो। हम अभी और यहीं सेक्स करने जा रहे हैं।" मैं चुप हो गई क्योंकि मुझे पता था कि अब किसी बहस की गुंजाईश नहीं थी।

बाद में हम दोनों अपने बाथगाउन में बैठे, मिसेज जोंस के हाथों बना स्वादिष्ट पास्ता खा रहे हैं।

"वाइन और लोगी...?" क्रिस्टियन ने पूछा।

एक छोटा गिलास। सैंसेरी चटपटी और स्वादिष्ट है। उसने हम दोनों के लिए एक-एक गिलास बनाया।

"सिएटल में जो हालात बिगड़े थे, क्या वे संभल गए?"

उसने त्योरी चढ़ा ली। "बिगड़ गए थे? हां, पर तुम चिंता मत करो। तुम्हारी शाम के लिए मैंने कुछ सोच रखा है।"

"ओह?"

"हां, मैं चाहता हूं कि तुम तैयार होकर पंद्रह मिनट में मेरे प्लेरूम में आ जाओ।" वह खड़ा हो गया।

"तुम अपने कमरे में भी तैयार हो सकती हो। वहां अलमारी में तुम्हारे लिए कपड़े खरीद कर रखे गए हैं और मैं इस बारे में कोई बहस नहीं चाहता।" उसने अपनी आंखें सिकोड़ीं और स्टडी की ओर चला गया।

मैं! बहस! फिफ्टी शेड्स, मेरी इतनी मज़ाल कि तुम्हारे साथ बहस कर सकूं? मैं वहीं स्टूल पर बैठी, इस जानकारी को हजम करने की कोशिश कर रही हूं। उसने मेरे लिए कपड़े लिए। वह यहां नहीं है इसलिए जी भर कर आंखें नचाई जा सकती हैं। कार, फोन, कंप्यूटर... कपड़े......हे भगवान। क्या मैं सचमुच उसकी रखैल बनने जा रही हूं?

सयानी लड़की ने आंखें तरेरी पर मैं उसे अनदेखा करते हुए अपने कमरे की तरफ चल दी। क्या वह अब भी मेरा ही कमरा है? वैसे तो उसने कहा था कि हम साथ में सो सकते हैं पर मेरा एक अलग कमरा होना ही ठीक है ताकि मैं कभी-कभी अपने लिए अकेले

में भी वक्त निकाल सकूं।

मैंने दरवाजे को देखा तो पता चला कि उसमें ताला तो था पर कोई चाबी नहीं लगी थी। शायद एक चाबी मिसेज जोंस के पास होती हो। मैं उनसे पूछूंगी। मैंने अलमारी पर नज़र मारी। उसने तो काफी पैसा लगा दिया है। बेशक वे मुझे फिट भी होंगे पर अभी तो मुझे उस लाल कमरे में जाकर घुटनों के बल बैठना है और मुझे अपनी मुद्रा अच्छी तरह याद है।

मैं अपने निचले अंतर्वस्त्रों में, दरवाजे के पास घुटनों के बल जाकर बैठ गई। मुझे तो लगा था कि आज के लिए क्रिस्टियन का मन भर गया होगा पर ये इंसान तो जैसे कभी सेक्स से अघाता ही नहीं। या फिर शायद सारे ही मर्द ऐसे होते हैं। मैं कुछ नहीं जानती क्योंकि मैं किसी से उसकी तुलना नहीं कर सकती। मैं कभी किसी मर्द से इस तरह मिली ही नहीं।

मैंने आंखें बंद कर अपने-आप को शांत किया और अंदर रहने वाली सयानी लड़की को खोजना चाहा जो कहीं दूसरी लड़की के पीछे जा छिपी है।

मेरी नसों में प्रत्याशा दौड़ रही है। वह क्या करेगा? मैंने गहरी सांस ली। मैं उसे किसी भी काम के लिए मना नहीं कर सकती। मैं स्वयं उत्तेजित हूं। मुझे लगता है कि मुझे इन बातों को गलत मानना चाहिए पर मैं ऐसा नहीं कर पाती। उसके लिए तो यह सब जायज और सही है। वह यही चाहता है...यही जानता है और यही कर सकता है...बेशक वह कुछ और करने की कोशिश भी कर रहा है।

आज शाम जब मैं आई तो मेरे लिए उसके चेहरे पर जो भाव थे उन्हें देखकर ऐसा लगता था मानो किसी प्यासे को रेगिस्तान में पानी मिल गया हो। ओह! अचानक याद आया कि मुझे तो वहां घुटने चौड़े करके बैठना है। वह कितनी देर लगाएगा। मैंने आसपास नज़र मारी–वह क्रॉस, मेज, काउच, बेंच.....पलंग। उस पर लाल साटिन की चादरें बिछी हैं। आज वह क्या इस्तेमाल करना चाहेगा।

दरवाजा खुला और क्रिस्टियन मुझे अनदेखा करते हुए आगे बढ़ गया। वह अपनी छाती के पास कोई चीज़ रखते हुए पलंग की ओर गया। वह अपनी उसी मुलायम जींस में गजब का हॉट दिख रहा है। मेरे अंदर रहने वाली लड़की तो मानो किसी आदिम धुन पर झूम रही है। वह बिल्कुल तैयार है। नसों में खून उछाले मार रहा है। *वह मेरे साथ क्या करने जा रहा है?*

वह दराजों के पास गया और कोई चीज़ निकाल कर ऊपर रख दी। मैं अपने कौतूहल को रोक न पाने के कारण तांकझांक करने लगी। वह मेरे सामने आकर नंगे पांव खड़ा हो गया। मैं उसके पांवों को चूमना चाहती हूं। उसके पैरों की अंगुलियों को मुंह में लेकर चूसना चाहती हूं।

ओह......ये सब कितना प्यारा होगा।

वह झुका और मेरे चेहरे को देखकर बोला

"एनेस्टेसिया! तुम बहुत सुंदर हो और मेरी हो।" खड़ी हो जाओ। उसने अपने नशीले सुर में कहा।

मैं लड़खड़ाती हुई खड़ी हो गई।

"मुझे देखो।" मैंने उसकी तरफ नज़र दौड़ाई तो एक ही नज़र में जाने कितने रंग दिख गए। मेरा मुंह सूख गया और मैं जानती थी कि मैं उस वक्त उसकी हर बात मानने के लिए तैयार थी। उसके चेहरे पर एक बेरहम सी मुस्कान खेल गई।

"हमने अनुबंध पर साइन नहीं किए पर हमारे बीच सीमाओं की चर्चा हो चुकी है। मैं चाहता हूं कि तुम उन सेफवर्ड्स यानी सुरक्षा कोडों को दोहराओ।"

ओह। वह ऐसा क्या करने जा रहा है, जिसके लिए इनकी ज़रूरत होगी।

मैंने त्योरी चढ़ाई पर साथ ही खुद को संभाल लिया।

"एनेस्टेसिया! वे सुरक्षित शब्द कौन से हैं?" उसने हौले से कहा

"पीला।"

"और?"

"लाल।"

"इन्हें याद रखना।" वह बोला

"मिस स्टील! यहां मुझे तुम्हारा बड़बोलापन नहीं चाहिए। याद रहे वरना अच्छा नहीं होगा।"

मैंने घबराहट के मारे थूक गटका। दरअसल अकसर मैं उसके इसी सुर से डर जाती हूं।

"खैर"

"जी सर?" मैंने सकुचाते हुए कहा।

"हूं। मैं चाहता हूं कि तुम इस सुरक्षा कोड का इस्तेमाल करो। दरअसल हम जो करने जा रहे हैं। वह कोई दर्दनाक बात नहीं है पर ये काफी गहन होगा और मैं चाहूंगा कि तुम मुझे अपनी भावनाएं बताती रहो। समझीं?"

"जी।"

"एनेस्टेसिया! यह स्पर्श से जुड़ा है। तुम न तो मुझे देख सकोगी और न ही सुन सकोगी। बस मुझे महसूस कर सकोगी।"

हैं! ये क्या है भई? वह मुड़ा तो दराज के ऊपर धातु का एक बॉक्स दिखा। बटन दबाते ही वह बीच से खुल गया। वह तो सीडी प्लेयर था। जिसमें बहुत सारे बटन लगे थे। उसने कई सारे बटन एक साथ क्रम में दबाए। कुछ नहीं हुआ पर वह संतुष्ट दिखा। मैं रहस्य से घिरी हूं। जब वह मुड़ा तो चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दी।

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें उस पलंग से बांधने जा रहा हूं पर पहले तुम्हारी आंखें बंद करूंगा। उसने आईपॉड हाथ में ले लिया। तुम मुझे नहीं सुन सकोगी। मैं तुम्हारे कानों में ये संगीत लगाने जा रहा हूं।"

ओह! म्यूजिकल सेक्स! मैंने तो इसकी उम्मीद नहीं की थी। क्या यह हमेशा ही ऐसे काम करता रहेगा? *कहीं वह रैप संगीत ही न लगा दे।*

"आओ।" वह मुझे अपने एंटीक पलंग के पास ले गया। हर कोने पर हथकड़ियां और बेड़ियां जकड़ी हैं और मैं भीतर ही भीतर वासना के मारे पिघली जा रही हूं। मुझे आसपास चमड़े की हथकड़ियां व धातु की जंजीरें चमकती दिख रही हैं।

ओह! लगता है दिल उछलकर बाहर ही आ जाएगा। क्या मैं इससे ज़्यादा उत्तेजित हो सकती थी?

"यहां खड़ी हो जाओ।"

मैं पलंग की ओर मुंह करके खड़ी हुई तो वह मेरे कान में बोला।

"अपनी आंखें पलंग की ओर रखो। कुछ ही देर में तुम्हारे ऊपर मेरे कब्ज़ा होगा।"

वह दरवाजे के पास गया और कोड़ों वाले कोने से कुछ उठाया। ओह! अब वह क्या करने जा रहा है।

वह मेरी चोटियां गूंथने लगा।

"ओह! मुझे तुम इन चोटियों में अच्छी दिखती हो।" उसके हाथ की एक-एक छुअन मेरी देह में सिहरन पैदा कर रही है। उसने चोटी बनाने के बाद अपनी जीभ से मेरे कान और कंधों को छुआ और अंदर ही अंदर पूरा शरीर सिहर उठा।

"हिलो मत!" उसने हाथ आगे किया तो उसमें एक फ्लॉगर था। मैं जब पहली बार उस कमरे में आई थी तो उससे मेरा परिचय करवाया गया था।

"इसे छुओ।" ऐसा लगा कि कोई शैतान बोल रहा हो।

मेरा शरीर जलने लगा है। मैंने उन लंबी लड़ियों को देखा, जिनके किनारों पर छोटे-छोटे मोती जड़े थे।

"मैं इसे इस्तेमाल करूंगा। इससे दर्द तो नहीं होगा पर इससे तुम्हारा खून चमड़ी की सतह पर आ जाएगा और त्वचा संवेदनशील हो

जाएगी।"

"अच्छा इसमें दर्द नहीं होगा।"

"तुम अपने लिए बने सुरक्षा कोड दोहराओ।"

"पीला और लाल सर!"

"गुड गर्ल! देखो ये सारा डर कहीं और नहीं। बस तुम्हारे मन का वहम है।"

उसने फ्लॉगर पलंग पर रखा और उसके हाथ मेरी कमर की ओर बढ़े।

मुझे निर्वस्त्र करने बाद उसने पलंग पर पीठ के बल लिटा दिया।

मेरे नीचे का साटिन नरम, मुलायम और ठंडा है। उसके चेहरे पर आंखें सुलग रही हैं और कोई भाव नहीं दिख रहे।

"हाथ सिर के ऊपर ले जाओ।" उसने हुक्म दिया तो मुझे ऐसा ही करना पड़ा।

ओह! मेरा शरीर उसके लिए तरस रहा है। मैं उसे पाना चाहती हूं।

वह मुड़ा और दराज में से आईपॉड के साथ एक मास्कनुमा चीज़ भी ले आया। मैं लगातार उसे ही ताक रही हूं।

क्रिस्टियन ने छोटे एंटीना वाले आईपॉड को पंलग पर रखते हुए बताया कि वह कमरे में रखे उपकरण से संपर्क करेगा और वही बजाएगा, जो इसमें चलाया जाएगा।

"जो तुम सुनोगी, वह मैं भी सुन सकता हूं और उसका रिमोट मेरे पास होगा।" उसने जेब से छोटा सा कैलकुलेटरनुमा रिमोट निकाल कर दिखाया और मेरे कानों में ईयरबड् लगा दिए।

"अपना सिर उठाओ।" वह बोला

फिर उसने धीरे से आंखों पर मास्क पहना दिया। अब मुझे न तो कुछ दिख रहा है और न ही मैं कुछ सुन सकती हूं। उसने मेरी कलाईयों में चमड़े की हथकड़ियां पहना दीं। ओह! फिर उसने दूसरी ओर जाकर दूसरे हाथ में हथकड़ी पहनाई। उसकी लंबी अंगुलियों की छुअन मेरी कलाई पर महसूस हो रही है। ओह... मैं तो पागल हुई जा रही हूं। ये सब इतना यौनोत्तेजक क्यों लग रहा है?

वह मुझे पैरों से घसीट कर पलंग के दूसरे छोर के पास ले गया। अब मेरे बाजू इस तरह खिंच गए हैं कि मैं उन्हें चाहने पर भी हिला नहीं सकती। उसने मेरी टांगें फैलाते हुए दोनों टांगों को एक-एक कर बेड़ियों में जकड़ा। मैं उसे देख तक नहीं पा रही। मैंने कान लगाकर सुनना चाहा कि अब वह क्या करने जा रहा था...।

मेरे कानों मेरे ही दिल की धड़कन जोरों से बज रही है। धक-धक-धक!

अचानक ही मेरे कानों में मीठा संगीत गूंज उठा। जैसे कुछ लोग मिल कर कोई गीत गा रहे हों या कोई पुराने मंत्र दोहरा रहे हैं। ये क्या है? मैंने तो आज तक ऐसा कोई संगीत नहीं सुना। तभी मुझे अपने शरीर के अंगों पर एक हल्की और मुलायम सी छुअन महसूस हुई। ये क्या है...

ये तो फर का दस्ताना है।

क्रिस्टियन उससे मेरे पूरे शरीर को सहला रहा है और मैं बार-बार यही सोचने की कोशिश कर रही हूं कि अब वह अपने हाथ को किस अंग की ओर ले जाएगा लेकिन यह संगीत......यह तो मेरे दिमाग को कहीं और ही ले जा रहा है...... वह फर मेरे शरीर के हर अंग को छूता हुआ गुज़र रहा है... इधर संगीत के मधुर सामूहिक स्वर मेरा ध्यान खींच रहे हैं... अचानक ही उस फर की जगह फ्लॉगर ने ले ली। अब तो मैं संगीत को भी भूल गई।...जाने मैं किस लोक में हूं। अचानक उस फ्लॉगर ने मेरे पेट पर हल्का सा वार किया।

ओह! मुझे दर्द तो नहीं हुआ था पर मैं अचानक चौंक गई हूं। इस बार उसने थोड़ा तेज़ वार किया।

आह!

मैं इस बार और एहसास के साथ झूमना चाहती हूं, हिलना चाहती हूं... ये सब मुझ पर हावी होता जा रहा है पर हाथ-पांव बंधे होने की वजह से मैं अपनी जगह से इंच भर भी नहीं खिसक सकती। इस बार फ्लॉगर ने मेरे वक्षों पर वार किया। उसके हर वार और कानों में गूंज रहे संगीत के बीच जैसे कोई तालमेल बैठ गया है। बड़ा ही मादक एहसास है। वह शरीर के हर अंग को इसी तरह फ्लॉगर का संगीत देता रहा और कानों में बजता संगीत बंद होते ही उसने भी अपना हाथ रोक दिया। फिर अचानक ही संगीत बजने लगा और उसके हाथ अपना कमाल दिखाने लगे। वह मेरे पेट, पीठ, टांगों और जांघों के बीच लगातार फ्लॉगर के वार कर रहा है और मैं इस गहन एहसास के बीच तड़प रही हूं। एक बार फिर सब शांत हुआ और वहां मेरी उखड़ी सांसों के सिवा कुछ सुनाई नहीं दे रहा। क्या हो रहा है? *अब वह क्या करने जा रहा है?* मैं यह सब सहन नहीं कर पा रही। ऐसा लगता है कि जैसे मैं किसी अंधी सुरंग में आ गई हूं।

मुझे लगा कि वह पलंग पर मेरे पास आ गया है। संगीत अब भी बज रहा है। अब उसके नाक और होंठों ने फर की जगह ले ली है। ...वे मेरे कान, नाक, गले और छातियों को छूते हुए चूस रहे हैं... उसकी जीभ बेचैनी से हर अंग पर घूम रही है। मैं जोर से कराहती हूं। बेशक मैं उसे सुन नहीं सकती पर मैं कहीं खो गई हूं... मैं संगीत की उन लहरियों में कहीं खो गई हूं... मैं इस सनसनाहट के बीच लिपटी हुई हूं... मैं कहीं नहीं जा सकती... मैं पूरी तरह से उसकी छुअन पर निर्भर हूं।

वह मेरे पेट के पास आया और उसकी जीभ मेरी नाभि के पास मंडराने लगी। वह उसके एक-एक कतरे को चूमते और चूसते हुए आगे बढ़ रहा है... और फिर उसकी जीभ...। मैं अब काबू नहीं रख सकी और ज़ोर से चिल्लाई। मैं सुख की सीमा को छूकर लौट आई। वह थम गया है।

नहीं! वह अचानक झुका और मेरी टांग की बेड़ी खोल दी। मैंने पलंग के बीच उसे पसार कर अकड़ाया ताकि उसकी जकड़न खुल जाए। फिर उसे उसके सहारे खड़े कर लिया।

वह दूसरे खंभे की ओर झुका और दूसरी टांग खोल दी। उसके हाथ तेजी से उन्हें मलने और मालिश करने लगे ताकि उनमें थोड़ी जान आ जाए। और फिर एक ही झटके में हम दोनों साथ थे। ओह! उसके लिए यह सब करना कितना सहज है। जैसे इन्हीं चीज़ों के लिए उसका जन्म हुआ हो। वह आज मुझे तरसाने पर तुला है। हर बार मुझे उस सीमा तक ले जाकर वापिस खींच लाता है और मैं तरस रही हूं।

"प्लीज़!"

उसने मुझ पर अपनी पकड़ और भी पक्की कर ली। उसकी अंगुलियां मेरी चमड़ी में गड़ रही हैं। वह बहुत धीरे-धीरे आनंद लेना चाहता है और मेरे भीतर से कोई चिल्ला रहा है कि यह सब तेज़ी से किया जाए ताकि मैं भी पूरा आनंद ले सकूं। कुछ देर बाद उसे मुझ पर दया आई और मैं अपने आनंदलोक की यात्रा के लिए तैयार हो गई। मेरे साथ ही उसने भी यह आनंद लिया और मेरे ऊपर ही ढेर हो गया।

हम दोनों अलग हुए तो उसने मेरी दाईं कलाई पर लगी हथकड़ी खोली। मैं अपना हाथ आजाद होने पर कराही। उसने जल्दी से मेरे दूसरे हाथ को खोल कर आंखों से मास्क हटा दिया और कानों से ईयरबड निकाल दिए। मैंने उस धीमी रोशनी के बीच पलकें झपकाईं और उसकी गहरी भूरी आंखों को देखा।

"हाय!" वह बुदबुदाया।

"हाय।" मैं उसे देखकर शरमाई। उसके होंठों पर तिरछी मुस्कान आ गई और झुक कर मुझे चूम लिया।

"बहुत अच्छे। अब पलट जाओ।"

"ओह! अब वह क्या करना चाहता है?"

"मैं तुम्हारे कंधे मलने जा रहा हूं।"

"ओह, अच्छा"

मैं पलट गई। बहुत थकान लग रही है। क्रिस्टियन मेरे पास बैठकर कंधों की मालिश करने लगा मैं ज़ोर से कराही। उसकी अंगुलियां मजबूत और सख्त हैं। उसने झुक कर मेरा सिर चूम लिया।

"यह कौन सा संगीत था?"

"यह स्पैम इन एलियम था। मैं पता नहीं कब से चाहता था कि इस धुन को सुनते हुए शारीरिक संबंध बनाऊं।"

"क्या यह पहली बार है मि. ग्रे!"

"बिल्कुल"

"हां, मेरे लिए भी पहली बार ही है।" मैंने कहा

"हम्म......हम दोनों एक-दूसरे के लिए ऐसे कई मौके ला रहे हैं।"

"क्रिस्टि... सर मैंने अपनी नींद में क्या कहा था?"

पल भर के लिए उसके हाथ थम गए।

"एनेस्टेसिया! तुमने पिंजरे, स्ट्रॉबेरी और ज़्यादा पाने की बातें कीं और कहा कि तुम मुझे

याद करती हो।"

"बस यही कहा था मैंने?"

उसने त्योरी चढ़ाई।

"तुम्हारे हिसाब से तुमने क्या कहा होगा?"

ओह हो गया कबाड़ा!

"मुझे लगा कि मैंने तुम्हें बदसूरत और शारीरिक संबंध न बनाने के लायक कहा होगा।"

उसके चेहरे की रेखाएं गहरा गईं।

"ये सब बकवास तो छोड़ो। मुझे ये बताओ कि तुम मुझसे छिपा क्या रही हो?"

मैंने भोलेपन से पलकें झपकाईं–"मैं तो कुछ नहीं छिपा रही।"

"एनेस्टेसिया! तुम झूठ बोल ही नहीं सकतीं। उसी समय पकड़ी जाती हो।"

"मुझे लगा था कि तुम सेक्स के बाद मुझे हंसाने वाले हो पर यहां तो ऐसा कुछ नहीं हो रहा।"

उसके होंठ तिरछे हो आए–"मैं चुटकुले सुना सकता हूं।"

"मि. ग्रे! ये आपके बस का नहीं है।" मैंने उसे देखकर खीसें निपोरीं और वह भी मुस्कुराने लगा।

"नहीं, एक नामुराद चुटकुले सुनाने वाला।" उसे अपने पर इतना गर्व हो रहा है कि मैं देखकर खिलखिला उठी।

"ये आवाज़ कितनी प्यारी है।" वह हौले से बोला और आगे आकर मुझे चूम लिया।

"और एनेस्टेसिया! तुम मुझसे कुछ छिपा रही हो। शायद तुम्हें सज़ा देकर ये बात तुमसे निकलवानी होगी।"

अध्याय 26

मैं एक झटके से उठ बैठी। ऐसा लगा कि मैं अभी-अभी सपने में सीढ़ियों से गिरी थी। सिर चकरा सा रहा था। उठ कर देखा तो चारों ओर अंधेरा था और मैं क्रिस्टियन के पलंग पर अकेली हूं। किसी चीज़ ने मुझे जगा दिया है, बड़ा अजीब सा ही ख़्याल था। वहां पड़ी अलार्म घड़ी पर नज़र डाली तो पता चला कि अभी तो सुबह के पांच बजे हैं पर मुझे ऐसा लग रहा है कि पूरी नींद ले ली है। ऐसा क्यों? अरे, ये तो समय का अंतराल है-जार्जिया में इस समय आठ बजे होंगे। *ओह...मुझे तो अपनी गोली लेनी है।* मैं झट से पलंग से उतर गई। सपना चाहे जो भी था, अच्छा हुआ कि नींद खुल गई। मैं पिआनो के हल्के स्वर सुन सकती हूं। क्रिस्टियन पिआनो बजा रहा है। यह तो मुझे देखना चाहिए। मुझे उसे पिआनो बजाते देखना अच्छा लगता है। मैंने कुर्सी पर पड़ा गाउन पहना और बड़े कमरे से आते सुरों की ओर चल दी।

अंधेरे में घिरा क्रिस्टियन रोशनी के एक बड़े से गोले के बीच बैठा है। उसके बालों का तांबई रंग चमक रहा है। देखने में लग रहा है कि उसने कुछ नहीं पहना हुआ पर मैं जानती हूं कि वह अपने पजामे में होगा। वह अपने में ही मग्न है और बड़ी प्यारी धुन बजा रहा है। मैं नहीं चाहती कि उसके ध्यान में रुकावट बनूं। मैं उसे थामना चाहती हूं। वह दिखने में कितना अकेला, तन्हा और उदास लग रहा है। हो सकता है कि यह उस धुन का असर रहा हो। उसने वह धुन खत्म की और फिर से उसे ही बजाने लगा। मै चौकन्नी होकर उसी तरफ बढ़ी जैसे कोई शमा परवाने की ओर खिंचती चली जाती है। उसने एक पल के लिए नज़रें उठाकर मुझे देखा और फिर उसकी निगाह अपने हाथों पर चली गई।

ओह! क्या उसे मेरा आना बुरा लगा?

"तुम्हें तो सोना चाहिए।" उसने फटकारा।

"तुम्हें भी तो सोना चाहिए।" मैंने भी हल्का सा विरोध किया।

उसके होंठों पर तिरछी मुस्कान खेल गई।

"मिस स्टील क्या तुम मुझे फटकार रही हो?"

"हां, मि. ग्रे, मैं ऐसा ही कर रही हूं।"

"खैर, मैं सो नहीं सकता।"

मैंने उसके भावों को अनदेखा किया और हिम्मत दिखाते हुए साथ जाकर बैठ गई। मैं उसके कंधे पर सिर रख कर उन अंगुलियों को देखती रही, जो बड़े ही लगाव से पिआनो पर झूम रही थीं। वह एक पल के लिए रुका और फिर से पिआनो बजाने लगा।

"ये क्या था?"

"चॉपिन। तुम्हें पसंद आई।"

"मुझे तुम्हारी हर चीज़ पसंद आती है।"

वह मुड़ा और मेरे बाल चूम लिए

"मैं तुम्हें जगाना नहीं चाहता था।"

"तुमने नहीं जगाया। कोई और धुन बजाओ।"

"कोई और?"

"वही बाक की धुन, जो तुमने पहली रात बजाई थी, जब मैं यहां रुकी थी।"

"ओह, मार्सैलो?"

वह धीरे-धीरे से जतन से धुन बजाने लगा। मैं उसकी ओर झुकी और आंखें बंद कर लीं। वे उदास और दुख में डूबे नोट्स हमारे आसपास तैरने लगे। मैं उसकी सुंदरता में खो सी गई। काफी हद तक ये संगीत मेरी भावनाएं भी प्रकट कर रहा था। मैं इस

असाधारण इंसान के दिल की गहराईयों तक जाना चाहती हूं, मुझे इसकी उदासी को, उसके कारण को समझना है। जल्द ही धुन खत्म हो गई।

"तुम हमेशा उदास धुनें ही क्यों बजाते हो?"

मैंने सीधा बैठकर पूछा और उसने कंधे झटक दिए।

"तो तुम छह साल की उम्र से पिआनो बजा रहे हो?"

उसने हामी भरी। एक पल के बाद बोला–"मैंने अपनी नई मॉम को खुश करने के लिए खुद को पिआनो सीखने के लिए झोंक दिया था।"

"...ताकि तुम उस परिवार में जगह पा सको?"

"हां, कह सकते हैं। तुम क्यों उठ गई? तुम्हें तो कल की थकान उतारनी चाहिए।"

"मेरे लिए सुबह के आठ बजे हैं और मुझे अपनी गोली लेनी है।"

उसने हैरानी से भौं उठाई–"बहुत अच्छी तरह याद है। बेशक जब समय का अंतराल आए तो थोड़ा हिसाब से ही चलना चाहिए वरना गोली का असर कम हो सकता है। अभी आधे घंटे तक इंतज़ार करना होगा।"

"तो इस दौरान हम क्या कर सकते हैं?"

"मैं कुछ बातों के बारे में सोच सकता हूं।" उसकी बात सुनते ही मेरे मन में अजीब सा एहसास होने लगा।

"या हम बातें भी तो कर सकते हैं।" मैंने सलाह दी। उसने एक भौं उठाई।

"मैं तो वही ज़्यादा पसंद करूंगा, जो मेरे दिमाग में है।" उसने मुझे गोद में खींच लिया।

"तुम तो हमेशा बात करने की बजाए सेक्स ही करना चाहोगे।" मैं हंसी और खुद को उसकी बांहों में साध लिया।

"सच, खासतौर पर तुम्हारे साथ। उसने मेरे बालों से नाक सटाते हुए, कान से लेकर गर्दन तक चुंबनों की बौछार कर दी। हो सकता है कि हम मेरे पिआनो पर कुछ करें!"

ओह! यह सोच ही मुझे सिहरा देने के लिए काफी थी, *उसके पिआनो पर?*

"मैं काम को सीधे तरीके से करना चाहता हूं।" उसने कामुक नज़रों से देखा।

भीतर बैठी लड़की को तो सुन कर ही स्वाद सा आ गया पर मैं कुछ समझी नहीं।

"तुम कहना क्या चाहते हो?"

"मिस स्टील! हमेशा जानकारी पाने के लिए अधीर रहती हो। वैसे इस काम के लिए हमें क्या चाहिए?" उसने फिर से चुंबन देने शुरू कर दिए।

"हम दोनों!" मैं आंखें बंद करते हुए हौले से बोली।

"हम्म! हमारे बारे में?" उसने कंधे पर चूमने के बाद पूछा।

"वही अनुबंध।"

उसने मुझे हैरानी से देखकर आह भरी और मेरे गालों को अपनी अंगुलियों से थपथपाया।

"मेरे हिसाब से तो अनुबंध पर काफी समय से ध्यान ही नहीं दिया जा रहा।"

"ध्यान नहीं दिया जा रहा?"

"हां, हम अपने ही तरीके से चलते आ रहे हैं।"

"पर तुम तो इस बारे में बहुत कठोर थे?"

"खैर, वह तो पहले की बात है। नियम खत्म नहीं हुए, वे अब भी मौजूद हैं।" उसके भाव थोड़े सख़्त हो आए थे।

"पहले...किसके पहले?"

"किसके पहले... और ज़्यादा की मांग से पहले।" उसके भाव फिर से अजीब हो आए।

ओह

"वैसे भी हम दो बार प्लेरूम में हो आए हैं और तुम वहां से चीखते हुए नहीं भागीं।"

"क्या तुम चाहते थे कि मैं ऐसा करूं?"

"एनेस्टेसिया! तुमसे कोई उम्मीद नहीं की जा सकती।" उसने साफ शब्दों में कहा।

"तो साफ शब्दों में बात है यह है कि तुम मेरे द्वारा नियमों का पालन तो चाहते हो पर ज़रूरी नहीं कि हम बाकी अनुबंध को भी मानें?"

"हां, उन्हें केवल प्लेरूम में मानना होगा। मैं चाहता हूं कि तुम वहां जाने के बाद अनुबंध को याद रखो और चाहूंगा कि नियमों को हमेशा और हर जगह याद रखो। इस तरह मुझे भरोसा रहेगा कि तुम सही-सलामत हो और मैं तुम्हें जब जी चाहे लेने के लिए आजाद रहूंगा।"

"अगर मैंने कोई नियम तोड़ा?"

"तो मैं तुम्हें सज़ा दूंगा।"

"पर तुम्हें मेरी इजाज़त की भी ज़रूरत होगी?"

"हां, वह तो लूंगा।"

"और अगर मैंने इंकार किया तो?"

उसने मुझे एक पल के लिए बड़ी उलझन के साथ देखा।

"अगर तुम इंकार करोगी तो मुझे तुम्हें बहलाने के लिए कोई तरीका खोजना होगा।"

मैं उससे छिटक कर खड़ी हो गई। मुझे कुछ दूरी चाहिए। उसने हैरानी और बेचैनी से मिली-जुली निगाहों से देखा।

"तो सज़ा वाले पन्ने बरकरार रहेंगे?"

"हां, अगर तुमने नियम तोड़ा तो!"

"मुझे उन्हें दोबारा पढ़ना होगा।" मैंने उन्हें याद करने की कोशिश की।

"मैं तुम्हारे लिए लेकर आता हूं।" अचानक ही उसके सुर में व्यावसायिक लहज़ा आ गया।

वाऊ! ये सब तो एकदम से गंभीर हो गया। वह पिआनो से उठा और स्टडीरूम में चल दिया। मेरी खोपड़ी भन्ना गई। ओह! मुझे थोड़ी चाय पीनी होगी। सुबह के पौने छह बजे हमारे तथाकथित संबंध का भविष्य तय होने जा रहा है और वह भी तब, जबकि उसका दिमाग कहीं और भी घिरा है–ये कोई ठीक बात तो नहीं लग रही। मैं रसोई की तरफ बढ़ी और स्विचों से जूझने लगी। मैंने उन्हें खोजा और केतली में पानी रख दिया। मेरी गोली। नाश्ते की मेज पर रखे पर्स में हाथ मारा तो वे मिल गईं। एक गोली निगलते

ही काम हो गया। तब तक क्रिस्टियन भी लौट आया था और मुझे गहरी नज़रों से घूर रहा था।

"ये लो।" उसने टाइप किया हुआ एक पन्ना मेरी ओर बढ़ा दिया और मैंने देखा कि उसमें कुछ लाइनें काटी गई थीं।

नियम

आज्ञाकारिता:

सेक्स गुलाम को बिना किसी हिचक या संकोच के अपने मालिक का हुक्म मानना होगा। सेक्स गुलाम मालिक के आनंद के लिए तय की गई किसी भी तरह की कामसंबंधी गतिविधियों के लिए हामी देगी। यहां वे गतिविधियां अपवाद हैं, जो परिशिष्ट 2 में कठोर सीमाओं के रूप में वर्णित हैं। वह पूरी खुशी और उत्साह से मालिक का कहा मानेगी।

नींद

सेक्स गुलाम जब अपने मालिक के साथ नहीं होगी तो वह ध्यान रखेगी कि उसे रात को कम से कम ~~आठ~~ सात घंटे की भरपूर नींद मिले।

भोजन:

सेक्स गुलाम चुनी गई भोजन सूची(परिशिष्ट 4) से नियमित रूप से भोजन करेगी ताकि उसकी सेहत व ताकत बनी रहे। वह दो समय के भोजन के दौरान फलों के अतिरिक्त कुछ नहीं खाएगी।

वस्त्र:

सत्र के दौरान वह मालिक द्वारा दिए गए कपड़े ही पहनेगी। मालिक उसके लिए कपड़ों का बजट तय करेगा, जिसे वह प्रयोग में लाएगी। मालिक कभी-कभी उसे अपने साथ कपड़े खरीदवाने भी ले जा सकता है। यदि मालिक चाहेगा तो उसे उसके साथ के दौरान आभूषण भी पहनने होंगे।

कसरत:

मालिक अपनी सेक्स गुलाम को सप्ताह में ~~चार~~ तीन बार निजी प्रशिक्षक की सुविधा प्रदान करेगा। ये सत्र एक-एक घंटे के होंगे तथा ये समय आपसी रजामंदी से तय किया जा सकते हैं। निजी प्रशिक्षक सेक्स गुलाम की प्रगति के बारे में मालिक को सूचित करेगा।

व्यक्तिगत साफ-सफाई व सौंदर्य

सेक्स गुलाम खुद को साफ-सुथरा रखेगी और हमेशा शरीर के अंगों को वैक्सिंग या शेव करवाती रहेगी। वह मालिक की मर्जी से उसके द्वारा चुने गए ब्यूटी सैलून में जाएगी और मालिक जो भी उपचार करवाना चाहे, उन्हें बेहिचक करवाएगी।

व्यक्तिगत सुरक्षा:

सेक्स गुलाम आवश्यकता से अधिक शराब व धूम्रपान का सेवन नहीं करेगी और नशे की दवाएं नहीं लेगी। खुद को किसी भी तरह के अनावश्यक खतरे से दूर रखेगी।

व्यक्तिगत विशेषताएं:

सेक्स गुलाम अपने मालिक के सिवा किसी भी दूसरे व्यक्ति से शारीरिक संबंध नहीं रखेगी। वह सदैव मालिक से आदर से पेश आएगी। उसे एहसास होना चाहिए कि उसके इस बर्ताव का मालिक पर सीधा असर होगा। उसे मालिक की अनुपस्थिति में किसी भी तरह के गलत काम या बर्ताव के लिए दोषी ठहराया जाएगा।

यदि इनमें से कोई भी नियम तोड़ा गया तो मालिक के द्वारा तत्काल सजा दी जाएगी। जो वह स्वयं तय करेगा।

"अच्छा तो आज्ञा मानने वाली बात अब भी जारी रहेगी?"

"ओह हां।" वह हंसने लगा।

मैंने अपनी गर्दन हिलाई और इससे पहले कि मुझे एहसास होता, मैंने उसे देखकर आंखें नचा दीं।

"एनेस्टेसिया! क्या तुमने मुझे देखकर आंखें नचाई?"

ओह! मर गए।

"शायद! तुम्हारी प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है।"

"हमेशा की तरह।" उसने कहा और उसकी आंखें एक अजीब से उत्साह से दमकने लगीं।

मैंने थूक निगला और अजीब सा डर शरीर में रेंग गया।

"तो...मैं क्या करने जा रही हूं?"

"हां?" उसने अपना निचला होंठ चाटा।

"तुम अब मुझे मारना चाहते हो?"

"हां, और मैं मारूंगा।"

"ओह सचमुच मि. ग्रे!" मैंने उसे दांत निपोरते हुए चुनौती दी।

"क्या तुम मुझे रोकने जा रही हो?"

"पहले तुम्हें मुझे पकड़ना होगा।"

उसकी आंखें एक पल के लिए चौड़ी हो गई और अगले ही पल वह खड़ा हो गया।

"ओह सचमुच मिस स्टील!"

नाश्ते की मेज हमारे बीच थी। मुझे उस पल उसका वहां होना बहुत भाया।

"और तुम अपना होंठ काट रही हो। उसने सांस भरी और मेरी बाईं ओर आने लगा।

"तुम ऐसा नहीं करोगे।" मैंने उसे चिढ़ाया। तुम भी तो आंखें नचाते हो।"

"वह मेरी तरफ आता रहा और मैं दूसरी ओर खिसकती गई।

"हां! पर तुमने अभी-अभी इस खेल को रोमांचक बना दिया है।" उसकी आंखों में एक अजीब-सी जंगली चमक दिख रही है।

"तुम जानते हो कि मैं कितनी तेज़ हूं।" मैंने कहा।

"मैं भी हूं।"

वह अपनी ही रसोई में मेरा पीछा कर रहा है।

"क्या तुम जल्दी से आ रही हो?"

"क्या मैं आज तक आई हूं?"

"मिस स्टील! तुम कहना क्या चाहती हो? अगर मैंने आकर पकड़ लिया तो यह तुम्हारी सेहत के लिए अच्छा नहीं होगा।"

"क्रिस्टियन वह तो तब होगा, जब तुम मुझे पकड़ोगे। फिलहाल तो मैं पकड़े जाने के मूड में नहीं हूं।"

"एनेस्टेसिया! तुम्हें गिर कर चोट लग सकती है। फिर तो तुमसे नियम नंबर सात टूट जाएगा और इस समय तुम नंबर छह तोड़ रही हो।"

"मि. ग्रे! नियम हो या न हो। मैं तो जब से आपसे मिली हू, तभी से खतरे में हू।"

"हा, तुम खतरे में हो।" उसने कहा और उसकी भवें चढ़ गईं।

वह अचानक मेरी ओर लपका और मैं कतरा कर डाईनिंग टेबल की ओर निकल गई। दिल तेजी से धड़क रहा है। ओह! कितना मज़ा आ रहा है। हालांकि ये सही नहीं है पर मैं बिल्कुल बच्ची बन गई हूं। वह मेरी ओर बढ़ा तो मैंने उसे सावधानी से देखा। मैं खिसक गई।

"एनेस्टेसिया! तुम निश्चित रूप से जानती हो कि किसी मर्द को कैसे लुभाया या भटकाया जा सकता है।"

"मि. ग्रे! आनंद देना ही हमारा लक्ष्य है। वैसे मैं किस ओर से आपका ध्यान हटा रहीं हू?"

"ज़िंदगी से। ब्रह्माण्ड से।" उसने एक हाथ हिलाया।

"तुम खेल में भी कितने मग्न दिख रहे हो।"

वह दोनों हाथ बगलों में दबा कर खड़ा हो गया।

"जान! मैं ऐसा सारा दिन कर सकता हू पर अगर तुम पकड़ी गई तो वो बदतर हाल करूंगा कि याद रखोगी।"

"नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगे।" मुझे अपने पर इतना भरोसा भी नहीं करना चाहिए। मैं इस बात को मंत्र की तरह रटने लगी। सयानी लड़की तो जूते पहन कर भागने को तैयार बैठी है।

"कोई भी यही सोचेगा कि तुम मेरी पकड़ाई में नहीं आना चाहतीं।"

"मैं नहीं आना चाहती। यही तो बात है। तुम अपने शरीर को छुए जाने के बारे में जैसे सोचते हो, उसी तरह की सोच मैं अपने लिए सजा के बारे में भी रखती हूं।"

क्रिस्टियन का रूप एक पल में बदल गया। आनंदी क्रिस्टियन ऐसे मुंह बना कर खड़ा हो गया मानो मैंने उसके मुंह पर तमाचा जड़ दिया हो। उसका चेहरा काला पड़ गया।

"तुम्हें ऐसा लगता है?" उसने कहा

उसके मुंह से वे चार शब्द बड़े ही अलग तरीके से निकले। अरे नहीं! इन्हीं से मुझे एहसास हो गया कि वह क्या महसूस कर रहा था। मैं उसके भय और आशंका को भांप गई।

"नहीं, मुझे इतना बुरा नहीं लगता। बिल्कुल नहीं"

"नहीं। मैंने तो यूं ही कह दिया था।"

"ओह!" वह बोला

वह तो पूरी तरह से खो गया है मानो मैंने उसके पैरों के नीचे से जमीन खिसका दी हो।

मैं एक गहरी सांस लेकर मेज के पास से हटी और उसके सामने खड़ी हो गई।

"तुम्हें इससे इतनी नफ़रत है?" उसकी आंखों में डर के साए देखे जा सकते हैं।

"नहीं-नहीं।" मैंने उसे दिलासा दिया।

वह अपने जिस्म को छुए जाने पर ऐसा ही महसूस करता है। नहीं, मुझे उस पर प्यार आने लगा। मैं इसे पसंद नहीं करती पर नफरत भी नहीं करती।

"पर कल रात... प्लेरूम में तो तुम...

"क्रिस्टियन मैंने वह तुम्हारे लिए किया क्योंकि तुम्हें उसकी ज़रूरत थी। कल रात तुमने मुझे चोट नहीं पहुचाई। वह एक अलग ही बात थी और मुझे तुम पर भरोसा है। पर जब तुम सज़ा देने की बात करते हो तो मुझे लगता है कि तुम मुझे चोट पहुचाओगे।"

"मैं तुम्हें चोट देना चाहता हू पर यह उतनी ही होगी, जितनी तुम सह सको।"

"क्यों?"

उसने बालों में हाथ फिरा कर कंधे झटके।

"मुझे इ"समर्के नी हर्जा ,रूबरतता मस्सहकसनृसा।"होती है।" उसने मुझे देखा और फिर आंखें बंद कर गर्दन हिलाई।

"बता नहीं सकते या बताओगे नहीं?"

"नहीं बताऊंगा।"

"तो तुम जानते हो क्यों?"

"हां"

"पर तुम बताओगे नहीं?"

"अगर मैंने बता दिया तो तुम इस कमरे से चीखती हुई भाग जाओगी और वापिस नहीं आना चाहोगी। एनेस्टेसिया! मैं यह खतरा मोल नहीं ले सकता।"

"तुम चाहते हो कि मैं यहीं रहूं।"

"तुम मुझे जितना जानती हो, उससे कहीं ज़्यादा मैं तुम्हें चाहता हूं। मैं तुम्हें खोने का दुख सह नहीं सकता।"

ओह मैं क्या करूं?

उसने मुझे घूरा और अचानक बांहों में भर कर चूमने लगा। उसने मुझे हैरानी में डाल दिया। उसके चुंबन में डर और ज़रूरत दोनों ही झलक रहे थे।

"मुझे छोड़कर मत जाओ। तुमने कहा कि तुम मुझे नहीं छोड़ोगी और तुमने नींद में मुझसे विनती की थी कि मैं तुम्हें छोड़कर न जाऊं।" वह हौले से बोला।

ओह! मेरे सपनों के कारनामे।

मैं नहीं जाना चाहती। कलेजा फटने को आ रहा है।

इस इंसान को मेरी ज़रूरत है। उसका डर मुझे साफ दिख रहा पर वह खोया हुआ है... अपने ही अंधेरों में खोया है। उसकी आंखें बहुत फैली और सताई हुई दिख रही हैं। मैं उसे सहला सकती हूं, दिलासा दे सकती हूं और उसे रोशनी में लाने में मदद कर सकती हूं।

"मुझे दिखाओ।" मैं बुदबुदाई।

"तुम्हें क्या दिखाऊं?"

मुझे दिखाओ कि सज़ा से कितनी चोट लग सकती है?"

"क्या?"

"मुझे सज़ा दो। मैं जानना चाहती हूं कि यह कितनी बुरी हो सकती है।" क्रिस्टियन मुझसे एक कदम परे खड़े होकर बेचैनी से देखने लगा।

"तुम कोशिश करोगी?"

"हां, मैंने कहा कि मैं करूंगी।" पर मेरा एक उद्देश्य भी है। अगर मैं ऐसा करूं तो हो सकता है कि वह मुझे अपने-आप को छूने की इजाज़त दे दे।

उसने पलकें झपकाईं–"एना! तुम बड़ी उलझी हुई लड़की हो।"

मैं खुद परेशान और बेचैन हूं। मैं इसे जानने की कोशिश में हूं। इस तरह मैं और तुम जान जाएंगे कि मैं ऐसा कर सकती हूं या नहीं? अगर मैं ऐसा कर सकी तो शायद तुम भी मुझे...... मेरे शब्द वहीं थम गए पर वह जानता है कि मैं उसे छूने की बात कर रही हूं। एक पल के लिए वह थोड़ा हिचकिचाया और मन ही मन जैसे सभी विकल्पों को तौलने लगा।

अचानक ही उसने मेरा हाथ थामा और मुझे सीढ़ियों से ले जाते हुए, प्लेरूम में ले गया। पीड़ा और आनंद, सज़ा और इनाम–उसके शब्द जाने कब से मेरे दिमाग में गूंजते रहते हैं।

"मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि यह कितना बुरा हो सकता है और फिर तुम खुद ही सब तय कर सकती हो।" वह दरवाजे के पास खड़ा हो गया।

"क्या तुम इसके लिए तैयार हो?"

मैंने हामी तो भरी पर चेहरे का सारा खून जैसे किसी ने सोख लिया।

उसने दरवाजा खोला और मेरी बाजू पकड़े-पकड़े, दूसरे हाथ से बेल्टनुमा चीज़ रैक से निकाली। फिर वह मुझे कमरे के कोने में बने चमड़े के लाल बेंच के पास ले गया।

"बेंच पर झुको।" वह हौले से बुदबुदाया।

"हां! मैं ऐसा कर सकती हूं।" मैं चमड़े के मुलायम सोफे पर झुक गई। उसने मेरा गाउन ऊंचा कर दिया। मुझे हैरानी हो रही थी कि उसने इसे उतारा क्यों नहीं? ओह...मुझे पता है कि मुझे इस बार से दर्द होने वाला है... मैं जानती हूं।

"हम यहां इसलिए हैं क्योंकि तुमने हामी दी थी। एनेस्टेसिया! और तुम मुझसे दूर भागीं। मैं तुम्हें इससे छह बार मारने जा रहा हूं और तुम मेरे साथ गिनोगी।"

वह इन सब बेहूदी चीज़ों को छोड़ क्यों नहीं देता? वह हमेशा मेरी सज़ा का पूरा आनंद लेता है। मैंने अपनी आंखें नचाईं...क्योंकि मुझे पता था कि वह मुझे देख नहीं सकता।

पता नहीं क्यों, जब उसने गाउन उठाया तो मुझे लगा कि उसने मुझे निर्वस्त्र कर दिया हो। उसने धीरे से सहलाया और बोला-

"मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूं ताकि तुम याद रखो कि तुम मुझसे दूर नहीं जाओ और हमारा साथ इतना रोमांचक है कि मैं तुमसे कभी अलग नहीं होना चाहूंगा।"

मैं भी तो यही चाहती हूं। अगर वह बांहें फैला कर बुलाएगा तो मैं उससे दूर छिटकने की बजाए हमेशा उसके पास ही जाऊंगी।

"......और तुमने मुझे देखकर अपनी आंखें नचाईं। तुम जानती हो कि मुझे इन बातों से कैसा महसूस होता है।" अचानक ही उसकी आंखों से उसके डर के साए हट गए और वह वहीं आ गया, जहां से चला था। उसने जैसे मुझे छुआ और जिस तरह से सुर बदला, साफ देखा जा सकता था कि कमरे का माहौल बदल रहा था।

मैंने आंखें बंद कीं और खुद को उस चोट के लिए तैयार कर लिया। यह बड़ी तेज़ी से पड़ा और सचमुच बेल्ट की चोट चुभन वाली थी।

"एनेस्टेसिया, गिनो!" उसने हुक्म दिया।

"एक!" मैं चिल्लाई और ऐसा लगा कि कोई धमाका हुआ हो।

उसने फिर से वार किया। इस बार यह दर्द पूरी कमर में फैल गया। ओह......ये तो बुरी तरह से लगती है।

"दो!" मैं चिल्लाई क्योंकि इससे ज़रा दर्द का असर घट रहा था।

उसकी सांस उखड़ी हुई और बेचैन है। जबकि मैं अंदर ही अंदर ताकत पाने के लिए हिम्मत जुटा रही हूं। बेल्ट ने फिर से मेरी चमड़ी पर वार किया।

"तीन!" अचानक ही मेरी आंखों से आंसू टपक पड़े। ओह, ये तो मेरी सोच से भी ज़्यादा सख़्त वार था। हाथ से फटकारने से तो कुछ भी दर्द नहीं होता, जितना इससे हो रहा है। वह अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

"चार!" मैं चीखी और अब तो आंसू गालों पर लुढ़कने लगे। मैं रोना नहीं चाहती। मुझे इसी बात से गुस्सा आ रहा है कि मैं रो क्यों रही हूं। उसने फिर से वार किया।

"पांच!" मेरा गला रुंध गया और इसी पल में लगा कि मैं उससे कितनी नफ़रत करती हूं। एक और, मैं एक और सह सकती हूं। शरीर के पिछले हिस्से में तेज़ जलन हो रही है।

"छह!" एक बार फिर दर्द की लहर दौड़ गई। मैंने सुना कि उसने बेल्ट फेंकी और मुझे बांहों में खींच लिया। वह पूरी तरह से बेदम है और मेरे लिए दया दिखा रहा है। मैं उसके पास नहीं होना चाहती।

"नहीं...जाने दो।" मैंने खुद को उसकी पकड़ से छुड़ाते हुए पाया। मैं उसे पीछे धकेल रही हूं...जूझ रही हूं।

"मुझे मत छुओ।" मैं फुफकारी। मैंने उसे आंखों में आंखें डाल कर घूरा और वह चकित भाव से मुझे देखे जा रहा है।

"तुम्हें ये सब पसंद है? मुझे इस हाल में लाना?" मैंने गाउन के बाजू से मुंह पोंछते हुए कहा

उसने हैरानी से ताका।

"मैंने आज तक तुमसे बड़ा हरामजादा नहीं देखा।"

"एना!" वह गिड़गिड़ाया।

"खबरदार! मुझे एना कहा। ग्रे, तुझे अपने इन काले कारनामों से खुद ही निपटना होगा।" मैं मुड़ी और चुपचाप उस कमरे से निकल गई।

बाहर जाकर दरवाजे के पास ही पीठ टिका कर सोचने लगी कि मैं कहां जाऊं? क्या मैं भाग जाऊं? क्या मैं यहीं रुकूं? मैं गुस्से से पागल हो रही हूं, गालों पर बहते आंसुओं को सख़्ती से पोंछ दिया। मैं चाहती हूं कि कहीं शरीर को सिकोड़ कर लेट जाऊं और अपने बिखरे विश्वास को सहेजने की कोशिश करूं। मैं इतनी पागल कैसे बन गई? बेशक इस प्रक्रिया में चोट तो आनी ही थी।

मैंने अपना पिछला हिस्सा सहलाया। आह! ये तो सूज गया है। कहां जाऊं? उसके कमरे में नहीं? मेरे कमरे में? या वह कमरा मेरा होगा, नहीं, मेरा है... मेरा था। तभी वह चाहता था कि मैं अपने पास एक कमरा लूं। वह जानता था कि मुझे उससे दूरी रखने की ज़रूरत होगी।

मैं उसी दिशा में चल दी। कमरे में अंधेरा था। मैं पलंग पर आराम से लेट गई। गाउन को अपने आसपास लपेटा और तकिए में मुंह छिपा कर ज़ोर-ज़ोर से सुबकियां भरने लगी।

मैं क्या सोच रही थी? मैंने उसे अपने साथ ऐसा क्यों करने दिया? मैं देखना चाहती थी कि वह किस हद तक बुरा हो सकता था? पर ये सब तो हद है। हां, वह भले ही यह सब करता आया हो पर यह मेरे बस की बात नहीं है।

शुक्र है कि सही समय पर आंख खुल गई। वह तो मुझे शुरू से ही चेतावनी देता आ रहा है कि वह एक आम आदमी नहीं है। उसकी कुछ ज़रूरतें हैं और मैं वे पूरी नहीं कर सकती। मुझे अब जाकर एहसास हुआ है। मैं कभी नहीं चाहूंगी कि वह मुझे दोबारा ऐसे मारे। वह दो बार मुझे मार चुका है। क्या उसके लिए यह सब एक खेल है? क्या अभी उसका दिल नहीं भरा? मैं सुबकियां भरने लगी। मैं उसे खोने जा रही हूं। अगर मैं उसे यह सब नहीं दे सकती तो शायद वह मेरा साथ भी नहीं चाहेगा। क्यों? क्यों? क्यों? मैं इस फिफ्टी शेड्स के प्यार में पड़ी ही क्यों? क्यों? मैं जोस, पॉल क्लेटन या अपने जैसे किसी इंसान को अपना दिल क्यों नहीं दे सकी?

ओह! जब मैं वहां से आई तो वह मुझे कैसी मायूस निगाहों से देख रहा था। मैंने बेरहम रवैया दिखाया क्योंकि मैं खुद टूट गई थी...

क्या वह मुझे माफ कर देगा?...क्या मैं उसे माफ कर दूंगी? मेरे दिमाग में तरह-तरह के ख़्याल चक्कर काट रहे हैं, गुलाटियां लगा रहे हैं और उछल-कूद कर रहे हैं। सयानी लड़की बैठी सिर हिला रही है और अंदर रहने वाली लड़की का तो कोई अता-पता नहीं है। मेरी आत्मा गहरे अंधेरों में मंडरा रही है। मैं कितनी अकेली हूं। मुझे मेरी मॉम चाहिए। मुझे वे शब्द याद आए, जो उन्होंने विदा लेते समय कहे थे:

डार्लिंग अपने दिल की सुनो और मेहरबानी करके बातों पर ज़रूरत से ज़्यादा विचार मत करो। बच्ची! तुम अभी छोटी हो और तुम्हें बहुत से अनुभव लेने हैं। उन्हें अपने जीवन में घटने दो। हां, तुम सबसे बेहतर की उम्मीद रखती हो।

मैंने अपने दिल की सुनी और अब टूटे दिल और शरीर के साथ बैठी हूं। मुझे यहां से जाना ही होगा... बहुत हुआ। बस, अब यहां से चल दूं। वह मेरे किसी काम का नहीं और न ही मैं उसके किसी काम की हूं। हम एक साथ जी भी कैसे सकते हैं? पर साथ ही उसे फिर से न देख पाने की कचोट भी होने लगी। ......मेरा फिफ्टी शेड्स।

मैंने दरवाजा खुलने की आवाज़ सुनी। अरे नहीं–वह यहां आ गया। उसने पास की मेज़ पर कुछ रखा और मेरे साथ आकर लेट गया।

हम्म! उसने सांस ली और मेरा दिल चाहा कि उससे छिटक परे चली जाऊं लेकिन जैसे पूरा शरीर अपंग हो गया। मैं अब हिल भी नहीं सकती।

"एना! प्लीज़ मुझसे नाराज़ मत हो।" उसने मुझे पीछे से बांहों के घेरे में लिया और बालों में नाक फिराने लगा। फिर गर्दन चूम ली।

"मुझसे नफ़रत मत करो।" उसकी आवाज़ सुन कर ही मेरा गला रुंधने लगा। मेरा दिल कचोट रहा है और मैं सुबकियां भरने लगी। वह मुझे लगातार चूमता रहा पर आज उसका एक भी चुंबन मुझे अच्छा नहीं लगा रहा है।

हम कितनी देर यूं ही लेटे रहे, दोनों में से कोई कुछ नहीं बोला। उसने मुझे थामे रखा और धीरे-धीरे मेरा रोना थम गया। सुबह होने पर भी हम यूं ही लेटे रहे।

"मैं एक दर्दनिवारक गोली एडविल और अर्निका क्रीम लाया हूं।" उसने बड़ी देर बाद कहा।

मैंने उसकी ओर मुंह घुमाया। मेरा सिर उसके बाजू पर टिका है। उसकी भूरी आंखों में एक चौकन्ना-सा भाव है।

मैं उसके खूबसूरत चेहरे को ताक रही हूं। वह कुछ ही समय में मेरे लिए कितना प्यारा बन गया है। वह बिना कुछ कहे अपलक भाव से मुझे ही ताक रहा है। ओह! यह कितना सुंदर है। जी करता है कि बस देखते ही रहो। यह कितने थोड़े ही समय में मेरे लिए अपना बन गया है। मैंने उसके गालों और दाढ़ी को अपनी अंगुलियों से छुआ। उसने आंखें बंद कर गहरी सांस ली।

"मुझे माफ कर दो।" मैं हौले से बोली।

उसने आंखें खोल कर उलझन भरी निगाहों से देखा।

"किसलिए?"

"मैंने जो कहा, उसके लिए।"

"तुमने तो ऐसा कुछ नहीं कहा, जो मैं नहीं जानता था।" उसकी आंखों में सुकून के साए लहरा गए–"माफ कर दो, मैंने तुम्हें चोट पहुंचाई।"

मैंने कंधे झटके। मैंने ही तो कहा था और अब मैं जानती हूं। मैंने थूक गटका। अब मुझे अपनी बात कहनी ही होगी। "मुझे नहीं लगता कि मैं वह सब बन सकती हूं, जो तुम मुझसे चाहते हो।" उसकी आंखों में वही डर दोबारा लौट आया।

"मैं तुमसे जो भी चाहता हूं, तुममें वह सब है।"

"क्या?"

"मैं समझ नहीं पा रही। मैं हुक्म मानने वालों में से नहीं हूं और तुम पक्का जान लो कि अपने साथ ऐसा बर्ताव दोबारा नहीं होने दूंगी। तुमने कहा कि ये सब तुम्हारी ज़रूरत है।"

उसने एक बार फिर से आंखें बंद कर लीं और चेहरे कई रंग तैर गए। आंखें खोलीं तो एक नया ही रूप सामने था।

"तुम ठीक हो। मुझे तुम्हें जाने देना चाहिए। मैं तुम्हारे लिए सही नहीं हूं।"

मेरी खोपड़ी पर लगा एक-एक बाल सिहर उठा। ऐसा लगा कि पल भर में वह मुझसे कितना दूर चला गया था।

"मैं जाना नहीं चाहती।" मैं बोली। हद हो गई। या यह सब भुगत या यहां से चली जा। मेरी आंखों से गंगा-जमुना बह निकली।

"मैं भी नहीं चाहता कि तुम जाओ। तुमसे मिलने के बाद मेरी ज़िंदगी में एक नई बहार आ गई है।" उसने मेरे गाल पर बह आये आंसू पोंछते हुए कहा।

"मैं भी! क्रिस्टियन, मैं तुमसे प्यार करने लगी हूं।"

उसकी आंखों में छिपा डर साफ दिख रहा था।

"नहीं!" ऐसा लगा कि उसका दम ही निकल गया हो।

"एना! तुम मुझसे प्यार नहीं कर सकतीं। एना! ...ये गलत है।"

"गलत? क्या गलत है?"

"ज़रा देखो! मैं तुम्हें खुश नहीं रख सकता।" उसका स्वर बुझा हुआ है।

"पर तुम मुझे खुशी देते हो।" मैंने त्योरी चढ़ाई।

"नहीं, अभी तो ऐसा नहीं है। कम से कम मैं अब जो कर रहा हूं उसके साथ तो नहीं।"

मेरे दिमाग में पिछली सेक्स गुलामों का ध्यान आ गया। बेचारी लड़कियां! शायद यहीं इनके मेल में कमी आई होगी।

"क्या हम इन चीज़ों से कभी उबर नहीं सकते?" मेरा सिर भन्ना रहा है।

उसने अपनी गर्दन हिलाई। मैंने आंखें बंद कर लीं। मैं उसे देख नहीं पा रही।

"तो मैं जाना चाहूंगी..." मैं हल्की कराह के साथ उठी।

"नहीं, मत जाओ।" वह भयभीत लगा।

मेरे यहां रहने का कोई तुक नहीं है। अचानक ही मैं थकान महसूस कर रही हूं और यहां से जाना चाहती हूं। मैं पलंग से उतरी तो वह पीछे-पीछे आ गया।

"मैं कपड़े बदलने जा रही हूं। थोड़ा एकांत चाहूंगी।" मैंने सपाट सुर में कहा और बाहर बड़े कमरे को देखा और याद किया कि कैसे कुछ ही घंटे पहले मैं वहां पिआनो पर उसके कंधे पर सिर टिकाए खड़ी थी। तब से कितना कुछ घट गया है। मेरी आंखें खुल गई हैं और मैंने जान लिया है कि वह मेरे प्यार के लायक नहीं है। मेरा डर सामने आ गया है। अजीब बात यह है कि इससे मुझे आजादी का सा एहसास हो रहा है।

दर्द इतना है कि मैंने उस ओर ध्यान न देने की सोच ली है। ऐसा लगता है कि शरीर सुन्न हो गया है। मानो मैं खुद ही शरीर से परे हटकर उसकी दुर्दशा देख रही हूं। मैं झट से नहाई और सब कुछ मशीनी तरीके से करती गई। बॉडी वाश से साबुन निकाला। शरीर पर मला। पानी से नहा कर शरीर पोंछा। बाल नहीं धोए थे इसलिए शरीर को सुखाने में देर नहीं लगी। अपने सूटकेस से निकाली गई जींस और टी-शर्ट पहनी। जींस पहनते समय हुए दर्द ने एक बार सब याद दिला दिया। उसी वजह से मेरा दिमाग ज़रा दूसरी ओर चला गया और मैंने इसी में अपनी भलाई जानी वरना सोच-सोच कर दिमाग की नसें चटक रही थीं।

सूटकेस बंद करने लगी तो वह तोहफा दिखा, जो मैं उसके लिए लाई थी। ब्लानिक एल 23 ग्लाइडर की मॉडल किट! इसे बना कर तैयार करना होता है। मेरी आंखों में फिर से आंसू आने लगे.....हमने एक साथ कितने खुशियों से भरे पल बिताए हैं। मैंने उसे बैग से निकाला। जल्दी से कागज़ का एक टुकड़ा लिया और बॉक्स पर एक पुर्जा लिख कर रख दिया:

वह मुझे खुशनुमा पलों की याद दिलाता है।

धन्यवाद

एना!

मैंने खुद को शीशे में देखा। आंखें जैसे मुरझाई हुई और भूतिया-सी दिख रही हैं। मैंने बालों को जूड़े में बांधा और रोने से सूज गई आंखों को देखकर भी अनदेखा कर दिया। मेरे सारे सपने और उम्मीदें कैसे बिखर गए हैं। नहीं, नहीं मुझे अब इस बारे में और नहीं सोचना चाहिए। अभी नहीं और कभी नहीं! गहरी सांस लेते हुए मैंने अपना सामान लिया और ग्लाइडर को उसके तकिए पर रख कर बाहर आ गई।

क्रिस्टियन फोन पर है। वह काली जींस व टी-शर्ट में है। उसका चेहर फक्क पड़ा हुआ है।

"उसने क्या कहा। वह चिल्लाया और मैं चौंक गई। कम से कम वह हमें सच तो बता सकता था। उस नंबर का क्या है? मैं उससे बात करता हूं। वेल्क! ये तो अति हो गई है। उसने लगातार मुझे ही देखते हुए कहा। खोजो उसे..." फिर उसने फोन बंद कर दिया।

मैं काउच के पास आई और सामान लेते हुए उसे अनदेखा करने की कोशिश की। मैंने उसमें से मैक निकाला और उसे रसोई की शेल्फ पर रख दिया, वहीं कार की चाबी और फोन भी रख दिए। वह हैरानी और डर के मिले-जुले भावों से देख रहा है।

"मुझे वे पैसे चाहिए जो टेलर को बीटल बेच कर मिले थे।" मैं बेलाग बोल रही हूं।

"एना! मुझे ये चीजें नहीं चाहिए। वे तुम्हारी हैं।" उन्हें साथ ले जाओ।

"नहीं क्रिस्टियन! मैंने केवल तुम्हारे साथ के कारण उन्हें रखा था। अब उन पर मेरा हक नहीं है।"

"एना! ऐसे मत कहो। ज़रा सोचकर बोलो।" वह इन हालात में भी मुझे फटकारने से बाज़ नहीं आया।

"मैं ऐसी कोई चीज़ नहीं रखना चाहती, जो मुझे तुम्हारी याद दिलाए। मुझे बस मेरी कार के पैसे दे दो।"

"क्या तुम सचमुच मेरा दिल दुखाने की कोशिश कर रही हो?"

"नहीं। बेशक नहीं... मैं तुमसे प्यार करती हूं। मैं ऐसा नहीं कर रही है। मैं खुद को बचाने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि तुम मुझे उस तरह नहीं चाहते, जैसे कि मैं तुम्हें चाहती हूं।"

"प्लीज एना! वो सामान ले जाओ।"

"क्रिस्टियन मैं लड़ना नहीं चाहती। मुझे मेरे पैसे दे दो।"

उसने आंखें सिकोड़ीं पर मैं आज उससे डर नहीं रही।

"क्या चेक ले लोगी?"

"हां। तुम इस काम में तो होशियार हो।"

वह मुस्कुराया नहीं और सीधा अपनी स्टडी की ओर चल दिया। मैंने उसके कमरे की कलाकृतियों और चित्रों पर नज़र मारी। अचानक ही पिआनो पर नज़र गई। अगर उस समय बात न बिगड़ी होती तो शायद हम पिआनो पर ही...। उस सोच ने मन को और भी उदास कर दिया। आज तक उसने मुझसे प्यार नहीं किया। क्या कभी किया है? हमने हमेशा शरीर का नाता जोड़ा है, मन का नाता तो कभी जुड़ा ही नहीं।

क्रिस्टियन लौटा और मुझे एक लिफाफा थमा दिया।

"टेलर को अच्छे पैसे मिले। वह एक क्लासिक गाड़ी थी तुम उससे पूछ लेना। वह तुम्हें घर छोड़ देगा।" उसने मेरे कंधे की ओर संकेत किया। मैंने मुड़कर देखा तो टेलर हमेशा की तरह सूट-बूट में लैस खड़ा दिखा।

"नहीं, ठीक है। मैं खुद जा सकती हूं। धन्यवाद!"

"क्या तुमने हर कदम पर मुझे नीचा दिखाने की ठान ली है?"

"मैं अपनी आदतें क्यों बदलूं?" मैंने माफी मांगने के अंदाज़ में कंधे झटके।

उसने कुंठा से आंखें मूंद कर बालों में हाथ फिराया।

"प्लीज़ एना! टेलर को तुम्हें घर छोड़ आने दो।"

"मैं कार लाता हूं। मिस स्टील।" टेलर ने अपना हक जताया और चला गया।

मैंने मुड़कर क्रिस्टियन को देखा। हम चार कदम की दूरी पर हैं। वह आगे आया और मैंने कदम पीछे हटा लिया। उसकी आंखें दुख और गुस्से जल रही हैं।

"मैं नहीं चाहता कि तुम यहां से जाओ।" उसकी आवाज़ में तड़प छिपी है।

"मैं यहां नहीं रह सकती। मैं जानती हूं कि मैं क्या चाहती हूं और तुम वह मुझे नहीं दे सकते और मैं तुम्हें वह नहीं दे सकती, जो तुम चाहते हो।"

उसने आगे आकर मेरे हाथ थाम लिए।

मैंने हाथ परे करने चाहे। मैं अब उसकी छुअन भी नहीं सह पा रही। मैं ऐसा नहीं कर सकती।

मैं अपना सामान लेकर बाहर निकल गई और वह कुछ दूरी रखते हुए मेरे पीछे आने लगा। उसने लिफ्ट का बटन दबाया और मैं उसमें चली गई।

"अलविदा क्रिस्टियन।" मैंने कहा

"एना गुडबाय!" उसने हौले से कहा और उसके आंखों में भी दिल टूटने के वही भाव दिख रहे थे, जिन्हें मैं महसूस कर रही थी। अचानक लगा कि मुझे अपनी राय बदलकर उसे दिलासा देना चाहिए।

तभी लिफ्ट का दरवाजा बंद हुआ और मैं अपने ही बनाए जहन्नुम की ओर चल दी।

टेलर ने दरवाजा खोला और मैं कार में बैठ गई। मैं उससे नज़रें बचा रही थी। शर्मिंदगी और शर्म के मारे मुंह नहीं उठ रहा था। मैं बुरी तरह से हारी थी। मैंने चाहा था कि अपने फिफ्टी शेड्स को अंधेरों से बाहर खींच लाऊं पर ऐसा नहीं कर सकी। खिड़की से बाहर कुछ देर तक देखने के बाद अचानक ही ऐसा लगा कि कुछ गलत हो गया था। ओह नहीं, मैं तो उसे छोड़ आई थी। वह मेरी ज़िंदगी का इकलौता मर्द था, जिसे मैंने चाहा था। इकलौता मर्द, जिसे मैंने अपना शरीर सौंपा। अचानक ही दर्द की लहर दौड़ उठी। आंखों से आंसू बहने लगी और मैंने उन्हें झट से पोंछकर बैग में धूप के चश्मे के लिए हाथ मारा। हम लाल बत्ती पर रुके तो टेलर ने मेरे लिए लिनन का एक रुमाल निकाला। न कुछ बोला और न ही मेरी ओर देखा, मैंने बड़े ही आभार से उसे ले लिया।

"धन्यवाद!" उसके इस दयालु बर्ताव ने मेरे दिल को छू लिया और मैं उस आलीशान गाड़ी की पिछली सीट पर बैठी रोती रही।

अपार्टमेंट पूरी तरह से खाली होने के कारण और भी दुखदायी लग रहा है। मैं यहां कुछ ही दिन रही हूं इसलिए अभी घर जैसा एहसास भी नहीं होता। मैं अपने कमरे में गई और सीधा जूतों सहित पलंग पर गिर गई। वहीं बिना हवा का हेलीकॉप्टर वाला गुब्बारा भी टंगा है। चार्ली टैंगो भी मेरी तरह ही लग रहा है। मैंने गुस्से में आकर उसे वहां से उतारा पर फिर अपने गले से लगा लिया।

ओह–मैंने क्या कर दिया?

मेरा दर्द सहन नहीं हो पा रहा...मानसिक दर्द... शारीरिक दर्द... यह दर्द तो चारों ओर है... यह मेरी हड्डियों तक में घुसा पड़ा है। दुख... मैंने तो इसे खुद ही मोल लिया है। अंदर ही अंदर भीतर रहने वाली लड़की बुरी तरह से कुढ़ी पड़ी है। उसे मेरी हरकत पसंद नहीं आई। इस तकलीफ के आगे बेल्ट की मार से हुआ दर्द तो कुछ भी नहीं है। मैं गुब्बारे और टेलर के रुमाल के साथ ही वहीं सिकुड़ कर लेटी रही और अपने-आप को इस दुख के हवाले कर दिया।

डायमंड बुक्स की अगलीश्रृंखला

फिफ्टी शेड्स ट्रॉयोलॉजी

रोमांटिक और पूरी तरह से मदहोश बना देने वाले उपन्यासों की ऐसी श्रृंखला जो आपके दिल पर छा जाएगी, दीवाना बना देगी और हमशा के लिए आपकी हो जाएगी

फिफ्टी शेड्स फ्रीड

-ई. एल. जेम्स

क्या ग्रे और एना के लिए एक सुखांत संभव है?
फिफ्टी शेड्स ट्रॉयोलॉजी का तीसरा और अंतिम उपन्यास

जब एना स्टील का सामना पहले-पहल उस बिखरे और मन ही मन उजड़े हुए उद्यमी क्रिस्टियन ग्रे से हुआ, तो दोनों के बीच एक ऐसा सनसनीखेज प्रेम प्रसंग पनपा, जिसने उन दोनों की ज़िंदगियां बदल कर रख दीं।

एना हमेशा से जानती थी कि फिफ्टी शेड्स को प्यार करना इतना आसान नहीं होगा। साथ रहने से ऐसी नई-नई चुनौतियां सामने आएँगीं, जो उन्होंने कभी सोची भी नहीं होंगी। एना को अपनी आजादी खोए बिना, ग्रे की अमीरी से भरी जीवनशैली को अपनाना सीखना होगा। ग्रे को सीखना होगा कि दूसरों को पूरी तरह से काबू करने की लत पर नियंत्रण पाए और अपने बचपन की उन कड़वी यादों और डर से खुद को मुक्त करे।

अब, जबकि वे साथ हैं तो वे प्यार, जुनून, अंतरंगता, धन और अनंत संभावनाओं के मुक्त आकाश के बीच हैं।

पर जब ऐसा लगने लगा था कि सब ठीक हो गया तो त्रासदी और किस्मत...दोनों ने मिल कर एना के उन दु:स्वप्नों को फिर से ज़िंदा कर दिया...।

डायमंड बुक्स की अगलीश्रृंखला

फिफ्टी शेड्स ट्रॉयोलॉजी

रोमांटिक और पूरी तरह से मदहोश बना देने वाले उपन्यासों की ऐसी श्रृंखला जो आपके दिल पर छा जाएगी, दीवाना बना देगी और हमेशा के लिए आपकी हो जाएगी।

फिफ्टी शेड्स डार्कर

-ई. एल. जेम्स

इसके बाद ग्रे और एना ने क्या किया: फिफ्टी शेड्स ट्रॉयोलॉजी का दूसरा नशे और मस्ती से भरपूर उपन्यास

युवा उद्यमी ग्रे के गहरे काले रहस्यों से पीड़ित एना स्टील अपने संबंध को तोड़ कर आगे बढ़ जाती है ताकि एक यू.एस. प्रकाशन गृह के साथ नए कैरियर की शुरुआत कर सके।

पर दिन-रात, सोते-जागते ग्रे की सोच उसका पीछा नहीं छोड़ती। जब ग्रे एक नई व्यवस्था के साथ दोबारा सामने आता है तो वह इंकार नहीं कर पाती। जल्द ही वह उस इंसान के बिखरे अतीत के कुछ पन्नों का इतिहास जान लेती है। उसने कभी सोचा तक न था कि उसका फिफ्टी शेड्स ज़िंदगी के इतने कड़वे पचासों रंग देख चुका था।

पर जब ग्रे अपने ही भीतरी राक्षसों से लड़ रहा है तो एना को अपने जीवन का एक अहम फैसला लेना है।

एक ऐसा फैसला...जिसे केवल वह ही अकेले ले सकती है...।